बैंकॉक

गिरे हुए स्वर्गदूतों का शहर

फ्रैंक पौपार्ट

रोमन

राजद्रोह

Table of Contents

प्रस्तावना

मैं

द्वितीय

तृतीय

चतुर्थ

वी

छठी

सातवीं

आठवीं

नौवीं

एक्स

ग्यारहवीं

बारहवीं

तेरहवें

XIV

XV

सोलह

उपसंहार

बैंकॉक

गिरे हुए फरिश्तों का शहर

प्रस्तावना

वह माफी मांगते हुए मुस्कुराते हुए मेरे बगल में बैठ गई। बीस साल से भी कम उम्र की, मासूम चेहरे वाली, कंधे तक लंबे बालों वाली और मानो हवाई जहाज में खोई हुई सी लग रही थी।

मैंने उसका सामान ऊपर वाले डिब्बे में रखने में मदद की। उसकी प्यारी सी परेशानी और इकोनॉमी क्लास की तंगी ने हमें और करीब ला दिया। मैंने उसे सहज महसूस कराने के लिए थाई भाषा में कुछ फुसफुसाया। फिर उसने मुझे अपनी उस प्यारी सी मुस्कान से नवाज़ा जिसे मैं यूरोप में बहुत याद करती हूँ। हम एक शोरगुल भरे समूह से घिरे हुए थे जो एक संगठित टूर पर था: धोखेबाज़ अल्बी से सेवानिवृत्त लोग जो शायद न तो अंग्रेजी समझते थे और न ही थाई। उसने मुझे बताया कि यह पहली बार था जब वह अपने देश से बाहर निकली थी।

फिर मैंने उससे पूछा कि वह फ्रांस में क्या कर रही है, मुझे पहले से ही अंदाज़ा था कि जवाब क्या होगा। कुछ देर की चुप्पी के बाद, उसने बताया कि वह अपने होने वाले पति से मिलने के लिए वीज़ा लेकर आई है। फिर उसने मुझसे पूछा कि मैं उसके देश क्यों आया हूँ। मैंने समझाया कि मैंने थाईलैंड पर एक किताब लिखी है और उसके बारे में बात करने के लिए बैंकॉक आया हूँ। अचानक वह उत्साह से बोली, "तो आपका काम कहानियां सुनाना है!"

शराब के असर से, शर्मीली यात्री धीरे-धीरे एक बातूनी युवती में बदल गई और मुझे अपने बारे में और अपने जीवन के बारे में बताने लगी। आधी रात हो चुकी थी। स्क्रीन पर बाहर का तापमान -52 डिग्री सेल्सियस दिखा रहा था। हमारा विमान बर्फीले वातावरण में एक गर्म टुकड़े की तरह धंसता जा रहा था। हमारे चारों ओर, परछाइयाँ बेमन से सीटों की असुविधा से जूझ रही थीं। उसने अपने बैग से संग सोम की एक बोतल निकाली, जो थाई व्हिस्की थी और ड्यूटी-फ्री खरीदी गई थी, और हमारे गीले प्यालों को फिर से भर दिया, मानो उड़ान को लंबा खींचना चाहती हो। हमें सो जाना चाहिए था, लेकिन वह मुझे अपनी जीवन कहानी सुना रही थी। वैसे भी, शराब हो या न हो, मैं विमान में कभी नहीं सोता। मध्य एशिया के सुनसान मैदानों के ऊपर एक बर्फीले धातु के ढांचे में 952 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से यात्रा करना, नींद के लिए आवश्यक शांति के साथ बिल्कुल मेल नहीं खाता: वह अंतरंग क्रिया जहाँ शरीर दुनिया के सामने कमजोर और असहाय होकर आत्मसमर्पण कर देता है।

मेरी युवा पड़ोसी को अपनी कहानी सुनाने की तीव्र इच्छा हो रही थी, मानो किसी अजनबी से अपने दिल की बात कह रही हो, जिससे शायद फिर कभी मुलाकात न हो। बीच-बीच में, जब मुझे उसकी थाई भाषा समझ नहीं आती थी, जिसमें अंग्रेज़ी के शब्द भी मिले हुए थे, तो मैं उसे टोक देती थी। फिर, उसका भरा हुआ, मोहक मुँह रुक जाता, उसकी शरारती आँखें एक छोटी थाई-अंग्रेज़ी शब्दकोश पर टिक जातीं, सही शब्द की तलाश में। मैं इस अवसर का लाभ उठाकर उसे उत्सुकता से निहारती, उसकी चमकती सुंदरता की प्रशंसा करती। जब उसे सही शब्द मिल जाता, तो वह विजयी भाव से अपनी तर्जनी उंगली उस शब्द पर रखती और फिर मेरी ओर देखकर मुस्कुराती, मानो यह सुनिश्चित कर रही हो कि मैं समझ गई हूँ। बारह घंटे की उड़ान एक सपने की तरह गुज़री। मैंने इस युवती को, जिसे संयोगवश मेरे बगल में बैठाया गया था, बिना कुछ छिपाए अपनी पूरी ज़िंदगी मेरे सामने प्रकट करते हुए सुना; शायद वह अपने नए जीवन की शुरुआत से पहले आत्म-विश्लेषण करना चाहती थी। आगे के शब्द लगभग उसी के हैं। मैं तो बस उन्हें शब्दों में पिरो रही हूँ।

क्योंकि, जैसा कि वह कहती हैं, मेरा काम कहानियां सुनाना है।

रात में यादें मुझ पर हावी हो जाती हैं, ठीक वैसे ही जैसे मानसून की कुछ रातों में सड़कों को डुबो देने वाली मूसलाधार बारिश। एक शक्तिशाली, धूसर पानी जिसे रोकना नामुमकिन लगता है। एक कीचड़ भरा सैलाब जो सबसे खूबसूरत चीजों को भी मैला कर देता है, मेरी बचपन की यादों को चकनाचूर कर देता है, घरों को बहा ले जाता है, और कभी-कभी अपनों को भी।

जब यादों का सैलाब थमता है, तो मुझे साईं की तेजस्वी मुस्कान, नियॉन लाइटों की तेज़ चमक और उनके नग्न शरीर ज़्यादा साफ़ दिखाई देते हैं। मैं उन लुप्त हो चुके चेहरों को सहलाना चाहता हूँ, लेकिन तूफ़ान और तेज़ हो जाता है, और मेरी यादों की नालियाँ गाढ़े, काले पानी से भर जाती हैं जो उन्हें एक बार फिर अतीत के भंवर में डुबो देता है। जब आख़िरकार भोर होती है, तो मुझे लगता है कि जो कुछ भी हुआ वह बस एक बुरा सपना था, कि मैं अपनी माँ के घर में जागूँगा, कि वह मुझे देखकर मुस्कुराएगी, और फिर पत्तों में हवा की सरसराहट के अलावा कुछ नहीं होगा।

इस पूरी कहानी की शुरुआत नट और साई से हुई। उनके बिना, इनमें से कुछ भी नहीं होता। और फिर बाकी सब हैं... पागल कुत्ता कोब, सोने के दिल वाली वेश्या युफा, विद्रोही प्रिचा... और फिर, मिस टेकीला, मुझे उनके बारे में भी आपको बताना होगा। हाँ, बाकी सब, वे सभी जो कभी न कभी मेरे रास्ते में आए और जो अतीत की गहराइयों में विलीन हो गए।

लेकिन देखो, मैं तुम्हारे जैसा नहीं हूँ, मुझे कहानियाँ सुनाना नहीं आता। मैं अंत से शुरू करता हूँ और तुम्हें कुछ समझ नहीं आएगा। मेरी याददाश्त पूरी तरह से खराब हो चुकी है। शराब और एम्फ़ेटामाइन ने मेरा दिमाग़ उलट-पुलट कर दिया है। यादें धुंधली रूपरेखा वाले बादलों की तरह रुक-रुक कर आती हैं। अच्छी यादें तब आती हैं जब मैं खुश होता हूँ, बाकी समय दूसरी यादें आती हैं। हाँ, मुझे शुरू से ही शुरू करना पड़ता है।

कहानियां सुनाने का यही तरीका होता है, है ना?

मैं

आरंभ में मेरा गाँव था... और मेरा गाँव ही संसार था।

मुझे याद करने दो... ऐसा लगता है जैसे यह किसी और जन्म की बात हो, जबकि यह एक साल पहले की ही बात है।

यूकेलिप्टस के जंगल से निकलते हुए, मैदान की ओर जाने वाली सड़क से, उत्तर से आने वाले केवल सबसे शांत और ध्यान से देखने वाले यात्री ही दूर से धान के खेतों की झिलमिलाती जालीदार आकृति पर लटके हुए कुछ लकड़ी के मकानों को देख पाते हैं। अधिकांश लोग तो मेरे गाँव को भी नहीं देखते, जो ओस से लदे मकड़ी के जाले में फंसी एक काली मक्खी जैसा दिखता है। वे आम तौर पर दक्षिण की ओर लगभग बीस किलोमीटर और आगे बढ़ते हैं और बुरिराम पहुँचते हैं: पूर्वोत्तर के प्रांतीय राजधानियों में से एक, जिसे हम अपने लोग इसान कहते हैं। एक ऐसा क्षेत्र जो युद्ध की अनिश्चितताओं के कारण थाईलैंड साम्राज्य को मिला, हालाँकि बाकी सब कुछ लाओस की ओर अधिक इशारा करता है।

थाईलैंड में बुरिराम जैसे दर्जनों कस्बे हैं: एक उमस भरा गांव, जहां दिन भर उमस रहती है, और जहां सप्ताह का सबसे महत्वपूर्ण आयोजन हमेशा से गुरुवार की सुबह लगने वाला बड़ा बाज़ार रहा है। स्थानीय समाचार पत्रों में शायद ही कभी कृषि मेलों, कोने की दुकानों पर चल रहे नए-नए ऑफर्स, धार्मिक समारोहों या आने वाली फसल की स्थिति के अलावा किसी और चीज़ का ज़िक्र होता है। वास्तव में, अगर इस गांव के महत्वहीन होने का कोई प्रमाण चाहिए, तो वह इस स्थापित तथ्य में मिल जाएगा कि कोई भी बुरिराम घूमने नहीं आता और पर्यटक गाइड इसका ज़िक्र कभी नहीं करते, या ज़्यादा से ज़्यादा, इसे अन्य, अधिक देखने लायक जगहों के रास्ते में एक पड़ाव के रूप में ही बताते हैं—लेकिन मैं यह बात अब कह सकता हूँ क्योंकि मुझे कुछ और पता है। मेरे बचपन में, अगर मेरा गांव अपरिवर्तनीय नियतियों से बनी एक स्थिर दुनिया का केंद्र था, तो बुरिराम सौर मंडल का आकर्षक केंद्र था, वह स्थान जहाँ से सभी प्रकाश की उत्पत्ति होती थी।

मैं कहाँ था? हाँ, मेरा गाँव! एक बड़ी काली मक्खी, दिन की तपती गर्मी में पकी मिट्टी की गंध लिए हुए। चारों ओर धान के खेत और खेतों के दर्पण में प्रतिबिंबित आकाश। आकाश धरती को उपजाऊ बनाता

है। धान उनका बच्चा है। आकाश ही तय करता है कि जीवन सुखमय होगा या मेरी माँ को साल गुजारने के लिए उधार लेना पड़ेगा। अप्रैल सबसे क्रूर महीना है; यह ग्रामीण इलाकों को सुखा देता है, प्यासी धरती गर्मी से सिकुड़ जाती है। जब मानसून के काले बादल छंट जाते हैं, तो बारिश अपने पीछे गीली, ताज़ी जोती मिट्टी की खुशबू छोड़ जाती है, जो नाक में भर जाती है, और प्रकृति का पुनर्जन्म होता है।

जब मैं अपनी यादों में बसी सबसे पहली अनुभूति को याद करने की कोशिश करती हूँ, तो चित्र और आवाज़ें गायब हो जाती हैं। बस सन्नाटा और अंधेरा छा जाता है, लेकिन इस विशाल शून्य में, केवल एक ही खुशबू रह जाती है। वह हमेशा मेरी माँ की वेनिला की खुशबू होती है जो मुझे याद आती है। वह खुशबू जो उनसे तब निकलती थी जब वह मुझे अपनी बाहों में लेती थीं और मैं अपना चेहरा उनकी गर्म, सुकून देने वाली छाती में छिपा लेती थी। बाद में मुझे समझ आया कि लोग मुझे टॉय क्यों कहते थे जबकि मेरा असली नाम जैदी है। इसका अर्थ है "दयालु हृदय"। बचपन में मेरा हृदय दयालु था; बाद में चीजें बिगड़ गईं।

बहुत जल्दी, दूसरों के संपर्क में आने से, मैं मजबूत बन गई। एक ऐसी लड़की जो टिन की छत वाले छोटे स्कूल के आंगन में छुट्टी के समय लड़ाई करती है। शरारती बच्चे मुझे टॉम्बॉय टॉय कहते हैं!... टॉम्बॉय टॉय!... क्योंकि मैं एक लड़के के रूप में पुनर्जन्म लेना चाहती हूँ ताकि एक दिन मैं अपनी माँ की तरह कोमल छाती में अपना चेहरा छिपा सकूँ, सिवाय इसके कि मैं अपने भाई के साथ भोर में मछली पकड़ने जाऊँ।

दिन ढलते ही मेरी बचपन की यादें ताज़ा हो जाती हैं। धान के खेतों से निकलकर पैरों पर लगाई गई मिट्टी की पट्टियाँ... मेरी माँ द्वारा चाकू से छिले गए आमों का गाढ़ा रस... कटहल के पत्तों से छनकर ज़मीन पर गिरती सुनहरी बूँदें... मानसून की गर्म बारिश... रात के बगीचे की एक साथ सुगंधित और दुर्गंधयुक्त महक... रात के खाने के बाद जब हम घर से बाहर ताज़ी हवा लेते हैं तो पौधों की चमकदार ठंडक। गाँव में, सभी अनुभूतियाँ प्रकृति से उत्पन्न होती हैं, या उसी से जुड़ी होती हैं।

कभी-कभी, जब मेरी माँ शराब पी लेती है, तो वह रोने लगती है, और मुझे यह बहुत बुरा लगता है। ऐसा लगता है जैसे कोई ताकतवर हाथ मेरे पेट में गहरा चाकू घोंप रहा हो। क्यों रोती है? किसके लिए? मेरे पिता के लिए या उन मजदूरों के लिए जो निर्माण स्थल पर काम करते समय हमारे घर पर सोते हैं? निराशा के क्षणों में, चावल की शराब के नशे में, वह चिल्लाती है कि मैं बिगड़ जाऊँगी, मैं गंदी लड़की हूँ, बदचलन हूँ, वेश्या हूँ। वह अपने बर्बाद जीवन के लिए पूरी दुनिया को दोषी ठहराती है। पूरी दुनिया को, लेकिन खासकर मुझे, क्योंकि उसका दावा है कि मैं अपने पिता जैसी दिखती हूँ। उन पलों में, वह मुझ पर चिल्लाती है:

> तुम्हारे जैसी लड़कियों को तो जन्म के समय ही खत्म कर देना बेहतर होगा।

तब मुझे समझ आया कि वह मुझसे उतनी ही नफ़रत करती थी जितना उससे करती थी। मैंने उसे तीन साल पहले, लगभग चौदह साल की उम्र में, सिर्फ़ एक बार फिर देखा था। वह एक बूढ़े चाचा के अंतिम संस्कार में आया था। मैंने उसे 'वाई' कहकर अभिवादन किया। उसकी निगाहें, हल के स्टील की तरह ठंडी, मुझ पर से ऐसे फिसल गईं जैसे बत्तख की पीठ से बारिश। हालाँकि मेरी माँ नौ साल तक उसकी रखैल, उसकी 'मिया नोई' (दादी) रही थी, मेरे पिता ने कभी हमारी देखभाल नहीं की। मेरे दो साल बाद, मेरे भाई विदुरा का जन्म हुआ, और फिर मेरे माता-पिता अलग हो गए। मेरे पिता वापस दक्षिण में, पेचाबुरी चले गए, जहाँ से वे थे। मैं चार साल की थी; मुझे वह याद नहीं है। मेरे भाई का स्वास्थ्य खराब था और मेरी माँ ने उसकी बहुत देखभाल की, जबकि मैं ग्रामीण इलाकों में दौड़ती जंगली घास की तरह पली-बढ़ी, सुगंधित पौधों की भरपूर खुशबू, झरनों के पानी और सूरज की गर्मी से पोषित होती रही।

सच कहूँ तो मेरे गाँव का जीवन बहुत ही सरल है: चावल, मुर्गियों का एक छोटा सा झुंड, एक छोटा सा काला सुअर। मुझे सबसे ज़्यादा आकर्षित करने वाला पल वह होता है जब मेरी माँ किसी जानवर को मारती है। जब चौंकी हुई मुर्गी उत्सुकता से अपना सिर बेंत की सलाखों से बाहर निकालती है, और अपनी गोल, भोली आँखों से हमें घूरती है। जब उसका खून कटोरे में बहता है, तो मुझे ऐसा लगता है जैसे मैं कुछ ऐसा देख रही हूँ जो मुझे बुद्ध के करीब ले जाता है। एक ब्रह्मांड मिट जाता है, एक जानवर की छोटी सी दुनिया, उसकी यादें, उसकी उम्मीदें। हमारे लिए यह कुछ भी नहीं है, लेकिन मुझे एहसास होता है कि उसके लिए यह सब कुछ है। हर मृत्यु ब्रह्मांड की मृत्यु है। तब मैं समझती हूँ कि जीवन एक नाज़ुक चमत्कार मात्र है, और यह सोचकर ही मैं काँप जाती हूँ कि अगर मैं ऐसी ही बुरी लड़की बनी रही, तो कहीं ऐसा न हो कि मेरा पुनर्जन्म मुर्गी के शरीर में हो और मेरा गला काट दिया जाए।

अगर स्थानीय निर्माण स्थलों पर काम होता है, तो मेरी माँ मज़दूर के तौर पर काम पर लग जाती हैं। आमतौर पर ये शहर से लौट रही युवतियों के लिए स्विमिंग पूल वाले खूबसूरत विला बनाने का काम होता है। वे नौकरानियों की तरह बस से जाती हैं और वातानुकूलित टोयोटा फॉर्च्यूनर में रंगीन खिड़कियों और धातुई रंग वाली गाड़ियों में इतराते हुए लौटती हैं। दिखावटी, सजी-धजी लड़कियाँ जो टीवी सीरियल में दिखने वाली अमीर महिलाओं की नकल करती हैं, बड़े-बड़े धूप के चश्मे और डिज़ाइनर हैंडबैग लिए।

उनके यूरोपीय पति अक्सर उम्रदराज होते हैं। जेब में हाथ डाले, वे उदास होकर काम की प्रगति देखते रहते हैं और शिकायत करते हैं कि काम ठीक से नहीं चल रहा है, थाई मज़दूरों को काम करना नहीं आता। मेरी माँ को रोज़ाना 180 बात मिलते हैं, जो पाँच किलो चावल की बोरी की कीमत है। अक्सर, निर्माण परियोजना के दौरान मज़दूर उनके साथ बिस्तर साझा करते हैं। मुझे और मेरे भाई को वे कभी पसंद नहीं आए। उनमें से कोई भी वहाँ नहीं रुका।

मुझे स्कूल बहुत पसंद है, शायद इसलिए क्योंकि मैं अपनी शिक्षिका, मिस सुपाणी से प्यार करता हूँ। गर्व के कारण, लेकिन ज़्यादातर इस दयालु और कोमल निगाहों वाली महिला को खुश करने के लिए, मैं

कक्षा में सबसे आगे रहने को अपना गौरव मानता हूँ। उन्हीं से मैंने पढ़ना, लिखना और किताबों से प्यार करना सीखा। मुझे पता चला कि शब्द जादुई चाबियाँ हैं जो अद्भुत दुनिया के दरवाज़े खोल देती हैं। इंसानी रोमांच पन्नों से छलक उठता है, इतिहास नदी की तरह बहता है। सोने के कवच में लिपटे राजा कवचधारी हाथियों पर सवार होकर युद्ध करते हैं, विशाल सफेद पाल वाले लकड़ी के जहाज़ गोरे, दाढ़ी वाले योद्धाओं को ले जाते हैं। पढ़ना मुझे लगभग शारीरिक आनंद देता है, एक कामुक खुशी। मुझे वे कहानियाँ बहुत पसंद हैं जो बीते युग के सम्राटों की विजय गाथाएँ सुनाती हैं, ऐसी विजय जिन्हें उनके बिना पूरी दुनिया भूल जाती। जो लिखा जाता है वह पवित्र, शाश्वत हो जाता है, क्योंकि हमेशा कोई न कोई, कहीं न कहीं, उस चीज़ को याद रखने वाला होगा जो थी और अब नहीं है। मुझे जल्दी गुस्सा आता है, लेकिन किताबें ही मेरी एकमात्र ऐसी दोस्त हैं जिनसे मैंने कभी झगड़ा नहीं किया।

जब मैं सफेद पन्नों पर नन्हे साँपों की तरह लिपटे हुए खुशमिजाज अक्षरों को समझने की कोशिश करती हूँ, तो मेरी माँ की आँखें गर्व से चमक उठती हैं। उनके लिए, मैं एक जादूगरनी बन जाती हूँ, जो जीवंत चित्रों को शब्दों में बदल देती है। कभी-कभी, रात के खाने के बाद, मैं उन्हें पिछले दिन का अखबार पढ़कर सुनाती हूँ जो मेरे चाचा हमें देते हैं। थकान और शराब के नशे में चूर, वह ज़मीन पर बैठ जाती हैं, सिगरेट जलाती हैं, अपना सिर पीछे झुकाती हैं और बेहतर सुनने के लिए आँखें बंद कर लेती हैं। जब मैं जोर से पढ़ती हूँ, तो मैं देखती हूँ कि उनका चेहरा अंतर्मुखी हो जाता है, और मुझे उन्हें खुशी का यह पल देने में प्रसन्नता होती है।

मैं टीचर की चहेती हूँ, भले ही वो मुझे चिढ़ाती रहती हैं, मुझे टॉमबॉय कहती हैं, या कभी-कभी जब वो कोई शब्द अटक जाती हैं तो मैं ज़ोर-ज़ोर से हंसने लगती हूँ, मेज़ को दोनों हाथों से कसकर पकड़ लेती हूँ और अपने होंठों को दबा लेती हूँ ताकि मेरी खुशी फूटकर क्लासरूम में न फैल जाए। खुशी हमेशा मेरे अंदर रहती है, जैसे कोई झरना अंदर ही अंदर उबल रहा हो, फूटने को तैयार, मेरे होंठों से टपकने को तैयार। लेकिन मैं गंभीर भी हो सकती हूँ, और असाइनमेंट जितना कठिन होता है, मुझे उसमें उतना ही मज़ा आता है। नोटबुक पर उंगलियों से लिखे जवाबों को देखना मुझे स्कूल की दूसरी लड़कियों के साथ खेलने से ज़्यादा अच्छा लगता है, जिन्हें मैं बेवकूफ़ और उबाऊ समझती हूँ, और जिन्हें टीचर मुझे चिढ़ाने के लिए "मेरी क्लासमेट" कहती हैं।

मेरी एक ही दोस्त है, उसका नाम अम है। हम कभी अलग नहीं होते। स्कूल के बाद दोपहर में, हम धान के खेतों में मेंढक के बच्चे पकड़ने दौड़ते हैं। धूप से तपते पत्थरों और फूलों के गुच्छों के बीच से होकर तालाबों तक जाने वाले छोटे रास्ते पर घास उग आती है। फूलों की पंखुड़ियों से मीठी सुगंध की बूँदें निकलती हैं, जो कई कीड़ों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। मई में खिलने वाले नकली कैरोब के पेड़ों के झुरमुट के बाद, हम बाईं ओर मुड़कर किनारे पर पहुँचते हैं। फिर, हाँफते हुए, हम पानी के पास उगने वाले बड़े कटहल के पेड़ के नीचे घास पर लेट जाते हैं, हाथ पकड़कर आसमान में बादलों को

गिनते हैं और अपनी त्वचा पर हवा का आनंद लेते हैं। अम हमेशा दाईं ओर होती है और मैं हमेशा बाईं ओर, यह हम दोनों में से किसी ने कभी तय नहीं किया।

कभी-कभी हम टीवी सीरियल की हीरोइनों की तरह गीले चुंबनों का आदान-प्रदान करते हैं। एम रोमांस के बारे में बातें करती है। हमारी जीभें छूती हैं, और मुझे अपने पूरे शरीर में गर्माहट महसूस होती है, लेकिन ज़्यादातर समय हम चुप रहते हैं, जंगली पौधों की सुगंध और रस पीने या इकट्ठा करने आई ततैयों की भिनभिनाहट में खो जाते हैं। इन गर्म पलों में, चिंतन और कोमल नींद के बीच, दुनिया पारदर्शी हो जाती है, उसका प्रकाश मुझमें समा जाता है जैसे मैं ही उसका हिस्सा हूँ। तब मेरी आत्मा अस्तित्व और कर्म के शून्य में हल्की हो जाती है, हाथीदांत जैसे बादलों की ओर उठती है, अंतरिक्ष में स्वतंत्र रूप से झूलती है। मेरे शरीर का हर रेशा कंपन करता है, ब्रह्मांड के नन्हे देवताओं का उत्सव की तरह स्वागत करता है। हम छाया के इस विशाल विस्तार में सुरक्षित हैं। जब सूरज पश्चिम की ओर बढ़ता है और मेरे शरीर के ऊपरी हिस्से को सहलाता है, मेरी त्वचा को गर्माहट से भर देता है जबकि मेरी पीठ घास की ठंडक में टिकी रहती है, मैं हवा की पारदर्शिता में विलीन हो जाती हूँ, मैं जीवन के कणों के बीच यात्रा करती हूँ।

उन परम आनंद के क्षणों के बाद, जब मैं घर पहुँचता हूँ, तो अक्सर देर हो जाती है। कटहल के पेड़ के नीचे, हम समय का ध्यान ही भूल जाते हैं। मैं तेज़-तेज़ दौड़ता हूँ, मानो किसी धार्मिक आनंद से भर जाता हूँ, एक असहनीय खुशी जो घंटों तक बनी रहती है और कभी-कभी रात को नींद भी नहीं आने देती। मुझे उस बड़ी भूरी बिल्ली से ईर्ष्या होती है जो अपना दिन कुछ न करते हुए, कुछ न सोचते हुए, बस सूरज की गर्मी और अपने अगले भोजन के समय का इंतज़ार करते हुए बिताती है। अगर मेरी माँ मुझसे पूछती है कि मैं कहाँ था, तो मैं अपनी देरी का कारण बताने के लिए सबसे अजीबोगरीब झूठ बोलता हूँ। वैसे भी, अपने दिन भर के काम से थकी हुई, वह मेरी बात सुनती ही नहीं।

एक शाम जब मैं बारह साल का था, खाना खाने के बाद मिस सुपाणी हमारे घर आईं। वह पहली बार आई थीं। मुझे लगा कि कुछ ज़रूरी बात है। मैं दीवार के पीछे छिप गया जबकि मेरा भाई बाहर पड़ोसी के कुत्ते के साथ खेल रहा था। शिक्षिका मेरे बारे में बात कर रही थीं। मुझे उनके शब्द आज भी ऐसे याद हैं जैसे कल की ही बात हो।

> “आपके गाँव में सात साल रहने के दौरान मैंने जितने भी विद्यार्थियों से मुलाकात की है, उनमें टॉय सबसे बुद्धिमान है। उसका दृढ़ व्यक्तित्व उसकी शख्सियत को दर्शाता है। उसका दृढ़ संकल्प उसे सफलता दिलाएगा। उसे सर्वोत्तम शिक्षा देना, जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए सर्वोत्तम साधन उपलब्ध कराना और उसकी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने में मदद करना हमारा कर्तव्य है। आप बहुत भाग्यशाली हैं कि आपको ऐसी प्रतिभाशाली पुत्री मिली है।”

मेरी माँ पहले तो चुप रहती है। उसकी आँखें क्षैतिज तीर की तरह आधी बंद हैं, वह किसी स्थिर अजगर की तरह दिखती है जो किसी अनजान शिकार की तलाश में हो। वह ऊंघती हुई लगती है, लेकिन मुझे पता है कि वह सो नहीं रही है।

> “टॉय के प्रति आपकी रुचि देखकर मुझे बहुत खुशी हुई। लेकिन मेरे दो बच्चे हैं, दो ही। और मेरा कोई पति नहीं है। मुझे विदुर को प्राथमिकता देनी होगी क्योंकि उसे अपने परिवार का भरण-पोषण करना होगा जबकि टॉय अपने पति पर निर्भर रहेगी। फिलहाल, चूंकि मैं घर से बाहर काम करती हूं, इसलिए मुझे अपनी बेटी से घर की देखभाल करवाने की जरूरत है।”

फिर वह अपनी सिगरेट का धुआँ नाक से बाहर निकालती है। फैसला मेरी माँ को करना है। शिक्षिका यह जानती है। मैं सबसे बड़ी हूँ; मे को मेरी ज़रूरत है कि मैं अपने भाई का ख्याल रखूँ, घर और खेतों में मदद करूँ। मैं उसकी बड़ी बहन पा की भी मदद करती हूँ, जो बुरिराम बाज़ार में एक छोटी सी दुकान चलाती है। पा की बड़ी-बड़ी काली आँखें और छोटे-छोटे सफेद दाँत हैं, लेकिन इस बात से धोखा मत खाना—वह परिवार की मुखिया है। मेरे चाचा एक हंसमुख, मज़ाकिया इंसान हैं जिन्हें शराब पीना पसंद है और चलते समय उनकी चप्पलें खटकती हैं... फ्लिप फ्लॉप... फ्लिप फ्लॉप... मानो उनके लिए पैर उठाना बहुत थका देने वाला हो। उनके कभी बच्चे नहीं हुए, इसलिए मेरी चाची मुझे अपनी उस बेटी की तरह मानती हैं जो उन्हें कभी नहीं मिली।

जिन दिनों मे निर्माण स्थलों पर काम करती है, मैं स्कूल जाने से पहले अपने भाई के लिए नाश्ता तैयार करती हूँ। फिर मैं मुर्गियों और बत्तखों को दाना खिलाती हूँ और पिछले दिन का बचा हुआ खाना सूअर को देती हूँ। मैं घर की साफ-सफाई करती हूँ और बर्तन धोती हूँ। अगर ज़्यादा गर्मी नहीं होती, तो मैं अपनी बुनी हुई बाँस की टोपी पहनकर धान के खेत में काम करने चली जाती हूँ। शाम को जब मेरी माँ घर आती है, तो मुझे घर की देखभाल करने पर गर्व होता है। बिल्कुल एक छोटी माँ की तरह।

हर गुरुवार एक उत्सव जैसा होता है। जब क्षितिज पर नया सूरज उगता है, तो मैं और मेरी चाची बुरिराम के लिए निकल पड़ते हैं, जहाँ वो बाज़ार के दिनों में एक छोटी सी दुकान चलाती हैं। मैं उस दिन को किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ना चाहती: दुकानों के बीच घूमना, मसालों और सब्जियों की खुशबू में डूब जाना, चटनी की महक में सांस लेना, मछली और फलों की टोकरियों से आती तीखी और मीठी गंधों से अपने फेफड़ों को भर लेना। सारी खुशबूएँ मेरे शरीर में समा जाती हैं, मेरी इंद्रियों को सराबोर कर देती हैं, जानवरों और पौधों के रंगों के साथ घुलमिल जाती हैं। मैं मदहोश हो जाती हूँ, अपनी आँखें बंद कर लेती हूँ ताकि उन्हें अपनी यादों में हमेशा के लिए बसा सकूँ: कुछ तितली के पंख की तरह कोमल, तो कुछ कुल्हाड़ी की तरह शक्तिशाली। जब मेरा मन दुनिया की चकाचौंध से बहुत दूर भटक जाता है, तो मेरी चाची मुझे प्यार से वापस खींच लाती हैं।

— ख्यालों में खोए रहना बंद करो! कमर झुकाकर ही तुम ज़मीन पर टिके रह सकते हो। थोड़ी देर के लिए कुछ काम करो।

मैं कड़ाही में तले हुए चावल को तेज़ी से चलाती हूँ, और बाज़ार की सबसे बढ़िया हरी करी, केंग कियावान काई पर नज़र रखती हूँ। अगर मेरी चाची घर पर नहीं होतीं, तो मैं ग्राहकों को खाना परोसती हूँ। जब वे थोड़े असमंजस में होते हैं, तो मैं जानबूझकर उन्हें सही छुट्टा दे देती हूँ, और अगर वे देख लेते हैं, तो मैं मासूमियत से मुस्कुराकर इन बुढ़ियों को बेवकूफ़ बनाने की कोशिश करती हूँ और उन्हें यह सोचने पर मजबूर करती हूँ कि मैं असमंजस में हूँ। कुछ बुढ़ियाएँ बेवकूफ़ नहीं बनतीं और मुझे गुस्से से देखती हैं, जिससे साबित होता है कि वे मेरी चाल समझ गई हैं, लेकिन वे जानती हैं कि वे कुछ साबित नहीं कर सकतीं, इसलिए जब वे पीठ फेर लेती हैं, तो मैं उन्हें उंगली दिखाती हूँ और मन ही मन उन्हें बुढ़िया वेश्या कहती हूँ।

कभी-कभी लड़के मुझे चिढ़ाते हैं, तिरछी नज़रों से देखते हुए बेवकूफी भरी हंसी हंसते हैं। वे मुझसे बातें करना चाहते हैं, भले ही उनके पास कहने को कुछ खास न हो, लेकिन बुरिराम के लड़के मेरे गांव के लड़कों से भी ज़्यादा बेवकूफ हैं। और फिर, मेरी चाची मुझ पर पैनी नज़र रखती हैं। मुझे कभी पता नहीं चलता कि वह मेरी इज़्ज़त देख रही हैं या तले हुए चावल के पकने पर। वह अक्सर मज़ाक में कहती हैं:

> — तुम्हें पता है टॉय, बुद्ध एक दिव्य रसोइया हैं जिनके पास एक बड़ा चम्मच है और वे सबकी देखभाल करते हैं।

यही उसके जीवन दर्शन का सार है। अपनों के साथ रहने की सादगी भरी खुशी, सूरज उगने के साथ जागना, सिर पर छत होना और मेज पर भरपेट खाना होना। जब ग्राहक कम होते हैं, तो वह मेरे लिए बूढ़े चुवित (सड़क किनारे विक्रेता) से चावल और नारियल का केक, खानोम खरीदने दौड़ती है। यह उसका मुझे धन्यवाद देने का तरीका है।

एक दिन, एक आदमी हमारी दुकान के पास से गुज़रा और मुस्कुराते हुए चला गया। मैंने सोचा, "वह मुड़कर देखेगा।" मैंने अपनी आँखें बंद कीं और दस तक गिना। जैसे ही मैंने आँखें खोलीं, वह मुझे घूर रहा था, बिल्कुल स्थिर। पहली बार मुझे एहसास हुआ कि मैं एक औरत हूँ, क्योंकि एक आदमी ने मुझे चाहा था, और अगर आदमी मुझे चाहते हैं, तो मैं उनसे अपनी इच्छाएँ पूरी कर सकती हूँ।

मैं अभी पंद्रह साल का हुआ हूँ।

*

* *

उस पल से, मैंने अपने शरीर को अलग नज़रिए से देखना शुरू कर दिया। नहाते समय, मुझे अपना नग्न शरीर सुंदर लगने लगा; मैं अपनी सांवली त्वचा पर बड़े चाव से पानी छिड़कती, मानो किसी अनमोल, मनमोहक चीज़ की देखभाल कर रही हो। मुझे महिलाओं के शरीर बहुत प्यारे लगने लगे, जो पुरुषों की तीखी रेखाओं से कहीं ज़्यादा गोल और कामुक थे। मैं बचपन से बाहर निकल रही थी, इच्छाओं से जागृत हो रही थी। कभी-कभी मुझे अपने पेट में गर्म लहरें उठती महसूस होतीं, एक उलझी हुई इच्छा जो मुझे डरा देती थी। कभी-कभी, आईने में मेरा चेहरा एक बच्चे जैसा लगता, और मुझे अपनी जवानी के बेफिक्र दिन याद आते; मुझे अपने भाई की बचकानी खुशियों से ईर्ष्या होती।

जब से मेरे चाचा ने मेरे भाई के लिए बांस के डंठल से मछली पकड़ने की छड़ी बनाई थी, तब से विदुरा हर रविवार सुबह जल्दी उठकर, झटपट नाश्ता करके, कंधे पर छड़ी रखकर, एक छोटे बच्चे की तरह गर्व से मछली पकड़ने निकल जाता था। एक सुबह, जिज्ञासा और ईर्ष्या के बीच फंसा हुआ, मैं छुपकर दूर से उसका पीछा करने लगा। साफ नीले आसमान में सूरज चमक रहा था, जिसमें पूरब की ओर गुलाबी रंग की हल्की सी झलक थी, भोर की हल्की सी रोशनी। उस नीले रंग में, पेड़ों की कोमल हरी हरियाली में कुछ ऐसा था जो सुकून देता था। सोते हुए ग्रामीण इलाके से गुजरते हुए, मैं उस नीले रंग को निहारते-निहारते कभी नहीं थकता था।

मैं अपने पड़ोसी, बूढ़े पिचित के बाग के पीछे उसके पास जाता हूँ, जहाँ बहुत अधिक बारिश के बाद कीचड़ वाले मैदान तालाबों में बदल जाते हैं। मेरा भाई अकेला एक आम के पेड़ के नीचे बैठा है, हाथ में मछली पकड़ने का कांटा लिए, नाक ऊपर उठाए, मानो सुबह की आवाज़ों और ग्रामीण इलाकों की सुंदरता का आनंद ले रहा हो, जो सुबह की पहली किरण से जगमगा रहे हैं। मैं उसे देखता हूँ, उसकी खुशी, सुबह जल्दी उठने की उमंग, सोए हुए ग्रामीण इलाकों में तालाबों के पास अकेले घूमने की खुशी को महसूस करता हूँ। वह मुझे नहीं देखता; मैं जानता हूँ कि वह मुझसे नाराज़ होगा क्योंकि मुझे इस पल को साझा करना पड़ रहा है जो केवल उसका है। जब विदुर दोपहर में लौटता है, तो वह शायद ही कभी मछली लाता है, लेकिन हमेशा एक बड़ी मुस्कान लेकर आता है।

आज तनख्वाह मिलने का दिन है। मुझे पता है क्योंकि मे घर नहीं आई है। मैंने अपने भाई के लिए रात का खाना तैयार किया है। धान के खेतों में रात हो चुकी है। मैं तारों भरे आकाश को निहार रही हूँ। मैंने पढ़ा है कि सबसे दूर के तारे मृत तारे होते हैं जब उनका प्रकाश ब्रह्मांड में यात्रा करने के बाद हम तक पहुँचता है। वे कुछ हद तक प्राचीन राजाओं की तरह हैं जिनका अस्तित्व तब तक समाप्त हो चुका होता है जब तक उनकी कहानियाँ हम तक नहीं पहुँचतीं।

चाहे जीवित हो या मृत, अगर हम आकाशगंगा को देख लें, तो वह सचमुच मौजूद है। कम से कम हमारे दिलों में, हमारी आत्माओं में। जैसे ही धान के खेतों में पानी पर चाँद की रोशनी चमकती है, मेंढक टर्राने लगते हैं, अपने साथियों को पुकारते हैं। जब मेंढक मिलन कर रहे होते हैं, मेई नहर के किनारे अपने पड़ोसियों - बूढ़े टुक और एक आँख वाली राजकुमारी - के साथ ताश खेलने में अपनी कमाई का कुछ हिस्सा लगाती है।

बूढ़ी टुक एक चुड़ैल है, जो मर्दों की तरह सिगरेट पीती है और बुरी नज़र डाल सकती है। कम से कम गाँव वाले तो यही सोचते हैं जब उसकी आँखें घूमती हैं और आपको अपनी ओर खींच लेती हैं, और जब वह काँपने लगती है। जब वह नशे में होती है, तो टुक सड़क के बीचोंबीच खड़े होकर पेशाब करना पसंद करती है, अपनी बहुत लंबी स्कर्ट के किनारे ऊपर उठाकर। यह देखकर गाँव के बच्चे हँसते हैं। उसका सिर, मुट्ठी जितना बड़ा, जले हुए आलू जैसा दिखता है। उसके दाँत पान खाने से भूरे हो गए हैं, जिसे वह दिन भर चबाती रहती है और अपनी झोपड़ी के सामने लंबे, चिपचिपे धागों की तरह थूकती है, भूले हुए मंदिरों के देवताओं को कोसते हुए।

गांव के बुजुर्गों का कहना है कि पुराने समय में एक आंख वाली राजकुमारी बहुत सुंदर थी। बैंकॉक में वह याओवरत में एक पर्यटक बाजार चलाने वाले एक धनी व्यापारी की रखैल बन गई। दस साल पहले, एक दिन जब सब लोग उसे भूल चुके थे, वह गांव लौट आई और खुद को दफना लिया। किसी को भी इसका कारण ठीक से समझ नहीं आया। शायद इसलिए कि उसके व्यापारी की मृत्यु हो गई थी, या शायद इसलिए कि उसने उसकी जगह एक कम उम्र की महिला को रख लिया था।

मेरी माँ कहा करती थीं, “थकी हुई भैंस की तरह बेहाल,” और उनका कहना बिल्कुल सही होता था। उम्र के साथ, पुरुषों को अपनी फीकी पड़ती इच्छा को फिर से जगाने के लिए कम उम्र की महिलाओं की ज़रूरत होती है। उनके पास गुज़ारा करने के लिए मुश्किल से ही पैसे होते थे, लेकिन उन्होंने शहर के तौर-तरीके बरकरार रखे थे, इसलिए विडंबना यह है कि गाँव वालों ने उन्हें राजकुमारी का उपनाम दे दिया था। जब वो ज़्यादा शराब पी लेती थीं, तो उनकी लकड़ी की झोपड़ी में उनके सिसकने की आवाज़ सुनाई देती थी।

गांव के बड़े-बुजुर्गों का यह भी कहना है कि बलात्कार के बाद वह बैंकॉक भाग गई थी, ताकि उप-राज्यपाल के बेटे के नेतृत्व वाले गुंडों के गिरोह से बच सके। ये बदमाश कंबोडिया से घुसपैठ करने वाले कम्युनिस्ट विद्रोहियों से लड़ने के बहाने इलाके में आतंक फैलाते थे। मेरी चाची कहती हैं कि ये पुरानी कहानियां हैं, ऐसी बातें जिन्हें भूलकर जीवन में आगे बढ़ना पड़ता है। लेकिन फिर यह कमजोर महिला वापस यहीं आकर क्यों बस गई? कभी-कभी मुझे बड़ों की बात समझ नहीं आती; ऐसा लगता है जैसे उन्हें पीड़ा सहने में मजा आता है, जैसे वे अपने बार-बार दोहराए जाने वाले कष्टों में आनंद लेते हैं, जैसे कुत्ते घावों को तब तक कुरेदते हैं जब तक खून न निकल जाए।

एक शाम, जब मेरा भाई अभी बच्चा ही था, राजकुमारी को अचानक पागलपन का दौरा पड़ा और उसने एक कांटे से अपनी आंख में वार कर लिया। अब उसकी बाईं आंख पूरी तरह सफेद है। बच्चे उससे डरते हैं। जब विदुरा शरारत करता है, तो मे उसे धमकाती है।

— अगर तुम अभी शांत नहीं हुए तो मैं एक आंख वाली राजकुमारी को बुलाने जा रहा हूँ।

मैं उसकी आँखों में सीधे देखकर उसे यह जताती हूँ कि मैं उससे या उसकी बेजान आँखों से नहीं डरती। तीनों औरतें ताश खेलते हुए खूब सारी चावल की शराब पीती हैं। कभी मेरी माँ जीतती है, अक्सर हार जाती है। दोनों ही मामलों में, वह इतनी ज़्यादा नशे में हो जाती है कि गिर जाती है। निर्माण स्थलों पर काम करते समय ऐसा करना ठीक नहीं है। वह पहले ही तीन बार मचान से गिर चुकी है। हर बार, मेरे चाचा और चाची को डॉक्टर का बिल चुकाना पड़ा।

*

* *

परसों, माँ का निधन हो गया। यह मई महीने की चौदहवीं तारीख थी, बुद्ध के जन्म का उत्सव मनाने वाले विशाखा पूजा समारोह से ठीक पहले। उनकी उम्र तैंतालीस वर्ष होती। मैं और मेरा भाई अंतिम संस्कार में शामिल हैं। मेरी चाची और चाचा, पा और लुंग, ने सब कुछ संभाल लिया है। पड़ोसी शव को श्मशान मंडप, फरा मेन (प्राचीन देवताओं का पर्वत मेरु, जहाँ देवता विश्राम करते हैं) पर उठा रहे हैं। मेरी चाची का चेहरा धीरे से मेरी ओर झुका हुआ है।

— रो मत, टॉय, बुद्ध की प्रार्थना करने वालों के लिए न तो निराशा है और न ही उदासी। वे हममें से प्रत्येक में निवास करते हैं, जैसे वे तुम्हारी माँ की आँखों में निवास करते थे। वे हर चीज के केंद्र में हैं।

मैं रो नहीं रही हूँ; मेरी आँखें सूखी हैं। मुझे वो दुख महसूस नहीं हो रहा जो मेरा पूरा परिवार मुझसे उम्मीद करता है। सब कुछ बहुत दूर सा लगता है, जैसे कोई फिल्म चल रही हो जिसका मुझसे कोई लेना-देना नहीं। क्या मैं बुरी लड़की हूँ, करुणा से रहित? या मैं बस ऐसी ही हूँ, जैसे पत्थर पत्थर होता है? हम अपनी भावनाओं को तय नहीं करते; हम उनके लिए ज़िम्मेदार नहीं हैं। और वैसे भी, मुझे पता है कि माँ इस धरती से ज़्यादा मेरु पर्वत पर खुश रहेंगी। उनका जीवन कठिन था: बहुत दुख, कम संतुष्टि, लेकिन उन्होंने हमें कभी किसी चीज़ की कमी नहीं होने दी। मैं अपने भाई को देखती हूँ। उसकी आँखों से बड़े-बड़े आँसू बह रहे हैं। पापा उसके बालों में हाथ फेरते हैं, उसे वहाँ से खींचकर ले जाना चाहते हैं ताकि वो अंतिम संस्कार न देखे, लेकिन मेरे चाचा दृढ़ता से कहते हैं कि विदुर यहीं रहे।

उस छोटे बच्चे को यह समझना होगा कि उसकी मां वापस नहीं आएगी, कि सब कुछ खत्म हो गया है।

पुरुष अलाव जलाते हैं। रात में चिकनी लपटें टिमटिमाती हुई अंधेरे में ऊपर उठती हैं। भुने हुए मांस की अप्रिय गंध भीड़ में फैल जाती है। गर्म चर्बी के आग पर टपकने की आवाज़ सुनाई देती है, जैसे किसी गाँव के उत्सव में छोटे सूअर को भूना जा रहा हो। जब लपटें आखिरकार बुझ जाती हैं और अंगारों की गर्मी ठंडी रात की हवा में घुल जाती है, तब मुझे पहली बार एहसास होता है कि मैं दुनिया में अकेला हूँ।

मुझे उम्मीद है कि मे अंततः स्वर्ग में सुखी होगी। मेरी चाची पास आती हैं और मेरी माँ द्वारा चंदन की छोटी सी डिब्बी में सहेज कर रखी गई सोने की बुद्ध की अंगूठी मेरे हाथ में थमा देती हैं। जब वह मेरा हाथ पकड़ती हैं, तो मुझसे कहती हैं:

इसलिए, वह हमेशा आप पर नजर रखेगी, आपके दिल के करीब रहेगी।

अंतिम संस्कार के बाद हमने खूब खाया-पिया। दूर-दूर से ऐसे रिश्तेदार आए थे जिनसे मैं पहले कभी नहीं मिली थी। सब लोग खुश लग रहे थे। माँ भी वहाँ होती तो सबके साथ मिलकर पीती। मृत्यु एक नए जीवन की शुरुआत है। उनके लिए भी और मेरे लिए भी।

हमारी माँ में कमियाँ थीं, लेकिन कम से कम उन्होंने हमें कभी नहीं छोड़ा। पाआ कहती हैं कि हमारे छोटे से लकड़ी के घर को सारी ज़मीन के साथ बेच दिया जाएगा, ताकि हमारे कर्ज़ चुकाए जा सकें। कर्ज़ का पहाड़ इतना ऊँचा है कि वह मेरु पर्वत से भी ऊँचा है, जहाँ माए अब रहती हैं, अपने छोटे से जीवन की कठिनाइयों से दूर। किसी को नहीं पता था कि उन्होंने इतना कर्ज़ लिया था। गाँव की किराने की दुकान से बड़ा कर्ज़, लेकिन सबसे बड़ा कर्ज़ बुरिराम के चीनी सूदखोर से लिया गया था, जिसने हमारे घर के मालिकाना हक का दस्तावेज़, चानोट, गिरवी रख लिया था। मेरी चाची कहती हैं कि वह हमें अपने घर में रख लेंगी।

अगले दिन, हम बुरिराम के वाट सवांग अरोम में प्रार्थना करने गए, जहाँ भिक्षु समय से परे रहकर अपना दिन प्रार्थना और ध्यान में व्यतीत करते हैं। उनके चेहरे शांत हैं, उनका जीवन निर्मल है। मैंने साधारण भगवा वस्त्र पहने इन लोगों को देखा जो भीख मांगकर जीवन यापन करते हैं। उनमें से कुछ युवा और सुंदर हैं; वे दुःखों से बचने के लिए सभी सांसारिक सुखों का त्याग कर देते हैं और मानो अनंत ध्यान में लीन हों।

एक हफ्ते बाद, मेरी आंटी की एक सहेली की बेटी एक शाम मिलने आई। नट दुबली-पतली लड़की थी, जिसके कपड़े उसे बड़े पड़ते थे; वह बहुत सुंदर तो नहीं थी, लेकिन उसके नीचे के दांत थोड़े टेढ़े होने के बावजूद उसकी मुस्कान बहुत प्यारी थी। उसने शांत और सौम्य स्वर में बताया कि उसकी शादी नहीं हो पाई थी, लेकिन अब बैंकॉक में काम करने के कारण उसे उम्मीद थी कि उसे कोई पति मिल जाएगा और

वह अपना परिवार बसाएगी। वह एक सरल और सुखी जीवन का सपना देखती थी। नट ताइवानी लोगों के स्वामित्व वाली एक कपड़े की फैक्ट्री में काम करती थी।

वे अभी भर्तियां कर रहे हैं। वेतन बुरा नहीं है। क्या आप इच्छुक हैं?

मुझे गाँव छोड़ने की कोई इच्छा नहीं है, लेकिन मैं पूरी तरह से मूर्ख भी नहीं हूँ। नट संयोग से नहीं आई थी; मेरी चाची ने उसे बुलाया था। इसलिए मैं सिर हिला देती हूँ क्योंकि मुझे पता है कि पा मुझसे यही उम्मीद करते हैं।

— क्या आप बैंकॉक को जानते हैं? नट ने मुझसे पूछा।

नहीं, मैंने शरमाते हुए कहा।

रात को मुझे नींद नहीं आती। सत्रह साल की उम्र में नई ज़िंदगी शुरू करने की खुशी और परिवार से बिछड़ने के गम के बीच मेरा दिल डोलता रहता है। और फिर मेरी माँ की छवि, जो आज भी मेरे दिल में ताज़ा है। उनके जीवन में खुशियाँ बहुत कम थीं। दर्द के बावजूद, वो मेरे पिता को कभी नहीं भूल पाईं। फिर भी, मैं रो नहीं पाती। मेरा दिल इतना कठोर क्यों हो गया है? शायद मेरी माँ सही थीं जब उन्होंने कहा था कि मैं अपने पिता जैसी दिखती हूँ, कि मैं बुरी बनूँगी, और मुझ जैसी लड़कियों को तो जन्म के समय ही खत्म कर देना चाहिए था।

परसों हम बस से जाएँगे। राजधानी घूमने के लिए मैं इतनी उत्साहित हूँ कि घंटों का इंतज़ार कर रही हूँ। यह तय हो गया है कि कम से कम शुरुआत में मैं नट के साथ कमरा साझा करूँगी। मुझे लगता है कि उसने मुझे यह नौकरी इसलिए भी दी है ताकि मैं महंगे किराए में अपना हिस्सा बाँट सकूँ और शायद खुद को कम अकेला महसूस कर सकूँ।

द्वितीय

मेरी चाची ने यात्रा के लिए खाने-पीने का सामान तैयार कर रखा था: चिपचिपा चावल, चिकन लीवर के कबाब, एक प्लास्टिक की थैली में कटा हुआ हरा आम और नाम प्रिक (मीठी मछली की चटनी और मिर्च का मिश्रण)। मुस्कुराते हुए उन्होंने एक खानोम भी रख दिया, वह नारियल का केक जो हम दोनों को बाजार के पुराने अच्छे दिनों की याद दिलाता है। जाते समय उन्होंने मुझे एक हजार बात का नोट दिया। मैं मना करना चाहता था, लेकिन उन्होंने इतना ज़ोर दिया कि उन्हें गुस्सा आ गया।

> "अपनी पहली तनख्वाह मिलते ही इसे मुझे लौटा देना। बैंकॉक में जीवन यापन महंगा है, और तुम्हें नट की दयालुता का फायदा नहीं उठाना चाहिए।"

नीले और सफेद रंग की पुरानी हिनो बस हरे-भरे बाढ़ग्रस्त धान के खेतों के बीच से लड़खड़ाते हुए आगे बढ़ती है, अपने पीछे धूल का निशान छोड़ती हुई। फीकी विनाइल सीटों पर बैठे हम अपने परिवारों, अपने भविष्य, या कम से कम उससे जुड़ी अपनी उम्मीदों के बारे में बातें करते हैं। समय तेजी से बीतता है, और जब भूख लगती है, तो हम मेरी चाची के दिए हुए खाने पर टूट पड़ते हैं, लेकिन मैं खानोम बाद के लिए बचा लेता हूँ।

धीरे-धीरे आसमान में अंधेरा छाने लगता है, मानो राजधानी के लिए मेरे प्रस्थान को लेकर चिंतित हो। धुंधली रूपरेखा वाले बड़े-बड़े काले बादल हमारे ऊपर मंडरा रहे हैं। उनकी संख्या बढ़ती जा रही है और वे एक साथ मिलकर एक घना, काला समूह बना रहे हैं, जैसे कुत्तों का झुंड हमला करने के लिए उपयुक्त क्षण की प्रतीक्षा कर रहा हो। अभी सुबह का समय है, लेकिन शाम से भी ज़्यादा अंधेरा है। तेज़ हवा के झोंके सड़क से धूल उड़ाते हैं, जो आने वाले तूफान की सूचना देते हैं। अचानक, आसमान फट जाता है और कुत्ते हवा में भौंकने लगते हैं। मैं नट से फुसफुसाता हूँ:

> — लीजिए, शुरू हो रहा है।

ग्रामीण इलाकों में एक तेज़ बहती नदी का उफान आ गया है। विंडशील्ड वाइपर अब मूसलाधार बारिश को रोकने में असमर्थ हैं। सड़क गंदे पानी से भरे नाले जैसी बन गई है, जहाँ परेशान ड्राइवर को रेंगना पड़ रहा है। सड़क के किनारे घर एक-दूसरे से सटे हुए हैं। रात हो चुकी है। दो घंटे से बारिश हो रही है।

नट मुझे बताती है कि हम बैंकॉक के पास पहुँच रहे हैं। बारिश से भीगी सड़क चौड़ी हो जाती है, खेत बड़े-बड़े, चमकते बिलबोर्डों में तब्दील हो जाते हैं। पानी से भरे आसमान के नीचे, यातायात जमे हुए स्टील की नदी जैसा लग रहा है। मैं अपनी कोहनी से खिड़की को रगड़ता हूँ। अंधेरे को चीरती बारिश की तेज़ बौछारों के पीछे, एक धुंधला शहर दिखाई देता है, क्षितिज पर टावर विशाल, डरावने हाथों की तरह काले आसमान की ओर बढ़ते हुए दिखाई देते हैं। बैंकॉक एक विशाल खदान जैसा दिखता है जिसके तल में जीवित लाशें पड़ी हों। भारी बादलों से घिरे आसमान के नीचे, मेरी आँखें व्यर्थ ही क्रुंगथेप को खोज रही हैं, वह देवदूतों का शहर जिसका मैंने सपना देखा था।

बस आखिरकार एक विशाल, कंक्रीट से बने बस स्टेशन पर रुकती है, जहाँ बसों का निरंतर आना-जाना लगा रहता है और चहल-पहल का माहौल बना रहता है। नट बताती है कि हम मोचित पहुँच गए हैं। भीगी और थकी हुई भीड़ गठ्ठे लिए खड़ी है। पूरा समुदाय इस नम रात में चहल-पहल कर रहा है, ठीक उन डरपोक कीड़ों की तरह जिन्हें हम स्कूल से घर लौटते समय सड़क किनारे पत्थर पलटते हुए देखा करते थे। हम एक इसुज़ू बस में सवार होते हैं। उपनगरों पर हल्की-हल्की बारिश हो रही है। आधे घंटे बाद, हम आखिरकार एक सुनसान गली के पास उतरते हैं। नट उस गहरी खाई के किनारे-किनारे चलती है जो गली को एक बड़े खाली मैदान से अलग करती है, जहाँ हल्के रंग का प्लास्टिक कचरा बारिश में चमक रहा है। मैं राजा का महल देखना चाहता था, लेकिन आज रात मैं सिर्फ नट का कमरा ही देख पाऊँगा।

सीमेंट की सीढ़ियों से नमी की गंध आ रही है। प्लास्टिक का दरवाज़ा बड़ी मुश्किल से एक छोटे से कमरे में खुलता है। नट एक स्विच दबाती है। टिमटिमाती फ्लोरोसेंट ट्यूब से हल्की रोशनी निकलती है। छत पर लगा पंखा नम हवा को चीरता हुआ कपड़े धो रहा है, जो लॉन्ड्री में सूख रहे हैं। एक संकरी खिड़की से एक सुनसान आंगन दिखाई देता है। दूसरी तरफ, उसी फ्लोरोसेंट लाइट से रोशन एक आयताकार खिड़की के फ्रेम में, एक बुजुर्ग महिला सिलाई मशीन पर आगे की ओर झुकी हुई, मानो जम सी गई हो।

नट मुझे उस छोटी सी दुनिया का सम्मान करना सिखाती है जिस पर उसका राज है, जहाँ हर वस्तु का अपना निर्धारित स्थान है। मुझे जल्दी ही एहसास हो जाता है कि इस छोटे से कमरे में, जहाँ बड़ा सा पलंग लगभग सारी जगह घेर लेता है, नट बहुत ही व्यवस्थित हो गई है। इस करीने से सँवारे हुए कमरे का किराया 2,500 बात प्रति माह है, लेकिन इस कीमत में एक छोटा सा चीनी निर्मित टेलीविजन भी शामिल है। यह काफी बड़ी रकम है, भले ही मुझे सिर्फ आधी ही चुकानी होगी।

*

* *

हम रविवार का पूरा आनंद लेने के लिए भोर में उठ जाते हैं। बैंकॉक में मेरी पहली सुबह। मैं पर्दा हटाती हूँ: पड़ोसियों के कपड़े धोने का साफ़ नज़ारा। मुझे एहसास होता है कि इस कमरे में कभी पूरी तरह से उजाला नहीं होता। हालाँकि सूरज ने बादलों को भगा दिया है, रोशनदान से आती हल्की, लगभग समुद्री रोशनी को दबा देती है, जिससे नट को फ्लोरोसेंट लाइट हमेशा चालू रखनी पड़ती है। कल, मैं कारखाने में काम शुरू करूँगी, लेकिन आज, मेरी नई दोस्त मुझे खुशी-खुशी बताती है:

मैं आपको राजधानी घुमाने ले चलूंगा।

हम रतनकोसिन, मंदिर क्षेत्र के लिए बस लेते हैं। वाट फो की सफेद दीवार के पीछे, लेटे हुए बुद्ध की प्रतिमा डिजिटल उपकरणों से लैस पर्यटकों की भीड़ से घिरी हुई है। ऐसा लगता है मानो वे हम पर मुस्कुरा रहे हों, और मुझे मेरे नए जीवन में शुभकामनाएँ दे रहे हों। मंदिर के मसाज स्कूल में, छोटे कद की, काले बालों वाली मालिश करने वाली महिलाएं उत्साह से पर्यटकों के पीले, मांसल शरीर की मालिश कर रही हैं, जैसे चींटियाँ अपनी अंडे देने वाली रानी की देखभाल करती हैं। मैंने पहली बार इतने सारे यूरोपीय लोगों को देखा है। विशाल सनम लुआंग चौक पर कदम रखते ही, हम बड़े पेड़ों की छाया में घास पर टहलते या पिकनिक मनाते परिवारों के पास से गुजरते हैं। फिर हम विशाल नदी के किनारे एक घाट की ओर बढ़ते हैं। नट समझाती हैं:

चाओ फ्राया नदी के पार जल बसें चलती हैं जो एलिवेटेड मेट्रो तक जाती हैं। यह बस से यात्रा करने की तुलना में अधिक सुंदर है और इससे आप ट्रैफिक जाम से भी बच जाते हैं।

जहाज के डेक से नट ने आलीशान होटलों की ओर इशारा किया: ओरिएंटल, पेनिनसुला, शांग्री-ला। वह बैंकॉक के बारे में सब कुछ जानती है। सपहान तकसिन स्टेशन पर, हम स्टील के गेट से गुज़रकर बैंकॉक स्काई ट्रेन की सिलोम लाइन से सियाम स्क्वायर के लिए रवाना हुए। नट मुझे कुछ और मंदिर दिखाना चाहती थी, इस बार वे मंदिर शरीर के सुखों को समर्पित थे। मेट्रो साफ़-सुथरी, वातानुकूलित और जर्मन शैली की थी। कंक्रीट के जंगल के ऊपर चुपचाप सरकती हुई एक बिल्कुल नई मशीन। अगर विदुर यहाँ होते, तो वे बेहद खुश होते।

जैसे ही ट्रेन लुम्फिनी पार्क के ऊपर से गुज़री, मैंने नीचे पेड़ों के बीच पीले कपड़े पहने, बैनर लिए और मेगाफोन से बोलते लोगों की भीड़ देखी। मैंने नट से पूछा:

- यह सब क्या है?

वह बताती हैं कि पीपुल्स अलायंस फॉर डेमोक्रेसी के सैकड़ों पीले शर्ट पहने प्रदर्शनकारियों ने कई हफ्तों से पार्क पर कब्जा कर रखा है। ये प्रदर्शनकारी अरबपति थाकसिन शिनवात्रा की सरकार के राजनीतिक विरोधी हैं, जिसका नेतृत्व सोन्धी लिमथोंगकुल कर रहे हैं, जो प्रधानमंत्री के पूर्व बेहद धनी मित्र हैं और अब उनसे घोर नफरत करते हैं। मैं अपने लोगों को चीनी और थाई अरबपतियों के बीच अहंकार की

लड़ाई में एक-दूसरे को फाड़ते देखकर हैरान हूँ; मैं सोचती हूँ कि थाई लोगों ने कुछ नहीं सीखा, कुछ नहीं समझा। बूढ़ी टुक ने भले ही स्कूल न पढ़ी हो, लेकिन वह जानती है कि हम किससे निपट रहे हैं। जब वह उन्हें टेलीविजन पर बकवास करते देखती है, तो वह उठकर स्क्रीन पर थूकती है और दोहराती है कि ये हिरनी जैसे परिवार आपस में ऐसे लड़ रहे हैं जैसे लालची और क्रूर गिद्ध थाई जनता के शवों के लिए लड़ रहे हों।

मेरी माँ हमेशा कहती थीं कि टुक पुरुषों के दिल की बात जान सकती है, और वह अक्सर सही होती थीं। जब ये बड़े-बड़े लोग जनहित की बात करते हैं, तो ज़रा सी भी सच्चाई जानो तो भ्रष्टाचार और निजी स्वार्थ ही नज़र आते हैं। मैं तो अभी बच्चा हूँ, पर मुझे भी पता है कि वे दोनों पक्के दोस्त थे, जब तक कि थाकसिन ने क्रुंग थाई बैंक के प्रमुख विरोज नुआलखैर को बर्खास्त नहीं कर दिया। विरोज नुआलखैर, सोंधी के करीबी सहयोगी थे, जिन्होंने अपने बैंक के सोंधी समूह के भारी कर्ज़ माफ करने पर सहमति जताई थी और आगे भी बड़े कर्ज़ माफ करने की तैयारी में थे। अखबारों में खबर है कि अकेले क्रुंग थाई बैंक को चालीस अरब बात का घाटा हुआ है, शायद इससे भी ज़्यादा... किसी को ठीक से पता नहीं, लेकिन इतना ज़रूर पता है कि ये घाटा जनता को ही भरना पड़ेगा, इसलिए जब मैं सोचता हूँ कि हमने अपना घर और ज़मीन लगभग मुफ्त में बेच दी, तो मुझे दुख और घृणा होती है। लेकिन मेट्रो अभी-अभी सियाम स्क्वायर पर रुकी है, और युवाओं की भीड़ ट्रेन में चढ़-उतर रही है। देखते ही देखते, मैं अपनी पीली कमीज़ और बुरे विचारों को भूल जाता हूँ। मैं अभी इतनी छोटी हूँ कि पुरानी बातों में उलझी नहीं रह सकती। बीते हुए कल पर सोचने का कोई फायदा नहीं। मुझे अभी यहीं अपना जीवन बनाना है।

सियाम स्क्वायर के चारों ओर संगमरमर से सजे शॉपिंग मॉल में सैकड़ों दुकानें मनचाही चीज़ें प्रदर्शित करती हैं, जिन्हें देखकर मेरा सिर चकरा जाता है। मैं गायक सेक लोसो का मशहूर गाना "बट आई वोंट गो टू पैंथिप" गुनगुनाता हूँ: पूर्वोत्तर का रहने वाला, एक ईसान जो अपने लंबे बालों और मोहक होंठों से मुझसे मिलता-जुलता है। लोसो का मतलब है निम्न समाज, उच्च वर्ग के विपरीत: बैंकॉक में जिसे 'हाई सो' कहते हैं।

मैं तुम्हें मॉल ले चलूँगा, और फिर हम सेंट्रल जाएँगे।

हम दोनों अकेले ही एम्पोरियम भी जाएंगे।

लेकिन मैं पैंटिप नहीं जाऊंगा, किसी भी हालत में मैं पैंटिप नहीं जाऊंगा।

मैं आपसे विनती करता हूँ कि पैंटिप न जाएँ, मैंने आपको पिछली बार इसके बारे में बताया था।

लेकिन मैं पैंटिप नहीं जाऊंगी, किसी भी हालत में नहीं! मैं किसी ऐसे व्यक्ति से नहीं मिलना चाहती जिसने मेरा दिल तोड़ा और अब पैंटिप में दुकान चलाता है।

बैंकॉक का गौरव कहलाने वाले सियाम पैरागॉन में, गोरी चमड़ी वाली एशियाई बार्बी गुड़िया, जानी-पहचानी परियों की तरह, शॉपिंग मॉल की आलीशान दुनिया में घूमती हैं। सितारों की हमशक्लें स्टारबक्स की छतों पर बेपरवाह और सुस्त उदासी के साथ बैठी हैं। ऐसा लगता है मानो वे सीधे फैशन पत्रिकाओं के चमकदार पन्नों से निकल आई हों। सम्मोहित सुपरमॉडलों की दुनिया, जो एक दिन में उतना खर्च कर देती हैं जितना कई लोग एक महीने में नहीं कमा पाते। मुझे लगता है कि हर गुड़िया के पीछे कोई आदमी है जो क्रेडिट कार्ड का बिल चुका रहा है। इन खूबसूरत गुड़ियाओं की आंखें उतनी ही अंतर्मुखी हैं जितनी कोरियाई या हांगकांग की टीवी पर गाने वाली स्टारों की।

एक गैलरी में एक मोड़ मुड़ते ही, एक सुनार की दुकान की खिड़की में दो युवा देहाती महिलाओं की अस्त-व्यस्त छवि दिखाई देती है, जो फटे-पुराने कपड़े पहने और मटमैले रंग के चेहरे वाली हैं। यह छुपाना नामुमकिन है कि हम उन्हीं गाँवों से आए हैं जहाँ फटेहाल बच्चे रहते हैं; सब कुछ हमारी पहचान उजागर कर देता है: हमारी त्वचा, हमारी भाषा, हमारे तौर-तरीके। सच्चे थाई से ज़्यादा लाओशियन, जैसा कि वे कहते हैं, "थाई थाए थाए"। सियाम पैरागॉन की चमकदार, नीरस दुनिया में घुसपैठिए... पा-रा-गॉन, जैसा कि बैंकॉक के हाई सो के अमीर लोग अकड़ के साथ कहते हैं। मुझे बुरिराम में ही रहना चाहिए था। यहाँ, मैं एक अदृश्य सीमा के पीछे धकेल दिया गया महसूस करता हूँ जो मुझे कोरियाई सितारों की इन बेफिक्र नकल से हमेशा के लिए अलग कर देती है। दुकानों की खिड़कियों में, जो पिछली से ज़्यादा आलीशान हैं, बैंकॉक हमें एक आईना दिखाता है, हमें वह दिखाता है जो हम नहीं हैं, जो मैं कभी नहीं बन पाऊँगा।

इस मोहक महल में, हम कुछ अन्य लड़कियों के पास से गुज़रते हैं जिनके साथ पश्चिमी लोग हैं। ये फ़ारंग (विदेशी), जैसा कि हम उन्हें कहते हैं, उन पुरुषों से मिलते-जुलते हैं जिनके घर मेरी माँ ने बनवाए थे। बड़े, हानिरहित स्तनधारी, बस एक खूबसूरत युवती के साथ इतराते हुए खुश। इन शांत स्वभाव वाली महिलाओं की पीली त्वचा बैंकॉक की उन संभ्रांत महिलाओं से भी ज़्यादा गोरी है जो ड्राइवर वाली जर्मन सेडान कारों में घूमती हैं। उनके साथ चल रही काले बालों वाली महिलाएं इसान भाषा में बातें करती हैं। वे गर्व से फ्रांसीसी हैंडबैग और इतालवी जूते दिखाती हैं, और दिखावटी ढंग से अपने सामान को सबसे महंगे मोनोग्राम वाले बैगों में रखती हैं। क्या धन का माप त्वचा की सफेदी से होता है? क्या मैं अमीर हो जाऊँगी अगर मेरी त्वचा गोरी हो जाए?

हम उत्सुकता से फ्रांसीसी पेस्ट्री की दुकान लेनोत्रे की खिड़की पर नज़र गड़ाए देखते हैं... लेमन मेरिंग्यू टार्ट, क्रेम ब्रूली, ओपेरा केक, तिरामिसू... या फिर स्विस घड़ी निर्माता पाटेक फिलिप की खिड़की पर... कैलात्रावा, नॉटिलस, गोंडोलो... नाम उतने ही खूबसूरत हैं जितनी खूबसूरती से वे वस्तुएं प्रदर्शित करते हैं। धनी लोग सुंदरता से प्रेम करते हैं और उसे पाने के लिए कीमत चुकाने को तैयार रहते हैं। पहली

मंजिल पर, एम्पोरियो अरमानी फ्रेंचाइजी और पॉल स्मिथ बुटीक के बीच, युवाओं की भीड़ एक लैम्बोर्गिनी के चारों ओर जमा है, जो किसी चमत्कार से यहाँ पहुँच गई है, और इसके चमकदार पीले इंजन से मोहित किशोरों में ईर्ष्या जगा रही है। हमारे पास ही, एक पंद्रह वर्षीय लड़का, जो मुझे मेरे भाई की याद दिलाता है, अपने प्रशंसक, मोटे दोस्त को समझाता है कि यह एक एवेंटाडोर यूनिका है, एक अनोखा मॉडल। ये नाम मेरे लिए कुछ भी मायने नहीं रखते, लेकिन ऐसा लगता है जैसे इन्होंने मेरे लोगों पर जादू कर दिया हो।

— इसका आनंद लो। फिलहाल, देखने में कुछ खर्च नहीं होता। अभी तक तो पैसे देकर खरीदारी करने वाले शॉपिंग मॉल बने ही नहीं हैं। वाह... आंखों को कितना सुकून मिलता है! नट हंसते हुए बोला और मुझे उस पीली वस्तु से दूर ले गया, उसका हाथ मेरे हाथ में आ गया।

हम ठहाकों के बीच फूट पड़े, राहगीरों को देखते हुए, अपनी खुशी में ऐसे मदहोश हो गए जैसे सर्कस में छोटी बच्चियां हों। दिखावे के इस रंगमंच में हर जगह तमाशा छाया हुआ है, जहां एयर कंडीशनिंग से ठंडी हवा की लहरें निकल रही हैं। हर कीमत एक कारखाने के मजदूर की कई महीनों की मजदूरी के बराबर है। मैं चाहे कितना भी हिसाब लगा लूं, नतीजा हमेशा एक ही होता है। किराया, खाना और कुछ ज़रूरी सामान चुकाने के बाद, मेरी चाची को भेजने के लिए ज़्यादा कुछ नहीं बचेगा। फिर भी, मैंने बचत करने का पक्का इरादा कर लिया है। कम से कम थोड़ा तो। वैसे भी, मुझे याद नहीं कि मैंने अपनी ज़िंदगी में कभी इतना हंसा हो। जब भूख बहुत सताती है, तो हम सियाम स्क्वायर की एक सुनसान गली में खड़ी एक फूड ट्रक से फ्राइड राइस खरीदने निकल पड़ते हैं। आसमान नीला है, ज़िंदगी अच्छी है। पास ही में एक विक्रेता, जो अपनी उम्रदराज सूरत से ऐसा लग रहा था मानो राजा चुललोंगकोर्न को जानती हो, नारियल के केक बेच रही थी जो बुरिराम बाजार में मेरी चाची द्वारा दिए जाने वाले केक से भी ज़्यादा स्वादिष्ट थे, इसलिए मैंने दो और खरीद लिए। गली-मोहल्लों और कांच की ऊंची इमारतों के बीच फैला बैंकॉक शहर थाई सिनेमा के सितारों की तरह ही विविधताओं से भरपूर है, एक अजीबोगरीब मिश्रण जो इस्सान गांव और कैलिफोर्निया के महानगर का संगम है। उस शाम, घर ले जा रही पुरानी बस में, हम धीरे-धीरे केक का स्वाद लेते हैं, नारियल के पेस्ट को अपनी जीभ पर पिघलने देते हैं। मैं थकी हुई थी, लेकिन मेरा दिल अपार खुशी से भरा हुआ था, एक ऐसी खुशी जो मुझ पर छा गई। मैं अभी सत्रह साल की भी नहीं हुई थी, और मेरा जीवन अभी शुरू ही हुआ था।

बड़े से बिस्तर पर लेटे हुए, हम अपनी थकान के बावजूद आधी रात तक बातें करते रहे, इतनी उत्साहित थीं कि नींद ही नहीं आ रही थी। नट मेरी वो बहन है जो मुझे कभी नहीं मिली।

*

* *

सोमवार की सुबह, मैं कारखाने में काम पर जाती हूँ। ग्रे ब्लाउज़ पहने सैकड़ों युवतियाँ एक विशाल, पक्के आंगन में इंतज़ार कर रही हैं, जहाँ एक चमकीला बोर्ड लगा है जिस पर लिखा है वांग थाई टेक्सटाइल कंपनी। कई युवतियाँ इस्सान भाषा बोलती हैं। कुछ, जिनकी त्वचा मुझसे भी ज़्यादा सांवली है, टूटी-फूटी खमेर भाषा बोलती हैं। लगभग सभी उस पूर्वोत्तर क्षेत्र से आती हैं जहाँ के लोग अपने बच्चों का पेट कभी नहीं भर पाए।

नट कागजी कार्रवाई पूरी करने के लिए मेरे साथ दफ्तर तक जाती है। एक सेक्रेटरी, जो हमसे थोड़ी ही बड़ी है, बताती है कि मुझे पहले पैकेजिंग लाइन पर लगाया जाएगा। मुझे सिलाई करना ज़्यादा पसंद होता। हालाँकि मैंने कभी सिलाई मशीन नहीं चलाई, लेकिन मैं सीख सकती हूँ। सिलाई करने वाली ज़्यादा कमाती है। मुझे पता है कि मैं नट से अलग इमारत में काम करूँगी। पता नहीं क्यों, लेकिन मैंने हम दोनों को साथ में काम करते हुए सोचा था। यह जानकर कि मैं उसे सिर्फ़ शाम को या दोपहर के खाने के समय ही देख पाऊँगी, मेरा दिल टूट जाता है। एक सिलाई करने वाली के तौर पर नट महीने में 8,000 बात कमाती है। मुझसे 2,000 बात ज़्यादा। सेक्रेटरी मुझसे मेरा नाप पूछती है और वांग थाई टेक्सटाइल के लोगो वाला एक नया ब्लाउज़ लेने जाती है। हम इमारत से बाहर निकलते हैं और पास के गोदाम से एक मालवाहक लिफ्ट लेकर एक विशाल, शोरगुल भरे कमरे में जाते हैं जो सफ़ेद रंग से रंगा हुआ है और फ्लोरोसेंट लाइटों से जगमगा रहा है, जहाँ दर्जनों महिला कर्मचारी और कुछ पुरुष कपड़ों से भरी भारी गाड़ियाँ धकेलने में व्यस्त हैं।

मैं तुम्हारे फोरमैन को बुलाने जा रहा हूँ, उसे तो स्पाइडर कहते हैं।

नट एक कांच के बूथ में गायब हो जाती है और फिर एक लंबे, कमज़ोर नज़र वाले आदमी के साथ लौटती है। वह सचमुच उन बड़ी हरी मकड़ियों जैसा दिखता है जो बरसात के मौसम के अंत में घास में झुंड बनाकर घूमती हैं।

— मैं आपको आपके सुपरवाइजर सोमचाई से मिलवाना चाहूंगा।

बिना मेरा अभिवादन किए, फुर्तीले इशारों से वह मुझे काम दिखाता है। मैं उसके मज़बूत, भारी हाथों को देखता हूँ। एक यांत्रिक रेल हैंगरों से लटके कपड़ों को ले जाती है; मुझे उन्हें हर कोण से देखना, मोड़ना और फिर पैक करना होता है। कार्यशाला में लगातार सॉल्वेंट की तेज़ गंध फैली रहती है। ठंडी आवाज़ में, फोरमैन निर्धारित समय-सारणी और उत्पादन दर का पालन करने पर ज़ोर देता है और फिर अपने काँच से घिरे कार्यालय में चला जाता है।

*

* *

दोपहर में हमारे पास लंच के लिए पैंतालीस मिनट का समय होता है। कुछ लोग सिगरेट पीने के लिए बाहर चले जाते हैं, जबकि अन्य लोग लॉकर रूम की बेंचों पर बैठकर बातें करना पसंद करते हैं, जहाँ पेशाब और पसीने की हल्की सी गंध लगातार बनी रहती है। एक संकरी, जालीदार रोशनदान, किसी डरावनी आँख की तरह, जेल में काम करने का अजीब सा एहसास दिलाती है। नट आँगन में मेरे साथ आकर बैठ जाती है।

- आप कैसे हैं?

फिलहाल मुझे तालमेल बिठाने में दिक्कत हो रही है, लेकिन मैं सीख जाऊंगा। ऐसा न होने का कोई कारण नहीं है।

— यह पहला दिन है, थोड़ी परेशानी होना स्वाभाविक है। आपको इसकी आदत हो जाएगी।

मैं हिम्मत दिखाने की कोशिश करती हूँ, लेकिन मेरा मन करता है कि बस अपनी ब्लाउज उतारकर भाग जाऊँ। बाहर मौसम बहुत सुहावना है। इस समय, सियाम स्क्वायर के शॉपिंग मॉल और रेस्तरां उन छात्राओं से भरे होंगे जिनकी त्वचा गोरी है और स्कर्ट गहरे नीले रंग की हैं, जबकि हम पथुम के एक पक्के आंगन में ग्रे ब्लाउज पहने घूम रहे हैं।

वांग थाई टेक्सटाइल कॉम्प्लेक्स में सफेद रंग से रंगी चार तीन मंजिला इमारतें हैं। मुख्य प्रवेश द्वार के पास ही अधिकारियों की कारों और मोटरसाइकिलों के लिए पार्किंग की जगह है। प्रबंधन कार्यालय उस इमारत की सबसे ऊपरी मंजिल पर हैं जहाँ मैंने आज सुबह कागज़ात पर हस्ताक्षर किए थे; कैफेटेरिया उसी ब्लॉक के भूतल पर है। नट गर्व से बताती हैं कि सुबह छह बजे से ही ट्रकों का एक निरंतर प्रवाह चीन या भारत से कपड़े के रोल से भरे कंटेनर लेकर आता है और उसी सुबह बाद में वांग थाई टेक्सटाइल के उत्पादों से भरे कंटेनर लेकर रवाना हो जाता है। ये मुख्य रूप से जींस, टी-शर्ट और महिलाओं के कपड़े होते हैं जो यूरोपीय वितरकों के लिए बनाए जाते हैं। ड्राइवर कपड़े उतारने और तैयार उत्पादों को यूरोप, जापान या संयुक्त राज्य अमेरिका जाने वाले कंटेनर जहाजों पर लादने के लिए लाएम चाबांग बंदरगाह पर बार-बार आते-जाते रहते हैं। उनके द्वारा वांग थाई टेक्सटाइल को हर दिन समृद्ध बनाने वाले उत्पादन चक्र का वर्णन सुनकर, ऐसा लगता है मानो वह कारखाने की मालिक हों, या

उसमें शेयरधारक हों। मैं उनकी बातों को आधे मन से सुन रहा हूँ क्योंकि मुझे भूख लगने लगी है। नट ने मेरा ध्यान भटकते हुए देखा।

"कैंटीन के लिए थोड़ा इंतजार करना बेहतर होगा। अभी यहाँ बहुत भीड़ है," उसने मुझसे कहा, कारखाने के बारे में उसकी व्याख्याओं में मेरी अरुचि देखकर वह थोड़ी निराश थी।

हम मुख्य गोदाम में कैदियों की तरह टहलते हैं, फिर अंत में करीने से सजी मेजों से भरे एक कमरे में प्रवेश करते हैं। वांग थाई टेक्सटाइल में सब कुछ एकदम व्यवस्थित है: छत पर लगी बिजली की रेलों से चलने वाले वर्कस्टेशन, कैफेटेरिया में फॉर्मिका की मेजें, पार्किंग में खड़ी मोटरसाइकिलें, हंजिन, एवरग्रीन या माएर्स्क लेबल वाले कंटेनर। सफेद बालों की जाली पहने महिलाएं सफेद प्लास्टिक की प्लेटों से खाना फर्श पर रख रही हैं। नट एक कतार में लग जाती है, मैं भी उसके पीछे-पीछे चलती हूँ, उसकी नकल करती हूँ। बैठने के बाद, भूख के बावजूद, मैं अपना सूप नहीं पी पाती; सुबह से ही मेरा पेट खराब है। काम न कर पाने का डर, काम न संभाल पाने का डर। बातचीत की लगातार गूंज कर्मचारियों को खाना खत्म होते ही मेजें साफ करने के लिए प्रेरित करती है। दस मिनट बाद, घंटी बजती है, और नट उठ जाती है।

- हमे जाना है।

— डेजा ?

मैं अपनी बिल्डिंग में मालवाहक लिफ्ट ढूंढते-ढूंढते रास्ता भटक गया। पहले दिन देर होने के डर से मैं घबरा रहा था, तभी ब्लाउज पहने एक आकर्षक लड़की ने भारी आवाज़ में मुझसे पूछा:

— T’es perdue ?

- मुझे भी ऐसा ही लगता है।

- आप कहां काम करते हैं?

— पैकेजिंग विभाग में, आज सुबह से।

ठीक है, मैं भी पैकेजिंग विभाग में काम करता हूँ और पहले दिन मैं भी रास्ता भटक गया था। लगता है ये सबसे बेवकूफ कर्मचारियों को निकालने का एक तरीका है... लेकिन जब आप अपने दोस्तों की काबिलियत देखेंगे, तो आपको जल्दी ही समझ आ जाएगा कि ये सब बेकार का टेस्ट है।

वह मुझे ऐसे हाथ से पकड़ती है जैसे किसी खोए हुए बच्चे को पकड़ते हैं और मुझे एक धातु के दरवाजे की ओर ले जाती है।

मेरा नाम साई है, और आपका?

— खिलौना

वहां से गुजरते हुए वह एक बुजुर्ग व्यक्ति को नमस्कार करती है जो गत्ते के बक्सों से भरी ट्रॉलियां धकेल रहा होता है।

— ये प्रिचा है, लोग इन्हें "बुद्धिजीवी" कहते हैं।

वह आदमी एक ढीली-ढाली ब्लाउज पहने हुए है, जिसकी आस्तीनें उसने मोड़ रखी हैं। वह दुबला-पतला दिखता है, उसकी कमज़ोर नज़र के कारण उसकी आँखें पतली फ्रेम वाले छोटे चश्मे के पीछे छिपी हैं, जिससे वह हमेशा छात्र जैसा लगता है। मैं उसकी उम्र का ठीक-ठीक अंदाज़ा नहीं लगा पा रही हूँ: पचास, शायद उससे ज़्यादा। साई व्यंग्य से कहती है कि वह थोड़ा बुढ़ापे की वजह से कमज़ोर हो गया है, और नए आने वालों को डरा देता है।

उस पर ज्यादा ध्यान मत दो। तुम्हें पता है उसने मुझसे पहली बात क्या कही थी?

— नहीं?

वह धीमी और गहरी आवाज में बोलने लगती है।

— सावधान रहो, नन्ही बच्ची, बैंकॉक एक मकबरा है। सब कुछ दूषित है: हवा, पानी, लोग। चाओ फ्राया नदी की धातु जैसी धाराएँ अपने साथ मरी हुई मछलियों के सिवा कुछ नहीं लातीं।

मैं जोर से हंस पड़ी। साई बहुत सुंदर है: संतुलित चेहरा, जीवन के प्रति उसकी उमंग से भरा सुनहरा अंतर्मन।

"लोग कहते हैं कि वो पहले कम्युनिस्ट हुआ करता था। मुझे तो बस यही दिखता है कि अब वो एक मामूली सी नौकरी में दिन में दस घंटे कपड़ों से भरी शॉपिंग कार्ट धकेलते हुए अपना समय बर्बाद कर रहा है। लेकिन शायद ये सब बस गपशप हो। लड़कियाँ बहुत बातें करती हैं।"

वह कंधे उचकाती है। काम फिर से शुरू होता है। आज सुबह की तुलना में मुझमें ऊर्जा कम है। दोपहर लंबी होने की संभावना है। प्रिचा चिंतित होकर मुझसे मिलने आती है:

- आपके लिए सब कुछ कैसा चल रहा है?

कोई बात नहीं! मैं अपनी तरफ से पूरी कोशिश कर रहा हूँ!

हमें पहला सप्ताह किसी तरह गुजारना होगा।

वह मुझे गंभीरता और दयालुता के मिले-जुले भाव से देखता है, फिर एक हल्की मुस्कान के साथ अपना सिर हिलाता है और एक तरफ हटकर मेरी जगह पर खड़ा हो जाता है:

आप गलत तरीके से कर रहे हैं। अंदर से, अस्तर से शुरू करें। इससे कम हलचल होगी... देखिए... ऐसे।

मैं उसकी नकल करता हूँ, वह सही है। यह कोई रॉकेट साइंस नहीं है और यह तेज़ भी है। फोरमैन को मुझे यह शॉर्टकट, ये किफायती और सहज हरकतें दिखानी चाहिए थीं: हाथों की एक सावधानीपूर्वक नियोजित हरकत जो मुझे इस विशाल मशीन का एक छोटा सा पुर्जा बना देती है।

अगर आपको किसी चीज की जरूरत हो तो मुझे बता देना। हम मजदूरों को एक-दूसरे का साथ देना होगा।

प्रिचा संतुष्ट होकर कैराबो गीत सीटी बजाते हुए चली जाती है।

"मेड इन थाईलैंड", और जब वे उन्हें दुकानों में रखते हैं।

वे उन पर "मेड इन जापान" के लेबल चिपका देते हैं। ताकि उन्हें अच्छी कीमत पर अच्छी तरह बेचा जा सके।

हर पांच मिनट में, मैं घड़ी पर एक नज़र डालता हूँ। दोपहर का समय अंतहीन सा लगता है, और अभी तो केवल तीन बजे हैं। ट्रैक के दूसरी ओर, साई मुझे हौसला देते हुए मुस्कुराता है। मेरे पैर सागौन की लकड़ी की तरह सख्त हैं।

बस पाँच मिनट बचे हैं। ज़्यादातर औरतें धीरे-धीरे काम करती हैं, अपने वर्कस्टेशन ठीक करती हैं और जाने की तैयारी करती हैं। आख़िरकार घंटी बजती है, मानो मुक्ति मिली हो। लोग अपनी पूरी ज़िंदगी घंटियों की इस लय में कैसे गुज़ार सकते हैं? हर कोई जोश में धक्के खाते हुए बाहर निकलने की तरफ़ भागता है। लॉकर रूम पक्षियों के दफ़्तर में बदल जाता है। औरतें कपड़े बदलती हैं, ज़ोर-ज़ोर से बातें करती हैं। मैं साई को व्यर्थ ही ढूंढता हूँ, वह लड़की जो इस कारखाने में एक अनोखी आज़ादी का भाव लिए घूमती है।

बाहर अंधेरा हो चुका है। मैं गहरी सांस लेता हूँ। बैंकॉक की हवा में भले ही धुएं की बदबू फैली हो, लेकिन मुझे उसमें आज़ादी और बाहरी दुनिया की महक महसूस होती है। नट बिजली के ट्रांसफार्मर के पास अधीर हो रही है।

— तुम क्या कर रहे थे? अगर हमें 510 नंबर की बस पकड़नी है तो हमें जल्दी करनी होगी।

बस स्टॉप पर अफरा-तफरी मची हुई है। तीन भरी हुई बसों को जाने देने के बाद आखिरकार हम चौथी बस में जैसे-तैसे घुस पाए। एक भी सीट खाली नहीं थी। मेरा शरीर ठंडा पड़ने लगा और मांसपेशियों में दर्द होने लगा। ड्राइवर अचानक बस को आगे बढ़ाता है, जैसे कोई विशाल इल्ली कीचड़ में मर रही हो। आधा घंटा वहीं खड़े-खड़े बीत गया, गिरने से बचने के लिए मैंने बस की रॉड को कसकर पकड़ रखा था। घुटन भरी हवा ग्रीनहाउस से भी ज़्यादा गर्म थी। फिर भी, इस झुलसा देने वाली धातु के नीचे भी, मैं वर्कशॉप के पिंजरे से बेहतर साँस ले पा रहा था। खिड़कियों से मैं बाहर की दुनिया को निहार रहा था, सड़कें विक्रेताओं से भरी हुई थीं, कुत्ते आज़ाद घूम रहे थे। मैं समझ गया कि शाम की घंटी बजने के बाद ही जीवन शुरू होता है। बस आखिरकार एक चौराहे के बीचोंबीच अचानक रुक गई। नट अधीर हो रही थी और उसने मुझे उतरने का इशारा किया।

> पैदल चलकर हम जल्दी पहुँच जाएँगे। हमें अभी सेवन इलेवन से पानी और बगल वाली छोटी सी दुकान से दो ट्रे फ्राइड राइस खरीदनी हैं।

आखिरकार, बेडरूम में, आराम। मैं चादर पर लेट जाती हूँ। घर पहुँचने में चालीस मिनट बाकी हैं। नट जल्दी से नहाने चली जाती है, लेकिन मैं नहीं जा सकती। अभी तो बिल्कुल नहीं। मुझे साँस लेने की ज़रूरत है। बहुत थकी हुई हूँ। मैं अपने सूजे हुए पैरों के नीचे एक तकिया रख लेती हूँ। कितना सुकून मिलता है। कल नहा लूँगी। थकान इतनी ज़्यादा है कि एक पल के लिए मुझे लगता है कि मुझे सोने की भी ताकत नहीं होगी।

*

* *

मुझे बेचैनी हो रही है। अफसोस, सूरज अभी देर से निकला है। मैं पूरे कपड़े पहने हुए चैन से सोया था। मुझे बहुत भूख लगी है। प्लास्टिक की थैली में कल का तला हुआ चावल ठंडा हो गया है। चलो कोई बात नहीं, हरी इलास्टिक टूट जाती है। मैं उसे चट कर जाता हूँ।

हम 510 नंबर की बस से दूसरी दिशा में वापस आते हैं। वही सड़क, वही जाम। आज का सफर कल से छोटा लगता है; रास्ते में, मुझे कुछ ऐसी चीज़ें नज़र आती हैं, दुकानों के साइनबोर्ड जो मैंने कल रात नहीं देखे थे। एप्रन पहने विक्रेताओं ने फुटपाथ पर रंगीन प्लास्टिक के स्टूल लगाकर मेजें लगा रखी हैं और फीकी छतरियों के नीचे खाना बेच रहे हैं। बैंकॉक बैंक की एक शाखा के पास झाड़ूओं से ढकी एक

तिपहिया साइकिल खड़ी है, जो भूसे जैसे पीले रंग से रंगे एक विशाल हेजहॉग जैसी दिखती है। स्कूली बच्चों की सफेद कमीज और नीली शॉर्ट्स को उनकी वर्दी में छोटे-छोटे, नींद में डूबे समूहों में इंतज़ार करते देख, मुझे मिस सुपाणी और विदुर के लिए एक कोमल भावना आती है, वो भाई जो ज्ञान के सुखों से बेखबर है।

ब्रेक के दौरान लड़कियाँ सिगरेट पीती हैं, गाँव के बच्चों, पैसों की दिक्कतों और बेवफ़ा पतियों के बारे में बातें करती हैं। छोटी लड़कियाँ अपने वीकेंड की सैर या अपने बॉयफ्रेंड के बारे में बातें करती हैं। मैं कुछ नहीं बोलती, क्योंकि मेरे पास कहने को कुछ खास नहीं है: न कोई सैर, न बच्चे, न कोई बॉयफ्रेंड। मुझे इस भयानक थकान की आदत भी नहीं है, जिसकी वजह से चेहरे पहचानना मुश्किल हो जाता है। मैं चीज़ों की रूपरेखा भी मुश्किल से देख पाती हूँ; लोग अभी भी धुंधले से लगते हैं। मुझे यह भी नहीं पता कि साई बाकी लोगों के साथ है या नहीं। थकान असहनीय है; यह मेरे पूरे शरीर, मेरे पूरे दिमाग को जकड़ लेती है, जैसे किसी जीते हुए इलाके में डेरा डाले कोई विदेशी सेना मुझ पर हावी हो गई हो।

दोपहर के भोजन के समय, साई ने मुझे बताया कि वह अक्सर सप्ताहांत में नाचने जाती है। लोग कहते हैं कि उसे लड़के और लड़कियाँ दोनों ही पसंद हैं। शायद इसलिए कि उसमें अभी भी जीवन की वह चमक बाकी है जो दूसरों ने बहुत पहले खो दी थी। फिर भी वह भी दिनभर काम करती है; नतीजा सबके लिए एक जैसा ही होता है। हर ब्रेक में, चाहे वह कितनी भी बार पाउडर लगाए, कारखाने में दस घंटे बिताने के बाद सबसे साफ-सुथरे चेहरे पर भी असर दिखने लगता है।

यह सिलसिला तीन बजे फिर शुरू हो जाता है। ऐसा लगता है जैसे कोई मेरी मांसपेशियों को आरी से काट रहा हो। मैं हर पाँच मिनट में घड़ी देखता हूँ। एक जुनून सा बन गया है: बैठना, लेटना, सोना, मर जाना। मुझे खुद को मजबूत बनाना होगा।

दोपहर के ब्रेक की घंटी बजती है, ठीक उसी समय जब मैं गिरने ही वाली थी। लॉकर रूम में, साई मेरे बगल में बैठ जाती है और अपना मेकअप ठीक करने लगती है। वह उन कुछ लोगों में से एक है जो ब्रेक के दौरान मेकअप दोबारा लगाती हैं। चाहे यह दिखावटी घमंड हो या बची-खुची गरिमा, वह हमारे थके हुए चेहरों पर छपी थकान को छुपाने की कोशिश करती है। कॉम्पैक्ट की क्लिक की आवाज़ आती है। वह मेरी तरफ मुड़ती है, अपने मेकअप से खुश।

इससे पहले आप कहाँ काम करते थे?

— बुरिराम के पास वाले गांव में, अपनी मां और चाची के साथ।

— यह तो निश्चित है, यह आपके लिए एक बदलाव होगा।

पैकिंग लाइन पर, साई अपनी खूबसूरत, थोड़ी कर्कश आवाज़ में लगातार मज़ाक करता रहता है। हालाँकि कई औरतें उसके अश्लील चुटकुलों पर हँसती हैं, मुझे जल्दी ही एहसास हो जाता है कि ज़्यादातर उसे पसंद नहीं करतीं, क्योंकि वे इस चुलबुली लड़की से जलती हैं जो उन स्त्रियों जैसी है जो मर्दों का ध्यान अपनी ओर खींचना जानती हैं।

आंगन में, ट्रांसफार्मर के पास नट मेरा इंतजार कर रही है। वह साई को जानबूझकर नजरअंदाज कर देती है, जो अलविदा कहने के लिए हाथ उठाता है। जब हम रुकते हैं, तो नट ईर्ष्या से मुझसे कहती है:

— मुझे लगता है कि आपने पहले ही कुछ दोस्त बना लिए हैं।

मैं कोई प्रतिक्रिया नहीं देता। फिर, कमरे में वापस आकर, जैसे ही मैं थकान से चूर होकर बिस्तर पर गिर पड़ता हूँ, नट फिर से मेरे पास आती है:

उस लड़की से सावधान रहना, वह तुम्हारे लिए अच्छी नहीं है!

- आप क्यों कहते हो कि ?

क्या तुमने उसकी सोने की चेन और उसके कपड़े देखे?

- उससे क्या फर्क पड़ता है?

— आपको कारखाने में मिलने वाली मजदूरी तो पता ही है। आपका क्या विचार है?

उस क्षण से, मैंने साई को अलग नज़रिए से देखना शुरू कर दिया, भय और प्रशंसा के मिश्रित भावों के साथ। वह निषिद्ध का प्रतीक थी: एक विचित्र और आकर्षक दुनिया। सियाम के राजा की सोने के वस्त्रों में सजी प्रिय महिलाओं और नशे में धुत, भटकती हुई लड़कियों की छवियां मेरे मन में घुलमिल गईं।

*

* *

मेरी पहली तनख्वाह 30 जून, 2006 को आई और इसने मुझे निराश कर दिया। मैंने उस कीमत की कल्पना भी नहीं की थी जो मुझे चुकानी पड़ेगी। यह थकावट जो धीरे-धीरे जान ले लेती है।

मैं हिसाब-किताब कर रही हूँ। नट को किराया, पानी और बिजली के लिए जो पैसे देती हूँ, उन्हें घटाने के बाद मेरे पास चार हज़ार बात से भी कम बचते हैं। अगर खाने-पीने, आने-जाने और दूसरे छोटे-मोटे खर्चे भी जोड़ दूँ, तो मेरी चाची को भेजने के लिए मुश्किल से दो हज़ार बात ही बचेंगे, और ये तो कपड़े खरीदने

और खुद को हर चीज़ से वंचित रखने के बिना है। बैंकॉक में सब कुछ इतना महंगा है। मैं निराश हूँ; मेरा मन करता है कि सब कुछ छोड़ दूँ, गाँव वापस चली जाऊँ। लेकिन अगर मैं वापस चली गई, तो एक और पेट पालने का बोझ बढ़ जाएगा और पा के लिए दो हज़ार बात कम हो जाएँगे। मुझे तब तक इंतज़ार करना होगा जब तक मुझे कोई बेहतर नौकरी न मिल जाए। बेहतर, लेकिन क्या?

पिछले दो हफ़्तों से नट, कैंटीन में मिले शिपिंग विभाग के एक मज़दूर बेंज़ से मिल रही है। वे हर सप्ताहांत और कभी-कभी सप्ताह के दिनों की शामों में भी मिलते हैं। वह मेरे साथ कम ही बाहर जाती है। मुझे इससे कोई शिकायत नहीं है। छब्बीस साल की उम्र में, अब उसके लिए शादी कर लेना ही बेहतर है। इस उम्र में, गाँव में ज़्यादातर लड़कियाँ माँ बन चुकी होती हैं।

> मैं अपने परिवार के लिए बेताब हूँ। मैं अपने प्यार के लिए कुछ भी करने को तैयार हूँ। टॉय, एक दिन तुम्हें भी यह मौका मिलेगा।

मैं, किसी रिश्ते में खुश? इसके बारे में सोचना भी मत; मैंने कभी घनिष्ठ परिवार नहीं देखा। क्या आप उस चीज़ की इच्छा कर सकते हैं जिसे आपने कभी जाना ही नहीं? मैं बस इतना जानती हूँ कि मैं जो जीवन जी रही हूँ वह केवल नाम का जीवन है।

मैं कभी-कभी उनके साथ दोपहर का खाना खाती हूँ। बेंज़ दुबला-पतला, चिड़चिड़ा सा आदमी है, जिसकी छाती पर टैटू हैं और आँखें लाल-पीली हैं। वह हमेशा अपनी पुरानी लाल होंडा ड्रीम मोपेड के साथ रहता है, जिसका इंजन मॉडिफाइड है। वह अपना आधा खाली समय उसे चमकाने में और बाकी आधा समय फैक्ट्री के गेट के सामने उसे तेज़ आवाज़ में चलाने में बिताता है ताकि युवा महिला कर्मचारियों को प्रभावित कर सके। क्योंकि वह गोदाम में काम करने के अपने काम को तुच्छ समझता है, नट उसे महत्वाकांक्षी समझती है। जब वह अपनी योजनाओं के बारे में बात करता है, तो वह उसके लिए एक अलग ही जीवन की तस्वीर पेश करता है, उसे पूरा यकीन है कि उसका भविष्य उज्ज्वल है। बेंज़ के साथ बिताई हर शाम के बाद, नट ऊर्जा से भरपूर होकर घर आती है, उसके विचारों और अजीबोगरीब आदतों से भरी हुई। वह उन्हें तब तक दोहराती रहती है जब तक वे उसकी आदत न बन जाएँ। शायद यही प्यार है: अपने सपनों को त्यागकर किसी और के सपनों को अपनाना, चाहे वे कुछ भी हों।

आज शुक्रवार की रात है और नट को मुझे कमरे में अकेला छोड़ने का बुरा लग रहा है। बाहर जाने से ठीक पहले, वह मुझे अपने साथ चलने का सुझाव देती है।

— बेंज अपने कुछ दोस्तों के साथ वहां मौजूद रहेगा, क्या यह आपको अच्छा लगता है?

— ...

— मैं तुमसे बात कर रहा हूँ, टॉय

दो हफ्ते पहले, मैं खुद को असमर्थ समझता, अपने लंबे दिनों के बोझ तले दबा हुआ, लेकिन अंत में, मैं सहमत हूँ। बेंज़ के दोस्तों के बारे में मुझे कोई खास उम्मीदें नहीं हैं, लेकिन बस बाहर निकलना ही इस थकान पर एक छोटी सी जीत है जो हमारे शरीर को कुतर रही है। बेंज़ ने उससे कराओके बार में मिलने का इंतज़ाम किया है, जो नहर के गहरे पानी और हाईवे के किनारे बने कैल्टेक्स पेट्रोल पंप के बीच में है। गाड़ियाँ पहले से ही पार्किंग में खड़ी हैं। लाल रंग की ड्रीम मोटरसाइकिल पार्किंग में नहीं है, बल्कि एक कार पार्किंग के ठीक बीच में भैंस के गोबर के ढेर की तरह खड़ी है। अंदर, लगभग एक दर्जन टेबल पहले से ही युवाओं से भरी हुई हैं जो ज़ोर-ज़ोर से बातें कर रहे हैं और नए हिट गाने गा रहे हैं। बेंज़ एक छोटी टेबल के पीछे दो दोस्तों के साथ बैठा है जो उसे प्रशंसा भरी निगाहों से देख रहे हैं। दोनों में से बड़े वाले का चेहरा तैलीय है और उस पर गहरे मुहांसों के निशान हैं, मानो काम के बाद गुंडों ने उसे दीवार से सटाकर चाकू से वार किया हो। छोटे लड़के के बाल अजीब तरह से कटे हुए हैं, टोपी जैसे, और उसने कान में बाली पहनी है। अपनी प्रतिष्ठा को और मजबूत करने के लिए, बेंज ने बेहद महंगी ब्लैक लेबल की बोतल मंगवाई। हमेशा की तरह, यह हद से ज्यादा घमंड उनकी अपार आलस्य को छुपाता है।

आप सब लड़कियां कैसी हैं?

— क्या आप यहां लंबे समय से हैं? नट ने पूछा।

हम अभी-अभी यहाँ पहुँचे हैं। आज रात की भीड़ देखी? शुक्र है मैंने पहले से ही रिजर्वेशन करवा लिया था। चलिए, मैं आपको अपने दो दोस्तों से मिलवाता हूँ। छोटा वाला कीट है और ये बड़ा जैक है, जो बच्चों को डराता है।

बेंज़ बहुत बातें करता है, ज़्यादातर अपने बारे में ही, दूसरों में उसकी कोई दिलचस्पी नहीं है सिवाय उनकी आलोचना करने के। मुझे उसमें एक दिखावटी चरित्र नज़र आ रहा है, जो किसी भी तरह के अधिकार का विरोधी है। वह हर चीज़ से नफ़रत करता है, हर चीज़ पर उसकी राय है, बहुत ही मज़बूत राय। वह उस तरह का इंसान नहीं है जिसे कभी संदेह होता हो। मुझे हैरानी होती है कि उसके ये पक्के विचार कहाँ से आते हैं। स्कूल में वह मुझसे आगे नहीं बढ़ पाया और तब से अपना दिन कपड़ों के बक्सों से कंटेनर भरने और यह सुनिश्चित करने में बिताता है कि वह कुछ भी न भूल जाए। फिर भी उसके दोस्त उसे भगवान पिता की तरह देखते हैं।

"इसमें कोई शक नहीं, तुम वाकई बहुत होशियार हो, बेंज," उसके दाहिनी ओर बैठा नन्हा सा लड़का फुसफुसाता है, जिसकी आंखें लड़की जैसी हैं और जो उसे अपनी आंखों से निहार रहा है।

मैं खुद से कहती हूँ कि इसका अंजाम बुरा ही होगा। एकदम निकम्मी, मीठी-मीठी बातें करने वाली, जो कभी कुछ नहीं बन पाएगी। नट बड़े प्यार से उसकी देखभाल कर रही है, उसकी आँखों में एक कोमल,

लगभग पशुवत भाव है, और वह अपनी बांह के अंदरूनी हिस्से को सहला रही है। उसकी ये निष्क्रियता मुझे अंदर से मार रही है; मुझे नट से नफरत होने लगी है, इतनी स्त्रीत्व से भरी हुई, उसकी उंगलियों तक। यकीन नहीं होता, उसकी आँखों में कुछ गड़बड़ है। मुझे उसके लिए डर लग रहा है, लेकिन मुझे नहीं पता कि उसे कैसे बताऊँ।

आस-पास की मेजों पर खाली बोतलें और छलकती हुई ऐशट्रे पड़ी हैं। युवा और अधेड़ उम्र के कामकाजी वर्ग के पुरुषों के समूह शराब पीते हैं, मौज-मस्ती करते हैं और अपने साथ आई लड़कियों के समूह के साथ छेड़छाड़ करते हैं। उनमें से अधिकांश सप्ताह के दिनों में पथुम थानी या रंगसिट के औद्योगिक क्षेत्रों में काम करते हैं। हम जैसे प्रांतों से आए गुलाम, वे सप्ताहांत में शराब पीकर यह भूल जाते हैं कि वे पूरे सप्ताह कपड़ा और इलेक्ट्रॉनिक्स कारखानों में कड़ी मेहनत करते हैं, दिन भर जापानी या कोरियाई स्वामित्व वाले कारखानों में हार्ड ड्राइव असेंबल करते हैं। बेंज कभी भी बोलना बंद नहीं करता, या तो दिखावा करने के लिए या दूसरों की बुराई करने के लिए।

“मुझे तुम्हारा दोस्त प्रिचा समझ नहीं आता,” उसने मुझसे कहा। “इस उम्र में भी वो फैक्ट्री में काम कैसे कर रहा है? मैं उससे कहीं ज़्यादा महत्वाकांक्षी हूँ। मैं तो अपना खुद का मालिक बनना चाहता हूँ, अपना खुद का व्यवसाय शुरू करना चाहता हूँ। जितनी जल्दी हो सके, उतना अच्छा। मेरे पास कुछ विचार हैं, लेकिन उन्हें मैं अपने तक ही सीमित रख रहा हूँ।”

बगल वाली मेज पर, एक आकर्षक, थोड़ी नशे में धुत लड़की उठती है, उसका नितंब तेल से चमक रहा है और उसके शानदार स्तन उसकी चोली से बाहर निकल रहे हैं। वह माइक पकड़कर दा एंडोर्फिन का नवीनतम हिट गीत "लेस इल्यूजन्स" गाने लगती है, और अपनी धुंधली आँखों से एक लड़के को घूरती है जो सीट पर सुस्त बैठा है और मूर्खतापूर्ण ढंग से हँस रहा है।

क्या तुम सुन रहे हो, क्या तुम सुन रहे हो? कृपया, मेरी बात सुनो, मैं तुमसे प्यार करता/करती हूँ। तुम जहाँ कहीं भी हो, क्षितिज के उस पार, मैं बस इतना चाहता/चाहती हूँ कि तुम जानो। क्या तुम मुझे यह कहते हुए सुन रहे हो कि मैं तुमसे प्यार करता/करती हूँ? ये वो शब्द हैं जिन्हें सुनने का तुम इंतज़ार कर रहे थे। क्या तुम इन्हें सुन रहे हो?

इससे जैक को विचार आता है, जो बेंज का चिकना-चुपड़ा दोस्त है और धीरे-धीरे विनाइल बेंच सीट पर मेरे करीब आता जाता है।

नट, तुमने अपनी खूबसूरत रूममेट को हमसे छिपा लिया था।

मुझे नट की बेइज्जती होने से बचाने के लिए कम से कम थोड़ी-बहुत बातचीत करना अपना कर्तव्य लगता है।

— जैक, तुम कहाँ काम करते हो? मैंने तुम्हें वांग थाई के यहाँ कभी नहीं देखा?

— यह तो सामान्य बात है, मैं व्यापार करता हूँ।

— वाणिज्य? किस तरह का? मुझे लगता है कि आप लग्जरी कार के कारोबार में नहीं हैं।

बेंज अचानक बोलते ही जोर से हंसने लगता है।

— बहुत मज़ेदार... अरे नट, तुमने हमें बताया ही नहीं कि तुम्हारी गर्लफ्रेंड इतनी मज़ाकिया है। वो तो कपड़ों से भी बेहतर तरीके से चुटकुले सुनाती है।

— लाल-मुँहासे वाले चेहरे वाली लड़की जवाब देती है, "मैं रंगसिट में बिग सी के डेली सेक्शन में काम करती हूँ।"

“वो पक्का वांग थाई के लिए काम नहीं करता, उसका चेहरा तो तुम्हें याद रहता, जैक का चेहरा इतना आसानी से भूलने वाला नहीं है,” बेंज हंसते हुए कहता है और उसकी गर्दन पर ज़ोर से एक थप्पड़ मारता है। जैक का इतना मज़ाक उड़ाते हुए वो लड़का लगभग दम घुटने लगता है। मेरा मन करता है कि उससे पूछ लूँ कि क्या उसकी दादी उसके बाल काटती हैं।

शराब के नशे में मुहांसे से भरा कसाई थोड़ा खुल जाता है और व्हिस्की और कोक के बड़े-बड़े गिलास पीकर अपना हौसला बढ़ाता है। बेंज अपने नए कारनामों के बारे में बताता है: कैसे उसने कारखाने के गोदाम से जींस के दो बक्से चुपके से निकाले और उन्हें प्रातुनाम के एक कपड़े के थोक व्यापारी को बेच दिया। उसकी अकड़ भरी बातें सुनकर ऐसा लगता है मानो उसने सैन्य हथियारों से सेंट्रल बैंक का सोना लूट लिया हो। कितना निकम्मा आदमी है!

मुझे जो वेतन मिलता है, उसके हिसाब से मैं कोई कसर नहीं छोड़ने वाला। नैतिकता तो अमीरों के लिए है।

“अमीरों की चिंता मत करो, उन्हें नैतिकता की कोई परवाह नहीं होती,” मेरे एक दोस्त ने बीच में कहा। “बस देखो कि बड़ी-बड़ी कंपनियों के सीईओ किस तरह से मौज-मस्ती कर रहे हैं।”

बेंज वांग थाई के उन बदमाशों से चोरी करता है, यह बात उसे कुछ हद तक सहानुभूति के लायक बनाती है। मैं उससे विस्तार से पूछता हूँ: वह यह कैसे करता है? वह जींस किसे बेचता है? नट मुझे अजीब नज़र से देखती है, मानो उसे अभी पता चला हो कि वह एक विदेशी के साथ रह रही है। उसे यह समझ नहीं आ रहा होगा कि एक छोटी सी किसान लड़की चोरी से इतनी उत्साहित क्यों है। मेरा पड़ोसी, जो काफी नशे

में है, एक शराबी जैसा आत्मविश्वास हासिल कर चुका है और हर पाँच मिनट में मेरी गर्दन पकड़ने की कोशिश करता है।

— देखो टॉय, मैं भी एक खूबसूरत, सभ्य लड़की की तलाश में हूँ... उसे बता देना, बेंज।

"धिक्कार है, जैक, तुम तो हद ही कर रहे हो। बस करो। तुम सच में बिग सी के सबसे बेवकूफ आदमी हो..." बेंज ने पलटवार करते हुए कहा, "तुम न सिर्फ कोढ़ी जैसे दिखते हो, बल्कि ऊपर से बेवकूफी भी करने लगे तो..."

जैक से शराब की बदबू आ रही थी, उसके करीब जाने की हर कोशिश पर मैं पीछे हट जाता था और आधे घंटे बाद, इस संघर्ष से थककर, आखिरकार मैं उठ जाता था।

— माफ कीजिए नट, लेकिन मुझे अब घर जाना होगा। आपका दिन शुभ हो।

नट मुस्कुराई, मानो उसे खेद हो रहा हो। जब मैं जाने लगी, तो मुझे बेंज की आवाज़ सुनाई दी जो मुझ पर चिल्ला रही थी।

— तुम सही कह रहे हो, मेरे दोस्त एकदम निकम्मे हैं। अगली बार अकेले में मिलना बेहतर रहेगा।

मैं बस से घर लौटी; वह शाम बहुत खराब गुज़री थी। अगले दिन, दोपहर के आसपास नट आई, उसकी आँखों के नीचे काले घेरे थे, और उसने मुझे अपनी अंग्रेज़ी की किताब दे दी ताकि इसकी भरपाई हो सके। खैर, उसने उसे कभी छुआ तक नहीं। मैं पूरे सप्ताहांत अजीबोगरीब शब्दों की इस दुनिया में खोई रही। कम से कम उन बेवकूफों के साथ बिताई शाम ने मेरा यह मकसद तो पूरा कर दिया। अब मैं आखिरकार लोकप्रिय गाने और हॉलीवुड फिल्में समझने लगूँगी।

कभी-कभी प्रिचा ब्रेक के दौरान हमारे साथ शामिल हो जाता है। उसे बातें करना अच्छा लगता है, लेकिन वह कभी अपनी ज़िंदगी के बारे में नहीं बताता। वह हमें एक विद्वान की तरह समझाता है कि इंसान, इंसान के लिए भेड़िया है। वह बार-बार कहता है कि काम हमें अलग-थलग कर देता है और इस गुलामी में अपने विचारों और इच्छाशक्ति को खो देना एक तरह की मौत है। जब आपके पास अपनी स्थिति से निकलने का कोई रास्ता न हो, तो बहुत स्पष्ट होना अच्छा नहीं है। लड़कियाँ यह जानती हैं और उसे बड़बड़ाने देती हैं। इससे उसे अच्छा लगता है और हमारा ध्यान बँट जाता है। मैं साई से पूछती हूँ:

क्या प्रिचा का कोई परिवार है? पत्नी, बच्चे?

मुझे ऐसा नहीं लगता। वैसे भी, वह इस बारे में कभी बात नहीं करता। उसके लिए तो हमेशा उसकी जवानी की राजनीतिक कल्पनाएँ ही मायने रखती हैं। जब मैं उसे बताता हूँ कि वह सब अतीत की बात है, तो वह चिढ़ जाता है। वह कहता है कि इसके विपरीत, यह सब तो अभी भी प्रासंगिक है, और उसे हमारा युग घृणित लगता है।

अतीत के बारे में बात करने से वह वर्तमान के बारे में सोचने से वंचित रह जाता है।

तृतीय

हर शुक्रवार की रात की तरह, नट बेंज के घर पर सोता है। भीड़ भरी सड़क पर अकेले बस का इंतजार करते हुए, मुझे अपने कंधे पर किसी का हाथ महसूस होता है।

"आज रात के लिए तुम्हारी क्या योजना है?" साई ने मुस्कुराते हुए मुझसे पूछा।

— मैंने ओरिएंटल होटल में डिनर करने की योजना बनाई थी, लेकिन मेरी बीएमडब्ल्यू का ड्राइवर ट्रैफिक में फंस गया है, इसलिए मुझे बस से जाना पड़ेगा। ये तो बहुत बुरा है...

"अगर आपको कोई ओरिएंटल रेस्टोरेंट नहीं मिल रहा है," साई ने पलटवार करते हुए कहा, "तो मैं मदर सुपा के छोटे से बार का सुझाव देता हूँ, लेकिन पहले मुझे कपड़े बदलने होंगे। मैं अब डिसइंफेक्टेंट जैसी गंध बर्दाश्त नहीं कर सकता।"

उसका कमरा नट के कमरे जैसा ही है, उतना ही छोटा, बस थोड़ा कम अंधेरा है, शायद इसलिए क्योंकि उसने उसे पोस्टरों से ढक रखा है। एक भी थाई चेहरा नहीं, सिर्फ़ विदेशी। वैसे भी, थाई सितारे हमारे जैसे नहीं दिखते। वे सब लुक क्रुंग हैं, मिश्रित नस्ल के लोग जो खुद को अमेरिकी सितारे दिखाने की कोशिश करते हैं। वही सबका परिचय कराती है:

— बेयोंसे, काइली मिनोग, ब्रिटनी स्पीयर्स, शकीरा, क्रिस्टीन एगुइलेरा

वह मोहक अंदाज़ में नाचने लगती है, उनके गानों के बोल गुनगुनाते हुए, जो उसे ज़बानी याद हैं। वह शीशे के सामने कामुक पोज़ देती है। कितनी शालीन! वह थकान की उस ठंडी लहर को कैसे महसूस नहीं करती जो मांसपेशियों को सुन्न कर देती है? क्या शरीर अंततः ढल जाता है, जैसे बांस को मोड़ने पर, और कुछ समय बाद वह कृत्रिम आकार धारण कर लेता है? मेरा प्रताड़ित शरीर खुद को धोखा महसूस करता है; वह बदला लेता है, उस पर ये सब थोपने वाले के खिलाफ विद्रोह करता है। हफ्ते भर की दबी हुई थकान मुझ पर टूट पड़ती है। मैं बड़े से बिस्तर पर गिर पड़ता हूँ, ज़रा भी हिलने-डुलने में असमर्थ। साई कुछ चिप्स निकालती है, चेडर चीज़ वाले प्रिंगल्स। हम जुड़वां बहनों की तरह बातें करते हैं।

— चलो रात का खाना खाने चलते हैं और आज रात यहीं रुकते हैं। तुम्हारी गर्लफ्रेंड नट वैसे भी यहाँ नहीं है।

वह हंसते हुए आगे कहती है:

नट को इसका आनंद लेने का पूरा अधिकार है, जवानी जीवन का वसंत है।

— साईं, तुम्हारे पतझड़ आने से पहले अभी भी कुछ समय बाकी है!

एक जीवन छब्बीस हजार दिनों से अधिक नहीं होता। यदि आप प्रत्येक दिन को चावल के एक दाने से जोड़कर देखें, तो आपका जीवन केवल तीन-चौथाई किलो चावल के बराबर है।

वाह, और आपको यह कैसे पता चला?

महीने की मुश्किल शुरुआत ने मुझे हिसाब-किताब करना सिखाया। बताइए, अगर आपको नूडल्स पसंद हैं, तो पथुम थानी में मदर सुपा सबसे बढ़िया नूडल्स बनाती हैं!

मिनीमार्ट से लगभग बीस मीटर आगे। एक दबंग और बातूनी महिला, जिसका चेहरा थोड़ा रूखा और स्पष्ट है, चार तह करने वाली मेजों पर बैठी है, जो एक खास तरीके से सजी हैं। भला उसे क्या हुआ होगा? पचास साल की? उसकी उम्र का अंदाज़ा लगाना मुश्किल है, वह इतनी उम्रदराज लगती है। वह साई से उसके परिवार के बारे में पूछती है, फिर पीछे वाली मेज खींचकर हमें दो बड़े गरमागरम कटोरे के सामने आराम से बिठा देती है।

— सबसे अच्छे वाले तो आपको पता चल ही जाएंगे, लेकिन तभी जब आपको नूडल्स पसंद हों! साई ने मुझे याद दिलाया।

मैं सब्जियों, सिकते हुए चिकन और हरे प्याज की तेज़ खुशबू में अपनी नाक गड़ा देती हूँ। मेरे बचपन के सारे स्वाद ताज़ा हो जाते हैं। मैं उसमें भरपूर मात्रा में फिश सॉस, नाम प्ला, सोया सॉस, सिरका और मिर्च डालती हूँ... स्वाद आपस में घुलमिल जाते हैं: उबली हुई सब्जियां, चिकन के मोटे-मोटे टुकड़े, तले हुए प्याज, लहसुन, झींगा पेस्ट। मैं मुंह भर लेती हूँ और थकान धीरे-धीरे दूर हो जाती है। साईं अपने सूप के शोरबे में नाक गड़ाए, श्रद्धा और आनंद के मिले-जुले भाव से उसे और भी खूबसूरत बना देती है, और जब तक वह सूप खत्म नहीं कर लेती, तब तक ऊपर नहीं देखती।

अपने कमरे में वापस आकर, उसने सबसे पहले इस विषय को उठाया:

क्या आपको पता है कि कारखाने में वे टर्की मेरे बारे में क्या कह रहे हैं?

— नहीं, मैंने शरमाते हुए कहा।

— बेशक आपको पता होगा।

वह चुनौती भरे लहजे में सीधे मेरी आंखों में देखती है।

वे कहते हैं कि मैं एक वेश्या हूँ।

वह धीरे से बोलती है... सो-पे-नी... फिर जोर से हंसने लगती है। मैं शर्मिंदगी छिपाने के लिए अपनी नज़रें नीचे कर लेता हूँ।

- किसने कहा कि?

बाकी सब बदसूरत और ईर्ष्यालु औरतें हैं। नीच औरतें जो मुझ पर लट्टू रहती हैं और कहती हैं कि मेरे पास पैसा सिर्फ इसलिए है क्योंकि मैं वेश्या हूँ। लेकिन चाहे वो फ़ारंग हो या थाई, मैंने सिर्फ उन्हीं लड़कों के साथ संबंध बनाए हैं जिन्हें मैं पसंद करती थी।

- तुम कहते हो तो...

पहली बार, एक दोस्त मुझे होटल नाना के नाइटक्लब में ले गया। मैं बस मौज-मस्ती करने गई थी। एक बेहद आकर्षक लड़का मुझे घूरता रहा। रॉबर्ट, एक उनतीस साल का अंग्रेज, जिसे सब बॉब कहते थे। मेरे दोस्त ने बताया कि वह मुझे पसंद करता है। उसने मुझे ड्रिंक के लिए बुलाया और लगातार बातें करता रहा। मुझे कुछ समझ नहीं आया। मैंने बस सिर हिलाया, मुस्कुराई और कहा, "समझ गई।" बॉब बहुत खुश हुआ, तो हमने क्लब बंद होने तक खूब ड्रिंक की और डांस किया।

— और फिर आप घर चले गए?

— मैंने उसका पीछा किया, बिल्कुल। यह स्वाभाविक रूप से हुआ, बिना हमारी बातचीत के। मुझे हमेशा याद रहेगा: द डायनेस्टी, सोई नाना। कमरा नंबर 110।

क्या आप दोनों साथ सोए थे?

टीवी पर कुछ भी अच्छा नहीं आ रहा था। मैं पूरी रात एक पल भी सो नहीं पाई। मेरा पहला विदेशी... सुबह, बिना कुछ कहे, उसने चुपके से मेरे पर्स में 1,500 बात रख दिए। मैं मना करना चाहती थी, समझाना चाहती थी कि मैं उस तरह की लड़की नहीं हूँ, मैं उसे पसंद करती हूँ। लेकिन मैं ये सब अंग्रेज़ी में कैसे कहती? बॉब तो बस मुझे तोहफ़ा देने में खुश लग रहा था। मुझे डर था कि कहीं वो नाराज़ न हो जाए।

— तुम तो बड़ी नाजुक लड़की हो... इसलिए तुमने पैसे नहीं लिए।

साई ने कंधे उचका दिए।

— जी हाँ, बिल्कुल, मैंने इसे नरमी से लिया...

— एट ?

मैंने उसी दिन अपने सारे पैसे कपड़ों पर खर्च कर दिए। एमबीके में।

— क्या आपने बॉब को दोबारा देखा है?

— बिलकुल नहीं। वह अगले दिन यूरोप वापस जा रहा था। लेकिन मैं अक्सर सोई नाना या बियरगार्डन सोई 7 जाया करता था, जहाँ शाम को विदेशी लोग इकट्ठा होते थे। मुझे अब उनके पैसे लेने में कोई हिचक नहीं होती थी। आखिर बैंकॉक में सब कुछ पैसे के इर्द-गिर्द घूमता है। यह सामान्य बात है, हम इसी के लिए तो आए थे, वरना गाँव में ही रुक जाते।

क्या वे हमेशा एक ही राशि देते हैं?

सबसे सस्ते वाले एक हज़ार बात लेते हैं, बाकी तीन हज़ार। कुछ तो आपके लिए कुछ भी नहीं करते। बाकी आपको बुरी तरह लूटते हैं। खासकर नए वाले। वे जेल से छूटे कैदियों की तरह होते हैं।

— वहां कोई लड़कियां क्यों नहीं हैं?

— जी हाँ, बिल्कुल, यहाँ तक कि पोर्न फिल्मों में भी, वे अब तक की सबसे घटिया वेश्याएँ हैं जिन्हें मैंने देखा है।

- आप क्यों कहते हो कि ?

वह जोर से हंस पड़ी:

— क्या आपने कभी फरांग पोर्न फिल्में नहीं देखीं?

हमारे घर में टीवी नहीं था।

टीवी की कोई ज़रूरत नहीं। ऑनलाइन जाओ। लड़कियाँ एक साथ दो या तीन लड़कों के साथ सोती हैं।

मैं कुछ नहीं कह रहा... बुरिराम के ग्रामीण इलाके में इंटरनेट, क्या मज़ाक है! अब मेरी चाची के पास टीवी है, लेकिन पहले जब मुझे कोई थाई सीरियल या लकोर्न देखना होता था, तो मुझे अम के घर जाना पड़ता था। साई अपनी मधुर आवाज़ में गुनगुनाता है।

आज रात मैं तुम्हारी शरारती लड़की बनूंगी। मैं अपनी सभी सहेलियों को बुला रही हूँ।

उसकी फटी हुई आवाज़ निचले सुरों में ठहरती है, और कामुकता से भर जाती है। साई बेहद खूबसूरत है, लेकिन उसकी मधुर आवाज़ उससे हज़ार गुना ज़्यादा खूबसूरत है।

हम इस पार्टी को धमाकेदार बनाने वाले हैं। मुझे पता है तुम मेरा शरीर चाहते हो।

- किसका है?

— क्या आप बियॉन्से को नहीं जानते?

वह सहजता से एक पोस्टर उठाती है और आईने में खुद को निहारती है। तस्वीर में दिख रही लड़की बेहद खूबसूरत है, सुनहरे बाल, भरे हुए होंठ, बेदाग दांत जो शहद जैसे रंग की त्वचा से बिल्कुल मेल खाते हैं, सुडौल स्तन और गोल नितंब। उसके चेहरे से एक स्पष्ट कामुकता और सौम्यता झलकती है। वह विदेशी से ज़्यादा थाई लगती है।

मुझे आपको इसान संगीत के अलावा कुछ और भी सुनाना पड़ेगा। मैं तुमसे प्यार करता हूँ, बेबी। उनके गाने सेक्स के बारे में हैं, उनकी फिल्में सेक्स से भरी हैं। ऐसी चीज़ें जिनकी आप कल्पना भी नहीं कर सकते। वे खुद को कूल दिखाते हैं, लेकिन अंदर से कैदियों से भी ज़्यादा हताश हैं।

— शायद विदेशी लड़कियां कैमरे के सामने ही सेक्स करती हैं।

वह जोर से हंस पड़ी:

— यह सच है, इससे कई बातें स्पष्ट हो जाएंगी।

— जैसे कि, उदाहरण के लिए?

— उनकी प्रेमिकाओं के प्रेमी छुट्टी मिलते ही सीधे बैंकॉक के लिए उड़ान क्यों भर लेते हैं?

क्या वे सब बेतहाशा सेक्स कर रहे हैं?

सभी नहीं। सबसे ज़्यादा बीमार वो हैं जो सेक्स नहीं करते। कुछ लोग कर ही नहीं सकते, खासकर बूढ़े लोग। इसलिए हम एक बूढ़े शादीशुदा जोड़े की तरह साथ सोते हैं। थोड़ा सा प्यार से छूना, गहरे चुंबन, और कभी-कभी अगर पति का इरेक्शन हो तो थोड़ा सा आनंद भी। लेकिन मुझे परवाह नहीं: जितना कम सेक्स करते हैं, सुबह उतने ही उदार होते हैं।

- माफी माँगने के लिए?

वह बिस्तर पर कूदते हुए हंसती है।

— बिलकुल सही। टॉय, तुम जल्दी सीख जाती हो। कभी-कभी लोग मुझे अपने देशों से फोन करते हैं। मेरे फोन में सिग्नल नहीं आता। कभी-कभी तो मुझे पता भी नहीं चलता कि कौन फोन कर रहा है। मैं उन्हें वही घिसा-पिटा जवाब सुनाती हूँ, "मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूँ, तुम्हारी बहुत याद आती है,

डार्लिंग।" फिर वे खुश हो जाते हैं। दो महीने पहले तो उनमें से एक ने मुझे वीकेंड पर पटाया आने का न्योता भी दिया था। क्या तुम पटाया को जानती हो?

— सिर्फ नाम से ही समझ आया, लेकिन मैंने टीवी पर समुद्र देखा था, मुझे पानी के अंदर की फिल्में बहुत पसंद हैं।

— तुम सचमुच देहात से आए हो। तन-मन से बिलकुल पवित्र। एक दिन हम साथ में झींगा मछली पकड़ने चलेंगे।

— वादा?

वह अपना हाथ उठाती है और मेरे हाथ को ऐसे थपथपाती है जैसे अमेरिकी संगीत वीडियो में रैपर करते हैं:

— कसम से। वैसे भी, कभी नहीं... क्या तुम मेरी बात सुन रहे हो? मैं कभी किसी ऐसे आदमी के साथ नहीं रही जो मुझे घिनौना लगा हो। कभी-कभी मैं बूढ़े आदमियों के साथ सोती हूँ, लेकिन साफ-सुथरे बूढ़े आदमियों के साथ। मैं इसे वेश्यावृत्ति नहीं कहती! तुम्हारा क्या ख्याल है?

मेरे गाल लाल हो रहे हैं:

— तुम्हें पता है, मैं और मेरे लड़के...

साई ने सिगरेट जलाई और फिर हताशा में धुआं छत की ओर उड़ा दिया।

"हमें इसका ध्यान रखना होगा," उसने सोच-समझकर कहा। "लेकिन पहले, तुम्हें अलग तरह से कपड़े पहनने चाहिए। अगर तुम नट की तरह कुंवारी नहीं रहना चाहती, तो थोड़ा प्रयास करो।"

— नट अब कुंवारी नहीं रही, क्या आपने ध्यान नहीं दिया कि वह अपनी मर्सिडीज बेंज के लिए कैसे मेकअप करती है?

मेकअप करने के बाद भी वो कभी तुम्हारे जितनी खूबसूरत नहीं हो सकती। तुम बेहद खूबसूरत हो, लेकिन तुम्हें अपने पहनावे पर थोड़ा ध्यान देना चाहिए। ये कपड़े तुमने कहाँ से खरीदे हैं जिन्हें देखकर चिड़िया भी डर जाती हैं? क्या तुमने इन्हें 'सैल्वेशन आर्मी' से खरीदा है?

मैं ऐसा मुंह बना रही हूं जैसे मुझमें दो मीटर की जगह हो सकती है, वह बढ़ा-चढ़ाकर बोल रही है।

नहीं, यह बुरिराम बाजार से आता है...

सच कहूँ तो, तुम्हारे कपड़े इतने भद्दे हैं कि सौ मीटर दूर से ही उनमें से "सब कुछ सौ बात में" वाली बदबू आती है। और तुम्हारे वो घटिया जूते, क्या वो भी बुरिराम के हैं?

हम सभी के पास आपकी जैसी योग्यता नहीं है...

— देखो, जैसे ही मैं कुछ कहती हूँ, तुम नाराज़ हो जाते हो। ये तुम्हारे भले के लिए है। क्या तुम चाहोगे कि मैं तुम्हें सफाईकर्मी की तरह कपड़े पहनकर बाहर जाने दूँ?

— किसे खुश करने के लिए कपड़े पहनें?

सत्रह साल की लड़की किसे खुश करना चाहेगी? लड़कों को! अरे बेवकूफ! कहीं तुम अपनी पवित्रता अपने जीवनसाथी के लिए बचाकर तो नहीं रखना चाहती?

मैंने इस बारे में कभी सोचा नहीं, लेकिन बहुत सी लड़कियां ऐसा ही करती हैं। है ना?

वह आश्चर्यचकित हो जाती है और अपनी आवाज ऊंची कर देती है:

क्या मैं किसी ऐसे निकम्मे इंसान के लिए कुंवारी रहूँगी जो शाम को अपने दोस्तों के साथ शराब पीने चला जाएगा?

वह उठती है, गुस्से में अपनी मार्लबोरो सिगरेट को सिंक में मसल देती है और राख को धोने के लिए ठंडे पानी का नल चालू कर देती है।

— टॉय, ऐसी बेवकूफी मत करो। क्या तुमने हमारी माताओं को रोज़मर्रा की भागदौड़ में फंसा हुआ देखा है? रसोई और बच्चों के नहाते-धोते थक जाती हैं। क्या तुम भी एक ऐसे छोटे से कमरे में ठूंस-ठूंस कर रहना चाहती हो जहाँ साँस लेना भी मुश्किल हो? खूब मज़े करो!

उसने नियॉन लाइट बंद कर दी। बड़े से बिस्तर पर, उसका सुकून लौट आया, हम अंधेरे में बातें करने लगे। साई जीवन को सादगी से देखती है, एक स्वतंत्र महिला के रूप में, एक मुक्त महिला के रूप में: एक क्षणभंगुर पल जहाँ आनंद लेना हमारा कर्तव्य है, अपने सुख को एक अधिकार के रूप में माँगना ताकि हम अस्तित्व के उपहार के योग्य बन सकें।

आनंद हमारे लिए बनाया गया है। कारखाने में काम करने वाली लड़कियों को ही देख लो। वे सब अंदर से मरी हुई हैं, एक तरह से ताबूत में काम करने की ट्रेनिंग ले रही हैं। यह घिनौना है। क्या तुम इसी के सपने देखते हो?

अंततः, वह सुबह लगभग दो बजे गहरी नींद में सो जाती है। मेरे बगल में धीरे-धीरे साँस ले रहा उसका शरीर एक शक्तिशाली, पशुवत कामुकता का संचार करता है जो उसके चेहरे की मासूमियत से बिल्कुल विपरीत है। वह शांत भाव से साँस ले रही है, उसका मुँह खुला हुआ है। पुरुष उस शरीर को जितना चाहें उतना छूने में कितना आनंदित होते होंगे। मुझे भी कभी-कभी उसे सहलाने की तीव्र इच्छा होती है।

*

* *

दोपहर के तीन बज चुके हैं जब रोशनी से मेरी नींद खुली। मैं साई के बिस्तर पर सुस्ती से लेटी हुई हूँ। शनिवार हो चुका है। नट को हमेशा की तरह बेंज़ के साथ वीकेंड बिताना है। कल वे चाटुचक बाज़ार जा रहे हैं। पिछले दो रविवार से बेंज़ उस जगह का जायज़ा ले रहा है। एक गुप्त मिशन पर निकले जासूस की तरह, वह चालाकी भरी नज़रों से विक्रेताओं पर नज़र रखता है और कहता है कि वह कपड़े बेचने के लिए एक स्टॉल खोलना चाहता है। वह एक छोटी सी नोटबुक में बार-बार हिसाब लगाता रहता है कि उसे कितना पैसा मिलेगा। कागज़ पर वह लाखों काल्पनिक बाहत जमा करता है, अपना एक कागज़ी साम्राज्य खड़ा करता है और पहले से ही यह कल्पना करने लगता है कि इस सारे पैसे को कैसे खर्च करेगा, जबकि उसने अभी तक कमाया भी नहीं है।

> "अब मुझे उस कमरे में नहीं रहना पड़ेगा जिसकी दीवारें नम हों और जो कुत्ते की गंदगी जैसी बदबू वाली इमारत में हो। अब मुझे उन सभी गंदे लोगों के साथ कैंटीन में नहीं खाना पड़ेगा," वह दोपहर के भोजन के दौरान तिरस्कारपूर्वक कहता है, और एक बार फिर अपने मुनाफे की गिनती करता है।

मुझे हैरानी होती है कि वह अपना स्टॉल खोलने के लिए क्या इस्तेमाल करेगा। लेकिन मैं चुप रहता हूँ क्योंकि जब भी मैं उसकी प्यारी मर्सिडीज बेंज की योजनाओं पर संदेह व्यक्त करता हूँ, नट भड़क उठता है।

पूरी तरह भीगी हुई साईं, अपने कंधों पर एक बड़ा सफेद तौलिया डाले हुए, शॉवर से बाहर आती है, नंगे पैर कमरे में दौड़ती है और अपने पूरे वजन के साथ, बाहें फैलाकर, बिना बिछे हुए बिस्तर पर खुद को फेंक देती है।

— बैंकॉक में आप और नट कहाँ घूमने जाते हैं?

— गैस स्टेशन के पास मिस्टर जॉन की दुकान पर...

नहर पर कराओके? खैर, उसने आपको बिगाड़ा नहीं।

- आप क्यों कहते हो कि ?

— ऐसा कहा जाता है कि नहर की गंध से कैंसर होता है।

- रुकना!

वैसे, मेरे लिए बाहर घूमने का मतलब बैंकॉक है, पथुम नहीं।

हम रविवार की दोपहर को बैंकॉक के शॉपिंग मॉल में सियाम स्क्वायर जाया करते थे।

— वो तो गिनती में नहीं आता, अगर आप सच में मजे करना चाहते हैं तो बाहर जाना रात में ही होता है।

वह "सचमुच" शब्द पर ज़ोर देती है। फिर वह उठती है और कपड़े सुखाने वाले रैक पर टंगी एक पैंटी और एक ब्रा उठा लेती है। मैं उसे कपड़े पहनते हुए देखता हूँ।

— वैसे भी, मेरे पास पहनने के लिए कुछ नहीं है। मैं किसी गंवार की तरह कपड़े पहने हुए हूँ, क्या तुमने ऐसा नहीं कहा था?

साई जोर से हंसने लगता है।

"क्या तुम कुछ ज़्यादा ही संवेदनशील हो रही हो? मैं ये तुम्हारी भलाई के लिए कह रही हूँ। तुम्हारी बड़ी बहन होने के नाते, पी साओ होने के नाते। मुझ पर थोड़ा भरोसा करो!"

वह अपनी अलमारी खोलती है और हैंगर पर लटके हुए कपड़ों को बेतरतीब ढंग से बिस्तर पर फेंक देती है।

— हमारा आकार लगभग एक जैसा ही होगा, आपको बस चुनना है।

मुझे फैसला करने में दस मिनट लग गए, क्योंकि सियाम स्क्वायर की दुकानों की खिड़कियों में सजे सारे कपड़े मुझे मंत्रमुग्ध कर रहे थे। मैंने एक छोटी काली ड्रेस चुनी, जो पीछे से काफी डीप नेक वाली थी और मेरे पैरों और गर्दन को उभार रही थी। मैंने लाल रंग की हील्स पहनीं। फिर, मैं उत्साह और घबराहट के मिले-जुले भाव से आईने में खुद को निहारने लगी। एक खूबसूरत, थोड़ी झिझकती हुई अजनबी ने मेरी तरफ मुस्कुराया, फिर मुंह बनाया। मैं खुद को ऐसे देख रही थी जैसे पहली बार देख रही हो। मैं उस रहस्यमयी चेहरे से मोहित हो गई जो मुझे उत्सुकता से घूर रहा था, मानो कोई शैतानी जुड़वा भाई हो।

साई ने संतुष्टि से कहा, "यह तुम पर बहुत जंच रहा है। इससे तुम्हारी पीठ में एक खूबसूरत उभार आ गया है। साथ ही, तुम पहले से कम बचकानी लग रही हो। तुम्हें देखकर लगभग लगता है कि तुम्हारी उम्र बीस साल है।"

फिर उसने मुझे बिठाकर मेरा मेकअप करना शुरू किया। मुझे जम्हाई आ गई। वही असहनीय थकान जो हमेशा मुझे थका देती है।

आप थके हुए हैं, अभी-अभी उठे हैं और पहले से ही बहुत थके हुए हैं। ध्यान रहे, शुरुआत में मेरे साथ भी ऐसा ही था। बस इस बात को सह लीजिए!

वह मुझे दो नारंगी रंग की गोलियां और एक गिलास पानी देती है।

आपको किस चीज़ में रुचि है?

> चिंता मत करो। यह क्या है, यह मत पूछो, बस यह क्या करता है, यह पूछो, और मैं वादा करता हूँ कि यह सचमुच जादुई है।

मैं बिना कुछ मांगे अपनी बहन की गोलियां निगल लेती हूँ। मुझे बहुत जल्दी बेहतर महसूस होता है, लगभग परमानंद जैसा। तैयार होते ही, साई एक लैमे ड्रेस पहनती है जो उसके कर्व्स को खूबसूरती से उभारती है और ऊँची एड़ी के जूते पहन लेती है। फिर, शीशे के सामने, वह अपने भरे हुए होंठों पर रसभरी लाल लिपस्टिक लगाती है और फिर फुर्ती से अपना पर्स उठा लेती है।

> और मैं आपसे पैसे नहीं लूंगा। आज रात मैं आपको दावत दूंगा! बैंकॉक में आपकी पहली असली पार्टी।

वह आखिरी बार आईने में खुद को ध्यान से देखती है, दोनों हाथों से ड्रेस को जांघों तक नीचे खींचती है, फिर अपने सुडौल स्तनों को देखकर थोड़ा सा मुंह बनाती है। सुडौल छाती का भ्रम पैदा करने के लिए, वह अपनी ब्रा में कॉटन पैड लगाती है।

अंतिम निरीक्षण सफल होने के बाद, उसने संतुष्टि भरी नज़र से मेरी ओर देखा:

> मैं बहुत आकर्षक हूँ, है ना?

हम मिनीमार्ट के सामने बस से उतरते हैं। मेरी नई बहन मेरा हाथ पकड़ लेती है। मुझे थोड़ी चिंता है कि कहीं फैक्ट्री की कोई लड़की हमें इस शाम की पोशाक में न देख ले। तभी एक गुलाबी रंग की टैक्सी गुज़रती है और साई अपना हाथ उठाती है। मुझे ऐसा लगता है जैसे मैं सिंड्रेला की गाड़ी में बैठी हूँ। क्या राजकुमार अब बैंकॉक के नाइट क्लबों में छिपे हैं? नट और मैं आमतौर पर बस से ही सफ़र करते हैं। सच कहूँ तो, उसकी लैमे ड्रेस के साथ, मैं साई को शनिवार रात की भीड़ भरी बसों में कल्पना भी नहीं कर सकती। ड्राइवर का लहजा उबोन जैसा है। डैशबोर्ड पर एक रंगीन बुद्ध प्रतिमा लगी है, ठीक उसके नीचे चमेली की माला है जो रियरव्यू मिरर से झूल रही है। एयर कंडीशनर की हल्की आवाज़ आ रही है। पश्चिम में सूरज लाल हो रहा है; रात चकाचौंध भरी होने वाली है। शहर तेज़ी से गुज़र रहा है। मैं ओडोमीटर पर टिक-टिक करते अंकों को देखती रहती हूँ। मैं अपनी आँखें बंद कर लेती हूँ। जब मैं उन्हें दोबारा खोलूँगी तो कितने किलोमीटर हो चुके होंगे? इस तरह देखने पर पैसा आभासी सा लगता है। मैं एक जादुई रात में खो जाती हूँ जहाँ समय, पैसा और स्थान सब गायब हो जाते हैं। प्रकाश की नाव में छिपकर यात्रा करने वाला एक यात्री। टैक्सी की खिड़की के पीछे से शहर मनमोहक लगता है, मेरा दिल खुशी से भर उठता है।

क्या साईं की गोलियां आपको वास्तविकता से अलग कर देती हैं?

*

* *

अब टैक्सी भव्य होटलों के जगमगाते अग्रभागों के बीच पैदल चलने की गति से आगे बढ़ती है। आलीशान रेस्तरां की खिड़कियों के पीछे, छोटे-छोटे लैंपों की अंतरंग रोशनी में मौन जोड़े भोजन का आनंद ले रहे हैं।

मैंने समुद्र को सिर्फ़ टीवी पर ही देखा है, लेकिन इसने मुझे तुरंत मोहित कर लिया। मुझे यकीन है कि मैं पिछले जन्म में समुद्री जीव था। मेरे पास पानी से जुड़ी कई यादें हैं। इन वृत्तचित्रों में, समुद्री दुनिया एक विचित्र ब्रह्मांड जैसी लगती है, जिसमें अकल्पनीय जीव रहते हैं। रात में, बैंकॉक मुझे अथाह गहराइयों की याद दिलाता है, जहाँ जुगनू टिमटिमाते हैं, चमकते हैं और बुझ जाते हैं। हर तरह के लोगों का एक अजीब मिश्रण। शरीर एक-दूसरे को चाहते हैं, एक-दूसरे से प्यार करते हैं, और फिर अंत में एक-दूसरे से नफरत करने लगते हैं। सब कुछ प्यार और आकर्षण के इर्द-गिर्द घूमता है: फिल्में, गाने, पोस्टर, टीवी विज्ञापन। यहाँ तक कि पैसा भी आकर्षण का एक और साधन लगता है, जो महिलाओं को खुद को सुंदर बनाने, अधिक आकर्षक दिखने का मौका देता है, और पुरुषों को उन्हें आलीशान जगहों पर आमंत्रित करने या उनके साथ संबंध बनाने के लिए पैसे देने का मौका देता है। फिर भी, अंत में, यह सर्वव्यापी प्यार बहुत निराशाजनक लगता है। कई प्रेम नफरत में समाप्त होते हैं। मेरे माता-पिता की कहानी ने मुझे कम से कम इतना तो सिखाया ही है। तितली बनने से पहले के लार्वा की तरह, प्रेम भी पतन की एक लंबी प्रक्रिया का पहला चरण मात्र है जो अंततः घृणा की ओर ले जाता है। प्रेम में, और हर चीज़ में, निराशाएँ हमेशा उम्मीदों के बराबर ही होती हैं।

शहरी फैलाव के ऊपर, बायोक टावर एक गंभीर प्रकाशस्तंभ की तरह खड़ा है, इस अशांत समुद्र का एक कठोर रक्षक, जहाँ हर प्राणी, हमेशा सतर्क, एक और रात जीवित रहने के लिए संघर्ष करता है। शार्क, छोटी मछलियाँ, स्किड, क्रस्टेशियन—सभी रोज़ाना जीवन रक्षा के लिए संघर्ष में लगे रहते हैं। ड्राइवर गियर बदलता है। एग्जॉस्ट के धुएं का मिश्रण केबिन में घुस जाता है, चमेली की मादक खुशबू के साथ घुलमिल जाता है। एक शक्तिशाली समुद्री धारा सड़क के किनारे बहती है: भव्य होटलों की चमकदार चट्टानों के बीच नगण्य प्लवकों का एक लावा। उसके रियरव्यू मिरर के नीचे स्थापित छोटा सा वेदी यातायात के उतार-चढ़ाव में हिलता है। रंगीन प्लास्टिक का बुद्ध मुझे देखकर मुस्कुराता है।

साई मुझे अपना बैंकॉक दिखाना चाहती है: नाइटक्लब, बार और आसानी से उपलब्ध सेक्स वाला बैंकॉक। टैक्सी लाल नियॉन लाइटों से सजी एक सड़क पर मुड़ती है। वह फुसफुसाती है:

— यह है रचदा! शरीर की मालिश का साम्राज्य।

यह सड़क एक झिलमिलाती खाई जैसी दिखती है जो अनंत तक फैली हुई है। लाल नियॉन अक्षरों में मसाज पार्लरों के विज्ञापन लगे हैं, जिनके सामने वर्दी पहने दरबान चहल-पहल में लगे हैं। इमारतों पर पड़ती लाल रोशनी से जगमगाती रचदा सड़क शहर को ऐसे चीर देती है जैसे किसी स्त्री का गुप्तांग खोल दिया गया हो... कभी-कभी यातायात थम सा जाता है: शनिवार रात का जाम। पोस्टरों पर बनी लड़कियों के होंठ जननांगों की तरह जीवंत और गलफड़ों की तरह धड़कते प्रतीत होते हैं। फिर, स्टील का जाल खुल जाता है और हमारी पनडुब्बी अथाह गहराई में उतरना शुरू कर देती है। फरांग या जापानी लिपि। मैं सुस्त आँखों वाली महिलाओं के चेहरों के नीचे चमकते अक्षरों को समझने की कोशिश करता हूँ। मैं अपनी अंग्रेज़ी का अभ्यास करता हूँ... एमानुएल... मिराज... चैंप्स एलिसीज़... पोसीडॉन... नटारी।

मुझे अपनी चाची के शब्द याद आ गए... बुद्ध के पास एक बड़ा चम्मच है और वे सबका ख्याल रखते हैं... बैंकॉक में मुझे समझ आया कि सबके लिए भोजन का हिस्सा एक जैसा नहीं होता और बुद्ध विशेष रूप से बड़े मुँह वालों का ध्यान रखते हैं। साई ने ड्राइवर को इशारा किया। टैक्सी एक चहल-पहल भरी गली में रुक गई। हम एक बड़े बार कॉम्प्लेक्स के प्रवेश द्वार पर उतरे, जो एक केंद्रीय आंगन के चारों ओर रंग-बिरंगी परतों में बने हुए थे, ठीक वैसे ही जैसे सियाम स्क्वायर की आलीशान बेकरियों में बिकने वाले उन ऊँचे और मलाईदार जन्मदिन के केक पर बटरक्रीम की परतें होती हैं।

— नाना, साई ने सरलता से कहा और बिना छुट्टे का इंतजार किए ड्राइवर को दो सौ बात दे दिए।

हम चकाचौंध भरी रोशनी के बीच चल रहे हैं। मौज-मस्ती करने निकली भीड़ ने सड़क पर धावा बोल दिया है। हवा में जले हुए पेट्रोल, तंबाकू, सस्ते इत्र, मुरझाए फूलों, पसीने, बंद नालियों और बारबेक्यू की बदबू फैली हुई है। स्टॉल फुटपाथों पर फैले हुए हैं, इतनी भीड़ है कि अक्सर लोगों को सड़क पर चलना पड़ता है, हर गुजरती टैक्सी उन्हें कूड़े से भरी नाली की ओर धकेलती जाती है। हर जगह शरीर ही शरीर: पुरुष, महिलाएं और अज्ञात लिंग के लोग। चेहरे ऊपर: भावहीन या मोहक, यूरोपीय या एशियाई। चलती-फिरती रसोई से भाप के गुबार उठ रहे हैं, जहां भावहीन ग्रामीण महिलाएं चावल, अंकुरित अनाज और तरह-तरह के मांस के टुकड़ों का मिश्रण चला रही हैं। थाईलैंड में, जो कुछ भी उगता है, दौड़ता है, तैरता है या रेंगता है, वह देर-सवेर मसालों की बौछार के बीच कड़ाही के उबलते तेल में पकने के लिए ही बना है। एक सुगंधित पीड़ा। मुझे गांव में अपनी चाची की याद आती है। सब्जियां भुन रही हैं, मांस भूरा हो रहा है और कबाब से भुने हुए सूअर के मांस की खुशबू आ रही है। नम और गंध से भरी हवा में बड़ी-बड़ी नीली मक्खियों के झुंड भिनभिना रहे हैं। मैं कटे हुए आमों और पके हुए खरबूजों की खुशबू महसूस कर रहा हूँ। खाने-पीने की दुकानों की सुगंधित कतारें पेट्रोल की गंध और सड़क पर ट्रैफिक लाइट के हरे होने का इंतजार कर रही टैक्सियों के धुएं के साथ घुलमिल रही हैं।

यह गर्म, शोरगुल भरी गली ठंडी कारखाने की दुनिया से बिलकुल उलट है। मशीनों से आने वाली सॉल्वैंट्स की गंध अब बस एक धुंधली याद बनकर रह गई है। मैं उस अथक रफ़्तार, फोरमैन की छोटी-मोटी क्रूरता, और उस थकावट को भूल जाती हूँ जो सारी इच्छाओं को कुचल देती है। आख़िरकार, मैं ज़िंदा हूँ! उन सुस्त और पसीने से लथपथ जीवन से बहुत दूर। रात की महारानी बनकर, साई एक काले सूरज की तरह चमक रही है। फुटपाथ के किनारे पर डगमगाती टांगों वाली एक छोटी सी मेज़ पर बैठे हुए, हम दो प्लेट तले हुए नूडल्स मंगवाते हैं। बगल वाली मेज़ पर, कुछ अजीब से दिखने वाले जीव, जिनके गले में अजीब सी उभरी हुई कलियाँ हैं, तिलचट्टों का तला हुआ भोजन कुतर रहे हैं।

"हमने आज सुबह से कुछ नहीं खाया है, मुझे बहुत भूख लगी है," साई ने स्वीकार करते हुए खुद को अपने पैड थाई पर गिरा दिया।

सड़कों पर दौड़ती टैक्सियाँ अजनबी भीड़ के बीच से गुज़रती हैं। राहगीर स्टॉलों और सड़क विक्रेताओं के बीच से होकर भागते हैं। जीवन के इस जीवंत प्रवाह के ठीक बीच में यहाँ बैठना अप्रिय नहीं है। हर जगह, लड़कियों, लेडीबॉय और विदेशियों की भीड़ एक-दूसरे से मिलती है, एक-दूसरे को परखती है, एक-दूसरे को चुनौती देती है। अजनबी अपनी हरकतों, आदतों, बुराइयों, शायद योजनाओं में डूबे रहते हैं। मानवता को समझने के लिए दूसरों के जीवन में शामिल होना ज़रूरी है। निगाहें मिलती हैं, मोहक मुस्कानें। एक लड़की मेरे पास से गुज़रती है। इन सभी लोगों के इतने करीब से गुज़रना और उनकी चिंताओं से हमेशा के लिए अलग रहना लगभग असहनीय है। वे बहुत वास्तविक हैं, फिर भी अथाह हैं। कई बूढ़े, पसीने से तर, मोटे आदमी लड़खड़ाते हुए, अपने बढ़े हुए पेट को लेकर सजग। धान के खेत में फंसी भैंसों की तरह अनाड़ी। उनके चेहरों पर एक स्थायी मुस्कान है, बस लड़कियों की निगाहों से खुश। सिर मुंडवाए नौजवान हाथ में बीयर की बोतल लिए टहलते हैं। वे बेझिझक टैंक टॉप पहनकर अपनी टैटू वाली मांसपेशियों को दिखाते हैं, कूल बनने का दिखावा करते हैं, ध्यान खींचने के लिए चिल्लाते हैं, शायद डर पैदा करने के लिए भी। वे फुटबॉल स्टेडियमों के आसपास टेलीविजन पर शोर मचाने वाले प्रशंसकों की भीड़ जैसे दिखते हैं। वे लड़कियों को देखने ऐसे जाते हैं जैसे कोई युद्ध में जा रहा हो, मानव भीड़ में बहते हुए।

कुत्ते जैसे चेहरे वाला एक बूढ़ा आदमी एक कैटोई (एक प्रकार का लड़का) से बात कर रहा है। अचानक वह लड़का बत्तख जैसी आवाज में मिमियाने लगता है और राहगीरों से मदद की गुहार लगाता है।

— तुम कंजूस हो! मुफ्त में सेक्स करना चाहते हो? मुफ्त में, खुद से ही सेक्स कर लो! दफा हो जाओ!

गुस्से में भरे काटोई ने हस्तमैथुन करने का इशारा किया। मैं शर्म से लाल हो गई। हमारे पास ही, झुर्रियों वाले चेहरे वाला एक बूढ़ा थाई आदमी, पसीने से लथपथ एक पर्यटक के पास बड़े सलीके से पहुंचा,

जिसकी सांसें मरती हुई व्हेल से भी तेज़ चल रही थीं। वह दलाल मेरे गांव के बूढ़े पिचिट जैसा दिखता था। उसने पर्यटक के नाक के नीचे एक गंदा पर्चा लहराया।

— जवान लड़कियाँ, नई लड़कियाँ। बढ़िया सेक्स!

मुझे अंग्रेज़ी समझ आने लगी है। या कम से कम, टूटी-फूटी अंग्रेज़ी। गोरे आदमी की उदासीनता देखकर, बूढ़ा दलाल casually कहता है कि उसके पास लड़के भी उपलब्ध हैं। सिग्नल हरा हो जाता है। मेरा दिमाग एकदम खाली हो जाता है, जैसे मलेरिया से पीड़ित एक आँख वाली बूढ़ी राजकुमारी का पेट खाली हो जाता है।

*

* *

आंगन की ओर जाने वाले संकरे रास्ते में, स्टूल पर बैठी लड़कियाँ और ग्राहक आपस में घुलमिल रहे हैं। चौड़े नितंबों और छोटी टांगों वाले पुरुषों को ललचाती हुई युवा महिलाएँ उन्हें रिझाने की कोशिश कर रही हैं। थके हुए चेहरे वाली एक महिला प्लास्टिक की थैली खोलकर एक बूढ़े आदमी की गर्दन के पिछले हिस्से को पोंछती है, जिसकी गर्दन मुर्गी की तरह झुर्रीदार है, और मुस्कुराते हुए सावधानी से अपना हाथ उसकी कमीज़ के नीचे डाल देती है। हँसते हुए पाकिस्तानी लोगों का एक समूह एक ऐसे कटोई (अस्पष्ट) से हुई मुलाकात के बारे में चर्चा कर रहा है जो बहुत लंबा, बहुत पतला और बहुत बदसूरत है, और जब उसे पता चलता है कि वे सिर्फ मज़ाक कर रहे थे और उसे ले जाने का उनका कोई इरादा नहीं था, तो वह उन्हें अपमानित करने लगता है।

दो खूबसूरत हसीनाएं दो-दो बैग लिए आंगन में प्रवेश करती हैं। साई समझाती हैं:

एक खाने के लिए और दूसरा उनकी गोगो यूनिफॉर्म के लिए।

आंगन के एक कोने में, जगमगाती रोशनी से सजा एक छोटा सा वेदी स्थापित किया गया है। रात्रि की राजकुमारियाँ आदरपूर्वक झुकती हैं, अपने हाथों को माथे पर जोड़कर 'वाई' की मुद्रा में। कुछ देर और रुकती हैं, अगरबत्ती जलाती हैं, भेंट चढ़ाती हैं, फिर पीछे हटकर मौन प्रार्थना करती हैं। इस तरह स्पिरिट हाउस, बारों की चहल-पहल के बीच बौद्ध शांति का एक अनोखा बुलबुला बन जाता है। साई ने अधीर होकर मेरा हाथ पकड़ लिया:

चलो, ऊपर चलते हैं! मेरी दोस्त बेड एंजेल विच में काम करती है। देखना चाहोगी?

वह मेरे जवाब का इंतज़ार नहीं करती। मुझे उसके पीछे चलना ही होगा। हमें यहीं जाना है, और कहीं नहीं। हम उस आंगन को पार करते हैं जिसकी रंग-बिरंगी इमारतें हैं और जहां लाल नियॉन लाइटों के नीचे महिलाओं की भीड़ उमड़ रही है। हर जगह, तीन स्तरों पर, जगमगाते अक्षरों की भरमार रात के अंधेरे की ओर बढ़ती है: रेनबो अ गोगो, लॉलीपॉप अ गोगो, प्लेस्कूल अ गोगो। इन साइनबोर्डों की लालिमा भरी चमक साई के चेहरे पर बिखरी हुई रोशनी डालती है। उसकी फैली हुई पुतलियों के बीचोंबीच एक चमक दिखाई देती है।

प्रत्येक गो-गो बार के सामने, तेज रोशनी के नीचे, मिनीस्कर्ट पहने बहुत कम उम्र की लड़कियां तख्तियां लिए खड़ी रहती हैं और झिझकते हुए ग्राहकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं:

- खूबसूरत महिलाएं, नई महिलाएं! ड्राफ्ट बियर सिर्फ 70 बात में! पूरी रात।

हेलो गर्ल्स हमें नज़रअंदाज़ कर देती हैं, शायद हमें अपने बार की ओर जाने वाली नर्तकी समझ बैठी हों। साई को यह जगह अच्छी तरह से पता लगती है। पहली मंज़िल पर, वह बिना किसी झिझक के एक भारी-भरकम आकृति के पीछे चली जाती है, जिसे लाल मखमली पर्दे ने अभी-अभी निगल लिया था।

पहला अहसास बेहद भयानक था: बर्फीली हवा और अंधेरे का बिजली का झटका। ध्रुवीय रात में होने का एक अजीब सा एहसास। एयर कंडीशनिंग पूरी रफ्तार से चल रही थी, हम ठंड से कांप रहे थे। मेरी आंखों को इस अंधेरे में ढलने में थोड़ा समय लगा। मैं दंग रह गया, जब मैंने देखा कि लाल रोशनी से जगमगाते मंच पर लगभग पंद्रह टॉपलेस नर्तकियां बेजान सी तड़प रही थीं, उनकी निगाहें कहीं और थीं। उन्हीं जैसी दूसरी लड़कियां छोटे-छोटे समूहों में बैठकर बातें कर रही थीं या एक मेज से दूसरी मेज पर जा रही थीं। बुरिराम एक अलग ही दुनिया लग रहा था। जड़ाऊ चमड़े के कपड़ों में लिपटी किशोर लड़कियां भारी अमेरिकी संगीत पर मशीनी हरकतों से झूम रही थीं। उनकी पैंटियों पर एक नंबर लगा हुआ था, वे एक जहरीले लाल रंग में सुस्ती से तैर रही थीं, जिससे उनका शरीर और भी कच्चा, और भी भद्दा लग रहा था। मैं समझ गया कि इस खून जैसे लाल रंग की रोशनी का मकसद ग्राहकों की इच्छा को जगाना था, ताकि लड़कियों के चेहरे के भाव और भी कामुक और दयनीय लगें।

एक दुबले-पतले आदमी के बगल में बैठी, एक पतली कमर वाली नर्तकी हाथ उठाकर मुस्कुराती है। उसके थोड़े क्रूर, त्रिकोणीय चेहरे पर आँखें चमक रही हैं। मुझे लगता है कि बेड हमें अपने आने का इशारा कर रहा है। कई टेबल खाली हैं; अभी सुबह का समय है।

पांच मिनट बाद, बेड ने साई को इतने प्यार से चूमा कि मेरी जलन थोड़ी बढ़ गई। मैंने एक पल के लिए सोचा कि क्या वे सिर्फ दोस्त से बढ़कर कुछ और हैं। बेड, जिसने मेरी आँखों में थोड़ी सी प्रतिस्पर्धा देखी, ने मेरे कंधे पर अपना दोस्ताना हाथ रखा:

"तो आप साई के साथ काम करते हैं? आप मुझसे यह स्वीकार कर सकते हैं कि वह कारखाने में बिल्कुल कुछ नहीं करती," उसने व्यंग्यपूर्वक कहा।

हम साथ काम करते हैं, लेकिन बहुत लंबे समय तक नहीं। और आप वांग थाई में भी थे?

— मैं किसी कारखाने में काम करूं? इससे बेहतर तो मैं मर जाऊं। मैं प्रातुनाम में एक समलैंगिक हेयरड्रेसर की दुकान पर शैम्पू लगाने का काम करती थी, लेकिन तनख्वाह काफी नहीं थी।

वह अपने हाथ इस तरह फैलाती है मानो मुझे अपनी दादी भेंट कर रही हो।

और देखिए, इसने मुझे कहाँ पहुँचा दिया, वह व्यंग्यपूर्वक कहती है, अब मैं पोनीटेल में शैम्पू लगाती हूँ।

क्या आपको सैलून में कोई टिप्स नहीं मिलीं?

"यहाँ मुझे लंबी टिप मिलती है!" उसने साई को मुस्कुराते हुए देखते हुए जवाब दिया।

एक बड़ी, अप्रिय महिला अधिकारपूर्वक उसकी ओर इशारा करती है, और बेड हताश होकर उठ खड़ी होती है और हमसे पूछती है।

शो शुरू होने ही वाला है। क्या आप थोड़ी देर और रुकेंगे?

वह एक काले पर्दे के पीछे गायब हो जाती है। लड़कियाँ मंच से ऐसे शांत भाव से चली जाती हैं जैसे शांत ज़ेबू अपने चरागाह को छोड़कर अस्तबल लौट रहे हों। हॉल लगभग पूरी तरह अंधेरे में डूब जाता है, जबकि रंगीन स्पॉटलाइट मंच पर केंद्रित हो जाती हैं। ढोल और तुरही की थाप के साथ नाटकीय संगीत तेज़ हो जाता है। एक पुरुष की आवाज़ एकदम सही अंग्रेज़ी में घोषणा करती है:

और अब देवियों और सज्जनों! हमें इस शो को प्रस्तुत करते हुए बेहद गर्व हो रहा है!

बेड नर्स की वर्दी में फिर से प्रकट होती है, उसके साथ एक बेहद खूबसूरत महिला है जिसके बाल बाकी नर्तकियों से अलग छोटे हैं। ज़्यादातर थाई महिलाओं को अपने लंबे बालों पर इतना गर्व होता है कि उन्हें छोटे बाल रखना मुश्किल लगता है। उनके लिए, यह उनकी नारीत्व का एक हिस्सा खोने जैसा है। फिर भी मैं उसके छोटे बालों, उसकी साफ-सुथरी और आकर्षक गर्दन की प्रशंसा करता हूँ जो उसे थोड़ा शरारती, टॉमबॉय जैसा रूप देती है, जो उसके चिकने, मोती जैसे चेहरे से बिल्कुल अलग है, मानो किसी सीप का अंदरूनी हिस्सा हो। वह खूबसूरत महिला मुस्कुराने से पहले अपनी आँखों से परछाइयों को देखती है, उसकी निगाह साई पर टिक जाती है। फिर दोनों नर्तकियाँ टॉमबॉय जैसी हरकतें शुरू करती हैं, कपड़े उतारती हैं, एक-दूसरे को सहलाती हैं, अपमानित करती हैं और एक-दूसरे को दूर धकेलती हैं। कामुकता और हिंसा का एक विकृत मिश्रण जो मेरे पेट के निचले हिस्से में हल्की सी गर्माहट पैदा करता है। अपनी कुर्सी पर दुबका हुआ, मोटे होंठों वाला, तोंद निकला हुआ एक मोटा आदमी बेड को चिपचिपी

नज़रों से देख रहा था, उसकी नेवले जैसी नाक उठी हुई थी मानो वह इस तमाशे की गंध को बेहतर ढंग से सूंघना चाहता हो।

हमले से पहले सम्मोहित कोबरा की तरह स्थिर, एक पल के लिए भी अपनी निगाहें उस दृश्य से हटाए बिना, साई ने मुझसे कहा:

> शो की स्टार टिक है: छोटे बालों वाली खूबसूरत लड़की। वो अभी उन्नीस साल की हुई है। उसे बर्फ और 'या बा' पसंद है।

नर्तकियाँ अब पूरी तरह नग्न हैं और अपने शरीर पर तेल लगा रही हैं। वे ऐसा कैसे कर सकती हैं? अगर मुझे मंच पर पूरी तरह नग्न होकर तड़पना पड़े तो मैं पहले ही शर्मिंदा हो जाऊँगी। टिक के आने के बाद पहली बार, साई ने उससे नज़रें हटाईं और मेरी ओर मुड़कर कहा:

> टिक, ओम (नंबर 23) के साथ रहती है। वह एक शेरनी जैसी है। जब टिक अक्सर एक ही ग्राहक के साथ चली जाती है, तो ओम ईर्ष्या से पागल हो जाती है और खूब हंगामा करती है।

स्पॉटलाइट की रोशनी में, दोनों लड़कियाँ एक साथ झूमती हैं, एक-दूसरे को सहलाती हैं जब तक कि उन्हें "अंतिम चरम सुख" नहीं मिल जाता। थके-हारे दर्शक आधे मन से तालियाँ बजाते हैं, बत्तियाँ फिर से जल उठती हैं। शांत महिलाओं का समूह धीरे-धीरे केंद्रीय मंच की ओर बढ़ने लगता है। पर्यटक बोरियत दूर करने के लिए बीयर का एक छोटा सा घूंट लेते हैं और रुक जाते हैं। वे मंच पर झूमती दर्जनों खूबसूरत युवतियों के कारण जमी हुई बर्फीली खामोशी में जमे हुए कठपुतलियों की तरह लगते हैं। उनकी आँखों में न कोई खुशी है, न कोई इच्छा; ज्यादातर ऊबे हुए लगते हैं, बस आदत के कारण या इसलिए बैठे हैं क्योंकि उनके पास अपनी खाली शामें बिताने के लिए और कोई जगह नहीं है। एक बुजुर्ग जापानी व्यक्ति हाथ उठाता है और एक हजार बात का नोट उस युवती को देता है जो हमारे आने के बाद से पिंग-पोंग गेंदों से भरी बाल्टी लेकर घूम रही है। सफेद कमीज, रेशमी टाई, गहरा सूट, पतले फ्रेम का चश्मा—वह टीवी ड्रामा में दिखने वाले टोक्यो के वेतनभोगी लोगों जैसा दिखता है। वह शायद किसी व्यावसायिक बैठक या अपने कार्यालय से सीधे आया होगा। सभी लड़कियों ने हाथ उठाए: कृपया...! कृपया...!

जापानी व्यक्ति खुशी से झूम उठता है, अचानक इतने सारे युवाओं का ध्यान अपनी ओर खींच पाकर वह बहुत प्रसन्न होता है। फिर वह बाल्टी में हाथ डालकर छोटी-छोटी मुट्ठियों में गेंदें फेंकने लगता है, ठीक वैसे ही जैसे मेरी चाची अपनी मुर्गियों को दाना खिलाती थीं, बिना कुछ बर्बाद किए, लेकिन एक भी गेंद छोड़े बिना। शायद वह व्यक्ति बस इन नर्तकों के दौड़ने, ज़मीन पर गिरने और सफेद गेंद के लिए एक-दूसरे को बेरहमी से धक्का देने के इस भद्दे तमाशे को लंबा खींचना चाहता है। साई मुझसे कहता है:

> — यानी एक गोली की कीमत बीस बात है...

— धन्यवाद, मुझे यही अंदाजा था।

मेरी आत्मा की मादा कुतियाएँ मरे हुए चूहे के लिए इतनी उग्रता से नहीं लड़तीं। एक गठीली, कठोर, किसान जैसे चेहरे वाली लड़की ने लगभग दस गोलियाँ हथिया ली हैं, जिन्हें वह अपने अत्यधिक मोटे पेट से कसकर चिपकाए हुए है। नृत्यशाला के एक कोने में स्थिर खड़ी टिक, बर्फीली निगाहों से इस अपमानजनक दृश्य को देख रही है। उसकी आँखों में धधकती आग उस जापानी आदमी पर टिकी है: दो काले भाले दिलों को भेद रहे हैं। साई मुस्कुराना पसंद करती है।

बिस्तर वापस आ गया है; अब वह उस मोटे पेट वाले, कामुक निगाहों वाले आदमी के साथ बैठी है। वह अपनी कुर्सी पर ठीक से बैठती है और हमारे जाते समय अलविदा कहती है।

*

* *

फुटपाथ पर, यह एक उन्मादपूर्ण जुलूस है। बारबेक्यू की तेज़ आवाज़ और ज़मीन पर घिसटते अपाहिजों के बीच, भीड़ ज़ोर-ज़ोर से पैर पटक रही है, विशाल, लक्ष्यहीन, बस रात के उमंग में डूबी हुई। टैक्सियाँ धीरे-धीरे चल रही हैं। एक मानव लहर हमें बहा ले जा रही है। एक दिशाहीन लहर। इस शहरी अराजकता में हर व्यक्ति किसी विशिष्ट लेकिन अलग लक्ष्य की ओर बढ़ता हुआ प्रतीत होता है। घूमती हुई औरतें अपने हैंडबैग को गदा की तरह घुमाती हैं, बेतहाशा झूमती हैं, नकली पलकें झपकाती हैं, फुटपाथ पर अपनी एड़ियों को खटखटाती हैं, और अपनी चाल में यथासंभव कामुकता भरने की कोशिश करती हैं। नाना में, असली तमाशा सड़क पर है। यह गोगो डांस से कहीं ज़्यादा मज़ेदार है। होंठ सिकोड़कर, ये लंबी, दुबली-पतली औरतें डोनाल्ड डक जैसी आवाज़ में विदेशियों को पुकारती हैं:

मैं तुम्हारे साथ सेक्स करना चाहता हूँ। मेरे अंदर तुम्हारा स्वागत है!

एक लेडीबॉय साई को इशारा करता है, जो उसे अनदेखा करने का नाटक करता है। सड़क के उस पार पार्किंग में, लगभग तीस साधारण लड़कियाँ खड़ी हैं, उनकी निगाहें बड़े-बड़े "किराए के लिए" साइनबोर्ड पर टिकी हैं। ऐसा लगता है जैसे वे किसी बस का इंतज़ार कर रही हों जो कभी नहीं आएगी, और वे हर आने-जाने वाले को देखकर मुस्कुरा रही हैं। उनके सस्ते कपड़े उनके सहज स्वभाव को दर्शाते हैं: वे या तो गरीब छात्राएँ हैं, कंगाल दुकानदार हैं, या कारखाने में काम करने वाली मज़दूर हैं जो अपनी कम कमाई को बढ़ाने के लिए कुछ कमा रही हैं।

नाना प्लाज़ा के प्रवेश द्वार के सामने, साई भीड़ भरे फुटपाथ के बीचोंबीच रुक जाती है। उसकी उंगलियां बिल्ली के पंजों की तरह थोड़ी मुड़ी हुई हैं, वह हमले के लिए तैयार बाघिन जैसी दिखती है। वह ग्राहकों की आवाजाही का जायजा लेती है। मुझे इस जगमगाती रोशनी से जगमगाती चमत्कारिक जगह पर लौटने को लेकर उसकी झिझक महसूस होती है, फिर आखिरकार वह एक प्रेमिका की तरह अपना हाथ मेरे हाथ में डाल देती है और तेज़ी से सड़क पार करके किराए पर मिलने वाली नई जिस्मों के प्रदर्शन की ओर बढ़ जाती है।

हम प्लाज़ा के ठीक सामने वाले पुराने होटल में दाखिल होते हैं। लाल वर्दी पहने चापलूस थाई लोग बूढ़े विदेशियों के चारों ओर ऐसे मंडरा रहे हैं जैसे लालची ततैया किसी मरे हुए जानवर के शव पर टूट पड़ते हैं। मुझे वांग थाई कारखाने के लोगो वाली वर्दी और रचाडा के मसाज पार्लरों में काम करने वाले कर्मचारियों की वर्दी याद आती है। ताकतवर लोग गरीबों को अजीबोगरीब कपड़े पहनाना पसंद करते हैं, शायद उन्हें और अपमानित करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि वे अपनी गुलामी को कभी न भूलें।

भूतल पर एक नाइटक्लब लोगों से भर रहा है। साई ने मुझे बाउंसर से मिलवाया, जो मांस का एक विशालकाय पुतला था और जिसका चेहरा भावहीन था।

> सोमबून मेरे ही गांव का रहने वाला है। वह थाई बॉक्सिंग का पूर्व चैंपियन है। पांच साल पहले उसने लुम्फिनी स्टेडियम में मुए थाई मुकाबले भी जीते थे...
>
> > इसे अपने कान में लगाने से पहले।
>
> — धांधली वाले मुकाबलों और फिक्स्ड बेट्स की कहानियों पर मूर्खतापूर्ण ढंग से विश्वास करने से पहले।

ऐसा लगता है कि वह यहाँ सबको जानती है। सोमबून हमें बिना पैसे लिए अंदर जाने देती है। बड़े, अंधेरे कमरे में, लगभग सभी ग्राहक फ़ारंग (विदेशी) हैं और महिला ग्राहक थाई हैं। कुछ लोग बीयर या रंगीन पेय पी रहे हैं, तो कुछ अकेले या जोड़ों में डांस फ्लोर पर झूम रहे हैं और एक-दूसरे को निहार रहे हैं।

दो मिनट तक अवलोकन करने के बाद, साई ने मुझसे कहा, "उत्तरजीवी, नियति का बच्चा।"

अब तुम मेरी जिंदगी से निकल चुके हो

मैं अब बहुत बेहतर हूँ।

और वह डांस फ्लोर से होते हुए चालीस साल के एक विशालकाय आदमी के बगल में जाकर थिरकने लगती है, जिसने कैनवास की पतलून पहन रखी है जो उसकी मजबूत, मांसल जांघों को उभारती है। वह

गंजा है, ठुड्डी नहीं है। उसकी उदास, मछली जैसी निगाहें उसकी फूलों वाली कमीज से बिल्कुल विपरीत हैं, जो एक ऐसी प्रसन्नता का आभास कराती है जिसका उसमें कोई अस्तित्व नहीं है।

लेकिन मैं ज़्यादा मज़बूत हूँ।

तुम्हें लगा था कि तुम्हारे बिना मैं कंगाल हो जाऊँगा

साईं बेचैनी से नाच रही है, नर्तकियों को देखकर मुस्कुरा रही है, उसकी कमर झुकी हुई है और पैर थोड़े फैले हुए हैं। वह आदमी बड़ी चतुराई से अपनी जगह बदलकर साईं की नज़र में आ जाता है। वह ध्यान खींचने के लिए, इस युवा संगीत के प्रति अपना उत्साह और पार्टी करने का अपना शौक दिखाने के लिए अजीबोगरीब हरकतें करता है। उसकी थोड़ी अकड़ी हुई हरकतें, जो उसके अनुभवहीन होने का संकेत देती हैं, मुझे मज़ेदार लगती हैं। कुछ-कुछ मेरे चाचा की तरह जो क्लब जाते हैं। मैं मुस्कुराए बिना नहीं रह पाती जब मैं उसे इस आर एंड बी संगीत पर कठपुतली की तरह नाचते देखती हूँ, जो अब उसकी उम्र के हिसाब से ठीक नहीं है। उसे और करीब से देखने पर मुझे पता चलता है कि वह छोटे लड़कों को घूर रहा है और अजीब तरह से उनकी हरकतों की नकल करने की कोशिश कर रहा है।

लेकिन मैं ज़्यादा अमीर हूँ

तुम्हें लगा था कि तुम्हारे बिना मैं उदास हो जाऊंगी

मैं और जोर से हंसता हूँ

साई ने जानबूझकर उसकी तरफ पीठ फेर ली और अपने कूल्हों को आठ के आकार में हिलाने लगी। वह आदमी उसके करीब आया, उसके कान में कुछ फुसफुसाया, फिर पीछे हटकर उसका असर देखने लगा। वह मुड़ी और अपनी कातिलाना मुस्कान बिखेरी, उसकी आँखें हँसी से चमक उठीं। उदास ग्रूपर मछली अब उसके जाल में फँस गई थी। उसकी निगाहें उसे बेताबी से निहार रही थीं। अब वे दो अजनबियों की तरह एक-दूसरे को अनदेखा करते हुए नहीं नाच रहे थे, बल्कि मानो एक जोड़ा बनने की कोशिश कर रहे हों, एक क्षणिक आत्मीयता पैदा करने की कोशिश कर रहे हों। इस दौरान, वे अपने आंदोलनों को सामंजस्य बिठाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे थे ताकि एक सामंजस्य बन सके। हर कोई अपनी स्वतंत्रता का एक हिस्सा त्याग कर एक सामूहिक नृत्य-रचना करने का प्रयास कर रहा था। अब, एक जोड़ा नाच रहा था। साई द्वारा उत्तेजित कुछ नर्तकियों ने चुपचाप असहमति और अचानक अरुचि दिखाते हुए उसकी तरफ पीठ फेर ली और अपना ध्यान डांस फ्लोर पर पसीना बहा रही कई अकेली

लड़कियों की ओर मोड़ लिया। जब संगीत बदला, तो साई और उसका साथी डांस फ्लोर से चले गए। उसने मेरा परिचय कराया:

मेरी बहन। वह मेरे साथ काम करती है। एक ही कंपनी में।

— आपसे मिलकर अच्छा लगा। मेरा नाम डाइटर है। आपका नाम क्या है?

— मेरा नाम टॉय है। आपसे मिलकर अच्छा लगा, डायटर।

पास से देखने पर वह और भी बूढ़ा लगता है। अगर साई को ये लोग पसंद हैं, तो मुझे उससे निराशा हुई। डायटर के पास जल्दी ही विली नाम का एक जवान आदमी आ जाता है, जिसके अभी भी सारे बाल नहीं झड़े हैं। उसकी त्वचा उतनी ही गुलाबी है जितनी गाँव में वध के तुरंत बाद उबाले जाने वाले सूअरों की होती थी। वह हमें पेय पदार्थ देता है। साई दो ऑरेंज बैकार्डी ब्रीज़र ऑर्डर करती है। वे ताज़ा, मुलायम और फलों के स्वाद वाले हैं। मुझे ऐसा महसूस ही नहीं हो रहा कि मैं शराब पी रही हूँ। अपना बैकार्डी खत्म करने के बाद, साई डायटर के साथ नाचने लगती है, जबकि विली-द-रेड, उदास सा दिखते हुए, एक के बाद एक बीयर पीता जाता है और नाचने वालों को घूरता रहता है। वह बर्फ से भरे बड़े गिलासों में हाइनेकेन खाली करता है, कुछ नहीं कहता, बस मेरे पास खड़ा रहता है, शायद दूसरे नाचने वालों को यह दिखाने के लिए कि हम साथ हैं। जब मेरा गिलास खाली हो जाता है, तो वह तुरंत एक और बैकार्डी ऑर्डर कर देता है, जैसे किसी नोटरी के कार्यालय में कोई दस्तावेज़ नवीनीकृत करवा रहा हो। चूंकि हम ज्यादा बात नहीं करते, इसलिए हम पीते रहते हैं। एक घंटे बाद, मैं लड़खड़ा रही हूँ; मैं अपनी ज़िंदगी में इतना ज़्यादा नशे में कभी नहीं था। मैं घर जाना चाहता हूँ। मैं डांस फ्लोर पर साई को ढूंढता हूँ। शर्मिंदगी भरी मुस्कान के साथ, विली अपनी उंगली उठाकर मुझे बताता है कि साई का डायटर के साथ रिश्ता बन गया है।

ऊपर!

धत् तेरे की! मुझे पहले ही समझ जाना चाहिए था। और मैं, बेवकूफ की तरह, उसकी बात सुनकर खाली हाथ लौट आया। अब मैं घर कैसे जाऊँगा?

मैं बेसब्री से उसके वापस आने का इंतज़ार कर रही हूँ। मेरे पैर भारी लग रहे हैं। संगीत बंद हो जाता है, बत्तियाँ फिर से जल उठती हैं। फिर सब बंद हो जाता है, और साई अभी तक दिखाई नहीं देती। मुझे आखिरकार समझ आ गया कि वह वापस नहीं आएगी, वह डायटर के साथ रात बिताने जा रही है। वह मुझे कैसे भूल सकती है? क्लब अब खाली हो रहा है, लड़कियाँ अपने हैंडबैग लेने के लिए क्लोकरूम में कतार में खड़ी हैं। होटल के बार में भीड़ उमड़ रही है, और पार्किंग में भी फैल रही है। विदेशी लोग बीयर और शोर से बेहाल हैं। विली चुप है, वह शर्मिंदा लग रहा है। मेरा मस्कारा फैल रहा है। मेरा सिर घूम रहा है; काश मैं बुरिराम में अपनी मौसी के घर होती। वह अपनी घड़ी देखता है:

हम ऊपर जाकर साई और डाइटर से मिल सकते हैं।

लिफ्ट के सामने एक छोटी सी मेज पर बैठा एक गार्ड मुझसे मेरा आईडी कार्ड मांगता है और बड़ी सावधानी से एक बड़ी स्कूल नोटबुक में मेरा नाम लिखता है, जिसके पन्ने रंगीन रेखाओं से कॉलम में विभाजित किए गए हैं। मेरे नाम के ऊपर पहले से ही दर्जनों नाम भद्दी लिखावट में लिखे हुए हैं। जब मैं अपना कार्ड वापस लेता हूँ, तो अपने चाचा की उम्र के इस आदमी के सामने मुझे शर्म आ जाती है। एक और जोड़ा अजीब सी खामोशी में लिफ्ट का इंतजार कर रहा है: पारंपरिक कपड़े पहने एक बुजुर्ग अरब व्यक्ति एक पूरी तरह से नशे में धुत लड़की का हाथ पकड़कर खींच रहा है।

विली मुझे एक खाली कमरे में ले जाता है। मुझे एहसास होता है कि यह उसका कमरा है, डाइटर का नहीं। बीच में बरगंडी विनाइल हेडबोर्ड वाला एक विशाल बिस्तर खड़ा है। अचानक, वह मेरे पास आता है, अपना दाहिना हाथ मेरी पोशाक के नीचे डालता है, और मेरी ब्रा के ऊपर से ही मेरे स्तनों को मसलने लगता है, जिसे वह नीचे खींचकर मेरी छाती को उजागर करने की कोशिश करता है, और साथ ही दूसरे हाथ से मेरी जांघों के ऊपरी हिस्से को सहलाता है। वह मुझे होंठों पर चूमता है और धीमी आवाज़ में जर्मन में मुझसे बात करता है। जाहिर है, विदेशी इसे फ्रेंच किस कहते हैं... हाँ, बिल्कुल! उसकी सांसें खट्टी हैं, बासी तंबाकू और बासी बीयर की बदबू आ रही है। उसकी जीभ मेरे गीले दांतों के बीच फिसल जाती है, उसकी लार मुझे घिनौनी लगती है। मुझे उल्टी आने जैसा महसूस होता है। वह खुद को और ज़ोर से मेरे ऊपर दबाता है। एक मदमस्त बैल धीरे-धीरे मुझे बिस्तर की ओर धकेल रहा है। मैं विरोध करती हूँ, घिन से कांपती हूँ, दोनों हाथों से उसे दूर धकेलने की कोशिश करती हूँ, लेकिन मैं मुश्किल से खड़ी रह पाती हूँ। अचानक, एक ज़ोरदार धक्के से, मेरा शरीर झुक जाता है। वह मेरे ऊपर है। मुझे अपनी पीठ के निचले हिस्से के नीचे गद्दा महसूस होता है। वह मेरा हाथ पकड़कर अपनी आधी खुली पैंट की ज़िप पर रख देता है। उसका लिंग बाहर निकला हुआ है, विशाल। मैं नीचे देखती हूँ। वह चाहता है कि मैं उसे अपने मुँह में ले लूँ। वह कहता है... सिगरेट पीते हुए... मैं अपना सिर हिला देती हूँ।

विली गुस्से में आ जाता है, वह मुझे बुरी नज़र से घूरते हुए और ज़ोर से दबाता है। उसके बाद मुझे कुछ याद नहीं। उसका वज़न मेरे शरीर पर भारी पड़ जाता है, बिस्तर चरमरा उठता है। उसके हाथ मेरी पैंटी के नीचे जाते हैं, उसे फाड़ देते हैं, फिर वह अपनी पैंट के बटन खोलकर उसे नीचे खींच लेता है। मैं उठने की कोशिश करती हूँ, लेकिन कमज़ोर हूँ; उसका वज़न बहुत ज़्यादा है। वह मेरी कमर पकड़ता है और अपने घुटने से मेरी जांघों को फैलाता है; दर्द कम करने के लिए मैं उसे ऐसा करने देती हूँ। वह मेरे अंदर ऐसे घुसता है जैसे धान के खेत में हल कीचड़ में घुसता है। मेरा मुँह मिट्टी से भर जाता है। वह बेढंगे तरीके से मेरी जांघों के ऊपरी हिस्से को मसलता है। मुझे पेट में गहरा दर्द महसूस होता है। मेरे अंदर कुछ फट रहा है। असहनीय होने से पहले ही मैं चीख पड़ती हूँ। गिरने का एहसास, मरने का एहसास। विली एक पल के लिए हिलता है, फिर अचानक उसका शरीर ढीला पड़ जाता है।

हम हिल नहीं पा रहे थे। उसने मुझे दबाया, फिर पीछे हट गया। उसका शरीर मरे हुए जानवर के शव की तरह एक तरफ लुढ़क गया। वह उठा, सारी बत्तियाँ जला दीं, घृणा से भरा हुआ। वह चादर पर खून के धब्बे को लेकर गुस्से में था। मैं उतनी ही बेजान और नरम थी जितनी मेरी चाची अपने ग्राहकों को खुश करने के लिए हरी करी में नारियल का दूध डालती हैं। उसे लगा कि मुझे मासिक धर्म हो रहा है, और वह अंग्रेज़ी में मुझ पर चिल्लाया: "तुमने मुझे क्यों नहीं बताया?" मुझे मतली हो रही थी... मैं बाथरूम जाकर उल्टी करना चाहती थी, लेकिन उसने मेरा हाथ पकड़ लिया और अपनी उस घटिया अंग्रेज़ी में चिल्लाने लगा... मुझे कुछ समझ नहीं आया... मेरे गाल आँसुओं से भीगे थे, और मैं बस दोहराती रही... "मैं अपने दोस्त से मिलना चाहती हूँ..."

वह कमरे से बाहर जाता है और पाँच मिनट बाद डायटर और साई के साथ लौटता है। उसे दोबारा देखकर मुझे बहुत खुशी होती है। मैं उसे गंदी चादरों के बारे में सब कुछ समझाती हूँ। वह डायटर से अंग्रेजी में बात करती है, मेरी बात दोहराती है और मेरी ओर इशारा करती है:

— कुंवारी, मेरी बहन कुंवारी... सत्रह साल जल्द ही!

डायटर अचानक बहुत नाराज़ हो गया। साई ने उसे कागज़ पर खून का धब्बा दिखाया। विली का चेहरा पीला पड़ गया। उसकी आँखें सूज गईं, वह शर्मिंदा और उलझन भरे भाव से इधर-उधर देखने लगा, सिर हिलाते हुए माफ़ी माँगते हुए बोला, "मुझे पता नहीं था... माफ़ करना..." फिर उसने एक नोट निकाला और मुझे दे दिया। डायटर तुरंत गुस्से में आ गया, उससे जर्मन में बहस करने लगा और उनकी आवाज़ें तेज़ हो गईं। विली ने नज़रें नीचे कर लीं, दूसरा नोट निकाला, और डायटर ने उसे तिरस्कार भरी नज़र से देखते हुए तीसरा नोट भी दे दिया। डायटर ने साई का हाथ पकड़कर उससे कहा, "कोई बात नहीं... कोई बात नहीं... सब ठीक है।"

साई और मैं कमरे से बाहर निकलते ही दोनों जर्मन राहत महसूस करते नज़र आए। लिफ्ट के सामने, बूढ़ा चौकीदार अपनी कुर्सी पर ऊंघ रहा था। पार्किंग में कुछ लड़कियाँ अभी भी रात के अंधेरे में इधर-उधर घूम रही थीं। मेरी घड़ी में 4:37 बज रहे थे। मुझे उल्टी जैसा महसूस हो रहा था। मैं दो कारों के बीच जाकर पेशाब करने लगा। मेरे आँसुओं का नमकीन पानी उल्टी की खटास के साथ मिलकर मेरी नाक में जलन पैदा कर रहा था। मेरा गला जल रहा था और ठुड्डी उल्टी से सनी हुई थी। साई ने अपने बैग में से टिशू का एक पैकेट निकालकर मुझे दिया। मैंने अपना चेहरा पोंछा। मैंने कई बार नाक साफ की और फिर अधपचे नूडल्स से सने टिशू को कार के नीचे फेंक दिया। नाक की जलन कम हो गई; मुझे थोड़ा बेहतर महसूस होने लगा।

टैक्सी में, ड्राइवर ने रियरव्यू मिरर में संदेह भरी नज़र डाली; उसे चमेली की मनमोहक खुशबू के साथ मिली हुई गर्म उल्टी की तीखी गंध ज़रूर आ गई होगी। मेरा सिर दर्द कर रहा है; पेट में फंसा तैलीय सा

गोला छट नहीं रहा। मैंने साई की शाम खराब कर दी। मुझे यह भी नहीं पता कि डायटर ने बिल चुकाया या नहीं। चुपचाप, उसकी आँखें खाली-खाली सी, बर्फीली नियॉन लाइटों को तेज़ी से गुज़रते हुए देखती रहीं। हम सुनसान शहर की लंबी, भयावह सड़कों पर आगे बढ़ते रहे। मुझे उसके दिल में कोई गुस्सा नहीं दिखा; वह कुछ उदास और गुमसुम लग रही थी। आसमान के घेरे में, कंक्रीट की इमारतें रात के पहरेदारों की तरह शहर की निगरानी कर रही थीं।

साई मुझे बहुत गर्म पानी से नहलाती है। मैं उसे अपने बाल धोने देती हूँ। वह मुझे एक बड़े सफेद तौलिए से सुखाती है, फिर मेरे बालों को वैसे ही संवारती है जैसे मेरी माँ बचपन में नहाने के बाद संवारती थी। सिंक के ऊपर लगे टूटे हुए शीशे में मैं काफी देर तक अपने झुर्रियों वाले चेहरे को देखती रहती हूँ, इस मासूम से होंठ को, जिसकी मासूमियत खो चुकी है। मैं अपने गालों की थकी हुई त्वचा पर हाथ फेरती हूँ। मैं बदलाव की तलाश करती हूँ, कोई संकेत जो मुझे नहीं मिलता। फिर भी, अब मैं एक औरत हूँ।

अगले दिन, मैं पूरे दिन सोती रही। साई कमरे में ही रही, शाम को बाहर जाने की तैयारी से पहले झपकी लेती रही। मैंने अपने कमरे में वापस जाने का फैसला किया। नट वहाँ नहीं थी। शायद बेंज के साथ, जिसे वह कभी नहीं छोड़ती। मुझे अकेलापन महसूस हुआ; पेट दर्द तो चला गया था, लेकिन मैं फूट-फूट कर रो रही थी। प्यार उन सभी उपन्यासों के लायक नहीं है जो मैंने पढ़े हैं। नट के घर आने से पहले ही मैं थककर चूर होकर गिर पड़ी। यही बेहतर था; मैं उससे इस बारे में बात नहीं करना चाहती थी। मुझे अच्छी तरह पता था कि वह क्या कहती:

> मैंने तुम्हें उस बदचलन औरत से संबंध न रखने की चेतावनी दी थी।

चतुर्थ

सुबह की बारिश की आवाज मुझे जगा देती है, यह बताते हुए कि मेरी नींद अब सीमित है और मेरे सामने एक नया दिन शुरू हो रहा है।

नट सूजी हुई पलकों और बार-बार नाक साफ करने से लाल हुई नाक के साथ बाथरूम से बाहर निकली। उसने मेरी नज़रें बचाने के लिए अपना मुरझाया हुआ चेहरा दूसरी तरफ़ मोड़ लिया। मैंने उससे पूछा कि क्या वह ठीक है, और उसने जवाब दिया, "सबई दी..." लेकिन मुझे उसकी बात पर यकीन नहीं हुआ। उसके चेहरे के हाव-भाव से लग रहा था कि कुछ गड़बड़ हुई है, कल उसका और बेंज़ का फिर झगड़ा हुआ था, और वह पूरी रात रोई थी, लेकिन मैंने ऐसा दिखाया जैसे मैंने कुछ देखा ही नहीं। बस में नट चुप रही, उसके चेहरे पर कोई भाव नहीं था। जब मैं अपनी शिफ्ट पर पहुँचा, तो साई पहले से ही अपनी मशीन ठीक करने में व्यस्त थी। हर सोमवार की सुबह की तरह, मेरा शरीर सुस्त था। सप्ताहांत की सुस्ती से भरा हुआ, वह पाँच दिनों की और गुलामी शुरू करने से कतरा रहा था।

जैसे ही मैं लय में आने लगी, मैंने साई की तरफ देखा, जो मुझे जानबूझकर नज़रअंदाज़ कर रही थी, लेकिन बिना किसी शत्रुता के। वह शर्मिंदा लग रही थी; हमारे बीच एक अजीब सी दूरी आ गई थी। क्या मैंने उसे निराश किया? आखिर मैंने उसकी शाम बर्बाद कर दी। सप्ताहांत ही एकमात्र समय होता है जब वह कुछ पैसे कमा सकती है। और मैं क्या कहूँ? मैंने इससे कहीं ज़्यादा खोया है: अपनी पवित्रता, अपना सम्मान। तीन हज़ार डॉलर के नोटों के लिए जो मैंने दयावश उसे दे दिए। मुझे साई से इस घटिया नाइटक्लब में लाने का बहुत गुस्सा आ रहा है। उसे तब समझ जाना चाहिए था जब उसने मुझे उस लड़के के साथ छोड़ा था... हमारे बीच अब कुछ भी पहले जैसा नहीं रहा। अब जब मैंने डायटर को उसके फूले हुए चेहरे, चमकदार खोपड़ी और छोटे, मांसल पैरों के साथ देखा है, तो मैं उसकी प्रशंसा नहीं करती। मुझे घिन आती है, और वह इसे महसूस करती है। हमारा रिश्ता कहाँ गया? ब्रेक के दौरान, प्रिचा अपने ढीले नीले ओवरऑल पहने हुए बात करने आती है। उसने ज़रूर कुछ बेचैनी महसूस की होगी।

— क्या तुम ठीक हो? तुम कुछ बदले हुए से लग रहे हो।

नहीं, दरअसल सोमवार की सुबह के हिसाब से मैं काफी अच्छा महसूस कर रहा हूँ।

अगर आपको कोई समस्या है, तो आकर मुझसे इस बारे में बात करें।

साई और मैं पूरे हफ्ते एक-दूसरे से बचते रहे हैं। समझ नहीं आ रहा कि वो नाराज़ है या बस शर्मिंदा है। मुझे उस पर गुस्सा नहीं है, बस खुद पर गुस्सा आ रहा है। इस मोहल्ले में साई के साथ बाहर जाने के बारे में मैंने क्या सोचा था? मुझे चिंता भी हो रही है क्योंकि मुझे याद नहीं आ रहा कि उस जर्मन लड़के ने कंडोम का इस्तेमाल किया था या नहीं।

फ़ैक्ट्री में, वर्कशॉप की सभी लड़कियाँ स्पाइडर की चापलूसी करके ओवरटाइम कमाती हैं। उस कमीने ने हमें अपने ओवरटाइम का आदी बना रखा है। ब्रेक के दौरान, साई लॉकर रूम में गुस्से से भड़क उठती है।

वह अपनी इस घटिया ओवरटाइम को अपने पिछवाड़े में डाल ले।

ज़्यादातर लड़कियाँ बिल्कुल यही सोचती हैं, लेकिन चुप रहती हैं। जब आपको पता नहीं होता कि महीने के अंत में किराया दे पाएँगे या नहीं, तो आत्मसम्मान कम हो जाता है, आप हंगामा नहीं करते। कई लड़कियों के लिए, महीने के अंत तक गुज़ारा करने का ज़रिया ओवरटाइम करना होता है, इसलिए वे हेड वार्डन के प्रति बहुत आज्ञाकारी रहती हैं। और यह सिर्फ़ प्रतीकात्मक रूप से नहीं, बल्कि उन लड़कियों के लिए है जिन्हें वह शाम को अपने कार्यालय में बुलाता है। सौभाग्य से, मैं स्पाइडर की नज़र में नहीं आई। घंटी बजते ही, मैं साई की ओर मुड़ती हूँ:

हमें बात करनी है। क्या हम काम के बाद मिल सकते हैं?

शाम को वह ट्रांसफार्मर के सामने चुपचाप मेरा इंतजार करती है। हम गली के अंत में स्थित एक ढाबे पर जाकर बैठते हैं। साई शर्मिंदा भाव से मेरी ओर देखती है:

शनिवार के लिए मुझे खेद है। मैंने सोचा नहीं था कि ऐसा होगा।

इसमें तुम्हारी कोई गलती नहीं है। मैं तुम्हें दोष नहीं देता। मैं बस डरा हुआ हूँ।

- किसका डर?

— गर्भवती होना और फिर एड्स होना, मुझे याद नहीं कि विली ने कंडोम का इस्तेमाल किया था या नहीं।

क्या आपने ध्यान नहीं दिया?

— सावधान रहें? काश आपको पता होता कि यह सब कैसे हुआ।

उनमें से अधिकतर लोग इन्हें पहनते हैं। वे हमसे भी ज्यादा डरे हुए हैं।

हां, लेकिन यह सब इतनी जल्दी हुआ, बहुत जल्दी। मुझे नहीं लगता कि उसने समय लिया।

वह कहती है, "ज़्यादातर लोग इसका इस्तेमाल करते हैं।" मुझे दूसरों की, ज़्यादातर लोगों की परवाह नहीं है। अगर मैं गर्भवती हो जाऊं या मुझे कोई संक्रमण हो जाए तो "ज़्यादातर लोग" का मतलब ही क्या रह जाता है? हम सीप की चटनी के साथ तले हुए बीफ़ की दो प्लेटें खत्म करते हैं। वह मुझे अपने कमरे में आने का न्योता देती है। बेडरूम में, मैं उसे अपने करीब महसूस करती हूं। मुझे फिर से अपनी पुरानी दोस्त मिल जाती है, एक शर्मीली लड़की जो सुलह करना चाहती है।

— माफ कीजिए, टॉय, जो कुछ भी हुआ उसके लिए मैं पूरी तरह से जिम्मेदार हूं। यह सब मेरी गलती है।

मुझे शराब से लथपथ जीभें, पीछे हटते माथे और खेत की मुर्गियों की क्रूर आंखें याद आती हैं।

आप इन लोगों के साथ सोने का प्रबंध कैसे कर लेती हैं?

वह मेरे सवाल से घबराकर नज़रें फेर लेती है, फिर कंधे उचका देती है।

"यहाँ हमारा क्या इंतज़ार कर रहा है? मशीन के पीछे बूढ़े हो जाना, कुछ ताइवानी कमीनों को मोटा करना जिन्हें हमने कभी देखा तक नहीं? क्या तुमने मेरी सहेलियों के चेहरे देखे हैं? क्या तुम कल्पना कर सकते हो कि कुछ सालों में मैं उनके जैसी दिखूँगी? मैं तो नहीं कर सकती। मुझे सब कुछ अभी चाहिए, बिना ओवरटाइम के भीख माँगे जो मेरी सारी ताकत निचोड़ देता है। ये अतिरिक्त घंटे जो वे मुझे देते हैं क्योंकि मैं अच्छी, अच्छी और आज्ञाकारी रही हूँ। मैं जीना चाहती हूँ, नाचना चाहती हूँ, मस्ती करना चाहती हूँ बिना अगले दिन के काम के बारे में सोचे। तो अगर मुझे डायटर या किसी और के साथ सोना पड़े, तो ठीक है।"

वह मुझे दीवार पर लगा एक विदेशी का पोस्टर दिखाती है:

— डायटर या ब्रैड पिट। कुछ ड्रिंक्स के बाद, जब लाइटें बंद हो जाती हैं, तो आप वास्तव में अंतर नहीं बता सकते।

*

* *

कल मुझे मासिक धर्म हुआ और मैं बेहद खुश हूँ। इस खुशी में साई मेरे साथ डिनर पर आई। अब जर्मनों के साथ सारा मामला पूरी तरह खत्म हो गया है। उसे खुश होना चाहिए, लेकिन वह मेरी आँखों में नहीं देख रही है और असहज लग रही है।

— क्या कुछ गड़बड़ है, साई?

नहीं, यह ठीक है... बल्कि बहुत ही बढ़िया है।

- क्या पर?

- मुझे आपको कुछ बताना है...

— कुछ? रहस्यमयी बनना बंद करो।

मैं एक महीने के लिए कारखाने से दूर रहूंगा।

एक महीना? क्यों? आप क्या करने की योजना बना रहे हैं?

एक विदेशी के साथ छुट्टियाँ। वो दक्षिण में, फुकेत या क्राबी जाना चाहता है। मुझे ठीक से याद नहीं आ रहा।

ये नाम मुझे सपने देखने पर मजबूर कर देते हैं। मैं उस नीले सागर के बारे में सोचती हूँ जिसे मैंने कभी नहीं देखा। दो हफ्ते पहले, मैं उसे देखकर ईर्ष्या करती, लेकिन नाना होटल में उस शाम के बाद से, मुझे समझ नहीं आ रहा कि मैं क्या सोचूँ।

— क्या यह डिएटर के साथ है?

— क्या तुम मजाक कर रहे हो? विली वाली घटना के बाद, मैंने उसे दोबारा नहीं देखा।

मुझे पूरा यकीन है कि वह मुझसे झूठ बोल रही है, कि कम से कम रविवार की रात तो उसने उसके साथ ही बिताई थी।

अगले दिन, दोपहर के भोजन के ब्रेक के दौरान, वह सोमचाई से अवैतनिक अवकाश मांगने गई। फोरमैन ने गियर को ठीक करने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा स्क्रूड्राइवर गिरा दिया और अपनी लंबी टांगों पर ऐसे उछल पड़ा जैसे कोई मकड़ी जैसा राक्षस जिसकी आंखों में आग हो।

ऑर्डर के सीज़न के बीच में? क्या तुम पागल हो? क्या तुम्हें मुझसे मज़ाक करने का कोई और बेहतर तरीका नहीं सूझा? तुम सबसे लंबे समय से काम करने वाले कर्मचारियों में से एक हो और तुमने एक महीने की छुट्टी ले ली है। बताओ, मैं इन ऑर्डरों का क्या करूँ?

मेरी जगह किसी और को रख दो!

सभी टीमें पूरी तरह से सतर्क हैं और आप यह बात भलीभांति जानते हैं।

साई गुस्से से बेकाबू हो गई, उसने अपने होंठ काट लिए। खून उसके सिर में चढ़ गया। वह मुड़ी, अपनी ब्लाउज को गेंद की तरह लपेटा और मशीन पर फेंक दिया।

सात हजार बात प्रति माह के लिए, मैं निश्चित रूप से प्रतिदिन एक हजार बात का नुकसान नहीं उठाने वाला! यहाँ से निकल जाना ही बेहतर है।

प्रिचा उसे शांत करने की कोशिश में उसके दोनों हाथ पकड़ लेती है।

— यहाँ आपको कुछ हद तक सुरक्षा मिलेगी। दुनिया की घिनौनी सच्चाई देखकर सब कुछ बर्बाद मत कर देना। आप अकेले नहीं हैं। मैं यह बात अच्छी तरह जानता हूँ।

"अगर किसी को मेरी जिंदगी बर्बाद करनी ही है, तो मैं चाहूंगी कि वह मैं ही होऊं," उसने अचानक पीछे हटते हुए और बाहर निकलने की ओर बढ़ते हुए कहा।

वह दोपहर भर नहीं लौटी। उस शाम जब मैं उसका हालचाल पूछने गई, तो साई ने अपना सामान पैक कर लिया था और चौकीदार को बता दिया था कि वह चाबियाँ कल लौटा देगी। हमने अपनी आखिरी रात साथ बिताने का फैसला किया, पूरी रात बातें करते रहे जैसे कल हममें से कोई एक मरने वाला हो। लेकिन साई आधी रात के आसपास सो गई; मैं नहीं सोई। वैसे भी, एक पल भी सोना नामुमकिन था। मैं उसे भरोसे के साथ स्थिर साँसें लेते हुए देखती रही। ऐसा लग रहा था जैसे वह किसी दूर, स्वार्थी सफर पर निकल चुकी हो। मुझे पहले से ही बहुत अकेलापन महसूस हो रहा था।

अगली सुबह, हम भोर में चावल का सूप खाने नीचे गए।

मैं आपको पिछली रात जर्मन के साथ हुई घटना के बारे में बताना चाहता था...

— बस करो साई, यह बात तो भुला दी गई है, मुझसे वादा करो कि तुम इसके बारे में दोबारा बात नहीं करोगे और खासकर मुझे अपडेट देते रहोगे।

— मैं वादा करती हूँ, टॉय! मुझे सिर्फ़ तुम्हारी याद आएगी। शायद प्रिचा की भी; वो थोड़ा परेशान करने वाला है, लेकिन दिल से मुझे वो सनकी बूढ़ा पसंद है। उसकी अजीबोगरीब आदतें मुझे प्यारी लगती हैं। उन गिने-चुने लोगों में से एक जिसने पूरी तरह हार नहीं मानी है।

— शायद तुम वापस आ जाओगे। स्पाइडर तुम्हें पसंद नहीं करता, लेकिन वो अपने स्वार्थ के चलते तुम्हें दोबारा काम पर रख लेगा, क्योंकि तुम काम जानते हो और फिलहाल उनके पास कर्मचारियों की कमी है।

मैं मरना पसंद करूँगी, मैं कभी पीछे मुड़कर नहीं देखूँगी। हमेशा आगे बढ़ती रहूँगी। दिन बीतते ही चले जाते हैं, पर आगे बढ़ना ही सबसे ज़रूरी है। जीवन एकतरफ़ा रास्ता है।

मैंने उससे फिर वादा करवाया कि वह नट के मोबाइल फोन से मुझे कभी-कभी कॉल करेगी। हालाँकि उसने मेरी हर इच्छा पूरी करने का वादा किया, फिर भी मुझे उसका जाना विश्वासघात जैसा लगा। मेरी

सबसे अच्छी दोस्त ने मुझे उस समय धोखा दिया जब सब कुछ शुरू होने वाला था। मैं उस पर और खुद पर भी गुस्सा हूँ, क्योंकि मैं जानती हूँ कि मुझे उसकी बहुत याद आएगी।

आप अपनी छुट्टियों के बाद क्या करने वाले हैं?

मुझे नहीं पता... अभी नहीं। सात हज़ार बात प्रति माह वेतन वाली नौकरियों की कोई कमी नहीं है। गरीब पैदा होने पर आप आज़ाद नहीं होते। चाहे ताइवानी कारखाना हो या जर्मन ग्राहक, हम सब अंदर से किसी न किसी तरह खुद को बेचते ही हैं।

मैं उसका बड़ा सूटकेस उतारने में मदद करता हूँ। इंतज़ार कर रही टैक्सी की खिड़कियों पर काली बारिश की बूँदें पड़ रही हैं, उसका इंजन चालू है। साई मुझे एक प्लास्टिक की थैली देती है जिसमें एक मोटा-मोटा लिपटा हुआ पैकेट है, और फिर बिना कुछ कहे हरे और पीले रंग की कार में बैठ जाती है। मैं उसे गाड़ी चलाते हुए देखता हूँ, फिर गली के अंत में वह दाईं ओर मुड़ जाती है, पहियों में आधा पानी भरा हुआ है। मैं भीगते हुए और दर्द से कराहते हुए वापस कार में बैठ जाता हूँ। उत्सुकतावश, मैं पैकेट खोलता हूँ; उसमें उसकी सबसे खूबसूरत पोशाकों में से एक और अंग्रेजी में उसके पसंदीदा गीतों की एक किताब है।

*

* *

कुछ दिनों बाद, मंगलवार, 19 सितंबर, 2006 की सुबह, पूरा देश सदमे में जाग उठा। प्रधानमंत्री थाकसिन शिनवात्रा संयुक्त राज्य अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर थे, जबकि हमने अपने छोटे चीनी टेलीविजन स्क्रीन पर देखा कि सेना के बख्तरबंद वाहनों ने रातोंरात राजधानी के प्रमुख स्थानों, विशेष रूप से सरकारी इमारतों के आसपास मोर्चा संभाल लिया था। सेना ने चीफ ऑफ स्टाफ, जनरल सोंथी बून्यारतग्लिन के नेतृत्व में देश पर नियंत्रण कर लिया था। व्यापक भ्रष्टाचार के दलदल में मगरमच्छ एक-दूसरे को खा रहे थे। सरकार बदल गई, लेकिन व्यवस्था वही रही... एक जैसी, लेकिन अलग... जैसा कि नट ने थोड़ी कड़वाहट के साथ कहा था।

अच्छी खबर सिर्फ इतनी है कि आज सार्वजनिक अवकाश घोषित कर दिया गया है। कारखाने और सभी सरकारी कार्यालय बुधवार सुबह तक बंद रहेंगे। नट ने गांव में अपने परिवार को फोन करके उन्हें आश्वस्त किया, और मैंने भी अपनी चाची को फोन किया। पा ने मुझे बताया कि वहां के लोग हालात को

लेकर चिंतित हैं। उत्तर के साथ-साथ, इसान हमेशा से थाकसिन की पार्टी, थाई रक थाई का मुख्य समर्थक क्षेत्र रहा है, और सेना और बैंकॉक के अभिजात वर्ग द्वारा इस पर कब्जा करने से वे चिंतित हैं।

मुझे इन सब बातों की ज़रा भी परवाह नहीं है... मैं वोट देने लायक उम्र की नहीं हूँ, और जब मैं अठारह साल की हो जाऊँगी, तो वही करूँगी जो मेरी माँ ने किया था... मैं चुनाव के दिनों में घर पर रहकर खाना बनाऊँगी क्योंकि मुझे इन भ्रष्ट नेताओं से नफ़रत है जिन्होंने जनता के लिए कभी कुछ नहीं किया। जब हम आखिरकार यह देखने के लिए बाहर निकले कि सैन्य तख्तापलट कैसा होता है, तो बैंकॉक इतना शांत कभी नहीं था, एक अजीब सी अनिश्चितता में डूबा हुआ शहर। मुझे न तो टैंक दिखे और न ही वर्दीधारी सैनिक। हवा में प्रत्याशा और चिंता का एक अजीब सा माहौल छाया हुआ था। मानो लोग किसी गंभीर और आसन्न घटना की तैयारी कर रहे हों। पथुम में, सड़कों पर बहुत कम कारें थीं, कई दुकानें बंद थीं, लेकिन दिन में बाद में, कुछ छोटे भोजनालयों ने फिर भी खुलने का फैसला किया। इस तख्तापलट ने थाकसिन की बदनामी की पुष्टि कर दी, जो इस साल की शुरुआत में विवादित शर्तों के तहत उनके दूरसंचार समूह शिनकॉर्प को सिंगापुरवासियों को बेचने के बाद शुरू हुई थी।

बुधवार की सुबह तक एक नया अध्याय शुरू हो गया। जीवन पहले की तरह सामान्य हो गया। राजा की स्वीकृति से, जो थाकसिन के अहंकार और महत्वाकांक्षा को और सहन नहीं कर सकते थे, एक नए प्रधानमंत्री की नियुक्ति हुई: सेवानिवृत्त जनरल सुरयुद चुलानॉन्ट। थाकसिन के विरोधी क्षेत्र, मुख्य रूप से बैंकॉक और दक्षिण, खुश हुए, जबकि उत्तर और इसान उदास रहे। नई सरकार के पहले निर्णयों में से एक रक्षा मंत्रालय के बजट में भारी वृद्धि करना था। प्रिचा ने उपहास उड़ाते हुए कहा कि अगर आप कोई काम ठीक से करवाना चाहते हैं, तो उसे खुद करें।

वांग थाई टेक्सटाइल में हमारे लिए कुछ भी नहीं बदला है। जीवन पहले की तरह ही चल रहा है। वही रफ्तार, वही फोरमैन, वही वेतन। ऑर्डर में कोई कमी नहीं आई है। टेलीविजन और सार्वजनिक अवकाश के बिना, हमें इस व्यवस्था में हुए बदलाव का बिल्कुल भी पता नहीं चलता।

थाईलैंड पर्यटन प्राधिकरण के पोस्टरों पर बार-बार लिखा होता है, "अद्भुत थाईलैंड"।

*

* *

कल मेरी चाची ने मुझे फोन करके बताया। उनकी आवाज़ भारी थी। मैं हिम्मत जुटा पाई; मैंने फोन पर रोया नहीं, लेकिन मेरा दिल पत्थर जैसा ठंडा हो गया था। मैंने फोरमैन से छुट्टी मांग ली। स्पाइडर थोड़ा

नाराज़ है क्योंकि साई की जगह अभी तक किसी और को नहीं रखा गया है। लेकिन वह जानता है कि वह मना नहीं कर सकता: परिवार सबसे पवित्र होता है।

मैं मोचित स्टेशन से भोर की पहली बस पकड़ती हूँ। सितंबर का अंत है। परिवार से मिले हुए चार महीने बीत चुके हैं। बस स्टॉप पर एक उदास चेहरे वाली महिला मेरा इंतज़ार कर रही है। मेरी चाची दस साल बूढ़ी हो गई हैं, मानो किसी अंदरूनी ज़हर ने उन्हें जकड़ लिया हो। वह रूखी और कड़वी सी लगती हैं। बचपन की हंसमुख और बातूनी महिला अब एक झुकी हुई बूढ़ी औरत में बदल गई हैं, जो एक खोई हुई आत्मा की तरह कमरे-कमरे भटकती रहती है, मानो कुछ अस्पष्ट रूप से खोज रही हो। मेरा भाई पूरी तरह स्वस्थ है और मेरे चाचा के चले जाने से ज़्यादा प्रभावित नहीं लगता। घर में कोई पुरुष न होने से, उसे हल्का-सा एहसास है कि अब वह अपनी मर्ज़ी से कुछ भी कर सकता है। और वैसे भी, किशोरावस्था का यही फ़ायदा है कि बड़ों की चिंताओं से बेखबर रहना। मुझे तो अभी से चिंताएँ हैं; इसका मतलब है कि मैं वयस्क हो रही हूँ।

मेरे चाचा की मृत्यु ने अतीत की सारी समृद्धि को एक गहरे, अथाह अंधकार में समाहित कर दिया है। मेरी चाची की सोने की शादी की अंगूठी और पेंडेंट गायब हो गए हैं, संभवतः किसी कबाड़खाने में अन्य गरीबों के गहनों के साथ मिल गए हैं। मेरे चाचा की तनख्वाह के बिना उनका गुजारा नहीं चल पाएगा। और फिर मेरा भाई भी है।

> "विदुरा बिल्कुल तुम्हारे जैसा नहीं है। वो बहुत शरारती बच्चा है। वो स्कूल में कुछ नहीं सीखता और सारा दिन गांव के गुंडों के साथ घूमता रहता है। हम उसका क्या करें?" वो मुझसे एक बच्चे की तरह अपनी माँ से बात करते हुए हताशा से पूछती है।

मैं क्या कहूँ? मुझे तो यह भी नहीं पता कि मेरा जीवन कैसा होगा। मैं विदुरा से सिर्फ़ दो साल बड़ी हूँ; उसे अपनी ज़िम्मेदारी खुद उठानी चाहिए। बचपन से ही वह अपनी कमज़ोर सेहत का बहाना बनाकर माँ का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेता था। और ये सोचकर दुख होता है कि इसी वजह से मेरी माँ ने मेरी पढ़ाई कुर्बान कर दी।

पाआ को समारोह के खर्चों में मदद करने के लिए, मैंने उन्हें जर्मनों से मिले तीन हज़ार बात दे दिए जो मैंने अलग रखे थे। तीन नोट जिनमें अभी भी उल्टी की बदबू आ रही थी और जिन्हें मैंने एक अलग प्लास्टिक बैग में रखा था। बाकी नोटों से अलग, जिनसे छुटकारा पाकर मुझे खुशी हुई, जैसे कोई सांप अपनी केंचुली उतारता है। मेरी चाची ने खाली निगाहों से मुझे धन्यवाद दिया। मुझे ऐसा लगा जैसे वह भी जा चुकी हों।

अंतिम संस्कार के बाद, पाआ बोलती नहीं, कम खाती है और बहुत कम पीती है। मैं उसे पहचान नहीं पा रही; वह आमतौर पर बहुत लालची, बल्कि पेटू रहती है। मैं अपनी बचपन की दोस्त आम को देखती हूँ,

जो मेयर के बेटे से शादी करने के बाद से हमेशा सुंदर कपड़े पहनती है: एक मूर्ख जो अपना समय उन कीड़ों को नए-नए यातना देने के तरीके सोचने में बिताता था जो दुर्भाग्य से उसके चंगुल में आ जाते थे। जाहिर है, अब वह तितली के पंख जलाने का खेल नहीं खेलता। अब जब वह व्यापार में है, तो उसने नए सुख खोज लिए होंगे। आम भी अब एक औरत है। मैं उससे उसकी शादी की रात के बारे में पूछती हूँ। हम स्कूल की लड़कियाँ थीं तब अक्सर इसके सपने देखती थीं। वह चुप रहती है, उसकी नज़रें झुकी रहती हैं। मैं समझती हूँ कि उसके लिए भी, प्यार ने अपने वादे पूरे नहीं किए।

— और आप, क्या आप बैंकॉक में किसी को डेट कर रहे हैं? वह बातचीत का विषय बदलने की उत्सुकता से पूछती है।

— जिस कारखाने में मैं काम करती हूं, वहां ज्यादातर लड़कियां ही हैं।

— क्या आप कभी शहर में बाहर नहीं जाते?

— ऐसा मेरे साथ पहले भी हो चुका है, लेकिन अब जब नट का बॉयफ्रेंड है... अकेले बाहर जाना मज़ेदार नहीं लगता। आप समझती हैं ना, बैंकॉक में मेरे आपके जैसे दोस्त नहीं हैं।

उसकी आँखों में चमक है। वह भी जानती है कि हमारी दोस्ती एक अनमोल चीज़ है। मुझे दोबारा देखकर वह खुश है और अपने बैग से एक पुरानी तस्वीर निकालती है। हम स्कूल के सामने खड़ी हैं, नीली प्लीटेड स्कर्ट और सफेद ब्लाउज पहने हुए। हम लगभग दस साल की रही होंगी। मुझे याद है कि उस समय मैं अभिनेत्री औम पचरापा की तरह दिखना चाहती थी, जिन्होंने 'रक नकारा' (शहर की जड़ें) में अभिनय किया था। अपने बॉब हेयरकट और स्कूल गर्ल हेयर क्लिप के साथ, मुझे लगता था कि मैं बदसूरत दिखती हूँ। वह बेफिक्र बचपन मुझे भावुक कर देता है।

शाम को मैं अगरबत्ती जलाकर अपनी माँ से अपने जीवन के बारे में, अपनी बड़ों वाली चिंताओं के बारे में बातें करती हूँ। उस शाम वो नहीं आईं, लेकिन कभी-कभी वो मेरी बातें सुन लेती हैं और मुझे कमरे में उनकी कोमल उपस्थिति का एहसास होता है, जैसे वो मुझ पर नज़र रख रही हों।

*

* *

अगली सुबह, पापा मुझे विशाल आम के पेड़ के नीचे बस स्टॉप तक छोड़ने आए। बस हमेशा की तरह देर से आई, और हम बेंच पर बैठकर इंतज़ार करते रहे, सोए हुए ग्रामीण इलाकों की आवाज़ें सुनते रहे: मेंढकों की आवाज़, कीड़ों की चहचाहट, एक कुत्ते का भौंकना, दूर से मुर्गों की बांग। भोर की ताज़ी

रोशनी से ग्रामीण इलाका सफ़ेद हो गया था। मौसम अभी भी सुहावना था; गर्मी बाद में आएगी। मेरी आंटी ने मुझे नारियल की मलाई का केक दिया—यह हमारे बीच एक परंपरा बन गई थी, एक मीठा रिवाज़ जो हमें बचपन के खुशहाल दिनों की याद दिलाता था, जब मेरे मामा और माँ जीवित थे और हम हर गुरुवार को बुरिराम बाज़ार में उनके बनाए पकवान बेचने जाते थे। उन्होंने मुझसे पैसे नहीं मांगे। मेरी आंटी कभी कुछ नहीं मांगतीं, लेकिन मुझे पता है कि मुझे उन्हें और पैसे भेजने की कोशिश करनी चाहिए। जब बस का दरवाज़ा स्टीमर जैसी सरसराहट के साथ खुला, तो मुझे सीने में एक अजीब सा भारीपन महसूस हुआ। मुझे बिछड़ना पसंद नहीं है।

शाम को, अपने खाली कमरे में, मैं देर रात तक घंटों अपने हिसाब-किताब देखती रहती हूँ। जिस नोटबुक में मैं अपने खर्चों का हिसाब रखती हूँ, वह हमेशा मुझे एक ही कड़वा सच बताती है: मुझे एहसास हो गया है कि मैं गुज़ारा नहीं कर पाऊँगी। मेरे चाचा की मृत्यु हो गई है और मेरी चाची कमज़ोर हो गई हैं, सारी ज़िम्मेदारियाँ मेरे कंधों पर आ गई हैं। मैं छह हज़ार बात में गुज़ारा कैसे करूँगी? और नट भी अब पहले से कम ही आती है। ऊपर से, अगर वह बेंज़ के साथ रहने चली गई, तो मुझे एक नया रूममेट ढूंढना पड़ेगा।

अगले दिन, कारखाने से लौटने पर, मुझे कमरे के दरवाजे के नीचे चौकीदार द्वारा साई का एक पोस्टकार्ड मिला: कोह पी पी का हवाई दृश्य, सफेद रेत के दो अर्धचंद्राकार टीले, मानो जलपरी के कूल्हे स्वर्ग को गले लगा रहे हों। मैंने कार्ड को पलट कर देखा।

> कोह फी फी से नमस्कार! मैं जॉन के साथ शानदार छुट्टियाँ मना रही हूँ। आशा है आप ठीक होंगे। कल हम चालोंग से क्राबी के लिए नाव से जा रहे हैं। टॉय, मैं अक्सर आपके बारे में सोचती हूँ, मुझे आपकी बहुत याद आती है।
>
> चुंबन। साई
>
> पुनश्च: आप आखिरकार मोबाइल फोन कब खरीदने का फैसला करेंगे ताकि मैं आपको एमएमएस संदेश भेज सकूं?

साई के हस्ताक्षर के बगल में, कुछ अस्पष्ट लिखावट है। मुझे लगता है कि यह जॉन की है। यही एक संकेत है जो मुझे उससे मिलता है। कई सप्ताह बीत जाते हैं; एक बार मैंने नट के मोबाइल फोन से उसे

कॉल करने की कोशिश की, लेकिन एक कृत्रिम आवाज ने मुझे बताया कि उसका एआईएस नंबर निष्क्रिय कर दिया गया है।

दो हफ्ते बाद, अपनी दादी के निधन के कारण नट को अपने परिवार के पास लौटना पड़ा। हालात बहुत खराब हैं; आजकल बहुत से लोग मर रहे हैं, शायद सामान्य से अधिक बारिश के कारण। टीवी पर एल नीनो या किसी स्पेनिश घटना की चर्चा हो रही है। इंटरव्यू में आए बुजुर्ग गठिया की शिकायत करते हैं और कहते हैं कि मौसम और खराब होता जा रहा है। इससे हमारी आर्थिक स्थिति और बिगड़ जाती है क्योंकि नट को अंतिम संस्कार के खर्चों में योगदान देना होगा। जब हम मोचित जाने वाली बस में चढ़ने वाले थे, नट ने मजाक में मुझसे कहा कि जब उसने देखा कि महीने का खर्च चलाने के लिए उसके पास कितने कम पैसे बचे हैं, तो उसे सांस लेने की भी हिम्मत नहीं हुई।

उसी शाम बस स्टॉप पर, बेंज अपनी चमचमाती लाल होंडा ड्रीम और नकली रे-बैन चश्मे के साथ मेरे सामने आकर रुका, बिलकुल एक हारे हुए इंसान की तरह, बहुत सारे लोग एक बस का इंतजार कर रहे थे जो शायद कहीं फंसी हुई थी।

— क्या तुम चाहती हो कि मैं तुम्हें वापस ले जाऊं, टॉय?

मैं हाँ कहने से पहले हिचकिचाती हूँ... बस इसलिए क्योंकि मैं बहुत थकी हुई हूँ। मैं उसकी कमर से लिपट जाती हूँ; वह बहुत तेज़ गाड़ी चला रहा है, खुद को बहादुर दिखाने की कोशिश कर रहा है, रुकी हुई कारों के बीच से रास्ता बनाते हुए। मुझे मेरे घर पहुँचने में दस मिनट से भी कम समय लगता है। जब मैं मोटरसाइकिल से उतरती हूँ, तो वह मेरा हाथ पकड़ लेता है:

— टॉय, तुम हमेशा मुझसे बात करना बंद कर देती हो, कम से कम मुझे यह तो बता दो कि तुम मुझसे प्यार क्यों नहीं करती?

— अपनी बकवास बंद करो, मुझे तुमसे प्यार या नफरत करने की कोई ज़रूरत नहीं है। मैं तुम्हारी प्रेमिका नहीं हूँ।

- हानि...

— क्या, बहुत बुरा हुआ...? क्या तुमने कुछ लिया है? क्या तुम बेहोश हो?

नहीं, मैं होश में हूँ और सच कह रहा हूँ। तुम नट से कहीं ज़्यादा आकर्षक हो। मुझे ये मत कहना कि तुम्हें नहीं दिख रहा कि फ़ैक्ट्री में काम करने वाले लोग तुम्हें किस नज़र से देख रहे हैं।

इस कहानी में फैक्ट्री का क्या संबंध है?

— कुछ नहीं, बस बात ये है कि...

— क्या...? चलो, जल्दी बताओ, मैं थक गया हूँ।

—...मुझे तुम बहुत पसंद हो। क्या तुम मेरे साथ ड्रिंक पर नहीं चलना चाहोगे?

मैंने गुस्से से अपना हाथ पीछे खींच लिया। कितना कमीना है! कितना घटिया आदमी है! वो तो मानो मुझे भगाना चाह रहा था। दो दिन बाद, जब नट गाँव से लौटी, तो मैंने कुछ न कहने का फैसला किया। मैं नहीं चाहती थी कि मेरी वजह से कोई बुरी खबर आए... हालाँकि मुझे पहले से ही शक था कि ऐसा होगा।

*

* *

वह अपने हाथों को मलती है, उसके चेहरे पर घबराहट के भाव उभर आते हैं। मैं उसे पहचान नहीं पा रही हूँ। मैं उसके हाथों को नहीं, बल्कि उसके पेट को देख रही हूँ। आख़िरकार, सब कुछ तो वहीं हो रहा है। मैं अपने अंदर पल रहे जीवनदायी भ्रूण के बारे में सोचती हूँ।

— तुम ध्यान क्यों नहीं दे रहे थे?

— सावधान? वो तो आदमी है। सावधान रहना तो उसकी जिम्मेदारी थी, उसे अच्छी तरह पता था कि मैं गर्भनिरोधक गोलियां नहीं ले रही थी!

— तुम क्या करने वाले हो? क्या तुम इसे टालना चाहते हो?

— आप मुझसे कह रहे हैं कि बहुत देर हो चुकी है, अक्टूबर का महीना है, भ्रूण लगभग चार महीने का हो चुका है।

और इस बारे में बेंज का क्या कहना है?

उसने अपना बैलेंस मांगा और सिम कार्ड बदल दिया। कमीना अब मुकर रहा है।

वह पूरी तरह टूट चुकी है। वह उसे उसके बच्चे के साथ छोड़कर चला गया है। मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या कहूँ। मैं दुखी हूँ, पर हैरान नहीं। ऐसा होने वाली वह आखिरी नहीं होगी। मेरी वर्कशॉप में आधी औरतें अपने बच्चों को अकेले पाल रही हैं। पहले, उनके प्रेमी अपनी मंगेतरों के साथ बड़े प्यार से पेश आते थे... "मैं तुमसे प्यार करता हूँ... मैं तुम्हें बहुत चाहता हूँ... शाश्वत प्रेम... प्रेम गीत..." लेकिन जैसे ही ज़िम्मेदारी लेने की बात आती है, वे गायब हो जाते हैं। अचानक! वे सब सारस के झुंड की तरह गायब हो जाते हैं... "तुम खुद संभालो, बेटा, मुझे जाना है, मुझे पहले ही देर हो रही है और अभी मेरे कुछ और काम हैं..." लड़की अपने बच्चे को गंदे कपड़ों के ढेर की तरह दादी के पास छोड़कर वापस कारखाने में काम

करने चली जाती है, जबकि दादी ने उससे ऐसा कुछ नहीं माँगा था। आखिर, मेरे पिता ने मेरी माँ को दो बच्चों के साथ अकेले छोड़कर कोई गलती नहीं की थी। मुझे लगता है कि यही बात धीरे-धीरे उन्हें अंदर से खा गई। मैं कसम खाती हूँ कि मैं फिर कभी धोखा नहीं खाऊँगी। बचपन से ही, आकाश में बादलों को बहते हुए देखकर, मैंने यह समझ लिया था कि एक गहन और पवित्र जीवन जीने का एकमात्र तरीका कल्पना, एकांत और सपनों में जीना है। वास्तविकता हर चीज़ को दूषित कर देती है; लोग हमेशा अपने वादों पर खरे नहीं उतरते। जब हम दूसरों से जुड़ने का फैसला करते हैं, तो हमें लगता है कि हम मजबूत बंधन बना रहे हैं: दोस्ती, प्यार। लेकिन लोग स्वार्थी होते हैं, अपनी स्वार्थपरक प्रवृत्तियों से प्रेरित, जीवनयापन की मशीन होते हैं, और जैसे ही उनके हित बदलते हैं, वे दूर चले जाते हैं। जब चमत्कारिक रूप से वे अपने अंतर्निहित स्वार्थ से खुद को अलग करते हुए दिखाई देते हैं, तो अक्सर ऐसा इसलिए होता है क्योंकि हम उनके कार्यों से मिलने वाले लाभ को समझ नहीं पाते। सबसे बुरे वे लोग हैं जो खुद को वीर दिखाते हैं, जो दूसरों की मदद सिर्फ गर्व से करते हैं, खुद को आईने में निहारने के लिए, दूसरों से अलग दिखने के लिए। एकमात्र सार्थक निष्कर्ष यही है कि जीवन निराशाओं और विश्वासघातों का मिश्रण ही लेकर आता है। हमें दुनिया से दूर, दूसरों के निर्णयों से दूर, हमारे अंदर डाले गए आदर्शों से दूर रहना चाहिए, ताकि हम वास्तव में वही बन सकें जो हम हैं। नट इस कहानी में इसलिए उलझ गई क्योंकि वह विश्वास करना चाहती थी, दूसरों की तरह अपना घर बनाना चाहती थी। वह अपनी मर्सिडीज बेंज के साथ भ्रमों में डूबी रही, लेकिन कोई उसे जगा नहीं सका।

जैसे-जैसे सप्ताह बीतते गए, नट का वजन बढ़ता गया और उसका शरीर बेढंगा होता गया। उसकी पहले की फुर्तीली और ऊर्जावान चाल धीमी और बोझिल हो गई। सिलाई मशीन पर वह अपना निर्धारित उत्पादन पूरा नहीं कर पा रही थी, और उसे पहले से ही पता था कि उसका बोनस काट लिया जाएगा। शाम को, उसके स्तन सूजे हुए और दर्द से भरे होते थे, वह ऊंघती, चिड़चिड़ी हो जाती और अक्सर मतली की शिकायत करती। वह कभी-कभी मुझे पीठ के निचले हिस्से में होने वाले तेज दर्द के बारे में बताती थी। मुझे यह जानकर बहुत दुख हुआ कि गर्भावस्था एक लंबी बीमारी जैसी थी, एक ऐसी स्थिति जो नौ महीने तक चलती रही।

जिन रातों में नट नींद से बेहाल नहीं होती, वो अपने दर्द को गले लगाने के लिए रोती है। उसके भीतर जीवन का ये बीज लगातार बढ़ रहा है, और दर्द ही बेंज की एकमात्र निशानी है जो उसके पास बची है। उस नीच ने अपनी आखिरी तनख्वाह मांगकर शहरी सागर की गुमनामी में हमेशा के लिए गायब हो जाने की इच्छा जताई थी। वो उससे नफरत करती है, लेकिन कभी-कभी, वो शर्मिंदा होकर मुझसे मानती है कि उसे उसकी याद आती है। उसे इस बात पर ज़रा भी गर्व नहीं है कि वो उससे नफरत नहीं कर सकती। मुझे नहीं पता कि मैं उससे क्या कहूँ; मुझे उस पर तरस आता है। वो इसके लायक नहीं थी। किसी को भी उसकी उम्र में अपनी जान गंवाने का हक नहीं है। एक अकेली माँ के लिए दूसरा पति

मिलना लगभग नामुमकिन है। यही ज़िंदगी है। मानो या न मानो। हम लोगों से मिलते हैं, उनसे प्यार करते हैं, हमें लगता है कि ज़िंदगी की उथल-पुथल में हम थोड़े कम अकेले हैं, और फिर एक दिन, वे उतनी ही अचानक हमें छोड़कर चले जाते हैं जितनी अचानक वे हमारी ज़िंदगी में आए थे। और हम कुछ भी नहीं कर पाते। हम धोखा महसूस करते हैं क्योंकि हम उनसे जुड़ गए थे, क्योंकि हमने उन पर भरोसा किया था, लेकिन सच तो ये है कि हम खुद को एक बार फिर मूर्ख बनने के लिए, भ्रमों से चिपके रहने के लिए दोषी ठहराते हैं। लेकिन इससे हमें नए सिरे से शुरुआत करने से कोई नहीं रोक सकता, किसी और से जुड़ाव महसूस करते ही, किसी आत्मीय व्यक्ति से, अपने जैसे किसी से, हम फिर से उम्मीद जगाने से नहीं रोक सकता। जीवन तो बस लगातार रिश्तों का सिलसिला है, सुनियोजित विश्वासघातों का। हर शादी में भविष्य में तलाक के बीज छिपे होते हैं। हर प्यार नफरत का बीज पालता है। जब वह रो नहीं रही होती, रात को सोने से पहले, नट अपने बच्चे से बातें करती है।

> — मुझे तुम्हारे नन्हे-मुन्ने पैरों की आहट अपने पेट पर महसूस हो रही है... क्या तुम जहाँ हो वहाँ अँधेरा है...? यहाँ कमरे में भी अँधेरा है।

फिर मुझे अंधेरे में उसकी आवाज सुनाई देती है, वह मेरी ओर मुड़ता है।

> मुझे लगता है कि बच्चा मेरी बात सुन सकता है, लेकिन उसे डर है कि मैं उसका पालन-पोषण नहीं कर पाऊँगी। बिना पिता के जन्मे बच्चे के लिए जीवन और भी कठिन होता है।

काश नट को पता होता कि मैं उसे कितनी अच्छी तरह समझती हूँ। जब मैं अंधेरे में उसकी कोमल आवाज़ सुनती हूँ, तो पुरानी यादें ताज़ा हो जाती हैं। मुझे मेरी माँ का सुंदर चेहरा फिर से दिखाई देता है, जब वह मेरे पिता के साथ रहती थी। वह प्यार उसके जीवन का सबसे बड़ा प्यार था। इकलौता। एक ऐसा घाव जिसका निशान कभी नहीं भरा।

कार्यशाला में, अन्य महिलाओं से घिरी हुई, मैं अकेलापन महसूस करती हूँ, मेरा मन कहीं और खोया हुआ है। मैं धीमी गति से काम करती हूँ, अपने काम में पूरी तरह से मग्न हूँ। मुझे इस महीने बोनस नहीं मिलेगा। ब्रेक के दौरान, लड़कियाँ लॉकर रूम की बेंचों पर बैठ जाती हैं। वे फोरमैन को निहारती हैं, जो चायापुम की एक युवा लड़की के चारों ओर घूम रहा है, जिसकी आँखें थकी हुई हैं और जिसे अभी-अभी काम पर रखा गया है। एक महिला, जिसके बाल ढीले जूड़े में बंधे हैं, बेंच पर लेटी हुई है। वह अपने भारी पैरों की शिकायत कर रही है। कुछ साल पहले वह बहुत सुंदर रही होगी, लेकिन अब उसकी सुंदरता का केवल एक बिगड़ा हुआ चेहरा ही बचा है।

> स्पाइडर उस नई लड़की के चारों ओर चक्कर लगा रहा है। अगर उसे नौकरी से निकाले जाने से बचना है, तो उसे उसके साथ सोना होगा और एक रात उसके ऑफिस में उसे ओरल सेक्स देना होगा।

मुझे वो लंबा लड़का पसंद है जो दुकानदार के साथ काम करता है।

बालों का जूड़ा बनाए महिला जोर से हंस पड़ी और अपनी सहेली का मजाक उड़ाने लगी:

— मुझे बताओ, कहीं हम एक ही व्यक्ति की बात तो नहीं कर रहे? वो फोर्कलिफ्ट वाला बेवकूफ? वो बड़ा मूर्ख? तुम तो बिल्कुल भी नखरे नहीं करती, है ना मेरी प्यारी!

मैं उनकी सिकुड़ी हुई ब्लाउज़, उनके हारे हुए चेहरे, बिना मेकअप के, उनके फटे हुए हाथों को देखती हूँ। उनका पूरा अस्तित्व उपयोगिता और बोझ ढोने वाले जानवरों की तरह लगता है। वे अब औरतें नहीं रहीं, बस कारखाने में काम करने वाली मज़दूर बन गईं। उनके चेहरों पर न कोई विद्रोह, न कोई शत्रुता दिखाई देती है। वे आज़ादी की चाहत रखती हैं, लेकिन जो जैसा है उसे स्वीकार करने में संतुष्ट हैं, दुनिया जैसी है वैसी ही स्वीकार करने में। वे उस आज़ादी के लायक नहीं हैं जिसे वे संजोती हैं। वे ऐसे कैसे जी सकती हैं? मुझे पता है मैं गलत हूँ। एक तरह से, मुझे उन्हें तिरस्कार करने के बजाय उनकी प्रशंसा करनी चाहिए; इस नियति को स्वीकार करने में वे वीर हैं। लेकिन यह समर्पण कहीं नहीं ले जाता, किसी परलोक में कोई पुरस्कार नहीं देता।

साईं चली गई। वही एकमात्र विद्रोही सूर्य थी। उसके बिना, मानो रात हो गई हो। इन सीधी-सादी बछियों को वही मिला जिसकी वे हकदार थीं। मेरा मन करता है कि सब कुछ छोड़ दूं, साईं का अनुसरण करूं, बुरिराम के लिए अपना सामान पैक कर लूं, फिर मुझे साईं के शब्द याद आते हैं: एकतरफा रास्ता। जैसे ही मैं चेंजिंग रूम से बाहर निकलती हूं, मशीनों का शोर और सॉल्वैंट्स की गंध मुझे वापस खींच लाती है। मैं प्रिचा के पास से गुज़रती हूं। वह मुझे नहीं देखता, अपने विचारों में खोया हुआ, कपड़ों की एक गाड़ी से टिका हुआ है जिन्हें बदलना है। उसकी आंखें खाली हैं, सूनी। उसमें कुछ रहस्यमय और पुराने ज़माने का सा है, इस पागलखाने को बेहतर ढंग से सहने के लिए लगातार खुद में सिमटते रहना।

रेडियो पर पत्रकार पटाया के बारे में बात कर रहे हैं, जहाँ पुलिस को छह महीने में तीसरी बार सड़े-गले मानव अवशेष मिले हैं। फोरेंसिक जांचकर्ता अथक परिश्रम कर रहे हैं। अखबारों में कार्टून छपे हैं जिनमें एक सीरियल किलर थाकसिन के शव के पास खून से लथपथ माचेटी पकड़े हुए है, और उसके नीचे थाईलैंड पर्यटन प्राधिकरण का विज्ञापन नारा लिखा है: "अद्भुत थाईलैंड।" इससे जनता को हंसी आती है, लेकिन सच्चाई यह है कि राजनेता थाईलैंड की धूमिल छवि और सबसे बढ़कर पर्यटन राजस्व में संभावित गिरावट को लेकर चिंतित हैं। तख्तापलट ने पहले ही कुछ टूर ऑपरेटरों को डरा दिया था। और अब, जैक द रिपर समुद्र तटों पर घूम रहा है। कई राजनेता चीनी-थाई परिवारों से हैं जिनके बैंकॉक या दक्षिणी रिसॉर्ट्स में होटलों में हिस्सेदारी है। थाईलैंड में पैसा ही सब कुछ है। सब कुछ इसी से जुड़ा है या इसी से उत्पन्न होता है।

हर रात, नट और मैं एक ही निष्कर्ष पर पहुँचते हैं: कोई भविष्य नहीं... उन पुराने अंग्रेज़ी रॉक बैंडों की तरह जिन्हें बेंज़ अपने एमपी3 प्लेयर पर पूरी आवाज़ में सुनता था और बेतहाशा सिर हिलाता था। नट और मैं एक बर्बाद दुनिया का सामना कर रहे हैं। जान लगाकर काम करने से कुछ हासिल नहीं होता। मैं किसी ऐसे कारखाने के मज़दूर को नहीं जानता जिसने तरक्की की हो या कम से कम ठीक-ठाक गुज़ारा कर पाया हो। मैं अपनी चाची को वो पैसे नहीं भेज सकता जिनकी उन्हें सख्त ज़रूरत है, और नट अकेले अपने बच्चे का पालन-पोषण नहीं कर पाएगी। मैं अभी अठारह साल का भी नहीं हूँ, और कल का तो पहले से ही कोई भविष्य नहीं है।

मेरे पैरों और पीठ में असहनीय थकान है। मेरा शरीर दर्द से तड़प रहा है, जैसे किसी बूढ़े का। मेरा बेचारा शरीर विद्रोह कर रहा है, अपनी ही भाषा में मुझसे बात करने की कोशिश कर रहा है, मुझे यह समझाने की कोशिश कर रहा है कि वह उस चीज़ को स्वीकार नहीं कर रहा जो मैं उस पर थोप रहा हूँ। ये अंतहीन दिन, गंदे कपड़ों और सूखते कपड़ों के बीच आठ वर्ग मीटर की यह ज़िंदगी। सप्ताहांत में, मैं बस सोता हूँ ताकि पूरे हफ्ते की थकान से उबर सकूँ। उठने का क्या फायदा? वैसे भी, पैसे के बिना मैं क्या करूँगा? सोमवार को, मैं फिर से काम शुरू करने के लिए संघर्ष करता हूँ। गुलामी की आदत जल्दी छूट जाती है। गाँव में रोज़मर्रा की ज़िंदगी ज़्यादा आसान लगती थी, लेकिन मैं तो बस एक बच्चा था। क्या मेरी माँ भी निर्माण स्थल पर चिलचिलाती धूप में लंबे दिन बिताने के बाद यही बात कहतीं? असल ज़िंदगी क्या है? निर्माण स्थलों पर मेरी माँ की ज़िंदगी? क्या यह कारखाने का अकेलापन है, या साई का, जो बाहर जाता है, मौज-मस्ती करता है, पीता है, रेस्तरां में खाता है, प्यार करता है और खूब पैसा कमाता है? नट नहा रही है। हमेशा की तरह, सबसे पहले उठने वाली, अपने लगातार बढ़ते पेट के बावजूद। मैं अपने कामकाजी दिन के इन आखिरी पलों का भरपूर आनंद ले रही हूँ। ये सबसे अच्छे पल हैं। एक शाम, एम ने मुझे फोन करके बताया कि बुरिराम का सूदखोर, जो हमारे घर का मालिक बन गया है, मेरी चाची से बात करते हुए देखा गया था। हमारी संपत्तियाँ अगल-बगल हैं, और उस धूर्त ने मेरे चाचा की मृत्यु के बारे में ज़रूर सुना होगा। वह बीमार जानवर पर मंडराते गिद्ध की तरह अपने मौके का इंतज़ार कर रहा है। यह सब मुझे चिंतित कर रहा है क्योंकि मैं जानती हूँ कि मैं उसे पर्याप्त सहयोग नहीं दे रही हूँ।

रात में, मैं अक्सर साई का सपना देखता हूँ, कोह पी पी के सफेद रेतीले द्वीपों का। शायद वह कहीं दूर अमेरिका या यूरोप में रहती हो। साई दिन के उजाले में तैरती रहती है जबकि मैं अंधेरे में उदास रहता हूँ।

*

* *

नट अब किराए का अपना हिस्सा नहीं दे पा रही है क्योंकि उसके परफॉर्मेंस बोनस में कटौती कर दी गई है और वह बच्चे के आने की उम्मीद में चीज़ें खरीद रही है, इसलिए मैं जितना हो सके उतना खर्च कर रही हूँ। वह अक्सर घंटों बैठी रहती है, जैसे किसी सपने में खोई हो। मुझे उसकी मदद करना अपना फर्ज लगता है; मेरे पास कोई चारा नहीं है। मैं और भी कुछ करना चाहती हूँ, लेकिन कैसे? इसी वजह से अब मैं अपनी मौसी को फोन करने की हिम्मत नहीं करती। मैंने उन्हें बहुत दिनों से कुछ नहीं भेजा है। कल मैंने अपनी माँ की सोने की बुद्ध प्रतिमा गिरवी रख दी। उस चीनी बदमाश ने मुझे तीन गुना कीमत के हार के लिए 3,000 बात उधार दिए। मैं अपनी मौसी को 1,500 बात भेज रही हूँ। बाकी पैसे से मेरा गुजारा तनख्वाह मिलने तक चलेगा।

जैसे-जैसे क्रिसमस नज़दीक आता गया, ऑर्डर की बाढ़ आ गई और वर्कशॉप अपने तय समय से पीछे हो गई। हमें तेज़ी से काम करना पड़ा, जिसके चलते हमें ओवरटाइम करना पड़ा। एक शाम, जब मैं पैंट पैक कर ही रही थी, तभी मुझे एक घायल जानवर के चीखने की आवाज़ सुनाई दी। जेट, जो डिब्बों को सील करती थी, उसका हाथ मशीन में फंस गया था। उसे बहुत ज़्यादा खून बह रहा था, हर जगह खून ही खून था। मैं उसकी तरफ दौड़ी; उसका हाथ एक गियर में फंस गया था। उस बेवकूफ ने तेज़ी से काम करने के लिए सुरक्षा तंत्र हटा दिया था। कोई उसे छुड़ा नहीं सका। उसका चेहरा पीला पड़ गया था, आँखें ऊपर चढ़ गई थीं, दर्द के आँसू उसकी आँखों से बह रहे थे। दो लड़कियों ने उसे पकड़ रखा था जबकि प्रिचा ने प्लास से उसे छुड़ाने की कोशिश की। जब तक उसे अस्पताल ले जाया गया, जेट बेहोश हो चुकी थी। स्पाइडर, बहुत गुस्से में, सबको कोस रही थी और खून से सने कपड़ों की तरफ इशारा करते हुए बड़बड़ा रही थी।

— धिक्कार है, दो बक्से बर्बाद हो गए!

वह उन्हें पलटकर देखता है कि क्या बचाया जा सकता है। उसे पता है कि उसका इनाम हाथ से निकल गया है। वह प्रिचा की ओर मुड़ता है और उस पर भौंकता है।

और अगर आप उनके दिमाग में अपनी बेतुकी बातें डालना बंद कर दें, तो वे अपने काम पर थोड़ा और ध्यान केंद्रित करेंगे।

प्रिचा दांत पीसता है और कोई जवाब नहीं देता। वह जानता है कि स्पाइडर उसे नौकरी से निकालने के लिए बस एक बहाने का इंतज़ार कर रहा है। थोड़ी देर बाद, एम्बुलेंस का सायरन बजता है। सफेद कोट पहने लोग जेट को अस्पताल ले जा रहे हैं। अब वह कभी नहीं दिखेगी।

वी

शुक्रवार की शाम, कपड़ों का ढेर लगा हुआ था, हम स्कूल की लड़कियों की तरह उत्साहित थे जिन्हें छुट्टियों की आहट सुनाई दे रही थी। जैसे ही मैंने आंगन में कदम रखा, वांग थाई टेक्सटाइल की लाल नियॉन लाइट में खड़ी एक मोहक आकृति को देखकर मेरा दिल उछल पड़ा। साई वहाँ थी, एक बड़े रेशमी शॉल में लिपटी हुई। हमेशा से भी ज़्यादा सुंदर: एक बेमिसाल खूबसूरती। मैं खुद को उसकी बाहों में झोंककर उसे चूमने लगी, उसे गीले चुम्बनों से सराबोर कर दिया। जैसे ही उसने मुझसे दूर हटने की कोशिश की, मैं उससे ऐसे चिपक गई जैसे कोई जोंक अपने शिकार से चिपकती है। वह मुझे विलासिता की प्यासी शेरनी की याद दिलाती है। उसने मेरे रूठे हुए चेहरे को देख लिया।

— तुम्हें पता है मैं तुमसे नाराज़ हूँ, साई।

- किस लिए ?

— तुमने मुझे कभी चिट्ठी नहीं लिखी, न ही फोन किया! बस पाई पाई कार्ड भेजा। मैंने तुम्हें फोन करने की कोशिश की, लेकिन तुम्हारा नंबर काम नहीं कर रहा था।

मुझे बहुत खेद है। फुकेत के एक बार में मेरा फोन चोरी हो गया। मेरे सारे नंबर डिलीट हो गए।

आप मुझे एक कार्ड भेज सकते थे।

क्षमा कीजिए, लेकिन समय बहुत जल्दी बीत गया।

— ऐसा लगता है जैसे तुम जवान हो गए हो। यहाँ का मौसम सिरप की तरह ठंडा है। मैं अकेला उदास घूम रहा हूँ।

— तो फिर, एक ईमेल खाता खोलें और अंत में एक मोबाइल फोन खरीद लें। आप किस दुनिया में रहते हैं?

मैं चाहती थी कि वह कमरे में आए, लेकिन नट पहले ही लौट चुकी है। उसने सुझाव दिया कि हम इसके बजाय शहर में डिनर के लिए बाहर चलें।

— Comment va Nut ?

— बहुत अच्छा नहीं। गायब होने से पहले बेंज का उससे एक बच्चा था।

— कहानी हमेशा एक जैसी ही होती है, सब आपके साथ सोना चाहते हैं लेकिन बाद में कोई नहीं होता। यह सब बहुत आम है।

तुम्हें तो आधी बात भी नहीं पता। तुम्हें पता है उस कमीने ने मुझसे छेड़छाड़ की थी?

— मुझे पता है। ठीक है, चलिए कुछ गंभीर बात करते हैं। मुझे किसी अच्छे इटैलियन रेस्टोरेंट में जाने का मन कर रहा है! आपका क्या ख्याल है?

मुझे नहीं पता, मैंने कभी इटैलियन खाना नहीं खाया!

— जॉन को इटैलियन खाना बहुत पसंद है। मुझे नानी के घर के पास एक रेस्टोरेंट पता है।

ये शब्द सुनते ही विली से जुड़ी कहानी मेरे सामने ऐसे उभर आई जैसे कोई शव तालाब में फंसा हो और लंबे समय तक सड़ने के बाद अचानक मुक्त हो गया हो। मेरा चेहरा पीला पड़ गया। साई ने तुरंत अपनी गलती समझ ली।

— माफ कीजिए, मैं इस कहानी के बारे में पूरी तरह भूल गया था। क्या आपको नहीं लगता कि मुकदमा दायर करने की समय सीमा समाप्त हो गई है?

टैक्सी लुम्फिनी पार्क से गुज़रती है। मैं देखता हूँ कि अब वहाँ पीले रंग की कमीज़ें या बैनर नहीं हैं। थाकसिन के जाने के साथ ही प्रदर्शनकारी भी गायब हो गए हैं, मानो वे थाकसिन समर्थक लाल कमीज़ों के आने का इंतज़ार कर रहे हों। वह व्यंग्य भरी नज़रों से मेरी ओर देखती है:

— तुम ध्यान नहीं देते। तुमने मुझमें कोई बदलाव नहीं देखा?

मुझे नहीं पता। हां, हां, मुझे आप अधिक सुंदर, अधिक तेजस्वी लगती हैं।

लेकिन और क्या?

नहीं, मुझे तो यह दिखाई नहीं दे रहा है, क्या मुझे इसे देखना चाहिए?

साईं ने बड़े शॉल को एक तरफ सरका दिया और एक शानदार वक्षस्थल दिखाई दिया।

और अब?

मैं उसकी डीप नेकलाइन को देखकर मंत्रमुग्ध होकर वहीं स्थिर खड़ा रहा।

— अरे बाप रे... तुमने ये कब किया?

फुकेत के बाद जॉन ने इसे मुझे दे दिया। लेकिन मुझे आश्चर्य होता है कि क्या यह उपहार वास्तव में उसके लिए नहीं था।

- कितना ?

पटाया के एक क्लिनिक में साठ हजार बात। यही है अच्छी गुणवत्ता की कीमत।

टैक्सी हमें एक आलीशान रेस्तरां के सामने उतार देती है। क्या साई पहले ही भूल चुकी है कि मेहनत और पसीने की कितनी कीमत चुकानी पड़ती है? प्रवेश द्वार पर पारंपरिक पोशाक पहने एक दुबली-पतली महिला, जिसके चेहरे पर औपचारिक भाव थे, हमारा स्वागत करती है। गंभीर मुद्रा में, वह धीरे-धीरे अपना सिर झुकाते हुए, हाथों को 'वाई' में जोड़कर, हमारी ओर मुस्कुराती है।

सूट पहने एक आदमी हमें मोटे सफेद कपड़े से ढकी मेज तक ले जाता है। बैठते ही मैंने देखा कि साई ने सोने का हार पहना हुआ है, जिसकी सुनहरी चमक उसके गले में जगमगा रही है और उसकी नई टैन की हुई छाती को और भी आकर्षक बना रही है। हम स्पैगेटी फ्रूटी डि मारे का इंतज़ार करते हुए बैकार्डी ब्रीज़र ऑर्डर करते हैं। वह मुझे अपना नया मोबाइल फोन दिखाती है। एक अत्याधुनिक नोकिया 8800 गोल्ड, एक खूबसूरत सोने का डिवाइस जो रेसिंग कार की तरह पतला और आकर्षक है। ब्रांड का नवीनतम मॉडल, सबसे बेहतरीन, जिसकी कीमत कम से कम बीस हज़ार बात होगी।

— देखो ये केस, कितना शानदार है! स्तनों के अलावा, जॉन ने एक खास सजावट भी करवाई है। वो हम दोनों की एक तस्वीर चाहता था, लेकिन मुझे उससे भी बेहतर मिल गई।

मैंने वह यंत्र अपने हाथों में लिया। धातु पर एक मंत्र खुदा हुआ था। साईं ने समझाया:

— यह महामंत्र है, महान मंत्र। जिसे हीरा कवच कहा जाता है... यान क्रोपेच! यह दुर्भाग्य और सभी बुरी आत्माओं से रक्षा करता है।

— क्या आप उस बकवास पर विश्वास करते हैं? इसके बजाय मुझे अपनी छुट्टियों के बारे में बताइए!

हमने दक्षिण की यात्रा की। फुकेत में एक होटल में रुके, जिसका किराया चार हज़ार बाट प्रति रात था। फिर, पी पी और क्राबी गए। क्राबी का समुद्र तट शानदार है। देखो!

वह एक डिजिटल कैमरा निकालती है। जॉन की उदारता असीम प्रतीत होती है। वह अपनी छुट्टियों की तस्वीरें देखने लगती है। मुझे जगमगाते आलीशान होटलों, मनमोहक स्विमिंग पूलों और अमेरिकी फिल्मों के कमरों जैसे खूबसूरत कमरों की एक तस्वीर-पोस्टकार्ड जैसी दुनिया दिखाई देती है। दो तस्वीरों में वे एक-दूसरे को गले लगा रहे हैं। जॉन काफी युवा है। तीस से थोड़ा अधिक उम्र का, दिखने में बुरा नहीं, उसके दाहिने कंधे पर नीले रंग का ड्रैगन टैटू है। डायटर या विली जैसा बिल्कुल नहीं।

वह मुझसे पूरी तरह प्यार करता है।

एक अन्य तस्वीर में, हम गहरे रंग की त्वचा वाले एक हट्टे-कट्टे आदमी और निचले होंठ के नीचे पियर्सिंग वाली एक खूबसूरत लड़की को देखते हैं। वे एक रेस्तरां के मेनू को समझने की कोशिश कर रहे हैं।

- कौन है ?

— वाई, पटाया में काम करने वाला एक दोस्त, अपने ग्राहक टॉम के साथ।

और अब आप कहाँ रहते हैं?

— पटाया में। और फैक्ट्री का काम कैसा चल रहा है?

ये समय बहुत कठिन रहा है। मेरे चाचा का निधन हो गया, और तब से मेरी चाची पहले जैसी नहीं रहीं। उन्हें घर चलाने में बहुत मुश्किल हो रही है, खासकर मेरे भाई के बिगड़ने के बाद। मैं उन्हें जितना हो सकता है, उतना भेजता हूँ। महीने में दो हज़ार से ज़्यादा कभी नहीं। मुझे डर है कि कहीं वो भी मेरी माँ जैसी गलती न कर बैठें और किसी सूदखोर से कर्ज़ लेकर अपना घर गिरवी न रख दें।

साई ने अपनी जेब से पैसों का एक बंडल निकाला। उसने पाँच सौ यूरो के दस नोट गिने और बिना कुछ कहे उन्हें हमारी बैकार्डी ब्रीज़र की दो बोतलों के बीच सफेद मेज़पोश पर रख दिया।

— ये लो, ये तुम्हारे लिए है...

— तुम पागल हो, मैं यह बात स्वीकार नहीं कर सकता।

— ये कोई तोहफा नहीं है, लेकिन मैं इसे कैसे कहूँ...? बस एक ब्याज-मुक्त ऋण है। मैंने इन्हें एक खेल में जीता है।

क्या आप अब पैसे के लिए खेल रहे हैं?

— पैसों के लिए भी, और मनोरंजन के लिए भी। जुआ खेलना सेक्स की तरह है, बिना पैसों के कोई मज़ा नहीं!

मुझे ये सब पसंद नहीं है। भूमिगत जुआघर थाई समाज का सबसे नीच धब्बा है: सूदखोर, हर तरह के तस्कर, बेईमान किस्म के लोग जो बिना सोचे-समझे अपने ही परिवार के सदस्यों, एम्फ़ैटेमिन या बर्मी प्रवासियों की तस्करी करते हैं। और अगर पुलिस ने छापा मारा, तो साई बड़ी मुसीबत में पड़ जाएगा। मैं मेज पर रखे नोटों के बंडल को देखता हूँ; मुझे सच में इनकी ज़रूरत है। साई मेरी झिझक को भांप लेता है।

— ये तो बस एक ऋण है, जब तुम्हारे हालात बेहतर हो जाएंगे तो तुम मुझे चुका दोगे।

आप अच्छी तरह जानते हैं कि मैं उन्हें आपको कभी वापस नहीं दे पाऊंगा।

— हाँ, आप कर सकते हैं। वैसे भी, इस पैसे के लिए मुझे ज़्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी। जॉन बहुत उदार है। उसे काम के लिए अमेरिका वापस जाना पड़ा और वह मुझे हर महीने बीस हज़ार भेजता है। जॉन ये पैसे अपनी गर्लफ्रेंड को देता है, जो फिर उसे अपनी सबसे अच्छी दोस्त को उधार दे देती है।

बीस हजार? क्यों?

— सिर्फ़ एकांत पाने के लिए, ताकि मैं दूसरों के साथ न सोऊं।

और आप अपना वादा निभाते हैं?

बिना कुछ कहे वह मुस्कुराई, एक मार्लबोरो सिगरेट जलाई, धुआँ छत की ओर उड़ाया, फिर पास की एक मेज की ओर सिर घुमाया जहाँ एक जोड़ा ऊब से परेशान था। आदमी शोर मचाते हुए मिठाई खा रहा था। उसके बालों में सुनहरे रंग की हाइलाइट्स थीं, उसने राल्फ लॉरेन की आधी बाजू की शर्ट और डिज़ाइनर जींस पहनी हुई थी। वह जवान दिख रहा था, लेकिन कुछ तो गड़बड़ थी, हालाँकि मैं तुरंत समझ नहीं पा रही थी। उसकी बाहें मजबूत थीं, ऐसा लग रहा था जैसे वह अपना ख्याल रखता हो, लेकिन असली बात उसकी कमी को उजागर कर रही थी, उसकी शर्ट के कॉलर के पीछे। अचानक, मेरी नज़र उस पर पड़ी... एक मरते हुए कछुए की पतली गर्दन। मैंने सोचा, "नकली जवानी," और जब मेरी नज़र साई पर पड़ी, तो उसने भी व्यंग्य से अपनी आँखें सिकोड़ लीं। लड़की ने धीरे से गिलास के किनारे पर उंगली फेरते हुए उसे खड़काने की कोशिश की ताकि नीरसता दूर हो सके। वह किसी दल्लत की तरह खूबसूरत है, एक फिल्म स्टार जैसी जिसकी त्वचा बेदाग है, होंठ भरे हुए और कामुक हैं, और स्तन सुडौल हैं: अभिनेत्री चोम्पू अराया की हूबहू कॉपी, लेकिन एक ऐसी चोम्पू अराया जो सड़क की ओर मुड़ गई है।

जैसे ही हम सड़क के गर्म अंधेरे में वापस कदम रखते हैं, साई कारों के प्रवाह को देखता है और फिर मेरी ओर मुड़ता है और मुझे चिढ़ाने वाली मुस्कान के साथ घूरता है।

मुझे लगता है कि मछली के रूप में आपके पिछले जन्म के बारे में आपकी बात सही है।

- तुम मुझे ये क्यो बता रहे हो?

क्योंकि तुम्हारी याददाश्त तो मछली जैसी है...

— गोल्डफिश?

— तुम हमारा वादा पहले ही भूल चुके हो।

— क्या भूल गए? आप किस बारे में बात कर रहे हैं?

हमारा वादा। साथ में समुद्र देखने जाना। सिर्फ़ हम दोनों। तुम्हें भी थोड़ा खुल कर बात करनी चाहिए। अगले हफ़्ते लोई क्राथोंग है। क्या तुम्हें छुट्टी मिलेगी?

— यकीन मानिए, मैंने अब तक कभी कुछ नहीं लिया। सिवाय तब जब मेरे चाचा की मृत्यु हुई थी।

— पटाया में एक सप्ताह बिताने आइए। क्या आप अभी छुट्टी पर हैं?

नहीं, साल के अंत के ऑर्डर के बाद हमेशा शांति रहती है। और वैसे भी, लगता है वहाँ कोई संकट चल रहा है।

"तो सोमचाई आपको आपकी छुट्टियां दे देगा। और वैसे भी, लोई क्राथोंग के लिए सार्वजनिक अवकाश है। आपको बस का किराया ही देना होगा। मेरे पास अपना कमरा है और घूमने-फिरने के लिए पर्याप्त पैसे हैं। थोड़ा मौज-मस्ती करने से आपका मन बहल जाएगा।"

मैं मोटरसाइकिल टैक्सी से घर जाता हूँ। साई अपनी नाना प्लाज़ा वाली गर्लफ्रेंड बेड के यहाँ रात बिताने के लिए रुका है। मेरा ड्राइवर नशे में धुत लग रहा है। वह विट्टायु की ओर तेज़ी से गाड़ी चला रहा है, एकदम बेकाबू, टैक्सियों के बीच से निकलते हुए, और फिर लुम्फिनी पार्क में धीरे-धीरे चल रही एक काली मर्सिडीज़ के पीछे अचानक ब्रेक लगा देता है। वह उस ड्राइवर को गालियाँ देता है जिसने फुटपाथ पर खड़ी एक छोटी लड़की को देखकर ब्रेक लगाया था। पार्क में, मुझे रात के अंधेरे में कई आकृतियाँ बेजान सी दिखाई देती हैं। मोटरसाइकिल तेज़ी से प्लोएनचिट मेट्रो स्टेशन की ओर बढ़ती है जहाँ नारंगी रंग के हेलमेट पहने कर्मचारी तेज़ रोशनी में काम कर रहे हैं। आगे जाकर, मोटरसाइकिल एक गली में मुड़ती है जहाँ कंक्रीट से कुछ पेड़ उगते हुए से लगते हैं और नीली नियॉन लाइटें जापानी ग्राहकों को सेवा देने वाले एक मसाज पार्लर के सामने बैठी गोरी लड़कियों के एक छोटे समूह को रोशन कर रही हैं। सुंदर रेशमी गाउन पहने गुड़िया जैसी लड़कियाँ ठंडी हवा में ग्राहकों का इंतज़ार करते हुए समय बिता रही हैं।

रात के समय, मानवीय गतिविधियों के मुखौटे से मुक्त बैंकॉक मुझे एक विशाल कैंसर के ट्यूमर की याद दिलाता है, जिसमें नहरों से बहता काला पानी, कंक्रीट की ऊंची इमारतों का ढांचा, यातायात की निरंतर धड़कन और मानव शरीर में फैले संक्रमण दिखाई देते हैं। एक ऐसा कैंसर जो मनुष्यों के रक्त, उनकी आशाओं और उनके दुखों पर पलता है, और जो दिन-रात लगातार बढ़ता, रूपांतरित होता रहता है, आक्रामक और घातक होता जाता है, ग्रामीण इलाकों में घुसपैठ करता है, नए, अराजक, उभरते हुए कोशिकीय समूह बनाता है, और भूखे केकड़े की तरह स्वस्थ ऊतकों को कुतरता रहता है।

घर पहुँचकर मैंने पैसे नाइटस्टैंड पर रख दिए। नट ने ईर्ष्यालु मालकिन की तरह मुझसे मुंह फेर लिया। उसने मुझसे यह नहीं पूछा कि पैसे कहाँ से आए, क्योंकि उसने साई को वर्कशॉप से निकलते हुए देख लिया था। मैं जानती हूँ कि वह क्या सोच रही है; उसने गुस्से में मुझ पर थूक दिया।

बदबू का डर !!!

— तुम साई के बारे में इस तरह कैसे बात कर सकते हो? तुम उसे अच्छी तरह नहीं जानते।

— बुरा? उसे पैसा कहाँ से मिला?

उसका एक अमेरिकी बॉयफ्रेंड है।

नट पागलों की तरह खिलखिलाकर हंसने लगती है। मुझे लगता है कि वह अपना मानसिक संतुलन खो रही है। जब से बेंज की वजह से उसकी जिंदगी बर्बाद हुई है, तब से उसे कामयाब होने वाली लड़कियां बिल्कुल पसंद नहीं आतीं। वह गुस्से से मेरी तरफ मुड़ती है।

— मैं साई जैसी दर्जनों लड़कियों को जानती हूँ, आलसी लड़कियाँ, कामचोर जो एक या दो महीने काम करती हैं और फिर छोड़ देती हैं क्योंकि उनके पैरों में दर्द होने लगता है और सुखुमवित या पटपोंग में जाकर अपना जिस्म बेचना ज्यादा आसान होता है।

अगर वेश्या बनना इतना आसान है, तो तुम्हें कोई रोक नहीं रहा है, और वैसे भी, साई किसी से चोरी नहीं कर रहा है।

तो फिर यह पैसा आया कहां से?

वह बस विदेशियों की देखभाल कर रही है।

नट पागलों की तरह हंसने लगता है।

— अपना ख्याल रखना... अपना ख्याल रखना। वो कई लोगों के साथ सोती है, बस इतना ही। क्या तुम भी ऐसा ही करना चाहते हो? उसके नक्शेकदम पर चलना चाहते हो? हो सकता है तुमने पहले ही कोशिश कर ली हो!

मैं अपने मन की सारी बातें कह रहा हूँ।

और आप, शायद आपने बेंज़ के साथ संबंध नहीं बनाए? मुझे नहीं लगता कि आप मुझे उपदेश देने की सही स्थिति में हैं। वह बस इस झंझट से बाहर निकलना चाहती है।

इससे बाहर निकलना? क्या आप वेश्यावृत्ति को इससे बाहर निकलना कहते हैं?

क्या आप दस साल बाद भी खुद को एक फैक्ट्री वर्कर के रूप में देखते हैं?

— सच्चा जीवन आंतरिक शांति है।

— जैसा कि आपने कहा, मुझे भी उस आंतरिक शांति की बहुत इच्छा है, लेकिन मैं चाहता हूं कि मेरे परिवार के पास जीवन यापन के लिए पर्याप्त साधन हों।

— तो उनसे पूछो! उन्हें विकल्प दो! उनसे सवाल पूछो! क्या तुम्हारी चाची तुम्हें वेश्यावृत्ति करते हुए और पैसे कमाते हुए देखना पसंद करती हैं?

— लड़कियों के पास कोई विकल्प नहीं है।

— ये तो बस बातें हैं! शब्द! हमारे पास हमेशा विकल्प होता है। गाँव में हमारे पास ज़्यादा कुछ नहीं था, फिर भी हमने गुज़ारा कर लिया। साई तो बस एक वेश्या है... वो तो वेश्याओं की रानी है... एक SO PE NII

वह तीनों अक्षरों को स्पष्ट रूप से और चुनौती भरे भाव से बोलती है। मैं गुस्से से लाल हो जाता हूँ।

साई कारखाने में इकलौती लड़की है जिसने अपने दम पर कुछ बनना शुरू कर दिया है, और इसीलिए हर कोई उससे ईर्ष्या करता है। यहाँ तक कि फोरमैन भी, जो सभी लड़कियों के अपनी तनख्वाह मांगने के ख्याल से ही डरा हुआ है।

— टॉय, यहीं रुक जाओ... मुझे यही ठीक लगता है। जो चाहो सोचो, जो चाहो करो, लेकिन मुझसे सहमति मांगने की हिम्मत मत करना।

लेकिन मैं आपसे कुछ नहीं मांग रहा... आपने ही तो अपने नैतिक उपदेशों से इसकी शुरुआत की थी।

मैं इमारत के सामने वाली गली में कदम रखती हूँ और गुस्से से भरे दिल के साथ चलने लगती हूँ। मैं बिना रुके गलियों में चलती रहती हूँ ताकि मेरा गुस्सा शांत हो जाए। उमस भरी रात में, बैंकॉक एक नींदहीन राक्षस की तरह साँसें लेता रहता है, एक क्रूर जानवर जो अपनी बदबूदार नहरों की गहराई में घात लगाए बैठा है, हमें भी नीचे खींचने को तैयार। कल मैं अपनी चाची को दो हज़ार बात भेजूँगी और चीनी दुकान से अपनी माँ की बुद्ध प्रतिमा वापस लाऊँगी। जब मेरा दिल आखिरकार शांत हो जाता है, तो मैं कमरे की ओर मुड़ती हूँ। नट लेटी हुई है, उसका सिर तकिए के नीचे है। मैं जानती हूँ कि वह सो नहीं रही है। वह मुझसे नाराज़ है क्योंकि केवल सच ही चुभता है, क्योंकि जीवन हमेशा अन्यायपूर्ण और अक्सर घृणित होता है।

मैं साईं के सपने देखते हुए सो जाती हूँ। उनका संपूर्ण अस्तित्व मुझमें समा जाता है, मुझे गर्माहट देता है। बैंकॉक आने के बाद से साईं ही मेरे साथ घटी एकमात्र अच्छी चीज हैं।

साईं मुझे संसार का स्वर्ण फल प्रदान करेंगे।

*

* *

मैं मोचित जाने वाली बस में सवार होता हूँ, मेरा दिल हल्का है, जैसे छुट्टी पर हूँ, जैसे कैद से आज़ाद हो गया हूँ। मुझे ऐसा लग रहा है जैसे कोई जंगली कुत्ता अपनी जंजीर से आज़ाद होकर प्रकृति में खेलने जा रहा हो। कुछ दिनों के लिए मैं इस लगातार दिनचर्या से, समय के साथ इस जानलेवा दौड़ से मुक्त हो जाऊँगा जो मेरी जवानी को छीन रही है।

बैंकॉक-पटाया एक्सप्रेस बस का टिकट 110 बात का है। मैं मोचित बस स्टेशन के एक फोन बूथ से साई को फोन करके अपने आने का समय बताती हूँ। सड़क की हल्की-हल्की कंपन मुझे नींद दिलाती है। धीरे-धीरे शहर ओझल हो जाता है। कंक्रीट के बीच से हरियाली के छोटे-छोटे हिस्से झाँकते हैं। कारखाने में बिताए एक हफ्ते की थकान मुझ पर हावी होने लगती है और मुझे नींद आने लगती है; नज़ारा धीरे-धीरे धुंधला होता जाता है, पारदर्शी होकर अंत में गायब हो जाता है। मैं सो जाती हूँ। मेरी पड़ोसी, एक सुंदर छात्रा जिसकी आँखों में पानी भरा है, मुझे जगाती है और धीरे से अपना हाथ मेरे हाथ पर रखती है। बस खाली है। एक मोटरबाइक पर बैठी साई भीड़ में मुझे ढूंढ रही होती है, तभी अचानक ऊपर देखते ही उसकी नज़र मुझे बस में दिखती है और मुझे देखकर वह खुशी से मुस्कुरा उठती है।

"इस शानदार बाइक को देखो," उसने गर्व से कहा और एकदम नई यामाहा नोवो एलिगेंस से उतर गई।

- इये आपका है क्या?

> हां, किराये की अवधि के लिए। लेकिन ज़्यादा उम्मीदें मत रखना, मैं इसे महीने के हिसाब से किराए पर ले रहा हूँ। आप कहाँ जाना चाहते हैं?

समुद्र को देखना, मैं इसका सपना बहुत समय से देख रहा था...

— तुम मज़ाक कर रहे हो। क्या तुमने सच में कभी समुद्र नहीं देखा?

नहीं, असल जिंदगी में कभी नहीं। यह बुरिराम सागर से बहुत दूर है। मैंने इसे सिर्फ टेलीविजन पर और फिर बैंकॉक में देखा है।

— बैंकॉक?

रात के समय, बैंकॉक मुझे एक एक्वेरियम में मौजूद महासागर की याद दिलाता है।

> "तुम सचमुच एक पागल लड़की हो," उसने हंसते हुए कहा, और फिर जोड़ा, "और इसीलिए मैं तुमसे प्यार करती हूं।"

मैं उसके पीछे-पीछे करवट लेकर बैठ जाती हूँ, मेरा छोटा सा बैग हम दोनों के बीच फंसा हुआ है। वह पूरी रफ्तार से आगे बढ़ती है। दिलेर! गिरने से बचने के लिए मैं उसकी कमर कसकर पकड़ लेती हूँ। मैं

आसमान की ओर देखती हूँ... एक नरम, गर्म नीला आसमान हमें घेर लेता है। एक चौड़ी सड़क के बाद, वह एक घुमावदार मोड़ लेती है जो बाईं ओर ताड़ के पेड़ों की ओर खुलता है। दाईं ओर, क्षितिज पर फैले विशाल जल और लहरों की मधुर ध्वनि के साथ अचानक समुद्र तट दिखाई देता है।

- कृपया रुकें।

मैं हांफते हुए सड़क पार करती हूँ। मैं समुद्र तट पर नंगे पैर गर्म रेत पर दौड़ती हूँ। यह अद्भुत है। एक तीव्र भावना मुझे जकड़ लेती है। तभी पहली लहर मेरे पैरों से टकराती है और पीछे हटते हुए मेरी पिंडलियों को सहलाती है। मैं थम जाती हूँ, इस पल को, पानी की ठंडक को, प्रकाश के प्रतिबिंब को, बेहतर ढंग से महसूस करने के लिए अपनी आँखें बंद कर लेती हूँ। मैं खुशी से सराबोर हूँ, एक ऐसी खुशी से भरी हुई हूँ जो मेरे दिल में फूट पड़ती है।

— चलो साई, आइसक्रीम खरीदने चलते हैं। आज मैं तुम्हें ट्रीट दे रहा हूँ... पहली बार।

मैं बस उसके साथ यहाँ रेत पर बैठकर, वॉल के वनीला-चॉकलेट आइसक्रीम का मज़ा लेते हुए बहुत खुश हूँ। मौसम गर्म है, लेकिन खुले समुद्र से आती ठंडी हवा आइसक्रीम को धीरे-धीरे पिघलने दे रही है। मैं विशाल नीले सागर को निहार रही हूँ। समुद्र तस्वीरों से भी ज़्यादा खूबसूरत है। इसमें कोई हैरानी नहीं कि मैंने इसे देखे बिना ही इससे प्यार कर लिया। मेरे जीवन साथी के साथ भी ऐसा ही होगा। उससे मिलते ही मुझे पता चल जाएगा कि वही मेरा जीवनसाथी है।

हम यामाहा पर वापस बैठते हैं। साई मुझे शहर का नक्शा दिखाने के लिए गलियों में घूमती है। मोटरसाइकिल की गर्जना सुनकर वह रोमांचित हो जाती है। मैं उसकी कमर से लिपट जाती हूँ, मेरे बाल हवा में उड़ रहे हैं। इंजन की गूंज और कंपन... माइक शॉपिंग मॉल... रॉयल गार्डन... वॉकिंग स्ट्रीट... साई सोंग... सोई पट्टायालैंड... बॉयज़टाउन... सारे नाम मेरे दिमाग में उलझ गए हैं... मैं अपना रास्ता कैसे ढूँढूँ? हर जगह बार, हर कोने पर लड़कियाँ। मैं पूछती हूँ:

- आपका कमरा कहा है?

— सोई बुआखाओ, चलो चलते हैं। चिंता मत करो।

मोटरसाइकिल अचानक दाईं ओर एक शॉपिंग गली में मुड़ जाती है; हम सड़क के बीचोंबीच लेटे एक कुत्ते को लगभग कुचल ही देते हैं, फिर एक जर्जर इमारत के सामने अचानक ब्रेक लगा देते हैं। सीढ़ियों के ऊपर पहुँचकर वह दरवाज़ा खोलती है। मैं दंग रह जाता हूँ। यह बहुत बड़ा है। पथुम में हमारे कमरे से भी बेहतर। और रोशनी से भरपूर भी।

आप कितना भुगतान कर रहे हैं?

दो हज़ार डॉलर प्रति माह। कितना सस्ता है! नहाकर तरोताज़ा हो जाइए।

मुझे बहुत भूख लग रही है।

हमने गली के आखिर में स्थित एक बड़े बाज़ार में दोपहर का भोजन करने का फैसला किया। वह बाज़ार खचाखच भरा हुआ था: लड़कियाँ, परिवार, पर्यटक। नूडल्स और सूअर के मांस की खुशबू पके फलों की खुशबू के साथ मिल रही थी। गरमागरम सूप ने मुझे तरोताज़ा कर दिया। हम सामान से भरी दुकानों और बक्सों को खोलते लोगों के बीच टहल रहे थे।

— आपको खूबसूरत दिखना होगा, आज रात पार्टी है!

साई की नज़र एक टाइट-फिटिंग ड्रेस पर पड़ती है, वह उसे हैंगर से उतारती है और यह देखने के लिए मुझे पहना देती है कि मैं उस पर कैसी लगूंगी।

यह आप पर बहुत जंचेगा, आप बेहद शानदार दिखेंगे।

वह मेरे लिए इसे खरीदने पर अड़ी हुई है। मैं मान जाता हूँ; अब उसके लिए पैसा कोई मुद्दा नहीं रह गया है। सूरज ढलने लगता है। भीषण गर्मी कम हो जाती है और शहर में हलचल मचने लगती है। इमारतों के अग्रभागों पर एक चमकीली, गर्म नियॉन रोशनी फैल जाती है। युवा महिलाओं की भीड़ धीरे-धीरे सड़कों पर उमड़ पड़ती है। यातायात बढ़ जाता है। महिलाओं की भीड़ लगातार बढ़ती जाती है।

साई मुझे ब्यूटी सैलून ले जाना चाहती है। वह बताती है कि शाम छह बजे से, लिपस्टिक लगाए, रात की सेना सजे-धजे अपार्टमेंट से निकलकर लगातार मोटरसाइकिल टैक्सियों की कतार से होते हुए, मोटी-ताज़ी महिलाओं के आदेशों के तहत करीने से बने अपने झोपड़ियों तक पहुँचती है। हम मोटरसाइकिलों के एक नृत्य के बीच से गुज़रते हैं जो पिकअप ट्रकों के बीच से निकलती हैं, उन पर सवार खूबसूरत महिलाएं नाजुक संतुलन बनाए हुए, सजी-धजी और मेकअप की हुई हैं, मिनीस्कर्ट हवा में लहरा रही हैं, ड्राइवर की कमर से खूबसूरती से चिपकी हुई हैं।

पटाया, सुखुमवित का एक अति आधुनिक रूप है। हमारी मोटरसाइकिल ट्रैफिक के बीच से निकलती है। मैं अचंभित होकर आँखें फाड़कर देखता रहता हूँ, विश्वास नहीं हो रहा। धीरे-धीरे मुझे शहर का लेआउट समझ आने लगता है। चार मुख्य सड़कें समुद्र के समानांतर चलती हैं: समुद्र तट के किनारे बीच रोड, फिर अंदर की ओर सेकंड रोड, थर्ड रोड और अंत में सुखुमवित रोड, दो लेन वाली वह सड़क जिस पर मेरी बस बैंकॉक से आई थी। दक्षिण में, समुद्र तट का मुख्य मार्ग पैदल चलने वालों के लिए बनी सड़क, वॉकिंग स्ट्रीट पर समाप्त होता है। ये मुख्य सड़कें दर्जनों लंबवत गलियों से जुड़ी हुई हैं, जिन्हें उत्तर से दक्षिण की ओर गो-गो डांसरों की तरह क्रमांकित किया गया है।

वॉकिंग स्ट्रीट नाइटलाइफ़ का केंद्र है, लेकिन यहाँ की कोई भी गली या रास्ता ऐसा नहीं है जहाँ बार या गो-गो डांसर न हों। हम दर्जनों बीयर बारों के पास से गुज़रते हैं जो किसी सैन्य शिविर की तरह ग्रिड

पैटर्न में बने हैं, हर एक में काउंटर के पीछे युवा महिलाओं की टोलियाँ कतार में खड़ी हैं। गो-गो बार, लेडीबॉय बार, समलैंगिक प्रतिष्ठान जहाँ युवा पुरुष होस्टेस के रूप में काम करते हैं—ये बैरक अंतहीन रूप से फैले हुए हैं। इनमें से एक परिसर में ही नाना प्लाज़ा में तैनात सभी सैनिकों से ज़्यादा सैनिक हैं। हर रात, पटाया अपने युवा सैनिकों को एक नए सैन्य अभियान के लिए जुटाता है। शाम की टिमटिमाती रोशनी में, लड़ाकू इकाइयाँ अपने बैरकों से निकलकर आगे के युद्ध क्षेत्रों की ओर बढ़ती हैं। टैक्सियों का मोटरयुक्त काफिला सैनिकों को ले जाता है। विशाल बैरक में सैनिकों की टोलियाँ कतार में खड़ी होती हैं, जबकि अच्छे अधिकारियों की तरह, महिलाएँ भोजन और शराब की आपूर्ति का जायजा लेती हैं। भयंकर महिलाओं की भारी बख्तरबंद टुकड़ियाँ तैनात होती हैं और रात होते ही अपने-अपने स्थान ग्रहण कर लेती हैं। शहर का सैन्य संगठन समुद्र की शांत उपस्थिति से उत्पन्न होने वाले आरामदेह, तटीय वातावरण से बिलकुल विपरीत है। मुझे हवा में वही उत्साह महसूस हो रहा है जो बड़ी लड़ाइयों से पहले होता है। सैनिक उतनी ही धीमी गति से आगे बढ़ रहे हैं जितनी शक्ति से। भव्य सैन्य अभ्यासों की तैयारी कामुकता और शराब के बीच हो रही है।

लाड़-प्यार पाने के बाद, हम कमरे में वापस चले गए। साई ने मेकांग कोक के दो बड़े गिलास लबालब भर दिए। अपना हौसला बढ़ाने के लिए, हमने उन्हें एक ही घूंट में पी लिया, मानो हम दुश्मन के ठिकाने पर हमला करने वाले हों। रात हो चुकी थी; अब बाहर निकलने का समय था। मोटरसाइकिल भीड़भाड़ वाली गलियों से सरकती हुई आगे बढ़ी। थोड़ा नशे में, साई ने रफ्तार बढ़ा दी, ट्रैफिक के बीच से निकलते हुए, और दो बार कुछ भारी-भरकम, बेखबर पर्यटकों को लगभग टक्कर मार दी। हमारे ऊपर, आसमान काला था, लगभग बैंगनी। शहर बार और गो-गो डांसरों से भरा हुआ था। हर जगह, किराए पर मिलने वाली लड़कियाँ झुंड में जमा थीं। साई ने बाईं ओर एक नियॉन सुरंग में मोड़ लिया जहाँ 'हेलो गर्ल्स' पर्यटकों को लुभाने के लिए खड़ी थीं। साई ने अपना सिर घुमाया और मेरे कान में फुसफुसाया:

— सोई पट्टायालैंड 2, जो बुजुर्ग महिलाओं के लिए सबसे महत्वपूर्ण गलियों में से एक है।

*

* *

शाम की मदहोश कर देने वाली हल्की रोशनी में, हम नम होठों और सुडौल शरीरों के इस अद्भुत नज़ारे के बीच सहजता से आगे बढ़ते हैं, जगमगाते आकाश से तराशी गई इमारतों के बीच गोता लगाते हैं। दक्षिण की ओर शहर को देखते हुए एक विशाल पहाड़ी पर, "पटाया शहर" शब्द बड़े, चमकदार अक्षरों

में चमक रहे हैं... शहर हॉलीवुड बनने का नाटक कर रहा है। अमेरिका के प्रति यह आकर्षण हमेशा से ही बना रहता है!

हर तरफ सड़कें धूप में तपे हुए विदेशी, मूंछों वाले भारतीय, सफेद वस्त्र पहने अरब लोगों से भरी पड़ी हैं... मैंने इतने सारे कभी नहीं देखे... बैंकॉक में भी नहीं। कई पुरुष थाई महिलाओं के साथ टहल रहे हैं। कुछ फैशनपरस्त लग रहे हैं, तो कुछ मेरे गांव की सबसे बदसूरत किसान महिलाओं जैसे। हम एक मोटी, फूली हुई, सांवली महिला को सड़क पार करने देने के लिए रुकते हैं। वह एक आकर्षक युवा विदेशी के पीछे चल रही है, जो एक सांवली छोटी बच्ची का हाथ पकड़े हुए है। महिला की स्ट्रोलर में एक छोटा मिश्रित नस्ल का बच्चा रो रहा है। सौ मीटर आगे जाकर, साई आखिरकार अपनी मोटरसाइकिल को एक पार्किंग में खड़ी करती है, ठीक उस पैदल सड़क से पहले जहाँ उसे जाना था।

हम पैदल ही आगे बढ़ते हैं। बार्स में लोग समा जाते हैं, कभी अकेले, अक्सर समूहों में। ज़्यादातर लोग दूसरे स्थिर ग्राहकों के साथ शामिल हो जाते हैं, बस अपनी बीयर के स्तर पर नज़र रखते हुए। वे क्या सोच रहे हैं? साई मुझे उन नाइटक्लब्स के बारे में बताती है जहाँ वह अक्सर जाती है, जैसे नट बैंकॉक के मंदिरों के बारे में बताती थी... लूसिफर... मरीन... टोनीज़... इंसोम्निया। बैंकॉक की तरह, उसकी ज़िंदगी भी क्लबों के इर्द-गिर्द घूमती है। मैं उससे पूछती हूँ:

> आज रात आप कहाँ जाने का प्लान बना रहे हैं?
>
> देखते हैं... वैसे, क्लबों के लिए अभी शुरुआत ही है। और वैसे भी, यह माहौल पर निर्भर करेगा। यहाँ तो बस अपनी अंतरात्मा की आवाज़ सुननी है; हर रात एक नया रोमांच होता है।

अचानक, साई पीछे मुड़ता है, राहगीर को पुकारता है, उसे चूमने के लिए दौड़ता है और टैटू वाली भुजाओं वाली एक पतली लड़की के साथ लौटता है:

> — ये नोक है, ये उडोन से है, हमारी मुलाकात बैंकॉक के बियरगार्डन में हुई थी।

नोक के साथ पीटर नाम का एक बेल्जियम का रहने वाला तीस साल का युवक है, जो उसे बर्डी कहकर बुलाता है। वे पीटर के कुछ दोस्तों से एक बार में मिलने जा रहे हैं और हमें भी साथ आने का न्योता देते हैं। समुद्र तट पर, हर उम्र की लड़कियाँ किसी सैन्य परेड का इंतज़ार कर रही हैं, मानो वे समय भूल गई हों। पत्थर की बेंचों पर बैठी वे इंतज़ार कर रही हैं कि शाम के इन सजग लोगों द्वारा उन्हें चुना जाए, उनका इस्तेमाल किया जाए, उन्हें खा लिया जाए और पचा लिया जाए।

पीटर और नोक पिकअप ट्रकों के बीच से रास्ता बनाते हुए बुलेवार्ड पार करते हैं और एक गली में दाईं ओर मुड़ जाते हैं। हम भी उनके पीछे-पीछे इस भीड़-भाड़ वाली सड़क पर चलते हैं। सड़क के दोनों ओर लड़कियों से भरे बार एक तरह से बाड़ की तरह फैले हुए हैं। मानो पुरुषों की मर्यादा को धता बताते

हुए, जापानी स्कूली छात्रा के वेश में एक महिला दो युवा विदेशियों का रास्ता रोक देती है, उनमें से ज़्यादा सुंदर लड़के का हाथ पकड़कर उसे कामुक नज़रों से अपनी ओर खींच लेती है।

हम नाइस बार पहुँचते हैं, जो एक फ्रांसीसी द्वारा संचालित एक प्रतिष्ठान है और शोरगुल करने वाले विदेशियों से भरा हुआ है। पीटर हमें ड्रिंक्स पिलाता है और हमें कई दोस्तों से मिलवाता है जिनके नाम मैं तुरंत भूल जाता हूँ, लेकिन साई को नहीं भूलता, जो आक्रामक हो जाता है और तीस सेकंड बाद मेरे कान में फुसफुसाता है:

आप मिशेल के बारे में क्या सोचते हैं?

मेरी आंखें चौड़ी हो गईं।

— मिशेल? मिशेल कौन है?

वह चालीस वर्ष के एक मोटे-ताज़े आदमी की ओर इशारा करती है। थोड़ा मोटा, लेकिन आकर्षक मुस्कान वाला। वह मुझे बताती है कि वह स्विस है। काउंटर के पीछे बैठी, गहरे मेकअप वाली एक वेट्रेस नए सैमसंग फोन की चिकनी स्क्रीन को बड़े चाव से निहार रही है। लगता है उसका फोन खूब चल रहा है। बालों का जूड़ा बनाए एक अधेड़ उम्र की महिला ज़ोर से बोलती है, बेतहाशा इशारे करती है, मानो कोई चतुर किसान महिला अपने कारोबार पर अधिकारपूर्वक नज़र रख रही हो: काउंटर के पीछे दर्जनों जांघें लगातार फड़फड़ा रही हैं।

टीवी पर, टीवी3 की एक प्रेजेंटर नक्लुआ में हुई एक नई हत्या की खबर दे रही है। मामासन (पुलिसकर्मी) आवाज़ बढ़ाने के लिए रिमोट उठाती है। सबकी निगाहें स्क्रीन पर टिक जाती हैं और लड़कियाँ तुरंत अपनी बातें बंद कर देती हैं। सैमसंग फोन वाली खूबसूरत महिला फ्लैट स्क्रीन पर चमकती तस्वीरों में खोई हुई सी लगती है। पटाया के उत्तर में एक और शव मिला है। चैनल पर चमकती बत्तियों वाली पुलिस गाड़ियों की तस्वीरें और बांग्लामुंग पुलिस प्रमुख का एक छोटा सा साक्षात्कार दिखाया जाता है, जिसमें पुलिस दोषियों को पकड़ने के अपने दृढ़ संकल्प की पुष्टि करती है। फिर, वे चीनी की कीमतों के बारे में बात करने लगते हैं, जो खराब फसल और सट्टेबाजी के कारण आसमान छू रही हैं। लड़कियाँ फिर से अपनी बातें शुरू कर देती हैं। मामासन आवाज़ बंद कर देती है और अपने कैश रजिस्टर में बात (बैटल) जमा करने में लग जाती है, टिप देने वाले व्यक्ति को देखकर वह मन ही मन मुस्कुराती है। जब नाइस बार में एक ग्राहक थकी हुई नज़रों से अपनी घड़ी देखता है, तो वह तुरंत एक छोटी लड़की को उसके पास भेज देती है ताकि वह कुछ खरीद ले, और इस तरह अपने छोटे से व्यवसाय को सुचारू रूप से चलाती रहती है।

मामासन एक फ्रेंच गाना बजाती है, साउंड सिस्टम की आवाज़ तेज़ कर देती है और थकी हुई आँखों वाली एक नशे में धुत लड़की को काउंटर पर चढ़ने के लिए मजबूर करती है ताकि वह अपनी कमर हिला सके और झूम सके।

मेरा नाम लोलिता है, लो या लोला, सब एक ही है। मेरा नाम लोलिता है। जब मैं भेड़ियों का सपना देखती हूँ, तो लोला ही खून बहाती है।

बार के ठीक सामने, जो सड़क की ओर खुलता है, एक बूढ़ा थाई आदमी बिना कमीज़ पहने नाच रहा है। उसकी पीठ पर गंदगी के निशान हैं, हाथ काले हैं, नाखून गड़े हुए हैं। बेघर आदमी उस लड़की को झूमते हुए देखता है और फिर खुशी-खुशी उसकी नकल करता है, नंगे पैरों से ताल मिलाते हुए एक अजीबोगरीब नृत्य करता है जिसे देखकर सभी ग्राहक हंसने लगते हैं। उसके बाल बिखरे हुए हैं, पसलियां उभरी हुई हैं, और वह बाहें मोड़कर गोल-गोल घूम रहा है। उसका कंधा आसमान की ओर उठा हुआ है, मानो किसी दुबली-पतली मुर्गी का पंख हो, मानो कोई इंसान ही मुर्गी हो। मिशेल उसे एक बियर पिलाना चाहता है।

मुझे दिख रहा है कि बाकी सब मुझ पर हमला करने के लिए तैयार हैं। अगर मुझे आसपास की हर बात सुनाई दे रही है तो इसमें मेरी कोई गलती नहीं है।

— अरे माइकल जैक्सन! तुम्हें प्यास लगी होगी! आओ, पानी पी लो।

लेकिन नाइस के मालिक ने साफ इनकार कर दिया, गुस्सा होने के बाद वह बाहर जाकर बेघर आदमी से थोड़ी दूर जाकर नाचने के लिए कहने लगा।

पीटर और नोक हॉलीवुड जाना चाहते हैं और सुझाव देते हैं कि हम भी मिशेल के साथ चलें। शरारती साई ज़िद करती है कि जितने पुरुष हों उतने ही महिलाएं भी हों, इसलिए पीटर पेरिस से आए अपने एक दोस्त को बुलाता है। सबसे पहले, साई और मुझे मोटरसाइकिल लेनी है। हम हॉलीवुड के प्रवेश द्वार के सामने मिलने का इंतज़ाम करते हैं। साई को पता है कि वह कहाँ है, हालाँकि उसे थोड़ा नशा चढ़ रहा है। मैं उससे धीरे चलाने को कहता हूँ। वह जवाब देती है:

— मिशेल, आपको इसके बारे में क्या लगता है?

— वाह! इसका मतलब है कि वह सुंदर से ज्यादा दयालु है।

वह हंसती है और अंग्रेजी में जवाब देती है:

— दिखने में सुंदर नहीं, लेकिन दिल का अच्छा!

हॉलीवुड की पार्किंग में बैंकॉक की नंबर प्लेट वाली लग्जरी सेडान कारों की भरमार है। यह मानो एक ऑटो शो है: रंगीन खिड़कियों वाली काली जर्मन सेडान, चमकीले रंगों वाली इतालवी स्पोर्ट्स कारें और एकदम नई एसयूवी। पीटर, मिशेल और नोक प्रवेश द्वार के सामने एक तीसरे विदेशी से बातचीत कर रहे हैं। पीटर हमारा परिचय कराना चाहता है, लेकिन वह हमारे नाम भूल चुका है।

जब नोक पीटर के दोस्त को समझा रहा था कि उसके पहले नाम का अर्थ चिड़िया है, मैं नए आए व्यक्ति को देख रहा था। वह मिशेल से छोटा था, लगभग तीस साल का, शायद उससे भी ज़्यादा। विदेशी अपनी उम्र के नहीं लगते। गर्मजोशी से भरा, नीली आँखों वाला, भावपूर्ण निगाहों वाला, लेकिन कभी-कभी उदासी की झलक भी लिए हुए, उसके बाल झड़ने लगे थे। कुछ सालों में वह भी मोटा हो जाएगा; वह ऐसे व्यक्ति जैसा दिखता था जो मोटापे का शिकार हो जाएगा, उन लोगों में से एक जो जीवन से प्यार करते हैं और कभी भी खुद को सावधान या सतर्क नहीं रख पाते, तपस्वियों के दुख भरे लंबे जीवन के बजाय एक छोटा लेकिन सुखी जीवन जीना पसंद करते हैं। वह मेरी तरफ मुस्कुराता है, एक सच्ची और दिल से निकली मुस्कान, अपने मालिक के प्रति चापलूसी भरी मुस्कान नहीं। पीटर उसका परिचय कराता है:

— मेरे दोस्त फ़्रांस्वा

मैं फैनफॉइस कहता हूँ। वह मेरा मज़ाक उड़ाए बिना मुझे प्रोत्साहित करता है। मैं कंधे उचका देता हूँ: आखिर विदेशियों के पहले नाम इतने अटपटे कैसे हो सकते हैं?

वे हॉलीवुड के सामने से जैक डेनियल की एक बोतल खरीदते हैं। अंदर, शो अभी शुरू ही हुआ है। क्लब खचाखच भरा है: बैंकॉक के संभ्रांत युवा पटाया में मौज-मस्ती करने आए हैं। तीन लड़के, तीन लड़कियां: जल्दी ही जोड़ियाँ बन जाती हैं। पीटर नोक के साथ बाहर जाता है। साई खुलेआम मिशेल के साथ फ्लर्ट करती है, जबकि फ्रांस्वा धीरे-धीरे मेरे करीब आता है और मुझसे उत्साह से बातें करता है। मुझे ज्यादा कुछ समझ नहीं आता, लेकिन वह मुझे अपने जीवन के बारे में बताने में खुश लगता है। मैं बीच-बीच में मूर्खतापूर्ण मुस्कान के साथ "समझ गई" कह देती हूँ। संगीत बहुत तेज़ है, या मेरी अंग्रेजी बहुत खराब है। शायद दोनों ही बातें सही हैं।

हे बहन! जाओ बहन, आत्मीय बहन, जाओ बहन, हे बहन! जाओ बहन, आत्मीय बहन, जाओ बहन।

स्पीकरों से निकलने वाली कंपन हमारी पूरी त्वचा में समा जाती है। यहाँ सब कुछ खंडित है: डिस्को बॉल से लेकर, तालबद्ध संगीत और स्ट्रोब लाइट तक, जो साई के चेहरे के भावों को टूटी-फूटी छवियों की एक श्रृंखला में बदल देती है।

गेटचा गेटचा या या दा दा, गेटचा गेटचा या या हियर
मोचा चोकोलाटा या या क्रियोल लेडी मार्मलेड.
क्या तुम आज रात मेरे साथ सोना चाहते हो?
क्या तुम मेरे साथ सोना चाहते हो?

साई बहुत ज्यादा शराब पीती है। नशे में चूर होकर वह मिशेल को कुछ संभली हुई लड़कियां दिखाती है:

हॉलीवुड में कई खूबसूरत अभिनेत्रियां हैं। आपको उनमें से सबसे ज्यादा कौन पसंद है?

वह चाहती है कि वह कहे कि वह सबसे खूबसूरत है: नशे में डूबा हुआ घमंड। फ़्रांस्वा मेरे करीब आता है, मेरी गर्दन चूमता है। मैं उसे ऐसा करने देती हूँ, शरारती मुस्कान के साथ फुसफुसाते हुए कहती हूँ, "तुम्हारा चुंबन बहुत अच्छा है।" सुबह करीब तीन बजे, हम घर जाने का फैसला करते हैं। हॉलीवुड के सामने, साई मोटरसाइकिल लेने की ज़िद करता है। मैं उसे मना करती हूँ, उसकी धुंधली आँखों में कुछ ढूंढती हूँ।

— आपकी इस हालत में मोटरसाइकिल पर वापस आना नामुमकिन है, हम कल आकर उसे ले जाएंगे।

उसका उन्माद कष्टदायक होता जा रहा है, जैसा कि केवल शराबी ही होते हैं। वह मिशेल को समझाते हुए जोर देकर कहती है:

मैं नशे में नहीं हूँ, मैं गाड़ी चला सकता हूँ। मैं कर सकता हूँ... बिल्कुल सौ प्रतिशत!

आखिरकार मैं उससे मोटरसाइकिल की चाबियां छीनने में कामयाब हो गया। वह विरोध करने लगी, हकलाने लगी, अपनी चाबियां वापस मांगने लगी और लगभग मुंह के बल गिर पड़ी। फिर उसे एहसास हुआ कि उसे भूख लगी है, उसने बात बदल दी और बताया कि वह भुने हुए टिड्डे खरीदना चाहती है। मैं उसके नशे में किए गए नखरों से तंग आ रहा था। अब वह रोने लगी। मिशेल ने नरमी दिखाते हुए उसके साथ रात के बाजार जाने की पेशकश की। मैं फ्रांस्वा की मोटरसाइकिल पर बैठ गया।

मैं इसे छुट्टियों के लिए किराए पर लेता हूँ। तो आपने कभी पटाया में काम नहीं किया?

— बिलकुल नहीं, मैं तो बस साईं के साथ छुट्टियां मना रही हूँ। पटाया में यह मेरा पहला अनुभव है।

फ्रांस्वा मुझे संतुष्टि भरी निगाहों से देखता है: पटाया को न जानना उसकी नजरों में मुझे अमूल्य बना देता है।

— अगर आप पटाया को नहीं जानते हैं, तो मैं आपको शहर का सबसे खूबसूरत नजारा दिखाऊंगा।

मोटरसाइकिल सुनसान सड़कों पर तेज़ी से दौड़ रही है। हम शहर को पीछे छोड़ते हुए घने पेड़ों की छाँव में आगे बढ़ रहे हैं, जहाँ रात के बगीचे की खुशबू फैली हुई है। पौधों की ताजगी मन को मोह लेती है। मोटरसाइकिल पर लगभग ठंड लग रही है। सड़क आसमान की ओर चढ़ती है। हवा के झोंकों से बचने के लिए मैं सड़क से टिक जाता हूँ।

हम एक सुनसान चबूतरे पर पहुँचते हैं जहाँ से खाड़ी का पूरा अंधेरा किनारा दिखाई देता है। हमारे पैरों के पास, शहर की रोशनी रात में टिमटिमा रही है, जिसका प्रतिबिंब समुद्र में दिख रहा है। मैं उसकी ओर मुड़ती हूँ। मुझे महसूस होता है कि शराब मेरी नसों में दौड़ रही है, जैसे कोई भारी ज़हर उलझी हुई इच्छाओं को जगा रहा हो। मैं उसे धन्यवाद देना चाहती हूँ, उसे बताना चाहती हूँ कि मैं खुश हूँ, लेकिन अंग्रेज़ी में मुझे शब्द नहीं मिल रहे।

हमारे सिर के ऊपर, आकाश अनगिनत तारों से जड़ा प्रतीत होता है, ऐसे तारामंडल जिनके नाम अज्ञात हैं। ऐसा लगता है मानो प्रकाश वर्ष दूर एकांत संसार विद्यमान हैं। अपनी पहाड़ी की चोटी से, मैं गहरे समुद्रों, उन विचित्र बंदरगाहों के सपने देखता हूँ जहाँ लड़कियाँ खेलती हैं, उन समुद्र तटों के सपने देखता हूँ जिन्हें अकल्पनीय महासागर सहलाते हैं। ऊपर, शायद एक किशोरी, जिसकी आँखें स्वप्निल हैं, जिसकी त्वचा गहरे सूरज की किरणों से तनी हुई है, वह भी अपनी आकाशीय रात के बारे में सोच रही होगी। यह छोटी बहन क्या सोच रही है? क्या वह भी मेरे सपने देखती है जैसे मैं उसके सपने देखता हूँ? वह जिससे मैं कभी नहीं मिल पाऊँगा। क्या वह भी मेरी तरह इस अनंत शून्य से व्याकुल है जो कभी-कभी मुझे पागलपन की हद तक डरा देता है?

हल्की ठंडी हवा मुझे ज़मीन पर वापस ले आती है। सर्दी का मौसम आ रहा है। फ़्रांस्वा इस मौके का फ़ायदा उठाकर मुझे दालचीनी की मदहोश कर देने वाली खुशबू और अपनी बाहों के कोमल स्पर्श से घेर लेता है। मैं भी उसे गले लगा लेती हूँ, अपनी इस हिम्मत पर हैरान। मैं उससे अभी-अभी मिली हूँ, फिर भी यह पल किसी पुनर्मिलन जैसा लगता है। हर रात भोर का इंतज़ार करती है... क्या तुम मेरी भोर हो? मेरी रातों की तलाश का अंत? मेरा नीला सूर्योदय। मैं तुम्हारे पतले, कोमल होंठों को निहारती हूँ। मैं तुम्हारी जीभ की गर्माहट चाहती हूँ। मैं तुममें, हममें घुल जाना चाहती हूँ। मैं एक कदम पीछे हटती हूँ, आँखों में गिरे गीले बालों को हटाती हूँ और उसे देखकर मुस्कुराती हूँ।

समुद्र के किनारे, पटाया रात में जगमगाता है: प्राणियों का एक विशाल समूह, अंतरतारकीय अल्कोहल के बादलों के बीच गुरुत्वाकर्षण से ढहते हुए व्यक्ति। भाग्य बेमेल तारों की तरह टकराते हैं। चांदी जैसे

बालों वाले धूमकेतु, मृत चंद्रमा और चमकदार क्षुद्रग्रह पेटियों की आकाशगंगागत अराजकता। पदार्थ और प्रतिपदार्थ, विस्फोटक टकराव। मेरे शरीर में सिहरन दौड़ जाती है, ठंड और भी चुभने लगती है। थाईलैंड में इतनी ठंड देखकर आश्चर्यचकित होकर, फ़्रांस्वा वापस चलने का सुझाव देता है।

मेरी इमारत के सामने, वह अपनी बाहें मेरी ओर बढ़ाता है, मुझे गले लगाता है और चाहत और आश्चर्य से भरी निगाहों से मुझे निहारता है। मैं अपनी आँखें बंद कर लेती हूँ, उसे कसकर पकड़े रहती हूँ, बेताबी से उसे सहलाती हूँ, मेरा दिमाग सुन्न हो जाता है, सिर से पैर तक तीव्र उम्मीद से स्तब्ध। वह रात के अंधेरे में गायब होने से पहले अपनी मोटरसाइकिल पर बैठ जाता है। मैं लेट जाती हूँ, एक सुखद अनुभूति से घिरी हुई।

छठी

"मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मेरा सिर बुरी तरह से कुचल दिया गया हो," साई ने स्वीकार किया।

— तुमने जो पिया है, उससे मुझे हैरानी हो रही है।

और फ्रांस्वा के साथ कैसा अनुभव रहा?

मेरी मुस्कान से साई समझ गया कि यह अच्छा है।

— बहुत ही रोमांटिक, वह मुझे शहर का मनोरम दृश्य दिखाने ले गया और तारों के नीचे मुझे चूमा।

मुझे लगता है तुम्हारा फ्रांस्वा काफ़ी आकर्षक है... वैसे भी, मिशेल से तो बेहतर ही है। तुम दोनों कितनी बार साथ सो चुके हो?

— उसने अभी-अभी मुझे चूमा।

वाह! एक सच्चा प्रेमी जो चीज़ें नहीं तोड़ता। मेरे और मिशेल के बीच तो यही हाल है, एक बार भी नहीं। कल रात मैं बहुत थकी हुई थी और आज सुबह वो सोना चाहता था। फिर भी मुझे मेरे हज़ार बात मिल गए। मुझे लगता है मैं अपने उस बड़े, अमीर स्विस टेडी बियर को अपने पास ही रखूँगी, मेरा चलता-फिरता बैंक।

मिशेल ने हमें फोन किया। वह और फ्रांस्वा हमारे कमरे को देखने आना चाहते थे, और हम भी उसमें मौजूद थे। साई ने उन्हें दो घंटे बाद आने का न्योता दिया। बस कुछ खाने-पीने और बीयर खरीदने का ही समय था कि तभी उसका फोन बज उठा। वे पहले से ही नीचे फैमिलीमार्ट के सामने थे। मैं उन्हें लेने नीचे गई। वे दोनों बहुत प्यारे थे, मिशेल के हाथ में मुरझाए गुलाबों का गुलदस्ता था और फ्रांस्वा ने लाल शराब की बोतल को टिशू पेपर में इस तरह लपेटा हुआ था जैसे कोई बच्चा हो। साई ने फूल देखते ही दौड़कर अपने टेडी बियर को चूम लिया।

— बहुत-बहुत धन्यवाद माइक! आप मेरा अच्छे से ख्याल रखते हैं।

वे कछुए की तरह लचीले हैं, पालथी मारकर बैठ भी नहीं पाते। मिशेल को तो खासकर बहुत परेशानी होती है। फ़्रांस्वा ने शराब की बोतल खोली और हमें चखने के लिए दी। उसने बताया कि यह चिली की शराब है जो मैंने फ्रेंडशिप सुपरमार्केट से खरीदी थी। मैंने होंठ गीले किए, मुँह बनाया, मुझे बिल्कुल पसंद नहीं आई। साई ने तो कोशिश भी नहीं की। उसे पहले से ही पता था और वह फ्रिज से कुछ बीयर लेने चली गई, जबकि लड़के अपने लिए लाल शराब के दो बड़े गिलास भर लाए। मिशेल बिस्तर के किनारे बैठकर खाना खा रहा था। उसे हमसे ऊपर बैठने से चिढ़ थी, लेकिन पालथी मारकर बैठने से उसके पैरों में बहुत दर्द हो रहा था। फ़्रांस्वा, जो थोड़ा कम अकड़ा हुआ था, किसी तरह ज़मीन पर बैठ गया और उसका मज़ाक उड़ाकर खुद को खुश कर रहा था।

— तुम बूढ़े आदमी हो।

खाना खत्म करने के बाद, साई हमें फिल्म देखने के लिए सिनेमाघर ले गई। हम सब बिना सोचे-समझे ही वहाँ पहुँच गए, क्योंकि हम पहली ही फिल्म देखने के लिए बेतरतीब ढंग से गए थे। चांस ने थाई सबटाइटल वाली एक अमेरिकी थ्रिलर फिल्म चुन ली। मैं बस अपने दोस्तों के साथ अंधेरे में होने से खुश थी, फ्रांस्वा का हाथ पकड़े हुए, भले ही थिएटर में कड़ाके की ठंड थी। इतने सारे लोगों से घिरे होने के बावजूद, जिन्हें मैं देख नहीं सकती थी, मुझे एक अजीब सी खुशी का एहसास हो रहा था। मैं साँसें और फुसफुसाहट सुन सकती थी। मैंने महसूस किया कि फ्रांस्वा की उंगलियाँ मेरी उंगलियों से गुंथी हुई हैं।

कहानी न्यूयॉर्क में मूसलाधार बारिश से शुरू होती है। इस फिल्म में खूब बारिश होती है। शायद हमें यह चेतावनी देने के लिए कि कुछ भयानक होने वाला है, खौफनाक हत्याएं; अमेरिकियों को अत्याचार, जघन्य अपराध, दीवारों पर खून पसंद है। मैं अक्सर खुद को फ्रांस्वा का हाथ थामे हुए पाता हूँ। मुख्य किरदार एक तलाकशुदा और उदास पुलिस अधिकारी है, जिसका अब किसी चीज़ पर विश्वास नहीं रहा: न अपने देश पर, न अपने काम पर, न ही प्यार पर। यह फिल्म सिनेमाघर में एयर कंडीशनिंग से भी ज़्यादा ठंडक पैदा करती है, जिसे सिनेमाघर मालिक ने मानो पूरी रफ्तार से चला रखा है। अमेरिकी दुःस्वप्न पर्दे पर खुलता है। सीरियल किलर एक बेहद बुद्धिमान व्यक्ति है, जो एक प्रतिष्ठित सामाजिक स्थिति में है, लेकिन खुद को समाज को शुद्ध करने के मिशन पर मानता है। आप समझ सकते हैं कि यह एक फिल्म है: आखिर बुद्धिमान लोग कब से समाज को साफ करने का सपना देखने लगे? यह आदमी निस्संदेह पुलिस अधिकारी से कहीं ज़्यादा आकर्षक, अमीर, सुंदर है, संक्षेप में, जीवन के लिए ज़्यादा सक्षम है। वह एक बड़े, एकांत घर में रहता है, जिसकी विशाल खिड़कियाँ एक भयानक, गहरे समुद्र की ओर खुलती हैं, जो हमारे समुद्र से भी कहीं अधिक गहरा है। उसके हर हावभाव में कोई न कोई छुपा अर्थ होता है: सुबह-सुबह तेज धार वाले जापानी चाकू से संतरे को काटना, एक झटके में अंडे के छिलके को तोड़ना, और एक मोटे केकड़े के खोल को भयावह आवाज़ के साथ चटकाना। वह अपने शिकारों के साथ मशीनी और निर्दयता से पेश आता है, मानो वे आत्माहीन शिकार हों, दर्द महसूस करने में असमर्थ

प्राणी हों। वह श्रेष्ठता और ऊबे हुए भाव से दावा करता है कि वह अपने शिकारों को एक दयनीय जीवन से मुक्ति दिला रहा है। उसके कार्यों में एक कलात्मकता, एक गूढ़ कलात्मक खोज झलकती है, जिसे साधारण जीवन में डूबे आम इंसान समझ नहीं सकते। कोई यह निष्कर्ष निकाल सकता है कि हत्यारा एक परिष्कृत और सुसंस्कृत व्यक्ति है, अपराध का कलाकार है, एक गरीब, अकेले पुलिसकर्मी के विपरीत। बेशक, अंत में पुलिसवाला अपराधी को मार डालता है और अमेरिकी फिल्मों की तरह नैतिकता बच जाती है, लेकिन हमें हर दृश्य में यह महसूस होता है कि फिल्म निर्माता अनिच्छा से ही इस सुखद अंत के लिए सहमत होता है, कि असली नायक खलनायक होता है, जैसा कि अक्सर जीवन में होता है।

सड़क की चहल-पहल में कदम रखते ही लड़के मैरियट बार में ड्रिंक करना चाहते हैं। बातचीत स्वाभाविक रूप से नाकलुआ में खाई में मिले नवीनतम शव की ओर मुड़ जाती है। मिशेल का कहना है कि थाईलैंड धीरे-धीरे संयुक्त राज्य अमेरिका जैसा बनता जा रहा है, जहां सीरियल किलर, बढ़ती सामाजिक असमानता और तेजी से अमानवीय होते मानवीय रिश्ते हैं। टेलीविजन पर पुलिस स्वीकार करती है कि उनके पास कोई ठोस सुराग नहीं है। साई लड़कों के सामने घोषणा करता है:

मुझे थाई पुलिस पर भरोसा नहीं है क्योंकि उन्हें लेडीबार की परवाह नहीं है।

लड़कियों के बाद मिशेल और फ़्रांस्वा अपने पसंदीदा शौक में लग गए: यूरोप की बुराई करना, जिसकी शुरुआत उन्होंने महिलाओं और काम से की। उनके अनुसार, वे वहाँ बिल्कुल नरक जैसी ज़िंदगी जी रहे थे, जबकि थाईलैंड धरती पर स्वर्ग था। मैंने कुछ नहीं कहा, लेकिन साई और मैंने जो इशारे किए, उनसे पता चला कि हम दोनों वांग थाई टेक्सटाइल फ़ैक्ट्री, स्पाइडर, काम की थका देने वाली रफ़्तार और कम तनख्वाह के बारे में सोच रहे थे। मैरियट बार के अलावा, जो फ़ैक्ट्री की कैंटीन के मुकाबले सचमुच स्वर्ग का एक छोटा सा टुकड़ा था, वे असली थाईलैंड के बारे में क्या जानते थे?

साई मिशेल के साथ घर जाती है। फ़्रांस्वा मैरियट से ज़्यादा दूर नहीं, सैंडी स्प्रिंग होटल, गली नंबर 13 में रहता है। एक बड़ा सा कमरा, जिसमें एक बड़ी सी खिड़की है, कुछ-कुछ फ़िल्म वाले कमरे जैसा। वह अपना कंप्यूटर चालू करके कुछ फ़्रेंच संगीत बजाता है। एक महिला की आवाज़ गूंजती है; मुझे बोल समझ नहीं आते, लेकिन लगता है कि ये प्रेम के बारे में हैं। संगीत सबका है, और इस अपरिचित भाषा में एक ऐसी कामुकता है जो मेरे गहरे सपनों को जगा देती है। कहते हैं कि प्रेम दुनिया की सबसे खूबसूरत चीज़ है—सबसे खूबसूरत, पता नहीं, लेकिन यकीनन सबसे कड़वी। फिर भी कोई इसे छोड़ना नहीं चाहता: प्रेम का त्याग करना त्याग करना है, मानो मर जाना है। मैं जल्दी ही समझ गया कि पटाया इसी व्यापार पर फलता-फूलता है। ये सारे बूढ़े लोग हर जगह से इस ताज़े मांस, इस वर्जित फल का स्वाद लेने के लिए, आ रहे हैं, आखिरी बार। शुरुआती घृणा के बाद, मुझे उनकी यह महत्वपूर्ण खोज, उन लोगों का

यह हताश उत्साह मार्मिक लगा, जो अपने आखिरी मौके का फायदा उठा रहे हैं, अज्ञात में छलांग लगाने से पहले खुशी के एक आखिरी पल को भी छोड़ने से इनकार कर रहे हैं।

बेडरूम की एकांतता में, गायक की आवाज़ रात के सन्नाटे में गूंजती है, साफ़ और मोहक। फ्रेंच एक सुरुचिपूर्ण और उदास भाषा है। बिस्तर पर बैठे फ़्रांस्वा मुझे धीरे-धीरे समझाते हैं कि उनका अभी-अभी तलाक़ हुआ है। वे फ़्रांस में अपने काम के बारे में, अपनी पूर्व पत्नी को दिए जाने वाले गुज़ारे भत्ते के बारे में बात करते हैं। कुछ मिनटों बाद, मैं उनकी बातें सुनना बंद कर देती हूँ; मैं उनके उस शांत होंठों को निहारती हूँ जो अनजाने स्पर्शों को छुपाए हुए हैं। आख़िरकार वे चुप हो जाते हैं, बड़ी-बड़ी, सवालिया आँखों से मुझे घूरते हैं, और अपने होंठ मेरे करीब लाते हैं। उनकी खुशबू मनमोहक है। वे अपने होंठों की कोमलता मुझे देने के लिए अपना सिर एक सुंदर अंदाज़ में झुकाते हैं। उनकी गीली जीभ मेरे दाँतों के बीच फिसलती है, एक साँप की तरह मेरी जीभ से लिपट जाती है, एक खास, हल्के तीखे स्वाद के साथ।

मैं अपने हाथों से उसका सिर थाम लेती हूँ। मैं उसके गोरे चेहरे और दूधिया गर्दन को चिड़िया की तरह चूमती हूँ। हमारे होंठ फिर से एक-दूसरे को ढूंढते हैं। वह अपने हाथों को मेरे नितंबों पर दबाता है और मुझे अपने करीब खींच लेता है। मैं उसकी पैंट में उसके लिंग की उत्तेजना महसूस करती हूँ। वह मुझे फिर से चूमता है। एक लंबा, गहरा चुंबन। यह पहली बार है जब उसने मुझे इतने जुनून से, मेरी त्वचा के लिए इतनी तड़प से चूमा है। वह मुझे एक मोटा सफेद तौलिया देता है। होटलों की विलासिता का उनके तौलियों की मोटाई से कुछ रहस्यमय संबंध प्रतीत होता है।

शराब का असर मिटाने के लिए मैं देर तक नहाती हूँ। जब मैं बाथरूम से बाहर आती हूँ, तो उसे बिस्तर पर नग्न अवस्था में लेटा हुआ पाती हूँ, उसके हाथ उसके सिर के पीछे हैं, वह उदास और गंभीर दिख रहा है। उसका भारी लिंग उसके बाएं पैर से लटका हुआ है। मैं उसके पास जाती हूँ, वह मेरा तौलिया खोलता है, मुझे एक उपहार की तरह खोलता है। उसका मुँह मेरे मुँह से मिलता है। वह मुझे धीरे-धीरे, बहुत कोमल भाव से सहलाता है, जैसे तितली के पंख फड़फड़ा रहे हों। मैं उसे प्यार से गले लगा लेती हूँ। उसकी जीभ मेरी गहराई में उतर जाती है। मैं पिघल जाती हूँ, मेरी योनि आनंद से भर जाती है, एक झरना, सुख का भंडार। जैसे ही वह उठता है, मैं उसका खड़ा लिंग देखती हूँ, विशाल, विली से भी बड़ा। एक खड़ा अंग, लाल, जलता हुआ गर्म, एक लिंग, एक पवित्र स्तूप। वह मुझसे कुछ उम्मीद करता है। वह चाहता है कि मैं उसे अपने होठों के बीच ले लूँ। मैं कांपते हुए, मिले-जुले डर और इच्छा के साथ आगे झुकती हूँ। यह पहली बार है, और मुझे डर है कि मुझे पता नहीं चलेगा कि क्या करना है। मैं धीरे से उसे अपने नम होंठों में ले लेती हूँ, उसकी धड़कन और उसके रक्त की गर्माहट को अपने गले तक महसूस करती हूँ। एक अजीब सी अनुभूति, अप्रिय नहीं। मेरी जीभ पतंग की तरह फड़फड़ाती है, उसे नम करती है। मैं अपने होंठों के ऊपरी हिस्से पर हल्का सा स्पर्श करती हूँ। उसके पेट में एक लंबी सिहरन दौड़

जाती है, जो अकड़कर ऊपर की ओर उठती है। वह अपनी आँखें बंद कर लेता है ताकि मेरे भीतर पूरी तरह से खुल सके।

पिघलती हुई गर्माहट, मोहक गहराई। वह मेरे मुंह से हटकर मेरे पेट तक सरकता है, उसकी आँखें मुझे बेतहाशा निहार रही हैं। मैं डर जाती हूँ; उसका सब कुछ विशाल है, वह मुझे ऐसे फाड़ देगा जैसे मेरी माँ ने पुराने रसोई के चाकू से बत्तख का पेट चीर दिया था। उसका फूला हुआ लिंग मुझमें समा जाता है। मैं अपने दांत भींच लेती हूँ, लेकिन आश्चर्य से पाती हूँ कि मैं ग्रहणशील, विशाल, लचीली हूँ, बिना दर्द के उसे ग्रहण करने में सक्षम हूँ। वह पूरी तरह से अंदर चला जाता है। उसका लिंग मानो मेरे लिंग से ही बना हो, मांस का एकदम सही जोड़, एक सटीक यंत्र। मैं कारखाने के बारे में सोचती हूँ, अपनी मशीन के धातु के पुर्जों के बारे में, बोर के आयामों के बारे में, हाइड्रोलिक घटकों के जादुई अंतर्संबंध के बारे में। मेरे होंठ उसके लिंग के चारों ओर कस जाते हैं, उसी तरह चिकने जैसे हमारी मशीनों पर हर महीने रखरखाव के दौरान सील बदली जाती है। मेरा डर पिघल गया है; केवल आनंद बचा है। उसका हर तरल आलिंगन मुझे अंतरिक्ष में थोड़ा और ऊपर ले जाता है। मैं अज्ञात ब्रह्मांडों की खोज करती हूँ। मैं अंतरतारकीय दुनियाओं का दौरा करती हूँ।

वह मुझे पलट देता है, मेरे घुटनों को ऊपर उठाकर मुझे और गहराई से भेदता है, मेरी गर्दन पर काटता है। मैं उसकी स्त्री हूँ, जिसे वह पूरी तरह भर देता है, लेकिन यह काफी नहीं है; मैं उसमें विलीन होना चाहती हूँ, एक हो जाना चाहती हूँ। उसका शरीर तन उठता है, दीप्तिमान ऐंठन से कांपता है, उसका धड़ सिकुड़ता है, जबकि उसके नाखून मेरे नितंबों के मांसल भाग में धंस जाते हैं ताकि वे मुझमें और मजबूती से जम सकें, मेरे अस्तित्व की गहराई में उतर सकें। अचानक, एक लहर उठती है, पहले एक अगोचर कंपन की तरह, अथाह गहराई से उठती एक लहर की तरह, यह मेरे पेट से मेरी नसों में दौड़ती है, एक लहर, एक प्रलय में बदल जाती है; मैं आनंद की एक अविश्वसनीय रूप से लंबी और हिंसक लहर में बह जाती हूँ। मेरे पेट की दीवारें उसके जननांग के चारों ओर कस जाती हैं। अचानक, एक दबी हुई चीख के साथ, उसका शरीर लंबे समय तक अव्यवस्थित हिंसा के उफान में सिकुड़ता है क्योंकि वह मेरी योनि के भीतर बहता है, हमारे शरीरों की मरती हुई लहरों को बेहतर महसूस करने के लिए सागर जैसी रात में विलीन हो जाता है।

हम मर चुके हैं, एक अनजान महाद्वीप के समुद्र तट पर पड़े हैं, अब कुछ भी हिलता-डुलता नहीं... आलिंगन मिट गया है। दुनिया गायब हो गई है... न दिन है, न रात... न अतीत है, न भविष्य। परमानंद के बाद, सब कुछ जम गया, मानो हमने दुनिया का त्याग कर दिया हो।

मुझे हमेशा यही बताया गया था कि प्रेम करने के बाद पुरुष क्रूर और उदासीन हो जाते हैं। लेकिन वह कोमल और विचारशील है। उससे समुद्र और गीले कुत्ते की गंध आती है। मैं खुद को उसकी त्वचा से सटा लेती हूँ, उसके शरीर की सुगंध को महसूस करती हूँ।

*

* *

सूरज की हल्की रोशनी कमरे में एक लंबी लकीर छोड़ जाती है। दो बज चुके हैं; हम पूरी रात सोए नहीं हैं। किरणें तिरछी होकर खिड़कियों के पर्दों से छनकर अंदर आती हैं। मैं उसकी छाती पर मौजूद मुलायम रोएँ सहलाती हूँ, जो पुराने पिचिट के खरगोशों के रोएँ जैसे ही कोमल हैं। मैं उसे चिढ़ाती हूँ:

— विदेशी बंदरों की तरह होते हैं... एक ही परिवार के... बिलकुल एक जैसे।

— थाई भाषा में बंदर को क्या कहते हैं?

— लिंग... तुम मेरी लिंग हो, मेरी जान!

वह हंसता है और अपने बालों को खींचता है। मैं अपने पूरे शरीर से उसकी गर्माहट को महसूस करती हूँ। मैं अपना सिर उसके कंधे पर टिका देती हूँ।

— क्या मैं सचमुच आपको डार्लिंग कह सकता हूँ?

— थाई टॉय में डार्लिंग का क्या अर्थ है?

> — तीरक, लेकिन क्या तुम सचमुच मेरे तीरक हो? कृपया मुझे बताओ। तीरक भाषा में 'रक' का अर्थ प्रेम होता है।

वह कुछ नहीं बोला, विचारों में डूबा हुआ था, उसका हाथ मेरे हाथ में था। मुझे मानो समुद्र की धुंध के बीच से बाहर की दुनिया की बिखरी हुई, बहती हुई आवाज़ें सुनाई दे रही थीं: लहरों की आवाज़, बीच रोड पर एक मोटरसाइकिल की धीमी आवाज़, लिफ्ट की आवाज़, खिड़कियों से टकराते ट्रक की खड़खड़ाहट। मेरे अंग चिकने हो गए, मेरे स्तन सख्त और गर्म हो गए, मैं सुन्न पड़ गई, और आनंद रेशमी लहरों की तरह मेरी त्वचा पर घूमने लगा। खिड़की के पर्दे से छनकर आती सूरज की किरणों में धूल के कण आश्चर्यजनक फुर्ती से एक-दूसरे का पीछा कर रहे थे।

मैं अपनी आँखें बंद कर लेती हूँ। मैं अपने आस-पास की दुनिया की मौजूदगी में खो जाती हूँ, दूर की आवाज़ों का शोर होटल के अंदर की तेज़ आवाज़ों के साथ घुलमिल जाता है: सफाई करने वाली औरतें गलियारे में अपने पैरों को घसीटती हुई कमरा नंबर 405 की घिनौनी गंदगी की शिकायत करती हैं, ऊपर वाले फ्लोर पर एक दरवाज़ा ज़ोर से बंद होता है, हॉल के आखिर में एक बुज़ुर्ग आदमी की कर्कश खांसी सुनाई देती है। मेरी ज़िंदगी के पल ऐसे धीरे-धीरे और चिपचिपे होकर गुज़र जाते हैं जैसे ली कुम की की

बोतलों से सीप की चटनी की आखिरी बूँद निकलने के लिए संघर्ष कर रही हो, वही लाल और नीले लेबल वाली बोतलें और सफेद एप्रन पहने सफाईकर्मी जो अपनी कड़ाही में खाना बना रही होती है। मेरे पास दुनिया का सारा समय है। मेरे विचार सोच और कर्म के शून्य में भटकते हैं, नींद से भारी होकर घुल जाते हैं, गायब हो जाते हैं, फिर से क्रिस्टल की तरह जम जाते हैं जब उसका मुँह मेरे स्तनों के ऊपरी हिस्से को छूता है, मेरी निप्पल्स को गुदगुदी करता है। एक दरवाज़ा ज़ोर से बंद होता है, पहले से भी ज़्यादा पास, और बेचैन कदमों की आहट दूर होती जाती है। मैं थकान और आनंद से भर जाती हूँ। समय-समय पर, समुद्री हवा के साथ बहकर आती हुई आवारा कुत्तों के भौंकने की हल्की-हल्की आवाजें सुनाई देती हैं।

वह मेरे पेट की ओर रेंगता है और मेरे भीतर प्रवेश करता है। मैं अपनी आँखें बंद कर लेती हूँ, एक प्रकार की मादक सुस्ती में डूबी हुई अपनी खुशी पर ध्यान केंद्रित करती हूँ। हमने कितनी बार प्रेम किया है? मुझे नहीं पता, मैंने गिना नहीं है, मैं गिनना नहीं चाहती। मैं झपकी के बाद बिल्ली की तरह अंगड़ाई लेती हूँ। थका देने वाला आनंद। एक जैकहैमर जैसी आवाज़ हवा के साथ गूंजती है, फिर हवा के बदलते ही आसपास की हल्की आवाज़ में घुल जाती है। वह मुझे फिर से भेदना चाहता है, एक बार फिर प्रेम करना चाहता है; यह कोमल, नाजुक है। वह गति बढ़ाता है, बहुत तेज़ हो जाता है।

— धीरे-धीरे तीरक! चा चा!

वह बहुत तेज़ी से आता है, फिर पसीने से तरबतर होकर गिर पड़ता है। मैं पूछता हूँ।

- तुम आओ ?

वह किसी गलत काम को करते पकड़े गए बच्चे की तरह कबूल करता है।

— सॉरी टॉय

मैं नहीं आऊंगा।

मुझे बहुत खेद है, लेकिन तुम मुझे बहुत उत्तेजित कर देती हो। तुम बहुत जवान हो।

— माई पेन राई, मुझे अच्छा लगता है जब तुम आते हो। इससे मुझे खुशी मिलती है।

वह कंडोम में एक गांठ बांधता है और उसे घुमाता है। वह प्लास्टर से टकराता है और कूड़ेदान के पास फिसल जाता है। वह नम आँखों से मेरी ओर देखता है, बुदबुदाता है... "मैं तुमसे प्यार करता हूँ..." और वादा करता है कि जब तक हम एक-दूसरे से प्यार करते रहेंगे, हमें कुछ नहीं हो सकता। एक जादुई पल, दुनिया की बुराइयों से राहत। मैंने नट से सबक सीख लिया है। मैं जानती हूँ कि पैसा ही दुनिया को चलाता है, प्यार नहीं, जो आपको अजेय बनाता है। फिर भी, मुझे उसकी आँखें अच्छी लगती हैं; मैं समय को रोकना चाहती हूँ, खुशी के इन पलों को जमा देना चाहती हूँ, अतीत को भूल जाना चाहती हूँ, भविष्य को नकारना चाहती हूँ, और इस रुके हुए वर्तमान में, इस बेतुके सुख के पलों की गहराई में हमेशा के

लिए जीना चाहती हूँ, जहाँ मुझे ऐसा लगता है जैसे मैंने अपने सपनों को त्यागकर आखिरकार वास्तविक जीवन में प्रवेश कर लिया है।

भूख हमें कमरे से बाहर निकाल देती है। हम उमस भरी, बदबूदार सड़क पर निकल पड़ते हैं। शरीर से शरीर की मालिश और यौन प्रदर्शन करने वाले दलाल पहले से ही समुद्र तट पर घूम रहे हैं और अपने अश्लील पर्चे लहरा रहे हैं।

वापस लौटने पर, कमरे के बीचोंबीच एक गुस्से में भरी सफाईकर्मी महिला खड़ी थी। कमर पर हाथ रखे, एप्रन पहने, गंदे बालों का जूड़ा बनाए, एक भारी-भरकम महिला ने गुस्से से उस कूड़ेदान की ओर इशारा किया जिसके बगल में कंडोम पड़ा था।

— अच्छा नहीं है... इस तरह का कंडोम... ठीक नहीं है। साफ नहीं है!

वह इस्तेमाल किए हुए कंडोम को टॉयलेट पेपर में लपेटकर टॉयलेट बाउल में ऐसे फेंकती है मानो वह कोई तिलचट्टा या कीड़ा हो। वह दो बार फ्लश करती है, मानो उस लेटेक्स पाउच से उसे कितनी घृणा हो रही है, यह ज़ाहिर करने के लिए। फिर, फ़्रांस्वा की ओर मुड़कर, वह एक शिक्षक की तरह बच्चे को अनुशासन सिखाने के लिए हाथ बढ़ाती है। जैसे ही वह झगड़ालू औरत कमरे से निकलती है, मैं एक छोटी बच्ची की तरह खिलखिलाकर हंस पड़ती हूँ, जैसे किसी ने कोई शरारत की हो। फ़्रांस्वा चिढ़कर कंधे उचका देता है।

*

* *

अपने होटल के ठीक सामने स्थित "मा मैसन" रेस्टोरेंट की छत पर, फ़्रांस्वा मुझसे पूछता है कि मैं पटाया में कितने दिन रुकने का इरादा रखता हूँ। मैं जवाब देता हूँ कि मैं सोमवार को फ़ैक्ट्री वापस जा रहा हूँ। उसकी फ़्लाइट रविवार शाम को है, और वह सुझाव देता है कि हम साथ में बैंकॉक लौटें। उसकी आँखें खुशी से चमक उठती हैं; इसका ज़रूर कोई मतलब होगा।

वह मुझसे मेरी उम्र पूछता है; आज सुबह से यह दूसरी बार है। पहली बार तो मैंने उसकी बात अनसुनी कर दी और विषय बदल दिया, लेकिन वह फिर भी पूछता रहा। मैं उसे सच बताने में हिचकिचा रही हूँ, यह स्वीकार करने में कि मैं सत्रह साल की हूँ। साई का कहना है कि इससे यूरोपियन लोग डर जाते हैं। मुझे नाना होटल में जर्मनों के चेहरे के हाव-भाव आज भी याद हैं। क्या हम कैटरपिलर की तरह हैं? क्या अठारहवें जन्मदिन की शाम को कोई कायापलट हमें स्त्री बना देता है, जैसे कोकून से एक रंग-बिरंगी

तितली निकलती है? मुझे कई सालों से मासिक धर्म हो रहा है; मेरे अंदर एक तीव्र इच्छा जागृत होती है, कभी-कभी असहनीय; मैं पुरुषों के शरीर के सपने देखती हूँ, और स्त्रियों के भी। मैं अपने अठारहवें जन्मदिन पर वयस्क नहीं बनूँगी, क्योंकि मैं पहले से ही वयस्क हूँ, जब से मेरी माँ गायब हुई है।

उसे खोने के डर से, मैं उससे कहती हूँ कि मैं अभी अठारह साल की हुई हूँ, और झूठ बोलने में मुझे ऐसी चालाकी और आनंद मिलता है जिसकी मैंने कल्पना भी नहीं की थी। वह खुश लगता है; उसका क्षणिक संदेह दूर हो गया है, उसकी जगह प्रशंसा ने ले ली है, और वह आश्वस्त है कि एशियाई लोग अपनी उम्र से छोटे दिखते हैं।

मैं मन ही मन मुस्कुराता हूँ। अपने प्यार को बचाने के लिए झूठ बोलना, सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण, प्यार का ही एक कार्य है।

वह अपनी जेब से एक डिजिटल कैमरा निकालता है और मुझे सुनहरे बालों वाले बच्चों की तस्वीरें दिखाता है। एक लगभग दस साल का लड़का जो बिल्कुल उसी की तरह दिखता है और एक छोटी लड़की। मुझे पता ही नहीं था कि उसके पास ऐसे बच्चे भी हैं। वे बहुत प्यारे हैं। जब वह उनके बारे में बात करता है, तो वह भावुक हो जाता है। क्या मेरे पिता भी हमारे बारे में बात करते हुए भावुक हो जाते थे? मुझे नहीं लगता कि उनके पास हमारी एक भी तस्वीर थी। फ्रांस्वा बिल्कुल अलग है; वह अपने बच्चों को एक थाई माँ की तरह प्यार करता है। उसकी बेटी बहुत प्यारी है: नीली आँखों वाली एक सुनहरी गुड़िया जैसी, जीवन से भरपूर।

मुझे छोटे विदेशी पसंद हैं!

उस लड़की की बिल्ली जैसी आंखें मुझे मोहित कर देती हैं। मैं काइली मिनोग या ब्रिटनी स्पीयर्स जैसी दिखना चाहती हूँ। मैं साई द्वारा सिखाए गए गीत के बोल गुनगुनाती हूँ:

ओह बेबी, बेबी मुझे कैसे पता चलता? ओह प्यारी बेबी, मुझे तुम्हें जाने नहीं देना चाहिए था। मुझे मानना पड़ेगा, मेरा अकेलापन मुझे मार रहा है। क्या तुम्हें नहीं पता कि मुझे अब भी विश्वास है कि तुम यहाँ आओगी और मुझे एक संकेत दोगी? मुझे एक बार फिर से गले लगाओ, बेबी।

वह मुझे एक महिला की तस्वीर दिखाता है जिसका चेहरा तनावग्रस्त है और निगाहें ज़हरीली हैं। एक बेजान लेकिन प्रभावशाली व्यक्तित्व। इसमें कोई शक नहीं कि यह वही मैडम थीं, जो तलाक से पहले घर की मुखिया थीं। मुझे पूरा यकीन था कि वह इस घरेलू नौकरानी को चाह ही नहीं सकता, इसलिए मैंने भोलेपन से उससे पूछा:

क्या आप पेरिस में बार गर्ल्स को काम पर रखते हैं?

मेरी नासमझी पर वह मुस्कुराया और कसम खाकर कहा कि पेरिस पटाया नहीं है, वहाँ ऐसा होना नामुमकिन है। हर शाम वह दफ्तर में देर तक काम करता है और हर दूसरे सप्ताहांत में उसके बच्चे उसके पास रहते हैं। यूरोप में अपने जीवन के बारे में बात करते समय वह उदास हो जाता है, इसलिए मैंने विषय बदल दिया, तभी वेटर ने एक ग्रिल्ड मछली, प्ला प्राओ, को कपड़े पर रख दिया। हमारे बगल में, थोड़े आनंदित भावों के साथ, दो गोल-मटोल औरतें नारियल के दूध में डूबे आम के टुकड़ों का आनंद ले रही थीं। वे दूध चाटती बिल्लियों की तरह लग रही थीं, अपने होंठ चाट रही थीं ताकि एक बूंद भी बर्बाद न हो।

उसके कमरे में वापस आकर, हमने एक साथ स्नान किया, जिससे बाथरूम में चारों ओर पानी फैल गया। मैं उसके बगल में बड़े बिस्तर पर लेट गई। मैंने उसके पूरे शरीर पर चुंबन किया, उसकी त्वचा के तीखे स्वाद का आनंद लिया। मेरी जीभ उसकी त्वचा की परतों के बीच फिसलती हुई, उसके मांस के घुमावों को छू रही थी। उसने अपनी आँखें बंद कर लीं। मैं थोड़ी देर रुकी, अपनी इच्छा को बढ़ने दिया, फिर अपनी खोज जारी रखी। जैसे ही उसकी साँसें तेज़ होने लगीं, मैं उसके लिंग की ओर बढ़ी, धीरे-धीरे अपनी जीभ से उसे सहलाया और फिर उसे पूरी तरह से अपने मुँह में ले लिया।

मैंने उसके कान में फुसफुसाया:

— मेरी योनि चाटो... उनसठ... होक्सिप काओ...

उसका शरीर घूमता है, मुझे अपने अंदर उसकी जीभ महसूस होती है, उसका लिंग मेरे मुंह में सागौन की लकड़ी से भी ज़्यादा सख्त है। दस मिनट बाद, वह और ज़्यादा देर तक खुद को रोक नहीं पाता, वह मुझे करवट लिटा देता है और पीछे से मुझे अपने वश में कर लेता है, मेरी दाहिनी टांग उठाकर मुझे और गहराई तक भेदता है। धक्के और ज़ोरदार हो जाते हैं। वह मेरी गर्दन के पीछे काटता है, उसकी दाढ़ी में झनझनाहट होती है। वह लयबद्ध तरीके से ऊपर उठता है, मेरे अंदर गहराई तक धक्के मारता है। वह मेरे गले में स्खलित होना चाहता है, मैं पलटकर उसका लिंग चूसने लगती हूँ। वह ज़ोर से स्खलित होता है। समुद्री गंध वाला एक चिकना तरल मेरे गले में भर जाता है। वह अपना सिर पीछे की ओर झुका लेता है, आँखें बंद कर लेता है जैसे उसे दर्द हो रहा हो। मैं अपने गाल अंदर की ओर दबाती हूँ, आखिरी बूँदें चूस लेती हूँ।

वह पीछे हटता है, और मैं अपने भरे हुए मुँह से ही उसे चूमती हूँ। वह पहले तो कसैले स्वाद और मेरी जीभ की नम, कब्र जैसी गंध से हैरान होता है, फिर एक स्वेच्छा से आत्मसमर्पण करने वाले शिकार की तरह समर्पण कर देता है। एक परिपूर्ण मिलन।

मैं उससे लिपट जाती हूँ, अपना सिर उसके कंधे पर रख देती हूँ। मैं उसकी गर्माहट में आराम करती हूँ। मैं उसकी कोमल शांति को अपनी त्वचा के हर रोम से महसूस करती हूँ। वह दोहराता है कि उसे वह सब करना पसंद है जो उसकी पत्नी ने हमेशा उसे करने से मना किया है:

मुझे अपनी पूर्व पत्नी में अब कोई दिलचस्पी नहीं है। तुम्हारा शरीर मेरे लिए एक नए देश जैसा है।

प्रेम करने के बाद, वह हमेशा मुझे एक गंभीर और रहस्यमयी नज़र से देखता है, मानो मुझसे किसी और चीज़ की प्रतीक्षा कर रहा हो, कुछ ऐसा जो मैं उसे नहीं दे सकती। मैं हिचकिचाते हुए उससे फुसफुसाती हूँ:

तुम प्यार को अच्छा बनाते हो।

वह मुस्कुराया, मानो किसी बच्चे को तारीफ मिलने पर खुशी होती हो।

*

* *

हम घाट की ओर जाने के लिए टैक्सी में बैठ गए। घाट पर एक पुरानी दो मंजिला नाव खड़ी थी, जो पहले से ही नींद में डूबे पर्यटकों, मिश्रित जोड़ों, थाई परिवारों और खरीदारी के थैलों से लदे द्वीपवासियों से भरी हुई थी।

पंद्रह मिनट बाद, एक सुगठित महिला की शान के साथ, भारी-भरकम जहाज अपने डीज़ल इंजन की धीमी लय के साथ गति पकड़ने लगता है। छोटी-छोटी लहरें लकड़ी के पतवार से टकराती हैं, हल्की हवा कपड़े के एक फटे हुए टुकड़े को हिलाती है, जो शायद कभी थाई झंडा रहा होगा। भारी-भरकम जहाज गोदी से दूर मुड़ जाता है। हम जोमटियन समुद्र तट की लंबी पट्टी को बाईं ओर छोड़ते हुए तट से दूर उभरती एक पर्वतीय आकृति की ओर बढ़ते हैं।

टोपी पहने एक महिला तीस बात का किराया लेती है और फिर ठंडे पेय पेश करती है। हम इंजन की धीमी आवाज़ में खो जाते हैं। हमसे दो पंक्तियाँ दूर एक जोड़ा गले लगा रहा है, अपने बैग पर पीठ टिकाए हुए। वे समुद्र की ठंडी हवा का आनंद लेने के लिए अपना चेहरा समुद्र की ओर कर लेते हैं। सुनहरे बालों वाली वह लड़की मानो किसी दूसरी दुनिया से आई हो: नीले रंग की आँखों वाली कोई दिव्य प्राणी, जैसे शुष्क मौसम की गोधूलि बेला। जब विदेशी महिलाएं सुंदर होती हैं, तो वे देवदूतों जैसी लगती हैं। उसके सुनहरे बाल उसकी छाती पर चमकती लहरों की तरह लहरा रहे हैं। मुझे ऐसा अजीब सा एहसास हो रहा है जैसे मैं किसी दूर ग्रह से आई किसी परिपूर्ण प्राणी, किसी अज्ञात ईश्वर की सुंदर दूत के सामने हूँ। मैं

अपने काले हाथ को देखता हूँ। मैं कभी भी इस सौर प्राणी जितना तेजस्वी नहीं हो पाऊँगा। प्रकाश की इन प्राणियों को गले लगाने के बाद विदेशी पुरुष तिलचट्टे जैसी काली महिलाओं के साथ कैसे सो सकते हैं?

हमारे चारों ओर, सब कुछ विदेशी जगत, विदेशी मानसिकता से उपजा है: किताबें, कारें, हवाई जहाज, रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनिंग, बिजली, कंप्यूटर, टेलीविजन, फैशन, सिनेमा, सितारे, गाने। क्या मेरे लोगों ने चिकन करी और बुनी हुई बांस की टोपी के अलावा कुछ भी आविष्कार नहीं किया है? पहले दिन, जब हमने बाजार में दोपहर का भोजन किया, तो पास की एक मेज पर सूप पीते हुए, शरारती आँखों वाली एक बूढ़ी औरत ने साई को समझाया कि उसके युवावस्था में पटाया में कुछ भी नहीं था। मुझे आज भी उसके शब्द याद हैं:

पटाया तब एक गाँव भी नहीं था। ताड़ के पत्तों से बनी झोपड़ियों में बस कुछ दयनीय लोग रहते थे, जो मछली पकड़कर किसी तरह अपना गुजारा करते थे। यह वियतनाम युद्ध से पहले की बात है, अमेरिकियों के आने से पहले की। पटाया की शुरुआत तब हुई थी, जब इसे विश्राम और मनोरंजन का केंद्र कहा जाता था।

"तो क्या थाईलैंड में वेश्यावृत्ति लाने वाले अमेरिकी ही थे?" साई ने उत्सुकता से पूछा।

सवाल सुनकर बूढ़ी औरत इतनी हंसी कि मानो उसका सूप गिर ही गया हो।

“मर्द तो मर्द ही होते हैं, मेरी प्यारी। थाईलैंड हमेशा से वेश्यालयों से भरा रहा है। लेकिन पटाया में कुछ नहीं था, सिवाय एक बूढ़ी औरत की झोपड़ी के, जो बीयर और अपनी दो बेशर्म भतीजियों के नितंब बेचती थी। यहाँ बहुत गरीबी थी। जब सैनिक अपने डॉलर लेकर उतरे, तो बैंकॉक के बड़े-बड़े लोगों ने पूरे देश से लड़कियाँ इकट्ठा कर लीं। लेकिन मालिकों को जल्दी ही एहसास हो गया कि बंद वेश्यालय अमेरिकियों को बिल्कुल भी पसंद नहीं आए। बिलकुल भी नहीं! सैनिकों को बार, संगीत और ऐसी लड़कियाँ चाहिए थीं जो अमेरिका की तरह आज़ाद हों। जब पहले वेश्यालय खुले, तो खूब कमाई हुई, डॉलर बरसने लगे। उन्होंने और खोले... और जितने ज्यादा वेश्यालय खुले, उतने ही ज्यादा सैनिक आने लगे।”

साई ने संक्षेप में कहा, "अगर मैं सही समझ रहा हूँ, तो पटाया का आविष्कार विदेशियों ने किया था।"

बुढ़िया धीरे से हंसने लगी:

— अमेरिकी। बिलकुल, मेरी प्यारी। हम तो वेश्यालय भी नहीं बना पाए; उसके लिए तो हमें अमेरिकी सेना को बुलाना पड़ा।

यहां भी हम महज एक ऐसे नाटक के सहायक कलाकार हैं जिसके लेखक और निर्देशक दोनों श्वेत हैं। फ्रांस्वा ने धीरे से अपना हाथ मेरे कंधे पर रखा और मैं अपने विचारों से बाहर आ गई। समुद्र की हवा मेरी त्वचा को छू गई। वह मेरी ओर झुका।

— सब ठीक है? ... Sabai dee mai Toy?

सबाई दी... कोई बात नहीं

बीस मिनट की यात्रा के बाद, जहाज दाईं ओर एक छोटे से द्वीप के पास से गुजरता है और फिर कचरे के ढेर से घिरे एक छोटे से बंदरगाह की ओर बढ़ता है। रंगीन स्लीवलेस जैकेट पहने हँसते हुए किशोरों का एक समूह लैमिनेटेड ब्रोशर लिए हमारा स्वागत करता है... शूटिंग रेंज, महोदय! बनाना बोट! जेट स्की, महोदय! बहुत बढ़िया। जेट स्की! आप कहाँ जा रहे हैं?

दो मोटरसाइकिलें हमें छोटे बंदरगाह के दूसरी ओर स्थित समाई बीच तक ले जाती हैं। गाँव में, नंबर वाली लाल जैकेट पहने किशोर गड्ढों और ऊंघते कुत्तों के बीच से रास्ता बनाते हुए द्वीप की केंद्रीय पहाड़ी की ओर जाने वाली ढलान पर चढ़ते हैं। मोटरसाइकिलें छोटे से दर्रे को पार करने में मुश्किल से कामयाब होती हैं, फिर खुशी-खुशी धूप में तपती सफेद रेत के अर्धचंद्राकार किनारे की ओर बढ़ती हैं। आगे जाकर, हमें साफ-सुथरा समुद्र दिखाई देता है, जिसमें कई छोटी नावें और जेट स्की लहरें मार रही होती हैं। ड्राइवर हमें समुद्र तट के किनारे बने भोजनालयों के पीछे उतार देते हैं।

— क्या तुम्हें भूख लगी है टॉय?

बहुत भूख लगी है

हम दोपहर के भोजन के लिए एक समुद्र तट के किनारे स्थित रेस्तरां में बैठते हैं और लाल करी का आनंद लेते हैं। फ़्रांस्वा एक बड़ी, एकदम ठंडी चांग बियर मंगवाता है, साथ में दो गिलास बर्फ़ भी। हमारे बगल में बैठे कुछ लंबे-चौड़े रूसी पर्यटक चुपचाप अपना दोपहर का भोजन समाप्त कर रहे होते हैं।

दोपहर के भोजन के बाद, हम छतरियों की छाँव में डेक कुर्सियों पर बैठ गए। फ़्रांस्वा तैरने के लिए दौड़ पड़ा। वह काफी देर तक पानी में रहा, बुआओं की ओर तैरता रहा, समुद्र में वापस आकर खुश सील की तरह ज़ोर-ज़ोर से साँस ले रहा था। मेरे लिए छतरियों की छाँव से बाहर निकलना बहुत मुश्किल था क्योंकि गर्मी बहुत ज़्यादा थी। हैरानी की बात यह थी कि समुद्र तट पर धीरे-धीरे धूप सेंक रही रूसी लड़कियाँ इस असहनीय गर्मी से बिल्कुल भी परेशान नहीं लग रही थीं। बुद्ध सही थे: मनुष्य गहरे असंतुष्ट प्राणी हैं जो सबसे ज़्यादा उन चीज़ों की लालसा करते हैं जो उनके पास नहीं हैं और प्रकृति ने उन्हें जो दिया है उसकी उपेक्षा करते हैं। सर्दी और धन में जन्मे फ़ारंग (विदेशी) गर्माहट, तंदुरुस्त त्वचा और एक सादे जीवन का सपना देखते हैं। थाई लोग केवल गोरी त्वचा और सीधी नाक का सपना देखते हैं। मेरे

लोग उन अमेरिकी फिल्मों की तरह जीना चाहते हैं जहाँ अत्यधिक काम करने वाले व्यापारियों के पास अपने लिए एक मिनट भी नहीं होता। बैंकॉक का हाई सो अपने बच्चों को कैलिफ़ोर्निया के विश्वविद्यालयों में भेजता है ताकि वे उस्तादों की भाषा सीख सकें, जबकि युवा यूरोपीय पटाया के बारों में खो जाते हैं। दूर-दराज की जगहें हमेशा उम्मीदों से भरी लगती हैं, पास की चीज़ें हमेशा निराश करती हैं। केवल वही चीज़ें आकर्षक लगती हैं जो हमसे दूर होती हैं। मैं भी इस नियम का अपवाद नहीं हूँ, फ़्रांस्वा, इस शहर (जिसमें अब थाई संस्कृति का ज़्यादातर हिस्सा खो चुका है) और अपने समुद्री सपनों के बीच फंसा हुआ हूँ—मैं जिसने समुद्र को केवल टीवी पर ही देखा है।

आकाश में चकाचौंध कर देने वाली रोशनी सीधे नीचे गिर रही है। समुद्र तट उमस भरी गर्मी से कांप रहा है, और समुद्र की लहरों से गर्म होकर बहने वाली हल्की हवा भी बस थोड़ी सी राहत दे रही है। शरीर की गर्मी और चिलचिलाती धूप से सुन्न होकर, मैं गर्म रेत में एक हाथ दबाए सो रहा था, तभी अचानक फ़्रांस्वा का ठंडा, नम शरीर मेरे शरीर से सट गया।

— मेरे साथ तैरने आओ टॉय?

— माफ करना टीरक, लेकिन मुझे अपनी त्वचा पर तेज धूप पसंद नहीं है। बाद में।

उसके नमकीन होंठों ने मेरे होंठों को चूमा। वह एशियाबुक्स से खरीदे एक फ़्रांसीसी अखबार में डूब गया और तुरंत ही एक गंभीर, उदास भाव धारण कर लिया। धीरे-धीरे सूरज क्षितिज के नीचे डूब गया, और आखिरकार ठंडक का एहसास हुआ। रोशनी कम तीखी, अधिक कोमल हो गई, रंग फिर से उभर आए, कम धातु जैसे। मैंने उस समुद्र को निहारा जिसने मुझे मोहित कर लिया था, जिसने मुझे अपनी ओर आकर्षित किया था। मैंने अपना टॉप और कमर से चिपके हुए शॉर्ट्स उतार दिए। मुझे सेब जैसे हरे रंग के स्विमसूट में लगभग नग्न महसूस हो रहा था जो फ़्रांस्वा ने उस सुबह घाट जाते समय मेरे लिए खरीदा था, लेकिन टॉपलेस होकर धूप सेंक रही रूसी सुंदरियों के बीच किसी ने मेरी ओर ध्यान नहीं दिया। मैं पानी की ओर चली; किनारे पर पानी गर्म था, फिर जैसे ही मैं समुद्र में उतरी, वह ठंडा हो गया। फ़्रांस्वा ने अपने अखबार से नज़रें उठाईं और मेरे साथ आ गया, मुझे आखिरकार पानी में देखकर वह बहुत खुश हुआ।

— क्या तुम तैर सकते हो, टॉय?

नहीं, फ़्रांस्वा, लेकिन मैं सीखना चाहता हूँ? क्या आप मुझे सिखा सकते हैं?

वह धैर्यपूर्वक मुझे गतिविधियाँ समझाते हैं। फिर वह मुझे अपना शरीर आगे झुकाने के लिए कहते हैं, और अपने दाहिने हाथ से मुझे सहारा देते हैं। देखते ही देखते पानी मेरी नाक में चला जाता है, और मैं घबराकर सीधा होकर अपना संतुलन बनाने की कोशिश करता हूँ, समुद्री जीव की तरह नाक से साँस छोड़ता हूँ। हम इसे कई बार दोहराते हैं। हर बार मैं थोड़ा और आगे तैर पाता हूँ, और फ़्रांस्वा का हाथ

हल्का होता जाता है, जिससे पानी मुझे अपने साथ बहा ले जाता है। वह मुझे प्रोत्साहित करते हैं, कहते हैं कि मैं बहुत अच्छा कर रहा हूँ। मेरा आत्मविश्वास बढ़ता है। अचानक, मुझे उनका हाथ महसूस नहीं होता, बस मेरा शरीर नीले पानी को चीरता हुआ आगे बढ़ता है। मैं आगे बढ़ता हूँ, वह ताली बजाते हैं, और दोनों हाथों से पानी पर थपकी मारकर मुझे यह साबित करते हैं कि मेरी इस उपलब्धि में उनका कोई हाथ नहीं था।

आप अकेले तैर सकते हैं! बहुत बढ़िया!

फ़्रांस्वा कहता है कि मैं बहुत जल्दी सीख जाती हूँ, जैसे मैं मछली पैदा हुई हूँ। मुझे लगता है कि तैरने का मेरा यह तरीका उन मेंढकों जैसा है जिन्हें हम तालाबों में पकड़ा करते थे। मैं अपने पैर ज़मीन पर नहीं रखना चाहती, कहीं फिर से तैरना भूल न जाऊँ। मैं और साहसी हो जाती हूँ, गहरे पानी में गोता लगाती हूँ जहाँ मैं तल को छू भी नहीं सकती। मैं रहस्यमयी लहरों वाला सागर हूँ। पानी लगभग ठंडा हो जाता है। मुझे थकान महसूस नहीं होती, बस नीले सागर के बीच तैरने का नशा सा छा जाता है, हर लहर के बीच अपनी मांसपेशियों को नियंत्रित करने का आनंद मिलता है। वह थोड़ी दूरी पर मेरा पीछा करता है, एक आश्वस्त करने वाली, दयालु उपस्थिति जो मुझे दूर तैरते हुए बुआओं की पंक्ति तक पहुँचने के लिए प्रोत्साहित करती है। मैं वहाँ पहुँचना चाहती हूँ; मैं अपनी बाहों से और ज़ोर लगाती हूँ, अपने पैरों से खींचती हूँ। मेरा पूरा शरीर इस खारे पानी को चीरते हुए आगे बढ़ने का आनंद लेता है जो हर धक्के के साथ और घना होता जाता है। आखिरकार मैं बुआओं को छू लेती हूँ, उन्हें पकड़ लेती हूँ, और खुद को लाल और सफेद प्लास्टिक के तैरते हुए टुकड़ों के सहारे बहने देती हूँ। मेरा दिल ज़ोर से धड़क रहा है। फ़्रांस्वा मेरे पास आता है।

वाह, आप बहुत अच्छी तरह तैरते हैं!

मैं मज़ाक में उससे कहती हूँ कि मैं पिछले जन्म में डॉल्फ़िन थी। उसका शरीर मेरे शरीर से सट जाता है। वह मुझे नमकीन चुंबन देता है। लगभग दस मिनट आराम करने के बाद, हम समुद्र तट की ओर बढ़ते हैं, और मुझे अपनी मांसपेशियों में दर्द महसूस होने लगता है। आखिरकार, जब मेरे पैर रेतीले तल को छूते हैं तो मुझे राहत मिलती है। मैं समुद्र से बाहर निकलती हूँ, थोड़ी सी मदहोश, लहरों के बीच लड़खड़ाती हुई, धीरे-धीरे समुद्र तट की चकाचौंध भरी धूप की ओर बढ़ती हूँ, अस्थिर, थकी हुई, लेकिन तैरना जानने पर बहुत गर्व महसूस करती हूँ।

हमारे आने के बाद से, अपनी चौड़ी शंकु के आकार की टोपी के नीचे, एक बूढ़ी औरत चिलचिलाती धूप में भी समुद्र तट पर इधर-उधर चक्कर लगा रही है। हरे पपीते का सलाद बनाने के लिए ज़रूरी सभी सामान से भरी अपनी भारी, कई परतों वाली टोकरी के बोझ तले वह नरम रेत में धंसती जा रही है। रूसियों से भरे इस समुद्र तट पर वह बिल्कुल बेमेल लग रही है, क्योंकि उन्हें यह भी नहीं पता कि यह

बूढ़ी औरत आखिर क्या बेच रही है और रंगीन तरल और तैरती मिर्चों से भरी बोतलों को शक की निगाहों से देख रहे हैं। जब मैं तौलिए से अपने बाल सुखा रही थी, तो मैंने उसे इशारा किया: आधा तो उसकी इस तरह भटकने पर दया के कारण, और आधा इसलिए कि मुझे सोम ताम की तीखी ताज़गी की याद आ रही थी। वह मेरी ओर ऐसे दौड़ी जैसे उसे डर हो कि मैं अपना इरादा बदल दूँगी। ट्रे के बोझ तले झुककर, उसने उन्हें हमारी तह करने वाली कुर्सियों के सामने रखा, घुटनों के बल बैठी, अपना ओखली और सामग्री निकाली, और लहसुन और मिर्च को पीसना शुरू कर दिया। उसके बाएं हाथ में मूसल था और दाहिने हाथ में चम्मच से वह मिश्रण को चला रही थी। फिर वह ओखली में चीनी, मछली की चटनी, नाम प्ला, प्ला ला और मैरीनेट की हुई मछली डालती है। तेज़ी से हिलाते हुए, वह एक टमाटर, एक छोटा बैंगन और एक फली काटती है, उसमें थोड़ा सा नींबू का रस और मैरीनेट किया हुआ चावल का केकड़ा डालती है। वह लगातार अपने दाहिने हाथ से चलाते हुए कूटना जारी रखती है।

फ्रांस्वा स्थिर खड़ा उसे देखता रहता है, विक्रेता की कुशलता और टोपी के नीचे से टपकते पसीने से वह दंग रह जाता है... उसके हावभाव को अधीरता समझकर वह मुस्कुराती है, अपने सड़े हुए दांत दिखाती है मानो समय लगने के लिए माफी मांग रही हो। हर हावभाव सटीक है, मानो किसी सुनियोजित दिनचर्या का हिस्सा हो। कुछ भी सहज नहीं है, कोई भी हरकत अनावश्यक या फालतू नहीं है। मुझे पैकिंग विभाग में अपने पहले दिन प्रिचा का प्रदर्शन याद आता है। इन हावभावों की पूर्णता में आनंद मिलता है, जिन्हें बार-बार दोहराया जाता है जब तक कि वे परिपूर्ण न हो जाएं। अच्छी तरह से किया गया काम ही गरीबों की सच्ची गरिमा है।

वह मूंगफली, सूखे झींगे मिलाती है... और फिर पीसती है... जब सॉस तैयार हो जाता है, तो वह एक बड़ा पपीता कद्दूकस करती है, उसमें से कुछ सॉस में मिलाती है, और फिर से तब तक कद्दूकस करती है जब तक कि ओखली भर न जाए। वह उसे पीसती है, फिर एक बड़े गोलाकार घुमाव में सलाद को एक ही टुकड़े में निकालती है और उपलब्धि की चौड़ी मुस्कान के साथ उसे सावधानीपूर्वक एक पॉलीस्टाइनिन कंटेनर में रखती है।

फ़्रांस्वा ने प्रशंसा भरे भाव से बैले देखा। उसने उदारतापूर्वक टिप दी, फिर चम्मच के सिरे से थोड़ा संशय के साथ चखा, क्योंकि उसमें केकड़ा था जिसे वह नापसंद करता था, मिर्च की वजह से उसका चेहरा थोड़ा बिगड़ गया, फिर मुस्कुराते हुए उसने और मांगा। मैंने उसे छेड़ा:

> अब आपको इसान नाम की महिला से प्यार हो गया है और आपको पपीते का पोक पोक पसंद है। आपकी त्वचा जल्द ही भूरी हो जाएगी।

आसमान में हल्की सफेद धुंध छाई हुई है। मैं अधमरी नींद में डूब जाती हूँ, मेरे पैर की उंगलियाँ मुलायम रेत में धँसी हैं और मेरा शरीर नमक से लथपथ है। जब मैं जागती हूँ, तो सूरज की सुनहरी रोशनी समुद्र

पर फैली होती है, डेक कुर्सियाँ और छतरियाँ तह करके ढेर में रखी होती हैं, मानो गर्मियों के आखिरी दिनों का माहौल हो। समुद्र तट पर बैठा जोड़ा हमारे जाने का इंतज़ार कर रहा है ताकि वे अपना सामान समेटकर अपने गाँव लौट सकें।

खाने के स्टॉलों के पीछे दो हंसते-खेलते मोटरसाइकिल टैक्सी वाले हमारा इंतजार कर रहे हैं। वे कहते हैं कि हमें जल्दी करनी होगी, कहीं आखिरी नाव छूट न जाए।

*

* *

पटाया पहुँचते ही मुझे एहसास हुआ कि मैं लोई क्राथोंग के बारे में पूरी तरह भूल गया था। बीच रोड पर भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी। बार में काम करने वाली लड़कियाँ पारंपरिक पोशाक में सजी हुई थीं। उनके बाल और मेकअप राजकुमारियों की तरह सजे हुए थे। रेस्तरां की रसोई से आती सुगंधित गर्माहट हवा में घुल रही थी।

कोह लार्न की रेत और नमक को धोने के लिए होटल में नहाने के बाद, हम भीड़ भरे समुद्र तट पर टहलने के लिए वापस आ गए। दर्जनों विक्रेताओं ने अपने स्टॉल लगा रखे थे, जिनमें हर तरह के क्राटोंग (एक प्रकार का समुद्री बर्तन) बिक रहे थे: साधारण पॉलीस्टाइनिन की नाव, जिसके बीच में एक मोमबत्ती के चारों ओर कुछ फूल बेतरतीब ढंग से रखे होते थे, से लेकर केले के पेड़ के तने से तराशे गए आलीशान क्राटोंग तक, जो डूबने वाले नहीं थे और जिनके ऊपर भव्य रूप से सजाए गए पैगोडा की प्रतिकृति थी। अधिकांश क्राटोंग कमल के फूल की नकल कर रहे थे, जबकि कुछ स्तूपों या मेरु पर्वत को दर्शा रहे थे। मुझे अपनी माँ की याद आ गई। कबाब बेचने वालों ने अपनी चलती-फिरती रसोई लगा रखी थी, और पिकअप ट्रकों में परिवार भारी कूलर लेकर समुद्र तट पर आ रहे थे ताकि समुद्र के इस खूबसूरत नज़ारे का आनंद ले सकें।

— बुद्ध के लिए? फ्रांस्वा ने मुझसे पूछा, समुद्र पर तैर रहे क्राटोंग की ओर इशारा करते हुए।

नहीं, जल की देवी के लिए: फ्रा माए खोंगखा

— मुझे खेद है कि मुझे नहीं पता था कि आप बुद्ध के अलावा अन्य देवताओं को भी मानते हैं।

बुद्ध कोई देवता नहीं हैं। वे आप जैसे ही एक इंसान हैं।

मैं उसकी अज्ञानता देखकर चकित रह जाता हूँ, फिर अपना विचार बदल लेता हूँ और उसका मजाक उड़ाता हूँ:

बुद्ध एक मनुष्य थे, लेकिन शायद वे आपसे बेहतर थे।

— माफ़ करना, लेकिन इस समारोह का क्या मतलब है? मुझे बताओ टॉय

— यदि एक पुरुष और एक स्त्री मिलकर पानी पर एक क्रातोंग (एक प्रकार का आभूषण) रखें और यदि क्रातोंग तैरने लगे, तो उनका जीवन सदा सुखमय रहेगा।

एक स्टॉल पर, फ्रांस्वा ने सबसे बड़ा क्राटोंग उठा लिया, लेकिन विक्रेता की निराशा के बावजूद, मैंने एक दूसरा, छोटा क्राटोंग चुनने पर जोर दिया, जिसके ऊपर माउंट मेरु की प्रतिकृति बनी हुई थी, और जिसे देखकर मुझे अपनी माँ की याद आ गई।

— यह वाला कृपया, यह मेरी माँ के लिए है।

हम अपनी चप्पलें रेत पर छोड़कर समुद्र तट की ओर चल पड़ते हैं। फ़्रांस्वा अपने लाइटर से मोमबत्तियाँ जलाता है। हम घुटनों तक पानी में उतरकर अपनी नाव को दो लहरों के बीच धीरे से रखते हैं। धीरे-धीरे, नाव लहरों की लय में झूलती है, मानो पानी पर नाचती अन्य रोशनी में शामिल होने से पहले झिझक रही हो। यह संयोग से इधर-उधर फेंके गए मनुष्यों के भाग्य का प्रतीक है, जीवन की उस नाज़ुक नाव का जिसे एक तेज़ लहर पलट सकती है। अगर साई की मुलाकात नोक से संयोगवश न हुई होती, तो फ़्रांस्वा आज भी मेरे लिए अजनबी होता, जबकि कुछ ही दिनों में उसने मेरा पूरा जीवन भर दिया है। कुछ मिनटों बाद, लहरों के साथ रोशनी रुक-रुक कर दिखाई देने लगती है और फिर समुद्र में गायब हो जाती है।

— इसका मतलब है कि हम खुश होंगे?

— जी फ्रांस्वा, तुम और मैं। बहुत खुश।

समुद्र तट लोगों से भरा हुआ है। आकाश में उड़ते हुए लालटेन, कागज के हल्के गुब्बारे जो लौ की गर्मी से फूल गए हैं, रात के आकाश में ऊपर उठ रहे हैं... तारों की ओर जाते हुए हवाई क्रैटोंग। रेत पर बैठे, कागज के इन रोशनियों की ओर देखते हुए, फ़्रांस्वा एक फूड ट्रक से खरीदी गई चिकन सैटे की दूसरी सींक को नोच रहा है।

हम उस पहाड़ी पर लौटने का फैसला करते हैं जहाँ से पटाया शहर की जगमगाती गगनचुंबी इमारतें दिखाई देती हैं, ताकि उस नज़ारे का आनंद ले सकें, शायद अनजाने में ही सही, अपनी पहली रात के जादू को फिर से महसूस कर सकें। लेकिन आज रात, धातु की बाड़ के पास भीड़ जमा है। उस जगह से शहर रोशनी की एक गोल डिस्क जैसा दिखता है। एक चमकीली झील जहाँ हज़ारों पतंगे अपने पंख

जलाते हुए चक्कर लगा रहे हैं। समुद्र तट पर, लोई क्राथोंग की रोशनी अंधेरे में घुल जाती है, आकाश में जलते लालटेन तारों से मिलने के लिए ऊपर उठते हैं।

आगे चलकर, समुद्र के दर्पण पर, प्रकाश की अनगिनत बूँदें पानी पर ऐसे तैरती हैं मानो कोई विचित्र पशु प्रवास कर रहा हो। पूरब से बहने वाली हवा से प्रेरित होकर, क्राटोंग (नावें) माउंट मेरु की ओर बढ़ती हैं, जो विश्व का केंद्र है और जिसके शिखर पर मेरी माँ, मेरे पूर्वज और अनगिनत वर-वरिष्ठ निवास करते हैं, जिनका संबंध मानवता के आरंभ से है।

घर पहुँचकर मैं फ़्रांस्वा को बिस्तर पर लिटा देती हूँ। मैं चाहती हूँ कि वो मुझे ऐसा करने दे। मैं उसे देर तक चूसती हूँ। उसका खड़ा लिंग आसमान की ओर उठ उठता है। हमारी अंतरंगता का पर्वत मेरु मेरी जीभ से टकराता है। वो अपनी आँखें बंद कर लेता है, अपने आनंद में डूबा हुआ। मैं खुद से बेखबर हो जाती हूँ। मैं उसे चाहती हूँ। मैं उसके शरीर पर बैठ जाती हूँ, उसका हाथ पकड़कर उसे अपने अंदर ले जाती हूँ। वो मुझे पूरी तरह से भेद देता है, मेरे कान में फ्रेंच में मीठी-मीठी बातें फुसफुसाता है। वो हमेशा के लिए मेरे अंदर है। मैं उसे थाई में जवाब देती हूँ। मेरा पेट एक अथाह खाई बन जाता है। वो मेरी कमर से सट जाता है। हमारे आपस में लिपटे हुए शरीर का एक अंतरंग संघर्ष। एक-दूसरे की तड़प। हमारे दिल ज़ोर से धड़कते हैं। वो धीरे-धीरे स्खलित होता है। खुशी की लहर मुझ पर छा जाती है; मैं अब तक प्यार के बिना कैसे जी रही थी?

वह खुद को छुड़ाता है, उसका शरीर एक मृत जानवर की तरह एक तरफ लुढ़क जाता है, दुनिया थम सी जाती है। कुछ भी सांस नहीं ले रहा। धीरे-धीरे, जैसे तूफान में किनारे पर बहकर आया कोई जहाज़ दुर्घटना का जीवित व्यक्ति, वह पहले एक हाथ हिलाता है, फिर अपनी खुशी ज़ाहिर करने के लिए मेरा हाथ बढ़ाता है। हथेलियों का मिलन।

हम इस अंतरंग प्रलय के सामने स्थिर, स्तब्ध पड़े हैं। इंद्रियों के उफान में द्रव्य आपस में मिल गए हैं। कल तो और भी बुरा होगा। मैं मरना चाहता हूँ, समय को एक शाश्वत लोई क्राथोंग में रोक देना चाहता हूँ। उसकी गर्माहट मेरे शरीर से लगी है, उसका चेहरा पसीने से तर है, मेरी छाती में धंसा हुआ है। आनंद से सराबोर।

यह पहली बार है जब हमने सावधानी नहीं बरती है। मुझे बेड के शब्द याद आ रहे हैं... बीमार लोग मौत की तलाश में हैं।

शायद मैं भी अपनी ज़िंदगी की तरह पागल हो गया हूँ, या शायद हमेशा से ही ऐसा रहा हूँ। आज रात, मैं सोना नहीं चाहता। मैं सुबह होने तक इसकी गर्माहट में डूबा रहना चाहता हूँ।

*

* *

रवाना होने से पहले, किसी सज़ा पाए हुए व्यक्ति की तरह, होटल द्वारा नियुक्त ड्राइवर आखिरी सिगरेट जलाता है। पुरानी स्वीडिश कार धीरे-धीरे भारी ट्रैफिक में शामिल हो जाती है। हम नरम डामर पर ऐसे सरकते हैं मानो ठंडक के बुलबुले में हों। ड्राइवर संगीत बजाता है। वह स्टीयरिंग व्हील पर ताल थपथपाता है और बीच-बीच में हल्की-हल्की आवाज़ें निकालता है। थोड़ी देर बाद, मुझे नींद आ जाती है।

एक घंटे से ज़्यादा नींद से जागने के बाद, क्षितिज पर एक बेलनाकार मीनार दिखाई देती है। मैं सुवर्णभूमि हवाई अड्डे पर कभी नहीं गई। रनवे पर बैठे विशाल सफेद विमानों को देखकर मैं मंत्रमुग्ध हो जाती हूँ। मैंने कभी हवाई यात्रा नहीं की है। ऐसी बहुत सी चीज़ें हैं जो मैंने कभी नहीं कीं। बाहर, हवा झुलसा देने वाली है। मैं एक ठंडी जगह का सपना देखती हूँ जहाँ पहाड़ निर्मल बर्फ से ढके हों और जहाँ मैं अब धान के खेतों में रहने वाली एक साधारण किसान लड़की न रहूँ, जो धान बोने या टी-शर्ट मोड़ने के अलावा किसी काम की न हो।

यह विशाल हॉल एक विशालकाय स्टील के पिंजरे जैसा दिखता है। पर्यटकों की एक अव्यवस्थित भीड़ अपने आगे धातु की ट्रॉलियाँ धकेलती हुई जा रही है। मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि इतने सारे पर्यटक हो सकते हैं। फ़्रांस्वा भी अपनी ट्रॉली को उदास भाव से धकेल रहा है। वह अपने परिवार के लिए स्मृति चिन्ह ला रहा है, ढेर सारे स्मृति चिन्ह। मैंने उसे यह बताया, और उसने जवाब दिया:

— मेरे लिए सबसे यादगार पल वो अच्छे पल हैं जो हमने साथ बिताए हैं।

क्या मैं महज़ एक याद बनकर रह गई हूँ? यहाँ निजता नाम की कोई चीज़ नहीं है। हम कॉफ़ी पीने ऊपर जाते हैं। वह मेरा हाथ पकड़ता है, लेकिन मुझे महसूस होता है कि वह घबराया हुआ है, तनाव में है, कहीं और खोया हुआ है। वह मुझे अपने जीवन, अपनी नौकरी के बारे में बताता है, जो हमारी फैक्ट्रियों की नौकरियों जितनी ही उबाऊ लगती है। वह एक ऐसे देश में नीरस, बेजान जीवन का वर्णन करता है जहाँ आसमान हमेशा धूसर रहता है। अंदर से, फ़्रांस्वा मेरे जैसा ही है: एक हारा हुआ इंसान, एक साधारण जीवन में फंसा हुआ, जिसका कोई भविष्य नहीं है। उसका जीवन मुझसे बस थोड़ा बेहतर है क्योंकि वह सही जगह पैदा हुआ था। शायद इसीलिए हम एक-दूसरे से मिले: दो हारे हुए लोग जिन्हें अपने जीवन में समझ नहीं आ रहा कि क्या करें। वह मुझसे वादा करवाता है कि मैं उसके द्वारा मेरे लिए खोले गए ईमेल खाते को नियमित रूप से देखूँगी और उसके संदेशों का जवाब दूँगी।

वह चुप हो जाता है, उसका मन पहले से ही फ्रांस में खोया हुआ है। पेय पदार्थों का भुगतान करने के बाद, वह मुझे अपने बचे हुए थाई पैसों वाला एक लिफाफा देता है। मैं उसे बिना खोले ही ले लेता हूँ और उसे धन्यवाद देता हूँ।

— धन्यवाद फ्रांस्वा, आप मेरे प्रति बहुत दयालु हैं।

नहीं टॉय, तुम बहुत अच्छे थे। मेरे पास तुम्हारे लिए कुछ और है।

फिर, वह मेज पर सोने की पन्नी में लिपटा एक पैकेट रखता है। मैं उसे उठाती हूँ; वह हल्का है। मैं उसे खोलती हूँ... एक गत्ते का डिब्बा निकलता है, जिसमें से नए फोन की मनमोहक खुशबू आ रही है... मेरी आँखें चमक उठती हैं। यह वही सैमसंग का नवीनतम मॉडल है जिसे मैंने नाइस बार में देखा था। मैं उसे अपने हाथ में लेती हूँ; उसकी चमकदार सतह विलासिता का एहसास कराती है। वह मेरी प्रतिक्रिया देखता है, मेरी खुशी से भावुक हो जाता है। मैं उसे उत्साह से चूमती हूँ; अब से मैं कभी अकेली नहीं रहूँगी। फिर आता है दिलासा देने वाले वादों का पल, "मैं तुम्हें हर दिन फोन करूँगा।" मैं अच्छी तरह जानती हूँ कि यह सच नहीं है। काश वह मुझे न भूले।

आखिरी कुछ पल दर्द भरे और खिंचते चले गए। हम दोनों चाहते थे कि ये सब खत्म हो जाए। उसने मुझे तब तक कसकर पकड़ रखा था जब तक दर्द नहीं होने लगा। एक आखिरी चुंबन, जिसमें मैं सब कुछ भूल जाना चाहती थी। फिर वह जल्दी से दूर हट गया, अपनी गाड़ी को धकेलते हुए ताकि उसकी नम आँखें मुझसे छिप जाएँ। मर्द मजबूत होते हैं; वो रोते नहीं। वह मुड़ा, अपना हाथ उठाया, एक आखिरी बार, फिर धुंधली कांच की दीवार के पीछे गायब हो गया। मेरे मुँह में राख का घिनौना स्वाद भर गया, जैसे आग लगने के बाद होता है। विस्मृति दूर नहीं हुई। अचानक, मुझे दुनिया में बिल्कुल अकेलापन महसूस हुआ, बेहद अकेला और उदास।

अपने होटल के नाम से छपे लिफाफे में मुझे दस हजार बात मिले; मुझे लगा जैसे मैं अमीर हो गई हूँ। मैं आधी रकम अपनी मौसी को भेज दूँगी। खुशी मनाने के लिए, मैंने एयरपोर्ट से टैक्सी ली।

मेरी गली अचानक बहुत संकरी लगने लगी है, और नाले में जमा पानी से तेज़ बदबू आ रही है। इस हफ्ते ज़्यादा बारिश नहीं हुई है। पहली बार मुझे ध्यान आया कि पक्की सड़कें उखड़ रही हैं। खाली मैदान में, गंदे पानी के गड्ढों के बीच, दो कुत्ते तारों भरी रात में एक-दूसरे को सूंघ रहे हैं, लड़ने और संभोग करने के बीच झिझक रहे हैं। मौत या प्यार, बस दो ही चीज़ें हैं जिनकी तरफ हम हमेशा लौटते हैं, चाहे कुछ भी हो जाए। यहाँ सब कुछ घुटन भरा और बदसूरत है। अंधेरी सीढ़ियों पर, मुझे फिर से नीला पानी दिखाई देता है, कोह लार्न जाने वाली नाव, फ्रांस्वा का विशाल, चमकदार कमरा जो खाड़ी की ओर खुलता था। नट लेटी हुई अपने फोन पर संगीत सुन रही है; ऐसा लग रहा है जैसे पूरा ब्रह्मांड मुझ पर सिमट गया हो। मैं अपनी मर्ज़ी से अपनी कोठरी में लौट आई हूँ, भागने की हिम्मत नहीं हुई। यहाँ कुछ नहीं बदला; समय

हमारे जीवन से ऐसे फिसल जाता है जैसे बत्तख की पीठ से पानी। फिर भी वहाँ, वो छोटी छुट्टियाँ जीवन भर की लगती थीं। वह अपने हेडफोन भी नहीं उतारती और मुश्किल से ही हेलो कहती है, मुंह फुलाए रहती है, मेरी अनुपस्थिति से नाराज है।

सातवीं

मैं अपने काम पर लौट गई, लेकिन मेरा मन नहीं लग रहा था। प्रिचा मुझे छुपकर देख रहा था, उसकी आँखों में पिता जैसी नाराज़गी और थोड़ी सी मोहब्बत थी। मैं जानती थी कि वह क्या सोच रहा है। साई ने मुझे भी उस वायरस से संक्रमित कर दिया था... पुयिन खाई तोउआ... एक लड़की जो अपना जिस्म बेचती है... एक वेश्या... एक प्रॉस्टीट्यूट... थाई भाषा में गैरी। हम एक ऐसे देश का प्रतीक हैं जो खुद को बेचता है। एक पूरा साम्राज्य जो वेश्यावृत्ति में लिप्त है। अमेरिका मैक बेचता है, अरब तेल बेचते हैं, जर्मन लग्जरी सेडान बेचते हैं। थाईलैंड एक खुला वेश्यालय है जो पूरी दुनिया को सेक्स बेचता है... थाईलैंड नंबर वन... अच्छी गुणवत्ता और सस्ता दाम, महोदय... एक और नवीकरणीय संसाधन, कम से कम तब तक जब तक ये लंबी टांगों वाली, कैरेमल रंग की इसान लड़कियाँ पैदा होती रहेंगी, वो लड़कियाँ जिनके लिए दुनिया के आधे पुरुष हमसे ईर्ष्या करते हैं।

दोपहर के भोजन के समय, प्रिचा अपनी ट्रे मेरी ट्रे के सामने रख देती है।

— मैंने सुना है कि आपने साई को देखा था? उसका क्या हुआ?

वह पटाया में रहती है।

- क्या वह कार्य करती है?

— नहीं, उसका बॉयफ्रेंड, जो एक अमेरिकी है, उसे पैसे भेजता है, मैंने उत्तेजक लहजे में कहा।

उसके तनावग्रस्त चेहरे पर उदासी और क्रोध की एक परत छा गई। वह यही तो चाहता था, अपना गुस्सा निकालने। वह घबराया हुआ था, और उसने क्रोंग टिप सिगरेट जलाई, जबकि वह कभी सिगरेट नहीं पीता था। वही सिगरेट जो मेरी माँ इस्तेमाल करती थी, मज़दूर वर्ग का ब्रांड।

उसके दिमाग में कुछ नहीं है... बीस साल की उम्र में ही वह विदेशियों के साथ वेश्यावृत्ति कर रही है। मैंने उसकी उम्र में इस वजह से लड़ाई नहीं लड़ी थी।

— तुम? तुमने लड़ाई की?

“क्या इससे आपको आश्चर्य हुआ? मैं थम्मासैट विश्वविद्यालय का छात्र था,” उन्होंने शांत गर्व के साथ कहा। “लेकिन मुझे यकीन है कि थम्मासैट का आपके लिए कोई महत्व नहीं है?”

नहीं, क्यों? क्या ऐसा होना चाहिए?

— स्कूल में तो कुछ भी नहीं सिखाते। गधों के नेतृत्व में मूर्ख लोग। वैसे, मुझे इस पर कोई हैरानी नहीं है। उन्हें उस रात पर बिल्कुल भी गर्व नहीं है।

वह घबराकर अपनी सिगरेट प्लेट पर बुझा देता है। मैं उसे देखता हूँ, मुझे उस पर दया आती है।

— क्या यह बहुत पहले की बात है?

— 6 अक्टूबर 1976 को मैं बीस साल का था। मुझे आज भी रात में बूटों की आवाज़ और धमाकों की गूंज याद है। नरसंहार सुबह तक चलता रहा, लेकिन किसी ने इस बारे में बात नहीं की। हमने हालात बदलने के लिए संघर्ष किया, लेकिन ऊंचे पदों पर बैठे बहुत से लोगों को इससे परेशानी थी।

आपने अपनी पढ़ाई दोबारा क्यों नहीं शुरू की?

राजनीतिक आंदोलन के कारण विश्वविद्यालय से निष्कासित कर दिया गया। समाज से बहिष्कृत। जब मैं सोचता हूँ कि यह देश क्या बन गया है!

हमारा क्या हाल हो गया है?

उसकी आंखें चौड़ी हो गई थीं, वह बहुत परेशान लग रहा था; मैंने उसे पहले कभी इस तरह नहीं देखा था:

"ऊपर वेश्यालय वाली टी-शर्ट फैक्ट्री। हम यही बन गए हैं। यहां भी, जब महिला कामगारों का सप्ताह का काम खत्म हो जाता है, तो उन्हें सुखुमवित में जाकर अपना जिस्म बेचने के लिए मजबूर किया जाता है," उसने गुस्से से आग बबूला होकर कहा।

— वेतन बहुत ही दयनीय है...

— बस करो, टॉय, ये सब बकवास मत करो। किसी को भी वेश्या बनने की ज़रूरत नहीं है। तुम्हारी गर्लफ्रेंड नट को एक बच्चे का पालन-पोषण करना है, और मुझे पूरा यकीन है कि वो पैसों के लिए कभी किसी के साथ संबंध नहीं बनाएगी।

शर्म और गुस्से के मिले-जुले भावों से मेरा चेहरा लाल हो गया। मैं अचानक उठकर अपने वर्कस्टेशन पर वापस चली गई। उसे मुझसे ऐसे बात करने का क्या हक था जैसे कोई धोखा खाया हुआ प्रेमी या नाराज़ पिता हो? मेरा प्रेमी विदेश में रहता है, और अगर मुझे जब पिता की सबसे ज़्यादा ज़रूरत थी तब वो मेरे साथ नहीं था, तो ऐसा इसलिए तो नहीं कि कोई बेकार आदमी आकर मुझे उपदेश दे। आखिर प्रिचा में

उसकी ज़िंदगी कैसी है? उसके पास ऐसा क्या है जो बेहतर है? क्या वो जवानी के सुनहरे दिनों से दूर, ठेलागाड़ी चलाते हुए एक दयनीय जीवन जी रहा है? शायद वो उन विदेशियों से जलता है जो यहाँ की लड़कियों के साथ सोने आते हैं।

प्रिचा जानता है कि लड़कियाँ वेश्यावृत्ति कर रही हैं क्योंकि अब वे अपनी नौकरियों से ठीक-ठाक गुज़ारा नहीं कर सकतीं। वह उनसे नफ़रत करता है क्योंकि वे उसकी नाकामी का प्रतीक हैं, इस पागल देश में उसका सबसे बुरा सपना हैं जहाँ "हाई सो" वाले लोग वाइन कनेक्शन से मिलने वाली फ्रेंच शैम्पेन पीते हैं, गॉरमेट पैरागॉन से खरीदी स्कॉटिश सैल्मन मछली खाते हैं, बीएमडब्ल्यू 7 सीरीज़ चलाते हैं, प्राडा के कपड़े पहनते हैं और अपने बच्चों को अमेरिका के बेहतरीन विश्वविद्यालयों में भेजते हैं। एक ऐसा देश जहाँ मालिकों का लालच इतना ज़्यादा है कि कारखाने में दस घंटे काम करने के बाद, लड़कियों को किराया चुकाने के लिए भी देह व्यापार करना पड़ता है। और बेहतर होगा कि आप बीमार न पड़ें क्योंकि तब आपकी जान भी जा सकती है।

मैं खुद को कुर्बान करने से इनकार करती हूँ। प्रिचा का संघर्ष व्यर्थ गया। सबसे चतुर ही जीतते हैं। वह यह बात सबसे बेहतर जानता है। नहीं, विद्रोह कभी कहीं नहीं ले जाते; यह धरती ताकतवरों के चंगुल में फंसी है: थाकसिन, सोंधी। मैं साई के साथ बिताई छुट्टियों, उसकी पार्टी वाली जिंदगी, बेफिक्री भरे दिनों, फ्रांस्वा की त्वचा के बारे में सोचती हूँ। कुछ हफ्ते पहले तक मैंने कभी प्यार नहीं किया था, और मुझे अभी से उन सब की कमी खल रही है।

अगले दिन, मैं इंटरनेट कैफे गया। फ्रांस्वा ने मुझे एक ईमेल भेजा था जिसे मैंने कैफे में मौजूद लड़की से दो सौ बात में अनुवाद करवाया था।

प्रिय खिलौने,

मैं फ्रांस सुरक्षित वापस आ गया हूँ। आशा है कि कारखाने में आपका काम ठीक चल रहा होगा। मैं अपनी कंपनी में काम पर लौट आया हूँ। आपको याद होगा, मैंने आपको बताया था कि यह कुछ-कुछ AIS या DTAC जैसी कंपनी है; हम मोबाइल फोन सब्सक्रिप्शन बेचते हैं। यहाँ बहुत प्रतिस्पर्धा है, और काम हमेशा आसान नहीं होता। वे हम पर काम का बहुत दबाव डालते हैं, लेकिन मैं आपके बारे में सोचकर हिम्मत बनाए रखता हूँ।

मैंने अपने बच्चों को फिर से देखा, वे मेरे लाए हुए उपहारों से बहुत खुश थे। मेरा बेटा पटाया में हर जगह दिखने वाले मशहूर लकड़ी के खेल में खूब मजे कर रहा है।

और आप? मुझे अपनी दिनचर्या के बारे में बताइए। आपका जीवन कैसे व्यवस्थित है? क्या आपने साई से दोबारा मुलाकात की? क्या आप पटाया वापस जा रहे हैं? जहाँ तक मेरी बात है, मुझे मिशेल का ईमेल मिला है जो जिनेवा वापस आ गया है। वह स्विट्ज़रलैंड में अपने बैंक में काम कर रहा है। मैं उससे एक सप्ताहांत के लिए मिलना चाहता हूँ, लेकिन मुझे अभी पता नहीं है कि कब। पीटर हम सबसे ज़्यादा भाग्यशाली है; वह साल का आधा समय पटाया में बिताता है।

मैं अक्सर उन पलों के बारे में सोचती हूँ जो हमने साथ बिताए। तुम्हारे साथ बिताया यह सप्ताह मेरे जीवन का सबसे खूबसूरत सप्ताह रहा है। मैंने कभी ऐसी पूर्ण खुशी, ऐसा गहरा प्यार महसूस नहीं किया। मुझे भविष्य से डर लगता है, आने वाले हफ्तों से। मुझे कड़ी मेहनत करनी होगी, और कभी-कभी थाईलैंड की याद सताने पर मुझे लगता है कि मैं ऐसा नहीं कर पाऊँगी।

मुझसे वादा करो कि तुम किसी और पुरुष से नहीं मिलोगी। तुम जवान और खूबसूरत हो, मुझे पता है तुम बहुत सफल हो, तुम्हें मुझसे कम उम्र के और ज़्यादा आकर्षक पुरुष मिल सकते हैं, लेकिन जान लो कि तुम्हें मेरे प्यार से ज़्यादा सच्चा प्यार कभी नहीं मिलेगा। मैं तुम्हें और अच्छे से जानना चाहता हूँ, तुम्हारे परिवार से मिलना चाहता हूँ, तुम्हें अपने दोस्तों और माता-पिता से मिलवाना चाहता हूँ। मुझे यकीन है कि वे सब तुम्हें बहुत पसंद करेंगे। मुझे यकीन है कि तुम्हें फ्रांस बहुत पसंद आएगा। यह एक खूबसूरत देश है, भले ही मुझे यह थोड़ा उदास सा लगता है और तुम्हारे बिना मैं वहाँ ऊब जाता हूँ। एक खूबसूरत देश, जहाँ गाँव हैं, पत्थर के गिरजाघर हैं, कई समुद्र हैं और पहाड़ हैं जिनकी बर्फ कभी नहीं पिघलती। लेकिन यह मुमकिन नहीं है, अभी नहीं।

हर रात, मैं हमारे बारे में सपने देखता हूँ। मैं सपने में देखता हूँ कि हम प्रेम कर रहे हैं।

मैं तुम्हें एक चुंबन भेजती हूँ।

फ़्राँस्वा

अगले कुछ दिनों तक प्रिचा मुझसे सावधानी से बचता रहा। वह सिर झुकाए चलता, उसके चेहरे पर कठोरता छाई रहती, उसकी निगाहें मुझे बेचैन कर देतीं। उसकी उम्र में, क्या मैं अब भी कारखाने में काम करता? क्या मुझमें अब भी हर सुबह उठकर अपनी मशीन पर बैठने की हिम्मत होती? मैंने उसके पुराने चेहरे, उसकी दयालुता को खोजने की कोशिश की, लेकिन मुझे केवल रूखापन और दूरी ही मिली।

नट के साथ भी कुछ टूट गया था। हमारी हंसी, हमारे प्यार भरे पल कहाँ चले गए? एक शाम मैंने नट से कहा... मैं तुम्हें ट्रीट दे रही हूँ... हम सेवन इलेवन के बगल वाले छोटे से रेस्टोरेंट में गए। उसने एक बड़ा चांग ऑर्डर किया। एक-एक करके बर्फीले बुलबुले ऊपर उठने लगे। बोतल पर धुंध छा गई। मुझे वह जगह बदली हुई लगी। सब कुछ जर्जर और गंदा लग रहा था: हिलती हुई मेजें, प्लास्टिक के स्टूल, टिन के

चम्मच-कांटे जो दो उंगलियों के बीच मुड़ सकते थे। फिर भी मैं अच्छी तरह जानती थी कि कुछ भी नहीं बदला था, बस मेरी नज़रें ही कठोर हो गई थीं। नट दूर-दूर सी लग रही थी। वह भी जानती थी कि मेरे प्रयासों के बावजूद, हमारी दोस्ती कभी वापस नहीं आएगी। टूटे हुए चीनी मिट्टी के बर्तनों को गोंद से जोड़ा जा सकता है, लेकिन उनसे पहले जैसी आवाज़ कभी नहीं आएगी। वह बात करना चाहती थी लेकिन हिम्मत नहीं कर पा रही थी। जब मैंने अपनी प्लेट की तरफ देखा, तो मुझे पता था कि वह मुझे उसी नज़र से घूर रही है जिस नज़र से उसने साई को घूरा था। उसे लगा कि मैं बिगड़ गई हूँ और इसमें कुछ हद तक उसकी भी गलती है।

— यह मत सोचो कि तुम जिम्मेदार हो, नट... मैं बाध्य नहीं था... मृतकों के अलावा कोई भी कभी बाध्य नहीं होता।

*

* *

फ़्रांस्वा ने फ़ोन पर मुझसे पूछा... तुम कहाँ रह रही हो? मैंने कहा कि मैं बैंकॉक में अपने कमरे में हूँ, काम पर वापस आ गई हूँ... मैं काम करती हूँ, तुम्हें पता है मुझे अपने परिवार के लिए काम करना पड़ता है। उसने मेरे लहजे को लेकर हल्के से चिढ़ाया और आखिर में “i” को खींचकर “familyyyy!” दोहराया।

उसने मुझसे कहा... मैं तुमसे प्यार करता हूँ... मैं जल्द ही थाईलैंड वापस आ रहा हूँ... मुझे तुमसे मिलना है। मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या कहूँ। मैंने आगे कहा... मुझे भी तुम्हारी याद आ रही है... मुझे उसकी सारी बातें समझ नहीं आ रही हैं। वह बहुत तेज़ी से बोल रहा है। उसकी आवाज़ उदास है; मुझे उसकी याद आ रही है, हम साथ में कितने अच्छे थे। क्या इतना एक-दूसरे से प्यार करने के लिए काफी है? उससे पहले मैं कभी किसी लड़के के साथ नहीं रही। विली को छोड़कर, लेकिन उसे तो गिना ही नहीं जा सकता। तो मैं कैसे जानूँ कि मैं सच में उससे प्यार करती हूँ?

एक महीना बीत गया। एक सप्ताहांत, अब और इंतज़ार न कर पाने पर, मैंने पैरागॉन होटल के तहखाने में स्थित सियाम ओशन वर्ल्ड के विशाल एक्वेरियम में जाने का फैसला किया। तीन सौ बात खर्च करने के बाद, मैं एक कांच की सुरंग से गुज़रा, जहाँ चारों ओर विशालकाय शार्क थीं। मैं वहाँ पूरी दोपहर रहा, बस इस बात से खुश था कि मेरी नाक कांच से सटी हुई थी, जिसके पीछे हर रंग की मछलियाँ और अजीबोगरीब आकृतियों वाले क्रस्टेशियन तैर रहे थे। आगे चलकर, जेलीफिश थीं जिनके जेली जैसे पाल पानी की सतह और बीच में भारहीनता से लहरा रहे थे। मैंने समाचार पढ़कर जाना कि ये रेशेदार,

पारदर्शी जीव डायनासोर के समय से जीवित रहे। सबसे नाज़ुक हमेशा वो नहीं होता जिसे आप सोचते हैं। मॉल में बाहर निकलते ही, मैंने क्रिसमस और आने वाले नए साल के जश्न की सजावट देखी। सेल्सवुमन सांता क्लॉज़ के रूप में सजी थीं, जबकि बूढ़े लोग उनकी छोटी लाल स्कर्ट को घूर रहे थे। शाम को जब मैं बस से पथुम लौटा, तो मेरा दिल हल्का महसूस हुआ, मानो मैं किसी दूसरी शांत और निर्मल दुनिया में चला गया हो, जहाँ समय धीमी गति से बहता है।

कारखाने में, मैं एक मशीनी जीवन जी रही हूँ, जो अंतहीन रूप से दोहराया जाता है, एक नीरस और खोखली मजदूर-वर्गीय जिंदगी, जिसमें आशा या उम्मीद का कोई नामोनिशान नहीं है। हर दिन, मैं एक ही समय पर उठती हूँ, उसी बस में बैठती हूँ, उसी कार्यशाला में जाती हूँ और उसी मशीन के पीछे बैठकर वही काम करती हूँ। नट की दोस्ती के बावजूद, मैं पूरी तरह से अकेली महसूस करती हूँ, कारखाने की अन्य महिलाओं के बीच अकेली, रात को अपने बिस्तर पर अकेली जब थकान के बावजूद मुझे नींद नहीं आती। मैं फ़्रांस्वा के होठों का सपना देखती हूँ, समुद्र किनारे बिताए उस सुनहरे सप्ताह का। वहाँ, मैंने सोचा, "बस यही है। जीवन शुरू होता है। आखिरकार! एक हल्का, अधिक जीवंत जीवन।" लेकिन यह एक भ्रम था; कुछ भी शुरू नहीं हुआ क्योंकि सब कुछ पहले ही खत्म हो चुका है। शायद मुझे अब तैरना भी नहीं आता। क्या यह ऐसी चीज है जिसे कोई भूल सकता है? नट कहती है नहीं, लेकिन नट तैर नहीं सकती।

साई मुझे कभी फोन नहीं करती। मुझे इस बात का बुरा लगता है। उसे पता है कि मेरे पास 1-2-कॉल अकाउंट में पैसे डालने के लिए पर्याप्त पैसे नहीं हैं। 31 दिसंबर, 2006 की शाम को, नट और मैं रंगसिट शॉपिंग सेंटर में डिनर करने गए। गलियारे युवाओं से भरे हुए थे, जो ज़रूरत से ज़्यादा शराब पी रहे थे, लड़कियाँ मैगज़ीन में छपने वाली मॉडल्स की तरह सजी-धजी थीं। एक पूरी पीढ़ी उम्मीद कर रही थी कि 2007, 2006 से थोड़ा बेहतर होगा। नट बच्चों के कपड़ों के डिस्प्ले को लालसा भरी निगाहों से देख रही थी। वह अपना दिन ऐसे कपड़े सिलने में बिताती है जिन्हें वह कभी खरीद नहीं पाएगी। यह एक अजीब दुनिया है। उसके लिए, बुरिराम बाज़ार ही सब कुछ है या कुछ नहीं।

मैं 2006 को बिना किसी उदासी के अलविदा कह रही हूँ, क्योंकि यह साल मेरे वयस्क होने की यादों में हमेशा के लिए बसा रहेगा। करीब ग्यारह बजे, फ़्रांस्वा ने मुझे नए साल की शुभकामनाएँ देने के लिए फ़ोन किया। उसने बताया कि पेरिस में शाम के पाँच बज रहे हैं, अँधेरा और ठंड है। उसने सेंट-लुई द्वीप पर स्थित एक रेस्तरां में दोस्तों के साथ रात का खाना खाने का प्लान बनाया है। मैंने उससे कहा कि मुझे नहीं पता था कि पेरिस समुद्र तट पर बसा है। यह सुनकर वह खूब हँसा। उसने फिर से कहा कि वह मुझे याद कर रहा है और अगले नए साल का जश्न मेरे साथ मनाना चाहता है। नट घर जाना चाहती है: उसे पेट दर्द के कारण बहुत थकान हो रही है। आधी रात को, मैं एक बूढ़ी औरत की तरह बिस्तर पर लेट चुकी थी, तभी मुझे साई का एक संदेश मिला।

कैसी हो, टॉय?

आपको 2007 की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। मैं लूसिफर में Wii और दो विदेशी दोस्तों के साथ पार्टी कर रहा हूँ, मुझे आपकी बहुत याद आ रही है।

आप पटाया में मुझसे मिलने कब आ रहे हैं?

चुंबन।

साई

अगली सुबह हमें पता चला कि बैंकॉक के कई व्यस्त इलाकों में बम धमाके हुए हैं: विजय स्मारक, क्लोन्ग तोई, सपहान खवाई। इनमें कई लोगों की मौत हुई और कई घायल हुए। थाई नागरिक और पर्यटक, सभी प्रभावित हुए। सैन्य सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री पर आरोप लगाते हुए हंगामा मचा दिया, जबकि थाकसिन की पार्टी ने किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया और दावा किया कि इसके विपरीत, सैन्य सरकार खुद उन्हें बदनाम करने की कोशिश कर रही थी। अन्य समाचार पत्रों के अनुसार, सेना के भीतर आंतरिक कलह इन हमलों के पीछे का कारण थी। कुछ अन्य सूत्रों ने, अविश्वसनीय रूप से, सुदूर दक्षिण के मुस्लिम प्रांतों में गुरिल्ला युद्ध की बात कही। पुलिस की जांच में अनुभवहीनता ने साजिश के सिद्धांत को और बल दिया। खैर, यह प्रिचा की राय थी, जो किसी भी पक्ष का समर्थन न करते हुए भी, गृहयुद्ध की बात करते हुए अपनी आंखों में युद्ध जैसी खुशी की चमक लिए हुए था।

सच तो यह है कि उस पल के बाद से, वर्कशॉप की लड़कियाँ बैंकॉक के डाउनटाउन में हमेशा पेट में डर की एक गांठ लिए ही बाहर निकलती थीं। फिर भी, सप्ताहांत में, मैं अपने इस गड्ढे से बाहर निकलने के लिए तरसती थी, उस कब्र से भागने के लिए जहाँ मुझे ज़िंदा दफ़नाया जा रहा था, लेकिन बमों के अलावा, नट घर में ही सिमट गई थी, हर एक बात को ऐसे बचाती थी जैसे उसकी ज़िंदगी उसी पर निर्भर हो, और कारखाने में मेरा कोई दोस्त नहीं था। मैं थकान से खुद को सुन्न करने के लिए बहुत काम करती थी, हमेशा ओवरटाइम के लिए स्वेच्छा से तैयार रहती थी। मैं जल्दी सो जाती थी और अब मुझे सपने भी नहीं आते थे।

फ़्रांस्वा अब कम ही फ़ोन करता है, काम की चिंताओं और वहाँ की आर्थिक स्थिति के कारण परेशान है। उसकी मोबाइल फ़ोन कंपनी को कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है और वह कर्मचारियों की छंटनी करने पर विचार कर रही है। वह बहुत चिंतित लगता है और अब थाईलैंड लौटने की बात नहीं

करता, कम से कम निकट भविष्य में तो बिल्कुल नहीं। वह सिर्फ़ अपने बारे में बात करता है, मेरी ज़िंदगी में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाता, ऐसी मुश्किलों से जूझ रहा है जो उसे योजना बनाने, दूसरों के बारे में सोचने, मेरे बारे में सोचने से रोकती हैं। हमारी बातचीत बेमानी हो जाती है और मुझे पहले से भी ज़्यादा उदास कर देती है, वह इतना चिंतित और चिड़चिड़ा हो गया है, उस खुशमिजाज़ इंसान से कितना अलग हो गया है जिसे मैं कभी जानती थी। मैं उसे दोष नहीं देती; मुझे पता है कि यह उसका स्वभाव नहीं है, यह उसके जैसा नहीं है। यह ज़िंदगी है जो हमें अलग कर रही है।

बरसात की शामों में, मैं टीन की छत पर बारिश की बूंदों की आवाज़ सुनती हूँ, मानो कुचले हुए मस्कटेल अंगूरों की आवाज़ हो। एक भयानक उदासी ने मुझे जकड़ लिया है। धीरे-धीरे, मैं खुद को सबसे अलग कर लेती हूँ, निराशा में डूबती जाती हूँ, खामोशी और खालीपन के एहसास में, जैसे कोई छोटी बच्ची किसी अंधेरे, पक्षीविहीन जंगल में खो गई हो। मेरे बचपन की खुशियाँ एक भूली हुई भाषा की तरह लगती हैं, एक ऐसी भाषा जिसे मैंने कभी जाना ही नहीं। कभी-कभी, मैं रोती हूँ। मेरी पलकें आँसुओं से भर जाती हैं जिनका स्वाद पटाया के समुद्र के खारे पानी जैसा होता है। मैं जीवन के सामने बेबस महसूस करती हूँ, उम्मीदों पर खरा उतरने में असमर्थ। भविष्य मुझे डराता है, लोग मुझे भयभीत करते हैं, बैंकॉक मुझे अपने असली रूप में दिखाई देता है: एक शिकारी जो लाखों लोगों के भाग्य पर अपने पंजे फैलाता है। मैं भाग जाना चाहती हूँ, गाँव वापस जाना चाहती हूँ, सब कुछ रोक देना चाहती हूँ, संघर्ष करना बंद करना चाहती हूँ, प्रयास करना बंद करना चाहती हूँ, बस शांति से साँस लेना चाहती हूँ, शांति से जीना चाहती हूँ।

कारखाने में, उत्पादकता लक्ष्यों के जुनून में चूर सोमचाई मुझसे खुश है। उसे यह एहसास नहीं है कि मेरी अथक परिश्रमशीलता ही सोचने-विचारने से बचने का एकमात्र तरीका है। फोरमैन बनने के लिए वही गुण चाहिए जो किसी पागल, जुनूनी व्यक्ति में होते हैं, वही नैतिकता और मानवता का अभाव जो शातिर अपराधियों में होता है। और हमें भी इस दुनिया को सहने के लिए, अपनी मृत्युलेख प्रकाशित होने से पहले ही जिंदा दफन होने को स्वीकार करने के लिए संस्थागत कर दिया जाना चाहिए।

*

* *

एक और दिन बर्बाद हो गया, बाकी दिनों की तरह एक और खाली दिन। पटाया की उन चहल-पहल भरी गलियों, उस बेफिक्र और बिंदास माहौल की याद मुझे हर दिन थोड़ी-थोड़ी बढ़ती जा रही है। इंटरनेट कैफे में मैसेज चेक करने में मुझे झिझक होती है क्योंकि हर बार ट्रांसलेशन के लिए मुझे दो सौ बात देने पड़ते हैं। कभी-कभी तो और भी ज्यादा, अगर मैं उस लड़की से अपने जवाब का अनुवाद करवाऊं। मैं

फ्रांस्वा से इस बारे में बात करने की हिम्मत नहीं करती। मैं नहीं चाहती कि वो सोचे कि मैं भी बाकी लड़कियों जैसी हूं। मुझे पता है कि वो मुझे अलग नजरिए से देखता है क्योंकि मैंने कभी बार में काम नहीं किया। वो अक्सर फोन पर कहता है, "कम से कम तुम अच्छी लड़की तो हो।" मुझे लगता है कि अच्छी लड़की पैसे नहीं मांगती, वो गरीबी को स्वीकार करती है।

कल मुझे वेतन मिला और मैंने अपना इनबॉक्स चेक किया, जिसमें फ़्रांस्वा के तीन संदेश थे। मुझे लगा कि इसमें बहुत खर्च आएगा, इसलिए मैंने सिर्फ़ आखिरी संदेश का अनुवाद करवाया।

प्रिय खिलौने,

मैंने आपको तीसरी बार पत्र लिखा है, लेकिन आप कभी जवाब नहीं देते। मैं दिन में आपको कम ही कॉल करता हूँ क्योंकि मेरी कंपनी ने अंतरराष्ट्रीय कॉल ब्लॉक कर दी हैं। एक टेलीकॉम कंपनी, यकीन मानिए!

यह जगह पागलखाने जैसी हो गई है, एक ऐसा देश जहाँ मूल्य उलट-पुलट हो गए हैं, जहाँ हर चीज़ उल्टी दिशा में जा रही है, यहाँ तक कि ऐसा लगता भी है। मैं अपने ही देश में अजनबी जैसा महसूस करती हूँ। मुझे अक्सर फ्रांस छोड़ने का मन करता है; क्या अपने ही देश को छोड़ने की इच्छा होना स्वाभाविक है? मेरी सबसे अच्छी दोस्त कहती है कि मुझे इसे बदलने की कोशिश करनी चाहिए, लेकिन अब मुझे उसकी बात पर विश्वास नहीं रहा।

ठीक है, मैं अब और बकवास नहीं करता। मुझे पता है कि आपके लिए तो यह और भी बुरा है।

मुझे बताना कि तुम कैसी हो। मुझे तुम्हारी बहुत याद आती है।

फ़्रांस्वा XXX

अगले दिन मेरी चाची ने रोते हुए मुझे फोन किया:

— टॉय, क्या तुम मुझे बाद में कॉल कर सकती हो? मेरे फोन में बैलेंस खत्म हो गया है।

मुझे आभास हुआ कि कुछ गंभीर हो रहा है। मैंने तुरंत उसे वापस फोन किया। वह बेहद दुखी लग रही थी।

— ये विदुरा है...

— विदुरा? उसने क्या किया?

पड़ोसी के बेटे, उस बदमाश पिरुन के साथ, उन्होंने बूढ़े सोमसात की मोटरसाइकिल उधार ली।

- तो क्या हुआ?

उन्हें दो हफ्ते के बछड़े से टकराने के अलावा और कोई काम सूझा ही नहीं। मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त हो गई और घायल जानवर को मारना पड़ा। कुल मिलाकर आठ हजार बात का खर्चा आया है, और वो भी सिर्फ इसलिए क्योंकि बुरिराम के एक कसाई ने दयालुता दिखाते हुए मांस खरीद लिया। अगर हम नुकसान की भरपाई कर दें तो पड़ोसी कोई शिकायत दर्ज नहीं कराएगा। हमारे लिए इसका मतलब है चार हजार बात देना।

— चार हज़ार!

— हाँ, आपको पता है कि मेरे पास वो नहीं हैं। और मैं समझ सकती हूँ कि आपके लिए भी ये आसान नहीं है। मुझे अब समझ नहीं आ रहा कि आपके भाई के बारे में क्या करूँ। मुझे बस इतना पता है कि अगर पुलिस इसमें दखल देगी तो अंत में हमें और ज़्यादा खर्च करना पड़ेगा, और वो इसके लायक नहीं है।

मुझे नहीं लगता कि वह इसके लायक नहीं है। लेकिन चिंता मत करो। मुझे अभी-अभी वेतन मिला है, मैं तुम्हें पैसे भेज दूंगा।

मेरे पास महीने का खर्च चलाने के लिए 1,500 बात बचेंगे, जिसमें मेरा हिस्सा किराया भी शामिल है। मुझे नहीं पता मैं कैसे गुजारा करूँगी। फ्रांस्वा का पैसा तो बहुत पहले ही खत्म हो गया। मैं उससे फोन पर इस बारे में बात करने की हिम्मत नहीं कर पा रही; मुझे पता है वो उन लड़कियों के बारे में क्या सोचता है जो हमेशा पैसे मांगती रहती हैं। मैं पूरी रात सो नहीं पाई, और अगली शाम मैंने बेड को फोन किया। वो मुझसे बात करके खुश लग रही थी।

— टॉय, यह जानकर मुझे बहुत खुशी हुई। तुम कैसी हो? साईं से कोई खबर मिली क्या?
नहीं, ऐसा नहीं है, आप उसे जानते ही हैं...
अगर आपको थोड़ा अकेलापन महसूस हो रहा है तो शनिवार रात मुझसे मिलने आ जाना।

मैं करीब सात बजे पहुँचती हूँ। अभी सुबह का समय है। सुखुमवित रोड पर मैं टहलती हूँ, खुश और बेफिक्र महसूस करती हूँ। गुमनामी का एक मीठा और रोमांचक एहसास मुझे घेर लेता है। कभी-कभी पुरुषों की निगाहें मुझे ढूंढती हैं, फिर भी कोई नहीं जानता कि मैं कौन हूँ। मैं एक सेक्रेटरी, एक छात्रा या यहाँ गुजारा करने वाली दिहाड़ी मजदूर हो सकती हूँ। मैं सड़कों पर काम कर रही लड़कियों के साथ खड़ी हो सकती हूँ, और किसी को पता भी नहीं चलेगा। मैं नाना प्लाजा के बड़े से आंगन में प्रवेश करती हूँ। शाम अभी शुरू ही हो रही है। बार में लड़कियाँ सज-धज रही हैं, अपने मेकअप और आइब्रो को लेकर सज-धज रही हैं, जबकि पुरुष बीयर की बोतलों के डिब्बे गिन रहे हैं।

एंजल विच के मखमली पर्दे को खींचा गया है। मैं अंदर झाँकता हूँ। जलती हुई बत्तियों के नीचे, एक सख्त दिखने वाली महिला बड़े-बड़े पाइपों से फर्श धो रही है। बासी बीयर और ठंडे तंबाकू की चिपचिपी गंध सस्ते डिटर्जेंट की महक के साथ मिल रही है।

बेड उस महिला से बात कर रहा था, जिसने मुझे इशारा किया कि उसे ज़्यादा देर नहीं लगेगी। महिला की आवाज़ रूखी और ठंडी थी। बेड ने एक कागज़ पर हस्ताक्षर किए, तभी महिला ने उसे कुछ नोट दिए और फिर बड़े ही रूखेपन से उससे मुंह मोड़ लिया। बेड मेरे पास आया और मुझे चूमा।

मैंने अपना बकाया मांगा।

— क्यों? क्या आप अपनी नौकरी छोड़ रहे हैं?

मैं तंग आ चुका था।

— तंग आ गए? किस बात से तंग आ गए?

> सब कुछ! सुबह दो बजे तक नाचना, वो मामासन जो हर रात हमारे माथे पर वही गंदा हज़ार बात का नोट रगड़ती है, देर होते ही लगने वाले जुर्माने, और जमा देने वाली ठंडी एयर कंडीशनिंग। अब से मैं एक फ्रीलांसर हूँ।
>
> — फ्रीलांस?
>
> इसका मतलब तीन बातें हैं। नियम नंबर 3: मैं ग्राहकों के साथ वही करता हूँ जो मैं चाहता हूँ। नियम नंबर 2: मैं जिसके साथ चाहूँ बाहर जाता हूँ। और सबसे बढ़कर, नियम नंबर 1: मैं जब चाहूँ घर पर रहता हूँ।
>
> - आप कब शुरु कर रहे हैं?
>
> — नियम नंबर एक: आज रात से पहले नहीं, वह हंसते हुए जवाब देती है।

वह अपना हाथ मेरे हाथ के नीचे रखती है और मुझे सीढ़ियों से नीचे ले जाती है।

> क्या आप सोई 7 पर स्थित बियरगार्डन को जानते हैं? शुक्रवार की रात को यह विदेशियों के लिए स्वर्ग समान होता है।

शाम ढलते ही नाना ज़िला तूफ़ान के बाद धान के खेतों की तरह भर उठता है: सड़क किनारे विक्रेता, मोटरसाइकिल टैक्सी वाले, वेश्याएँ, भिखारी, दुबले-पतले दुबले-पतले लोग, मोटे पर्यटक, सफ़ेद वस्त्र पहने अरब लोग। लोगों की एक लहर ज़िले से गुज़रती है और सुखुमवित की ओर फैल जाती है।

हम सड़क पार करते हैं। फुटपाथ पर विक्रेताओं की भीड़ ने अपनी दुकानें लगा रखी हैं: टी-शर्ट, अश्लील डीवीडी, नकली जातीय उत्पाद और आम सामान। दुकानों के बीच अरब और पश्चिमी देशों के लोगों की

भीड़ जमा है, जो किसी और तरह के फालतू सामान की तलाश में हैं। दो सौ मीटर आगे जाकर, हम रेस्तरां से सजी एक गली में बाईं ओर मुड़ते हैं और फिर एक खुले गोदाम जैसी जगह में प्रवेश करते हैं जो लोगों से भरी हुई है: विदेशी फुटबॉल मैच देख रहे हैं, स्टूल पर बैठी थाई महिलाएं शांत यूरोपीय लोगों को मोहक निगाहों से देख रही हैं। एक लड़की मेज पर अकेली बैठी अपने मोबाइल फोन से खेल रही है; वह हमें हाथ हिलाकर अभिवादन करती है।

"यह सोम है, मेरा दोस्त," बेड ने मुझसे कहा। "आओ, मैं तुम्हारा परिचय करवा देता हूँ।"

सोम पेचाबुन की रहने वाली है। उसकी उम्र बीस के आसपास है, कद छोटा है और वह थोड़ी गोल-मटोल है। वह छह महीने पहले बैंकॉक आई थी। मुझे उसकी लंबी, नम आँखें, जिन पर आईलाइनर का हल्का सा स्पर्श है, और उसके छोटे होंठ, जो कामुकता से सजे हैं, बहुत सुंदर लगते हैं। वह एक शर्मीली लड़की है जो अपने लंबे बालों के पीछे छिपी हुई सी लगती है, क्योंकि उसके बाल उसके आधे चेहरे को छुपा लेते हैं। बेड ने उसे अपने संरक्षण में ले लिया है और उसे अपनी पसंदीदा जगहों पर घुमाने ले जाता है।

"मेरी कमजोरी यह है कि मैं बिल्कुल भी अंग्रेजी नहीं बोल पाता," सोम ने थोड़ी शर्मिंदगी के साथ स्वीकार किया।

वेटर हमें नज़रअंदाज़ कर देते हैं। हमारे आस-पास, वेश्यावृत्ति करने वाली ज़्यादातर लड़कियाँ कुछ नहीं खरीदतीं; लड़कों को पता है कि ये कभी-कभार आने वाली वेश्याएँ ही ग्राहकों को आकर्षित करती हैं। मालिक उन्हें पैसे नहीं देता, लेकिन बदले में, वह उन्हें कुछ भी खरीदने के लिए मजबूर नहीं करता। सोम शिकायत करता है:

मैं दो घंटे से इंतजार कर रहा हूं, उन्हें सिर्फ मैच में ही दिलचस्पी है।

सैमसंग की बड़ी स्क्रीन पर मैनचेस्टर यूनाइटेड और एस्टन विला का मैच चल रहा है। सभी विदेशी मंत्रमुग्ध होकर देख रहे हैं कि गीले मैदान पर बाईस खिलाड़ी कैसे खेल रहे हैं। बेड ने सोम का हाथ पकड़ा और खड़ा हो गया।

— मैं इन निकम्मों से तंग आ चुका हूँ जो बियरगार्डन में फुटबॉल देखने आते हैं। इन्हें हमारे मैदान की कोई परवाह नहीं। चलो, क्लब चलते हैं।

हम स्वयं को बदलकर स्वयं 11 से जुड़ते हैं। एम्बेसडर होटल के पार्किंग स्थल में एक शक्तिशाली धुन गूंजती है। मैं बेड के सामने अपना आश्चर्य व्यक्त करता हूँ।

मुझे तहखाने में एक बॉक्स का प्रवेश द्वार स्थापित करना अजीब लगता है।

मुझे लगता है कि होटल ने मूल पार्किंग स्थल के एक हिस्से को नाइट क्लब में बदल दिया है।

इस भूमिगत ठिकाने में न तो इंग्लिश प्रीमियर लीग है, न ही डीजे की धुन पर झूमती भीड़। मुझे कुछ लड़कियाँ याद आ गईं जिन्हें मैंने पहले बियरगार्डन में देखा था, जो फुटबॉल प्रशंसकों से अलग होकर यहाँ आई थीं। विदेशियों के समूह बोतलों के चारों ओर ऐसे जमा थे जैसे मक्खियाँ जैम के जार के चारों ओर।

हम कसी हुई छातियों, छोटे शॉर्ट्स और जांघों तक ऊंचे चमड़े के बूटों के सागर में तैर रहे हैं। स्पाइसी के मेज़ों के आसपास थाई त्वचा के हर रंग का नज़ारा देखने को मिलता है: लन्ना साम्राज्य के हाथीदांत जैसे चेहरों से लेकर सूरिन की खमेर राजकुमारियों के तांबे जैसे गालों तक। धड़कन के करीब की लयबद्ध धड़कन एक तरह का सामूहिक सम्मोहन पैदा करती प्रतीत होती है। स्पाइसी नीरस बियरगार्डन की तुलना में रोमांस के लिए अधिक अनुकूल प्रतीत होता है। वेटर भीड़ के बीच से रास्ता बनाते हुए मेज़ों पर बोतलें रखते हैं, लड़कियां विदेशियों के पास जाती हैं, शरीर एक-दूसरे के करीब आते हैं। जल्दबाजी में, बेड पास की मेज़ पर एब्सोल्यूट वोदका की बोतल शुरू कर चुके तीन मौज-मस्ती करने वालों को मिलाता है।

- आप कहां से आए हैं ?

— इंग्लैंड और आप?

— क्या आप थाईलैंड को नहीं देख सकते?

मैं मज़ाक कर रहा हूँ। थाई लड़कियाँ सबसे खूबसूरत होती हैं।

वह अंगूठा ऊपर करके दोहराता है... थाई लड़कियां नंबर एक हैं।

धन्यवाद। आपका नाम क्या है?

— गैविन और मेरे दोस्त जोनाथन और क्रिस।

— मेरे दोस्त का नाम टॉय एट सोम है।

हम अच्छी सहेलियों की तरह भोली मुस्कान लिए मुस्कुराते हैं। हमारी बात करने का तरीका भी उतना ही सधा हुआ है जितना उनका। अंग्रेज लड़के वेट्रेस से और ड्रिंक्स मांगते हैं। युवती उन्हें वोदका रेड बुल से भर देती है। बिस्तर मेरे कान में फुसफुसाता है:

मुझे लगता है मैंने हमारी शाम बचा ली।

बहुत जल्दी ही वह गैविन के करीब आ जाती है और उसका शरीर ब्लैक आइड पीज़ के गाने की धुन पर थिरकने लगता है।

हम धीरे-धीरे आगे बढ़ने की कोशिश करते हैं, लेकिन फिर भी हम अपना नियंत्रण खो रहे हैं। और हम इसे सफल बनाने की कोशिश करते हैं, लेकिन फिर भी यह सबसे बुरा नहीं है। और मैं पागल हो रही हूँ, तुम्हारी लेडी बनने की कोशिश में। मुझे लगता है मैं पागल हो रही हूँ।

गेविन उसकी नकल करने की कोशिश करता है, लेकिन बस कुछ बेढंगी और हास्यास्पद हरकतें ही कर पाता है। क्रिस मेरे पास आकर उन्हें नाचते हुए देखता है। वह मुझे इशारे करता है, गेविन की हरकतों का मज़ाक उड़ाता है। इसी बीच, जोनाथन बड़े-बड़े इशारों से बेचारे सोम से बिना बोले बात करने का तरीका ढूंढने की कोशिश करता है, जो बातचीत न समझ पाने के लिए माफी मांगते हुए मुस्कुराता रहता है।

चुप रहो, बस चुप रहो। चुप रहो। बस चुप रहो।

कमीशन पर काम करने वाले वेटर लगातार हमारे ड्रिंक्स का लेवल बढ़ाते रहते हैं ताकि हम और ड्रिंक्स मांगें, और जब कोई कैन खाली हो जाता है तो उसे भरने के लिए अपनी तर्जनी उंगली गर्व से ऊपर उठाते हैं। क्रिस को ज़रा भी अंदाज़ा नहीं है कि मुझे उसकी आधी बातें भी समझ नहीं आतीं, जिनसे उसका मूड इतना अच्छा हो जाता है। तीस साल का, लाल बालों वाला, झाइयों वाला, वह अमेरिकी फिल्मों के उन बैड बॉयज़ जैसा दिखता है। मुझे बस इतना समझ आया कि वह बर्मिंघम में किसी इंश्योरेंस कंपनी में काम करता है और अपने दोस्तों के साथ एक महीने की छुट्टी मनाने आया है।

मैंने ज़रूरत से ज़्यादा पी लिया था, मैं जल्दी से वॉशरूम की ओर भागी जहाँ मैंने एक महिला को देखा जिसे मैंने बियरगार्डन में देखा था, जिसे मैंने इसलिए नोटिस किया था क्योंकि वह लगभग मेरी चाची की उम्र की थी। शीशे के सामने, होंठों के बीच एक हेयर क्लिप लगाए, वह अपने सफ़ेद बालों को जूड़े में बाँधती है, अपनी सूजी हुई पलकों पर गीली उंगली फेरती है, फिर सार्वजनिक शौचालयों की उस अजीब सी गंध के बीच ध्यान से अपना मेकअप दोबारा लगाती है: पेशाब, कीटाणुनाशक और ब्लीच का मिश्रण। उसके पास अब कौन से भ्रम बचे हैं? क्या उसके पास अभी भी ग्राहक हैं? शायद ऐसे लोग भी हों जिन्हें बड़ी उम्र की महिलाएं पसंद हों? फिर वह अपनी स्कर्ट नीचे खींचती है और क्लब के शोरगुल में वापस चली जाती है।

ध्वनि की उमस में बहते हुए, मैं उसके पीछे-पीछे चलता हूँ, नाइटक्लब पार करता हूँ। स्ट्रोब लाइट से शरीर विच्छेदित से प्रतीत होते हैं, जैसे बैटरी खत्म होने पर यांत्रिक खिलौने ऐंठन से फड़फड़ाते हैं।

कपड़ों के नीचे, लहराती हुई लड़कियों के आकर्षक जिस्म की झलक मिलती है, उनके कांपते हुए नितंब, उनकी पतली, कटी हुई कमर, पसीने से तर, साउंड सिस्टम की धुन पर थिरकती हुई।

जैसे-जैसे रात बढ़ती गई, नर्तकों की हरकतें भारी होती गईं, मानो संगीत के नशे में चूर हों। भीड़ में मुझे अपनी मेज ढूंढने में थोड़ा समय लगा। इसी बीच, वोदका की दूसरी बोतल हमारी मेज पर आ गिरी, साथ ही रेड बुल के भारी, चमकदार डिब्बे भी, मानो बिल्कुल नए खोल हों। वेटरों की संतुष्टि के अनुसार गिलास फिर से भर दिए गए, लोगों का गुस्सा भड़क उठा और रोमांटिक मुलाकातें आकार लेने लगीं। क्रिस ने मेरी कमर में हाथ डाल दिया। गैविन और बेड पहले से ही जोश से एक-दूसरे को चूम रहे थे। सोम और जोनाथन शरमाते हुए पीछे हट गए। अपने बालों के पीछे से, मैंने सोम की क्षमा भरी निगाहें देखीं, जब वह अपने साथी से संवाद करने की बेताब कोशिश कर रहा था। खैर, मुझे आभास हो गया कि उसकी शाम कम शब्दों और अधिक इशारों के साथ समाप्त होगी।

क्रिस ने अपना दाहिना हाथ मेरी पिछली जेब में डाल दिया था। मुझे अपने पेट में नमी महसूस हो रही थी। शराब का नशा मेरे दिमाग पर हावी हो रहा था। तेज़ संगीत ने अवास्तविकता की भावना को और बढ़ा दिया था। बेड और गैविन स्ट्रोब लाइट की बिजली की चमक से एक-दूसरे से चिपके हुए थे। मैंने ज़रूरत से ज़्यादा पी लिया था और ठीक से खाया नहीं था, मेरा सिर घूम रहा था, और मुझे क्रिस का शरीर अपने शरीर से सटा हुआ महसूस हो रहा था।

— टॉय, क्या तुम घर नहीं जाना चाहती? मैं रॉयल बेंजा में रहती हूँ।

वह मुझे पहले ही सड़क पर ले जा रहा है जहाँ कुछ राहगीर अभी भी रुके हुए हैं। मुझे उसके पैसों की ज़रूरत है। इससे बुरा भी हो सकता था। मैं रिसेप्शन पर अपना आईडी कार्ड छोड़ देती हूँ। कमरा बड़ा है, कालीन मोटा है लेकिन दागदार है। मैं बिस्तर पर लेटकर सोना चाहती हूँ। लेकिन क्रिस मेरे ऊपर है, उसकी जीभ मेरे मुँह को टटोल रही है। मैं अपनी आँखें बंद कर लेती हूँ। शराब का नशा मेरे सिर में चुभ रहा है। तेज़ आवाज़ से मेरे कान बज रहे हैं। उसके पसीने से तर हाथ मुझे निर्वस्त्र कर देते हैं, मेरी सूती अंडरवियर उतर जाती है, फिर वह मेरी जांघें फैला देता है। उसका धक्के न तो सुखद हैं और न ही अप्रिय, बस ज़ोरदार हैं। एक तरह की चिकित्सीय जाँच। दो अजनबी शरीर एक-दूसरे में प्रवेश कर रहे हैं। मैं अपनी आँखें बंद कर लेती हूँ; वह मेरे अंदर है। और मैं कहीं और हूँ, इस भारी-भरकम शरीर से बहुत दूर, जिसमें पसीने की तेज़ गंध आ रही है। मैं अपनी बाहों को उसके चारों ओर लपेट लेती हूँ, अपने नाखूनों को उसके नितंबों के मांस में गड़ा देती हूँ। वह इसे महसूस करता है, और तेज़ हो जाता है। मुझे पता है कि वह जल्दी ही स्खलित होने वाला है, कि वह इसे जल्द से जल्द खत्म करना चाहता है। एक बार जब उसका शरीर शांत हो जाएगा, तो मैं बाथरूम में जाकर नहा लूँगी। आखिरकार, ये बस एक बुरा पल है जिसे किसी तरह गुजारना है, कोई गवाह नहीं है। हम दूसरों की ताक-झांक और आलोचना से दूर

रहकर काम निपटा लेते हैं। मुझे लगभग हैरानी होती है कि मैंने पिछली बार इतना हंगामा क्यों किया था। आसान पैसा।

अगले दिन, मैं भयानक माइग्रेन, सूखे मुँह और लाल आँखों के साथ उठी। क्रिस मेरे बगल में भालू की तरह खर्राटे ले रहा था। मैंने फ्रिज से पानी की बोतल खाली कर दी। फिर, मैंने बीस मिनट तक गर्म पानी से नहाकर अपने कपड़े ठीक करने की कोशिश की। जैसे ही मैं सिगरेट और पसीने की बदबू वाले अपने गंदे कपड़े पहन रही थी, क्रिस ने एक आँख खोली, नींद से बेसुध होकर उठा और मुझे दो हज़ार फ्रैंक के नोट थमा दिए। मुझे जाते देखकर उसे राहत मिली और वह वापस सोने के लिए बेताब लग रहा था। मैंने उसे बड़बड़ाते हुए सुना... आपका दिन शुभ हो... दरवाज़ा ज़ोर से बंद हो गया। मैं एक टैक्सी में कूद गई। दोपहर हो चुकी थी, सूरज आसमान के नीले रंग में अटका हुआ सा लग रहा था। मैं फ़्रांस्वा की वजह से थोड़ी उदास थी। उदास, पर दोषी नहीं। क्रिस के लिए मेरे मन में कोई भावना नहीं थी। मैंने उससे प्यार नहीं किया, उसने तो बस मुझे विली की तरह इस्तेमाल किया।

नट यहाँ नहीं है। मैं अगली सुबह तक बेहोश पड़ा रहता हूँ।

आठवीं

नट ने मार्च के अंत तक, यानी अपनी गर्भावस्था के आखिरी महीने तक, कारखाने में काम किया। फिर, अप्रैल की शुरुआत में थाई नव वर्ष के आसपास, उसने बुरिराम वापस बस से जाने का फैसला किया ताकि वह एक प्यारी बच्ची को जन्म दे सके, जिसका नाम उसने अरिसा रखा। उसने बच्ची को उसकी माँ के पास छोड़ दिया और दो हफ्ते बाद कारखाने में काम पर लौट आई। अब वह बेंज के लिए नहीं, बल्कि अरिसा के लिए रोती है, जिसे वह बहुत याद करती है।

नए साल का जश्न मनाते हुए मुझे एहसास हुआ कि साई से मिले हुए पाँच महीने बीत चुके हैं। उसी शाम, जब मैंने अपने सैमसंग फोन की स्क्रीन पर उसका नाम देखा, तो मैं खुशी से उछल पड़ा, यह सोचकर कि वह मुझे थाई नव वर्ष की शुभकामनाएँ देने के लिए फोन कर रही है। मुझे शक होना चाहिए था। साई को छुट्टियों से कोई मतलब नहीं था, और वैसे भी, वह कभी फोन नहीं करती। कोई और गंभीर कारण होना ही चाहिए था, क्योंकि उसकी तनावग्रस्त, ठंडी आवाज़ ने तुरंत इसकी पुष्टि कर दी।

आप कैसे हैं? कारखाने से क्या खबर है?

— यहाँ एकदम शांति है। और आप? अभी भी पटाया में हैं?

— हमेशा। असल में, मैं आपको गलत वजह से फोन कर रहा हूँ। मैं यह पूछना चाहता था कि क्या आप मुझे मेरे पाँच हज़ार बात वापस दे सकते हैं।

मैं उस कहानी के बारे में पूरी तरह भूल गई थी। मैंने भोलेपन से सोचा था कि उसने ही मुझे वो चीज़ें दी थीं। शायद नहीं, मुझे ठीक से याद नहीं है। मैंने उसे जवाब दिया:

— हमेशा की तरह, मेरे पास समय की थोड़ी कमी है। आपको इसकी कब आवश्यकता है?

— जितनी जल्दी हो सके। आप मुझे कितना भेज सकते हैं?

मुझे नहीं पता, मान लीजिए दो या तीन हजार। फिलहाल इससे ज्यादा नहीं।

क्या तुम उन्हें मेरे लिए ला सकते हो? पटाया में सप्ताहांत बिताने आओ, हम बाहर घूमने जाएंगे, और शहर में बहुत सारे विदेशी हैं। हो सकता है कि तुम इतना कमा लो कि मुझे बाकी पैसे चुका सको।

मैंने बिना सोचे-समझे तुरंत हाँ कर दी... पटाया, रात, समुद्र और साईं। मैंने स्पाइडर से अपनी शुक्रवार की दोपहर माँगी।

जब मैं मोचित बस स्टेशन पर पहुँचा, तो वहाँ भारी भीड़ थी। लोग थाई नव वर्ष की तैयारियों में अपने घर लौटने लगे थे। नीली और सफेद बसें इंतज़ार कर रहे यात्रियों के फेफड़ों में काला धुआँ भर रही थीं। छात्रों के समूह समुद्र तट की ओर जा रहे थे, परिवार अपने गाँवों को लौट रहे थे, और पटाया जाने वाली बस का इंतज़ार कर रही अकेली महिलाएँ और कुछ यूरोपीय भी थे। शहर से बाहर निकलने के लिए ड्राइवर एक-दूसरे से सटकर चल रहे थे। ट्रैफिक बहुत घना और भारी था। साई बस स्टेशन पर अपनी नोवो एलिगेंस कार में मेरा इंतज़ार कर रही थी। उसने घबराकर मुझे चूमा। मैंने देखा कि उसका रूप बदल गया था, उसके बाल बिखरे हुए थे। उसने अपना कंगन और सोने का हार नहीं पहना था। हम बिना बात किए ही निकल पड़े। उसका कमरा पूरी तरह अस्त-व्यस्त था: कूड़ेदान भरा हुआ था, चादरें गंदी थीं, और सिंक गंदे बर्तनों से लबालब भरा था। ऐसा लग रहा था मानो पटाया का अराजक जीवन धीरे-धीरे उसके निजी जीवन में घुस रहा हो, उसे अंदर से तेजाब की तरह खा रहा हो। उसके चेहरे पर पहली मुस्कान तब आई जब उसने मेरे द्वारा दिए गए तीन हजार बात को ठंडे भाव से देखा। मैं जानता था कि वह पैसों का इंतजार कर रही थी, मेरा नहीं।

मुझे पता है कि मुझे अभी भी आपको दो हजार रुपये देने हैं।

वह थोड़ा आराम करती है:

चिंता मत करो। तुम्हें जल्दी करने के लिए माफ़ करना, लेकिन इससे मुझे काफ़ी मदद मिलती है। नहा लो, मुझे कुछ ज़रूरी काम निपटाना है, मैं दस मिनट में वापस आ जाता हूँ।

पंद्रह मिनट बाद, साईं संग सोम की एक बोतल, एक लीटर कोक और बर्फ का एक थैला लेकर लौटती है। मैं खुद को सुखा लेता हूँ जबकि वह दो बड़े गिलास लबालब भर देती है। मैं तौलिए में लिपट जाता हूँ और हम मंद रोशनी में पीते हैं। बाहर रात हो चुकी है। वह गांजे का एक जॉइंट जलाती है और तीखे, भारी धुएँ को गहरी साँस लेकर अंदर खींचती है। वह वहाँ बेजान, बिना हिले-डुले बैठी रहती है। पाँच महीने पहले तक मौजूद न रहे एक नए बार की नियॉन लाइटें कमरे को नीली रोशनी से नहला देती हैं। ऐसा लगता है मानो किसी एक्वेरियम की रोशनी इस भीड़भाड़ वाली सड़क को रोशन कर रही हो, जहाँ से संगीत की हल्की-हल्की धुनें लहरों की तरह उठती रहती हैं।

ये मेरी ज़िंदगी है
अभी या कभी नहीं
मैं हमेशा ज़िंदा नहीं रहूँगा

मैं बस तब तक जीना चाहता हूँ जब तक मैं ज़िंदा हूँ
ये मेरी ज़िंदगी है

पंखे की हवा से गांजे की महक फैलती है। कमरा मानो किसी अवास्तविक दुनिया में ठहर सा गया हो। जब साई अपने जॉइंट का कश लेता है, तो कमरे के धुंधले अंधेरे में जलता हुआ अंगारा चमक उठता है।

— क्या आप एक कश लेना चाहेंगे?

बाहर, यातायात का शोर मुश्किल से सुनाई देता है।

- नहीं धन्यवाद।

तो आपको यह पसंद आया?

— क्या? गांजा?

नहीं, टॉय! विदेशियों के साथ चुंबन... तुम्हें ये पसंद है क्या?

मुझे तो ऐसा ही लगता है। खैर, हमेशा नहीं। यह इस बात पर निर्भर करता है कि किसके साथ है।

मुझे इस पर विश्वास नहीं है, मुझे पूरा यकीन है। मैं आपको कुछ बताना चाहता था।

— Quoi ?

साई खोई-खोई सी लग रही है। उसकी आँखें कहीं टिकी नहीं हैं, और मुझे उसकी झिझक महसूस हो रही है। मानो उसके भीतर कोई आंतरिक संघर्ष चल रहा हो। आखिरकार, वह मेरी तरफ मुड़ती है, और मुझे एक ऐसी आवाज़ सुनाई देती है जो गंभीरता और उदासी से भरी है।

मैं आपको कहानियां नहीं सुनाना चाहता। मैं सचमुच कंगाल हूँ। दो-तीन दिन का खाना भी मुश्किल से चल पाता है। अगले हफ्ते का किराया भी नहीं भर पा रहा।

लेकिन पिछली बार जब हम मिले थे, तब आपके खाते में पचास हजार बात थे।

मैंने अपने शरीर पर पंचपंक्ति प्रार्थना का टैटू बनवाया है... यंत हा ताएव।

वह मेरी तरफ पीठ करके खड़ी हो जाती है और अपनी टी-शर्ट का गला नीचे खींचकर अपना कंधा दिखाती है। धुंधली रोशनी में, मैं उसके जादुई टैटू, उसके कंधे पर पाली भाषा में बनी पांच घुमावदार रेखाओं को धुंधला-सा देख पाता हूँ।

इसके लिए आपको कितना भुगतान मिला?

वह शर्मिंदा सी लग रही थी, फिर हिचकिचाते हुए बोली:

- तीस हजार

— तुम तो बिलकुल पागल हो। और जॉन? वो इसके बारे में क्या कहता है?

जॉन चला गया। उसका रिश्ता खत्म हो गया, उसे भुला दिया गया। कुछ भी नहीं। उसने पिछले महीने मुझे कुछ नहीं भेजा, उसने मेरे फोन उठाना बंद कर दिया। इसलिए मैंने अपना ईमेल चेक किया। ये लो, इसे पढ़ो!

वह मुझे एक मुड़ा हुआ कागज का टुकड़ा थमा देती है।

इंटरनेट कैफे की महिला ने मेरे लिए इसका अनुवाद किया।

मैं छोटा सा लैंप जलाता हूँ:

मेरी जान,

जो बातें मुझे तुम्हें बतानी हैं, वो इतनी ज़रूरी हैं कि फ़ोन पर कहना ठीक नहीं है। जब मैं फ़ोन करती हूँ, तो हम हमेशा एक-दूसरे को ठीक से समझ नहीं पाते। तुम कहती हो, "ठीक है, डार्लिंग" या "समझ गई," लेकिन मुझे लगता है कि अक्सर तुम मेरी बात समझ नहीं पाती। तुम्हारे साथ मैंने अपनी ज़िंदगी के सबसे खूबसूरत पल बिताए हैं। टॉम और वी के साथ फुकेत की हमारी छुट्टियाँ मेरी ज़िंदगी के सबसे यादगार पलों में से एक हैं। मुझे ऐसा लगा जैसे मैं जन्नत में हूँ, जैसे आखिरकार मुझे वो मिल गया जिसके साथ मैं अपनी बाकी ज़िंदगी बिताना चाहती हूँ। सब कुछ एकदम सही था: हमारी हँसी, हमारे गले लगना, हमारी नज़रें। मुझे यकीन था कि हम दूरी के बावजूद इस रिश्ते को निभा सकते हैं; मुझे यकीन था कि अगर मैं तुम्हें गुज़ारा करने के लिए काफ़ी पैसे भेजूँ, तो तुम विदेशियों के साथ सोना बंद कर दोगी। मेरे सभी दोस्त जो थाईलैंड को जानते हैं, मुझसे कह रहे थे: जॉन, तुम पागल हो गए हो... उसे पैसे मत भेजो... वैसे भी, पटाया की लड़कियाँ कुछ नहीं बोलतीं... साई भी बाकियों से अलग नहीं है, वह तुम्हारे विमान के हवाई अड्डे के रनवे से उड़ान भरने से पहले ही किसी ग्राहक के साथ सो जाएगी... यहाँ बस एक ही नियम है: "संबंध बनाओ और भूल जाओ"।

मैं उन्हें बताना चाहता था कि बिछड़ते समय तुम कितनी रोई थीं। मैं उन्हें हमारी उन भावुक रातों के बारे में, प्यार करने के बाद हमारी लंबी बातचीत के बारे में बताना चाहता था, लेकिन वे समझ नहीं पाते और मुझ पर हंसते। कल, मेरे दो दोस्त, जेसन और एंडी, जो लैज़ी पिग बार में काम करते हैं, ने मुझे फोन किया। वे शर्मिंदा लग रहे थे जब उन्होंने पूछा कि क्या मैं अब भी तुम्हें पैसे भेज रहा हूँ। मैंने कहा हाँ, मैं तुम्हें हर महीने 20,000 बात भेज रहा हूँ। फिर उन्होंने कहा कि तुम एक नंबर की चरित्रहीन हो, और दावा किया कि उन्होंने तुम्हें वॉकिंग स्ट्रीट पर एक फ़ारंग (विदेशी) के साथ देखा था: एक लंबा, गोरा लड़का, स्वीडिश या नॉर्वेजियन टाइप का। पहले तो मुझे उनकी बात पर यकीन नहीं हुआ; मैंने उनसे कहा कि वे तुम्हें किसी और के लिए समझ रहे होंगे, लेकिन वे अपनी बात पर अड़े रहे। जेसन चिल्ला रहा था: "हमारी आँखों में कुछ नहीं है... ये सब तुम्हारे दिमाग में है... हम तुम्हें बता रहे हैं कि ये साई ने किया

है... इसके बाद तुम जो चाहो कर सकते हो। अगर तुम धोखा खाना चाहते हो, तो ये तुम्हारी समस्या है, लेकिन हमने तुम्हें पहले ही चेतावनी दे दी थी।"

फोन रखते ही मैं बच्चे की तरह रोने लगी। मैं तुम्हें फोन करना चाहती थी ताकि तुम मुझे समझा सको, लेकिन दर्द इतना ज़्यादा था कि तुम्हारी आवाज़ भी नहीं सुन पा रही थी। तुम मुझे और भी बेतुकी बातें बताते, और मैं तुम्हारी बात पर यकीन कर लेती। क्योंकि मुझे तुम्हारी बात पर यकीन करना ठीक लगता।

मैं इस लंबी दूरी के रिश्ते को संभालने के लिए पर्याप्त मजबूत नहीं हूँ। मैं बहुत कष्ट झेल रही हूँ। मैं तुम्हें पैसे भेजना बंद कर दूंगी। मैं तुम्हें वह आज़ादी वापस दे रही हूँ जो तुमने वैसे भी बहुत पहले ही वापस ले ली थी। मैं तुम्हें और हमारे साथ बिताए पलों को भूलने की कोशिश करूंगी। यह आसान नहीं होगा, लेकिन समय के साथ...

मैं शायद एक दिन थाईलैंड वापस जाऊँगा, लेकिन बिना किसी उम्मीद के, प्यार पाने के लिए नहीं। आपको यह बात निराशावादी लग सकती है, लेकिन यही मेरा निष्कर्ष है।

आपके जीवन में सफलता की कामना करता हूँ। कोई द्वेष नहीं।

बहुत सारे चुंबन

जॉन

> वाह! मुसीबतों से बचाव के लिए बनवाया गया आपका ताबीज टैटू! कम से कम तीस हजार बात का होगा।

साई कंधे उचकाती है और अपने लिए एक और बड़ा गिलास शराब और कोक डालती है। वह उदास है, लेकिन जॉन की वजह से नहीं। मुझे एहसास होता है कि उसे उस अमेरिकी से कोई लेना-देना नहीं है, वह टूटे दिल वाली लड़की होने का नाटक कर रही है जबकि उसकी उदासी का एकमात्र सही कारण यही है: क्योंकि वह कंगाल है और उसके पास बिल्कुल पैसे नहीं हैं।

धुंधली रोशनी में उसकी आँखों की चमकती हुई पुतलियाँ दमक रही हैं। संग सोम की शराब से मेरा खून गाढ़ा हो रहा है। मैं उसकी खुशबू को महसूस कर रहा हूँ: एक ऐसी सुगंध जो गर्म और तीव्र है, अनोखी। मुझे उसके लहराते काले बाल बहुत प्यारे लग रहे हैं। मुझे उसकी बहुत याद आ रही है। उसके बाल लंबे, घने और कौवे के पंखों से भी ज़्यादा काले हैं। मानो किसी जानवर की तरह उसकी पीठ पर झरना बह रहा हो।

> आपके पास अब कितने पैसे बचे हैं?

वह अपने बैग में हाथ डालती है और दो मुड़े हुए 100 बात के नोट बिस्तर पर फेंक देती है। मुझे एहसास होता है कि उसके पास वो 3,000 बात भी नहीं हैं जो मैं अभी उसके लिए लाया था। उसे मेरे सवाल का अंदाज़ा पहले से ही था।

मैंने अभी-अभी मोटरसाइकिल का बकाया किराया चुकाया है।

उसकी अचानक आई बदहाली देखकर मुझे बहुत दया आती है। गरीबी तब और भी असहनीय हो जाती है जब आपने एक पल के लिए भी उससे बचने की उम्मीद की हो। अब वह बच्चे की तरह रो रही है। मेरे सिर में तेज़ दर्द हो रहा है। मैं उसे गले लगाने की कोशिश करती हूँ, पर कोई फायदा नहीं। वह अपनी जेब में कुछ टटोल रही है।

मेरे पास दो एक्स्टसी की गोलियां बची हैं। क्या आप कुछ लेना चाहेंगे?

हम इसे कोका-कोला संग सोम के साथ पीते हैं।

— क्या आपको लगता है कि हम सफल होंगे?

— जी साई। हमने हमेशा ही प्रबंध कर लिया है।

वह कहती है कि आनंद के कारण उसे गर्मी लग रही है। वह अपनी पीठ पीछे हाथ ले जाकर अपने शानदार स्तनों को ढकने वाली ब्रा खोलती है, अपनी पोशाक को ज़मीन पर गिरने देती है, अपनी सफेद सूती पैंटी उतार देती है, और फिर बड़े बिस्तर पर नग्न लेट जाती है, उसके पैर थोड़े से फैले हुए हैं। मैं उसके स्तनों के दानेदार निप्पल और उभरे हुए निप्पल को निहारता हूँ। मेरी नज़र उसके गुप्तांग की छाया पर जाती है। वह मुझे घूरती है:

— टॉय, मुझे तुम्हारी बहुत याद आई।

आनंद की लहर मेरे दिमाग में दौड़ती है, फिर जलती हुई शराब की लपटों की तरह फूट पड़ती है। एक ज्वाला मेरी नसों में दौड़ती है, मेरे दिमाग के दरवाज़े खोल देती है, जन्म से बंद ताले खुल जाते हैं, असीम उल्लास की ओर ले जाते हैं। मैं उसके करीब जाता हूँ, उसे छूने के लिए, धीरे-धीरे, चुपचाप सहलाने के लिए, उसकी त्वचा की अविश्वसनीय रूप से कोमल बनावट को महसूस करने के लिए। उसका शरीर मुझे तीव्र रूप से उत्तेजित करता है। उसकी त्वचा रेशम से भी नरम है। बिना हिले-डुले, वह मेरे स्पर्श के नीचे अपनी आँखें बंद कर लेती है, मुझे दूर नहीं धकेलती। मैं उसके इस रवैये को मौन स्वीकृति समझता हूँ। इसलिए मैं उसके आम के स्वाद वाले होंठों को चूमता हूँ। वह अपने भरे हुए होंठ खोलकर अपनी जीभ मेरी जीभ से मिलाती है। एक लंबा चुंबन, कोमल और दोस्ताना, बहन के चुंबन से भी बढ़कर। उसके होंठों से, जो मेरे होंठों से सटे हैं, उसकी जीभ के रस से शहद जैसा स्वाद उभरता है। मैं अपने पेट

से एक स्त्री के पेट की कोमल उभार, उसके शरीर की छिपी हुई नमी, और मेरी गर्दन पर उसकी गर्म साँस महसूस करता हूँ।

आनंद के अणु मेरे न्यूरॉन्स में घुल रहे हैं। यह एक नीली रोशनी की तरह है। मुझे बहुत गर्मी लगने लगी है। मेरा तौलिया धीमी गति से ज़मीन पर गिर जाता है। बाहर, एक लाउडस्पीकर कल रात के लिए मुए थाई बॉक्सिंग मैच की घोषणा कर रहा है। आवाज़ किसी दूर जगह से आती हुई प्रतीत होती है। उसके साथ यहाँ होना, उसे चाहना अजीब सा लगता है। मुझे लगता है कि मैं हमेशा से साई के साथ प्रेम करना चाहता था। पूरी तरह से मोहित होकर, मैं उसके स्तनों के भारी गोलों को थामने और अपनी उंगलियों के बीच दबाने से खुद को रोक नहीं पा रहा हूँ। मैं उत्सुकता से उनके ऊपरी हिस्से को चूसता हूँ। वह अपनी आँखें बंद कर लेती है। मैं उसे खुश करना चाहता हूँ, उसे उसकी चिंताओं को भुला देना चाहता हूँ, जैसे कोई दोस्त के लिए करता है। मेरा मुँह उसके पेट की ओर बढ़ता है; उसकी योनि पहले से ही गीली है। मैं अपनी जीभ को गुलाबी किनारे पर फेरता हूँ। वह कराहती है और अपने हाथ मेरी गर्दन के पीछे रख देती है। गाड़ियाँ हॉर्न बजाती हैं, मुझे सड़क पर हँसी सुनाई देती है।

आनंद की लहर अभी भी बढ़ती जा रही है, एक शक्तिशाली लहर मेरे दिमाग को नीली रोशनी से भर रही है, परमानंद मुझ पर हावी हो रहा है। हम दोनों हमेशा से जानते थे कि एक दिन इसका अंत ऐसे ही होगा। मैं हमेशा से उसे बेहद खूबसूरत समझता था। मुझे उसकी बहुत याद आती है। इतना दुख, ज़ाहिर है, यह सिर्फ दोस्ती नहीं थी।

मैं उसके चिकने शरीर, उसकी दृढ़, मलाईदार त्वचा, सुनहरे भूरे रंग की खूबसूरती को सहलाता हूँ। मैं उसके रेशमी बालों और पतली टांगों में खो जाता हूँ। उंगलियाँ उसकी कोमल सुगंधों से भरी दरारों और गड्ढों को टटोलती हैं। त्वचा से त्वचा का स्पर्श, मांसपेशियों का गर्म दबाव, पसीने की बूँदें, रेशम की तरह जलती त्वचा का रिसाव, लावा की तरह ताज़गी भरे होंठ। मैं उसकी नम परतों में डूब जाता हूँ: मिली हुई लार, खुरदरी जीभें, दूधिया दाँत।

हम आधी रात तक भूखी मादा भेड़ियों की तरह एक-दूसरे को नोंचते रहते हैं। वह अपनी उंगलियाँ हर जगह घुमाती है, और मुझे उन्हें चूसने के लिए मजबूर करती है। उसकी आधी बंद आँखें पीछे की ओर घूम जाती हैं जब मैं उसके रस को पीता हूँ, बस एक पतली सफेद लकीर छोड़ जाता है। तनाव बढ़ता जाता है। अब हम बस एक ही, लुढ़कता हुआ शरीर हैं, जो हमारे न्यूरॉन्स को भरने वाली तरल शक्ति के आक्रमण के आगे टूट रहा है। वह अपना सिर हवा में पटकती है, उसके बाल किसी प्रेतबाधित महिला की तरह बेकाबू हो जाते हैं। वह उग्रता से संघर्ष करती है, पूरी तरह से अपना नियंत्रण खो देती है। उसका शरीर चीखता है, और तेज़ होता जाता है जैसे कोई पुरुष उसका बलात्कार कर रहा हो, उसकी आवाज़ चरम पर पहुँच जाती है। वह अचानक रात में ऐसे चीखती है जैसे किसी महिला का वध किया जा रहा हो, और फिर गद्दे पर गिर पड़ती है। उसके बाल पसीने से लथपथ उसकी कनपटी तक चिपके हुए हैं, हम

दोनों में से कोई नहीं बोलता; हम एक-दूसरे को हज़ार साल से जानते हैं, दुनिया के बनने से पहले से। यह सब शुरुआत से ही लिखा हुआ था।

फिर, आनंद ज्वार की तरह धीरे-धीरे कम होने लगता है। गोता लगाना शुरू होता है, जो लगातार गहराता जाता है; सबसे अच्छा समय बीत चुका है। साई गहरी नींद में डूब जाती है। मैं उसके झुके हुए सिर को प्रशंसा से देखता रहता हूँ। रात में, वह कराहने लगती है।

वह किस चीज़ का सपना देख रही है? हम साथ सोते हैं, लेकिन वह अजनबी ही रहती है।

*

* *

हम एक-दूसरे से लिपटे हुए जागते हैं। सोते समय, उसका शरीर अनजाने में मेरे करीब आ गया। अपने बुरे सपने में, वह अनजाने में एक गर्म शरीर के सुकून भरे स्पर्श की तलाश कर रही थी। उसका एक हाथ तकिए के नीचे है, और दूसरा हाथ मुड़ा हुआ है: हथेली खुली हुई, असहाय। एक युवती जो अपनी सोई हुई मासूमियत भरी मुद्रा में बहुत ही कमजोर लग रही है। मैं इस कोमल शरीर को ढकना चाहता हूँ, इसकी गर्माहट की रक्षा करना चाहता हूँ।

मैं खिड़की की चौखट पर टिका हुआ नग्न अवस्था में हूँ। बाहर, शहर पर एक चिपचिपी सी उमस छाई हुई है। आज सुबह से ही सड़कें अंधेरी हो रही हैं, जब आसमान में काले बादलों का एक बड़ा समूह उमड़ पड़ा था। मानो किसी रहस्यमयी मुलाकात का ठिकाना बनाकर, वे पानी से भरे हुए तट के किनारे जमा हो गए हैं, जिससे सड़कों की आवाज़ें भी बदल गई हैं, जो एक अजीब और उदास स्वर में गूंज रही हैं। आवाज़ें भी एक तरह की बेचैनी भरी आशंका से भरी हुई लगती हैं, मानो शहर पर मंडरा रहा टलने वाला खतरा उन्हें और भी डरपोक, कम आत्मविश्वासी बना देता है। अचानक, न जाने कहाँ से, हवा के झोंके इमारतों के बीच से गुज़रते हैं, घरों के बीच चक्कर लगाते हैं। मुझे खिड़की के चौखट पर झुकना पड़ता है ताकि वह आंधी के ज़ोर से टूट न जाए। पहली बूँदें अभी-अभी नीचे नालीदार लोहे की छतों पर गिरी हैं, कुचले हुए लीची जितनी बड़ी। एक भयानक मूसलाधार बारिश ज़ोरदार ढोल की थाप के साथ, हिंसक आँधी के रूप में आने लगती है। गर्म पानी का एक पर्दा सड़कों की धूल, शहर के कचरे को बहा ले जाता है। लगभग पचास मीटर दूर, नीले प्लास्टिक में लिपटी एक होंडा वेव पर झुकी हुई एक आकृति, तेज़ हवाओं से जूझ रही है जो उसे किसी भी क्षण ज़मीन पर गिरा सकती हैं। बारिश तेज़ हो जाती है, जिससे मुझे खिड़की बंद करनी पड़ती है। मैं चादर हटाकर बिस्तर पर लेटी नग्न शरीर को देखता हूँ। उसके घने काले बाल उसके सुंदर चेहरे को घेरे हुए हैं और कंधों तक लहरा रहे हैं। वह अपना एक हाथ हिलाती है; गरज की आवाज़ से वह जाग गई है।

रात में जो कुछ हुआ, वह हमें बिल्कुल स्वाभाविक लगा, और हमने इस बारे में बात नहीं की। बस एक जादुई पल। जब तूफान आखिरकार थम गया, तो हम नीचे गए और सीप की चटनी में भुने हुए गोमांस और उबले हुए चावल के दो डिब्बे खरीदे। बाढ़ से भरी सड़क पर एक ताज़ी खुशबू हमें घेर लेती है, नम मिट्टी और सड़ते पौधों की महक। धुएँ से भरे आसमान ने शहर को दलदली बना दिया है, जहाँ हर कोई पानी में चल रहा है, उनकी पैंटें ऊपर चढ़ी हुई हैं। सोई बुआखाओ के पूरे हिस्से पानी में डूबे हुए हैं। हमारी इमारत के सामने, एक फल विक्रेता अपनी प्लास्टिक की तिरपाल से पानी की थैली को एक डंडे से नाली में खाली कर रहा है। पूरा पटाया पानी से लथपथ है।

कमरे में, आयताकार पॉलीस्टायरीन के डिब्बों से पके हुए मांस की तेज़ खुशबू आ रही है। हमने अपने बचे-खुचे थोड़े से पैसे भी उड़ा दिए हैं। ज़मीन पर बैठकर, हम धीरे-धीरे खाने का स्वाद ले रहे हैं, मानो ये किसी मरी हुई औरत का आखिरी खाना हो। हमारे बीच सब कुछ पहले जैसा ही लग रहा है।

आख़िरकार, शुरू से ही हमारे बीच शारीरिक संबंध होना तय था। दोपहर के खाने के बाद, मैं आशावादी और ऊर्जा से भरपूर महसूस कर रही हूँ। मैं बर्तन धोती हूँ, इधर-उधर बिखरी चीज़ों को समेटती हूँ, गंदे कपड़े धोती हूँ ताकि साई को दिखा सकूँ कि एक नया अध्याय शुरू हो रहा है, कि हम मिलकर इस मुश्किल से निकल जाएँगे। फिर हम मोटरसाइकिल से मेरा मोबाइल फ़ोन लॉक करने जाते हैं क्योंकि वह अपना फ़ोन देने से मना कर रही है।

— आप समझते हैं, जॉन की यही एक निशानी मेरे पास बची है। और फिर महामंत्र मेरी रक्षा करता है। यह हीरे की ढाल है, जो बुरी शक्तियों और दुष्ट आत्माओं को दूर रखती है।

मैं उसके उस भद्दे टैटू के बारे में संदेह भरे भाव से सोचता हूँ। लगता है टैटू बनाने वाले को इससे ज़्यादातर अच्छी किस्मत ही मिली है। गंदे मोज़ों जैसी बदबू वाले एक चिकने-चुपड़े चीनी आदमी ने तिरस्कार भरे लहजे में मुझे आठ सौ बात ऐसे दिए जैसे कोई दान दे रहा हो। मैंने अपना सैमसंग फ़ोन भारी मन से कौड़ियों के भाव बेचा था, और अब हमें बुआखाओ में किराए पर देने वाले को मोटरसाइकिल लौटानी है। महिला ने अपने केले में हाथ डालकर हमें हज़ार बात की जमा राशि वापस कर दी। हमने राहत की साँस ली।

फिलहाल, ब्यूटी सैलून जाना नामुमकिन है। इसलिए साईं शीशे में अपना चेहरा गौर से देखती है। एक-एक सेंटीमीटर करके, वह बारीकी से मुंहासे और ब्लैकहेड्स ढूंढती है। होंठ के कोने पर सिर्फ एक मुंहासा देखकर वह मुस्कुराती है। वह उसे अपने नाखूनों से मसल देती है, फिर रुई को अल्कोहल में भिगोकर उस छोटे से खून के धब्बे को पोंछती है। इसके बाद, वह मेकअप करती है, और अभी-अभी बने छोटे से काले निशान को ध्यान से छुपाती है। शीशे के धुंधले पानी में वह खुद को निहारती है, और होंठों को थोड़ा और लाल दिखाने के लिए उन्हें काटती है। उसकी कमीज़ के पतले कपड़े से उसके स्तनों के उभार झांक रहे हैं। वह अब ब्रा नहीं पहनती, और बार-बार कहती है कि उसका नया उभार अपने आप टिका रहता है और ग्राहकों को यह पसंद आता है।

— क्या हम बीच पर चलें...? शाम छह बजे से ही वहाँ विदेशियों की भीड़ लग जाती है।

— इसमें लड़कियां भी बहुत हैं!

क्या आपके पास कोई बेहतर सुझाव है?

- बॉक्स...?

और हम पेय पदार्थों का भुगतान कैसे करेंगे?

साई सही कह रही है... हम बहुत ज़्यादा अकड़े हुए हैं, एकदम अकड़े हुए। लेकिन इससे हमें वैम्प की तरह सज-धज कर नीचे जाने से कोई नहीं रोक पाता। साई उन ब्यूटी सैलूनों पर ईर्ष्या भरी नज़र डालती

है जो लड़कियों से भरे हुए हैं, जहाँ उन्हें रात की तैयारी में लग्ज़री कारों की ग्रिल की तरह सजाया-संवारा जा रहा है। हम दोनों दबे पांव एक मोटरसाइकिल टैक्सी में बैठ जाते हैं। नारंगी जैकेट पहने किशोर, जो साई को जानते हैं, हमें देखकर हंसने लगते हैं। यामाहा नोवो के बिना हम इतने अकड़ू नहीं लगते। हमारा ड्राइवर हंसते हुए गाड़ी चला देता है।

आकाश ने भी अपना नारंगी शाम का आवरण ओढ़ लिया। रात का आरंभ होता है, जो हमेशा थोड़ा गंभीर होता है। रात्रिचर जीव भोजन की तलाश में अपने बिलों से बाहर निकलते हैं। पटाया की रगें आकर्षक लड़कियों, उत्सुक ग्राहकों और उनके बीच के प्रवाह से भर जाती हैं। सड़कों पर उमंग भरी भीड़ उमड़ पड़ती है। हमारी मोटरसाइकिल पटाया की रातों की इस उमंग भरी जिंदगी, इस कामुकता से भरी भीड़ के बीच से अपना रास्ता बनाती हुई आगे बढ़ती है। मुझे फिर से रात की वह भयावह अनुभूति होती है जिसने मुझे मेरे पहले प्रवास के दौरान जकड़ लिया था, लेकिन फर्क सिर्फ इतना है कि फ्रांस्वा अब वहां नहीं है।

हम कुछ देर समुद्र तट पर मुरझाई हुई लड़कियों, तंग जींस में टैंक टॉप पहने छोटे समलैंगिक लड़कों और ग्राहकों को डराने वाली आक्रामक वेश्याओं के बीच रुके रहे। नम आँखों से दूसरी वेश्याओं के बगल में एक खाली बेंच पर बैठे हुए, हमने वेश्याओं की अजीबोगरीब परेड देखी: बीमार बिस्तर पर पड़े पुरुष, पॉलिएस्टर पैंट पहने पाकिस्तानी, अमेरिकी होने का दिखावा करने वाले बिना दाढ़ी वाले ईरानी, भीड़भाड़ वाले विदेशी, मौज-मस्ती करने निकले जॉगर्स और उभरी हुई पिंडलियों वाले कामुक साइकिल सवार।

बेसबॉल कैप पहने, असामान्य रूप से लंबे बालों वाला एक आदमी साई के बगल में बैठ जाता है और उससे बातचीत शुरू कर देता है। लगभग साठ साल का, जो खूब पसीना बहाता है और सांस लेने में तकलीफ महसूस करता है। साई तुरंत पैसों की बात करने लगती है, बिना उसमें दिलचस्पी दिखाने का नाटक किए... मुझे विश्वास नहीं हो रहा। समुद्र किनारे की सड़क पर अब तक हमने जितने भी लोगों को देखा है, उनमें से वह सबसे कम घटिया है। साई इस स्थिति का भरपूर आनंद उठाती हुई प्रतीत होती है। जैसे ही चीजें उसके लिए अच्छी होने लगती हैं, जैसे जॉन के साथ, वह सब कुछ बर्बाद करने में जुट जाती है। कभी-कभी मुझे लगता है कि उसका दिमाग खराब है, लेकिन सच्चाई यह है कि साई विनाश की एक गहरी इच्छा से प्रेरित लगती है। उसकी अत्यधिक प्रसन्नता एक गहरे दुख को छुपाती है।

हमने पैदल सड़क पर घूमने का फैसला किया। लकी स्टार के सामने, ठोड़ी में पियर्सिंग और टोपी पहने एक लड़की ने खुशी से चीखते हुए साई का हाथ पकड़ लिया। मुझे यह समझने में पाँच मिनट लगे कि तेज़ नज़रों वाली यह लड़की वी थी, जो साई के साथ क्राबी आई थी। दुबली-पतली, पतले कंधों और पतली गर्दन वाली वी का चेहरा और शरीर किसी बच्चे जैसा था, और उसने डेनिम ओवरऑल पहन रखा

था। उसके साथ एक डेनिश व्यक्ति था जो गद्दे जितना चौड़ा था, और वह इस सुंदर, सुडौल, छोटे बालों और चमकीली आँखों वाली लड़की को प्यार भरी निगाहों से देख रहा था।

"आप अभी कहाँ काम कर रहे हैं?" साई ने पूछा।

> ब्लू नाइल सोई 6 में। मैं दोपहर में छोटी-छोटी शिफ्टों में अच्छा खासा पैसा कमा लेता हूँ। कुछ लंबी शिफ्टें भी करता हूँ...

वह डेनिश व्यक्ति की ओर देखती है, जो असहाय बछड़े की तरह उसकी ओर देखता है, उस भावपूर्ण चेहरे से मोहित होकर जहाँ उसके शरीर की तरह ही दृढ़ व्यक्तित्व झलक रहा है। उसे उसे हमें लूसिफर में आमंत्रित करने के लिए मनाने में कोई कठिनाई नहीं होती। सबकी जासूसी करो, और भुगतान तो महाशय को ही करना पड़ेगा। कम से कम इतना तो ठीक है। लूसिफर में ज़्यादा विदेशी नहीं हैं। साई मरीन प्लाज़ा जाना चाहता है। वी मुंह फुला लेता है।

"यहां सिर्फ अरब ही नहीं हैं, विदेशी भी हैं," साई ने स्पष्ट किया।

मरीन प्लाज़ा खचाखच भरा है; तेज़ संगीत और चकाचौंध भरी रोशनी से हमारा सिर चकरा रहा है। मेजों पर व्हिस्की की बोतलें जमा हो रही हैं। कई अरब पहले से ही लड़खड़ा रहे हैं। डेनिश व्यक्ति बड़बड़ाता है:

> अब मुझे बेहतर समझ में आया कि उनके पैगंबर ने उन्हें शराब पीने से क्यों मना किया था।

मुसलमान अपनी मोटी-ताज़ी थाई सुल्तानाओं के साथ यहाँ बसे हुए हैं। सुदूर पूर्व का एक हरम काले संगीत की धुन में डूबा हुआ है। हमारे बगल में, दो कम आकर्षक महिलाएँ मूंछों वाले कुछ पाकिस्तानी या भारतीय पुरुषों के साथ हिप-हॉप पर नाच रही हैं, जिन्हें हम थाईलैंड में "केक्स" कहते हैं। वे मुझे उन वांग थाई कारखाने की मज़दूर महिलाओं की याद दिलाती हैं जिन्हें रजोनिवृत्ति के करीब आते ही उनके पतियों ने छोड़ दिया था। पुरुष एक-दूसरे से रगड़ खा रहे हैं, उनके नितंब एक अश्लील आलिंगन में एक-दूसरे से सटे हुए हैं: "केक्स" के हाथ बेशर्मी से महिलाओं की पैंटी में जा रहे हैं। मानो सार्वजनिक रूप से व्यभिचार कर रहे हों। समय-समय पर, एक प्रचंड पशुवत वासना से भरे हुए, वे दोनों ग्राहकों के बीच अदला-बदली करते रहते हैं।

स्कैंडिनेवियाई व्यक्ति अंततः संगीत और पूर्वी माहौल से प्रसन्न प्रतीत हुआ; उसने ताली बजाई और एक अजीब सा नृत्य शुरू कर दिया जिसमें केवल उसका चौड़ा धड़ उसके लगभग गतिहीन पैरों के ऊपर मरोड़ रहा था। वी ने दोनों हाथों से ताली बजाते हुए कहा... मज़ेदार आदमी... बहुत मज़ेदार... तो, उस आदमी ने एक और राउंड ऑर्डर किया। साई ने अपना गिलास खाली करते हुए मुझसे कहा:

पता नहीं आज रात मुझे क्या हो गया है, लेकिन मैं बस सब कुछ भूल जाना चाहती हूँ, पैसों की सारी परेशानियाँ भुला देना चाहती हूँ। ऐसा लग रहा है जैसे पिछले कुछ दिनों से जमा सारा तनाव आखिरकार खत्म हो रहा है...

वह नाचने के लिए तेज़ी से डांस फ्लोर के बीचोंबीच पहुँचती है और थिरकने लगती है, अपने शरीर को फैलाती है, ऊपर उठती है। मैंने उसे पहले कभी ऐसे नहीं देखा... उसकी आँखें चौड़ी हैं, मानो धुएँ से भरी हों... वह झूम रही है... उसका शरीर मानो संगीत की लहरों पर सवार है। बेस की धुन से उसका पेट काँप रहा है, उसकी पतली टांगें पसीने से चमक रही हैं। यहाँ तक कि वो बेकाबू Wii भी, जो अभी-अभी उसके साथ डांस फ्लोर पर आई है, उसकी ताल नहीं पकड़ पा रही। बगल वाली मेज पर, एक समूह शैम्पेन की बोतल खोलने के बाद शोर मचा रहा है। अचानक, एक हट्टा-कट्टा आदमी परछाई से ऐसे कूदता है जैसे कोई शिकारी अपने शिकार पर झपट रहा हो। वह आदमी साई को कमर से पकड़ लेता है, उसे और भी तेज़, उन्मादी ताल पर नाचने के लिए मजबूर करता है, और पसीने से तर Wii को पकड़ने के लिए अपना दूसरा हाथ बढ़ाने में ज़रा भी संकोच नहीं करता।

अपनी खूबसूरत साथी और साई के बीच उस विशालकाय व्यक्ति को देखकर डेनिश महिला का चेहरा अचानक तनावग्रस्त हो गया। सतर्क और चौकस, वी ने तुरंत खुद को उस भयावह दृश्य से अलग किया और अपने उदास प्रेमी की देखभाल करने के लिए लौट आई। उसने साई के साथ नाच रही उस काली आकृति की ओर इशारा किया।

— क्या आपने वो झोपड़ी देखी? उसने हमें बताया कि उसका नाम कोलिया है और वो जर्मनी के डसेलडॉर्फ से आया है। आप उसके बारे में क्या सोचते हैं?

मैं कोई जवाब नहीं देता। मुझे यह प्राणी, इसकी अचानक हरकतों और इसकी संदिग्ध, सरीसृप जैसी आँखों से घृणा होती है: एक विदेशी मॉनिटर छिपकली। यह जीवन का रहस्य है: कुछ चेहरों को देखकर हमें एक बेचैनी महसूस होती है जिसका कुरूपता या सुंदरता से कोई लेना-देना नहीं होता; कुछ कुरूप चेहरे सहानुभूति जगाते हैं जबकि कुछ सुंदर चेहरे तूफानी रातों से भी अधिक भयावह होते हैं।

ग्राहकों के साथ भी बिल्कुल यही होता है, बस फर्क इतना है कि लड़की उनके साथ रात बिताती है। ऐसे दरिंदों की भरमार है। आप अपनी सेहत, कभी-कभी अपनी जान भी जोखिम में डालते हैं। बहुत जल्दी आपको एहसास हो जाता है कि कुछ पुरुषों से एक अजीब सी बेचैनी महसूस होती है। Wii उन्हें "संदिग्ध ताक-झांक करने वाले" कहता है।

गांव में, जब कभी-कभार वह होश में आती थी, तो बूढ़ी टुक हमेशा यही दोहराती थी:

सहज ज्ञान बुद्धिमत्ता का एक उच्चतर रूप है। अगर हम जीवित हैं, तो यह हमारे पूर्वजों की वजह से है जिन्होंने जंगल में बिछाए गए जाल, संदिग्ध रूप से परोपकारी इरादों वाले अजनबियों के छल और

> घातक झूठ को पहचानना सीख लिया था। यह ज्ञान समय की शुरुआत से ही हममें से प्रत्येक के भीतर समाया हुआ है; इसे सहज ज्ञान कहते हैं। हमें बस उस अंतरात्मा की आवाज़ को सुनना है जो हमें सचेत करती है जब कुछ गड़बड़ होती है।

कोलिया की कंकालनुमा आकृति मुझे उस गुड़िया की याद दिलाती है जो मेरे चाचा ने आठ साल की उम्र में मेरे लिए आम की लकड़ी के नरम तने से बड़ी बेढंगी तरह से बनाई थी। मेरे सभी दोस्तों को वह डरावनी लगती थी और जब भी मैं उन्हें उससे खेलने देती, वे रोते हुए भाग जाते थे। एक क्रूर, भावहीन चेहरा, नुकीले किनारे, गहरी झुर्रियाँ और बेजान आँखें जिनसे सिर्फ़ एक बर्फीली रोशनी निकलती थी, जो मेरे रोंगटे खड़े कर देती थी। एक दिन स्कूल से घर आते समय, मेरी गुड़िया गायब थी। मैं पूरी रात रोई। हालाँकि वह बदसूरत थी, फिर भी मुझे उससे लगाव हो गया था। मेरी माँ ने कसम खाकर कहा कि उन्हें नहीं पता कि उसका क्या हुआ, लेकिन मुझे यकीन है कि उन्होंने उसे आग में फेंक दिया होगा, यह सोचकर कि वह बदकिस्मती लाती है।

साई को मेरी गहरी बेचैनी का ज़रा भी एहसास नहीं है। वह उस ताकतवर सरीसृप के साथ छेड़छाड़ करती है। क्या वह किराए के बारे में सोच रही है? इस बारे में कि कल हमारे पास आज से भी कम पैसे होंगे? वह उसके लिए नाचती है, फिर से एक सीप बन जाती है: जलीय, महासागरीय, चमकीली। एक सीप जो मदहोश है, खारे पानी की लहरों पर तैर रही है। वह उससे कहती है... मुझे हिप हॉप बहुत पसंद है... अपनी कमर झुकाती है, हाथ सिर के पीछे, हाथ अपने घने बालों में। मोहक अंदाज़ में, वह एक आदमी के हाथों की नकल करती है। हर ताल बदलने पर, मुझे लगता है कि वह रुकने वाली है, सांस लेने वाली है, लेकिन वह बिना थके, संगीत में खोई हुई, यह साबित करना चाहती है कि वह ऊर्जा से भरपूर है और आज रात वह एक ज़बरदस्त साथी साबित होगी। डेनिश आदमी बार-बार अपनी घड़ी देखता है, कहता है कि देर हो गई है, क्लब जल्द ही बंद हो जाएगा। मुझे शक है कि वह बस अपने होटल में जाकर Wii खेलने के लिए बेताब है। स्कैंडिनेवियाई जितना ज़्यादा उत्साहित होता है, Wii उतनी ही तेज़ी से बंद होती नज़र आती है। मैंने उनके साथ बाहर जाने का फैसला किया, साई को उसकी प्रेमिका के साथ छोड़कर, जिसके चेहरे पर उदासी छाई हुई थी।

बाहर, पैदल सड़क गीली है; अभी-अभी बारिश हुई है। बारिश की महक हवा में फैली है, जिससे ठंडक का एहसास हो रहा है। आखिरकार मैं चैन की सांस ले पा रही हूँ। वी और उसका ग्राहक हाथ में हाथ डाले चले जाते हैं। पंद्रह मिनट में, वह मुश्किल में पड़ जाएगी। मैं अकेलापन महसूस कर रही हूँ, एक अद्भुत अकेलापन। एक कैफे के सामने कतार में खड़े, शांत, मूंछों वाले अरब लोग सड़क पर लोगों के आने-जाने को देख रहे हैं, लंबी पाइपों से मीठा, सफेद धुआं निकल रहा है। स्ट्रीट फूड स्टॉलों में, मांस भुन रहा है, तल रहा है और चटक रहा है। मीठी और खट्टी सुगंध रात की हवा में घुल रही हैं, रात के ग्राहकों को लुभा रही हैं। लाल-भूरे या पीले रंग के मसाले भुन रहे हैं, मांस कड़ाही में भुन रहा है, जिस पर एक

सुंदर सुनहरी परत बन रही है। पूरी सड़क खा की खुशबू से भरी है: वह थाई अदरक जिसे यूरोपीय लोग गलांगाल कहते हैं और जिसे बड़ी महिलाएं कच्ची भुनी हुई सब्जियों में डालती हैं, जिन पर हल्दी, धनिया और करी की खुशबू होती है। फुटपाथ के किनारे रंग-बिरंगे स्टूलों पर बैठे हुए, रात के समय लोगों की भीड़ इकट्ठा होती है और फिर तितर-बितर हो जाती है।

ओशन 10 के काउंटर पर खड़ी दो हसीनाएं राहगीरों को लुभाने के लिए कोयोट डांस कर रही हैं। काले रंग के कपड़े पहने, छाती के नीचे तक ऊँची बंधी ब्लाउज़ और कर्ल्स को उभारने वाले शॉर्ट्स में, वे स्ट्रैपी बूट्स पर बैठी, टांगें थोड़ी फैलाकर, बेपरवाही से नाच रही हैं। लंबी वाली ने नुकीली टोपी पहन रखी है जिसमें उसने अपनी पोनीटेल फंसा रखी है। चीनी और रूसी पर्यटकों के समूह ओशन 10 के सामने अपनी तस्वीरें खिंचवा रहे हैं। सपाट नितंबों वाली एक चीनी दादी इस नजारे को देखकर बहुत उत्साहित लग रही हैं। मुझे एहसास होता है कि कोयोट डांस थाईलैंड के लिए वैसा ही है जैसा न्यूयॉर्क के लिए स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी है।

मैं बैम्बू की ओर बढ़ता हूँ। झुर्रीदार चेहरे डांस फ्लोर पर थिरक रहे हैं, चारों ओर चटख रंगों की नियॉन लाइटें जल रही हैं, जहाँ बूढ़े लोग अपने पुराने गानों पर झूमते हुए अपनी जवानी के दिनों को याद कर रहे हैं। बार के पास, तीस से चालीस साल की औरतें इन निकम्मे अंकल लोगों को घूर रही हैं, उनकी दुबली-पतली निगाहें उन पर टिकी हैं, जबकि एक फूला हुआ, थका हुआ गायक अपने लंबे, चिकने बालों की लट को पीछे करते हुए "आई ऑफ द टाइगर" गाना शुरू करता है।

ये बाघ की आँख है, ये लड़ाई का रोमांच है, हम अपने प्रतिद्वंद्वी की चुनौती का सामना कर रहे हैं, और आखिरी जीवित बचा हुआ व्यक्ति रात में अपने शिकार का पीछा कर रहा है, और वो बाघ की आँख से हम सबको देख रहा है।

तुरंत ही, नौजवान लड़के नाचने की जगह पर उमड़ पड़े, बाहें ऊपर उठाए, अपनी जवानी के पुराने रॉक संगीत पर झूमते हुए, उनका जोश जितना दिल को छूने वाला था उतना ही दयनीय भी, उनकी लाल आँखें अधेड़ उम्र की लड़कियों के चमकते हुए शरीरों को घूर रही थीं। मैं एक पल के लिए हिचकिचाई, रुकने और अपनी किस्मत आजमाने के बारे में सोचा, लेकिन एक लटके हुए होंठ को देखकर, जिसके किनारों से लार टपक रही थी, मेरा हौसला पस्त हो गया। मुझे रुकना चाहिए... लेकिन आज रात मैं नहीं रुक सकती। मैं समुद्र तट पर ताजी हवा लेने के लिए नाकलुआ की ओर चलना पसंद करती हूँ।

समुद्र के सामने खड़े होकर मुझे राहत की सांस आती है। कभी-कभार किसी कार की धीमी गड़गड़ाहट सुनाई देती है। हेडलाइट्स की कुछ लकीरें अंधेरे को चीरती हुई नज़र आती हैं। बीच रोड पर टैक्सियाँ

मंडराती रहती हैं, ग्राहकों की प्रतीक्षा में बैठी शांत परछाइयों पर एक क्षणिक आभा बिखेरती हैं, हालांकि रात बढ़ने के साथ-साथ ग्राहकों के मिलने की संभावना कम होती जाती है।

सैर मेरे मन को शांत करती है, जहाँ विचार ध्यान खींचने के लिए होड़ करते हैं। मैं अपने जीवन के बारे में सोचता हूँ। मैंने हमेशा खुद को दुनिया से अलग-थलग, वास्तविकता से कटा हुआ महसूस किया है, मानो किसी प्रकार की बहरापन या मानसिक पक्षाघात मुझे इससे पूरी तरह जुड़ने से रोकता हो, मानो मुझे इस दुनिया के अस्तित्व पर ही संदेह हो या "खेल खेलने" के उद्देश्य पर ही। चाहे मैं गाँव में हूँ, बैंकॉक में हूँ या यहाँ, मुझे कहीं भी अपनी जगह नहीं मिलती; मैं ऐसे जीता हूँ जैसे कोई सज़ा काट रहा हूँ। क्या मैं एक अलग ही प्रजाति हूँ? क्या कुछ लोग ऐसा बोझ ढोते हैं जो उन्हें खुशी पाने से रोकता है?

मैं चंद्रमा द्वारा धरती पर बिखेरी गई विशाल, दूधिया बूंदों के बीच चलता हूँ; सागर जगमगा रहा है, हवा शांत और सौम्य है। एक असीम शांति मेरे मन में उमड़ रहे अंधकारमय विचारों को दूर करने में मदद करती है, और मुझे इस सागर से उठने वाली सुखदायक शीतलता का आनंद लेने देती है, जिसने मुझे हमेशा मोहित किया है। मैंने हमेशा सागर और उसके जीवों के साथ एक सहज जुड़ाव महसूस किया है। उनकी आकृतियाँ, उनका प्रकाश, किसी दूर के ब्रह्मांड से आए जादुई प्राणियों की याद दिलाते हैं।

बीच रोड के किनारे, डरावनी परछाइयाँ स्थिर खड़ी हैं, अकेले अपने होटलों की ओर लौट रहे लोगों को देख रही हैं... न कुछ है, न पैसा... मैं उनसे कम बहादुर हूँ, सड़क पर उतना ही असमर्थ जितना दुनिया में। मैं एक मोटरसाइकिल टैक्सी रोकती हूँ। होंडा वेव बारों की जगमगाती रोशनी के बीच रात की सवारी के लिए स्टार्ट होती है। ताज़ी समुद्री हवा शहर को सुकून देती है। हवा के साथ, हँसी और आवाज़ों के गुबार रुक-रुक कर उन आखिरी बारों से उठते हैं जो अभी भी खुले हैं, मानो रात में सुलगती आग हो। हवा के रुख बदलने पर कभी-कभी मुझे इसान संगीत की कुछ मधुर धुनें सुनाई देती हैं।

मोटरसाइकिल इस किराए के शहर की सुनसान सड़कों पर मंडरा रही है, इस धोखेबाज़ शहर की, जो ऐसे वादे करता है जिन्हें निभाना नामुमकिन है, एक थकी-हारी वेश्याओं का शहर। ड्राइवर मेरी ही उम्र का होगा। वह मुझे उतार देता है और भुगतान के समय अपनी किस्मत आज़माता है:

> — कोई ग्राहक नहीं? इतनी सुंदर लड़की... अगर तुम मेरे साथ ड्रिंक करने आओगी तो मैं तुम्हें मुफ्त में लिफ्ट दे दूंगा।

मैं उसे ऐसे देखता हूँ मानो वह मर चुका हो, और बिना कुछ बोले उसे किराए के चालीस बात दे देता हूँ। कमरा खाली है, मेरी टी-शर्ट से पसीने और ठंडी राख की बदबू आ रही है। नहाने की भी हिम्मत नहीं है, इसलिए मैं बिस्तर पर गिर पड़ता हूँ।

आधी रात को एक भयानक सपने ने मुझे जगा दिया। वही सपना जो हर बार तब आता है जब मैं ज़रूरत से ज़्यादा पी लेता हूँ। खूंखार कुत्तों का एक झुंड एक बंजर ज़मीन पर मेरा पीछा कर रहा है जिसकी

सीमाएँ मुझे दिखाई नहीं दे रही हैं। इस बार, जब मैं पीछे मुड़ा, तो मुझे लगा कि एक विशालकाय कुत्ता 'द मरीन' फ़िल्म के उस आदमी जैसा दिखता है। मैंने अपनी घड़ी देखी: 4:47। जैसे-जैसे समय बीतता गया, मेरी नींद सिगरेट के कागज़ से भी पतली होती गई। दोबारा सोना नामुमकिन था; मैं बेचैन था। मैं साई के बारे में सोचने लगा।

नौवीं

साईं दोपहर के आसपास घर आती है, बहुत उत्साहित। वह बहुत बातें करती है, बहुत तेज़ी से, हद से ज़्यादा तेज़ी से। मुझे उसकी आँखों में एक ऐसी चमक दिखाई देती है जो मैंने पहले कभी नहीं देखी थी।

— क्या हुआ? क्या तुमने कुछ लिया था?

— रुकिए, वह तो बस मेरा ग्राहक है...

— आपके ग्राहक का क्या हुआ? क्या जर्मन भाषा में आपकी बातचीत में कुछ गड़बड़ हुई?

— रूसी, जर्मन नहीं। एक अजीब आदमी जिसके धड़ और हाथों पर नीले रंग के टैटू हैं।

— हमारे जैसे सुरक्षात्मक टैटू?

नहीं, उसने मुझे अभी समझाया कि इसका मतलब है कि वह एक ब्रदरहुड से ताल्लुक रखता है, जिसे वह ब्राटवा कहता है।

मुझे लगता है कि तुम्हारे आदमी का चेहरा बदसूरत है।

उसने मुझे चुनौती और शरारत भरी मुस्कान के साथ देखा।

— बिलकुल सही, मुझे तो उसका बदसूरत चेहरा ही पसंद है। एक ताकतवर आदमी, मुझे यही अच्छा लगता है...

और बिस्तर पर कैसा अनुभव रहा?

— एक नंबर का विकृत इंसान, जैसा मैंने पहले कभी नहीं देखा। हमने पूरी रात सेक्स किया। मैं पूरी तरह से टूट चुकी हूँ... उसने मेरे साथ कुछ ऐसा किया...

— किस तरह की चीजें?

मुझे हथकड़ी पहनाना, मुझे पीछे से बेरहमी से पकड़ना।

— तो फिर तुम ऐसा अजीब सा चेहरा क्यों बना रहे हो?

— तुम ये सब बेवजह क्यों कह रहे हो?

आपने कुछ लिया था, है ना?

मैं उसकी फैली हुई पुतलियों और उसकी बेजान आँखों को देखता हूँ। वह अपना सिर दूसरी तरफ घुमा लेती है, मेरी नज़रों और मेरे सवाल दोनों से बचने की कोशिश करती है। मैं फिर भी कोशिश करता हूँ, और उसका हाथ पकड़ लेता हूँ।

— बस इतना ही? मुझे मूर्ख मत समझो। तुमने क्या लिया?

— उसने मुझे थोड़ी बर्फ दी। उसके बिस्तर के नीचे एक सूटकेस में कुछ बर्फ रखी थी।

— उम्मीद है आपने ज्यादा मात्रा में नहीं लिया होगा?

— परेशान मत करो। तुम मेरी माँ नहीं हो। बस थोड़ा मज़ाक कर रही थी!

— तुम्हारी माँ नहीं, सिर्फ़ तुम्हारी बहन। क्या तुम पागल हो? क्या तुमने पुलिस के बारे में सोचा है? ये एक अपराध है...

रुको, मुझे बहुत डर लग रहा है।

साई अपने हाथ जींस की जेबों में गहराई तक डालती है और मुझसे वादा करती है कि वह उन्हें दोबारा नहीं छुएगी। उसकी आवाज़ से मैं समझ जाती हूँ कि वह मुझसे झूठ बोल रही है, ठीक वैसे ही जैसे उसने डाइटर के बारे में झूठ बोला था। वह हमेशा बातों को तोड़-मरोड़ कर खुद को बेहतर साबित करने की कोशिश करती है, यह दिखाने की कोशिश करती है कि उसने जो किया वह सही था। लेकिन वह गलत है; उसे उस गंदी चीज़ को कभी नहीं छूना चाहिए था और पुलिस के पास जाना चाहिए था। पुलिस उस विदेशी से पैसे वसूल लेती और उसे सबक मिल जाता। लेकिन साई पुलिस से डरती है, जिन्हें वह "सूअर" कहती है। शायद इसलिए कि वह एक वेश्या है, या शायद इसलिए कि प्रीचा ने उसे कारखाने में काम करने के अपने बचपन के बारे में झूठी कहानियाँ सुनाई थीं।

मैं साई को दोस्त से भी ज़्यादा प्यार करता हूँ। लेकिन उसकी बेवकूफी भरी हरकतों को देखकर मैं हैरान रह जाता हूँ, खासकर जॉन वाली घटना से शुरू करके: जब कोई क्लाइंट आपको हर महीने बीस हज़ार डॉलर भेजता है, तो आपको संभलकर चलना चाहिए; कम से कम शहर में तो ज़रूर, जहाँ वह अच्छी तरह जानती थी कि जॉन के दोस्त हैं। वॉकिंग डेड में किसी विदेशी के साथ दिखावा करना तो सचमुच बेवकूफी होगी। खैर, चलिए नतीजों पर नज़र रखते हैं:

— कल रात हमने पाँच सौ रुपये बेवजह बर्बाद कर दिए, और कल हमें किराया भी चुकाना है।

— और आपकी जर्मन...? या यूं कहें कि आपकी रूसी?

मैं जवाब का इंतजार करता हूं, वह शर्मिंदा होकर मुस्कुराती है।

— उसने अभी तक मुझे कुछ नहीं दिया है, लेकिन वह मेरे लिए बहुत कुछ करने वाला है।

— और? आपका क्या मतलब है?

मेरा मतलब है, लंबी अवधि में। कोलिया के साथ यह एक दीर्घकालिक मामला है।

— धिक्कार है, मुझे विश्वास नहीं हो रहा! हमें किराया भी देना है और आप लंबी अवधि की बात कर रहे हैं।

*

* *

कोलिया कमरे में दाखिल होता है। तीस के आस-पास, सिर मुंडा हुआ, मज़बूत, कसा हुआ जबड़ा और एक भयावह मुस्कान। वह मुझे बेरुखी से "हैलो" कहता है, फिर दरवाजे के पास खड़ा हो जाता है, एड़ियों पर लड़खड़ाते हुए, चारों ओर नज़र घुमाता है। उसकी जिज्ञासु आँखें पहले कमरे को ऐसे स्कैन करती हैं मानो कुछ ढूंढने की उम्मीद कर रहा हो, फिर मेरी ओर लौटती हैं। यह कमीना क्या खोज रहा है? कोई घात लगाकर बैठा स्नाइपर?

फिर उसकी तीखी निगाहें मुझे इस कदर निर्लज्जता से निहत्था करने लगती हैं कि मैं असहज हो जाती हूँ। आँखें ऐसी जाँच-परख करती हैं, जैसे किसी ऑक्टोपस के टेंटेकल्स अपने शिकार के खोल को तोड़ने का तरीका ढूंढ रहे हों। फिर, वह 'आर' का उच्चारण करता है:

तो क्या वो फैक्ट्री की सबसे बड़ी स्टार है?

लहजा कठोर है, स्वर तिरस्कारपूर्ण। मैं गुस्से में कुछ नहीं बोलती। साई ने मानो कुछ सुना ही नहीं। मैं उससे डरती नहीं, हालांकि दिन के उजाले में उसका भारी-भरकम शरीर मरीन प्लाजा के धुंधले अंधेरे से भी कहीं अधिक प्रभावशाली लगता है। उसके चेहरे से दया का घोर अभाव और एक ऐसी दुर्भावना झलकती है जो मुझे हॉलीवुड फिल्मों के खलनायकों की अमानवीयता की याद दिलाती है। उसकी मजबूत हड्डियां और ताकतवर मांसपेशियां, जो उसकी हड्डियों की संरचना से जुड़ी हैं, बेचैनी की इस अस्पष्ट भावना को और भी पुख्ता करती हैं, मानो उनमें एक ऐसी भयावह शक्ति समाई हो जो कभी भी फट सकती है। उसकी बाहों की नसें उसकी त्वचा पर बड़े नीले कीड़ों की तरह रेंगती हैं, और अंत में लोहे जैसे मजबूत हाथों में जाकर खत्म होती हैं, जिनकी मोटी, चौकोर उंगलियां एक अज्ञात लिपि में

अजीब नीले रंग के अक्षरों से ढकी हैं। जाहिर है, थाई लोग ही अकेले ऐसे नहीं हैं जो जादुई अक्षरों में विश्वास करते हैं।

साई अपने उस ताकतवर साथी के पीछे-पीछे विनम्रता से चलती है। मुझे यकीन है कि वह उसे हरा रहा है और उसे यह अच्छा लग रहा है। वह उस पर अपनी शक्ति को लेकर बहुत आश्वस्त लगता है। वह आगे अकड़ा हुआ चलता है, उसकी बड़ी-बड़ी, मांसल भुजाएँ शरीर से थोड़ी दूर हटी हुई हैं मानो उसे बाथरूम जाना हो, और साई उसके पीछे हल्की और सुंदर है। ब्यूटी एंड द बीस्ट।

"मैं लगभग एक घंटे में वहाँ पहुँच जाऊँगी," उसने दरवाज़ा बंद करते हुए कहा।

दो घंटे बाद, वह धनिया, लहसुन और प्रिक थाई मिर्च के साथ ग्रिल्ड प्लाक्रापोंग मछली लेकर लौटी। मैंने उससे पूछा:

तो, अंत में उसने तुम्हें रात के लिए कुछ दिया?

वह थोड़ी शर्मिंदा सी लगती है, फिर अचानक बोल देती है।

> सुनो, ज़िद करना बंद करो। जब तुम शुरू करते हो तो परेशान करने लगते हो। समझ लो कि इस बार मैं पैसों की बात नहीं करना चाहता। हमने अभी-अभी उसके होटल के पास नोम चाई में दोपहर का खाना खाया है।

मैं समझती हूँ कि भुनी हुई मछली, जिसकी मुलायम त्वचा को मैं छीलकर उसके सुगंधित सफेद मांस को खाती हूँ, क्षमा का प्रतीक है। मुझे पूरी तरह से पता नहीं है कि वह इस कंजूस चार्ली के साथ क्या कर रही है, लेकिन बूढ़े टुक ने जिस अंतर्ज्ञान की बात की थी, उससे मुझे लगता है कि उसके कर्म बहुत बुरे हैं। उसके कठोर हाथों पर बने नीले टैटू का सामना करने के लिए साईं के महामंत्र और यंत हा ताएव की आवश्यकता होगी।

शाम की ठंडी हवा चलते ही हम फिर से समुद्र तट पर निकल पड़ते हैं। समुद्र की लहरें शाम के धुंधलके को गर्म रोशनी से नहला देती हैं। अभी क्लब जाने का समय नहीं हुआ है। वैसे भी, हमारी जेबें खाली हैं। साई लगातार खांस रही है; उसका चेहरा पीला पड़ गया है।

> मैं एक कपटपूर्ण हमला करता हूँ:
>
> — यह सच नहीं है कि उसने तुम्हें कुछ नहीं दिया। उसने तुम्हें सर्दी तो दी। कम से कम इतना तो दिया।

साई ने व्यंग्य से भरी ईमानदारी के साथ मुझे जवाब दिया।

कम से कम तुम एक जैसे तो हो। आखिर चाहते क्या हो? मैं नरम दिल वालों को अपमानित करता हूँ, उनके साथ सड़क के उस पार पड़े तथाकथित कुत्ते की गंदगी से भी बदतर बर्ताव करता हूँ। मैं कुछ नहीं कर सकता। जॉन को देखो!

लेकिन ये आदमी...

— मुझे सिर्फ़ सबसे घटिया और नीच मर्द ही आकर्षित करते हैं, शायद इसीलिए मैं वेश्या हूँ। जब मर्द कोलिया की कठोर निगाहों से मिलते हैं, तो वे नज़रें फेर लेते हैं। उनके चेहरों पर डर पढ़ना, उनकी दहशत महसूस करना, इससे ज़्यादा मुझे और कुछ भी उत्तेजित नहीं करता।

- महसूस करने के लिए ?

आप यकीन मानिए, डर की एक ऐसी गंध होती है जिसे आप कभी नहीं भूलते, और यह मुझे उत्तेजित कर देती है। जब मैं भय से मरने वालों की तीखी, तीखी, थोड़ी बासी गंध सूंघती हूँ, तो मुझे कोलिया के साथ यौन संबंध बनाने की तीव्र इच्छा होती है।

बहस से बचने के लिए मैं कोई जवाब नहीं देता। साईं मेरी सोच से कहीं ज़्यादा भावुक है। बीच रोड पर चल रही इस अजीब सी भीड़ को देखकर मैं अब तक हैरान हूँ। यह एक अजीब सा एहसास है, जैसे किसी शो में हों, या यूँ कहें कि किसी सर्कस या मेले में: फीके होंठों वाली औरतें, सोने के दाँतों वाले भारतीय, पगड़ी पहने अरब, सांवली मूंछों वाले मर्द, बेपरवाह कपड़े पहने दुकानदार, रेसिंग बाइक धकेलते साइकिल सवार, मुरझाई लड़कियाँ, कामुक औरतें। समुद्र तट और गाड़ियों की भीड़ के बीच, पूरा समाज एक-दूसरे को देखने, एक-दूसरे को परखने और रिश्ते बनाने के लिए यहाँ आ गया है। हमारे बगल वाली बेंच पर बैठकर मैं एक गठीले, लाल बालों वाले आदमी की हरकतों को देख रहा हूँ जो एक लंबी, पतली, दुबली-पतली औरत से बातें कर रहा है। उसका पूरा शरीर एक शक्तिशाली, भारी-भरकम और जकड़ा हुआ सा लगता है। एक मोटी बैल जैसी गर्दन वाली कामुक दरिंदा।

एक पाकिस्तानी दिखने वाला आदमी दूसरी बार वहाँ से गुज़रता है और साई की ओर चोरी-छिपे नज़रें डालता है। अंत में, वह दबे पांव उसके पास जाने का फैसला करता है, और उसके आगे एक तेज़ दुर्गंध आती है।

साईं मुंह बनाकर ऊंची आवाज में बोली... मुझे भारत के पुरुष पसंद नहीं हैं!

मेरी चाची से भी अधिक उम्र की एक महिला उठती है, अपनी स्कर्ट को नज़ाकत से ठीक करती है और पाकिस्तानी आदमी को एक धूर्त मुस्कान देती है, जो नई जीत की उम्मीद में नज़रें फेर लेता है। आगे चलकर, शाम की हवा में आवाज़ें गूंजने लगती हैं। एक झगड़ा शुरू होता है और बढ़ता जाता है। तगड़े काटोई के चारों ओर दर्शकों की भीड़ जमा हो जाती है, जो एक बूढ़े फ़ारंग को अपनी ऊँची एड़ी वाली

जूती से धमका रहा है। वह थाई भाषा में उसे गालियाँ देता है, खासकर इसलिए क्योंकि पर्यटक को एक भी शब्द समझ नहीं आता। जब एक लेडीबॉय लड़ता है, तो मर्दाना ताकत के दबाव में स्त्रीत्व का आवरण टूट जाता है और पुरुष आक्रामकता फिर से हावी हो जाती है। सावधानी से, फ़ारंग पीछे हट जाता है जबकि काटोई, अभी भी नियंत्रण में, अपनी जूती वापस पहनता है और विजयी निगाहें चारों ओर घुमाता है, समुद्र तट पर मौजूद भीड़ को गवाह बनने के लिए बुलाता है।

पिछले पांच मिनट से शॉर्ट्स और चप्पल पहने दो आदमी इधर-उधर टहल रहे हैं। उनमें से एक के शरीर पर काफी बाल हैं, वह गठीला है, उसके बाल घने काले हैं और मूंछें घुंघराली हैं। उसकी छाती पर एक संदिग्ध रूप से साफ अंडरशर्ट है, और वह नींद में डूबे किसान की तरह लड़कियों की पीठ को घूर रहा है, ठीक वैसे ही जैसे बुरिराम के पशु बाजार में मवेशी व्यापारी एक नजर में ज़ेबू की कीमत का अंदाजा लगा लेते हैं।

उसका दोस्त एक लंबा, गंजा, बीमार सा दिखने वाला आदमी है जो बिना कमीज पहने समुद्र तट पर घूमता रहता है और अपनी बदसूरत, सफेद, तैलीय त्वचा दिखाता रहता है। उसकी पीली, झुर्रीदार खोपड़ी मुझे उस परत की याद दिलाती है जो बूढ़े पिचित के भैंस का दूध दुहते समय दूध के कटोरे की सतह पर जम जाती है।

वे दोनों साथी हमारे बगल में बैठ गए।

— Sabai dee mai ?

— Sabai deeee !

वे मुझसे भी खराब अंग्रेजी बोलते हैं। मुझे यह समझने में पूरे दस मिनट लग जाते हैं कि वे इटैलियन हैं और मुझे थ्रीसम के लिए घर ले जाना चाहते हैं। मैं नहीं चाहती, लेकिन साई मुझे याद दिलाने के लिए भौंहें चढ़ाता है कि किराया चुकाने के चक्कर में अब हमारे पास ग्राहकों का कोई विकल्प नहीं बचा है। उनके हाथ बड़े और भारी हैं, लंबाई से ज़्यादा चौड़े: सख्त, ताकतवर हाथ जो मुझे उन निर्माण श्रमिकों की याद दिलाते हैं जिन्हें मेरी माँ कभी-कभी शराब ज़्यादा पीने के बाद अपने निर्माण स्थलों से घर ले आती थीं। छोटा आदमी मुझसे थ्रीसम के लिए पैसे माँगता है। मैं उनके दाम का अंदाज़ा लगाने की कोशिश करती हूँ; इटैलियन लोग कंजूस होने के लिए बदनाम हैं: अक्सर कंगाल। लेकिन हमें किराए के लिए 2,000 और अपना सैमसंग वापस लेने के लिए 1,000 की सख्त ज़रूरत है। मैं सब कुछ दांव पर लगाने का फैसला करती हूँ।

आप मुझे तीन हजार दीजिए और मैं आपके साथ चलूंगा।

गठीले शरीर वाला आदमी गुस्से से आँखें चौड़ी कर लेता है और सिर हिलाता है, मानो उसे किसी पारिवारिक त्रासदी के बारे में पता चला हो या वह किसी पागल से मिला हो। लंबा आदमी जाना चाहता है, मेरी कीमतों से साफ़ तौर पर नाराज़ है, लेकिन मोटा आदमी हिचकिचाता है और मुझे ऐसे सूंघता है जैसे कोई छोटा कुत्ता किसी कांटेदार जानवर को देखकर उत्सुक हो जाता है। वह उस बड़े बेवकूफ से थोड़ी देर बात करता है और ज़ोर देता है कि मैं जवान हूँ। लंबा आदमी सिर हिलाता है, लगता है वह सहमत नहीं है। उसे लगता है कि बीच के हिसाब से यह बहुत महंगा है। मुझे समझ आ गया कि वे जाने वाले हैं। मुझे कुछ तो करना ही होगा।

मैं तीन हजार के लिए सब कुछ करता हूँ!

— हम तुम्हें हर जगह चोद सकते हैं?

— हर जगह!

मैंने साफ तौर पर अपनी बात मनवा ली है। उस हट्टे-कट्टे आदमी के लाल चेहरे पर एक चौड़ी मुस्कान फैल जाती है, मानो वह चीजों को नए नजरिए से देख रहा हो। वह मुझे शरारती निगाहों से घूरता है, मानो सोच रहा हो कि मैं झूठ बोल रही हूँ। लगता है उसे पहले भी कुछ ऐसी औरतों से धोखा मिला होगा जिन्होंने अपने वादे नहीं निभाए। मैं अपनी बात पर अड़ी रहती हूँ:

मैं तीन छेद वाली महिला हूँ!

जब वह अपनी जीभ की नोक को अपने होठों पर फेर रहा था, तब मैंने बिना नज़र हटाए सीधे उसकी आँखों में देखा। फिर उसने कहा:

तीन हजार के लिए ठीक है, लेकिन इसमें काफी समय लगेगा।

मैं इसलिए उठ जाता हूँ ताकि उन्हें अपना मन बदलने का समय न मिले।

— ठीक है, अब हम चलें?

बीच रोड पर जाम में फंसी हमारी मोटरसाइकिलें आगे बढ़ती हैं। उनकी मोटरसाइकिलें डाकघर के पास खड़ी हैं। मैं उस लंबे-पतले आदमी की गुलाबी यामाहा फिनो मोटरसाइकिल के पीछे बैठ जाता हूँ, उसकी बिना धुली हुई देह की तीखी उमस से मेरी नाक सट जाती है। जोमटियन रोड पर पहाड़ी की चोटी पर पहुँचने से पहले, वे बाईं ओर मुड़ते हैं और एक तीन मंजिला इमारत के नीचे रुक जाते हैं। वे एक काफी गंदे से स्टूडियो अपार्टमेंट में रहते हैं, जिसकी एकमात्र सजावट दीवार पर लगा एक बड़ा सा दर्पण है। वे मुझे किसी भी कीमत पर इटैलियन शराब पिलाने पर तुले हुए हैं।

— फर्नेट ब्रांका सेक्स के लिए बहुत अच्छा है।

कुछ ग्राहक लड़कियों को नशीली दवा देते हैं। मैं इसका पुरजोर विरोध करता हूँ।

— नहा लो, नहा लो!

मेरी असहयोगिता और अधीरता से वे चिढ़ रहे हैं। मुझे पता है कि वे मुझे बाहर निकालने के लिए तैयार हैं; मैं किराए के बारे में सोच रहा हूँ, इसलिए मैं आगे कहता हूँ:

मुझे अभी सेक्स करने की बहुत इच्छा हो रही है, मैं बहुत कामुक महसूस कर रही हूँ।

वे शांत हो जाते हैं। दो कमीने जिन्हें पता है कि अब खूब मज़ा आने वाला है। नहाने के बाद, वे दोनों वहाँ हैं, तैयार होने के लिए हस्तमैथुन कर रहे हैं। मैं रोशनी कम करना चाहती हूँ। मैं कहती हूँ, "मुझे शर्म आ रही है..." लड़के हँसते हैं, लाइट चालू रखते हैं और शीशे की ओर इशारा करते हैं। बड़ा वाला मेरे सामने खड़ा हो जाता है। वह अपने घुटने मोड़ता है। दूसरा मेरे पीछे बैठ जाता है। चुपके से, वह बिना कंडोम के कोशिश करता है, मैं अपना सिर घुमा लेती हूँ... कंडोम ठीक है...?

वह अनिच्छा से बात मान लेता है।

*

* *

मैं इस घिनौने, नमकीन स्वाद को टॉयलेट बाउल में थूकने जा रही हूँ। टैंक पर एक पिचकी हुई बीयर की बोतल रखी है। मैं उससे गरारे करती हूँ। चांग कुल्ला करने के बाद, मैं उसे गंदे सिंक में थूक देती हूँ। मैं अपनी लार भी निगलने की हिम्मत नहीं करती। मेरा पिछवाड़ा, जेल से चिकना, बुरी तरह सूजा हुआ है। मैं टॉयलेट पेपर से खुद को पोंछती हूँ। मैं टॉयलेट पर बैठकर बिडेट स्प्रे से खुद को धोती हूँ। फिर, मैं अपने पेट और मूत्राशय को खाली करती हूँ। टाइल्स पर धातु की खनक सुनाई देती है। मेरी तरल ध्वनि, एक छोटी, फटी हुई योनि जैसी, आधे खुले बाथरूम के दरवाजे में दिखाई देने वाले एक लाल चेहरे को आकर्षित करती है। पसीने से तर चेहरा मुझे पेशाब करते हुए देखता है।

मैं काफी देर तक गर्म पानी से भरे शॉवर में नहाती रही। बेडरूम में, मुझे उनकी हंसी और उनकी भाषा में बातें सुनाई दे रही थीं। मुझे पता था कि वे मेरे बारे में बात कर रहे हैं, कि कैसे उन्होंने मुझे साथ लिया था। मुझे परवाह नहीं, मुझे बस कल सुबह अपने तीन हज़ार बात चाहिए। और कुछ मत सोचो, छोटी बहन। मैं तौलिए में लिपटी हुई शॉवर से बाहर निकली, मेरी त्वचा अभी भी गीली थी। मेरा गुदा दुख रहा था, मैं अपने पैरों को थोड़ा फैलाकर चल रही थी। वे लेटे हुए थे, आखिरकार आराम कर रहे थे। वे मुझे बिना कुछ कहे, मरे हुए जानवरों जैसी निगाहों से देख रहे थे। मैं उनके बीच बिस्तर पर लेट गई। मैंने

अपना चेहरा गंदे तकिए में दबा लिया। मैंने अपनी आँखें बंद कर लीं। मैं अपने कान बंद करना चाहती थी ताकि मैं उनकी कर्कश हंसी न सुनूँ, ताकि मैं उनके खर्राटे न सुनूँ। मैं अपनी नाक बंद करना चाहती थी ताकि मैं उनकी बिना धुली बगलों के तेजाबी पसीने की गंध न सूंघूँ। मैं गुस्से से रोना चाहती थी, लेकिन मेरी आँखें मार्च के धान के खेतों की तरह सूखी थीं। मेरा अब कोई अस्तित्व नहीं था; बस अंधेरा था।

मुझे सोने में बहुत देर लगती है, मेरी नसें तनाव में रहती हैं। आधी रात को, वह मोटा आदमी मुझसे लिपटकर मुझे जगाता है और फिर से मेरे साथ संबंध बनाता है। मिशनरी स्टाइल में, जल्दी और आसानी से। अभी भी आधी नींद में, मैं उसे ऐसा करने देती हूँ। वह जल्दी से स्खलित हो जाता है, फिर सिंक में हाथ-मुँह धोने जाता है और वापस बिस्तर पर आ जाता है। मुझे याद नहीं कि उसने कंडोम का इस्तेमाल किया था या नहीं। सुबह, मैं एकदम से चौंककर उठती हूँ। मुझे समझ आ जाता है कि वे दोनों फिर से संबंध बनाना चाहते हैं।

वे मेरी कमर तोड़ रहे हैं। मैं दर्द और शरीर में हो रहे तनाव को रोक नहीं पा रही हूँ। मैं रूई जैसे खून और काँच जैसे ठंडे माथे को रोक नहीं पा रही हूँ। मैं चुभते पसीने को रोक नहीं पा रही हूँ। मैं बस अपनी आँखें बंद कर सकती हूँ ताकि मुझे उन्हें और न देखना पड़े। जब वे अपना काम खत्म कर लेते हैं, तो मैं अपने पसीने से तर माथे को गंदे तकिये के कवर से पोंछ लेती हूँ।

नहाने के बाद, उस छोटे कद के आदमी ने बड़ी मुश्किल से, लगभग अनिच्छा से, अपने थके हुए बटुए से तीन हज़ार फ़्रैंक के नोट निकाले। मुझे और ज़्यादा माँगने चाहिए थे।

क्या आप मुझे टैक्सी या मोटरसाइकिल के लिए कुछ सुझाव दे सकते हैं?

वह मुंह बनाता है, फिर शाही अंदाज़ में बीस बात जोड़ता है, मानो किसी दोषी को माफ़ी दे रहा हो। मैं सोचता हूँ... कमीना!

शहर पर काला सूरज चमक रहा है। आत्म-प्रकाश से चकाचौंध होकर मेरी आँखें झपक रही हैं। सबसे बढ़कर, कुछ मत सोचो, टॉय... इन छवियों को दूर धकेल दो... मुँह में इस मिट्टी जैसे स्वाद को भूल जाओ... मैं सड़क के दृश्य को देख रही हूँ। बस अपनी जींस की जेब के नीचे पड़े तीन मुड़े हुए नोटों के बारे में सोचो। मैं खुद को किसी बंजर भूमि में झुंड द्वारा मजबूर किए गए कुत्ते की तरह अपमानित महसूस कर रही हूँ। मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मैं शर्म और कड़वाहट के गंदे पसीने में डूबी हुई हूँ। मैं घंटों तक नहाना चाहती हूँ, अपनी त्वचा को हड्डियों तक खरोंचना चाहती हूँ। मैं यहाँ क्या कर रही हूँ, साझा टैक्सी का इंतज़ार कर रही हूँ? भीतर से, मैं साई से अलग नहीं हूँ; यह खालीपन मुझे अपनी ओर खींचता है। शायद यही कारण है कि एक किशोरी एक दिन "बुरी ज़िंदगी" चुनने का फैसला करती है, यह ढलान जो जितना आकर्षित करती है उतना ही डराती भी है क्योंकि इंसान मानता है कि सामाजिक

नियमों से मुक्त होकर, इस सम्मोहक शून्य, इस खाई के करीब जाकर, जो उसे चक्कर दिलाती है, वह अधिक तीव्रता से जी सकता है।

मेरी पहली प्राथमिकता उस चीनी कमीने से अपना फ़ोन वापस लेना है। महज़ दो दिनों में ही आठ सौ बात पानी में चावल की तरह फूल गए हैं। मैं उदास होकर देखता हूँ कि कैश रजिस्टर मेरा हज़ार बात का नोट निगल रहा है। मैं उस कमीने का गला घोंट देना चाहता हूँ, जो मुझे उन धान के खेतों में रेंगने वाले साँपों की याद दिलाता है जो चूहों को खा जाते हैं। एक घिनौना प्राणी, उतना ही भावहीन और ठंडा जितना पथुम के वांग थाई टेक्सटाइल के मालिक: एक अमानवीय नस्ल, भावनाओं से रहित, केवल स्वार्थ से प्रेरित, एक ऐसी जाति जिसकी भावनाएँ केवल पैसे के आनंद पर केंद्रित हैं। अगर मैं मर्द होता, तो शायद मैं उसका सिर उसकी दुकान की खिड़की में पटक देता, जो दुख के उन प्रतीकों से भरी पड़ी है। लेकिन मुझे संयम बनाए रखना होगा, हमेशा संयम बनाए रखना होगा। वो दिन आएगा जब उन कमीनों को इसका भुगतान करना होगा।

सड़क के शोरगुल में कदम रखते ही मेरा हाथ सुन्न पड़ गया और बांह बेजान सी हो गई। मेरा सैमसंग फोन बहुत भारी है। मेरी जेब में सिर्फ दो हजार बचे हैं। किराया देने के लिए बस इतना ही काफी है।

*

* *

मेरे मोबाइल फोन पर कई मिस्ड कॉल थीं। आंसरिंग मशीन पर नट और फ्रांस्वा के संदेश थे। मैं कारखाने से तीन दिन से अनुपस्थित हूँ। मैंने पहले नट का संदेश सुना, उसकी दुख भरी आवाज़:

> — नट फिर से बोल रहा है। तुम्हें कल यहाँ अवश्य आना होगा। सोमचाई चाहता है कि तुम कल सुबह सबसे पहले अपनी ड्यूटी पर पहुँच जाओ।

जैसे ही मैं कमरे में दाखिल हुआ, साई फोन पर अंग्रेजी में बात कर रही थी। मेरे अचानक आने से वह थोड़ी हैरान लग रही थी। शर्मिंदा होकर उसने फोन रखने से पहले सामान्य बातचीत शुरू कर दी। उसने अपना फोन बंद किया और फिर मेरी तरफ मुड़ी।

> वे दोनों अजीबोगरीब लोग कैसे थे?

> — मैं इस बारे में बात नहीं करना चाहता, साई। क्या तुम समझ सकते हो? वैसे भी, मुझे नट को वापस कॉल करना है।

उसे उस समय काम करना पड़ता है।

— बहुत बढ़िया, उसे ब्रेक के दौरान मेरा संदेश मिल जाएगा।

नट के फोन पर वॉइसमेल आ गया। मैंने उसकी चिंता के लिए उसे धन्यवाद दिया और फिर कहा कि मैं वापस नहीं आऊँगी, मैं कभी नहीं लौटूँगी। उस घटिया कारखाने के लिए घृणा की लहर मेरे गले तक उमड़ आई।

— मुझसे वादा करो कि तुम उस सोमचाई जेल गार्ड को बता दोगे कि मैं फिर कभी उसकी कार्यशाला में कदम नहीं रखूंगा।

मेरे सामने खड़ी साई ने चुपचाप दोनों हाथों से ताली बजाई। वह गर्व से मेरी ओर देख रही थी, मेरी नाराज़गी की प्रशंसा कर रही थी। फिर मैंने फ़्रांस्वा के संदेश सुने।

हेलो टॉय... तुम जवाब क्यों नहीं दे रही हो? मैं इसलिए कॉल कर रहा हूँ क्योंकि मेरे दोस्त पीटर ने तुम्हें पटाया बीच रोड पर देखा था। उसने बताया कि तुम साई के साथ थीं और साफ़ तौर पर ग्राहकों का इंतज़ार कर रही थीं। वह बहुत हैरान था और पक्का करने के लिए दो बार वापस गया। उसने कसम खाकर कहा कि उसे कोई ग़लती नहीं हुई। मुझे लगा तुम फ़ैक्ट्री में हो, मुझे लगा तुम बाकी लड़कियों से अलग हो। मुझे लगा मैं तुम्हें जानता हूँ। प्लीज़ मुझे वापस कॉल करो। कुछ बताओ। अपनी बात समझाओ।

.....

फिर से फ़्रांस्वा। क्या आपको मेरा पहला संदेश नहीं मिला? आप पहली बार इतने चुप हैं। मुझे लगता है इसका कुछ मतलब है। अगर आपको कुछ कहना हो तो मुझे फ़ोन कीजिए। अगर आप कहेंगे कि यह सच नहीं है, तो मैं मान जाऊँगा। मुझे पीटर की परवाह नहीं है। वैसे भी, वह हमेशा से हमारे प्यार से जलता रहा है। बस इतना कह दीजिए कि यह सच नहीं है और मैं मान जाऊँगा, लेकिन मुझे फ़ोन ज़रूर कीजिएगा। इतना तो आप पर मेरा हक़ है। यह चुप्पी मुझे मार रही है।

.....

मैं फ़्रांस्वा हूँ... कृपया उत्तर दीजिए। आपकी चुप्पी शर्मनाक है। कृपया।

.....

टॉय, पिछले दो दिनों से मेरी हालत बहुत खराब है... न कोई मैसेज, न कोई कॉल। अब मैं तुम्हें कॉल नहीं करूंगी। बस तुम्हें शुभकामनाएँ देती हूँ। अलविदा।

मेरे फोन में बैलेंस खत्म हो गया है और मैसेज भेजने के लिए पैसे भी नहीं हैं। मैं पूरी तरह टूट चुकी हूँ। वेश्याएँ भी प्यार में पड़ सकती हैं। मेरी ज़िंदगी में कुछ ही घटनाएँ घटी हैं और इतनी उलझन, इतने सारे सवाल। क्या दूसरों के साथ भी ऐसा ही है? क्या मैं अकेली हूँ जो खोई हुई महसूस कर रही हूँ? मुझे क्या करना चाहिए? अतीत को भुला दूँ? सिर्फ़ लालच में चूर होकर एक कट्टर वेश्या बन जाऊँ? अपने बैंक खाते में मौजूद पैसों से अपनी ज़िंदगी की कीमत तय करूँ? अगर ऐसा है, तो मैं वहाँ भी मुश्किल में हूँ।

मेरे लिए सिर्फ़ फ़्रांस्वा ही मायने रखता था। रुको, मैं पहले ही भूतकाल में बात कर रही हूँ। शायद जितना मैं दिख रही हूँ उससे ज़्यादा स्पष्ट हूँ। इकलौता? साई के अलावा, ज़ाहिर है, साई जिसने अभी-अभी कपड़े उतारे और मेरे बगल में लेट गई, मानो मेरे गुस्से से उत्तेजित हो गई हो। मैं उसे अपना फ़ोन देती हूँ ताकि वह फ़्रांस्वा के संदेश सुन सके। वह भौंहें चढ़ाती है, फिर मुझसे पूछती है:

— क्या वह तुम्हें पैसे भेज रहा था, फ्रांस्वा?

नहीं, और मैंने उनसे ऐसा करने के लिए कभी नहीं कहा।

— तो फिर वो इतना परेशान क्यों हो रहा है? जॉन का मुझे वेतन देना तो समझ में आता है, लेकिन सच कहूँ तो... क्या उसे लगता है कि तुम किसी पौधे की तरह हो जिसे धूप और ताज़ा पानी चाहिए? चिंता मत करो, अगर वो सच में प्यार करता है तो एक दिन या एक महीने में वापस कॉल करेगा।

मुझे फ़्रांस्वा पर बहुत गुस्सा आ रहा है। अगर वो थोड़ा कम स्वार्थी होता, तो हम इस मुसीबत में नहीं होते। हर चीज़ के लिए वही ज़िम्मेदार है। मैं बस उसे भूलना चाहती हूँ, आँखें बंद करके उसे भूल जाना चाहती हूँ।

किराया तो चुका दिया गया और मेरा सैमसंग फोन भी वापस मिल गया, लेकिन हमारी जेब में एक भी अतिरिक्त बात नहीं बची थी। इसलिए, दोपहर होते-होते हमने बीच पर ही वेश्यावृत्ति करने का फैसला किया। एक आदमी ने मुझे अपने होटल तक लिफ्ट दी। एक सांवला स्वीडिश आदमी, सफेद कमीज, कैनवास पैंट और बोट शूज़ पहने हुए, पचास साल का, दिखने में साफ-सुथरा, लेकिन धूप में पके फल की तरह झुर्रीदार त्वचा वाला। जब उसने दरवाजा खोला, तो कमरे में एक गोरी महिला बैठी थी, पैर क्रॉस करके बैठी और हाथ में बीयर लिए नखरे दिखा रही थी। मैंने उसकी तरफ मुड़कर कहा... तुम पागल हो यार... उसने माफी मांगते हुए मुस्कुराया, कहा कि उसके पास कोई और चारा नहीं था, और मेरे हाथ में तीन हजार बात रख दिए।

उसकी पत्नी लंबी, थोड़ी मोटी, लेकिन मूर्ति जैसी सुंदर है। उसके गुप्तांग के काले बाल उसकी गोरी त्वचा और सुनहरे बालों के साथ एक अनूठा विरोधाभास पैदा करते हैं। उसकी तीव्र इच्छा मुझे आश्चर्यचकित कर देती है। वह मुझे चूमती है, अपनी जीभ मेरे होठों के बीच डालती है, और ज़बरदस्ती मेरे मुँह में प्रवेश करती है। मेरे दाँत ढीले पड़ जाते हैं। उसकी खुरदरी जीभ, बिल्ली की जीभ जैसी, मेरी जीभ पर

फिसलती है। यह गीली और गर्म है। वह मेरे मुँह को अपने कब्जे में ले लेती है, मुझे गहराई से, बेताबी से टटोलती है, अपने लचीले होठों को मेरे होठों से अलग किए बिना, मानो वह मेरे होठों से जीवन चूस लेना चाहती हो। वह एक शक्तिशाली चूषण यंत्र बन जाती है। अपनी आँखें बंद करके, ऐसा लगता है मानो वह मुझे बोलने से, यहाँ तक कि साँस लेने से भी रोकना चाहती हो। उसके शरीर में दूध की महक है। फिर, मानो अनिच्छा से, वह मुझसे दूर हटकर मेरे फैले हुए पैरों के बीच आ जाती है। पति यह सब देखता है, फिर हमारे साथ शामिल हो जाता है ताकि मैं उसे चूस सकूँ। सुनहरे बालों का क्रोध। मेरे पेट की मांसपेशियाँ सिकुड़ जाती हैं। वह मेरी छाती को दबाती है। वह अपने स्तनों को सहलाती है, फिर मुझसे उन्हें चाटने के लिए कहती है। उसके निपल्स हल्के दानेदार हैं, जिनकी नोकें मेरे चाचा की योनि की नाक जैसी मुलायम हैं। वह चाहती है कि मैं उसमें उंगली डालूँ। उसकी भगशेफ मेरी तर्जनी उंगली के नीचे मटर की तरह लुढ़कती है। पति मेरे पीछे डॉगी स्टाइल में सेक्स करने के लिए तैयार है। वह अपनी गति बढ़ाता है और ज़ोर-ज़ोर से साँस लेता है। मैं अपना सिर घुमाकर कहती हूँ... मुझे ज़ोर से चोदो... अब मुझे शब्दों की शक्ति का एहसास हुआ। सेक्स दिमाग में होता है, केवल दिमाग में, शरीर क्रिया करता है, बस इतना ही। एक ज़ोरदार ऑर्गेज़्म उसके शरीर को हिला देता है। यह मेरे चाचा के पुराने जनरेटर की तरह है जब वह इग्निशन बंद करते हैं। लगभग पंद्रह सेकंड बाद वह महिला चरम सुख तक पहुँचती है।

वह आदमी बिस्तर पर बेसुध पड़ा है। शांत महिला मुस्कुराती है, मानो उसकी इच्छा पूरी होने की मिठास को दर्शाती हो। जब मैं बाथरूम जाने के लिए उठता हूँ, तो वह शांत भाव से छत को निहारती रहती है। मेरा जीवन समुद्र तट पर रेत की तरह मेरे हाथों से फिसल रहा है।

होटल से निकलते समय, मेरी वापसी के बाद पहली बार, हमारे सामने कुछ पैसे थे।

*

* *

मेरा फ़ोन बजता है; मुझे उम्मीद है कि फ़्रांस्वा होगा। उसने पिछली बार के बाद से मुझे वापस कॉल नहीं किया है, और मैं पहल करने के लिए बहुत स्वाभिमानी हूँ। यह कैटरीना है, नकली गोरी लड़की, जो मुझसे अपने होटल में मिलना चाहती है। मैं इसमें बेहतर होती जा रही हूँ क्योंकि अब मेरे पास नियमित ग्राहक आने लगे हैं। वह बाथरोब पहने हुए दरवाज़ा खोलती है। वह अकेली है। मैं आश्चर्यचकित होकर पूछती हूँ:

— आपके पति?

"मैं दो दिन के लिए बैंकॉक में हूँ," उसने मुस्कुराते हुए मुझसे कहा।

कपड़े उतारने से पहले वह मुझे प्यार से चूमती है। वह अपने स्तनों को सहलाती है, फिर अपने कामुक होंठों से मुझे दोबारा चूमती है। जब मैं तीन उंगलियों से उसे हस्तमैथुन करवाता हूँ तो उसे बहुत अच्छा लगता है।

क्या आपको महिलाओं के साथ प्रेम करना पसंद है?

क्या मुझे लड़कियाँ पसंद हैं? सावधानी से, मैं जवाब देता हूँ कि मुझे नहीं पता। अगर उसने मुझे साई के साथ देख लिया तो! बेशक मैं उस गोरी लड़की के साथ सोना ज़्यादा पसंद करूँगा बजाय उन बूढ़े आदमियों के हाथों परेशान होने के जो शाम को बीच पर घूमते रहते हैं। मैं विषय बदलने के लिए पूछता हूँ:

- तुम्हें बच्चा है ?

- दो !

मैं न तो लड़की मांग रहा हूँ और न ही लड़का। उसे अपने बच्चों की ज़रा भी परवाह नहीं, बस अपनी सुख-सुविधाओं को ऐसे चाहती है जैसे वो उसका अधिकार हो। वो दराज से वाइब्रेटर निकालती है... मैंने उन्हें उन फिल्मों में देखा है जो साई कभी-कभी उत्तेजित होने पर देखती है। वो चारों हाथों-पैरों के बल बैठ जाती है... मुझसे कहती है... मैं चाहती हूँ कि तुम अभी मुझसे सेक्स करो... बस यही उसकी इच्छा है। आख़िरकार, वो इसके लिए पैसे दे रही है।

मैं चाहती हूँ कि तुम मेरी योनि चाटो...

मुझे उसकी खूबसूरत, मुलायम, सफेद जांघें बहुत पसंद हैं। जब मैं उन्हें मसलता हूँ, उनकी खुशबू सूंघता हूँ और अपना पूरा चेहरा उनमें दबा देता हूँ, तो उसे बहुत अच्छा लगता है। उसकी योनि थाई महिलाओं से भी चौड़ी है। वह मेरे स्तनों को सहलाती रहती है। हम 69 पोजीशन में आ जाते हैं। वह रस से लथपथ मांस के टुकड़े जैसी लग रही है। उसे चाटते-चाटते मुझे लगभग नींद आ जाती है। मैं थका हुआ हूँ, लेकिन मुझे महसूस हो रहा है कि उसकी उत्तेजना बढ़ रही है, वह बस आने ही वाली है। मैं आह भरता हूँ। मैं गति बढ़ा देता हूँ, वाइब्रेटर को उसके अंदर गहराई तक धकेल देता हूँ। मैं अपनी उंगलियों को ऐसे घुमाता हूँ जैसे उसके रस को और बढ़ा रहा हूँ। वह उत्तेजित हो जाती है, अपनी जांघें और फैलाती है, बस, वह लय में आ जाती है। मुझे उसे इस तरह नियंत्रित करना अच्छा लगता है, बस उसकी खुशी को बढ़ाकर। वह चीखती है, धान के खेत में फंसी छिपकली की तरह तड़पती है, उसे बहुत अच्छा लग रहा है जो मैं उसके साथ कर रहा हूँ, उसका पूरा शरीर कांप रहा है। अब वह हर सांस के अंत में चीखती है। एक दबी हुई, दर्द भरी आवाज़, जैसे किसी बेहोश मरीज़ की साँसें, जैसे प्रसव पीड़ा से कराहती हुई

औरत। वह अपनी भाषा में अस्पष्ट, भीगी हुई आवाज़ में कुछ शब्द बोलती है। साँस लेने के लिए तड़पती औरत की गंदी सी सिसकियाँ। आवाज़ तेज़ होती जाती है, तीव्रता बढ़ती जाती है, पड़ोसियों की परवाह किए बिना। अंत में, उसका शरीर एक धनुष की डोरी की तरह सिकुड़ जाता है, जैसे किसी लंबे, तीखे झटके से तपा हुआ हो, जैसे सोई हनी पर स्थित उस बूढ़ी कंबोडियन महिला के लॉन्ड्रोमैट में स्पिन साइकिल के अंत में वॉशिंग मशीन की आवाज़। वह बिस्तर पर गिर पड़ती है, बेहाल, चकनाचूर। मैं वाइब्रेटर बंद कर देता हूँ।

जब उसे होश आया, तो उसने मुझे बताया कि मेरा पहला नाम सुनकर उसे हंसी आ गई।

> — मैं अपने खिलौने की बदौलत तीन बार आया, या यूं कहें कि अपने दो खिलौनों की बदौलत: एक बैटरी वाला और दूसरा बिना बैटरी वाला।

वह अपना इलेक्ट्रिक खिलौना अपने बेडसाइड टेबल के दराज में छोड़ देती है और अपने असली साथी को लेकर नांग नुआल में डिनर करने जाती है: पैदल सड़क पर स्थित एक सीफूड रेस्टोरेंट। मुझे इस महिला के बगल में चलने में थोड़ी असहजता महसूस होती है, जो मेरा हाथ इस तरह पकड़े रहती है मानो राहगीरों की निगाहों से मुझे और भी ज़्यादा परिचित कराना चाहती हो। वह मेरी माँ जैसी लग सकती है, भले ही विदेशी महिलाएं थाई महिलाओं की तुलना में कम उम्रदराज़ होती हैं क्योंकि उनका जीवन अधिक सौम्य प्रतीत होता है। वह समुद्र के किनारे बने लकड़ी के चबूतरे पर बची हुई कुछ खाली मेजों में से एक चुनती है। जब वह मेनू समझने की कोशिश कर रही होती है, मैं धातु की परत चढ़ी लहरों को निहारता हूँ, जो इंद्रधनुषी प्रकाश में खुद को प्रस्तुत करती हैं या उससे पीछे हटती हैं। मानवता की छवि में एक सागर। सतह पर कुछ नहीं बदलता, लेकिन गहराई में, शक्तिशाली धाराएँ पानी के विशाल द्रव्यमान का स्थान ले लेती हैं, लहरें फैलती हैं, जीव जन्म लेते हैं, मरते हैं। नरसंहार होता है। एक ऐसी दुनिया जहाँ सब कुछ निरंतर गति में है, फिर भी देखने वाले की आँख को सतह पर एक हल्की, कोमल कंपन से भंग होने वाली स्थिरता के अलावा कुछ भी दिखाई नहीं देता। थाईलैंड इस गतिशील स्थिरता का प्रतीक है। सरकारें बदलती हैं, तख्तापलट होते रहते हैं, लेकिन अंततः कुछ नहीं बदलता। वही मालिक, वही गुलाम, वही पूर्वनिर्धारित भाग्य। कोई किसान बनेगा या वेश्या, कोई उत्तराधिकारी बनेगी या फिल्म स्टार।

मुझे ऐसा लग रहा है कि सब हमें घूर रहे हैं, पर ये सब मेरा वहम है। बस मेरी कल्पना का भ्रम। बगल वाली मेज पर बैठा आदमी वेटर को बुलाकर इस बात को साबित कर देता है। वो बिल्कुल अमेरिकी राष्ट्रपति जैसा दिखता है, लेकिन जॉर्ज बुश जैसा, जिसने तीस किलो वजन बढ़ा लिया हो और एक बेहद बदसूरत, बेहद लंबी और बेहद मर्दाना महिला के साथ रोमांटिक डिनर करने का फैसला किया हो। फिर भी, इस अजीबोगरीब जोड़े पर किसी का ध्यान नहीं जाता। पटाया में किसी को परवाह नहीं कि कौन

किसके साथ सो रहा है। मायने ये रखता है कि कितना पैसा। मेरे गाँव से बिलकुल उलट, जहाँ गपशप पैसे से भी तेज़ी से फैलती है।

जैसे ही मैं अदरक के साथ स्कैलप्स और फ्राइड क्रैब ऑर्डर कर रही थी, मेरा सैमसंग फोन वाइब्रेट करने लगा। यह साई का फोन था, जो मुसक्लोर के साथ दो दिन बैंकॉक में बिताकर अभी-अभी लौटी थी। मुझे ठीक से पता नहीं कि वो उसके साथ क्या कर रही है, लेकिन वो आजकल पहले से ज़्यादा बाहर रहने लगी है। मुझे ये अच्छा नहीं लग रहा, खासकर तब से जब मैंने देखा कि उसके पास पहले से ज़्यादा पैसे नहीं हैं। बस स्टेशन से अभी-अभी आई साई कमरे में अकेली थी और उसने मुझसे पूछा कि क्या मैं उसके साथ रात का खाना खाना चाहूँगी। कैटरीना ने थोड़ी जलन के साथ मुझसे पूछा:

- आपका बॉय - फ्रेण्ड ?

— मेरी रूममेट। मेरा कोई बॉयफ्रेंड नहीं है।

— क्या वह अंग्रेजी बोल सकती है?

मुझसे तो बेहतर ही होगा, निश्चित रूप से।

उसे रात के खाने पर आने का न्योता दो। मुझे नए चेहरे पसंद हैं।

मैंने उसे समझाया कि मैं नांग नुआल में एक ग्राहक के साथ हूँ, एक अच्छा ग्राहक जिसने उसे हमारे साथ आने का निमंत्रण दिया। वह बेहद खुश दिखी।

मुझे बहुत भूख लगी है। और वैसे भी, सीफूड को कोई ना नहीं कह सकता। मैं बस एक मोटरसाइकिल ले लूंगा और दस मिनट में वहाँ पहुँच जाऊंगा।

वेटर हमारे सामने केकड़ा, स्कैलप्स और एक धातु का बर्तन रखता है, बर्तन से अदरक, धनिया, हरी मिर्च और लहसुन की तेज़ खुशबू आ रही थी। स्वीडिश महिला ढक्कन उठाती है और जीवन की सभी अच्छी चीजों का आनंद लेने वाले व्यक्ति के भाव से उस सुगंध को सूंघती है। वह लालच से बड़े तले हुए झींगे छीलती है, वर्मीसेली चट कर जाती है, धनिया निगल जाती है और अपनी उंगलियों से कन्फिट लहसुन की कलियों को चूसती है। पांच मिनट बाद, वह आखिरकार अपनी थाली से नज़रें उठाकर मुस्कुराते हुए मुझसे कहती है:

थाई खाना बहुत स्वादिष्ट और सस्ता है। टॉय, मुझे तुम्हारा देश पसंद है।

साईं शाही अंदाज़ में आती है, ठीक उसी समय जब कटरीना कड़ाही के तले में बिछे मोटे-मोटे पोर्क के टुकड़ों को काटना शुरू करती है। लापरवाही से उसने अपनी टोपी मेज पर फेंक दी। उसकी आँखों में एक अजीब सी चमक थी, मानो उसकी गहरी पुतलियों में कोई सुनहरी रोशनी चमक रही हो, और मैं तुरंत समझ गया कि वह ड्रग्स ले रही है। वह इसे ज़्यादा से ज़्यादा ले रही है। वह रूसी कमीना उसे

चुपके से ड्रग्स मुहैया करा रहा है। मैंने उसे पहले ही कह दिया है कि मुझे यह गंदगी कमरे में नहीं चाहिए, लेकिन मुझे यकीन है कि वह चुपके से ड्रग्स ले रही है।

साई इतनी सहजता से हमारी मेज पर बैठ गई कि मानो वह मेरी ग्राहक को बचपन से जानती हो। जब स्वीडिश महिला ने उसे मेनू दिया, तो उसने सूची में सबसे महंगी मछली चुनी और फिर अपने बारे में और अपने जीवन के बारे में बातें करने लगी। गोरी महिला इस अजीब प्राणी को रुचि और मनोरंजन के मिले-जुले भाव से देख रही थी। वह ऊर्जा से भरपूर इस लड़की से तुरंत प्रभावित हो गई, उसे ज़रा भी शक नहीं हुआ कि साई ने एम्फ़ेटामाइन ले रखी थी।

मैं ठंडी समुद्री हवा का आनंद लेने के लिए छत पर कुछ देर रुकना चाहता हूँ, लेकिन साई एक जगह स्थिर नहीं बैठ सकती; वह अंग्रेजी में सुझाव देती है:

— चलो मरीन में जाकर थोड़ी टकीला पीते हैं?

"मुझे नहीं पता," जिज्ञासु स्वीडिश महिला ने कहा। "मरीन क्या है?"

— एक ऐसा क्लब जहां पटाया की लड़कियां रात बिताने के लिए किसी लड़के की तलाश में आती हैं।

एस्केलेटर के सबसे ऊपर पहुँचते ही हमारा स्वागत एक ज़बरदस्त धड़कती हुई आवाज़ से होता है, जो मुझे पथुम कारखाने में लगे हाइड्रोलिक कटिंग प्रेस की याद दिलाती है। टेक्नो संगीत उस बड़े कमरे में किसी विशाल भट्टी के शोर की तरह गूंज रहा है: एक ठंडा, औद्योगिक संगीत जिससे मुझे नफ़रत है। कंपन फर्श से होते हुए हमारे शरीर तक पहुँच रहा है। हर कोई जमकर शराब पी रहा है। एक आकर्षक गोरी लड़की टकीला मंगवाती है और हज़ारों डॉलर के नोटों के बंडल ऐसे लहराती है जैसे कोई सर्दी-जुकाम वाला व्यक्ति टिशू पेपर के डिब्बे निकाल रहा हो। मैं उसे समझाता हूँ कि हम पटाया में हैं, स्वीडन में नहीं।

— अपना पैसा मत दिखाओ, यह खतरनाक हो सकता है।

स्वीडिश महिला मेरी बात नहीं सुन रही, मानो कहीं और खोई हुई हो, साई की गर्दन पकड़कर उसके कान पर चुंबन करती है। साई मेरी तरफ़ जल्दी-जल्दी देखती है। उसकी आँखों में चमकती वासना क्रिस्टल मेथ के असर को ज़ाहिर करती है। मेरा सिर दुख रहा है, कान बज रहे हैं। ज़रूर यह उस भयानक धातु के ट्यूनिंग फोर्क की आवाज़ है जिसे साई ट्रान्स म्यूज़िक कहती है। कैटरीना ज़िद करती है कि हम तीनों उसके होटल चलें। मुझे पता चलता है कि वह एक धूर्त औरत है, एक ऐसी कामुक औरत जिसे कभी संतुष्टि नहीं मिलती। वह चाहती है कि साई और मैं शारीरिक संबंध बनाएँ, लेकिन मैं उसकी मौजूदगी में ऐसा करने से इनकार कर देता हूँ। साई और मैं निजी मामला हैं।

— मेरी बहन भी ऐसी ही है... मैं अपनी बहन से पंगा नहीं ले सकता।

साई मुझे चुनौती भरी नजरों से देखता है।

हो सकता है हम आपके लिए यह काम अच्छे पैसे में कर सकें!

वासना की गहरी लहर में बहकर, साई मरीन के धुंधले संध्याकाल में स्वीडिश शैली में चुंबन करती रहती है। स्पीड और कुएर्वो का मिश्रण ज़बरदस्त लगता है। बीच-बीच में वह मेरी प्रतिक्रियाओं को देखती रहती है। मुझे एहसास होता है कि वह ऐसा व्यवहार कर रही है मानो मुझे जलन महसूस कराना चाहती हो। मैं कंधे उचकाकर नाचते हुए लोगों की भीड़ को घूरता रहता हूँ। मैं उनके बनाए जोड़े से अलग हूँ। मुझे साई को बुलाने का पछतावा होता है। मुझे यह सब अच्छा नहीं लग रहा। जब मैं चिल्लाकर कहता हूँ कि मैं घर जा रहा हूँ और वे यहीं रुक सकते हैं, तो वे मुश्किल से ही मेरी ओर ध्यान देते हैं, एक-दूसरे को आँखों में मँडाने और साथ बिताने वाली रात की कल्पना करने में इतने मग्न होते हैं। जाते समय, साई की व्यंग्यात्मक निगाहें आखिरी बार मुझ पर पड़ती हैं।

पैदल सड़क पर अकेला खड़ा, मैं थका हुआ महसूस कर रहा हूँ। मैंने ज़रूरत से ज़्यादा पी लिया है, मुझे मतली हो रही है, मेरा सिर चकरा रहा है। पैदल सड़क और सोई डायमंड के कोने पर भीड़ जमा हो गई है। रात में आवाज़ें तेज़ होती जा रही हैं। लड़के एक लड़की के लिए लड़ रहे हैं। एक विशालकाय आदमी हंगामा मचा रहा है, गालियाँ बक रहा है, ठुड्डी आगे की ओर निकली हुई है, शराब के नशे में भरी नफ़रत से लबालब।

— कमीने कीवी!

उसके मुंह से लार टपक रही है, वह गुस्से में चीख रहा है, उसकी गर्दन भद्दी नीली नसों से सूजी हुई है। दर्शक सावधानी से उस नशे में धुत विशालकाय व्यक्ति से सुरक्षित दूरी बनाए रखते हैं, जिसे एक बुजुर्ग थाई महिला आस्तीन से खींचते हुए कहती है, "नीचे उतर आओ, प्यारे, नीचे उतर आओ, कृपया।"

बीच रोड के पास, कुछ टैक्सियाँ यात्रियों को बुला रही थीं। मैंने लाल जैकेट पहने पहले टैक्सीवाले को रोका जो वहाँ से गुज़रा। कमरे में पहुँचते ही, शराब के नशे में चूर होकर मैं गिर पड़ा। रात में प्यास से जागकर मैंने पानी की एक बोतल खाली कर दी और फिर गहरी नींद में सो गया।

जब मैं जागती हूँ, तो रोशनी पर्दे से छनकर आती है... हल्की-हल्की रोशनी। साई अभी तक घर नहीं आया है। सन्नाटा तोड़ने के लिए मैं टीवी चलाती हूँ। मुझे बहुत बुरा लग रहा है: मेरी जीभ पर चिपचिपा पदार्थ जमा है, मुँह सूखा है, और मेरी साँस से ऐसी बदबू आ रही है जैसे किसी सियार को जानलेवा बीमारी हो। पानी की बोतल खाली है। मुझे अभी भी बहुत प्यास लग रही है, उस घटिया कुएर्वो बियर के बुरे हैंगओवर से। हर बार जब मैं ज़्यादा पी लेती हूँ, तो अगले दिन कसम खाती हूँ कि बस आखिरी बार। मैं अपने दाँत दो बार ब्रश करूँगी।

दरवाजा ज़ोर से बंद होता है। साई है, गुनगुनाते हुए, पानी और फल लिए हुए। थकान से भरे चेहरे पर उसकी आँखें चमक रही हैं। वह पर्दे खींचती है:

"वाह, तुम्हारी गर्लफ्रेंड तो बड़ी चालाक है। पिछली रात के बारे में तो मैं तुम्हें बताऊंगी भी नहीं। उसके बाद हम लंच करने गए और वो अपने होटल वापस जाकर सो गई। मैं तुम्हारे लिए थोड़ा पानी और फल लाई हूँ, अगर तुम चाहो तो।"

साई ने दो हज़ार बात बिस्तर के पास वाली मेज़ पर रख दिए। मैंने पानी की बोतल खोली, एक कच्चा आम छीला जिसे हमने फ्रिज में रखी बची हुई मिर्च की चटनी के साथ बाँट लिया। साई पहले ही सो चुकी थी। तबीयत ठीक न होने के कारण उसने चेहरे पर मास्क लगा रखा था। आइस शॉट, टकीला और उस गोरी लड़की के साथ मस्ती करने का असर!

इस रफ्तार से तो यह जल्दी ही टूट जाएगा।

एक्स

इस दौरान, मैं मुसक्लोर से इतनी कम बार मिलती थी कि आखिरकार मुझे एहसास हुआ कि वह मुझसे बच रहा था, जब मैं घर पर होती थी तो वह कभी नहीं आता था। शायद वह मुझे अपना प्रतिद्वंदी समझता था? फिर भी साई ने अपना फैसला कर लिया था। जब वह पटाया में होता था, तो वह अपना ज़्यादातर खाली समय उसके साथ बिताती थी। बाकी समय वह अपने "व्यापार" के सिलसिले में देश भर में घूमता रहता था, और तब साई आकर मेरे साथ समुद्र तट पर वेश्यावृत्ति करती थी।

समुद्र तट पर खबरें बहुत तेज़ी से फैलती हैं। लड़कियाँ खूब बातें करती हैं; ज़ाहिर है, उनके पास समय होता है। बांग्लामुंग पुलिस को सोई डाकघर के एक कमरे में एक आयरिश व्यक्ति का सड़ा हुआ शव मिला। कुछ का दावा है कि यह काम कंबोडियाई महिलाओं ने किया है, जबकि अन्य कहते हैं कि यह उन फ़ारंगों (विदेशियों) का काम था जिनसे उस व्यक्ति ने कर्ज़ लिया था, या फिर लेडीबॉय का। सभी इस बात पर सहमत हैं कि इस्सान की लड़कियाँ कभी ऐसा काम नहीं करेंगी।

> साई ने मुझे समझाया, "शुरुआत में, यह सिर्फ मौके का फायदा उठाकर चोर बनने की बात थी। अगर ग्राहक खाली हाथ घर लौटता, तो लड़की उसकी जेबें काट लेती थी।"
>
> — क्या उस व्यक्ति ने जागने पर शिकायत दर्ज नहीं कराई?
>
> — उसने सब कुछ नहीं लिया था। वह बेवकूफ नहीं थी। अक्सर शराबी को कुछ पता ही नहीं चलता। इतना नासमझ कि उसे यह भी पता नहीं चलता कि उसने पिछली रात क्या किया था।

साई ने सिगरेट जलाई और एक कश लिया:

> उनमें से कुछ को इसकी लत लग गई। बिना रात भर शराब पीकर हज़ार डॉलर कमाने की झंझट के आसान पैसा। उन्होंने पर्यटकों को शराब पिलाकर लूटना शुरू कर दिया। लेकिन यह हमेशा काफी नहीं होता था।
>
> - ऐसा क्यों?

कुछ विदेशी तो 100 किलो से भी ज़्यादा वज़न के होते हैं। ये कमीने बड़ी शराब पी सकते हैं। सबसे चालाक लोग तब बीयर में ज़ैनैक्स या रोहिप्नोल मिला देते थे जब कोई आदमी नज़र हटाता या पेशाब करने जाता... फिर दो, फिर तीन, ताकि काम जल्दी हो जाए। झाग की वजह से, वो आदमी तब तक एक शब्द भी नहीं बोलता था जब तक कोई दुर्घटना न हो जाए। ज़्यादा डोज़ ले लेने से, या कभी-कभी किसी को एलर्जी होने की वजह से, वो दवा बर्दाश्त नहीं कर पाता था।

साई ने मुझे समुद्र तट पर घात लगाकर बैठे एक लंबे साये को दिखाया।

क्या आपको यह कैटोई दिख रहा है?

शरीर थकान और डोपिंग के दुष्प्रभावों को छिपाने की व्यर्थ कोशिश करते हुए, खुद को जल्दी से ठीक कर लेता है।

— लोग उसे ऑक्टोपस कहते हैं। लगता है उसने पहले ही कई पेंशनभोगियों को उनकी बीयर में रोहिप्नोल मिलाकर लूट लिया है।

वह देखने में बिल्कुल हानिरहित लगता है।

साईं जोर से हंस पड़ता है। एक घृणास्पद खोपड़ी हमारी ओर मुड़ती है। उसकी आंखें दो काले तारों की तरह चमकती हैं। काटोई अपनी जीभ बाहर निकालता है और गला काटने का इशारा करते हुए एक भयानक चेहरा बनाता है। साईं मुझे चेतावनी देता है:

— ये मादा बाघिनें श्री राचा चिड़ियाघर के बाघों से भी ज्यादा खतरनाक हैं।

*

* *

एक घंटे बाद, दर्जनों पिकअप ट्रक अपनी चमकती बत्तियों के साथ सड़कों पर उमड़ पड़े। तमाशा शुरू होने ही वाला था। पटाया पुलिस ने बैंकॉक और चोनबुरी से अतिरिक्त बल बुला लिया था, और यहाँ तक कि दो टेलीविजन टीमें भी इस अराजकता को फिल्मा रही थीं।

लड़कियों के समूह चिड़ियों के झुंड की तरह पास की गलियों में बिखर जाते हैं, लेकिन पहले से लगाए गए अवरोधों के कारण लगभग सभी को दस मीटर ऊपर पहाड़ी की ओर धकेल दिया जाता है। कुछ ही सेकंड में, पूरा घेरा सील कर दिया जाता है। जाल बिछा दिया जाता है। चारों ओर से चीख-पुकार और

विरोध की आवाजें गूंजने लगती हैं। वर्दीधारी दो अधिकारी सोई यामातो की ओर भाग रही लड़कियों के एक समूह का पीछा करते हैं।

आस-पास घूम रहे बूढ़े विदेशी पीले पड़ गए हैं; उन्हें अचानक बहुत डर लग गया, एक पल के लिए उन्हें लगा कि पुलिस सेक्स टूरिस्टों के पीछे पड़ी है, लेकिन असल में वे हमारे पीछे पड़े हैं। हमें मवेशियों की तरह पिकअप ट्रकों में ठूंसकर सोई 9 स्थित केंद्रीय पुलिस स्टेशन ले जाया जा रहा है। साई कहीं नज़र नहीं आ रही; वह ज़रूर भाग निकली होगी। दूसरी वैन क्लबों से उन लड़कियों को वापस ला रही हैं जिनका एक्स्टसी या या बा के लिए टेस्ट पॉजिटिव आया है। पटाया में आज सामूहिक सफाई का दिन है; एक दुबली-पतली लड़की का कहना है कि ऐसा इसलिए है क्योंकि एक मंत्री इलाके का दौरा कर रहे हैं। जनरल सुरयुद की नई सरकार के सत्ता में आने के बाद से नाइटलाइफ़ पर दबाव बढ़ता जा रहा है। लोई क्राथोंग के दौरान कोयोटी डांस पर प्रतिबंध से लेकर लड़कियों या बार मालिकों को निशाना बनाने वाले उपायों तक, हर तरफ़ पाबंदियां लगी हुई हैं।

> — "उनकी पहचान जरूर लिख लो!" चेचक के निशानों से भरी त्वचा वाला एक अधिकारी चिल्लाता है।

वे हमसे कागज़ात माँगकर और हमारे मोबाइल फ़ोन ज़ब्त करके शुरुआत करते हैं। लगता है कंबोडियाई या लाओस की औरतें समुद्र तट पर वेश्यावृत्ति करती हैं। मैंने कभी किसी को नहीं देखा; मुझे लगता है ये सब बस कहानियाँ हैं। विदेशी वेश्याएँ ज़्यादा सतर्क रहती हैं। साई के अनुसार, वे आम तौर पर निर्माण स्थलों पर बनी नालीदार लोहे की झोपड़ियों में काम करती हैं। पुलिस प्रमुखों और नेताओं द्वारा संरक्षित गुंडों द्वारा सीमा से मवेशियों की तरह लाई गई लड़कियाँ। साई का कहना है कि वे मानव तस्करी के खिलाफ लड़ने वाले अंतरराष्ट्रीय संगठनों से बचने के लिए केवल थाई लोगों के लिए आरक्षित गुप्त वेश्यालयों में काम करती हैं। इन लड़कियों की जीवन स्थितियों का वर्णन करते हुए साई ने निष्कर्ष निकाला: "हमारे लिए भी हमेशा आसान नहीं होता, लेकिन इन लड़कियों की तुलना में हम बेहतर स्थिति में हैं।"

मेरे पड़ोसी ने थाने का संचालन करने वाले एक अधिकारी की ओर इशारा किया।

> — वह समूह में सबसे क्रूर है, हम उसे काटे या खरगोश कहते हैं क्योंकि उसके दांत खरगोश जैसे हैं, उसका लिंग छोटा है और खासकर उसके पास से गुजरने वाली हर चीज के साथ संभोग करने का उसका जुनून है।

यह सच है, वह आदमी चूहे जैसा दिखता है। कमरे के पीछे, एक बेहद दुबली-पतली लड़की चिल्लाती और सबको गालियाँ देती रहती है। दो पुलिसवाले उसे हथकड़ी पहनाकर ले जाते हैं। मुझे हैरानी होती है

कि क्या उसका भी वही हाल होगा जो उस खरगोश का हुआ था। जैसे ही वह जाने लगता है, मैं देखती हूँ कि उसकी एड़ी टूटी हुई है और वह लंगड़ा रहा है।

मेरा पड़ोसी भी विरोध प्रदर्शन कर रहा है:

> लगता है, नगरपालिका के वे भ्रष्ट अधिकारी पटाया को साफ-सुथरा करके उसे एक ऐसे समुद्री रिसॉर्ट में बदलना चाहते हैं जहाँ बच्चे बीच पर खेल सकें। यह देखकर मुझे हंसी आती है; इस दयनीय बीच को देखकर ही समझ आ जाता है, जो समुद्र के कटाव से तबाह हो चुका है, कि पर्यटक यहाँ मौज-मस्ती करने या आइसक्रीम खाने नहीं आते।

कटाए एक सुंदर छोटी गिलहरी के चारों ओर चक्कर लगाता है: एक बेहद खूबसूरत लड़की, स्वस्थ और सुडौल शरीर वाली, आकर्षक सीना, कोमल चेहरे की बनावट और तीखी आँखों वाली। एक अधिकारपूर्ण इशारे से वह उसे अपने पीछे आने का इशारा करता है। आज्ञाकारी होकर, लड़की सिर झुकाए, विशाल तलवों वाले जूतों पर खड़ी हो जाती है। मेरे पड़ोसी टिप्पणी करते हैं:

> वो कमीना जाकर उसके ऑफिस में उसके साथ अय्याशी करेगा।

उन्होंने कमरे की बत्तियाँ बुझा दीं। अँधेरे में दो लड़कियाँ छुप-छुपकर एक-दूसरे को चूम रही थीं। एक घंटे बाद, एक पुलिस अधिकारी ने बत्तियाँ फिर से जला दीं। वे हमें यादगार फोटो खिंचवाने के लिए मेजों के पास ले गए और फिर हमारे कागजात वापस दे दिए। जब पुलिसवाले ने देखा कि मैं सत्रह साल की हूँ, तो वह मेरी तरफ मुस्कुराया। मुझे तुरंत कटाय की याद आ गई, लेकिन ऐसा लग रहा था कि वह छोटी लड़की से तंग आ चुका था। फिर उन्होंने हमें बोतलों में पेशाब करने को कहा, जिन पर बाद में सावधानीपूर्वक लेबल लगा दिए गए। मुझे साई की याद आ गई, जो हमेशा स्पीड ड्रग्स के नशे में रहती थी। मुझे उम्मीद थी कि वह भागने में कामयाब हो गई होगी, वरना पेशाब की जाँच में वह पॉजिटिव पाई जाती और ड्रग्स के इस्तेमाल के आरोप में जेल चली जाती। आखिर में, उन्होंने हममें से कई लोगों को बहुत छोटी कोठरियों में ठूंस दिया। एक पल भी सोना नामुमकिन था।

अगले दिन, अन्य नाबालिग लड़कियों के साथ, मुझे बस से पटाया से लगभग बीस किलोमीटर दूर श्री राचा में एक जर्जर इमारत में ले जाया गया। वर्दी पहने चालीस वर्ष की एक महिला मुझसे पूछताछ करने आई। उसने होंठ सिकोड़ते हुए बताया कि पटाया नगर परिषद ने बाल वेश्यावृत्ति पर नकेल कसने का फैसला किया है और मुझसे पूछा कि क्या मेरा कोई परिवार है।

> नहीं, मैं अनाथ हूँ।
>
> क्या आप किसी व्यावसायिक विकास कार्यक्रम में भाग लेना चाहते हैं?
>
> — क्या?

— अगर आप चाहें तो कोई हुनर सीख लें।

मैं ऐसा नहीं करना चाहता। बैंकॉक में एक कपड़ा कारखाने में मेरी नौकरी थी।

आपने इसे क्यों छोड़ दिया?

— इससे गुजारा करना नामुमकिन है, इसलिए आप समझ सकते हैं कि मैं कारखाने में वापस जाने का सपना भी नहीं देखता। नौकरी से कमाई नहीं होती।

मैं यह कहने से बचती हूँ कि पैकेजिंग लाइन पर दिन में दस घंटे बिताने के बजाय मैं लेटकर काम करना पसंद करूँगी, लेकिन मेरे जवाब से वह साफ़ तौर पर नाराज़ दिखती है। वह घबराकर अपने नोट्स देखती है क्योंकि वह जानती है कि मैं सही हूँ, और यह सच्चाई उसे परेशान करती है। मुझे ग्राहकों के साथ वही करना होगा जो मैं करती हूँ: उसे वही बताना होगा जो वह सुनना चाहती है; अपने से ऊपर के लोगों को कभी कोई मौका नहीं देना होगा। मुझे चतुर बनना होगा और सबसे बढ़कर, ज़िद्दी नहीं होना होगा।

— बचपन में मैं अपनी चाची की मदद करती थी, जो बुरिराम में एक छोटा सा रेस्तरां चलाती थीं। मैं उसे संभालती थी। मुझे लगता है कि मैं रसोइया बनना चाहूंगी।

वह थोड़ा आश्चर्यचकित होकर अपना सिर उठाती है और संदेह भरी निगाहों से मेरी ओर देखती है, मानो सोच रही हो कि मैं उसका मज़ाक उड़ा रहा हूँ। "मुझसे पंगा लेने की कोशिश मत करो" वाली नज़र। मैं वही मासूम मुस्कान देता हूँ जो मैं बुरिराम बाज़ार में बूढ़ी महिलाओं को ठगने के लिए इस्तेमाल करता था। वह थोड़ी शांत हो जाती है। पहली बार, उसके चेहरे पर हल्की सी मुस्कान खिल उठती है, मानो कह रही हो: देखो, जब तुम चाहो... मुझे लगता है कि मैंने उसे खुश कर दिया है, भले ही यह सब दिखावा ही क्यों न हो। वह मुझे प्रोत्साहित करती है:

— यह बहुत अच्छा विचार है, रसोइए; पर्यटन एक ऐसा क्षेत्र है जो पटाया में रोजगार प्रदान करता है।

अय्याशी के अड्डे पर भर्तियां चल रही हैं। मेरी स्पष्ट आज्ञाकारिता के कारण, मुझे अभी-अभी मानव समुदाय में सफलतापूर्वक पुनः शामिल कर लिया गया है। वह कई फॉर्म भरती है और मुझे हस्ताक्षर करने के लिए एक अस्पष्ट समझौता देती है, जिसे मैं पढ़ता भी नहीं हूँ। अगले दिन, वे मुझे दोपहर के समय रिहा कर देते हैं। मैं एग्जिट लॉग पर हस्ताक्षर करता हूँ, और वे मुझे मेरा फोन वापस दे देते हैं। मैं बहुत थका हुआ हूँ।

*

* *

कमरा खाली है और उसमें सीलन की बदबू आ रही है। साई दोपहर के खाने के लिए बाहर गई होगी, या फिर पुलिस ने उसे ज़्यादा देर तक रोक रखा होगा। कुछ लड़कियों को दूसरे हिरासत केंद्रों में भेज दिया गया है; पटाया वाले केंद्र बहुत भरे हुए थे। मैं उसे फोन करती हूँ, लेकिन उसकी वॉइसमेल पर कॉल नहीं आती। मैं बहुत थकी हुई महसूस कर रही हूँ। आईने में मुझे बस एक नाक बहने वाली लड़की दिखती है जिसकी आँखें थकान से धँसी हुई हैं। मैं बिस्तर पर गिर पड़ती हूँ।

जब मैं जागा, तो रात हो चुकी थी। मैंने अंधेरे में अपनी घड़ी देखी। सुबह के दो बज रहे थे। मैंने बत्ती जलाई; कमरा अभी भी खाली था। शायद साई का आज रात कोई ग्राहक आया था, या शायद वो ही-मैन के साथ है। मुझे बहुत भूख लगी थी।

मैं रात के बाज़ार जाता हूँ। हमेशा की तरह, स्ट्रीट फ़ूड स्टॉलों की खुशबू मुझे एक अवर्णनीय आनंद से भर देती है। जब मैं इसके बारे में सोचता हूँ, तो मुझे याद आता है कि नाबालिगों के लिए बने उनके केंद्र में खाना सचमुच घिनौना होता था। सुगंधों का एक झोंका मुझे ज़ोर से घेर लेता है, मुझे चक्कर आने लगता है: गंध, रंग, मसालों का विस्फोट, लेमनग्रास, धनिया और तुलसी की खुशबू, इस गाँव के खाने से जो सूअर के मांस और सब्ज़ी के शोरबे की स्वादिष्ट महक से महकता है। मुझे बुरिराम बाज़ार याद आता है, मेरी चाची के बेहद स्वादिष्ट पकवान। उनके गाँव के खाने की सारी सुगंधें मुझे मदहोश कर देती हैं, मेरी नाक को बचपन की खुशबूओं से भर देती हैं, और मेरे मन को एक अवर्णनीय आनंद से भर देती हैं। उन मलाईदार सॉस का सार, जिन्हें पा नींबू के रस की कुछ बूंदों, नारियल की मलाई के एक बड़े चम्मच, एक नींबू के पत्ते और एक चुटकी गन्ने की चीनी से और भी स्वादिष्ट बना देती थीं। सब्ज़ियाँ, जिनका आकार एक बच्चे के लिए इतना अजीब होता है, एक वयस्क के लिए इतना कामुक। सुगंधों और स्वादों का एक पूरा सैलाब, मीठा और नमकीन मिश्रण, जंगली जड़ी-बूटियाँ जो मेरी स्वाद कलियों को सराबोर कर देती हैं। त्योहारों पर पा द्वारा तैयार किए जाने वाले भोज मुझे याद आ गए। उबलते हुए कड़ाही पर झुके उनके कोमल चेहरे को याद करते हुए, मुझे एहसास हुआ कि उन्हें फोन किए हुए बहुत समय हो गया है। मुझे एक बुरी भतीजी होने का एहसास हो रहा है, लेकिन हर बार उनसे झूठ बोलना और कारखाने में अपने काम का विस्तार से वर्णन करना मुझे बहुत दुख देता है।

मैं बैठ जाती हूँ और जो मन करता है, वही ऑर्डर कर देती हूँ। मेरे साथ कोई और नहीं है; मुझे अकेले खाना पसंद नहीं है, लेकिन मुझे बहुत भूख लगी है। बिल की परवाह नहीं। फिर मैं घर जाती हूँ और अपने बचपन के खाने के सपने देखती हूँ।

जब मैं उठा तो सूरज आसमान में काफी ऊपर था। साई अभी तक घर नहीं आई थी, और उसका फोन लगातार वॉइसमेल पर अटका हुआ था। उसकी चुप्पी मुझे परेशान करने लगी थी। चूंकि उसने पुलिस

को मुझे ले जाते हुए देखा था, उसे मुझे फोन करना चाहिए था। मेरे पास कोई मैसेज नहीं, कोई टेक्स्ट नहीं। कुछ भी नहीं, सन्नाटा। मैंने वाई को फोन किया, फिर बेड को, लेकिन मैंने उन्हें भी परेशान कर दिया, क्योंकि उन्होंने भी मुझसे कोई खबर नहीं सुनी थी। मेरे गले में एक गांठ सी बन गई थी।

दोपहर ढलते-ढलते मैंने केंद्रीय पुलिस स्टेशन लौटने का फैसला किया। ड्यूटी पर एक बेहद स्टाइलिश युवा महिला पुलिसकर्मी थी, जिसकी वर्दी एकदम इस्त्री की हुई थी। वह शहर के बारों में खूब लोकप्रिय होती। मैंने उसे बताया कि जब पुलिस ने छापा मारा था, तब मैं और मेरी प्रेमिका समुद्र तट पर थे।

— मेरी गर्लफ्रेंड से तब से कोई खबर नहीं मिली है। मैं बहुत चिंतित हूँ।

"उसका नाम क्या है?" वह मुझसे धीमी आवाज में पूछती है।

— साई

— उनका पहला नाम, उनका अंतिम नाम? उनका मंच नाम नहीं।

मैंने उसे उसके पहचान पत्र की एक फोटोकॉपी दी जो मुझे दराज में मिली थी। उसने कीबोर्ड पर टैप किया और भौंहें चढ़ा लीं।

— कमला चोमसाहिंग। मुझे कुछ नहीं मिल रहा है।

— कुछ नहीं? क्या आप निश्चित हैं?

— बिलकुल, आपके दोस्त को कभी गिरफ्तार नहीं किया गया, न तो छापेमारी वाली रात को, न ही किसी और समय। कम से कम उस नाम से तो बिल्कुल नहीं।

वह घबराई हुई मुझे फोटोकॉपी थमा देती है, फिर चारों ओर देखती है कि कोई हमें देख तो नहीं रहा। लोग आ-जा रहे हैं। बैंगनी चेहरे वाला एक बुजुर्ग विदेशी, पटाया क्लांग के एटीएम में अपने साथ हुए हमले का विस्तृत वर्णन करके पूरे पुलिस स्टेशन का ध्यान अपनी ओर खींच लेता है। कोई हमारी तरफ ध्यान नहीं दे रहा। युवती स्क्रीन मेरी ओर घुमाती है और एक समझदारी भरी मुस्कान के साथ तस्वीरों वाली फाइलों को पलटने लगती है। मैं उस किशोरी को पहचान लेता हूँ जिसके साथ रैबिट ने अपने दफ्तर में संबंध बनाए थे। मुझे यह देखने का समय मिलता है कि वह मुश्किल से पंद्रह साल की है। मैं टूटी एड़ी वाली उस लड़की को भी पहचान लेता हूँ जो चिल्ला रही थी, लेकिन साई का कोई अता-पता नहीं है।

*

* *

तीन दिन हो गए हैं और कोई खबर नहीं मिली। मेरी नींद दिन-ब-दिन खराब होती जा रही है; यह सन्नाटा असहनीय है। मेरी नींद टुकड़ों में टूटती है, बेचैनी से भरी है और नींद में खलल डालती है। मैं अक्सर आधी रात को पसीने से भीगी हुई, हाथों में पसीना और दिल की धड़कन तेज होते हुए जाग जाती हूँ। मैं कमरे में बार-बार तलाशी लेती हूँ, व्यर्थ ही कोई संदेश, सुराग, कोई भी संकेत जो मुझे कोई सुराग दे सके। उसका सारा सामान, सारे कपड़े वहीं पड़े हैं, मानो वह हवा में गायब हो गई हो। उठते ही मैं टीवी चला देती हूँ ताकि अकेलापन कम महसूस हो। मेरा मन कहीं और है; अब मुझमें काम पर जाने की हिम्मत नहीं बची है। फिर भी मुझे जाना ही होगा, और जल्द ही: जो थोड़े पैसे मैंने बचाए थे, वे तेजी से खत्म हो रहे हैं। अकेले किराया चुकाना मेरे लिए बहुत मुश्किल होगा।

साईं की सुकून भरी मौजूदगी के बिना, पटाया में मैं बेहद अकेला महसूस कर रहा हूँ, ऐसा अकेलापन जो सिर्फ़ किसी ऐसी पार्टी में ही महसूस हो सकता है जहाँ हर कोई मौज-मस्ती कर रहा हो। मेरी आत्मा एक निर्जीव सागर की तरह है जिसमें तारों से रहित आकाश प्रतिबिंबित हो रहा है। माए, मेरे चाचा, फ़्रांस्वा, और अब साईं—किसी रहस्यमय श्राप के कारण—ऐसा लगता है जैसे मेरे सभी प्रिय लोग रातों-रात मेरे जीवन से गायब हो जाएँगे। इस कमरे का खालीपन इतना पीड़ादायक है कि मैं एक पल के लिए गाँव लौटने के बारे में सोचता हूँ। मुझे लगता है कि इसीलिए लोग शादी करते हैं, बच्चे पैदा करते हैं, ताकि उस असहनीय अकेलेपन से बच सकें।

फ्रिज में रखी लियो बियर की बर्फीली कड़वाहट में मुझे सुकून मिलता है। दिमाग तक फैलने वाली तीव्र ठंड धीरे-धीरे मुझे होश में लाती है। पेट में जकड़न की गांठ दूसरी बोतल के साथ ही धीरे-धीरे घुलने लगती है।

वो कहाँ है? शायद अपने गाँव में, या शायद पूर्वोत्तर की सड़कों पर। हो सकता है उसके परिवार में कोई समस्या हो, या हो सकता है वो अचानक अपने कोलिया के साथ छुट्टी पर चली गई हो। किसी के कुछ दिनों तक संपर्क में न आने के हज़ार कारण हो सकते हैं। फिर भी मुझे एक बुरा एहसास हो रहा है। मेरे मन में उठने वाले झूठ मुझे तसल्ली नहीं देते। कभी-कभी मैं खुद को यकीन दिला लेती हूँ कि उसका फोन बस खो गया है या चोरी हो गया है और उसके पास अब कोई नंबर नहीं है। ये विचार आमतौर पर मुझे कुछ घंटों के लिए ही शांत करते हैं, फिर बेचैनी और घबराहट की एक और लहर मुझे घेर लेती है। मैं मुश्किल से खा पा रही हूँ। मेरा कोई नियमित कार्यक्रम नहीं रहा, दिन में सोती हूँ, रात में बेचैन रहती हूँ। मैं आईने में खुद को देखती हूँ, अपने पीलेपन और मुरझाए चेहरे को देखकर डर जाती हूँ; मेरा वज़न कम हो गया है। शायद पाँच किलो। मैं इसे कब तक झेल पाऊँगी? यह खामोशी मुझे मार रही है। मुझे किसी से बात करनी है। मैं नट के बारे में सोच रही हूँ, लेकिन मुझे अभी से उसकी हँसी और ताने सुनाई दे रहे हैं:

- सोम नम ना... आपकी सही सेवा करता है!

मैंने Wii को वापस कॉल करने का फैसला किया, मन ही मन उम्मीद कर रही थी कि शायद इस बीच Sai ने उससे बात कर ली हो। जब उसने फोन उठाया, तो उसकी चिंतित आवाज से मुझे पता चल गया कि वह भी मुझसे यही उम्मीद कर रही थी। लेकिन कम से कम वह बार में अपने दोस्तों के साथ थी।

— मुझे भी चिंता हो रही है, टॉय। पिछली रात से कोई खबर नहीं मिली। आज दोपहर बार में मुझसे मिलने आना।

मैं यहाँ कभी नहीं आया। यह कहाँ है?

— स्वयं 6. किसी मोटरसाइकिल टैक्सी वाले से पूछें, वे सभी जानते हैं कि यह कहाँ है।

मैंने समुद्र तट पर टहलने का फैसला किया, उम्मीद थी कि धीमी गति से चलने से मेरा बेचैन मन शांत हो जाएगा। मैं अपने शरीर और मन दोनों को थकाना चाहती थी, लेकिन विचार मेरे दिमाग में घूमते रहे। साई ने शायद कैटरीना को फिर से देख लिया हो, और उसके पति ने उन्हें रंगे हाथों पकड़ लिया हो। लेकिन क्या कोई आदमी अपनी पत्नी के वेश्या के साथ बेवफाई करने पर ईर्ष्या कर सकता है? नहीं, यह बात समझ में नहीं आती। वे पहले भी साथ में दूसरी महिलाओं से मिलते थे। मैंने कैटरीना द्वारा दिए गए नंबर पर कॉल करने की कोशिश की, लेकिन वह नंबर अब चालू नहीं है। अब तक तो वह और उसका पति स्वीडन वापस चले गए होंगे।

रूसी तो है ही। क्या उनका साई के साथ कोई हिंसक झगड़ा हुआ होगा? साई का स्वभाव गुस्सैल है और वह वफ़ादार किस्म की नहीं है, जबकि उस शातिर आदमी का पूरा व्यक्तित्व ही क्रूरता से भरा है। लेकिन एक ड्रग तस्कर गुंडे पर एक रहस्यमय गुमशुदगी की जांच क्यों शुरू होगी? यह समझ से परे है। ही-मैन क्रूर तो है, लेकिन वह मूर्ख तो बिलकुल नहीं लगता। फिर मेरा शक जॉन पर जाता है, जो साई के धोखे का बदला लेने लौटा है। मैं टिक के बारे में भी सोचती हूँ, नाना की गो-गो डांसर, जिस पर साई की नज़र पड़ी थी और जो एक ईर्ष्यालु साथी के साथ रहती थी। मुझे यकीन है कि टिक और साई के बीच कुछ तो था जो वे गो-गो डांसर वाले सीन में नहीं दिखाना चाहते थे। उनकी आपस में हुई इशारेबाज़ी उस बनावटी दूरी से मेल नहीं खाती थी जो उन्होंने बनाए रखी थी। मुझे यह भी पता है कि जब साई के पास पैसे होते थे, तो वह अक्सर ताश खेलती थी। शायद जुए का कोई कर्ज़ हो? हम बहुत दिनों से इस विषय पर अटके हुए हैं।

मेरे दिमाग में सारे परिदृश्य एक अव्यवस्थित उलझन में उलझे हुए हैं। लेकिन जैसे ही मैं हर संभावना पर थोड़ा गौर करता हूँ, वह असंभव सी लगने लगती है। शायद हमें इन गुमनाम मनोरोगियों के मामले में तर्क नहीं ढूंढना चाहिए, जो खतरनाक इलाकों में घूमते रहते हैं और कभी-कभी अपने सामने आने वाले किसी पीड़ित पर हमला कर देते हैं।

सोई 6 बीच रोड के लंबवत चलती है। दोपहर की चिलचिलाती धूप में, कई सुस्त कुत्ते छाया के कुछ हिस्सों के बीचोंबीच ऊंघ रहे हैं, समुद्र की ओर जा रही मोटरसाइकिलों से कुचले जाने का खतरा मोल ले रहे हैं। टैटू और पियर्सिंग के लिए समर्पित एक चमकीले रंग की दुकान के सामने, कंधे तक लंबे बालों वाले और बिना शर्ट पहने थाई गुंडे लियो बियर की बड़ी बोतलें गटक रहे हैं। इस तरह के थाई हिप्पी मुझे गायक कैराबो की याद दिलाते हैं। घूंट लेते-लेते वे कुत्तों को खाना खिलाते हैं, हंसते हैं और लड़कियों के नितंबों को घूरने आए बूढ़े विदेशियों का हल्के से मजाक उड़ाते हैं।

हर दरवाजे के सामने, लड़कियों के समूह प्लास्टिक के स्टूल पर बैठकर अपना आकर्षण प्रदर्शित करते हैं। जैसे ही राहगीर गली के अंत में दिखाई देते हैं, वे अपने नितंबों को मटकाने लगते हैं और अपने हाथों को हवा में उछालने लगते हैं।

— हेलो सेक्सी मैन, मैं तुम्हारे साथ चलती हूँ... जाओ नहा लो... कृपया मेरे अंदर आ जाओ... मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूँ

हर लड़की की आँखों में दोहरी उम्मीद थी, स्वार्थी और असंभव सी, कि टहलने वाला लड़का सोई सिक्स के किनारे बनी पचास-पचास दुकानों में से अपनी पसंद की दुकान चुन लेगा, और फिर उस दुकान के बाहर ऊब रही बीस-तीस लड़कियों में से अपनी साथी ढूंढ लेगा। सड़क के बीचोंबीच, मेरी नज़र अचानक उन कुछ दुकानों में से एक पर पड़ी जो जवान लड़कियों को किराए पर नहीं देती थीं। रंगीन तस्वीरों में गोताखोर रंग-बिरंगी मछलियों के बीच तैरते दिख रहे थे। मुझे बैंकॉक का ओशन वर्ल्ड याद आ गया, वह जादुई दुनिया जो पानी की सतह से बस कुछ ही मीटर नीचे थी। मुझे एहसास हुआ कि यह एक डाइविंग क्लब है जिसका नाम एक्वानॉट्स डाइव सेंटर है। एक बौने सिर वाला बूढ़ा आदमी, जो मुझे अपनी नीली सुजुकी हयाते से लगभग कुचल ही देता है, मेरी पानी की कल्पनाओं से मुझे बाहर निकाल देता है। मैं उस बदसूरत छोटे आदमी को थाई भाषा में गाली देता हूँ जो किसी परेड में निकले विशालकाय पुलिस वाले की तरह कछुए की चाल से गाड़ी चला रहा था, मानो वेश्यालयों के सामने का मुआयना कर रहा हो।

ब्लू नाइल के सामने, पालथी मारकर बैठी, हरे आम के मोटे टुकड़ों को मिर्च की चटनी में बड़े चाव से डुबोते हुए, खूबसूरत वी उन विदेशियों को बड़ी खूबसूरती से नजरअंदाज कर रही है जो मोटे गिनी फाउल की तरह झूम रहे हैं। वह मुझे हाथ हिलाकर अभिवादन करती है:

— साई की तरफ से अभी तक कोई खबर नहीं मिली?

नहीं, मुझे समझ नहीं आया। गायब हो गया।

— हो सकता है वो किसी क्लाइंट के साथ फुकेत या समुई गई हो। ऐसा अक्सर होता रहता है, आप जानते ही हैं!

वह मुझे वैसे भी फोन कर देती।

— जब तक कि उसके पास फोन ही न रहे। मेरा फोन मेरी याददाश्त है। अगर मैं इसे खो दूं, तो मैं अपने सारे दोस्तों, अपने सारे ग्राहकों को खो दूंगी। हम हमेशा सबसे बुरे की ही कल्पना करते हैं।

मुझे पता है, लेकिन मैं इसके बारे में सोचना बंद नहीं कर पा रहा हूँ।

हम ठंडी हवा में अंदर लौट आते हैं; उमस के कारण मेरे पैर अभी भी गर्म हैं। एक लड़की घंटी से लटकी लकड़ी की नक्काशीदार लिंग की मूर्ति के पास ऊंघ रही है। Wii मुझे लेक से मिलवाता है: एक ऐसी महिला जिसके भरे-पूरे स्तन, जो उसके टैंक टॉप से बाहर निकल रहे हैं, मुझे साई के स्तनों की याद दिलाते हैं।

हम एक बुजुर्ग महिला के पास से गुज़रे जो मुझे कुछ हद तक मेरी माँ की याद दिलाती थी: वही कोमल चेहरे के हाव-भाव, वही सांवली त्वचा, वही तीखी आँखों की लकीरें। वह अधिकारपूर्वक Wii की ओर मुड़ी।

— अरे Wii, तुम्हारी नई गर्लफ्रेंड बहुत प्यारी है। क्या तुम हमारा परिचय करवा सकते हो?

— टॉय, मैं तुम्हें ब्लू नाइल की मालकिन खुन माम से मिलवाती हूँ!

वह महिला मुझे सिर से पैर तक इस निर्लज्जता से घूरती है जैसे कोई व्यक्ति किसी ऐसी वस्तु की बारीकी से जांच कर रहा हो जिसे प्राप्त करने में वह हिचकिचाता हो।

"क्या तुम यहाँ काम करना नहीं चाहोगी, नन्ही बच्ची? बिलकुल सही समय है, ब्लू नाइल में अभी भर्तियाँ चल रही हैं। मालिक तो कंजूस है, लेकिन ग्राहक उदार हैं।"

मामासन अपने ही मजाक पर हंस रही हैं। मैं शर्मिंदा होकर मुस्कुरा देता हूँ।

"अगर आप फैसला करें तो ऊपर आकर मुझसे मिलें," महिला ने सीढ़ियाँ चढ़ते हुए कहा, जबकि वी मेरी ओर मुड़ गया।

— ऐसा लगता है कि महारानी माँ की नज़र आप पर पड़ गई है, साथ मिलकर काम करना अच्छा रहेगा। है ना?

— महारानी माँ?

— जब मामासन पीठ फेरे होती है तो लड़कियां उसे इसी नाम से पुकारती हैं। आपको क्या लगता है?

मुझे नहीं पता। मुझे इसके बारे में सोचना पड़ेगा।

- किसका?

किराया। मंगलवार तक तो चुका दिया है। लेकिन उसके बाद मैं यहाँ नहीं रह पाऊँगी। मेरे पास पैसे नहीं हैं। यह कमरा मेरे लिए बहुत महंगा तो है ही, साथ ही साई के बिना इस कमरे में मेरी तबीयत भी खराब हो रही है!

— यहाँ रहने की व्यवस्था है, आपको अब किराया नहीं देना पड़ेगा। महारानी थोड़ी नखरे वाली हैं, लेकिन बार बढ़िया ढंग से चलाया जाता है।

मैं अपने साथ ऊपर Wii लेकर जाती हूँ। मामासन एक पुरानी कुर्सी पर लेटी हुई टीवी सीरियल के सामने जम्हाई ले रही हैं। मैं अभिनेत्री सुवनंत कोंगयिंग को पहचानती हूँ, जिनका उपनाम कोब है, जो एक उत्तरी राजकुमारी का किरदार निभा रही हैं। स्क्रीन पर, घर की मालकिन एक नौकर को क्रूरता से अपमानित करती है। थाई ड्रामा, जिन्हें लकोर्न कहते हैं, अक्सर एक अमीर, दुष्ट महिला को दिखाते हैं, जो मुख्य किरदार से बेइंतहा प्यार करती है और अपने प्रतिद्वंद्वियों को खत्म करने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। हम सब जानते हैं कि लकोर्न असल ज़िंदगी नहीं होते। इसका सबूत यह है कि अंत में प्यार की ही जीत होती है, और आखिरी एपिसोड में उस अमीर, दुष्ट महिला को सज़ा मिलती है। असल दुनिया से बिलकुल उलट। इसीलिए हमें लकोर्न पसंद हैं; ये आम लोगों को एक ऐसी दुनिया का सपना देखने का मौका देते हैं जो असल में मौजूद नहीं है। लेकिन चाहे ये यथार्थवादी हों या नहीं, इससे हमें उस जोड़े की भावनाओं को महसूस करने से नहीं रोका जा सकता।

माँ मेरी ओर मुड़ती है और बिना किसी हैरानी के मुझे आते हुए देखती है। आखिरकार वह रिमोट कंट्रोल दबाती है और खूबसूरत पोशाक पहने उस दुष्ट महिला लाना का चेहरा स्क्रीन पर जम जाता है, ठीक वैसे ही जैसे मेरे बचपन की कहानियों में राजकुमारियाँ नमक की मूर्तियों में बदल जाती थीं।

Wii चुपके से कमरे से निकल जाता है। मामासन एक लंबी सिगरेट जलाती है और धुआं बाहर निकालकर लौ बुझा देती है:

— तुमने जल्दी ही फैसला कर लिया। पूरी तरह से कपड़े उतार दो, नन्ही बच्ची!

उसकी आँखें चमक रही हैं। उसके बालों में अजीब सी धातुई चमक है, शायद काले बालों में चांदी की लटों के मिलने से। जैसे ही मैं अपने कपड़े उतार रहा था, वह सिगरेट का एक और कश लेते हुए मेरे पास आई।

क्या आपने कभी बार में काम किया है?

नहीं, लेकिन फ्रीलांसर के तौर पर मेरे कई विदेशी दोस्त रहे हैं।

"वो बिल्कुल अलग बात है। एक फ्रीलांसर के तौर पर, तुम्हारे जैसी लड़की को चुनने का अधिकार होता है। यहाँ ग्राहक ही सब कुछ तय करता है। ब्लू नाइल में तो ग्राहकों की लगातार भीड़ लगी रहती

है। यह मत सोचो कि तुम्हें टोनीज़ या लूसिफर की तरह यहाँ किसी हैंडसम लड़के के साथ रात बिताने का मौका मिल जाएगा," उसने अचानक कहा।

मैं सिर्फ क्लबों में ही नहीं जाता था, मैं समुद्र तट पर भी जाता था।

"यह बीच एवरेस्ट जैसा है! उदास, कंजूस बूढ़े सरीसृपों से भरा हुआ। यह हमारे सेवानिवृत्त ग्राहकों के ज्यादा करीब है," उसने नरम स्वर में कहा।

खैर, बस पैसों के बारे में सोचो... मजे करो और भूल जाओ। क्या Wii ने तुम्हें शर्तें समझाई थीं?

- ज़रूरी नहीं।

— तीन हज़ार पाँच सौ तय हैं, लेकिन आपको महीने में कम से कम पंद्रह ग्राहक चाहिए, और फिर आपको कम से कम चालीस महिलाओं को ड्रिंक्स सर्व करनी होंगी। इसके अलावा, हर महिला ड्रिंक के लिए बीस बात लगेंगे और अगर कोई ग्राहक आपके पास आता है या आपके बार का बिल भरता है, तो आपको सौ बात मिलेंगे। लेकिन मैं आपको चेतावनी दे रहा हूँ, हमें कामचोर बिल्कुल पसंद नहीं हैं। यहाँ, सुस्ती दिखाने या नखरे करने का कोई सवाल ही नहीं है। हम कभी भी किसी ग्राहक को बार में अकेला नहीं छोड़ते।

- मैं समझता हूँ।

वह सिगरेट का कश लेते हुए मेरे चारों ओर चक्कर लगाती है, मानो असमंजस में खोई हुई हो।

— तुम जवान और बेहद खूबसूरत हो, अगर जोखिम लेने से नहीं डरती हो, तो आसानी से तीस हज़ार महीने कमा सकती हो। कुछ लोग, जैसे या, इससे भी कहीं ज़्यादा कमाते हैं। खैर... लेकिन या तो या है... वो तो एकदम वेश्या है, ऐसी वेश्याएं जो करियर में बहुत कम देखने को मिलती हैं। क्या तुम्हारे माता-पिता को पता है?

मेरे माता-पिता का निधन हो चुका है। मैं बैंकॉक में अपनी चाची के कारखाने में काम करता हूँ।

— तो मेरी सलाह है: उसे एक साथ बहुत सारा पैसा मत भेजो। और सबसे ज़रूरी बात, प्यार में मत पड़ो... ये सब बस मीठी-मीठी बातें करने वाले और बहलाने वाले लोग हैं... जैसे ही तुम किसी मीठी-मीठी बातें करने वाले के प्यार में पड़ोगी, वो तुरंत किसी और लड़की के पास चला जाएगा। जैसे ही तुम्हारा काम हो जाएगा, वो तुममें दिलचस्पी खो देगा।

माँ मुझे ऐसे सहलाती है जैसे कोई बूढ़ी किसान औरत किसी अच्छे भैंस को सहलाती है। वह मेरे बालों में हाथ फेरती है।

- आपके बाल सुंदर हैं!

नम आंखों और पिघलते हुए चेहरे के साथ, वह मुझ पर नजर रखती है, अपने नए साथी पर गर्व करती है।

— एक और सलाह। कोई फोटो नहीं। नग्न तो बिलकुल भी नहीं। वो बड़े अकड़ दिखाते हैं, और फिर आप हमेशा के लिए इंटरनेट पर फंस जाते हैं। किसी कमीने ने आपकी तस्वीर बेच दी, और आपको एक पैसा भी नहीं मिला। बस अपने बैंक खाते पर नज़र रखो। और कुछ नहीं। कुदरत ने तुम्हें जो सबसे बढ़िया पैसा कमाने की मशीन दी है, वो तुम्हारी कमर है, लेकिन ये ज़्यादा दिन नहीं चलती। उस घर के बारे में सोचो जो तुम खरीद पाओगी। मीटर पर नज़र रखो। उनसे जो पैसे निकलवाओगी, उसके अलावा और कुछ मत सोचो। प्यार, ये सब बकवास है, छोटी बच्चियों के लिए है। ये सब उन कंजूसों ने ईजाद की है जो मुफ्त में संबंध बनाना चाहते हैं।

— फिर भी तुमने शादी कर ली।

वह जोर-जोर से हंसने लगी, मानो उसका दम घुट रहा हो:

"तुम्हारा सेंस ऑफ ह्यूमर अच्छा है। एंडी और मेरा एक कॉन्ट्रैक्ट है। उसके पास ओ वीज़ा है और वो यहाँ रह सकता है और जिसके साथ चाहे सो सकता है। बार मेरे नाम पर है, किंग कांग के पूर्व कर्मचारी के लिए ये काफी बड़ी तरक्की है, है ना? मुनाफा पचास-पचास है। हम कभी-कभार सेक्स करते हैं, ज़्यादा बार नहीं, और निश्चित रूप से कभी भी सिर्फ़ हम दोनों अकेले नहीं करते, अब तो हमारा मन ही नहीं करता। हम थ्रीसम के लिए एक लड़की को बुला लेते हैं।"

अपनी तर्जनी उंगली से वह मेरी पीठ पर ऊपर से नीचे तक सहलाती है, और अंत में उसे मेरी योनि में डाल देती है। मैं पलकें नहीं झपकाती, भावहीन। वह मुझे टटोलती है, उसकी आँखें मेरी आँखों में गहराई से देखती हैं।

- क्या तुम उभयलिंगी हो?

- मुझे ऐसा नहीं लगता।

मेरे बालों में अपनी अंगूठी फंसने पर वह थोड़ी निराश होकर अपना हाथ पीछे खींच लिया:

"हमें इन सबको काटना पड़ेगा, ये सारी उगी हुई चीज़ें। ब्लू नाइल में ज़्यादा जापानी लोग नहीं आते, और वैसे भी, इससे आपको जूँ लगने से भी बचाव होगा। सिक्स में कभी-कभी कुछ ऐसे लोग आ जाते हैं जो बिल्कुल लापरवाह होते हैं और हर छह महीने में नहाते हैं। अरे, नीचे जाने से पहले, इन तस्वीरों को देख लो।"

वह दराज से भिक्षुओं द्वारा बेहद दुबले-पतले मरीजों की देखभाल करते हुए पुरानी तस्वीरों का एक सेट निकालती है।

- यह क्या है ?

— वाट फ्रा बाथ नाम फौ। लोप बुरी में एक मठ, लेकिन मैं इसे मौत का जाल कहना ज़्यादा पसंद करूँगा। बस एड्स के मरीज़ों का एक झुंड, इतने कमज़ोर कि डर लगता है। शिक्षक बच्चों को वहाँ ले जाते हैं ताकि वे समझ सकें। ये सभी जीते-जागते मुर्दे कभी तुम्हारी तरह ही जवान और सेहतमंद थे। उन्हें लगता था कि वे अजेय हैं। इसलिए मेरी बात मानो, खुद को खतरे में मत डालो। उन लोगों की बात मत सुनो जो अपनी नेगेटिव रिपोर्ट दिखाते हैं। यह पक्का करने में तीन महीने लगते हैं कि कोई संक्रमित है या नहीं। वैसे भी, कभी-कभी यह किसी दोस्त की रिपोर्ट होती है। कभी जोखिम मत लो... कभी नहीं!!

- सलाह के लिए धन्यवाद!

— एक आखिरी बात!

मैं सुन रहा हूँ, खुन माम।

— मेरी बात ध्यान से सुनो। तुम कभी-कभार गांजा पी सकते हो, लेकिन मुझे अपने घर में एम्फ़ेटामाइन, या आइस नहीं चाहिए! क्या यह बात स्पष्ट है?

मैं इसे हाथ नहीं लगाऊंगा।

— वाह, टॉय! लगता है तुम समझदार हो। मुझे निराश मत करना, वरना मैं तुम्हारा दिमाग काट दूंगा।

जब माँ दरवाजे के पीछे चली जाती है, तो उनकी छवि मेरे दिमाग में धुंधली और अस्पष्ट हो जाती है। मुझे थोड़ा गुस्सा आता है कि वह मुझे इस कमरे में अकेले कपड़े पहनने के लिए छोड़ रही है। सिलामनी श्रृंखला की उस बुरी औरत की छवि अभी भी टेलीविजन स्क्रीन पर एक छिपे हुए खतरे की तरह जमी हुई है। जब मैं नीचे वापस जाता हूँ, तो लकड़ी के लिंग के पास Wii मेरा इंतजार कर रहा होता है।

- इसलिए ?

हम सहकर्मी हैं!

- बहुत अच्छा

मुझे पूरा यकीन है कि आपकी महारानी माँ समलैंगिक हैं।

Wii जोर से हंसने लगता है। इस बीच, बार में भीड़ बढ़ जाती है। सोफों पर छेड़छाड़ शुरू हो जाती है। दो जोड़े उठकर बिना खिड़की वाले कमरों में चले जाते हैं, जहां धीमी गति से चल रहे एयर कंडीशनर से मुश्किल से ही ठंडक पहुंच रही होती है।

ग्यारहवीं

अगले दिन, मैं ब्लू नाइल में रहने चला गया, ऊपर की मंज़िल पर एक बड़े कमरे में, जिसमें पहले से ही तीन लड़कियाँ रह रही थीं: विई, लेक और पोर्न। दीवारों पर कोरियाई समूहों और आर एंड बी गायकों के पोस्टर लगे हुए थे। कमरा तंग होने वाला था, लेकिन मेरी माँ ने मुझे आश्वस्त किया:

— लंबे समय तक ठहरने पर, आप अक्सर एक ही समय में वहां नहीं होंगे। ज़्यादा से ज़्यादा दो या तीन लोग। सप्ताहांत में, कमरा अक्सर खाली रहता है।

मैं नीचे जाकर ब्लू नाइल में एक स्टूल पर बैठ गया। कंबोडियाई कैशियर द्वारा संचालित बार दाहिने कोने में है। दोनों ओर, छोटे लाल विनाइल सोफे दीवारों के लंबवत आमने-सामने जोड़े में रखे हैं, जिनके बीच छोटी, हिलने-डुलने वाली कॉफी टेबल हैं। कुछ केबिनों को एक साधारण लाल पर्दे से बार के बाकी हिस्से से अलग किया जा सकता है। पीछे के दरवाजे के पीछे शौचालय और ऊपरी मंजिलों पर जाने वाली सीढ़ियाँ हैं। कम समय के लिए ठहरने वाले कमरे पहली मंजिल पर हैं, और हमारे कमरे दूसरी मंजिल पर हैं।

स्कॉटलैंड के पापासन एंड्रयू मुझसे मिलने आते हैं। वे कद में छोटे हैं, उनके दाहिने कान में सोने की बाली है, नुकीली चूहे जैसी नाक है और गोल, शरारती तोते जैसी आंखें हैं। उनका चेहरा इतना खून से सना हुआ है कि मुझे ऐसा लगता है जैसे किसी मोटे-ताज़े चूहे की पूंछ पकड़कर उसे केचप में डुबो दिया गया हो। मेरे हॉस्टल की लड़कियां बताती हैं कि जब वे पीठ फेर लेते हैं तो सब उन्हें मिस्टर पापा कहकर बुलाते हैं।

मेरे कमरे में रहने वाली तीन लड़कियों में सबसे मज़ेदार है सूरीन की रहने वाली काली बालों वाली लड़की, जिसका नाम पोर्न है। मामासन उसे हॉर्नी कहकर बुलाती है क्योंकि वह हमेशा कामुक रहती है। पोर्न थोड़ी मोटी है, मुंहफट है, खूबसूरत छाती है जिसे वो डीप नेकलाइन वाले कपड़ों से दिखाना जानती है, और उसकी आंखें वासना से भरी हैं। जिन रातों में हमारे पास ज़्यादा समय नहीं होता, पोर्न मुझे अपने कारनामों के बारे में बताती है। ये अविश्वसनीय है कि कितने सारे विकृत लोग उसकी ज़िंदगी से गुज़रे हैं। वो इस पर हंसती है। वो बहुत पहले ही बुराई के दलदल में फंस गई थी।

> मुझे पैंटी बहुत पसंद है। बचपन से ही मैं अपनी अंडरवियर सूंघते-सूंघते सो जाती थी। पैसा तो बस फालतू है क्योंकि जीना तो जरूरी है, लेकिन मुझे सबसे ज्यादा पुरुषों की त्वचा पसंद है।

पॉर्न बताती हैं कि उन्होंने बैंकॉक के नाना मेट्रो स्टेशन के पास स्थित ईडन क्लब में काम किया था: यह क्लब ग्रुप सेक्स के लिए मशहूर था। वह एक पूर्व सेक्स योद्धा हैं, जिन्हें अपने चरम सुखों की गिनती याद नहीं है। पटाया में, उन्होंने ब्लू नाइल में काम करने से पहले, उसी गली में थोड़ा आगे किंग कांग में कुछ समय के लिए काम किया। वह चौड़ी मुस्कान के साथ कहती हैं:

> मैं शायद सबसे खूबसूरत न होऊं, लेकिन मेरे ग्राहक हमेशा वापस आते हैं। बार में काम करने वाली सभी लड़कियां ऐसा नहीं कह सकतीं। उन्हें एहसास होता है कि मैं सिर्फ पैसे के लिए यह काम नहीं करती। जब मैं पुरुषों की वासना को महसूस करती हूं, तो मुझे अपने स्तनों में भारीपन महसूस होता है।

सपनों में खोई आंखों से, बिस्तर के किनारे बैठी हुई, वह अपनी सिगरेट का एक कश लेती है।

> — देखो, मैं प्यार के लिए बनी हूँ। मेरा असली अस्तित्व सिर्फ पुरुषों की नज़रों में है। मुझे सबसे ज़्यादा अच्छा लगता है सीढ़ियों पर उनका मेरे पीछे होना। अगर कोई नया हो, तो मैं हमेशा सोचती हूँ कि कैसा होगा और वो मेरे साथ क्या करेगा।

पॉर्न अपने ग्राहकों के प्रति सच्ची सहानुभूति रखती है। वह कहती है कि पहले उसने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि इस दुनिया में इतने दुखी पुरुष हो सकते हैं। वह मानती है कि उन सभी में मानवता की एक चिंगारी है, चरम सुख पाने की उनकी अटूट इच्छा, अपने वीर्य को बाहर निकालने की उनकी लसलसी इच्छा, उसे गहराई से छू जाती है।

> जब वे अपने भीतर संचित तनाव को मुक्त करके पुनः शांत हो जाते हैं, तो मुझे ऐसा प्रतीत होता है मानो उनके भीतर का उग्र सागर शांत हो रहा हो। आपको यह बात शायद हास्यास्पद लगे, लेकिन अक्सर जब मैं उनके शरीर और आत्मा को संतुष्ट महसूस करता हूँ, तो मुझे इस बात का गर्व होता है कि यह सब मैंने ही संभव किया है।

*

* *

हर दिन दोपहर के आसपास, हम दिन की शुरुआत से पहले समारोह के लिए इकट्ठा होते हैं। चायापुम की रहने वाली युफा, जो एक लंबी और दुबली-पतली महिला है, वेदी के सामने लटके शिवलिंग को रगड़ती है, जिसे देखकर विदेशी हंसने लगते हैं।

— तुम एक वेश्यालय में पॉलिश किए हुए शिश्न के सिरे और मध्य रेखा वाले लकड़ी के लिंग की बात कर रहे हो! यह उन्हें जरूर प्रेरित करता होगा! वह मजाक करती है।

फिर वह अगरबत्तियाँ जलाती है। चौंतीस साल की युफा बार की सबसे उम्रदराज कर्मचारी है। उसकी नाक चौड़ी है, होंठ भरे हुए हैं, कान बुद्ध की तरह लंबे हैं जिनमें दो भारी धातु के छल्ले हैं, और कूल्हे चौड़े हैं जैसे कोई स्त्री बच्चे को जन्म देने के लिए ही बनी हो, लेकिन उसकी लंबी गर्दन उसे जिराफ जैसी आकृति देती है, जिसके माध्यम से उसकी पीली त्वचा के नीचे रक्त वाहिकाओं का महीन नीला जाल दिखाई देता है। वह कहती है कि उसके शुरुआती दिनों में ये सब नियंत्रण नहीं थे।

— जो लड़की ऐसा चाहती थी, उसने आसानी से अपनी रोजी-रोटी कमा ली, बाकी सब तो बस बातें थीं।

वरिष्ठता के विशेषाधिकार के रूप में, युफा समारोहों की प्रभारी हैं। वह ग्रेनेडाइन सोडा की एक बोतल खोलती हैं और उसे, एक सियांग हाई चॉकलेट बार के साथ, एक बच्चे की सोने की परत चढ़ी मूर्ति के सामने रखती हैं। मामासन को पूरा विश्वास है कि बच्चा खुमान थोंग बार को दुर्भाग्य से बचाता है और सौभाग्य लाता है। ऐसा माना जाता है कि उसे लाल रंग और मीठे व्यंजन पसंद हैं। कुछ लोग कहते हैं कि भिक्षु मूर्ति की शक्ति बढ़ाने के लिए भ्रूण के अवशेषों और मानव हड्डियों से मूर्ति बनाते हैं। मैं वास्तव में खुमान से जुड़े इन सभी अंधविश्वासों में विश्वास नहीं करता। मैं बुद्ध की शिक्षाओं में विश्वास करता हूँ, लेकिन उनसे जुड़ी हर बात में नहीं।

दोपहर की सुहावनी रोशनी में, युफा आराम से बार के सामने बैठकर नूडल्स का एक कटोरा खाने लगी।

— टॉय, क्या तुम एक बूढ़ी वेश्या से कुछ सलाह लेना चाहती हो?

— मैं सुन रही हूँ, बुढ़िया वेश्या।

— बेवकूफों की तरह अपने सारे पैसे मत उड़ाओ... मेरी माँ मेरे भेजे पैसों से गायें खरीदती है। मेरे पास पहले से ही आठ गायों का एक अच्छा झुंड है, और वे हर साल बछड़े देती हैं जिन्हें मेरी माँ बेच देती है। लेक को देखो, वह मुझसे ज्यादा कमाती है, लेकिन उसने एक पैसा भी नहीं बचाया।

उम्र में बड़ी होने के कारण युफा युवा और अधिक आक्रामक अभिनेत्रियों से मुकाबला नहीं कर सकती, इसलिए उसने अपना मार्केटिंग क्षेत्र चुना है: शांत, मातृत्वपूर्ण सुख। उसके प्रशंसक हैं, वर्षों से बने नियमित ग्राहकों का एक समूह है जो दुनिया में किसी और लड़की के साथ संबंध नहीं बनाना चाहेंगे।

कभी-कभार, अगर कोई राहगीर तिरछी नज़र से उसे देखते हुए गुज़रता है, तो वह अपने सूप से सिर उठाकर ज़ोर से पुकारती है, "सेक्सी आदमी, हैंडसम आदमी, आओ मेरे साथ नहा लो!" तब वह आदमी उमस भरी सड़क पर शरमाने या खिलखिलाने से खुद को रोक नहीं पाता। मुझे एहसास होता है कि वे यहाँ लड़कियों से छेड़छाड़ करवाने के साथ-साथ एक शरारती झपकी लेने भी आते हैं। यहाँ, उन्हें चाहा हुआ महसूस होता है, जैसे उनका कोई अस्तित्व हो। कुछ तो संतुष्टि भरी मुस्कान लिए सेकंड रोड और समुद्र तट के बीच कई बार आना-जाना भी करते हैं। अगर कोई थका हुआ बूढ़ा आदमी होता है, तो युफा उसे पुकारती है:

— सेक्सी पापा, मैं आपको पसंद करती हूँ। मैं चाहती हूँ कि आप मेरी योनि में संभोग करें!

यह आत्म-सम्मोहन का एक हिस्सा है। व्यक्तिगत रूप से, मुझे कम उम्र के पुरुषों की तुलना में चालीस के दशक के पुरुष अधिक पसंद हैं। वे अधिक सौम्य, अधिक देखभाल करने वाले और कम कठोर होते हैं क्योंकि उन्होंने जीवन के कई आघात झेले होते हैं। वे कभी-कभी मुझे किसी गंदे युद्ध के बचे हुए लोगों की याद दिलाते हैं। जैसा कि टीवी पर कहते हैं, "बहु-आघातग्रस्त"। अंदर से, उन्हें मुझे गले लगाते देखना मुझे भावुक कर देता है। उनमें से कई तलाकशुदा हैं, उन्होंने यूरोप में अपने परिवार को छोड़ दिया है और अपने बच्चों की अनुपस्थिति से पीड़ित हैं। तभी, लगभग चालीस साल का एक सफ़ेद-काले बालों वाला आदमी चौकस निगाहों से सड़क पर आता है। मैं लेक से यह बात कबूल करती हूँ:

- मैं यह पसंद है...

— किस बात का इंतज़ार कर रहे हो? उसके पीछे जाओ...क्या तुम पीछे हट रहे हो?

मैं पीछे नहीं हटूंगा।

— अरे काली शर्ट...! दुआय अदा करो... साथ चलो...

वह आदमी शर्मिंदा होकर हंसता है।

मैं अगली बार फिर आऊंगा।

— माई चुआ... मुझे तुम पर विश्वास नहीं है!

मुझे यकीन नहीं होता; मुझे पता है कि वे कभी वापस नहीं आते। मुझे मिस टेकीला को उसके पीछे भेजना चाहिए था। वह नील नदी की सबसे ताकतवर महिला है। एक ऐसी ताकत जो सौ किलो के विदेशी को भी पूरी रफ्तार से रोक सकती है... और उसे अंदर की ओर मोड़ सकती है।

— कृपया अंदर आकर सिर्फ एक ही ड्रिंक दीजिए!

ऐसी स्थितियों में, सड़क के उस पार "माई फ्रेंड यू बार" की मोटी-ताज़ी मैडम हमें गुस्से से घूरती हैं। उनमें मर्दानापन की झलक दिखती है, थोड़ी-बहुत समलैंगिकता भी, और रजोनिवृत्ति की पीड़ा से जूझ रही हैं। वो उस तरह की मैडम हैं जो वेश्यालय चलाती हैं, और आप सोचते हैं कि क्या वो बार के धंधे में इसलिए फंसी रहीं क्योंकि वो इतनी बदसूरत थीं कि उन्हें पति नहीं मिला या फिर इसलिए कि उन्हें इन जवान, खूबसूरत लड़कियों की संगति बहुत पसंद थी। जब भी कोई ग्राहक ब्लू नाइल में आता है, उन्हें यकीन हो जाता है कि हमने उनका एक ग्राहक चुरा लिया है, जबकि वो आदमी यकीनन सड़क पर आगे बढ़ गया होता। खोए हुए ग्राहकों की बात करें तो, मेरा ग्राहक आगे जाकर हाई बॉस की लड़कियों के साथ मज़ाक कर रहा है! वो उनके ताने सुनकर चला जाता है। उसके साथ यही होना चाहिए था... सोम नान ना! युफा से एक नियमित ग्राहक आती है। वह तुरंत उठ खड़ी होती है... मुझे तुम्हारी बहुत याद आती है, मेरे प्यारे... जब वह अंग्रेज के पेट पर चुटकी लेती है तो वह मुस्कुराता है और कहता है... तुम बहुत गोल-मटोल हो... तुम बहुत मोटे हो... यह सच है, वह एक बड़े, आलसी बच्चे जैसा दिखता है... मुझे गोल-मटोल पसंद है, बहुत प्यारा... वह शरारती मुस्कान के साथ उसके पीछे-पीछे गुनगुनाती है... तुम मुझे पागल कर देते हो, मेरे प्यारे, मैं बहुत उत्साहित हो जाती हूँ... गुजरते हुए वह मेरे कान में फुसफुसाती है:

सात सौ का बीमाधारक! वह आदमी मुफ्त में कुछ नहीं लेता।

आँखों में शरारत भरी चमक लिए बूढ़े आदमी ने टोपी पहने एक बूढ़े आदमी से पूछा, जो अभी-अभी अंदर आया था, "तो, सेवानिवृत्त लोग उत्तेजित हो रहे हैं?" बूढ़ा आदमी मेरी ओर इशारा करते हुए एक बेंच पर बैठ गया और चांग बियर मंगवाई। मैं उसके बगल में बैठ गया और आलस से उसके पेट पर हाथ फेरने लगा। उसने मुझसे मेरा नाम पूछा।

— टॉय और तुम?

— मार्सेल

— मैसेल ?

— मारसेल को ना

मैं हताशा भरी मुस्कान देती हूँ। वह अपनी जीभ से अपने दांतों में फंसी गंदगी साफ कर रहा है, जबकि उसकी उंगलियाँ मेरी अंडरवियर के अंदर जाकर मुझे छूने लगती हैं। सामने वाली दीवार के पास एक बेंच पर, युफा पहले से ही अपने तोंद वाले अंग्रेज साथी को जोश से चूम रहा है। उसकी लेडी ड्रिंक नीचे से एक चमकदार कोस्टर की रोशनी से जगमगा रही है। पानी के साथ ग्रेनेडाइन सिरप... पापासन के लिए हज़ार प्रतिशत मुनाफ़ा... युफा के लिए बीस बात कमीशन घटाकर। मेरे पिताजी ने मुझे पीने के लिए

कुछ नहीं दिया। मैं कभी माँगती नहीं। मुझे भीख माँगना पसंद नहीं है। यह ग्राहक पर निर्भर करता है कि वह क्या तय करता है।

बार की हल्की रोशनी में, खामियां मिट जाती हैं: झुर्रियां, समय का प्रभाव, नशा और नींद की कमी। ब्लू नाइल के अंदर, सभी लड़कियां खूबसूरत हैं, लेकिन तेज रोशनी में या कमरों की चकाचौंध भरी नियॉन लाइट में, कुछ ग्राहक उदास दिखते हैं: जैसे बदकिस्मती। बार की मालकिन, व्यावसायिक पाखंड के साथ समझाती है कि हल्की रोशनी चेहरे के दाग-धब्बों को मेकअप की तरह हल्का कर देती है।

मेरे बगल में बैठा बूढ़ा आदमी झिझक रहा है। वह मुझे छूता है, खुद को छूता है, सोचता है कि आगे बढ़े या नहीं। यही निर्णायक क्षण है: वह क्षण जब उसका निर्णय अंतिम होगा। यौन संबंध बनाए या अपनी जेब में सुरक्षित रखे पैसे? पैसा या जीवन। दो बिल्कुल अलग सुख: एक क्षणिक और तीव्र, दूसरा अधिक स्थायी। चुनाव करना त्याग करना है। मेरे ठीक बगल में मौजूद गर्म शरीर में समा जाना, या आगे बढ़कर देखना कि मैं वहाँ हूँ या नहीं।

Wii ने आज सुबह मुझे इसके बारे में समझाया।

> आपको प्रेरित दिखना होगा, यह दिखाना होगा कि आप इसे करने के लिए बेताब हैं। यहाँ तक कि सबसे शातिर मेंढक भी उत्साह चाहता है, खासकर सबसे शातिर मेंढक! बेशक, उसे इसकी आदत नहीं है।

मैं उसकी आँखों में सीधे देखती हूँ और झट से उसकी पैंट की ज़िप नीचे करके उसके लिंग को बाहर निकालती हूँ, जिसे मैं धीरे-धीरे अपनी हथेली के मांसल हिस्से से सहलाने लगती हूँ। ज़्यादा मत करो, इससे वे डर जाते हैं। बस उन्हें परेशान किए बिना सच्ची इच्छा का दिखावा करो। ग्राहक को मेरे हाथों में आज़ाद महसूस करना चाहिए। यह वैसा ही है जैसा मेरी चाची बाज़ार में कहा करती थीं:

> व्यापार में, यह प्रेम की तरह है। अगर आप हद से ज्यादा करेंगे, तो ग्राहक कहीं और चला जाएगा। आपको हमेशा थोड़ा संयम बरतना चाहिए। जब चीजें हमारे नियंत्रण से बाहर होती हैं, तो इच्छा और भी प्रबल हो जाती है।

30 तारीख को मुझे अपने भाई की स्कूल फीस भरनी है। मेरी हथेली में दर्द होने लगा है। काश टोपी में बैठा वो विदेशी जाग जाता। मैं दीवार पर लगी घड़ी को देखती हूँ, कारखाने के बारे में सोचती हूँ, दिन के इस समय मैं दोपहर के अवकाश का इंतज़ार कर रही होती हूँ और मेरे पैर फूलने लगते हैं। सोफे पर बैठा वो आदमी अकड़ जाता है, उसका शरीर झुक जाता है ताकि मेरी हथेली का स्पर्श बेहतर हो सके। मैं उसके मुरझाए होंठों को पूरी शिद्दत से चूमती हूँ, अपनी जीभ उसकी जीभ पर फिराती हूँ। वह बीयर का एक घूंट लेता है, खुद को झटकता है, उसे थोड़ा ठंडा लगता है। चुपचाप मेरी तरफ देखता है, फिर आखिरकार उठ जाता है, मान जाता है, कमरे का किराया देता है और अपनी बोतल लेकर ऊपर चला

जाता है। मैं नहाती हूँ जबकि वह कपड़े उतारता है। बगल के कमरों से दबी हुई कराहें सुनाई देती हैं। खर्च बचाने के लिए, कम समय के लिए ठहरने वाले कमरों की दीवारें गत्ते जितनी पतली हैं। फिर वह नहाने चला जाता है, पानी के बहुत ठंडा होने की शिकायत करता है। शावर एकरस ध्वनि के साथ चलता रहता है जबकि पड़ोस के जोड़ों का संगीत तेज होता जाता है।

पांच मिनट बाद वह लौटता है, उसका पतला शरीर तौलिए में लिपटा हुआ है। उसकी बगलों में घने बाल हैं, किसी बूढ़े विदेशी की तरह, मेरी सोच से भी ज़्यादा जर्जर। बार का अंधेरा सिर्फ़ लड़कियों को ही धोखा नहीं देता। कुछ ग्राहक तो रोशनी में सचमुच डरावने लगते हैं। वह उदास निगाहों से मुझे देखता है, उसका मुंह कांप रहा है। उसका लिंग, जो पहले से ही ढीला पड़ चुका है, गहरे रंग के अंडकोषों के ऊपर घंटी के क्लैपर की तरह लटका हुआ है। उस सज्जन को क्षणिक उत्तेजना होती है; उसकी जवानी मानो दूर की बात लगती है। उसकी पलकें सूजी हुई हैं जैसे अभी-अभी उनमें से मवाद निकाला गया हो। वह विदेशी उस बड़े से बिस्तर पर बैठा है जो लगभग पूरी जगह घेर लेता है। उसकी पिंडलियों पर बड़ी-बड़ी, डरावनी नीली नसें उभरी हुई हैं। तौलिए में लिपटा हुआ, वह मुझे किसी ऐसे परेशान मरीज की याद दिलाता है जो अस्पताल में डॉक्टर के आने और उसकी जांच करने का इंतज़ार कर रहा हो। वह शायद सोच रहा है कि वह इस वेश्यालय के कमरे में नग्न अवस्था में क्या कर रहा है और सत्रह साल की उम्र होने के बावजूद उसे इरेक्शन क्यों नहीं हो रहा है।

मैं अपनी हथेली पर थोड़ा सा बेबी ऑयल लगाती हूँ और उसे उसके लिंग पर लगाती हूँ। वह अपनी बेजान सीप जैसे रंग की आँखें बंद कर लेता है ताकि अपने आनंद पर ध्यान केंद्रित कर सके। वह एक दबी हुई कराह निकालता है, एक मरते हुए जानवर जैसी धीमी सिसकी। फिर वह अपना लिंग मेरे गले में डाल देता है। उसका तेल लगा लिंग मेरी जीभ से टकराता है। वह अंदर जाता है, बाहर निकालता है, और भी अंदर धकेल देता है, जिससे मुझे दोपहर के खाने में खाए हुए तले हुए चावल उल्टी हो जाते हैं। और फिर भी उसका हाथ मेरी गर्दन के पीछे जकड़ा हुआ है, मानो उसे डर हो कि मैं बहुत दूर चली जाऊँगी। वह मुझे चारों हाथों-पैरों पर बैठने को कहता है। मैं अपना दिमाग खाली कर देती हूँ। मैं एक अजीब दोहरेपन में जी रही हूँ। मेरी आत्मा मेरे शरीर से निकल जाती है। मेरा मुँह अब मेरा हिस्सा नहीं है। मैं अनगिनत वाष्पों में विलीन हो जाती हूँ और मेरी आत्मा उड़ जाती है, बर्फ से ढके पहाड़ों के ऊपर, बुद्ध के पास तैरती हुई। बादल कितनी ऊँचाई पर रहते हैं? क्या वे मेरु पर्वत से भी ऊँचे हैं जहाँ माँ रहती है? मेरी माँ का आश्वस्त चेहरा मुझे देखकर मुस्कुराता है। इनमें से कुछ भी मायने नहीं रखता। जब मैं खुशी देती हूँ, तो मेरा कर्म सुधरता है। हर धक्के के साथ मेरा शरीर हिलता है। मैं उस घृणा को दूर रखता हूँ जो नील नदी की दहलीज पार करने के बाद से ही मेरे भीतर मंडरा रही है। घृणा धान के खेत में लिपटे साँप की तरह है जो हमारी आत्मा को जकड़ लेती है। इसे कभी पास मत आने दो, क्योंकि एक बार यह आ गई तो इसे छुड़ाना नामुमकिन है।

उसे आने में दिक्कत हो रही है। ऐसा लग रहा है जैसे घंटों बीत रहे हों। वह चाहता है कि मैं उसे फिर से अपने मुँह में ले लूँ। मैं कंडोम उतारती हूँ और पुराने टायरों जैसा स्वाद मेरे मुँह में भर जाता है। आखिरकार, जब मैंने उम्मीद छोड़ दी थी, तभी वह उसे मेरे गले में डाल देता है। मेरा पूरा शरीर तन जाता है, जैसे कोई मरता हुआ आदमी फटने वाला हो... यह मेरी चाची के पुराने फ्रिज के कंप्रेसर की तरह काँपता है। मैं अपना सिर दूसरी तरफ घुमा लेती हूँ। वह मेरे ठुड्डी पर वीर्य गिराता है: पतला, साफ वीर्य। मेरा पेट कस जाता है, मुझे हर चीज़ से घिन आती है, लेकिन खासकर खुद से। एक ऐसी चिपचिपी अनुभूति, जैसे उसका वीर्य। मैं सावधानी से अपने तौलिये से खुद को पोंछती हूँ और सिंक की ओर दौड़ती हूँ ताकि उस मीठे स्वाद को थूक सकूँ, जिसे अब मैं अच्छी तरह जानती हूँ।

शावर में, मैं बड़े ध्यान से अपने चेहरे पर साबुन लगाती हूँ। उसका वीर्य मेरी त्वचा पर चिपका हुआ है; मैं उसे हटाने के लिए ज़ोर-ज़ोर से रगड़ती हूँ। जब मैं वापस आती हूँ, तो वह अभी भी उसी स्थिति में जमा हुआ है। मेरे मन में ख्याल आता है कि शायद वह मर गया हो। पटाया के ग्राहकों की औसत उम्र को देखते हुए, ऐसा कभी-कभी तो होता ही होगा। मैं उसे देखकर मुस्कुराती हूँ और कहती हूँ, "माई पेन राई... कोई बात नहीं..." बाद में मुझे पता चला कि विदेशियों के लिए, "ग्राहक ही राजा होता है"... थाईलैंड में, लूका पेन पटजाओ... ग्राहक भगवान होता है।

नहाने के बाद, वह कपड़े पहनता है, नाइटस्टैंड से अपनी टोपी उठाता है, और आँखों में कृतज्ञता की चमक लिए मुझे एक हज़ार बात देता है। मैं उसे धन्यवाद देने के लिए "वाई" करता हूँ; विदेशियों को "वाई" पसंद है, उन्हें यह अनोखा लगता है। उसकी आँखें कृतज्ञता से नम हो जाती हैं। पास ही, कराहने की आवाज़ बंद हो गई है। मैं लेक और वी की आवाज़ें और दो बहुत ही युवा अंग्रेज़ों की आवाज़ें पहचानता हूँ। गुंडे किस्म के लोग जो बिना किसी परवाह के तुम्हें चोदते हैं। छोटे-मोटे बदमाश जिन्हें लड़की को तड़पाने में मज़ा आता है और जो आते ही कहते हैं, "मैं तुम्हारी आँतें तुम्हारी गांड से बाहर निकाल दूँगा, मैं तुम्हें इतनी ज़ोर से चोदूँगा।" सब कुछ देखते हुए भी, मुझे अभी भी मेरा बूढ़ा आदमी ज़्यादा पसंद है जिसका इरेक्शन नरम है; मुझे वह प्यारा लगता है। दोनों अंग्रेज़ पतले पर्दे के पार ज़ोर-ज़ोर से बातें कर रहे हैं, मानो वे दुनिया में अकेले हों और बाकी किसी की कोई परवाह न हो। वे लड़कियों के बारे में ज़ोर-ज़ोर से हँसते हुए बात कर रहे हैं, कि उन्होंने उन्हें कैसे चोदा।

*

* *

मुझे सुबह-सुबह शहर में घूमना बहुत अच्छा लगता है, जब हवा एकदम ताज़ा होती है और आम लोग काम पर जा रहे होते हैं: बाज़ार के दुकानदार, मोटरसाइकिल मैकेनिक, डिलीवरी ड्राइवर। मुझे इमारतों के अग्रभागों पर पड़ती तेज़ सफ़ेद रोशनी देखना बहुत पसंद है। मुझे अपनी चाची और बुरिराम बाज़ार की हमारी रोमांचक यात्राएँ बहुत याद आती हैं। सुबह के समय, जब पटाया जाग रहा होता है, तो यह लगभग किसी भी अन्य थाई शहर जैसा लगता है; यहाँ अभी तक नाइटलाइफ़ शुरू नहीं हुई होती। और सुबह के समय, मैं भी किसी अन्य थाई लड़की की तरह ही दिखती हूँ।

एंगस, जो उस रात मेरा ग्राहक था, मुझे अपनी मोटरबाइक पर बिठाकर ब्लू नाइल वापस ले गया। एक चुस्त-दुरुस्त ऑस्ट्रेलियाई, जिसकी मुस्कान मनमोहक थी, वह तेल के कारखानों में लगातार दो महीने काम करने के बाद एक महीने की छुट्टी लेता था, जिसे वह हमेशा पटाया में बिताता था। उसने अपनी होंडा एयर ब्लेड को एक्कानॉट डाइव शॉप की खिड़की के सामने पार्क किया और डाइव ट्रिप की कीमतों के बारे में पूछा। एक बुज़ुर्ग व्यक्ति डेस्क पर बैठा था; उसने अपने कागजों से नज़रें उठाकर एंगस को अलग-अलग पैकेज और कीमतों के बारे में बताया। इस बीच, मैं अलग-अलग डाइव की तस्वीरें देख रहा था। हर तस्वीर में गोताखोर खुशी से झूम रहे थे। अगर इन तस्वीरों का मकसद लोगों को आकर्षित करना था, तो वे निश्चित रूप से सफल रहीं। मैंने पैरागॉन एक्वेरियम में कुछ मछलियों के नाम देखे। हालांकि दुकान सोई 6 पर है, लेकिन मैंने इसके दाढ़ी वाले मालिक को कभी बार में घूमते नहीं देखा।

> अगर आप इच्छुक हैं तो बीस मिनट में हमारी एक ट्रिप है। टीम के ज़्यादातर सदस्य टैंक के साथ डाइविंग करते हैं, लेकिन मैं छोटे बच्चे के लिए स्नोर्कलिंग ट्रिप का इंतज़ाम कर सकता हूँ।

एंगस शर्मिंदा होकर मेरी तरफ देखता है। मैं कुछ नहीं कहता, मैं अनजान बनने का नाटक करता हूँ क्योंकि मुझे पता है कि उसने मेरे आने की योजना नहीं बनाई थी। डाइविंग महंगी होती है। बूढ़ा आदमी मुझे तस्वीरों की तारीफ करते हुए देखता है, अपने दाहिने हाथ से अपनी दाढ़ी सहलाता है और सुरक्षात्मक लहजे में कहता है:

> — बेशक, छोटे बच्चे के लिए स्नोर्कल मुफ्त होगा।

मेरे सीने में अपार खुशी भर गई। मैं एक तरल सपने के लिए तरस रहा था। मैं मछलियों के साथ तैरने जा रहा था। मुझे पता चला कि वह बूढ़ा आदमी अंग्रेज था और उसका नाम जेफ था। आधे घंटे बाद, हम समुद्र में जाने के लिए एक लंबी लकड़ी की नाव पर सवार हुए। नाव हर झटके के साथ लहरों में डूबती जा रही थी। सूरज की तेज धूप पड़ रही थी; सौभाग्य से, लकड़ी की छत ने नाव पर सवार लगभग एक दर्जन लोगों को बचा लिया। आखिरकार, एक घंटे से अधिक समय के बाद, पायलट ने इंजन बंद कर दिया और एक छोटे से द्वीप के पास लंगर डाल दिया, जो कोह लार्न से ज्यादा दूर नहीं था, जहाँ हम फ्रांस्वा के साथ गए थे। जेफ ने मुझे थाई भाषा में बताया कि इस छोटे द्वीप को कोह रिन कहते हैं। उसने

मुझे स्नोर्कल पहनाया जबकि एंगस और बाकी लोग काले वेटसूट पहन रहे थे, जैसे मैंने टीवी पर डाइविंग फिल्मों में देखे थे। वे अपने कंप्रेस्ड एयर टैंक के साथ पीछे की ओर गिरे। जेफ नाव से कूद गया और मुझसे बोला... मेरे पीछे आओ... गर्म पानी में, मैंने जल्दी ही अपनी तैरने की कला वापस पा ली, मेंढक जैसी हरकतें जो फ्रांस्वा ने मुझे सिखाई थीं। सतह के ठीक नीचे, मुझे हर रंग के मूंगे दिखाई देते हैं: एक चट्टान उभरती है, और असंख्य रंग-बिरंगी मछलियाँ उसके चारों ओर गश्त लगाती हैं। इस भारहीन दुनिया में जीवन का भरपूर भंडार है। मैं अपनी आँखें खोलता हूँ, जेफ़ उन्हें खाना खिलाता है, मैं अपना हाथ आगे बढ़ाता हूँ। मछलियाँ मेरी उंगलियों को सूंघने आती हैं।

मैं इस मूंगे की चट्टान के बीच एक एक्वेरियम में होने की तरह, परमानंद से बह रहा था। जेफ कोमल इशारों से मुझे सबसे दिलचस्प जीव दिखा रहा था। ऐसा लग रहा था कि उसे इस समुद्र के प्रति गहरा सम्मान है, जो उसका जीवनयापन का साधन है। मैंने आश्चर्य से छोटी बैराकुडा मछलियों और एक मोरे ईल को पहचाना। अचानक, उसने मेरा हाथ पकड़कर मुझे एक बड़ी रे मछली दिखाई जो हमसे लगभग दस मीटर आगे चक्कर लगा रही थी। ऐसा लग रहा था मानो वह पानी में धीमी गति से उड़ रही हो। हम नाव से दूर चले गए। हम दोनों के साथ, मैं सुरक्षित महसूस कर रहा था। एक छोटी शार्क चट्टान के पास चक्कर लगा रही थी, जिससे मुझे यकीन हो गया कि मैं किसी खतरे में नहीं हूँ, यह एक हानिरहित मुलाकात है। मुझे कछुए देखने की उम्मीद थी, लेकिन जाहिर तौर पर, यह सही जगह या सही समय नहीं था। मैंने दो अजीब आकार की बिच्छू मछली भी देखीं। समय बहुत जल्दी बीत गया। जब हम पानी से बाहर आए, तो मुझे एहसास हुआ कि मैं थक गया हूँ; हम एक घंटे से अधिक समय से पानी में थे। मैं बहुत खुश था। जेफ ने मुझसे थाई भाषा में पूछा:

तो, क्या आपको यह पसंद आया?

— यह जादुई है... मैं आपका शुक्रिया अदा करने के लिए शब्द नहीं जानती।

— आपकी मुस्कान से तो यह काम कुछ हद तक हो ही चुका है।

गोताखोरों का बाकी समूह बारी-बारी से सतह पर आता है। एंगस अपने गोताखोरी से बेहद खुश लग रहा है। एक क्रू सदस्य ने नाव के बीच में चावल, चिकन करी और कटे हुए फलों का बुफे लगा रखा है। सभी को भूख लगी है। दोपहर ढलते ही एक पिकअप ट्रक हमें गोताखोरी की दुकान पर छोड़ देता है। जब ब्लू नाइल की लड़कियाँ मुझे बार के पास से गुजरते हुए देखती हैं, तो वे खुशी से चिल्ला उठती हैं।

यह दिन ताज़ी हवा के झोंके जैसा था, रोज़मर्रा की भागदौड़ से एक सुखद राहत। ऐसा लग रहा था जैसे मैं आदिम जगत की यात्रा से लौट आया हूँ। मुझे साईं, अपने परिवार या खुद के बारे में सोचने का भी समय नहीं मिला। उस रात, नींद में मैंने सपना देखा कि मैं दो जलधाराओं के बीच तैर रहा हूँ, पानी के भीतर साँस ले रहा हूँ, और क्लाउनफ़िश और नीले केकड़ों के साथ मूंगे की सैर कर रहा हूँ।

*

* *

वी सो रही है, सिकुड़कर गेंद की तरह लेटी हुई। मैं पर्दा खींचती हूँ। दोपहर हो चुकी है। वो हल्की-हल्की आवाज़ें निकाल रही है, गाल पर हाथ रखे, सिर एक बड़े टेडी बियर में छिपाए हुए, जो उसे एक फिनिश लड़के ने दिया था। वो पिछली रात के हैंगओवर से उबरने के लिए सो रही है। मैं चप्पल पहने नीचे जाती हूँ, एक फूड ट्रक से तुलसी वाला तला हुआ चिकन खरीदने।

नीचे, सफाईकर्मी पौम बार के टाइल वाले फर्श को पानी से धो रही है। वह एक हल्की सी आवाज़ निकालती है, जिसका उसके लिए मतलब है नमस्कार। कपड़े धोने और सफाई का काम उसी के ज़िम्मे है। वह अपने भारी काम के बोझ के बारे में लगातार शिकायत करती रहती है। यह कहना ज़रूरी है कि अच्छे दिनों में लगभग सौ छोटी-छोटी शिफ्टों के साथ, यह बहुत काम है: कपड़े धोना और इस्त्री करना, चादरें बहुत गंदी होने पर बदलना, वीर्य से सने तौलिये भिगोना, लड़कियों या ग्राहकों के लंबे सफेद बालों के कारण बंद पड़े शावरों को साफ करना, इस्तेमाल किए गए कंडोम, कॉटन पैड, केवाई जेली के पुराने ट्यूब और अलग-अलग रंगों के क्लीनेक्स से भरे कूड़ेदान।

पौम रुकती नहीं। लेकिन मुझे नहीं लगता कि यही उसके लिए सबसे मुश्किल है। वह ऐसे परिवार से आती है जहाँ लड़कियाँ चलना सीखते ही काम करने लगती हैं। नहीं, यह उसके लिए सबसे मुश्किल नहीं है। क्या आप चाहती हैं कि मैं आपको बताऊँ? उसके लिए सबसे मुश्किल है उन कुछ लड़कियों को देखना जो दाँत साफ करने के बाद सिंक तक नहीं धोतीं, और दो घंटे छत को घूरते हुए उतना कमा लेती हैं जितना वह एक महीने में पसीना बहाकर भी कभी नहीं कमा पाएगी। सपने में भी नहीं। लेकिन पैंतालीस साल की उम्र और चार फुट एक इंच की लंबाई के लिए पचहत्तर किलो वजन के साथ, अगर पौम वेश्यावृत्ति करने का फैसला करती है तो उसका भविष्य सुरक्षित नहीं है। बाहर, भावहीन विक्रेता दो ट्रे भर रही है। तुलसी, लहसुन और भुने हुए मांस की तेज़ सुगंध मेरी काँपती नाक तक पहुँचती है।

बैंकॉक से कई ग्राहक आते हैं: विदेशी जो पटाया की बार गर्ल्स के साथ वीकेंड बिताते हैं। सप्ताह के दिनों में दोपहर अक्सर काफी शांत रहती है, कुछ नियमित ग्राहक होते हैं, जिनमें अक्सर सेवानिवृत्त लोग होते हैं जो अपनी पत्नियों और बच्चों के साथ पटाया में रहते हैं। कभी-कभी यह उबाऊ भी होता है। कुछ लड़कियां बीच-बीच में ऊंघने लगती हैं। हमारी उम्र में, हमें कभी भी पर्याप्त नींद नहीं मिलती। फिर भी, ब्लू नाइल की बदौलत, मुझे एक नियमित दिनचर्या मिल गई है और मैंने फिर से दोस्त बना लिए हैं। मैं अच्छा काम कर रही हूँ और नियमित ग्राहकों का एक समूह बना रही हूँ। मैं अपनी चाची को नियमित रूप से पैसे भेजती हूँ, और मैंने उन्हें बुरिराम की एक दुकान पर फोन करके वॉशिंग मशीन खरीदकर

आश्चर्यचकित भी किया, जो गाँव आकर उनके लिए मशीन लगा दी। उन्होंने मुझे धन्यवाद देने के लिए फोन किया, उनका गला भावनाओं से कांप रहा था। अब जब वह बूढ़ी हो गई हैं, तो इससे उनका दैनिक जीवन थोड़ा आसान हो जाएगा, और शायद इससे उन्हें अपनी स्वच्छता के प्रति थोड़ा और सावधान रहने की प्रेरणा मिलेगी।

कभी-कभी मुझे शर्मिंदगी के साथ एहसास होता है कि मैं साईं के बारे में पहले से कम सोचती हूँ, उसकी यादें धुंधली पड़ रही हैं। ज़िंदगी चलती रहती है। ज़ख्म भर रहे हैं, लेकिन सवाल बना हुआ है। उसका क्या हुआ? शायद मुझे कभी पता न चले, और यह अनिश्चितता असहनीय है। जब भी मैं उदास होती हूँ, तो चिंता से घबरा जाती हूँ। मानो चिंता मेरे विचारों में छिपी रहती है, कमज़ोरी के किसी पल में फिर से उभरने का इंतज़ार करती है। कभी-कभी मुझे लगता है कि वह मर चुकी है। इस लंबे सन्नाटे को मैं और कैसे समझाऊँ?

बुराई से भरा पटाया कभी सोता नहीं। कल पुलिस को जोमटियन बीच पर बीस साल की एक युवती का शव मिला। उसकी पहचान उसके टैटू से हुई: औम अभी-अभी इक्कीस साल की हुई थी, नाखोन सखोन की एक अकेली माँ। किसी को नहीं पता कि यह हत्या थी, आत्महत्या थी या फिर रात भर शराब पीने के बाद महज़ एक हादसा। अखबार इन हिंसक मौतों से भरे पड़े हैं: विदेशियों को खिड़कियों से फेंक दिया गया या प्लास्टिक की थैलियों में दम घोंटकर मार दिया गया, लड़कियों के गले काट दिए गए। वी दार्शनिक अंदाज़ में कहती हैं कि पटाया में लोग कम उम्र में ही मर जाते हैं।

अश्लील सामग्री शौचालय से भयावह अवस्था में बाहर निकलती है।

— धत् तेरे की, मुझे पीरियड्स आ गए। तीन दिन की छुट्टी। तीन दिन पेट की तरफ इशारा करके ग्राहकों को कहना पड़ेगा जो आना चाहते हैं... सॉरी डार्लिंग, मुझसे गलती हो गई... और फिर उनके चेहरे देखना जब उन्हें एहसास होता है कि उन्होंने मेरे पैसे बर्बाद कर दिए। एक लेडी ड्रिंक बर्बाद हो गई। वे कुछ नहीं कहते, बहुत स्वाभिमानी हैं, लेकिन फिर भी उन्हें लगता है कि मैंने उन्हें पूरी तरह से ठग लिया है।

— आप उन्हें ड्रिंक देने से पहले क्यों नहीं बता देते?

महारानी माँ ऐसा नहीं चाहतीं... वह पापासन से कहती हैं... महिलाओं को माहवारी होती है, वे संभोग नहीं कर सकतीं, लेकिन देखभाल कर सकती हैं... मिस्टर पापा को यकीन नहीं होता; उन्हें ग्राहकों से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है, लेकिन वे अपना काम बखूबी कर रहे हैं। वैसे भी, यहाँ का मुखिया वह नहीं है।

हम घंटों बार के सामने खड़े होकर बातें करते रहते हैं। हमारी बातचीत का ज़्यादातर हिस्सा विदेशियों (फरांग) के बारे में होता है। एक कहता है, "यह तो जय दी है... बढ़िया," दूसरा कहता है, "वह तो जय दम

है... बुरा।" बड़े पैसे वाले या किनियाओ, कंजूस, जिन्हें युफा "चीप चार्लीज़" कहता है। पटाया की सबसे बड़ी खामी। हर लड़की गर्व से अपने वफादार ग्राहकों, अपने प्रेमियों, अपने ईमेल और सबसे बढ़कर, एक बार गर्ल के लिए प्यार का एकमात्र असली सबूत: यूरोप से मिलने वाले नियमित पैसों के बारे में बताती है।

एक बुधवार की सुबह, पापासन हमें जगाने के लिए कमरों में गए। उन्होंने ऐसा पहली बार किया था।

— लड़कियों, जल्दी उठो और तैयार हो जाओ, हम बीस मिनट में निकल रहे हैं।

— धत् तेरे की, ये हमें कहाँ ले जा रहा है?

Wii ने मुझे गंभीर भाव से जवाब दिया।

— मैं आपको बताना भूल गया था, लेकिन जब पापा साहब को पैसों की दिक्कत होती है, तो वो कभी-कभी कंबोडिया की सीमा पर स्थित एक वेश्यालय में लड़कियों को बेच देते हैं!

मैं Wii की तरफ चिंता से देखता हूँ... जबकि बाकी लोग लकड़बग्घे की तरह हंस रहे हैं, साफ तौर पर मेरा मजाक उड़ा रहे हैं। आखिरकार वे राज खोल देते हैं। "ब्लू नाइल" एक गंभीर जगह है। नशे में चूर चूहे जैसे चेहरे के बावजूद, मिस्टर पापा अपनी "लड़कियों" (जैसा कि वे उन्हें कहते हैं) का परीक्षण करवाने पर जोर देते हैं। "छह" की बात करते हुए, वे भावुक हो जाते हैं, "छह" को "यौन" स्व, पटाया के कामुक क्षेत्र के रूप में संदर्भित करते हैं, भले ही यह दूधिया आकाश से जुड़ा एक दयनीय स्व हो। एंडी को गली के सबसे लोकप्रिय बारों में से एक चलाने पर बहुत गर्व है: ग्लासगो के बाहरी इलाके में एक कारखाने में बिताए बेकार जीवन के बाद यह एक तरह की उपलब्धि है। आखिरकार, ये उनके सेवानिवृत्त दोस्त हैं, जिनमें से ज्यादातर थाई महिलाओं से विवाहित हैं, जो दोपहर में ड्रिंक के लिए और कभी-कभी ओरल सेक्स के लिए आते हैं। उन्हें दूषित करना एक आपदा होगी।

जैसे ही लड़कियाँ निसान के प्लेटफॉर्म पर आती हैं, एंडी टेलगेट बंद कर देता है, कमर पर हाथ रखकर गंभीरता से अपने झुंड का जायजा लेता है, फिर गर्व से इंजन स्टार्ट करता है और इमरजेंसी लाइटें जला देता है। युफा एक मुर्गे की तरह बांग देता है... जो अपने झुंड का मुखिया होता है... जिससे प्लेटफॉर्म पर ठसाठस भरी सभी लड़कियाँ हँसने लगती हैं। मुझे लगता है कि हम उन पिकअप ट्रकों की तरह दिख रहे हैं जो मजदूरों को उनके निर्माण स्थलों तक ले जाते हैं। नाकलुआ के बांगलामंग अस्पताल में, यह परीक्षण पटाया के पर्यटक अस्पतालों की तुलना में सस्ता है: प्रति लड़की 120 बाट, थोक मूल्य। पटाया में, वे चोर हैं... 800 बाट तक। एंडी द्वारा परीक्षण का भुगतान करने के लिए, प्रशिक्षक को कम से कम दो सप्ताह से काम करना होगा। पापासन यह कहकर अपना बचाव करता है:

— बहुत सी लड़कियां कुछ दिनों बाद ही हार मान लेती हैं।

युफा व्यंग्यपूर्वक कहती है कि यह बहुत तर्कसंगत नहीं है, लेकिन मिस्टर पापा इसी तरह काम करते हैं। हम दोपहर के भोजन के लिए लौटते हैं। लगभग तीन बजे, एक आदमी सावधानी से अंदर आता है। पचास वर्ष की आयु का, गठीला शरीर, साफ त्वचा और मजबूत दांत वाला वह व्यक्ति अपने बिर्केनस्टॉक सैंडल के नीचे सफेद मोजे, लंबी शॉर्ट्स, कमर पर एक बैग और एक काली टी-शर्ट पहने हुए है जिस पर बड़े सफेद अक्षरों में "आई लव सोई 6" लिखा है।

लेक कहाँ है?

महारानी माँ जवाब देती हैं कि वह अभी खाली नहीं हैं, लगभग एक घंटे में वापस आ जाएँगी। वह व्यक्ति अपनी टी-शर्ट से अपने चश्मे को पोंछता है, और बेहद नाराज़ दिखता है। वह बड़बड़ाता है कि आखिर वह जल्दी आ गया था।

— You want another girl ? demande la mamasan.

नहीं, मुझे लेक चाहिए।

वह निराश होकर अपनी घड़ी देखता है, फिर कमरे में फैली तेज रोशनी में बाहर निकल आता है। उसकी दोपहर बर्बाद हो गई। माँ कंधे उचका देती है।

अगली बार वो रिजर्वेशन करवा लेगा। मोबाइल फोन कुत्तों के लिए नहीं होते।

मैं युफा के साथ सड़क की ओर खुलने वाली छोटी सी छत पर बैठ जाती हूँ। आँखों में कोमल भाव लिए, वह अपने फोन में अपनी बेटी की तस्वीरें देख रही है: सात साल की एक नन्ही परी जैसी, चंचल आँखों वाली। वह उसे फोन करती है, उसके स्कूल के बारे में बात करती है, फिर फोन मुझे थमा देती है। एक मासूम सी आवाज़ पूछती है:

- तुम्हारा नाम क्या है ?

— टॉय, और तुम?

— चोम्पू, मेरा नाम चोम्पू है। क्या तुम मेरी माँ को जानते हो?

अब मुझे समझ आया कि युफा 1-2-कॉल प्रीपेड कार्ड पर इतना पैसा क्यों खर्च करती है। क्या उस लड़की को पता है कि उसकी माँ क्या काम करती है? ज़रूर नहीं, वो अभी बहुत छोटी है। उसे बाद में समझ आएगा, स्कूल में, जब उसे छुट्टी के दौरान "वेश्या की बेटी" कहकर बुलाया जाएगा।

“चोम्पू, वो बहुत अच्छी छात्रा है, वो डॉक्टर बनेगी,” युफा ने फोन रखने के बाद मुझे भरोसा दिलाया। “मैं पैसे बचा रहा हूँ और ज़रूरी त्याग करूँगा। वैसे भी, वो किसी बार में काम नहीं करेगी।” ये सच है, अगर चोम्पू का हाल भी मेरी तरह होता तो मेरे त्याग का क्या फायदा?

मैं कुछ नहीं कहती। आखिर, मैं भी एक अच्छी छात्रा थी, और इससे मुझे ब्लू नाइल के बाहर उसके साथ बैठकर आने-जाने वाले ग्राहकों को लुभाने से कोई रोक नहीं सकता। मुझे कोई पछतावा नहीं है; हम अपने जीवन के उन हिस्सों को दोबारा नहीं जीते जो हमें पसंद नहीं हैं। साई सही कहती थी: "जीवन एकतरफा रास्ता है।" मुझे एहसास होता है कि मैं कितनी भाग्यशाली हूँ कि मैं नट जैसी माँ नहीं हूँ जिसकी बेटी अरिसा है। मुझे उसे कमरे के लिए कुछ पैसे भेजने होंगे। उस दिन हमारा बिछड़ना बहुत बुरा था।

*

* *

मैं उसे सिर्फ़ नाम से जानती हूँ। सारी लड़कियाँ उसके बारे में सम्मान और ईर्ष्या के मिले-जुले भाव से बात करती हैं। लेकिन ब्लू नाइल की सुपरस्टार खुद मेरे सामने, बार के बीचोंबीच खड़ी है, अपने वफादार प्रशंसकों से घिरी हुई। या आज खोन काएन से लौटी है। मैं उसे निहारती हूँ: दुबली-पतली काया, दमकता चेहरा, मंगोलियाई राजकुमारी जैसी लंबी, लगभग तराशी हुई आँखें। उसकी आँखों की गहराई में ही उसका असली आकर्षण है, एक ऐसी मोहक निगाह जिसमें दया और व्यंग्य का मिश्रण है। या हमेशा खुशमिजाज रहती है, उसके चेहरे पर हमेशा एक दिलकश मुस्कान रहती है। वह न सिर्फ़ बेहद स्टाइलिश है, बल्कि एक बिंदास लड़की भी है, जो हमेशा मुश्किल समय में अपने दोस्तों की मदद के लिए तैयार रहती है। ब्लू नाइल के आधे लोग उसके कर्ज़दार हैं। अक्सर, वही लोग जो निजी तौर पर उसकी सबसे ज़्यादा बुराई करते हैं। बार एक परिवार की तरह होता है: एक जैसे रिश्ते, कभी-कभी एक जैसी दुश्मनी, अक्सर एक जैसी नफरत।

या को बार का नियम पता है कि उधार दिया गया कोई भी पैसा वापस नहीं मिलता, लेकिन वह अपनी सफलता के लिए माफी मांगते हुए उधार देना जारी रखती है। कम आकर्षक लोग संघर्ष करते हैं। पटाया एक ऐसा जंगल है जहाँ "सबसे ताकतवर का नियम" "सबसे सुंदर का नियम" बन गया है। जब वह किसी पुरुष को देखती है, तो उसकी नाक के नथुने ऐसे फड़फड़ाते हैं जैसे कोई बाघिन अपने शिकार की गंध को बेहतर ढंग से पकड़ने के लिए अपने पंख फड़फड़ाती है।

या ने पटाया को अच्छी तरह समझ लिया है। वह बेबाक बोलती है: बूढ़ा, जवान, सुंदर, बदसूरत... वह कुछ भी छुपाती नहीं है। यहाँ तक कि वह थोड़ी दार्शनिक भी हो जाती है, जेब में रखे दर्पण में अपनी भौहें देखते हुए कहती है:

> वे जितने बदसूरत होते हैं, उतना ही अधिक प्यार करते हैं...

खोन काएन के पास बन रहे अपने दो घरों के बारे में बात करते समय, या की चौड़ी आँखें लगभग कामुक आनंद से चमक उठती हैं। एक ग्राहक को घर दिखाते हुए, वह सीमेंट की बोरियों, सरिया और कारीगरों के बकाया बिलों के बारे में सोचती है।

जब या को गली के बीचोंबीच एक विदेशी (विदेशी) झूमता हुआ दिखाई देता है, जिसका रंग चमकीला और चाल आत्मविश्वास से भरी होती है, तो या सीधे उसकी ओर दौड़ती है, उसकी आँखों में एक सुनहरी चमक पैदा करती है, मानो "मुझसे संबंध बनाओ" का इशारा कर रही हो, और उसकी आँखों में अपनी निगाहें गड़ा देती है। एक बीमार खरगोश के सामने खड़ा किंग कोबरा। खरगोश के पास बचने का कोई मौका नहीं। या स्पष्टवादिता और विकृति के विनाशकारी मिश्रण से उसे मोहित कर लेती है। एक कुशल पेशेवर जो मासूमियत का भ्रम बखूबी पैदा कर सकती है। आमतौर पर, लड़का बिना किसी प्रतिरोध के उसकी सुंदरता से मोहित होकर नील नदी में बह जाता है। फिर उसका नाजुक चेहरा एक समझदारी भरी मुस्कान से जगमगा उठता है, मानो कह रहा हो, "तुम्हें इसका पछतावा नहीं होगा।" या हमेशा कहती है:

> अगर वह आदमी विरोध करता है, तो इसका कारण यह है कि उसने अभी-अभी थोड़ा ऊपर यौन संबंध बनाया है। जिस भैंस ने अभी-अभी पानी पिया है, वह तालाब की ओर पीठ कर लेती है।

या कभी भी महिलाओं के लिए पेय पदार्थ लाने पर जोर नहीं देती।

> बीस बात कमीशन, और फिर एक घंटा उनकी अंग्रेज़ी में बकवास सुनने में बर्बाद करना। समय की बर्बादी है! मेरे पास इससे भी ज़रूरी काम हैं। मैं ज़रूरी चीज़ों पर ध्यान दे रहा हूँ।

सबसे ज़रूरी बात यह है कि ग्राहक को जल्द से जल्द ऊपर उठाया जाए और एक साफ-सुथरे, सटीक धक्के से उसे संतुष्ट किया जाए... या आमतौर पर दस मिनट बाद नीचे आती है, उतनी ही बेदाग जितनी ऊपर आते समय थी। शाही अंदाज़ में, वह पीछे का दरवाज़ा खोलती है और ब्लू नाइल की खूबसूरत हसीनाओं के बीच आ जाती है, उसके होठों पर एक शरारती मुस्कान होती है। हैरान ग्राहक उसे अपनी निगाहों से देखते रहते हैं, और अक्सर वह सीधे ऊपर चली जाती है, कभी-कभी सीढ़ियों पर शॉवर में छोड़े गए अचंभित विदेशी को बिना विचलित हुए पार कर जाती है।

लेक का कहना है कि या पैंटी इसलिए नहीं पहनती क्योंकि उसका समय बचता है। उसका दावा है कि या की योनि किसी कीड़े के नाजुक एंटीना जैसी है: जो सैकड़ों मीटर दूर से भी इच्छा के हर अणु को महसूस कर सकती है। लेक मुंह बनाते हुए कहती है कि बिना पैंटी के सोफे पर बैठना घिनौना है, इससे हर जगह घिनौने निशान बन जाते हैं। लेकिन या को कोई फर्क नहीं पड़ता; वह एक महारानी की तरह मुस्कुराती है, मानो जानती हो कि लेक सिर्फ इसलिए जल रही है क्योंकि वह उसकी मासिक कमाई का एक चौथाई भी कभी नहीं कमा पाएगी।

दोस्ताना व्यवहार के मुखौटे के पीछे, मुझे जल्द ही एहसास हो गया कि नील नदी के किनारे गपशप का बोलबाला है और हम एक-दूसरे के प्रतिद्वंदी हैं। यहाँ हर कोई अपने लिए जीता है। सबसे सुंदर सबसे बदसूरत को खा जाता है, जैसे एक बाघ हिरणी को खा जाता है: एक क्रूर वास्तविकता। कबीले बनते हैं, अक्सर भौगोलिक मूल के आधार पर: खोन काएन के लोग, पेचाबुन के लोग। वे सभी एक आभासी गाँव बनाना चाहते हैं, लेकिन थाई आत्मा अपनी भूमि से जुड़ी रहती है; हम किसान बने रहते हैं। अंत में, यह अजीब बात है कि साई और मैं दोस्त बन गए। हम एक ही प्रांत या एक ही जांगवत से नहीं हैं। अपवाद नियम को साबित करता है।

*

* *

जेफ बार में आकर मुझसे पूछने लगा कि क्या मैं उनके साथ कोह मानविचई में गोता लगाने के लिए नाव पर चल सकता हूँ। उसने थोड़ी उदासी के साथ अपनी सुनहरी दाढ़ी सहलाते हुए मुझसे कहा:

> — आपको बस बुफे लगाने की ज़िम्मेदारी संभालनी होगी। सेंग, जो क्लर्क आमतौर पर यह काम करता है, तीन दिनों के लिए गाँव वापस चला गया है। लेकिन आपके पास गोताखोरी के लिए समय होगा; मुझे उम्मीद है कि वहाँ कुछ कछुए देखने को मिलेंगे।

ब्लू नाइल में उसे पहली बार देखकर अजीब सा लग रहा है। ऐसा लगता है जैसे वह किसी दूसरी दुनिया से आया हो, समुद्री दुनिया से। उसकी मौजूदगी बेमेल सी लग रही है, जैसे टूटे-फूटे सोफे और टिशू पेपर के डिब्बों से भरे इस माहौल में घुल-मिल ही न पा रहा हो। मुझे लगभग शर्म आ रही है कि वह मुझे काम पर, सजे-धजे और पूरी तरह से मिलिट्री वर्दी में देख रहा है, लेकिन उसे कुछ भी नज़र नहीं आता, क्योंकि वह हर दिन गली 6 के संदिग्ध लोगों से मिलने का आदी हो चुका है। ज़ाहिर है, जब उसने बीस साल पहले अपना क्लब खोला था, तब गली 6 बस एक और गली थी जिसमें दो-तीन बार ही थे। पूरी शाम मैं इस सोच से उत्साहित हूँ कि कल समुद्र में एक दिन बिताने के लिए निकल जाऊँगी, गली 6 की दिनचर्या से आज़ाद होकर मछलियों के बीच तैरने जाऊँगी।

अगले दिन, मैं सुबह दस बजे डाइव शॉप गया। करीब दस पर्यटक पिकअप ट्रक में सवार हो गए। जेफ ने मुझे नाकलुआ के एक रेस्तरां में तैयार किए गए खाने से भरे दो कूलर दिए। वही लाल नाव घाट पर हमारा इंतज़ार कर रही थी। जैसे ही सब लोग नाव पर सवार हुए, नाव समुद्र की ओर चल पड़ी और जेफ ने बताया कि कोह मानविचई, कोह रिन की तुलना में तट के थोड़ा करीब है। डाइव साइट पर पहुँचकर, सभी ने प्रशिक्षक के साथ अपने टैंक तैयार करवाए। मैंने स्नोर्कल लिया, लेकिन जेफ ने मुझसे कहा:

पिछली बार आपने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था। आप प्रतिभाशाली हैं। मैंने अपने अनुभव से यह तुरंत देख लिया था। क्या आप टैंक के साथ कोशिश नहीं करना चाहेंगे? इसमें ज्यादा समय नहीं लगेगा और मैं पूरे गोताखोरी के दौरान आपके साथ रहूंगा; हम ज्यादा गहराई में नहीं जाएंगे।

मैं कुछ नहीं कहता, लेकिन एक असीम खुशी मुझ पर छा जाती है। इसका मतलब है कि जेफ मुझ पर भरोसा करता है, कि मैं मछलियों का पीछा करते हुए और गहराई तक जा पाऊंगा, चट्टान के ढलान के साथ-साथ नीचे उतर पाऊंगा। वह मुझे उपकरण पहनाता है, और बताता है कि रेगुलेटर कैसे काम करता है। यह भारी है, थोड़ा जटिल है; मुझे अपने स्नोर्कल की हल्कीपन की याद आने लगी है। मुझे एंगस के गोता लगाते समय उसकी बातें याद आ गईं। मैं सबसे पहले रोशनी से भरे पानी में उतरता हूं, और वह मेरे पीछे आता है। समुद्र में पहुँचने के बाद, मुझे उपकरणों का भार महसूस नहीं होता। मैं अपनी चलने-फिरने की आज़ादी का आनंद लेने लगता हूं। मैं उसके पीछे चट्टान की ओर बढ़ता हूं। हम बहुत धीरे-धीरे तीन-चार मीटर नीचे उतरते हैं। अचानक, चट्टान के तल पर, मुझे एक समुद्री कछुआ समुद्री शैवाल के बिस्तर पर चरता हुआ दिखाई देता है। जेफ मेरी ओर देखता है और मुझे अंगूठा दिखाता है। हम थोड़ा और आगे तैरते हैं लेकिन और गहराई में नहीं जाते। हम समुद्री एनीमोन की लटों के ऊपर से उड़ते हैं, जो लहरों के साथ लहरा रही हैं। मेरी आँखें इतने जीवंत रंगों से भर जाती हैं कि ऐसा लगता है मानो पृथ्वी पर छाए धातुई धुंध से मुक्त हो गई हों। एक शांत ग्रह के वातावरण में तैरने का एक विचित्र अहसास। सब कुछ हल्का, भारहीन प्रतीत होता है: गिलहरी मछली, तितली मछली और मिश्रित जीव बुलबुलों के बीच उछल-कूद करते हैं, और अपने लंबे, काले कांटों से समुद्री अर्चिन को चिढ़ाते हैं।

आधे घंटे बाद, उसने मुझे धीरे-धीरे सतह पर आने और नाव पर लौटने का इशारा किया। डेक पर पहुँचकर मैंने उसे बताया कि मैं कितना आश्चर्यचकित था। मुझे समझ आ गया था कि फ़ारंग (विदेशी) इतनी दूर से इसे देखने क्यों आते हैं। मैंने कूलर खोले, बुफ़े लगाया—सब कुछ पहले से तैयार था—मुझे मुश्किल से दस मिनट लगे। तब मुझे एहसास हुआ कि जेफ़ यह सब मेरे बिना भी कर सकता था, लेकिन यह तो बस मुझसे दोबारा मिलने और मुझे इस शानदार डाइव पर आमंत्रित करने का एक बहाना था।

*

* *

ब्लू नाइल में काम करने वाली सभी लड़कियों को मैं अब बेहतर तरीके से जानने लगा हूँ। कुछ दोस्तियाँ पक्की हो रही हैं, कुछ टूट रही हैं। सबसे हंसमुख है नोई, छोटी-छोटी टांगों वाली गोल-मटोल लड़की:

दिखने में बुरी नहीं, बस थोड़ी मोटी और टांगें छोटी हैं, लेकिन उसके स्तन सचमुच लाजवाब हैं। हमेशा खुशमिजाज रहने वाली नोई सुबह से शाम तक अचूक बकबक करती रहती है, मानो कोई मोटी बटेर पके फल खाकर मदहोश हो गई हो। बार और गली के बीच लगातार भागती रहने वाली नोई, अपनी मोटी और छोटी टांगों के बावजूद गिलहरी की तरह फुर्तीली है, और सिर्फ नूडल सूप पीने के लिए ही बकबक करना बंद करती है।

कुपोषण से ग्रस्त बच्चे की तरह फूले पेट वाला एक बूढ़ा व्यक्ति नोई के बगल में बैठ जाता है, जिसने अचानक बड़बड़ाना बंद कर दिया है।

— पास आओ, इधर आओ, बूढ़े आदमी ने उसकी गोल-मटोल बांह पकड़ते हुए कहा।

वह अचानक चुप हो गई और आज्ञा का पालन करने लगी।

आपकी जांघें कितनी खूबसूरत हैं! शांत रहें।

वह उस अंधेरे कोने में उसे गलत तरीके से छूने लगता है, उसके कपड़ों के नीचे उसे सहलाने लगता है। लेकिन नोई, जो आमतौर पर इतनी हंसमुख रहती है, उस ग्राहक को चूमने से इनकार कर देती है जो उसे चूमने पर अड़ा रहता है। वह उदास चेहरे के साथ बार में जाकर पोंछा लेने आती है। तभी वहां की मालकिन उसे एक दबंग लहजे में कुछ कहती है।

उठने का बहाना मत ढूंढो। उसे चूम क्यों नहीं रहे हो? क्या तुम चूमना भूल गए हो?

— आप ऐसा क्यों कह रही हैं, मैम?

— इस तरह से आप उसे ऊपर नहीं ला पाएंगे।

उसके मुंह से बदबू आ रही है। ऐसा लग रहा है जैसे किसी ने उसके मुंह में गंदगी कर दी हो।

— इतना गुस्सा मत दिखाओ। अपनी कमर कसकर तुम अपने परिवार का पेट तो नहीं भर पाओगे, है ना? किस बात का इंतज़ार कर रहे हो? टॉम क्रूज़ का? वैसे, ब्रैड पिट ने अभी फ़ोन करके बताया है कि वह आज रात का कार्यक्रम रद्द कर रहे हैं।

बार में काम करने वाली विशालकाय कंबोडियाई महिला लकड़बग्घे की तरह खिलखिलाकर हंसने लगती है। इस बार, उसकी पिटाई नहीं हो रही है।

— क्या तुम चाहती हो कि मैं तुम्हें बताऊँ, नोई? तुम बहुत नखरे कर रही हो।

— मैं कोई नुक्ताचीनी नहीं कर रहा हूँ, मैडम, मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ।

— तुम बेवजह नुक्ताचीनी कर रही हो, मैं तुमसे कहती हूँ। साफ है कि तुमने कभी भूख का सामना नहीं किया है। खाली पेट होने पर तुम इस तरह से स्कर्ट नहीं उठाती हो।

नोई अपने ग्राहक के बगल में वापस बैठ जाती है, और अधिक स्नेहपूर्ण हो जाती है। वह उससे काफी छोटी है। वह उसके स्तनों पर लेट जाता है, और दबे स्वर में उसके गोल पेट को सहलाता है। सोफे पर, उसे गहराई से चूमने के लिए, उसे अपने गले को एक कोमल, लगभग पशुवत आलस्य से फैलाना पड़ता है। वह जोश से अपने कोमल होंठों को ममी के दांतहीन छिद्र पर दबाती है, आँखें बंद करके उसके थूथन को टटोलती है जबकि बूढ़ा आदमी उसकी कमर को गले लगाता है। संतुष्ट दिखते हुए, ग्राहक अपना गुनगुना सिंघा खत्म करता है और अपने हाथ के पिछले हिस्से से अपना मुंह पोंछता है। वह अंतिम प्रहार करती है।

— कैम्बोन का भुगतान करें... ऊपर चलें?

बूढ़ा आदमी अपनी कीड़े जैसी आँखों से उसे घूरता है, एक पल के लिए सोचता है। फिर लड़खड़ाते हुए बड़ी मुश्किल से उठता है और उसके पीछे चलने लगता है। जब वे बार के पास से गुज़रते हैं, तो नोई मामासन को चुनौती भरी नज़र से देखती है, मानो कह रही हो, "देखा तुमने कैसे बूढ़े आदमी को मोहित कर लिया?"

मैं तीसरे कमरे की चाबी ले लूंगा।

फिर मामासन मेरी ओर मुड़ी:

नोई, कभी-कभी वह बात समझने में थोड़ी धीमी होती है। हमेशा बकबक करती रहती है, लेकिन जब काम की बात आती है, तो कोई आस-पास नहीं होता। आपको बस पैसे लेने होते हैं और बाकी सब कुछ भूल जाना होता है, भूल जाना होता है कि उन्होंने आपके साथ क्या किया। आप ऐसा करना नहीं चाहते, लेकिन फिर भी कर देते हैं। ग्राहक सेवा पाने के लिए पैसे देता है।

मुझे सबक पता है, लेकिन आपको यह भी मानना पड़ेगा कि कुछ ग्राहक बेहद गंदे होते हैं!

"मानो टॉय, मैं बीस साल पहले स्टेशन पर आया था। मैंने हर तरह की लड़कियाँ देखीं, जो अभी-अभी खेतों से ट्रेन से उतरी थीं: महत्वाकांक्षी, शर्मीली। कुछ को तो शौचालय का इस्तेमाल करना भी नहीं आता था और वे बाहर बैठकर पेशाब करती थीं। अब उन सबके पास मोबाइल फोन, इंटरनेट अकाउंट और फेसबुक प्रोफाइल हैं। विदेशियों के साथ भी ऐसा ही है, तुम यकीन नहीं करोगे कि ग्राहक कितने बदल गए हैं। अब वे ज़्यादा युवा हैं।"

— क्या यह बेहतर नहीं है?

— बेहतर? लड़कियों के लिए तो और भी बुरा है। यकीन मानो, पेशाब की बदबू वाले गंदे बूढ़े आदमी सबसे बुरे तो दूर की बात हैं।

आप तो किसी युद्ध के अनुभवी सैनिक की तरह लग रहे हैं। तो फिर सबसे बुरे कौन हैं?

सबसे बुरे कौन हैं? वो गंदे लोग नहीं हैं या वो नहीं हैं जो लड़कियों के साथ अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने पर ज़ोर देते हैं। नहीं, सबसे खतरनाक तो ये नए ग्राहक हैं, जवान और आकर्षक दिखने वाले लड़के: ये 'पक वान'... मीठी-मीठी बातें करने वाले, जो आपको ये सोचने पर मजबूर कर देते हैं कि वो आपको बार से बाहर ले जाएंगे और फिर जैसे ही लड़की को यकीन होने लगता है, उसे छोड़ देते हैं। पटाया की लड़कियों की कलाई देखो।

— कलाई?

— अक्सर उनसे नाता तोड़ लिया जाता है। दो में से एक ने आत्महत्या करने की कोशिश की क्योंकि उन कमीनों में से किसी एक ने उसे धोखा दिया था।

— मेरे साथ ऐसा होने की कोई संभावना नहीं है, खुन माम। मैं मजबूत हूँ।

— टॉय, ऐसा मत कहो, ये किसी के साथ भी हो सकता है, अगर मैं दोबारा प्यार में पड़ जाऊं तो मेरे साथ भी ऐसा हो सकता है। इससे कोई बच नहीं सकता।

मैं Wii के साथ हेयरड्रेसर के पास जाता हूँ। एक थोड़े बिखरे बालों वाला, दाढ़ीदार आदमी, जिसने सिंगहा बियर की स्लीवलेस टी-शर्ट पहनी हुई है, बाल कटवाने आता है। वह अपनी उंगलियों से कैंची जैसा इशारा करता है:

- कितना?

- लोय बात... सौ बात!

वह बैठ जाता है और अपनी दाढ़ी सहलाने लगता है। बॉस उसे अपने हाथ में ले लेता है।

आप कहाँ से आए हैं? क्या आपके पास लेडी थाई है? क्या आपको लेडी थाई पसंद है?

वह उसे हवाई बार में मेकअप करवा रही एक मोटी लड़की दिखाती है... खूबसूरत महिला... आपको क्या लगता है? अंत में, दाढ़ी वाला आदमी उस मोटी लड़की को यह सोचकर उठा लेता है कि उसने उससे वैध तरीके से छेड़छाड़ की है, जबकि वह बीस मीटर नीचे एक बार में वेश्यावृत्ति कर रही होती है।

XII

मेरी चाची ने कल रात मेरा हालचाल पूछने के लिए फोन किया था। मैं उन्हें बहुत कम ही फोन करती हूँ। सच कहूँ तो, लगभग कभी नहीं। आखिर, उन्हीं और विदुरा के लिए तो मैं ये सब सहती हूँ। मैं खुशकिस्मत हूँ; ब्लू नाइल की लड़कियाँ अपने परिवारों के दबाव में रहती हैं, लेकिन पाआ मुझसे कभी पैसों की बात नहीं करतीं। वो हमेशा कहती हैं कि सब ठीक है, जबकि मैंने काफी समय से कुछ भेजा नहीं है और मुझे अच्छी तरह पता है कि "सब ठीक नहीं है"। उनकी बातों से मुझे समझ आ गया कि वो चाहती हैं कि मैं मातृ दिवस पर घर आ जाऊँ, वान माए। आखिर, मैं उनके लिए वो बेटी हूँ जो उन्हें कभी नहीं मिली। मैंने मामासन से पूछा, और वो तुरंत मान गईं।

किसी भी सूरत में, हमें क्वीन डे के लिए बंद करना ही पड़ेगा।

वान माए से एक रात पहले, सोई 6 मधुमक्खी के छत्ते की तरह गुलजार है। ग्राहक उमड़ रहे हैं, क्योंकि उन्हें पता है कि कल का दिन व्यस्त रहेगा। कुछ शोर मचाते हुए बेवकूफ नौजवानों का एक समूह सड़क पर चल रहा है, सभी ने एक जैसी फूलों वाली शर्ट पहनी हुई है। वे किसी खेल की टीम की तरह लग रहे हैं —विदेशियों ने अपनी बोरियत दूर करने के लिए ऐसे कई खेल बना लिए हैं। लड़के खुद को हिम्मत देने के लिए दिखावा कर रहे हैं, उन लड़कियों में दिलचस्पी न दिखाने का नाटक कर रहे हैं जो उन पर लाइन मार रही हैं, और ठहाके लगाकर हंस रहे हैं, लेकिन फिर भी चोरी-छिपे देख रहे हैं। उनमें से एक लड़का, जो काफी आकर्षक है, या की मुस्कुराती हुई निगाहों में आ जाता है। वह नमक की मूर्ति की तरह जम जाता है। या में पुरुषों को पत्थर बनाने की एक खास कला है। मुझे लगता है कि वह अपने दोस्तों के साथ सैर जारी रखने या उस मोहक लड़की की ओर आकर्षित होने के बीच दुविधा में है जो उस पर मुस्कुरा रही है। फिर वह अपने दोस्तों को बिना चेतावनी दिए ही ब्लू नाइल की ओर मुड़ जाता है, या उठती है... मैं तुम्हें छोड़ दूंगी... ईर्ष्यालु, पोर्न की आंखें सिकुड़ी हुई हैं, उसकी जीभ की नोक थोड़ी सी मुंह से बाहर निकली हुई है।

क्या आपको पता है कि उसने आज उस पर कितना हमला किया?

— क्यों? क्या आप गिन रहे हैं?

"बारह! ये तेरहवीं होगी और अभी भी दिन का उजाला है," उसने घृणा भरे स्वर में कहा। "ये तो सचमुच किसी बड़ी वेश्या की बेटी है।"

या कभी-कभी माम और पापासन के साथ झपकी लेने के लिए ऊपर चली जाती है। हमें कभी पता नहीं चला कि पापासन ने इसके लिए पैसे दिए थे या नहीं। पोर्न को पूरा यकीन है कि उन्होंने ही दिए थे।

— जिंदगी में ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिनके बारे में मुझे पक्का पता नहीं है, लेकिन मुझे यकीन है कि या कभी भी मुफ्त में किसी के साथ संबंध नहीं बनाती, यहां तक कि बॉस और बॉस की पत्नी के साथ भी नहीं।

हाई बॉस के बाहर, बड़ी-बड़ी आँखों और नम होंठों के साथ, लेडीबॉय इतराते हुए घूम रहे हैं, अपने दुबले-पतले शरीर और हड्डियों वाले नितंबों को हिला रहे हैं। वे लाल लैंप के चारों ओर मंडराने वाले पतंगों की तरह प्रेतों की तरह दिखते हैं। बार में बैठा लंबा युफा एक नियमित ग्राहक का इंतज़ार करते हुए अश्लील कहानियाँ सुना रहा है। झुर्रियों से भरे चेहरे वाली एक बूढ़ी औरत बड़े-बड़े मुलायम खिलौनों से भरी एक ठेलागाड़ी खींच रही है; आज उसका दिन व्यस्त है। मिस टेकीला उसके बच्चे के लिए एक पीला पिकाचू खरीदती है। वह भी कल तीन दिनों के लिए इसान वापस जा रही है। वान माए पवित्र है।

सुबह के दो बज रहे हैं, ज़्यादातर बारों के धातु के शटर नीचे गिर चुके हैं। कल, कई लड़कियाँ जल्दी उठकर इस्सान जाने वाली बस पकड़ेंगी। सड़क लगभग सुनसान है। बस कुछ दुबली-पतली औरतें गली के बीचोंबीच छटपटा रही हैं, डामर पर अपनी एड़ियों की आवाज़ करती हुई, अपनी चाल में स्त्रीत्व का भाव लाने की कोशिश कर रही हैं। मुझे वे भूखी मादा कुत्तों की याद दिलाती हैं जो भटकते हुए शिकार की तलाश में घूमती हैं ताकि अगले दिन के लिए अपना सफ़र जारी रख सकें। वे कभी-कभी महिलाओं से ज़्यादा सुंदर हो सकती हैं, लेकिन वे कभी माँ नहीं बनेंगी।

ब्लू नाइल के सामने, मिस टेकीला एक लाल प्लास्टिक के स्टूल पर अकेली बैठी हैं। उनकी निगाहें खाली हैं और वे सड़क की ओर घूर रही हैं। वे एक ग्राहक का इंतज़ार कर रही थीं जो कभी आया ही नहीं। उन्हें लगता है कि उन्होंने बेवजह ही शराब पी ली, बस खुद को हिम्मत देने के लिए जिसकी उन्हें ज़रूरत नहीं पड़ेगी। कल उन्हें भी इसान लौटना है, और उनके पास बस का किराया भी मुश्किल से है।

*

* *

गाँव में कुछ नई कारों और टेलीविजन सेटों को छोड़कर बाहरी तौर पर कुछ भी नहीं बदला है। सैन्य जुंटा द्वारा अधिकांश ग्रामीण सब्सिडी कार्यक्रमों, विशेष रूप से चावल के गारंटीकृत खरीद मूल्य को रोकने के निर्णयों के विरोध में पूर्व प्रधानमंत्री शिनावात्रा के समर्थन में बैनर भी अधिकाधिक दिखाई दे रहे हैं। लेकिन यहाँ राजनीति केवल सतही दिखावा है; कुछ निष्क्रिय, उत्तेजित युवाओं को छोड़कर, अधिकांश ग्रामीण राजनीति में बिल्कुल भी रुचि नहीं रखते। धान के खेतों के बीच सब कुछ अपरिवर्तनीय प्रतीत होता है: महिलाएं जन्म देती हैं, बच्चे पैदा होते हैं, जबकि बुजुर्ग गुजर जाते हैं। नन्हे जीव अभी भी लार्वा अवस्था के करीब हैं, फिर भी पहले से ही अपने भाग्य, अपने चेहरे की विशेषताओं, अपने परोपकारी या द्वेषी स्वभाव, अपने भविष्य के प्रेम करने के तरीके से संपन्न हैं। संसार का अटल चक्र हमेशा की तरह घूमता रहता है। यह मुझे मानवता की लंबी कतार में थोड़ा और आगे धकेल देता है। प्रत्येक जन्म एक आसन्न मृत्यु का पूर्वाभास देता है।

छोटे से घर की छत के नीचे, मुझे आश्चर्यजनक रूप से खुशी हुई जब मैंने एक वॉशिंग मशीन देखी, जो कोरियाई ब्रांड एलजी की थी लेकिन "थाईलैंड में बनी" थी, और किसी घरेलू मूर्ति की तरह चमक रही थी। पा ने मुझे धन्यवाद दिया, हालांकि उन्होंने यह भी माना कि बिजली बचाने के लिए वह कभी-कभी हाथ से कपड़े धोती हैं।

वह अपने द्वारा तैयार किए गए नारियल और लेमनग्रास चिकन सूप को दोबारा गर्म करती है, और अपने बर्तनों में खोजबीन करते हुए मुझे बताती है कि एक आंख वाली राजकुमारी माउंट मेरु पर मेरी मां के पास चली गई है।

> "वे बादलों के पार भी ताश के खेल जारी रखेंगे, और बूढ़े टुक के आने का इंतज़ार करेंगे," उसने मुझे बताया। "और टुक के साथ होने वाले यादगार शराब पीने के सत्रों को देखते हुए, इसमें ज़्यादा समय नहीं लगना चाहिए।"

मेरी चाची भी जाने का इंतज़ार कर रही हैं; वो अक्सर अलग-थलग सी लगती हैं। विदुरा पर अब उनका कोई अधिकार नहीं रहा। मेरा भाई एकदम सुस्त हो गया है, अब वो कुछ भी नहीं करता: न स्कूल जाता है, न ही चाची की मदद करता है। अब तक तो ऐसा होना आम बात थी, लेकिन अब वो दिखावा भी नहीं करता। वो कमज़ोर बच्चा जिसकी सेहत को लेकर मेरी माँ चिंतित रहती थी, अब एक मूर्ख और बदतमीज़ किशोर बन गया है। हिंसक और किसी भी तरह के अधिकार का विरोध करने वाला, वो अपना ज़्यादातर समय दीवार पर सिर पटकते हुए, मेरे दिए हुए एमपी3 प्लेयर पर थाइटेनियम का बेवकूफी भरा रैप सुनते हुए और गाँव के बदमाश लड़कों के साथ घूमते हुए बिताता है। जब मैं उससे स्कूल के बारे में पूछता हूँ, तो वो नाक से एक कर्कश, अशिष्ट आवाज़ निकालकर मुझे डांटता है।

मुझे अक्सर मन करता है कि उसके बाल पकड़कर उसका सिर मेज के कोने पर ज़ोर से पटक दूं। बस एक बार तो वो कुछ समझदारी भरी बात कह दे, भले ही वो दर्द से कराह ही क्यों न हो। उसकी ज़िंदगी टीवी, उसके जानबूझकर बनाए गए बिखरे हुए "कुत्ते के बालों" जैसे हेयरस्टाइल और गांव के उसके उन सनकी दोस्तों के इर्द-गिर्द घूमती है जो चोरी की मोटरसाइकिलें तोड़कर उनके पुर्जे बुरिराम में बेचते हैं और फिर चांग बियर पीकर नशे में धुत हो जाते हैं।

वान माए का त्योहार मनाने के लिए, मैं अपनी चाची को दस हज़ार बात देती हूँ। वह चावल और कुछ छोटे काले सूअर के बच्चे खरीद सकती हैं ताकि उन्हें मोटा कर सकें। वह मुझसे यह भी नहीं पूछती कि इतना सारा पैसा कहाँ से आया। उनका ध्यान कहीं और है, शायद वह अपने पति से मिलने के लिए उड़ान भर रही हैं। कम से कम रोज़मर्रा की ज़िंदगी में उनकी यह अरुचि उन्हें मेरे काम के बारे में ज़्यादा सवाल पूछने से रोकती है। मैं पूरी कोशिश करती हूँ कि मुझे किसी बात का पछतावा न हो, लेकिन मुझे पता है कि यह सब व्यर्थ है। मेरे परिवार में एक भाई है जो बहुत तंगहाली में है और एक चाची है जो अधमरी है। कम से कम जब से मैं उन्हें पर्याप्त पैसे भेज रही हूँ, बुरिराम के सूदखोर अब मेरी चाची के घर के आसपास नहीं मंडराते। मैं इस मौके का फायदा उठाकर गाँव की किराना दुकान, मदर माली की दुकान से खरीदारी करके पाआ के फ्रिज और अलमारियों को भी भर देती हूँ। वहाँ मेरी मुलाकात आम से होती है, जो करी पेस्ट के पैकेट खरीदने आई है। वह मुझसे पूछती है:

— अरे, मेरे प्यारे पुराने दोस्त! अभी भी बैंकॉक में हो?

— जी हाँ, हमेशा। लेकिन सौभाग्यवश मैं समय-समय पर आराम करने के लिए वापस आ जाता हूँ।

उसने सवाल ऐसे पूछा जैसे उसे सब पता हो। गाँव में लोग मेरे बारे में क्या कह रहे हैं? क्या वे मुझे चरित्रहीन औरत कह रहे हैं? क्या नट ने मेरी बुराई की है? मैंने कुछ भी पूछने की हिम्मत नहीं की, क्योंकि मैं अफवाहों को और हवा नहीं देना चाहती थी। मैंने उससे पूछा कि क्या उसके पास दोपहर के भोजन के लिए आने का समय है।

— तो मैं एक व्यंजन लेकर आऊंगा।

— क्या आपको यकीन है कि इससे आपके पति को कोई परेशानी नहीं होगी?

“वो? मज़ाक कर रहे हो? वो तो कभी यहाँ होते ही नहीं, हमेशा व्यापार के सिलसिले में बुरिराम, खोरात और बैंकॉक के बीच ही रहते हैं। वो देश के सबसे ताकतवर समूह, चारोएन पोकफांड ग्रुप के साथ साझेदारी करके इस क्षेत्र के बचे-खुचे छोटे कस्बों में सेवन-इलेवन खोलना चाहते हैं। क्योंकि वो कभी घर पर नहीं रहते, इसलिए मैंने उनका नाम सेवन-इलेवन रख दिया है। वैवाहिक घर में दिन में सात से ग्यारह मिनट ही बिताते हैं।”

मैं मां माली की ओर देखे बिना नहीं रह सकी, जो हमारी बातचीत पर ध्यान नहीं दे रही थीं, अपने पिछले कमरे के अव्यवस्थित सामान में नारियल क्रीम के डिब्बे ढूंढने में व्यस्त थीं। उनके जैसी छोटी किराने की दुकानें तो बस चलती ही रहेंगी। हम दोपहर में फिर मिले, अपने घर की लकड़ी की छत के नीचे पालथी मारकर बैठे, गरमा गरम सूअर के मांस और सेवई का सलाद और सौंफ के स्वाद वाला सूप का आनंद ले रहे थे।

"आज का दिन बहुत खूबसूरत है, चलो तालाब के किनारे कटहल के पेड़ के नीचे बैठकर मीठे बीन्स के केक खाते हैं," वह मुझसे पूछती है। "इससे हमें पुराने अच्छे दिनों की याद आ जाएगी।"

रास्ता नहीं बदला है। वही जंगली फूल, वही मदहोश कर देने वाली खुशबूएँ, और धूप से महकती महक के बीच भिनभिनाती मधुमक्खियाँ। बस हम बदल गए हैं: पहले से कम बेफिक्र, अब ज़्यादा समझदार, पहले से ही चिंतित, मातृत्व और जीवन की चिंताओं में डूबे हुए। हम दोपहर के इस शांत छोटे से संसार के बीचोंबीच, उस भरोसेमंद कटहल के पेड़ के नीचे लेट जाते हैं, अपनी जवानी की मीठी सुन्नता का इंतज़ार करते हुए। एम मेरा हाथ अपने हाथ में ले लेती है:

टॉय, मुझे गर्भधारण करने में परेशानी हो रही है और मैं चिंतित होने लगी हूँ। हमने जांच के लिए खोरात में डॉक्टरों से परामर्श लिया। मैं मंदिर में अक्सर प्रार्थना करती हूँ, लेकिन कोई फायदा नहीं हो रहा।

अगर आपका पति कभी घर पर नहीं रहता, तो आप रिश्ते के चलने की उम्मीद कैसे कर सकती हैं?

— मुझे पता है... यह एक भूत है।

उस आदमी से उसकी शादी मेरे लिए एक रहस्य बनी हुई है, एक गहरी निराशा है, लेकिन शायद वह उस बिगड़ैल लड़के से अलग है जिसे मैं जानती थी। मैं हर दिन प्रार्थना करती हूँ कि मेरा भाई भी बदल जाए। फिर भी, अगर मैं सच कहूँ, तो अंदर से मुझे लगता है कि मैं बचपन से हमेशा एक जैसी ही रही हूँ। बेशक, मैं एक पेड़ की तरह बड़ी हुई हूँ, लेकिन मेरा आकार, मेरी बनावट, मेरा रंग, सब कुछ वही है। हाँ, मुझे यकीन है कि मेरे व्यक्तित्व का रूप, मेरे भीतर बसने वाली मेरी आत्मा, बिल्कुल वैसी ही है, कि हम अंदर से बूढ़े नहीं होते, और यही बुढ़ापे की त्रासदी है, उन सभी बुजुर्गों की जो अपने जवानी के दिनों को फिर से जीने के लिए पटाया आते हैं। उनकी आत्मा वही है, एक ऐसी आत्मा जो एक सूखते, सड़ते शरीर में कैद है, लेकिन एक ऐसी आत्मा जो प्यार करना और प्यार पाना चाहती है... एक ऐसी आत्मा जो मरने से, हार मानने से इनकार करती है।

— क्या तुम्हें याद है जब हम यहाँ आते थे? एम ने मुझसे पूछा।

— हां, ऐसा लगता है जैसे यह कल की ही बात हो।

आपने जीवन के बारे में क्या सोचा था?

मुझे नहीं पता। हम सपना देख रहे थे, और यह पता लगाने की कोशिश न करना ही बेहतर था।

नीले आकाश में क्युमुलस बादलों को अजीबोगरीब आकार लेते हुए देखते हुए हमने केक को मुंह में पिघलने दिया। बादलों को बस ऊँचाई वाली हवाओं से धकेले जाने और ग्रामीण इलाकों पर बरसते हुए जीवन का संचार करने की चिंता रहती है। वे मुझे उन स्वस्थ बिल्लियों की याद दिलाते हैं जो अपने भोजन की प्रतीक्षा करते हुए दिनभर दार्शनिक विचार करती रहती हैं।

शाम को मैं अपनी चाची के साथ खाना खाती हूँ और फिर चुपचाप घर के सामने बैठकर अनगिनत, अथाह तारों के समूह को निहारती हूँ। वातावरण शांत है। मुझे अपने भीतर शांति का अहसास होता है, रात जैसी कोमलता। मुझे हमेशा अंधेरे में सुरक्षा का गहरा एहसास हुआ है। छाया में मुझे कोई देख नहीं सकता, लेकिन मैं चाँदनी में प्रकृति को निहार सकती हूँ। तालाबों के पास, आम के पेड़ों की चोटियाँ हल्की, ठंडी, लगभग धातु जैसी चमक बिखेरती हैं। आगे अंधेरा राख जैसा घना हो जाता है, जिसे केवल जीवन चक्र को जारी रखने के लिए साथी की तलाश में अंधेरे में भटकते कीड़ों की चहचहाहट ही चीरती है। मुझे दूर से गाँव-गाँव से एक-दूसरे को पुकारते बेचैन कुत्तों के भौंकने की आवाज़ सुनाई देती है। रात में, पड़ोसी के फ्रैंगिपानी की खुशबू और भी तेज़ हो जाती है। अपनी संवेदनाओं का विश्लेषण करने से दुनिया और खुद के प्रति मेरी धारणा बदल जाती है। मेरा पुनर्जन्म किस रूप में होगा? क्या उस तिलचट्टे के शरीर में जो चाँदनी रात की धीमी गति से हमारे घर की दीवार पर रेंगता है? शायद हाई सो की किसी लड़की की पीली त्वचा में, या शायद पटाया के किसी भ्रष्ट पुलिसवाले की त्वचा में। क्या मैं सचमुच अस्तित्व में हूँ, या महज़ एक सपने का क्षणभंगुर पात्र हूँ जो मुझसे परे किसी के मन को झकझोर रहा है? फ़्रांस्वा ने मुझे कभी वापस कॉल नहीं किया। मैं अक्सर उसका नंबर डायल करना चाहती थी, लेकिन आखिरी मिनट में, मैं लाल बटन दबा देती थी। अहंकार से या डर से? मुझे नहीं पता। मैं बस इतना जानती हूँ कि वह मेरे बारे में क्या सोचता है, और यही काफ़ी है। शायद मेरी नियति एक वेश्या बनना है, प्रेमिका नहीं, पत्नी भी नहीं। आख़िरकार, क्या सिर्फ़ एक पुरुष की औरत बनना इतना वांछनीय है? उसके कपड़े धोना, बच्चों के टाँगें साफ़ करना और बर्तन धोना? फिर भी, अकेली रातों में, मैं इतना दुख सहती हूँ कि मुझे लगता है जैसे केकड़े मेरे दिल और आत्मा को खा रहे हों। मैं साई को भी याद करती हूँ, एक अलग तरीके से: प्यार की भावना इस चिंता के साथ मिली हुई है जो मुझे लगातार सताती रहती है। मेरी माँ, मेरे चाचा, फ़्रांस्वा, और अब साई... दुर्भाग्य की एक श्रृंखला। जिनसे मैं प्यार करता हूँ, वे सब रातोंरात मेरी जिंदगी से गायब हो जाते हैं।

मेरी चाची मुझे बस स्टॉप तक छोड़ने के लिए भोर होते ही उठ गईं। जैसे ही सड़क पर धूल का बादल उठा और सुबह की हवा में घुल कर ग्रामीण इलाके में गायब हो गया, उनकी आँखों में दो मोती चमक

उठे। मैंने राहत की एक झलक के साथ वापस सड़क पर चलना शुरू किया। मुझे इस गाँव में उतना ही अपनापन महसूस होता है जितना पटाया में। मेरा जीवन कहाँ है?

वीडियो स्क्रीन पर ड्राइवर एक फिल्म चला रहा है। 'माई गर्ल' जेब और नोई-ना की मार्मिक कहानी बयां करती है, दो ऐसे बच्चे जिनका बचपन प्रांतों में बीता, जो मेरे बचपन से मिलता-जुलता है। एक लड़के और एक लड़की के बीच एक नाज़ुक दोस्ती पनपती है, जिनके पिता नाई हैं और एक-दूसरे के प्रतिद्वंदी हैं। दोस्ती पनपती है, और अगर किस्मत ने कुछ और ही तय किया होता तो यह प्यार में बदल सकती थी। जेब, लड़का, नोई-ना से कई साल बाद फिर मिलेगा, जब वह उसे अपनी शादी में बुलाएगी। जब फिल्म खत्म होती है, तो मेरी आँखों में आँसू भर आते हैं; दोस्ती की इस कहानी ने मुझे बहुत गहराई से प्रभावित किया है।

बुरिराम-पटाया बस में कई लड़कियाँ बीच-बीच में झपकी ले रही थीं। हम सब एक जैसी थीं: एक ही पृष्ठभूमि, एक ही गरीबी और एक जैसे जीवन पथ। हम सब अपने परिवारों के साथ थोड़े समय के लिए बिताए समय के बाद काम पर लौट रही थीं। सबसे खूबसूरत लड़कियाँ जिस्म बेचती थीं; बाकी कारखानों, होटलों या सुपरमार्केट में काम करती थीं।

तेरहवें

एक ग्राहक ने मिस टेकीला को उनके स्ट्रेच मार्क्स की वजह से कपड़े उतारने पर घर भेज दिया। वह निराश होकर बार में वापस आईं और पूछने लगीं कि क्या हममें से कोई उनकी जगह ऊपर जाकर काम करना चाहेगा। बिना पूछे ही लेक तुरंत खड़ी हो गईं, अपने बालों का जूड़ा बनाया और अपनी ड्रेस को ठीक किया ताकि वह उन पर अच्छी तरह फिट हो जाए। फिर, हमारी नाराज़गी देखकर उन्हें लगा कि वह असभ्य व्यवहार कर रही हैं और उन्होंने तुरंत अपनी जल्दबाजी के लिए माफी मांगी।

— आप समझ रहे हैं ना, मुझे अभी पैसों की जरूरत है।

यह बताना ज़रूरी है कि पिछले तीन हफ़्तों से लेक एक छोटे कद के थाई लड़के से मिल रही है, जिसके बाल पीछे की ओर कंघी किए हुए हैं और वह एक कराओके बार में काम करता है। सब उसे कोब यानी "मेंढक" कहते हैं। वह उसे अपना सारा पैसा दे देती है और खुद के पास एक पैसा भी नहीं बचता। कोब हंसते हुए बताता है कि "सुपाचाई कराओके" में काम करने से पहले उसने बॉयज़ टाउन के एक गो-गो बार में एक महीना काम किया था।

> एक महीने में दो ग्राहक। ये तो बहुत गड़बड़ है, यार! डांस फ्लोर पर बहुत सारे लड़के हस्तमैथुन कर रहे हैं, और ग्राहक कम हैं।

मुआई थाई... थाई बॉक्सिंग, बिग सी या मोटोटैक्सी, इन "छोटे किरदारों" के लिए भविष्य की संभावनाएं सीमित हैं, जैसा कि Wii इन्हें कहता है।

> — निकम्मे, बिगड़े हुए और अपनी माताओं द्वारा बुरी तरह से पाले-पोसे गए।

जब वो ये कहती है, तो मुझे विदुरा की याद आ जाती है। अब हमारे पास न ज़मीन है, न घर। उसे भी एक दिन गाँव छोड़कर शहर जाना पड़ेगा। वो क्या करेगा? मोटरसाइकिल टैक्सी ड्राइवर बनेगा या छोटा-मोटा ड्रग डीलर? वो ज़िद्दी बच्चा हो सकता है, पर बुरा इंसान नहीं, वो इस सब का हकदार नहीं था। लेकिन क्या हमें वही मिलता है जिसके हम हकदार होते हैं? ज़िंदगी सबको इनाम नहीं देती; हर कोई किस्मत और बदकिस्मती के साथ जैसे-तैसे गुज़ारा करता है। एक शाम, ज़्यादा शराब पीने के बाद, नोई ने मुझे बताया कि वो काम पर इसलिए आई है क्योंकि उसका भाई पेचाबुन में मुकदमे से पहले हिरासत

में है। एक हिंसक डकैती का मामला। अगर वो किसी अच्छे वकील को नहीं रखती जो जजों से बात करना और सही लोगों को रिश्वत देना जानता हो, तो उसके भाई को चार साल की जेल हो सकती है। इसलिए वो पटाया में काम करने आई है। तब से, मैं उस चंचल, नन्ही सी बच्ची को अलग नज़र से देखती हूँ, जो हमेशा उछलती-कूदती रहती है और शरारती अंदाज़ में अपनी जीभ बाहर निकालती है; मुझे लगता है कि वो बहुत बहादुर है। अगर मेरे भाई को कभी कोई परेशानी हुई, तो मैं कुछ नहीं करूँगी। वो खुद संभाल लेगा। मैं उसके लिए जो कुछ भी करती हूँ, सिर्फ़ अपनी चाची को नाराज़ होने से बचाने के लिए करती हूँ। बस इतना ही।

लेक अपनी शिफ्ट खत्म करके नीचे आई, और हम बातें करते हुए गुब्बारे फुलाने लगे, जिससे बार छोटी बच्चियों की मीठी-मीठी आवाज़ों से भर गया। गली के आखिर में स्थित रेस्टोरेंट का मालिक तैयार व्यंजन लेकर आया। ब्लू नाइल के सामने, एक जंग लगे धातु के आधे बैरल में, जिसमें अंगारे भरे थे, एक छोटा सूअर सीख पर घूम रहा था।

जियाब ब्लू नाइल बार की पूर्व बारटेंडर हैं, जिन्होंने अब काम छोड़ दिया है। तीस साल की उम्र में, शादी करने का समय आ गया था। शादी का जश्न मनाने और अपने नॉर्वेजियन पति द्वारा बार को दिए गए उदार मुआवज़े के तौर पर, जियाब ने बार के सामने वाली गली में एक पार्टी का आयोजन किया। पार्टियाँ हमेशा ग्राहकों को आकर्षित करती हैं जो मुफ़्त में खाना खाने आते हैं, और इससे लड़कियों का यह विश्वास और मज़बूत होता है कि एक दिन, सफ़ेद स्वर्ग में जाने की उनकी बारी भी आएगी। इसके अलावा, इससे सोई 6 की अन्य जियाबें चिढ़ जाती हैं। यह एक तरह का छोटा सा क्रूर आनंद है जिसे जियाब खुद कभी नहीं छोड़ती।

जियाब एक आदमी की गर्दन पर चिड़िया जैसे चुंबन बरसाती है। उसकी गर्दन बच्चे के नितंबों की तरह गुलाबी और गोल-मटोल है। उसका पति अपने दोस्तों से कर्कश, गले से निकलने वाली अजीबोगरीब आवाज़ों में बातें कर रहा है, जो लड़कियों की कोमल आवाज़ों से बिल्कुल मेल नहीं खातीं। जियाब ने कभी थाईलैंड नहीं छोड़ा और उसे ठंड बिल्कुल बर्दाश्त नहीं होती; क्या वह कभी नॉर्वे में ढल पाएगी? फिर भी आज रात, वह ब्लू नाइल की स्टार है; सभी लड़कियां उससे ईर्ष्या करती हैं और एक दिन यूरोप जाने का सपना देखने लगती हैं। उसका प्रेमी कुछ-कुछ अंगारों पर भुने जा रहे गुलाबी सूअर जैसा दिखता है। जियाब की कुछ दोस्त आती हैं, और पौय, जो थाई और अश्वेत मिश्रित वंश की एक गोल-मटोल लड़की है, ज़ोर देकर कहती है कि वे थाई रेगे हिट "जॉब 2 डू" बजाएं।

वो मेरे साथ ऐसा क्यों कर रही है? देखो, देखो, देखो वो क्या कर रही है

पौई ओ बार में काम करती है, जहाँ वो दिन-रात गांजे के नशे में चूर रहती है। ये गांजा वो लोग सप्लाई करते हैं जो टैटू की दुकान के सामने दिन भर मंडराते रहते हैं। उसने अपने पिता को कभी नहीं देखा, जो अमेरिकी नौसेना में सार्जेंट थे, लेकिन फिर भी उन्होंने अपनी ज़्यादातर संपत्ति उसे विरासत में दी। जब पौई को अच्छा नशा चढ़ जाता है, तो वो अपने उस गोल-मटोल नितंब पर थप्पड़ मारती है, जिसकी वजह से कुछ ग्राहक उसे सचमुच पसंद करते हैं, और कहती है, "चॉकलेट पापा, मुझे बड़ा धमाका दीजिए।"

अगर लेक उसे पैसे देने में आनाकानी करता है, तो वो कमीना कोब बार में जाकर उस पर एक जवान कुत्ते की तरह टूट पड़ता है। पिछले हफ्ते वो बड़े-बड़े चश्मे से अपना चेहरा छुपाकर घर आई थी। वो मार-पिटाई की वजह से नहीं रो रही थी, बल्कि उस कमीने को खोने के डर से कांप रही थी। शायद इसलिए भी कि वो दो-तीन दिन काम नहीं कर पाएगी। जब कोई आमदनी नहीं होती, तो पैसे जल्दी खत्म हो जाते हैं, खासकर उन लालची थाई मर्दों की वजह से।

> — यह मत सोचो कि मैं जितनी बेवकूफ हूँ उससे भी ज्यादा बेवकूफ हूँ, मुझे पता है कि वह अपनी दोस्त के साथ सो रहा है लेकिन मैं उसके प्रति जुनूनी हूँ, उसने स्वीकार किया।

मुझे नट, मेरी माँ और साई की याद आती है। मुझे खुशी है कि मैं उन परजीवियों में से किसी के साथ नहीं फँसी हूँ। पापासन साउंड सिस्टम तेज़ कर देता है और मेकांग की दो बोतलें और कोक की एक बोतल बर्फ की बाल्टी में खाली कर देता है।

> — अब मेरी बारी है, आओ, ड्रिंक लो, लड़कियों। पापा एंडी की तरफ से फ्री है।

लड़कियाँ तुरंत समझ गईं। शराब के लिए बेताब ततैयों का एक झुंड स्ट्रॉ से भरी बाल्टी के चारों ओर जमा हो गया था। माहौल को खुशनुमा बनाना ज़रूरी था। मिस टेकीला ने खुद को अच्छे से सजाया-संवारा था; एक ग्राहक ने ग्यारह बजे फिर से ड्रिंक के लिए आने का वादा किया था। युफा ने बर्ड थोंगचाई और जिनतारा के हिट गाने के साथ साउंड सिस्टम की आवाज़ तेज़ कर दी। देखते ही देखते, लड़कियाँ सड़क के बीचोंबीच कूद पड़ीं और ज़ोर-ज़ोर से गाने लगीं।

क्या हुआ? मैं तुमसे प्यार नहीं करता, इसलिए अब मैं नहीं आऊंगा।

तुम क्यों आए? तुम मुझसे प्यार नहीं करते, इसलिए तुम्हें आने की जरूरत नहीं है।

सभी लड़कियाँ, आधी नशे में, सोई 6 के बीचोंबीच खुशी से झूम रही हैं। एक लड़का, जो नॉर्वेजियन के एक दोस्त के साथ है, ज़िद करता है कि वे इसान का संगीत, मोरलाम बजाएँ। साँस लेने के लिए अपनी नाक फुलाते हुए, वह गायक की म्याऊँ-म्याऊँ के साथ माइक पकड़ लेता है। दस मिनट बाद, ज़बरदस्त हंगामा मच जाता है। उत्साहित लड़कियाँ ग्राहकों के साथ नाचती हैं जबकि अन्य इसान के हिट गानों पर साथ गाती हैं। मिस्टर पापा के चेहरे पर चौड़ी मुस्कान है; पार्टी पूरे ज़ोरों पर है। ब्लू नाइल ने एक बार

फिर सोई 6 का सबसे बेहतरीन बार होने का सबूत दे दिया है। लेडीबॉय इस अफरा-तफरी का फायदा उठाते हुए चुपके से व्हिस्की के पूरे गिलास ऐसे गटक जाता है जैसे कोक पी रहा हो।

गुब्बारे फूट गए। कटोई लड़खड़ाते हुए टाइल वाले फर्श पर पूरी तरह गिर पड़ा। वह दो टुकड़ों में टूट गया और ज़ोरदार गड़गड़ाहट की आवाज़ के साथ अपना मल त्याग दिया। वह अपने बदबूदार बलगम में लिपटा पड़ा रहा। गर्म फर्श से उठती तेज़ाबी गंध के कारण मुझे वहाँ से जाना पड़ा, जबकि पौम सफाई के लिए बाल्टी लेने गया।

बाहर, चक्कर आने से आँखें धुंधली हो रही थीं, मिस टेकीला बार के सामने बैठी हलचल देख रही थीं और हर तीस सेकंड में नीलगिरी का धुआँ अंदर खींच रही थीं। उनकी बाहें फैली हुई जांघों के बीच लटकी हुई थीं। सुबह के दो बज चुके थे। जाहिर है, उनका ग्राहक अभी तक नहीं लौटा था।

मैं बिस्तर पर चली जाती हूँ। मुझे फ़्रांस्वा की गर्मजोशी भरी आवाज़ और सच्ची आँखों की बहुत याद आती है। मैं उसके होने का सपना देखती हूँ, उसकी छाती मेरे स्तनों से लगी हुई, उसका कठोर लिंग मेरे अंदर। क्या वह फ़्रांस में किसी और औरत से मिला है? क्या वह अब भी मेरे बारे में सोचता है? पटाया में मेरे साथ जो कुछ भी अच्छा हुआ है, वही एक है।

मैं पूरी तरह से थककर सो जाता हूँ।

*

* *

यूरोप जाने वाली हर यात्रा की तरह, पटाया में ताज़ा मांस का स्टॉक फिर से भर दिया जाता है। ऐसा लगता है कि ईसान की धरती लड़कियों के मामले में जितनी उदार है, चावल के मामले में उतनी ही कंजूस है। माँ हमें बताती हैं कि जियाब, जो "नॉर्वेजियन" थी, उसकी जगह एक नई महिला आएगी। वह कंबोडिया के पास स्थित सिसकेत प्रांत से है, जहाँ से पथुम के कई मज़दूर आए थे। उनमें से कुछ ईसान भाषा भी नहीं बोलते थे, बल्कि खमेर और सुए भाषा का मिश्रण बोलते थे, जिसे सुनकर हमें बहुत हंसी आई। आखिर में, आपको अपने से भी ज़्यादा देहाती कोई न कोई मिल ही जाता है।

नोंग दोपहर तीन बजे आती है, उसने एक काला टॉप पहना है जो उसकी पतली कमर को उभारता है और सफेद शॉर्ट्स जो उसके सुडौल शरीर को खूबसूरती से दिखाते हैं। सबसे पहले जो चीज मुझे आकर्षित करती है, वह है उसका साफ, लगभग मासूम सा चेहरा, चौड़ा माथा, रेशमी बाल और गालों पर हल्की सी छाया जो उसे अंदर धंसा देती है। उसका चेहरा सुंदर है, उसकी विस्मय भरी आंखें उसे

बुद्धिमान बनाती हैं, उसका पतला शरीर सुडौल है और रीढ़ की हड्डी लचीली और धनुषाकार है। हालांकि उसका शरीर बचपन और जवानी के बीच झूलता हुआ प्रतीत होता है, उसके स्तन एक स्त्री के हैं, उतने ही बड़े जितने सोम ओह: वो मोटे छिलके वाले अंगूर जिन्हें विक्रेता दिन भर माइक शॉपिंग मॉल के पीछे छीलकर चीनी पर्यटकों से भरी बसों को बेचते हैं। शानदार स्तन, बैंगनी निप्पल सिगरेट फिल्टर जितने लंबे। दो छोटे, भरे हुए स्तन जो उसकी अभी भी किशोरावस्था वाली छाती से टकराते हैं। नोंग रामा वी के चित्र को कभी नहीं छोड़ती, जिसे वह पेंडेंट की तरह पहनती है। आधुनिकता के प्रतीक इस राजा, जिन्हें चुललोंगकोर्न के नाम से जाना जाता है, जिनकी पवित्र स्मृति का आदर करना हमें स्कूल में सिखाया जाता है, लगभग एक संत के समान हैं: उन्होंने 1895 में दास प्रथा का उन्मूलन किया और ब्रिटिश एवं फ्रांसीसी उपनिवेशवाद का विरोध किया। जैसे ही मेरी नज़र नॉन्ग से मिली, हम दोस्त बन गए।

मैं उसके खूबसूरत, कोमल होंठों और गालों पर आई हल्की सी लाली को निहारता हूँ। अपनी पतली टांगों के साथ, नोंग चुंबक की तरह प्यार को आकर्षित करती है। या को शायद कुछ प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़े। हर बार में एक पदानुक्रम होता है जिसे किसी नए व्यक्ति के आने से बिगाड़ा जा सकता है। लेकिन या ने अपने ग्राहकों का एक बड़ा डेटाबेस बना रखा है, जिसमें वह अपने ग्राहकों की छोटी-छोटी पसंद-नापसंद या उनके बच्चों के नाम तक लिख लेती है, जिससे उसे काफी फायदा मिलता है। छह महीने बाद जब वह आयरलैंड में रह रही उनकी बेटी की उम्र और नाम का जिक्र करती है, तो उन लोगों को झटका लगता है। वह नियमित रूप से अपने गले में लटके डोरी से बंधे मोबाइल फोन को देखती रहती है। कई नियमित ग्राहक उसे मैसेज करके ही बुकिंग करते हैं, क्योंकि बिना बताए अचानक आना जोखिम भरा होता है।

बोरिसुत, नोंग कुंवारी है। मामासन ने तस्वीरों के ज़रिए उसकी कुंवारीपन को हिरोशिसान को बेच दिया, जो पचास साल का एक जापानी आदमी है जिसकी घनी भौहें मुझे मछली की हड्डियों की याद दिलाती हैं। मामासन अपना ऑर्डर जल्दी से जल्दी पहुँचाना चाहती है।

> — तुम समझती हो ना, वह युफा को समझाती है, यिप्पून ने उस छोटे से घर का उद्घाटन करने के लिए बीस हजार बात अग्रिम रूप से दिए थे।

जैसे ही नोंग अपने छोटे से यात्रा बैग के साथ ब्लू नाइल के दरवाज़े से अंदर आई, मामासन ने हिरोशिसान को फोन करके खबर दी और उसकी प्रगति के बारे में आश्वस्त किया। पटाया में इतनी मासूम और सुंदर लड़की की पवित्रता को बचाए रखना किसी उष्णकटिबंधीय तूफान के बीच मोमबत्ती जलाए रखने से भी ज़्यादा मुश्किल है। तूफान के केंद्र में ज़्यादा देर तक न रुकना ही बेहतर है। दस मिनट बाद, जापानी व्यक्ति अपनी खूबसूरत युवती की ताजगी निहारने के लिए अंदर आया। उसने शरमाते हुए हाथ मिलाकर उसका अभिवादन किया। मोटे, कमज़ोर नज़र वाले चश्मे के पीछे से, वह अपनी होने वाली दुल्हन को प्यार से निहार रहा था। मुझे आश्चर्य हुआ कि कौन ज़्यादा प्रभावित था, दोनों में से। मामासन ने

उसे आश्वासन दिया कि नोंग के गाँव से दस घंटे की बस यात्रा के बावजूद, यह युवती शाम 6:00 बजे तक तैयार हो जाएगी। जब मामासन ने उसे हमें सौंपा, तो मैंने उस छोटी बच्ची से पूछा:

— क्या आपको यकीन है कि आप ठीक रहेंगे, ज्यादा थके हुए तो नहीं होंगे?

नोंग ने मुझसे मजाक में जवाब दिया:

— बहादुर सिर्फ बुरिराम की लड़कियां ही नहीं हैं।

हम उसे दिलासा देते हैं और उसकी बड़ी रात के लिए उसे तैयार करने लगते हैं। मुझे उसमें एक उदात्त धैर्य दिखाई देता है, मानो कोई कीड़ा बच्चों से परेशान हो। मैं उसके लिए चिंतित हूँ। वह इसे भांप लेती है और मेरी तरफ मुस्कुराती है। हैरानी की बात यह है कि लगभग वही मुझे बड़ी सहजता से सांत्वना देती है।

> खैर, मैंने बहुत देर कर दी है। और वैसे भी, अगर मेरी वर्जिनिटी से मेरी माँ को कुछ फायदा हो सकता है, तो और भी अच्छा। बीस हज़ार बात एक अच्छी-खासी रकम है। मेरे माता-पिता साल भर में लगभग इतना ही कमाते हैं।

यदि चाओ फ्राया का मैदान दुनिया का चावल का कटोरा है, तो पटाया उसका लिंग है। एक सुगंधित दरार जो अपने पंख जलाने के लिए बेताब सभी नर कीटों को आकर्षित करती है... यिप्पून-जापानी... येरमन-जर्मन... फरांगसेट-फ्रांसीसी... अंगक्रिट-अंग्रेज़... इटालि-इतालवी।

नोंग मुस्कुराती है, उसकी मुस्कान सहज और प्यारी है, मानो कोई दुल्हन शादी के लिए तैयार हो रही हो। हम उसे साफ करते हैं, उसके बाल संवारते हैं और उसका मेकअप करते हैं, मानो वह कोई गुड़िया हो या छोटी बहन। मुझे अपनी दोस्त आम की याद आती है, उस शादी की जिसके बारे में वह कभी बात नहीं करना चाहती थी। शादी की रातें अक्सर उम्मीदों पर खरी नहीं उतरतीं। शायद नोंग के लिए यह इससे बुरा न हो। बल्कि, यह उसके शानदार करियर की एक सफल शुरुआत हो सकती है। मैं उसके हाथों की सुंदरता की तारीफ करती हूँ, जो कच्चे आमों की तरह कोमल हैं, उसकी मासूम कलाई, उसकी पीठ के निचले हिस्से में पड़ने वाले डिंपल। बीच-बीच में, उसकी माँ चिंतित चेहरे के साथ ऊपर आकर अपनी बच्ची का हालचाल पूछती है।

जब नोंग तैयार हो गया, तो माँ ने मुझे नीचे बार में सेवा करने के लिए कहा। एक पीली मूंछों वाला ग्राहक मेरे पास आया और मुझे एक पेय पेश किया। उसके शरीर से पसीने की बदबू आ रही थी।

— क्या आपके बच्चे हैं? me demande-t-il.

पहली बार, मैंने भोलेपन से यह मान लिया था कि ग्राहक वास्तव में मुझमें और मेरे परिवार में रुचि रखते हैं। Wii ने जल्दी ही मेरी यह भोली सोच बदल दी:

— टॉय, ज़्यादा परेशान मत हो। उन्हें तुम्हारी ज़िंदगी या तुम्हारे बच्चों की कोई परवाह नहीं है, उन्हें तो बस गर्भावस्था से बिगड़े हुए पेट से नफ़रत है। जैसे कि वे कहते हैं, "अंडकोष की खाल" जैसे पेट। उन्हें तो ढोल की नोकें ज़्यादा पसंद हैं।

ग्राहक सतर्क हैं क्योंकि पटाया की अधिकांश लड़कियाँ यहाँ इसलिए हैं क्योंकि उनके बच्चों के पिता उन्हें छोड़कर चले गए हैं। सोलह साल की उम्र में भी, कुछ लड़कियों को पहले से ही एक बच्चे का पालन-पोषण करना पड़ता है। मैं जवाब देती हूँ कि मेरी कोई संतान नहीं है। ग्राहक दोस्ताना व्यवहार करना चाहता है, लेकिन मेरा ध्यान कहीं और है; मैं अपनी "छोटी बहन" नोंग के बारे में सोच रही हूँ। अपनी युवा मंगेतर का इंतज़ार करते हुए वह जापानी आदमी क्या कर रहा है? शायद वह उससे ज़्यादा चिंतित है, उसे यकीन नहीं है कि अंत में उसकी जीत होगी... या शायद वह इस किशोरी को गले लगाने के लिए बेचैन है, जो उसे अच्छी तरह से देखने के बाद उत्साह से फूली नहीं समा रही है। लेक मेरे विचारों को समझ जाता है और व्यंग्य से कहता है:

— ज्यादा मत सोचो, दादाजी इस काम के लिए खूब सारी वियाग्रा खाएंगे। ब्लू नाइल पर नीली गोली मिलती है।

लेक को जापानी लोग पसंद नहीं हैं; उसे वे उबाऊ लगते हैं। युफा ने मज़ाक में जवाब दिया कि वे उबाऊ तो हो सकते हैं, लेकिन उन्हें तो बस पैसा और छोटे लिंग से मतलब है। जब मैं लेक से बात कर रहा था, तभी मेरा ग्राहक बिना कुछ कहे चुपके से चला गया। सौभाग्य से, महारानी माँ को अपने बीस हज़ार बात की सख्त चिंता है, वरना वह मुझे खूब खरी-खोटी सुना देतीं।

मिस टेकीला किसी टेकअवे रेस्टोरेंट से खाना खरीदना चाहती हैं। लेक उन्हें चिढ़ाती है।

— फिर से! धिक्कार है, रुकना मत, तुमने अभी-अभी नूडल्स के दो कटोरे चट कर लिए हैं।

मुझे भूख लगी है, मैं क्या करूँ? तुम मेरे साथ आ रहे हो, टॉय।

हम कबाब विक्रेता के सामने रुकते हैं। मिस टेकीला भूखी निगाहों से एक पूरा प्लास्टिक बैग भर कबाब का ऑर्डर देती है और फिर मेरी तरफ मुड़ती है।

— आप कुछ नहीं ले रहे हैं?

मैं लड़कों के लिए लाइन संभाल कर रख रहा हूँ।

अरे, रहने दो इस सब में।

*

* *

अगले दिन, जैसे ही हमने दुकान खोली, पिछले दिन का ग्राहक आ गया। मैंने उसे उसकी बदबू और उसकी मूंछों में लटकी हुई नाक से पहचान लिया। वह लगभग दरवाजे पर इंतज़ार कर रहा था कि युफा कृपा करके धातु का शटर उठा दे। मैंने अचानक कहा:

— यह आदमी मुझे बिग सी के उन ग्राहकों की याद दिलाता है जो हर सुबह बंद दरवाजों के सामने इस विशेषाधिकार के लिए इंतजार करते हैं कि वे सुनसान गलियारों के बीच अपनी खरीदारी की गाड़ियां धकेल सकें।

"वे सब एक ही जैसे हैं। आप उन पर जितना कम ध्यान देंगे, वे उतने ही ज्यादा आदी हो जाएंगे," उसने जवाब दिया।

वो आदमी मुझे एक ड्रिंक पिलाता है और तुरंत मेरे बार का बिल चुका देता है। अब मैं कल तक उसकी हूँ। एक रात मेरे जिस्म को छुपने की। वो मुझे मंत्रमुग्ध होकर देखता है। बार में सन्नाटा है; अभी सुबह का समय है। वो शांत दिखने के लिए एक और ड्रिंक ऑर्डर करता है, उसे मुझे होटल ले जाकर मेरे साथ सेक्स करने की कोई जल्दी नहीं है। मैं बेवकूफ नहीं बनी; मुझे पता है कि उसे क्या परेशान कर रहा है। वरना, दोपहर के शांत समय में वो सोई 6 में क्यों घूमता? सोई 6 गुप्त सुखों और चोरी-छिपे झपकी लेने की जगह है। ग्राहक खरीदारी करने नहीं आया है, इसलिए दिखावा करने या जेब में हाथ डालकर सीटी बजाते हुए घूमने का कोई मतलब नहीं है। उसके गलती से ब्लू नाइल में चले जाने की संभावना और भी कम है। वहाँ की बीयर सेवन से तीन गुना ज़्यादा महंगी है। वह सिर्फ गले में बर्फीली ठंडी बीयर का एहसास ही नहीं चाहता, बल्कि मंद रोशनी में उस महिला की गर्माहट का भी अनुभव करना चाहता है, उसकी मीठी खुशबू को सूंघना चाहता है, अपना हाथ उसके गर्म और सुडौल क्लीवेज में डालना चाहता है, बेंचों पर चुपके से उसे सहलाना चाहता है और फिर, अगर उसका मन करे, तो लड़की को ऊपर ले जाकर उसके साथ और भी अधिक आनंद लेना चाहता है।

तो, अगर मुझे विदेशियों के साथ रहना है, तो मैं ऐसे लोगों को पसंद करूंगी जो कम पाखंडी हों... आपको लड़की चाहिए? बहुत बढ़िया, मैं इसीलिए तो यहाँ हूँ... थोड़े समय के लिए... लंबे समय के लिए। चुनाव आपका है।

आखिरकार, वह उठ जाता है। मैं अपना बैग लेने ऊपर जाती हूँ। बार के सामने, वी अपने नाखूनों पर नेल पॉलिश लगा रहा होता है। मैं उसके हाथ की हथेली पर अपना अंगूठा आगे-पीछे फेरती हूँ। उत्सुकता से, वह विदेशी मुझसे पूछता है:

- आप ऐसा क्यों करते हो ?

चोक डी... यह सौभाग्य लाता है।

यह मिलन की रस्म ग्राहकों को हमेशा लुभाती है, जो इसे एक शानदार संभोग का वादा समझते हैं, जबकि यह महज़ भाग्य की बात है। थाई लोग भाग्य और सुरक्षा के बारे में बहुत बातें करते हैं। जब जीवन कठिन होता है, तो वे तांत्रिक शक्तियों का सहारा लेने की कोशिश करते हैं। साझा टैक्सी में, वह मुझे छूता नहीं है, कुछ कहता नहीं है, मेरी तरफ देखता भी नहीं है। उसके शरीर में मांसपेशियां कम हैं, कंधे झुके हुए हैं, और हाथ लंबे, पतले और हड्डियों से भरे हैं। वह भारतीय क्रेप बेचने वाले एक विक्रेता के सामने रुकता है। वह केले और गाढ़े दूध वाला एक क्रेप मंगवाता है, और मुझसे पूछता है कि क्या मैं भी एक लेना चाहती हूँ। मैं अपनी बाहें उसके दुबले-पतले शरीर के चारों ओर लपेट लेती हूँ।

अगर मैं बहुत ज्यादा खा लूँ तो! मैं बहुत ज्यादा पोम्पौइल खा लूँगी!

मैंने यह सीखा है कि बेवकूफों जैसी हरकतें करने से उन्हें तसल्ली मिलती है। युफा के इस बारे में बहुत पक्के विचार हैं:

> — बुद्धिमान लड़कियां उन्हें डराती हैं। वे कम बुद्धिमान लड़कियों को पसंद करते हैं, इससे उन्हें श्रेष्ठता का एहसास होता है।

रिसेप्शन पर, बूढ़े चौकीदार ने मुझसे मेरा आईडी कार्ड मांगा। यह सामान्य प्रक्रिया है, मुझे इसकी आदत है, लेकिन मेरे ग्राहक ने नाराज़गी भरे चेहरे के साथ इसे वापस कर दिया और कहा कि इसकी कोई ज़रूरत नहीं है। उसने चौकीदार की ओर ऐसे उंगली उठाई जैसे कोई अजनबी बदतमीज़ी करे। मैंने उसका हाथ पकड़कर कहा, "कोई बात नहीं..." मुझे अपना कार्ड छोड़ने की परवाह नहीं थी, लेकिन वह बेवजह ही इतना परेशान हो गया और बेवजह हंगामा करने लगा। उसने कहा कि उसे यह व्यक्तिगत अपमान लगा है, वह होटल प्रबंधन से बात करेगा, और ऐसा नहीं चलेगा। मैंने चौकीदार का बचाव किया।

— कुछ लड़कियां बहुत बुरी होती हैं, होटल आपका अच्छे से ख्याल रखता है।

एक तिरस्कारपूर्ण भाव से, उस विदेशी ने मेरा कार्ड वापस मेज पर रख दिया, उसके चेहरे पर घृणा और उपेक्षा के भाव थे। कृतज्ञता भरे भाव से गार्ड ने मेरी मदद के लिए धन्यवाद दिया। मैंने उसकी इसान बोली पहचान ली। उसने बड़ी मेहनत से एक स्कूली नोटबुक में मेरा नाम लिखा, उसकी लिखावट किसी दस साल के बच्चे जैसी थी, फिर उसने कार्ड को बाकी कार्डों के साथ सावधानीपूर्वक रख दिया।

कमरा बेहद गंदा है। स्टाफ पर उंगली उठाने के बजाय, उसे अपने अंडरवियर खुद उठा लेने चाहिए। हरे रंग की चांग बियर ऐशट्रे सिगरेट के टुकड़ों से भरी पड़ी है, और गंदे कपड़े इधर-उधर बिखरे पड़े हैं।

मुझे तो यह भी नहीं पता कि अपना बैग कहां रखूं। मैं सफाई करना चाहती हूं, लेकिन मैं यहां इसके लिए नहीं आई हूं। मैं युफा नहीं हूं। गंदगी में सोना बर्दाश्त न कर पाने के कारण, वह कभी-कभी ग्राहक का कमरा साफ कर देती है। एक बार तो उसने उस आदमी के कपड़े सिंक में ही धो दिए थे। जाहिर है, ग्राहक को यकीन नहीं हुआ, और उस बेवकूफ को यह भी नहीं पता चला कि यह युफा का उसे अपमानित करने का तरीका था। मेरा गंदा साथी पास आ रहा है।

- आप बहुत सुंदर हो

वे सब युद्ध शुरू होने से पहले यही कहते हैं। इससे उन्हें सज्जन होने का एहसास होता होगा। मैं शावर की ओर इशारा करता हूँ।

— पाक वान... मीठी ज़बान... पहले नहा लो, प्लीज़

फिर वो मेरे साथ ज़बरदस्ती करता है और मैं दिखावा करती हूँ। मैं अपनी पूरी कोशिश करती हूँ। मैं उसे खुश करने के लिए आहें भरती हूँ। मुझे कुछ महसूस नहीं होता, लेकिन उन्हें अच्छा लगता है जब लड़की आनंद से आहें भरती है। एक वेश्या को चरम सुख दिलाकर, उन्हें लगता है जैसे उन्होंने लॉटरी जीत ली हो, जैसे उनकी आत्मा और शरीर दोनों पर उनका अधिकार हो। मैं काम कर रही हूँ, वो क्या सोचता होगा? उसके गाल पिचके हुए हैं, जैसे किसी थके हुए एथलीट के गाल हों, उसके होंठों पर लार के बुलबुले हैं, और उसकी बड़ी-बड़ी, काले घेरों वाली, धुंधली आँखें बिल्कुल खाली हैं।

वह पीछे हटता है, उसका शरीर छोटी-छोटी, झटकेदार हरकतों से चिकना हो जाता है, उसके चेहरे पर दर्द भरी शिकन होती है। मैं उस तैलीय, समुद्री गंध वाले तरल को अपनी नाभि के गड्ढे से नीचे टपकते हुए देखती हूँ। मैं उसे अपनी ओर खींचती हूँ, उसके वीर्य पर जो मेरे पेट पर ऐसे फैला हुआ है जैसे तली हुई मछली पर खट्टी-मीठी चटनी। वह मुझसे चिपक जाता है; पसीने और वीर्य का मिश्रण हमें एक दूसरे से बांध लेता है।

उनकी मुस्कान से पता चलता है कि मैं उनकी उम्मीदों पर खरा उतरा।

टॉय, तुम्हें कैसा लग रहा है? मुझे बताओ!

मुझे क्या आभास हो रहा है? वह आदमी भ्रम में है... वह क्या सोच रहा है? कि मैं उससे बुरी तरह प्यार करने लगी हूँ? मैं जवाब देती हूँ:

तुम मुझे बहुत खुश कर देती हो, डार्लिंग।

- वास्तव में ?

उसने भौंहें चढ़ा लीं, मानो उसे मेरी बात पर यकीन न हो रहा हो, क्योंकि उसे मुझमें व्यंग्य का भाव झलक रहा था। मैं कभी भी पहले पर्याप्त काम नहीं करता और हमेशा बाद में ज़रूरत से ज़्यादा कर देता

हूँ। वह घबराकर खड़ा हो गया और बुरिराम बाज़ार में पिंजरे में बंद जानवरों की तरह इधर-उधर घूमने लगा।

उसकी बिक्री के बाद की सेवा मुझे बहुत परेशान कर रही है। अपने हज़ार बात के बदले उसे और क्या चाहिए? क्या मैं उसके सामने घुटने टेककर उससे बेइंतहा प्यार का इज़हार करूँ, जैसे बाकी सब लोग करेंगे?

मामासन सही कह रही हैं। असल में, उनमें सेक्स की कमी नहीं, प्यार की कमी है। सेक्स उन्हें प्यार में डालता है, लड़कियों के प्यार में पड़ने के तरीके से बिल्कुल उल्टा। लेकिन यह कहीं ज़्यादा खतरनाक काम है। आपको स्नेह का दिखावा करना पड़ता है, भावनाओं को ज़ाहिर करने का नाटक करना पड़ता है। प्यार तो वो छोटी सी अतिरिक्त चीज़ है। जैसे सोई बुआखाओ बाज़ार में दो सौ बात से ज़्यादा का फल खरीदने पर दुकानदार चुपके से दो केले आपको एक शरारती नज़र से दे देता है।

सोई 6 पर वीकेंड प्रमोशन: किसी लड़की के साथ दस रातें बिताकर, उसके जीवन का सच्चा प्यार बन जाइए!

> — मैं तुम्हारे लिए पागल हूँ, टीरक, तुम जो अपने गंदे कमरे में इधर-उधर चक्कर लगाते रहते हो। तुम जिसके गोल-गोल विचार तुम्हारे जीवन की दीवार से ऐसे टकराते हैं जैसे कोई मक्खी किसी बर्तन के किनारों से टकराती है। एक मक्खी जो काले विचारों से भरी है, जिसका पेट ढीला और पूंछ चिपचिपी है।

वह फिर से उत्तेजित हो गया है और दोबारा करना चाहता है। यह उसे पागल कर रहा है। जैसे कोई नर सूअर मदमस्त मादा सूअर के सामने हो। सहज प्रवृत्ति अहंकार से अधिक प्रबल है। वह अपने पैसे का पूरा फायदा उठाना चाहता है, मेरे भीतर 37 डिग्री सेल्सियस के तापमान पर अनंत काल तक पहुँचने का क्षण चाहता है। वह फिर से अपनी स्थिति में आ जाता है। फिर, मैं दिखाती हूँ कि मैं समझ गई हूँ। मैं हल्की, लगभग सुनाई न देने वाली आहें भरने लगती हूँ, मानो वह हर धक्के के साथ मुझसे थोड़ा और आनंद छीन रहा हो, मानो ये आवाज़ें मेरी इच्छा के विरुद्ध निकल रही हों। मैं महसूस करती हूँ कि वह और उत्तेजित हो रहा है, गति बढ़ा रहा है। मैं एक सताए हुए कुत्ते की तरह हल्की-हल्की सिसकियाँ भरती हूँ। यह हास्यास्पद है, और वास्तव में काफी मज़ेदार भी। उसके चेहरे पर विजेता जैसी गंभीरता मुझे मेरे भाई की याद दिलाती है जब वह घर के सामने सिपाही-सैनिक का खेल खेला करता था।

वो और उसके योद्धा भाई बड़े प्यारे हैं। दोपहर एक बजे से ही, जैसे ही पहली बार खुलती है, वे आ जाते हैं। अपनी सनक से ग्रस्त होकर, वे अपनी सनक के साथ गलियों में घूमते रहते हैं। तुम मुझसे प्यार क्यों नहीं करते? फिर वही बात... तुम ऐसा क्यों कहते हो, प्रिय? मैं तुमसे नफरत नहीं करता, यह तो बहुत बड़ी बात है।

वो चाहता है कि हम दोनों एक ही समय पर चरम सुख प्राप्त करें। वो मेरे कान में फुसफुसाता है... एक साथ... एक और जो एक साथ चरम सुख को प्यार का सबूत समझता है। मैं आह भरती हूँ, कराहती हूँ, सिसकती हूँ।

- आए ?

वह भी दूसरों जैसा ही है, उन बेचारे आदमियों जैसा जो इस अंतहीन खोज में डूबे रहते हैं, जो उन्हें सुबह से शाम तक जगाए रखती है। और रात होने के बाद भी, खासकर उसके बाद, जब अंधेरा उनकी सहज प्रवृत्तियों को उजागर कर देता है। सबसे गुप्त आवेग भी तब सतह पर आ जाते हैं, जैसे तिलचट्टे अपने बिलों से बाहर निकलते हैं। रात के अंधेरे में, असली स्वभाव प्रकट होता है, जो हमेशा सुखद नहीं होता। पटाया में मैंने सीखा कि अंधेरे में छिपे राक्षसों से नहीं, बल्कि उन राक्षसों से डरना चाहिए जो मनुष्यों के दिलों में बसते हैं और रात होते ही बाहर आ जाते हैं।

आखिरकार, वो खर्राटे ले रहा है। मुझे उसका पहला नाम या उसकी राष्ट्रीयता तक याद नहीं है। कोई बात नहीं, सब एक जैसे दिखते हैं। खैर, सारे नहीं... कुछ दूसरों से ज़्यादा बुरे हैं।

मैं पुलिस द्वारा बरामद शवों के बारे में सोचता हूं, मैं साई के बारे में सोचता हूं।

*

* *

- यह कैसा था?

नोंग शांति से बैठी है और सोई 6 की लड़कियों के लिए कैंटीन के रूप में काम करने वाली छोटी सी गली की रसोई में अपने नूडल सूप का आनंद ले रही है। जापानी शादी की रात के बावजूद भी वह पहले की तरह ही प्यारी है।

> — वो मेरे प्रति बहुत दयालु थे। बहुत धैर्यवान, बहुत विनम्र। यहाँ तक कि बाद में रोते हुए बोले... माफ़ कीजिए, माफ़ कीजिए... मैं बहुत बुरा आदमी हूँ।

- तुम तो खुशनसीब थे।

"और एक अच्छी सलाह," वह मुस्कुराते हुए कहती है।

नोंग अपनी घड़ी पर नज़र डालती है, फिर मेज से उठकर जल्दी से ब्लू नाइल लौट जाती है। मैक्सिम नाम के एक बेल्जियमवासी ने उसे बुक किया है, जिसे कम उम्र की लड़कियों में दिलचस्पी है। पहले से ही

एक मंत्री का व्यस्त कार्यक्रम है। काश नोंग का शासन आ जाए... याया के बाद एक नई साम्राज्ञी सत्ता संभालने वाली है।

चारों टेबल भरी होने के कारण, सिंथिया मेरी टेबल पर आकर बैठ गई और अपने नूडल्स का कटोरा जल्दी-जल्दी खाने लगी। वो समलैंगिक है, मतलब, काटोई है, लेकिन मैं उसे समलैंगिक इसलिए कहता हूँ क्योंकि उसका खतना नहीं हुआ है। सोई सिक्स में मैंने सुना है कि सिंथिया का थाई महिलाओं के हिसाब से काफी बड़ा है और वो इसका इस्तेमाल करना जानती है। वो थोड़ी दूर आगे पूक बार में काम करती है, जहाँ वो घंटों एक लकड़ी के स्टूल पर बैठी रहती है, और हमेशा अपनी कमर सहलाते हुए हमें हंसाती है:

> अगर मेरे ग्राहकों ने मुझे उस घटिया लकड़ी के स्टूल जितना परेशान किया होता, तो मैं अब तक रिटायर हो चुका होता।

XIV

सुबह देर से, बॉस नक्लुआ से परीक्षा परिणाम लेने चले गए। श्री पापा दोपहर के आसपास लौटे, बहुत दुखी लग रहे थे, और उन्होंने मिस टेकीला को अपने साथ ऊपर आने को कहा। पाँच मिनट बाद, वह खाली निगाहों से नीचे लौटीं। हम सब अब समझ चुके थे। मैं अविश्वास से उन्हें देखती रही। उनके चेहरे पर कोई भाव नहीं बदला था, लेकिन मैंने सोचा, "वह मरने वाली हैं।" अचानक, वह फूट-फूटकर रोने लगीं। युफा ने उनका बड़ा सा सिर अपने कंधे पर रखा, उनके बालों को सहलाया और फुसफुसाकर कहा कि यह इतना बुरा नहीं है, माँ की पुरानी तस्वीरें किंग कांग में उनके समय की हैं, और अब इलाज उपलब्ध हैं।

"मेरे बच्चे का क्या होगा?" मिस टेकीला पूछती हैं।

वह कसम खाकर कहती है कि उसने कभी बिना कंडोम के यौन संबंध नहीं बनाए, और भोलेपन से मानती है कि अन्याय या प्रक्रियात्मक त्रुटि का दावा करके वह अपील में अपनी सज़ा बदलवा सकती है। शर्म के मारे कोई कुछ बोलने की हिम्मत नहीं करता, लेकिन हम सभी को उसके शराब पीने के यादगार पल याद आते हैं। पोर्न उसे दिलासा देने के लिए उसके पास आता है।

— ऐसा लगता है कि पटाया में एक डॉक्टर मरीजों का इलाज कर रहा है। एक फ्रांसीसी डॉक्टर जो भारत से दवाइयां लाता है। बताया जा रहा है कि इलाज मुफ्त है।

मिस टेकीला सूंघती है, अपनी नाक से निकला पानी निगलती है और थोड़ा शांत हो जाती है। आखिरकार, वह सांस ले रही है, और फिलहाल उसे अपने शरीर में कोई बदलाव महसूस नहीं हो रहा है। वह एक जेब से दर्पण निकालती है, उसमें खुद को देखती है, बीमारी के रहस्यमय लक्षणों की तलाश करती है, लेकिन उसे बस एक मोटी लड़की का रोता हुआ चेहरा दिखाई देता है। फिलहाल, वायरस एक छिपकर यात्रा कर रहा है, ठीक उसी तरह जैसे उस फिल्म में एलियन था जिसने मुझे बहुत डरा दिया था; वायरस बस वह कागज का टुकड़ा है जो एंडी ने उसे दिखाया था और यह तथ्य कि उसे ब्लू नाइल छोड़ना पड़ेगा।

मैं अपनी जीविका कैसे कमाऊंगा?

"तुम समुद्र तट पर जाओगे," पोर्न सलाह देता है। "वहाँ कोई नियंत्रण नहीं है।"

— धिक्कार है, और मैंने अभी-अभी एक फोन खरीदा था।

मिस टेकीला ने अपने बैग से 8800 गोल्ड निकाला। नोकिया देखकर मेरी धड़कन लगभग रुक गई। मैंने उसे ज़ोर से उनके हाथों से छीन लिया।

- वह आपको कहां मिला?

— तुम्हें क्या हुआ है? मैंने इसे चुराया नहीं है।

मैंने उत्कीर्ण महामंत्र को तुरंत पहचान लिया।

— तो फिर आपको यह कहाँ मिला?

— मिल गया? क्या तुम मज़ाक कर रहे हो? तुम कहाँ रहते हो? क्या तुम्हें लगता है कि हमें सोई 6 की नाली में फ़ोन मिलते हैं?

— यह मेरे एक दोस्त का है जिससे मुझे एक महीने से ज्यादा समय से कोई खबर नहीं मिली है।

ज़रा सब्र रखिए। कौन सी गर्लफ्रेंड? मैंने इसे टुकॉम के पास वाले चीनी दुकानदार से खरीदा था। वो हर गुरुवार को बिना लौटाए हुए पुराने उपकरण अच्छे दामों पर बेचता है; उसके पास वाकई बढ़िया सौदे होते हैं। बस इसकी बैटरी पानी से खराब हो गई है।

मैं उत्कीर्ण मंत्रों को सहलाता हूँ।

- इसके लिए आपने कितना चुकाया था?

- किस लिए ?

मैं इसे आपसे वापस खरीद लूंगा।

नहीं, बिलकुल नहीं, यह नोकिया मेरा है।

— अगर तुम इसे मुझे वापस नहीं बेचोगे, तो मैं सोई 6 पर सबको बता दूंगा कि तुम पॉजिटिव हो... शुरू में तुम्हारे पास ज्यादा ग्राहक नहीं थे, लेकिन अब मैं वादा करता हूँ कि तुम्हारे पास कुछ खाली समय होगा।

— तुम जानती हो कि तुम सचमुच एक कमीनी हो।

— यह इस बात पर निर्भर करता है कि किसके साथ है। तो वेश्याओं की रानी के लिए कितना?

ठीक है, अगर यह मैडम के लिए इतना ही महत्वपूर्ण है तो मैं इसे आपको उसी कीमत पर वापस बेच दूँगा, लेकिन केवल इसलिए कि यह आप हैं। मैंने इसके लिए चार हज़ार रुपये दिए थे।

इससे पहले कि वो अपना मन बदल ले, मैं अपने पर्स से पैसे निकाल लेती हूँ। मिस टेकीला बिल चुकाने में इतनी खुश है कि मुझे शक है कि उसने वो कीमत नहीं चुकाई होगी, लेकिन मेरे पास कोई चारा नहीं है। अब मैं सच में चिंतित हूँ। साई अपना फोन बेच नहीं पाई है। मुझे यकीन है कि वो चोरी हो गया या उसने कहीं खो दिया। मुझे उसे चालू करके ढूंढने की कोशिश करनी होगी।

मैं नई बैटरी और चार्जर खरीदने के लिए बिग सी (बिग सी) भागा। क्लर्क ने दस सेकंड में बैटरी बदल दी और फोन चालू कर दिया। सौभाग्य से, कोई पिन कोड नहीं था। साई आसानी से शक करने वाली नहीं थी; शायद यही बात उसके लिए मुसीबत बन गई। फोन डिलेमा की जानी-पहचानी आवाज़ों के साथ चालू हुआ, जो सैकड़ों बार सुनी जा चुकी थीं: वो "ऊह" की आवाज़ें जैसे शून्य गुरुत्वाकर्षण में अटकी हुई हों।

मैं चाहे कुछ भी करूँ, मेरे दिमाग में बस तुम ही रहते हो। यहाँ तक कि जब मैं अपने बॉयफ्रेंड के साथ होती हूँ, तब भी। अरे, तुम जानते हो मैं तुम्हारे लिए पागल हूँ।

उनकी बातें सुनकर मुझे वो पल याद आ जाता है जब साई ने मुझे बताया था कि केली रॉलैंड अपनी आदर्श बेयोंसे नोल्स के साथ डेस्टिनीज़ चाइल्ड में थीं। जिस तरह जेफ ने मुझे समुद्र की गहराइयों के बारे में सब कुछ सिखाया, उसी तरह मेरी पूरी संगीत शिक्षा साई से ही मिली है। उनके बिना, मैं लोकप्रिय गानों के सागर में एक भी नाम नहीं पहचान पाती।

बिग सी से निकलते हुए, मैं स्वेंसन के आइसक्रीम पार्लर पर रुककर फोन बुक और कॉल लॉग देखने लगा। मैंने समय और आखिरी बार किए गए नंबर नोट किए। आखिरी कॉल छापे वाले दिन की थीं। उसके बाद कोई कॉल नहीं आई। फोन बुक में मुझे अपना नंबर, कोलिया का, वी का, बेड का, और साथ ही टिक का नंबर भी मिला, जो एंजेल विच सुपरस्टार है। अब मुझे यकीन हो गया कि साई का उसके साथ अफेयर था। मुझे इस पर कोई हैरानी नहीं हुई। मैं उस ईर्ष्यालु शेरनी के बारे में सोचने लगा जो टिक पर नज़र रख रही थी। मेरी नज़र दर्जनों नामों पर पड़ी, कई जॉन्स के नाम थे, लेकिन कई ऐसे नाम भी थे जिनके बारे में मैंने कभी नहीं सुना था: जैसे नीदरलैंड_इंसोम्निया, येरमैन_ल्यूसिफर, या इटली_बीच_रोड।

मेरी तर्जनी उंगली स्क्रीन पर कोलिया के नाम को छू जाती है। फोन कई बार बजता है, कोई जवाब नहीं देता, फिर वॉइसमेल पर चला जाता है। मैं साई के बारे में पूछने के लिए एक संदेश छोड़ देती हूँ। अचानक, संपर्कों को स्क्रॉल करते हुए, मैं 'माए' पर रुक जाती हूँ... उसकी माँ? मैं चिकनी स्क्रीन पर टैप करती हूँ, लेकिन कोई जवाब नहीं देता। मैं फिर से संपर्कों में खोज रही होती हूँ कि साई का फोन वाइब्रेट होने लगता है। 'माए' शब्द दिखाई देता है। क्या उसकी माँ वापस कॉल कर रही है?

"साई? आप कल्पना भी नहीं कर सकते कि मैं कितनी चिंतित थी। आप चुप क्यों रहे?" उसने उडोन बोली में पूछा, जिसे समझने में मुझे काफी मशक्कत करनी पड़ी।

— मैं साई नहीं हूँ, महोदया। मेरा नाम टॉय है, मैं तुम्हारी दोस्त हूँ। मुझे उसका फ़ोन नंबर संयोग से मिल गया। क्या तुमने उससे बात नहीं की?

बुज़ुर्ग महिला फोन पर रो रही है। उसकी जगह एक साफ-सुथरी किशोरी की आवाज आती है। वह बिना किसी उच्चारण दोष के थाई भाषा बोलती है।

— मैं लाट हूँ, साई की छोटी बहन। वो कहाँ है?

मुझे नहीं पता। मैं टॉय हूँ, उसकी सबसे अच्छी दोस्त। एक महीने से ज़्यादा समय से उससे कोई बात नहीं हुई है। मुझे उसका फ़ोन बिल्कुल अचानक मिल गया। मुझे उम्मीद थी कि आपको पता होगा कि वह कहाँ है।

मेरी बहन से कई हफ्तों से संपर्क नहीं हो पा रहा है। मेरी माँ बहुत चिंतित हैं, उन्हें रात को नींद नहीं आती।

— अगर मुझे कोई खबर मिलती है तो मैं आपको वापस कॉल करूंगा। अगर आपको कोई खबर मिले तो आप भी मुझे इस नंबर पर कॉल करें।

मुझे इस बात की बेहद चिंता है कि उसके परिवार को भी इस बारे में पता नहीं है। मैं अगले एक घंटे तक एड्रेस बुक में मौजूद हर नंबर पर कॉल करती हूँ। मैं अपना परिचय साईं के दोस्त के रूप में देती हूँ जिसे अभी-अभी उसका फोन मिला है। कुछ नंबरों पर कॉल नहीं आती, कुछ बंद हैं, लेकिन जिनसे भी मेरी बात होती है, उनमें से किसी के पास भी साईं के बारे में कोई खबर नहीं है। मुझे अपरिचित आवाजें सुनाई देती हैं जिन्हें यह समझने में थोड़ा समय लगता है कि यह साईं का फोन नहीं है। मैं टिक से भी बात करती हूँ, जो एंजेल विच की सनसनीखेज शख्सियत है।

नहीं, साई से मेरी कोई खबर नहीं है। अगर तुम उससे मिलो तो उसे बता देना कि मैं अब सोई काउ बॉय में बकारा-ए-गोगो में काम कर रहा हूँ। उसे यह भी बता देना कि मैं अब ओम के साथ नहीं हूँ और उससे दोबारा मिलकर मुझे खुशी होगी।

उस शाम, नील नदी पर लौटने की तीव्र इच्छा के कारण, मैंने दक्षिण पटाया रोड पर स्थित वाट चैमोंगक्रोन में प्रार्थना करने का निर्णय लिया। मैं एक सुनसान मंदिर में दाखिल हुआ। शाम ढलने के साथ ही, पटाया में जागृत प्रभु से प्रार्थना करने से कहीं अधिक महत्वपूर्ण कार्य थे। मैं खाली कमरों से गुजरा, एक मोमबत्ती जलाई और उसे दर्जनों छोटी-छोटी, धीमी गति से जलती हुई लपटों के बीच रख दिया, जिनमें से प्रत्येक में एक आशा, एक प्रेम या एक दुःख समाहित था। मैंने साईं से प्रार्थना की कि मेरे भय

सच न हों। मैंने प्रार्थना की कि मेरी माता मेरु पर्वत से अधिक बार मेरे सपनों में आएं। मैंने अपने चाचा के लिए प्रार्थना की, जो स्वर्ग के मार्ग पर कहीं अपनी चप्पलें खटक रहे होंगे, और अपनी चाची के लिए, जो स्वर्ग में उनके साथ जाकर अपने स्वादिष्ट व्यंजन पकाने और उन्हें प्रसन्न स्वर्गदूतों को परोसने के लिए उत्सुक प्रतीत हो रही थीं। सबसे बढ़कर, मैंने प्रार्थना की कि मेरा भाई अपायाओं की ओर ले जाने वाले गलत मार्ग से भटक जाए, कि वह अंततः एक ऐसा व्यक्ति बने जो एक दिन एक देखभाल करने वाला और जिम्मेदार पिता बन सके। मुझे शहर की दूर से आती हल्की-हल्की फुसफुसाहट सुनाई दे रही है।

फ़्रांस्वा का क्या हुआ? मुझे उससे नफ़रत करनी चाहिए थी, पर मैं उसे कभी भूली नहीं। उसने मुझे मेरी ज़िंदगी के सबसे खूबसूरत पल दिए, ऐसी खुशी जो मुझे फिर कभी नहीं मिली, यहाँ तक कि जवान मर्दों की बाहों में भी नहीं। उसके साथ ही मैंने, पहली और एकमात्र बार, समझा कि प्यार इतना जटिल क्यों होता है। अब वो मुझे फ़ोन नहीं करता। मैं दुआ करती हूँ कि वो अपने बच्चों के साथ खुश रहे और हमारे साथ बिताए दिनों को कभी न भूले।

*

* *

> "इससे कोई फायदा नहीं होगा। उनके लिए हमारी कोई कीमत नहीं है। हम सिर्फ विदेशियों के लिए मांस हैं, और कुछ नहीं," गुस्से में भरे Wii ने कहा।

मुझे पुलिस के पास जाने में झिझक हो रही है। मैं नाबालिग हूँ, मुझे बार में काम करने की अनुमति नहीं है, और सबसे बड़ी बात यह है कि मैंने व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र से संपर्क भी नहीं किया है, जैसा कि मैंने वादा किया था। वी ने गुस्से भरी आवाज़ में मेरी बात का समर्थन करते हुए कहा:

> पुलिस वेश्या को ढूंढने के लिए कुछ नहीं करेगी। वे आपको बता देंगे कि साईं किसी विदेशी के साथ है। जब कोई पैसा नहीं मिलता तो उन्हें कोई परवाह नहीं होती। वे फोन अपने पास रख लेंगे और हम फिर से वहीं पहुंच जाएंगे जहां से शुरू किया था।

मेरे दिमाग में विचारों का सैलाब उमड़ रहा है। मैं साई के लापता होने की बात भूलने लगी थी, लेकिन अब चिंता मुझे फिर से जकड़ रही है, एक शक्तिशाली लहर की तरह जिसे कोई रोक नहीं सकता। मैं बार-बार नंबरों को स्क्रॉल कर रही हूँ, इस विश्वास के साथ कि इन रहस्यमय अंकों में कहीं न कहीं मेरे सवालों का जवाब, उसके लापता होने के रहस्य का हल छिपा है। मैं इस स्क्रीन को सहला रही हूँ जो मुझे उसके करीब खींच रही है। मुझे प्रिचा नाम का एक नंबर दिखाई देता है। क्या यह वही प्रिचा है जो फैक्ट्री

में मिली थी? मुझे नहीं पता था कि वे इतनी करीब थीं, यहाँ तक कि उन्होंने फोन नंबर भी एक्सचेंज कर लिए थे। मैं अचानक ही कॉल कर देती हूँ।

— हेलो साई? मैं बहुत चिंतित थी!

उसकी आवाज़ सुनते ही कारखाने में बिताया मेरा सारा पिछला जीवन मेरे दिमाग में ऐसे उमड़ आता है जैसे धूल की पतली परत के नीचे दबी हुई लाश हवा के झोंके के बाद फिर से प्रकट हो जाती है। मुझे लगभग लगातार बनी रहने वाली सॉल्वेंट की गंध और मशीनों का शोर सुनाई देता है।

नहीं, मैं टॉय हूँ। क्या तुम्हें मैं याद हूँ, खुन प्रिचा? पैकेजिंग डेस्क पर। मैं उसके मोबाइल से कॉल कर रहा हूँ।

— टॉय? मुझे तो याद है। क्या तुम्हें लगता है कि मैं कोई पागल बूढ़ा आदमी हूँ? तुम कहाँ हो? साई कहाँ है?

मुझे कोई जानकारी नहीं है, मैं आपसे पूछना चाहता था। जब वह गायब हुई थी तब हम पटाया में एक ही कमरे में रह रहे थे।

— वो हमेशा मेरे जन्मदिन पर फोन करती थी, लेकिन इस साल मैंने पूरे दिन उसके फोन का इंतजार किया। व्यर्थ। आपका क्या हाल है?

कुछ नहीं, एक महीने से भी ज्यादा समय पहले गायब हो गया... तब से कोई खबर नहीं।

पुलिस को ढूंढो!

— मैं नहीं कर सकता, मैं नाबालिग हूँ। वे उसे ढूंढने के लिए कुछ भी किए बिना मेरे लिए मुसीबतें खड़ी कर देंगे। आप उन्हें मुझसे बेहतर जानते हैं।

सुनो टॉय, मैं कल बस से आ रहा हूँ।

— मैं नहीं चाहता कि कारखाने को लेकर आपको कोई परेशानी हो, खुन प्रिचा।

वह उपहास करता है।

कोई जोखिम नहीं। उन्होंने मुझे एक महीने पहले ही निकाल दिया था।

— निकाल दिया गया? क्यों?

वो कमीना स्पाइडर तो बस मुझे अपने जाल में फंसाने का बहाना ढूंढ रहा था। पटाया पहुँचते ही तुम्हें कॉल करूँगा।

*

* *

सुबह नौ बजे, प्रिचा ने बस स्टेशन से फोन किया। जब मैं मोटरसाइकिल टैक्सी से पहुँचा, तो वह अपने ही जैसे पुराने स्पोर्ट्स बैग के बगल में मेरा इंतज़ार कर रहा था। मुझे लगा कि वह बहुत बूढ़ा हो गया है। शायद उसकी नौकरी छूट जाने की वजह से। उसने मेरी तारीफ की:

— टॉय, तुम बेहद खूबसूरत लग रही हो। पहले से कहीं ज्यादा परिपक्व, कहीं ज्यादा स्त्रीत्व से भरपूर। उस लड़की से बिलकुल अलग जो मई की एक सुबह कारखाने में आई थी।

— धन्यवाद खुन प्रिचा, मैंने आपके लिए एक कमरा बुक कर दिया है।

सोई एलके के पास एक छोटा सा होटल है: एक रात का किराया 300 बाट है। इससे सस्ता होटल मिलना मुश्किल है। होटल साधारण और छोटा है, लेकिन साफ-सुथरा है। एयर कंडीशनिंग नहीं है, सिर्फ छत का पंखा है, लेकिन साल के इस समय के लिए इतना काफी है। प्रिचा नहाती है, फिर हम दोपहर के भोजन के लिए नीचे जाते हैं।

तो क्या आप मुझे यह मशहूर फोन दिखाने वाले हैं?

मैंने उसे वह उपकरण थमा दिया। वह स्तब्ध सा लग रहा था, उसे चलाने में असमर्थ। उसकी आँखें झपक रही थीं। मुझे अचानक अपनी नासमझी का एहसास हुआ। प्रिचा मेरी मदद नहीं कर सकता और मेरे किसी काम का नहीं। थाईलैंड तीस वर्षों में इतना बदल गया है जितना उसके पूरे इतिहास में नहीं बदला। वह हमारी पीढ़ी से कोसों दूर एक पीढ़ी का है, एक ऐसी पीढ़ी जो उस युग में अटकी हुई है जब पुरुष सारोंग पहनते थे, रेडियो सुनते थे और उनके पास न तो कंप्यूटर थे, न इंटरनेट, न मोबाइल फोन। प्रिचा 1976 में थम्मासैट के जाल से कभी नहीं निकल पाया। वह आज भी वहीं रहता है, पुलिस से घिरा हुआ, अपने अतीत के भूतों के साथ अपनी उग्र आशाओं में जकड़ा हुआ।

प्रिचा, तुम आखिर क्या ढूंढ रही हो?

— अंतिम बार बुलाए गए नंबर और उनका समय।

मैंने इन्हें पहले ही इस नोटबुक में लिख लिया है।

"तुमने सही किया," उसने राहत भरी मुस्कान के साथ फोन मुझे वापस देते हुए कहा। "हम सबको फोन करके पता लगाएंगे कि उसने आखिरी बार क्या-क्या किया था। और अब, चलो उस चीनी आदमी के घर चलते हैं जहाँ से तुम्हारी गर्लफ्रेंड ने फोन खरीदा था।"

हम मोटरसाइकिल से पटाया ताई वापस जाते हैं। मैं हर चीज़ का भुगतान करता हूँ क्योंकि मुझे शक है कि वह कंगाल है। मिस टेकीला ने मुझे जिस दुकान का पता दिया था, वह टुकॉम से ठीक पहले स्थित है, जो इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए मशहूर एक बड़ा शॉपिंग सेंटर है। एक चालाक सा दिखने वाला चीनी आदमी हम पर मुस्कुराता है।

क्या यह ऋण के लिए है?

नहीं, बस कुछ जानकारी।

वह आदमी अब मुस्कुरा नहीं रहा है। प्रिचा अपना मोबाइल फोन निकालती है।

क्या आप उसे पहचानते हैं?

— क्यों? क्या मुझे ऐसा करना चाहिए? ये सभी मॉडल एक जैसे दिखते हैं... है ना?

— तुमने ही तो इसे बेचा था। धातु पर मंत्र खुदे हुए नोकिया 8800 गोल्ड काफी दुर्लभ है।

दुकानदार ने संदेह भरा चेहरा बनाया और फिर घृणा से फोन को दो उंगलियों के बीच इस तरह पकड़ा जैसे वह कुत्ते की गंदगी को संभाल रहा हो।

— शायद, अगर आप ऐसा कहें तो। आप जानते हैं, मैंने उनमें से दर्जनों देखे हैं।

— मुझे लगता है कि आप विक्रेताओं के नाम रखते हैं?

मेरे पास तारीखों और नामों का एक रजिस्टर है।

क्या आप यह जांच सकते हैं कि क्या आपने लगभग एक महीने पहले नोकिया 8800 खरीदा था?

मैं देख तो सकता हूँ, लेकिन ग्राहकों से उनके कागजात कभी नहीं माँगता; मैं भरोसे और रसीदों के आधार पर काम करता हूँ। जमा राशि एक तरह का ऋण और रसीद है। अगर ग्राहक समय पर रसीद के साथ भुगतान नहीं करता, तो मैं ऋण चुकाने के लिए सामान को बिक्री के लिए रख देता हूँ। बस इतना ही!

चीनी व्यक्ति एक नोटबुक निकालता है।

— आपके द्वारा दी गई तारीख के ठीक बाद मेरे पास एक ही मॉडल के तीन डिपॉजिट हैं।

वह कागज के एक टुकड़े पर नाम और तारीखें लिखता है, लेकिन अपना हाथ उस पर टिकाए रखता है।

मैं आपको ये दे दूंगा, लेकिन पहले मेरा एक सवाल है।

- कौन ?

— मंत्रों वाला यह फोन महत्वपूर्ण क्यों है?

— यह मेरे एक दोस्त का था।

तो, उसे वह वापस मिल गया, है ना?

— एक दोस्त जिससे हमारी काफी समय से कोई संपर्क नहीं हुआ है।

बॉस शर्मिंदा लग रहा है।

— देखो, मुझे कोई परेशानी नहीं चाहिए।

"अगर तुम हमें वो नाम नहीं बताओगे, तो अगली बार पुलिस आकर तुमसे वो नाम मांगेगी," प्रिचा ने गुस्से से जवाब दिया।

बॉस अपनी ठुड्डी सहलाते हुए, विभिन्न समस्याओं की तुलना जल्दी से करने लगता है। वह अनिच्छा से काउंटर से अपना हाथ हटाता है। तीन नाम लिखे हुए हैं:

श्रीमती वटाना

एम. जिम

एम. फिशर

जाते समय प्रिचा ने अपना गुस्सा निकाला:

— कितना कमीना है! भरोसा! सुना तुमने? भरोसा। ये तो बस आम नाम हैं, दुकान में इनकी जाँच भी नहीं हुई। मिस्टर जिम...! लॉर्ड जिम क्यों नहीं...! ये तो बस एक चोर बाज़ारिया है, और कुछ नहीं।

हम प्रिचा के कमरे में बैठ गए। मैंने अपनी एड्रेस बुक खोली। मैंने कोलिया को फिर से कॉल किया, लेकिन उसका नंबर वॉइसमेल पर नहीं था; वह निष्क्रिय हो चुका था। दूसरे नंबर से भी कोई फायदा नहीं हुआ। मैंने अपने हेयरड्रेसर की मालकिन सोई बुआकाओ से संपर्क किया। तीसरी कॉल एक आंसरिंग मशीन पर गई, जिसमें कोई पहले से रिकॉर्ड किया हुआ संदेश नहीं था, जहाँ मैंने यूं ही एक संदेश छोड़ दिया। चौथा नंबर सेवा में नहीं था। शायद यह किसी ऐसे विदेशी का नंबर था जो यूरोप लौट गया हो।

अक्सर हमें वॉइसमेल मिलती है, और हमें पता भी नहीं चलता कि नंबर किसी थाई व्यक्ति का है या किसी विदेशी का। बीस मिनट बाद जाकर हमें कुछ सुराग मिलता है; नंबर क्राबी के एक होटल का है। मुझे हैरानी होती है कि उसने क्राबी के होटल में क्यों फोन किया होगा। रिसेप्शनिस्ट मेरे फोन का कारण जानने के लिए इंतजार करती है, इसलिए मैं बहाने बनाकर बात खत्म करने की कोशिश करता हूँ।

— मैं मिस साई चोमसाहिंग हूँ। मुझे अपनी बुकिंग याद नहीं है। क्या आप मुझे तारीखें याद दिला सकती हैं?

दूसरी ओर, एक विनम्र आवाज वाली युवती कीबोर्ड पर टाइप कर रही है।

— पिछले महीने की 26 तारीख को, आप नहीं आईं, और हमारी बुकिंग नीति के अनुसार हमने आपसे "अनुपस्थिति" के लिए एक रात का शुल्क लिया है। आपको अपनी जमा राशि वापस पाने के लिए कम से कम अड़तालीस घंटे पहले बुकिंग रद्द करनी चाहिए थी। सुश्री चोमसाहिंग, हम आपकी जमा राशि आपके कार्ड में वापस नहीं कर सकते।

मुझे जमा राशि याद नहीं है। क्या वह मेरे नाम पर थी?

यह कार्ड श्री निकोलाई कुज़नेत्सोव के नाम पर है।

— श्री कुज़नेत्सोव ने रद्द नहीं किया?

नहीं, किसी भी सूरत में, कंप्यूटरीकृत फाइल में ऐसा कुछ भी दर्ज नहीं है। इस संबंध में कोई अनुरोध भी नहीं किया गया है।

क्षमा कीजिए, लेकिन प्रवाह दर क्या है?

— एक रात का किराया एक सौ सत्तर डॉलर है।

धन्यवाद। एक आखिरी सवाल: क्या आप बता सकते हैं कि यह कार्ड किस बैंक से जुड़ा था? निकोलाई के कई खाते हैं, और इससे हमें लेन-देन की पहचान करने में मदद मिलेगी।

इसमें थोड़ा समय लग सकता है।

- मैं इंतजार कर सकता हूं।

लड़की अपने कीबोर्ड पर टाइप करती है और फिर से फोन उठा लेती है।

— निकोसिया में स्थित मेनाटेप बैंक।

- आपका बहुत-बहुत धन्यवाद !

मैंने फोन काट दिया। प्रिचा सोच में डूबी हुई है।

— उसकी जमा राशि भी वापस न मिलना अजीब बात है। लेकिन कम से कम हमें उसका नाम तो पता चल गया।

— आज रात मुझे काम पर जाना है, प्रिचा। मुझे तुम्हें अकेला छोड़ना पड़ेगा।

वह ईर्ष्या और चिड़चिड़ाहट भरी निगाहों से मेरी ओर देखता है।

— टेस क्लाइंट्स?

मुझे काम करना है।

— टॉय, तुम्हें पता है, पिछली बार जब मैं पटाया आया था, तब मैं तुम्हारी ही उम्र का था।

— उसके बाद से कभी नहीं?

- कभी नहीं।

- क्या यह अच्छा था?

कच्ची सड़कें, कुछ लकड़ी के बंगले। उस समय किसी ने इसकी कल्पना भी नहीं की होगी। किसी ने भी नहीं।

प्रिचा भाग्यवादी प्रतीत होती है।

— कभी-कभी मुझे ऐसा लगता है कि मैंने सब कुछ गड़बड़ कर दिया है।

आपको फिर से काम मिल जाएगा।

मैं तो बस एक सनकी बूढ़ा आदमी हूँ। मुझे कौन काम पर रखना चाहेगा?

- आप क्यों कहते हो कि?

बॉस आपस में मुश्किल लोगों की सूचियाँ बाँट रहे हैं। मेरे सामने हर दरवाजा बंद होता जा रहा है।

ऐसा मत कहो।

मैं बुरी तरह हार चुका हूँ, जिंदगी हारने वालों को पसंद नहीं करती।

*

* *

अगले दिन लिफाफा आ गया। महारानी माँ ने उसे मुझे सौंपते हुए कहा:

— देखो, एक मोटरसाइकिल टैक्सी वाला इसे तुम्हारे लिए लेकर आया है।

फिर, वह उत्सुकता से मेरे बगल में खड़ी हो जाती है। वह क्या चाहती है? मुझे अपने भीतर कुछ भारीपन महसूस होता है और मैं अपने कमरे में जाने का फैसला करता हूँ। मैं कागज फाड़ता हूँ और कुछ धातु की खनक के साथ बिस्तर के नीचे लुढ़क जाता है। मैं बिस्तर के नीचे उड़ रही धूल में हाथ डालता हूँ और एक

भारी, बेलनाकार वस्तु निकालता हूँ... एक गोली, रिवॉल्वर की गोली, वैसी ही जैसी पुलिस फिल्मों में दिखाई देती हैं। लिफाफे के अंदर, अंग्रेजी में लिखा हुआ एक कागज का टुकड़ा है।

अब साईं को भूल जाओ

अचानक, दुनिया का सारा बोझ मेरे कंधों पर आ गिरा। मैं कांपते हुए बिस्तर पर लेटा था, गेंद को कसकर पकड़े हुए। किसी ने, कहीं, साई को चोट पहुँचाई है। मैंने दर्जनों वॉइसमेल छोड़े हैं और कहीं किसी राक्षस को जगा दिया है। अब उसे पता है कि मैं उसे ढूंढ रहा हूँ। और उसे यह भी पता है कि मैं कौन हूँ और कहाँ काम करता हूँ।

मैं दो घंटे बाद लिफाफा जेब में रखकर वापस नीचे आ सका। महारानी ने मेरी तरफ तिरछी नज़र से देखा, मानो उन्हें पता न हो, इसलिए वे नाराज़ थीं। मैंने कुछ नियमित ग्राहकों से शराब ली ताकि मैं नशे में धुत होकर झूठी खुशी का एहसास फिर से जगा सकूँ।

पूक बार की कैटोई सिंथिया बैठी हुई है और शॉट्स ले रही है, उसके साथ एक लड़का है जो उसे मदहोश निगाहों से घूर रहा है। मुझे उम्मीद है कि उसे पता होगा कि वह एक लेडीबॉय है, क्योंकि सिंथिया सोई सिक्स की सबसे विश्वसनीय क्लोन है, और कुछ लड़कों को अपनी गलती का एहसास तभी होता है जब बेडरूम में माहौल बहुत गर्म हो जाता है।

> "क्या तुम हमारे साथ इंसोम्निया जाने के लिए तैयार हो?" उसने मुझसे पूछा।
>
> नहीं, मुझे काम करना है, सिंथिया। तुम्हारा क्या ख्याल है? मुझे तुम्हारी जैसी सफलता नहीं मिली है।
>
> चलो, चलते हैं। नहीं तो मैं अपने डचमैन के साथ बहुत ऊब जाऊंगी।
>
> क्या वो मेरे बार का खर्च उठा रहा है?
>
> — हाँ, मैं तुमसे कह रही हूँ। वो सब कुछ चुका देगा। इससे तुम्हारा ध्यान दूसरी चीज़ों से हट जाएगा, तुम बहुत बुरी लग रही हो।

वो सही कह रही है, मुझे बहुत बुरा लग रहा है। ग्राहक ने बिना कुछ कहे मेरे बार के जुर्माने का भुगतान कर दिया और दो हाइनेकेन बियर ऑर्डर कर दीं, जबकि मैं कपड़े बदलने के लिए ऊपर चली गई। जब से मुझे साई का फोन मिला है, मैं उदास और निराश महसूस कर रही हूँ। थोड़ी ताज़ी हवा लेना अच्छा रहेगा।

इंसोम्निया में डीजे हाउस और हिप हॉप का मिक्स बजा रहा है। डचमैन का नाम जूप है; वह बताता है कि वह फूलों की कंपनी में काम करता है। डांस फ्लोर पर अफरा-तफरी मची है। तरह-तरह के लोग ट्रान्स की धुन पर थिरक रहे हैं: टैंक टॉप पहने नौजवान, नए लोगों की तलाश में बेताब रिटायर्ड लोग, समूहों में नाचते अरब लोग, शरीर पर ढेर सारे टैटू वाले लोग, फुल मून पार्टी में जा रहे बैकपैकर्स, और टॉप्स सुपरमार्केट के कैशियर जो किराया चुकाने की कोशिश में लगे हैं। भीड़ बेस की दमदार ताल पर झूम रही है।

विशालकाय बाउंसर बेपरवाही से भीड़ का जायज़ा ले रहे हैं, ग्राहक नाचने में ज़्यादा दिलचस्पी रखते हैं, पीने में नहीं। बगल वाली मेज़ पर एक लंबा, आकर्षक गोरा आदमी बैठ गया है। वह तिरछी नज़र से, आधे मजे में, आधे शक से, एक गर्दन कटे शराबी को देख रहा है जो झुककर बैठा है, ज़ोर से बोलता है और अपनी प्रेमिका के साथ बदतमीज़ी करता है। उस शराबी का चेहरा किसी बर्बर सरदार जैसा है: लाल चेहरा, चौड़े जबड़े, गठीला शरीर, लटकती सुनहरी मूंछों के नीचे पसीने से चमकता हुआ। इस दुबले-पतले चेहरे के बीच में दो छोटी, पानी से भरी, शराबी आँखें चमक रही हैं। हम सब तनाव बढ़ता हुआ महसूस करते हैं। चार सुर गूंजते हैं, उसके बाद "हाँ..." की आवाज़ आती है। फिर अशर की आवाज़ बुलंद होती है: एक विलाप, एक चेतावनी की तरह।

बातचीत गंभीर हो गई, मुझे ऐसा लग रहा था जैसे वो भड़कने वाली हो (सावधान रहो, सावधान रहो) वो कह रही थी, आओ मुझे ले जाओ, आओ मुझे ले जाओ।

शराबी पास की मेज पर खड़ी एक लंबी, बकरी जैसे चेहरे वाली महिला के साथ इधर-उधर घूम रहा है। उसकी नियमित ग्राहक, एक छोटी, झुर्रियों वाली और चिड़चिड़ी दिखने वाली महिला, गुस्से में भड़कने से पहले उत्तेजित हो रही है। यह सब अचानक शुरू होता है। जैसे गर्मी के आसमान में बिजली चमकती है।

ऐसा मत करो! अगर तुमने ऐसा किया तो तुम्हारी मौत हो सकती है! अगर तुम पटाया में मरना चाहते हो, तो ज़रूर मरोगे।

लड़की शराबी को खाली बोतल से धमकाती है, तभी तीन बाउंसर उस जोड़े पर टूट पड़ते हैं। एक मिनट बाद, सभी को सुरक्षित बाहर निकाल दिया जाता है। साफ की गई मेज पर तीन युवा, भ्रमित अरब लोग बैठे हैं, जिन्होंने आधी रात में भी धूप का चश्मा पहना हुआ है। जब जूप शौचालय की ओर जाता है, तो सिंथिया मौका पाकर लंबे सुनहरे बालों वाले आदमी को अपना फोन नंबर दे देती है और फिर राहत महसूस कर रहे अपने विदेशी साथी को प्यार से गले लगा लेती है। तभी वह सुनहरा बालों वाला आदमी मेरी ओर मुड़ता है और कंधे उचका देता है।

शुभ संध्या, मेरा नाम कार्ल है। मैं स्विट्जरलैंड से हूँ।

*

* *

किसी चीज़ ने मुझे जगाया; ज़रूर वो प्यास होगी जो ज़्यादा पानी पीने पर मुझे जगाए रखती है। मुझे अपने बगल में कार्ल की गर्म साँसें महसूस हो रही हैं। मैं उठती हूँ; फ्रिज में पानी नहीं है। अगर मैं पानी लेने बाहर जाऊँगी, तो उसे जगाए बिना वापस नहीं आ पाऊँगी। अचानक, एक हल्की धातु जैसी आवाज़ से मैं चौंक जाती हूँ। मुझे अजीब सा एहसास होता है कि किसी ने दरवाज़ा खोलने की कोशिश की है, जो अंदर से बंद है। एक भयानक डर मुझे जकड़ लेता है। मैं कटे-फटे शवों के बारे में सोचती हूँ, साई के गायब होने के बारे में। क्या पता कोई आदमी पटाया में घूम रहा हो, नए शिकारों की तलाश में, रात में होटलों में आकर लड़कियों को सोते समय अगवा कर रहा हो? मैं नग्न हूँ, फ्रिज के पास खड़ी हूँ, दरवाज़े से बस एक मीटर दूर। मेरी आँखें डर से भरी हुई हैं, हैंडल पर टिकी हैं; वह हिल नहीं रहा है। लेकिन पतले दरवाज़े के पीछे, मुझे एक परेशान करने वाली मौजूदगी, एक अदृश्य खतरा महसूस होता है। कुछ ऐसा जो जीवित है, जो सोचता है, एक ऐसा प्राणी जो रात के सन्नाटे में छिपे एक दुष्ट जानवर की तरह धीरे-धीरे साँस ले रहा है। एक शिकारी घात लगाए बैठा है, देख रहा है, किसी चीज़ का इंतज़ार कर रहा है। मुझे बूढ़े टुक के शब्द याद आते हैं, वह पैतृक सहज प्रवृत्ति जो कुछ गड़बड़ होने पर खतरे की घंटी बजा देती है, वह पशुवत अंतर्ज्ञान जो हमारी रक्षा करता है।

काफी देर बाद, मैं खुद को समझाती हूँ कि शायद कोई नशे में धुत मेहमान कमरे का नंबर भूल गया होगा। मुझे आश्चर्य होता है कि दरवाजे के नीचे से कोई रोशनी नहीं दिख रही; गलियारा पूरे समय अंधेरे में डूबा हुआ था। जैसे ही मैं वापस बिस्तर पर जाने का फैसला करती हूँ, मुझे फिर से तनाव में धातु की हल्की सी हलचल महसूस होती है। कोई खामोश ताकत हैंडल पर काम कर रही है। कोई धक्का दे रहा है, कोशिश कर रहा है कि कोई आवाज़ न निकले। मैं डर से कांप जाती हूँ; वह एल्युमिनियम का हैंडल बहुत नाजुक लगता है। मेरे पैर कांपने लगते हैं, और गिरने से बचने के लिए मैं अपना हाथ फ्रिज पर रख देती हूँ। शोर मचाने के डर से मैं कार्ल को हिलाने के लिए बिस्तर की ओर जाने की हिम्मत नहीं करती। मैं तो सांस भी रोक लेती हूँ, डर से जम जाती हूँ। यह काफी देर तक चलता रहता है, और कुछ नहीं होता। हॉलवे की बत्ती जल जाती है, मुझे लिफ्ट हमारे फ्लोर पर रुकने की आवाज़ सुनाई देती है, पुरुषों की आवाज़ें किसी विदेशी भाषा में कर्कश लहजे में ज़ोर-ज़ोर से सुनाई देती हैं। फिर हॉलवे में टाइमर बंद हो जाता है, और मुझे कोई आवाज़ नहीं सुनाई देती। ऐसा लगता है जैसे आवाज़ों ने भूत को हॉलवे से भगा

दिया हो। मुझे बस असहनीय प्यास महसूस हो रही है। मैं खुद को यकीन दिलाती हूँ कि मैंने यह सब सपना देखा था, मुझे लगने लगता है कि मैं पागल हो रही हूँ। शराब, एम्फ़ैटेमिन, यह अस्त-व्यस्त जीवन, साई के गायब होने का दुख... सब मिलकर मेरे दिमाग को सड़ा रहे हैं।

अगले दिन जब मैं उठी, तो कमरे में खूबसूरत धूप खिली हुई थी। रात भर की चिंताएँ दूर हो गई थीं; मेरे डर अचानक बेतुके लगने लगे। कार्ल को सुकून का एहसास हो रहा था; उसने अपनी पीठ के पीछे दो तकिए रखे और टीवी पर समाचार देखते हुए उन्हें फुलाया। मुझे भी नींद आ गई, और जब मैं उठी, तो वह पहले से ही खड़ा था, तरोताज़ा लग रहा था, एकदम इस्त्री की हुई हल्के रंग की लिनेन की पैंट और नाविकों जैसी धारीदार टी-शर्ट पहने हुए। मूर्ख दिखने के डर से मैंने रात भर की अपनी चिंताओं को अपने तक ही सीमित रखा। उसने बिना कुछ कहे मेरे पर्स में दो हज़ार बात रख दिए। बड़ी ही शालीनता से। उसकी नीली आँखों और सुनहरी त्वचा ने मुझे जहाज़ वाली लड़की की याद दिला दी, एक ऐसी तेजस्वी शख्सियत जो किसी दूसरी दुनिया से आई हो।

"क्या तुम मेरे साथ नाश्ता करने रुकोगे?" उसने मुझसे अंग्रेजी में पूछा।

— अगर आप चाहें तो? मैं अभी नहा रहा हूँ।

- क्या मुझे आपसे एक सवाल पूछने की अनुमति है?

- आगे बढ़ो...

इससे पहले आप क्या करते थे?

— किससे पहले...? वेश्या बनने से पहले?

— मेरा मतलब वो नहीं था... पटाया से पहले।

मुझसे शर्माओ मत, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मुझे परवाह नहीं। मैं बैंकॉक में कपड़ा निर्माण कंपनी में काम करता था। वांग थाई टेक्सटाइल... जानते हो ना?

नहीं, क्या मुझे ऐसा करना चाहिए?

नहीं, वांग थाई को कोई नहीं जानता। यह कोई ब्रांड नहीं है, बस एक निर्माता या उपठेकेदार है।

होटल के बगीचे में, मेजों पर सुंदर सफेद लिनेन के कपड़े बिछे हैं। मुस्कुराते हुए कर्मचारी हमें कई स्वादिष्ट चीजें परोसते हैं: स्मोक्ड सैल्मन, ताज़ा क्रोइसैन, असली संतरे का रस।

— और पटाया के बाद? आपकी क्या योजना है? उसने टोस्ट पर मक्खन लगाते हुए पूछा।

मुझे नहीं पता, मैं फिलहाल इसके बारे में सोचने की कोशिश नहीं कर रहा हूँ... मैं चीजों को उनके घटित होने के अनुसार स्वीकार कर रहा हूँ।

क्या आपको वाकई यह जीवन पसंद है?

— कभी-कभी हां... जब मैं अपनी सहेलियों के साथ हंसी-मजाक कर रही होती हूं... कभी-कभी नहीं, जब मेरी मुलाकात किसी बदतमीज़ इंसान से हो जाती है। मुझे लगता है कि यह सबके साथ ऐसा ही होता है, है ना? और आप, आप क्या काम करते हैं?

कार्ल एस्प्रेसो का एक और घूंट लेता है, उसके चेहरे पर गहरी खुशी झलकती है। वह हर पल का आनंद ले रहा है। कप में कॉफी से भाप निकल रही है। वह अपना क्रोइसैन्ट उसमें डुबोता है।

— फार्मेसी में।

क्या आपकी कोई फार्मेसी है?

नहीं, एक ऐसी कंपनी में जो दवाइयां बनाती है।

वाह! और इसमें अच्छी कमाई भी होती है?

- आप कैसे हैं...

क्या आप अक्सर पटाया आते हैं?

— हां, मेरी एक गर्लफ्रेंड थी...

— आह...!

— अवंत.

— एट ?

हमारा ब्रेकअप हो गया... या यूं कहें कि मेरा ब्रेकअप हो गया... वो बहुत परेशान करने वाली थी। मैंने उसके साथ बहुत बुरा समय बिताया।

वो कॉफी में भीगे क्रोइसैन को चूस रहा है। पीछे वाले कमरे में टीवी चल रहा है। अनजाने में ही चलती हुई तस्वीर पर मेरी नज़र पड़ती है। "प्रिजन ब्रेक्स" दोबारा दिखाया जा रहा है। मैं माइकल स्कोफील्ड को पहचानता हूँ, जिसकी पीठ पर जेल का नक्शा टैटू है। एकदम असली दबंग, अपने भाई लिंकन बरोज़ को जेल से छुड़ाने के लिए कुछ भी करने को तैयार। मैंने हमेशा सोचा है कि दोनों भाइयों का सरनेम एक जैसा क्यों नहीं है। ज़रूर कुछ तो बात होगी, लेकिन लगता है मैंने वो एपिसोड मिस कर दिया। ब्लू नाइल के मेरे दोस्त और मैं सोफन केबल टीवी पर ये शो देखते हैं। माँ को भी ये शो बहुत पसंद है। मैं उस कमीने टी-बैग को उसकी धूर्त आँखों और पागलों जैसी मुस्कान से पहचानता हूँ। जैसे ही वो स्क्रीन पर आता है, हम सब काँप उठते हैं, हमें यकीन हो जाता है कि वो कोई गंदी चाल चलने वाला है।

कार्ल मुझे खाते हुए देखता है, फिर मेरी तस्वीरें खींचना चाहता है। मुझे असहज महसूस होता है, मैं कहती हूँ... बस करो... मुझे अपनी तस्वीर खिंचवाना पसंद नहीं है। फिर वह सुझाव देता है कि हम पूरा दिन साथ बिताएँ। मैं उसे अलग नज़र से देखती हूँ, मैं हाँ कहने में हिचकिचाती हूँ, आखिर मैं उसके साथ खुश हूँ। अचानक, मेरे फोन का अलार्म बज उठता है। धिक्कार है, मैं प्रिचा के साथ अपनी डेट के बारे में पूरी तरह भूल गई थी। जाने से पहले, मैं कार्ल से कहती हूँ:

— माफ कीजिए, मुझे अब जाना होगा।

*

* *

मुझे प्रिचा को उसके होटल से लेने जाना है। मुझे देर हो रही है। अजीब बात है कि वह, जो कारखाने में काम करने वाले बाकी लोगों की तरह हमेशा जल्दी उठ जाता है, अभी तक नहीं उठा है और रिसेप्शन से आने वाली कॉल का जवाब भी नहीं दे रहा है।

मुझे जानने वाले चौकीदार ने मुझे ऊपर जाकर उसके दरवाजे पर दस्तक देने की इजाजत दे दी। पाँच मिनट बाद, प्रिचा ने आखिरकार दरवाजा खोला। उसने अजीब से दिखने वाले पायजामे पहने हुए थे, जो साफ तौर पर अभी-अभी बदले थे। उसके बाल बिखरे हुए थे और वह अधनी नींद में लग रहा था। उसने मुझे अंदर नहीं आने दिया और कहा कि कमरा गंदा है। धुंधली रोशनी में, मैंने कई खाली बोतलें देखीं। बिना हैरानी जताए, मैंने उसे बताया कि कुछ नया है और उससे कहा कि जब वह तैयार हो जाए तो होटल के सामने वाले ढाबे पर मुझसे मिले।

जब वह पहुंचा, तब तक मेरा दिमाग अभी भी सुस्त था और मैं पहले से ही चावल का सूप पी रहा था।

— क्या आप सूप पीना चाहेंगे? यह गरमा गरम और पेट भरने वाला है।

वह भूख न लगने का नाटक करता है, अपने थके-हारे चेहरे के बावजूद यह मानने की हिम्मत नहीं करता कि वह पिछली रात की शराब के नशे को उतारने के लिए सो रहा है। मैंने उसे इस हालत में पहली बार देखा है। इतना बंजर रास्ता चुनकर बेरोज़गार होना और सत्ता में सैन्य शासन होना कितना मुश्किल होगा! उसकी नज़र मेज़ पर रखे लिफ़ाफ़े पर पड़ती है।

- यह क्या है ?

इसे खोलकर देखें, आपको पता चल जाएगा।

वह अपना हाथ लिफाफे में डालता है, गेंद निकालता है, फिर संदेश पढ़ता है।

वाह, ये तो बहुत ही बढ़िया गहना है... तुमने इसे कब खरीदा?

— कल दोपहर को, लेकिन मैं आपको इसके बारे में पहले नहीं बताना चाहता था।

— आपने जिन लोगों को फोन किया था उनमें से एक...

— बस फर्क इतना था कि हमने उनमें से दर्जनों को फोन किया...

मुझे अब समझ नहीं आ रहा कि इस बारे में क्या सोचूं। भला कौन उसे नुकसान पहुंचाना चाहेगा?

मुझे नहीं पता। एक कोलिया नाम का आदमी है। ये सारा क्राबी का मामला अजीब है। एक स्वीडिश जोड़ा भी था। मैंने उन दोनों को फिर कभी नहीं देखा।

क्या आप किसी और चीज़ के बारे में सोच रहे हैं?

मुझे बिल्कुल भी जानकारी नहीं है। हम शायद पूरी तरह से गलत हैं। जिस रात लोगों को पकड़ा गया, उस रात तो पूरी तरह से अफरा-तफरी मची हुई थी।

- कोई और नहीं?

— प्रिचा, तुम्हें पता है, साई के बारे में मेरी राय गलत थी।

— धोखा दिया? आपका क्या मतलब है?

साई दिखने में खुली और हंसमुख लगती थी, लेकिन अब मुझे पता चल रहा है कि यह सिर्फ दिखावा था। वह एक रहस्यमयी लड़की थी। मुझे लगता था कि मैं उसकी जिंदगी के बारे में सब जानती हूँ, लेकिन मैं गलत थी। वह पैसों के लिए ताश खेलती थी और कई ऐसे लड़कों के साथ घूमती थी जिन्हें मैं जानती भी नहीं थी। कभी-कभी वह कई दिनों तक गायब हो जाती थी, और कहती थी कि वह कोलिया के साथ है, लेकिन मुझे सच्चाई नहीं पता। वह बैंकॉक की लड़कियों के साथ भी घूमती थी, शायद पटाया में भी।

शहर के ऊपर आसमान तेज़ी से काला हो रहा है। मूसलाधार बारिश होने वाली है। हम एक नए बरसात के मौसम में प्रवेश कर रहे हैं। हवा में तूफ़ान की गंध फैली हुई है, और तेज़ हवा के झोंके सड़कों से धूल उड़ा रहे हैं। अचानक, बिना किसी चेतावनी के, सोई बुआखाओ पर मूसलाधार बारिश होने लगती है। रेस्तरां की छत से पानी टपकने लगता है। प्रिचा अपने बालों से बारिश की बूँदें झाड़ने के लिए हाथ फेरता है। मैं उसके सिर के ऊपर कम होते बालों को लेकर उसे चिढ़ाता हूँ। प्रिचा मुझे एक स्नेही पिता की तरह गले लगा लेता है। उसका भीगा हुआ गाल मेरे चेहरे पर ठंडा लगता है।

अचानक मेरी जेब से केली रॉलैंड की आवाज़ आती है... मैं कुछ भी कर लूँ... साई के मोबाइल फोन पर एक अनजान नंबर दिखाई देता है। मैं जवाब देता हूँ:

हैलो!

एक आदमी की अंग्रेजी आवाज मुझसे पूछती है:

— क्या मैं साई से बात कर सकता हूँ?

— मैं साई हूँ।

नहीं, आप साईं नहीं हैं। मैं उनकी आवाज़ पहचानता हूँ। कृपया मेरे लिए वो आवाज़ चला दीजिए।

- और आप कौन है?

— एक दोस्त। बस एक दोस्त जिसके पास उसे देने के लिए कुछ है। कृपया इसे मुझे दे दीजिए!

- आपका क्या नाम है ?

"यह मामला सिर्फ मेरे और उसके बीच का है। मैं बस उससे दोबारा मिलना चाहता हूँ। मुझे बताओ तुम कहाँ हो; शायद मैं तुम्हें उसके लिए कुछ बता सकूँ अगर वह सच में मुझसे नहीं मिलना चाहती।"

— सोई बुआखाओ पर बड़े बाजार से पहले दाईं ओर स्थित आखिरी रेस्तरां।

*

* *

लगातार, धीमी और कष्टदायक बारिश हो रही है। पूरा शहर जलमग्न हो रहा है। एक काली निसान एसयूवी धीरे-धीरे पार्किंग में आकर रुकती है। तीस वर्ष का एक दुबला-पतला आदमी मूसलाधार बारिश में बाहर निकलता है, उसके हाथ में एक काला, अपारदर्शी पैकेट है। उसकी फुर्तीली चाल किसी एथलीट या सैनिक की याद दिलाती है। वह एक पल के लिए संभलकर रुकता है, फिर एक खाली मेज पर शरण लेता है और अपना मोबाइल फोन निकालता है। जब मेरी जेब से केली रॉलैंड की आवाज़ आती है, तो वह बिना किसी झिझक के मुड़ता है और अपना हाथ बढ़ाता है।

— गैब्रियल।

हम उनका अभिवादन करने के लिए खड़े हो जाते हैं। उनका सुडौल, हड्डियों से बना चेहरा आश्चर्यजनक रूप से भावपूर्ण है, जैसे कभी-कभी लड़कियों का चेहरा होता है। दुबला-पतला शरीर, नीली आँखें, चौड़ा माथा और छोटे बाल, उन्हें देखकर कोई भी आसानी से उन्हें एक सेना अधिकारी समझ सकता है।

— टॉय और प्रिचा। साई के सहकर्मी।

- सहकर्मी?

— हमने बैंकॉक में साथ काम किया था।

— आह! लगता है ये उनकी कपड़ों की फैक्ट्री है!

उसने यह बात तिरस्कारपूर्ण लहजे में कही, मुझे पहले से ही यह आभास हो रहा है कि प्रिचा उसे कुछ हद तक शत्रुता की भावना से देखती है।

साईं कहाँ है?

- हमें पता नहीं।

— आपको कैसे नहीं पता? क्या वो उसका फोन है?

उसकी आवाज थोड़ी ऊंची हो गई; वह घबराया हुआ लग रहा था। प्रिचा ने उसे गौर से देखा:

आप उसे कैसे जानते हैं?

— तीन महीने पहले मुझे अनिद्रा हो गई थी। मैं बस उससे दोबारा मिलना चाहता था, लेकिन जब से मैं यहाँ आया हूँ, उससे संपर्क नहीं हो पाया है। मेरे पास उसके लिए एक उपहार था।

वह घबराते हुए ड्यूटी फ्री लिखे हुए किंग पावर बैग को मेज पर रख देता है। वह चिड़चिड़ा लग रहा है।

अगर वो अब मुझसे मिलना नहीं चाहती, तो मुझे सीधे-सीधे बता देना ज्यादा आसान होगा, है ना?

हमने ऐसा नहीं कहा।

— वो किसी और लड़के के साथ है, क्या यही बात है?

मैंने आंखें बंद कर लीं और साई की छुट्टियों की तस्वीरें याद करने की कोशिश की। मुझे गैब्रियल नाम का कोई व्यक्ति याद नहीं आ रहा। क्या साई के जितने अफेयर थे, उसने उससे कहीं ज़्यादा थे? शायद कई जॉन थे? या शायद जॉन नाम का कोई व्यक्ति था ही नहीं, बल्कि वह सिर्फ़ एक छद्म नाम था जिसके पीछे उसने अपने कई प्रायोजकों को छिपा रखा था। मुझे तो नियमित पैसों के लेन-देन पर भी शक होने लगा है। हमारे सामने यह आदमी कौन है? विदेशी चेहरों को पहचानना हमेशा आसान नहीं होता। मैं उसकी हल्की चमकती आंखों को पढ़ने की कोशिश करती हूं। साई कौन थी? मैं उसकी ओर मुड़ती हूं:

हम एक ही कमरे में रहते थे। और फिर, एक शाम, साई गायब हो गया।

— गायब? बिना किसी चेतावनी के?

- बिना चेतावनी के

- कब से?

एक महीने से ज़्यादा हो गया! तब से कोई खबर नहीं मिली। मुझे उसका फोन संयोग से एक गिरवी की दुकान में मिला।

— एक महीना? क्या आपने उसके परिवार, उसके दोस्तों से संपर्क किया है?

— किसी को कोई खबर नहीं है। आप थाईलैंड कब पहुंचे?

— दो हफ्ते पहले और मैं अगले सप्ताहांत फिर से जा रहा हूँ।

प्रिचा, जो अब तक चुप थी, अचानक उससे पूछने लगी:

क्या आपके पास आपका पासपोर्ट है?

वह व्यक्ति थोड़ा पीछे की ओर हिलता है:

— तो, आप संदेह करने वाले व्यक्ति लगते हैं।

— हमारा दोस्त लापता हो गया है, इससे सावधानी बरतना जायज हो जाता है, है ना?

एक चुनौती भरे हावभाव के साथ, वह प्रिचा को एक गहरे नीले रंग का पासपोर्ट देता है, जिसे लेने के बाद वह झुककर उस पर लगे रंगीन मुहरों को समझने की कोशिश करता है। वह सीमा शुल्क अधिकारी की तरह बड़ी सावधानी से पन्ने पलटता है और अंत में एक स्टेपल किए हुए पन्ने पर रुकता है। वह उसे बंद करता है, मुझे देता है और थाई भाषा में कहता है:

उन्होंने संदेह भरे लहजे में कहा, "वह केवल दो सप्ताह से थाईलैंड में है।"

— जब तक कि इस सज्जन के पास दूसरा पासपोर्ट न हो।

जैसे ही मैंने पासपोर्ट उस व्यक्ति को वापस दिया, मैंने कवर पर एक कंगारू को शुतुरमुर्ग की आंखों में देखते हुए देखा और उसके नीचे ऑस्ट्रेलिया शब्द लिखा हुआ था।

*

* *

मुझे नहीं पता कि उसने मुझे कैसे ढूंढ लिया। पिछली बार तो मैं चोर की तरह बिना अपना फोन दिए ही चली गई थी। मुझे बस इतना पता है कि अभी वह मेरे बगल में लाल विनाइल सोफे पर बैठा है। सात बज रहे हैं और बहुत सी लड़कियां बाहर ठंडी शाम की हवा का आनंद ले रही हैं, दोपहर के ग्राहकों और रात के उन ग्राहकों के बीच थोड़ा आराम कर रही हैं जिन्होंने अभी तक खाना नहीं खाया है। कार्ल जब से आया है तब से यही बात कह रहा है:

— पिछली रात से मैं तुम्हारे बारे में सोचना बंद नहीं कर पाया हूँ।

मैं उसके बालों की एक लट चूसती हूँ, और उसे उदास मुस्कान बिखेरते हुए देखती हूँ। यह सच है कि उसके साथ मेरा रिश्ता दूसरों जैसा नहीं था। फ्रांस्वा जैसा भी नहीं। शायद कहीं बीच में... किसी भी तरह से बुरा नहीं था। मैं उसे घूरती हूँ। उसके मन में क्या चल रहा है? वह प्यार के बारे में बात नहीं करता, लेकिन उसका व्यवहार ऐसा है मानो वह प्यार कर रहा हो। मैं उससे पूछती हूँ कि उसने मुझे दोबारा कैसे पाया, और वह जवाब देता है:

सिंथिया ने मुझे बताया कि आप कहाँ काम करते हैं।

वह मुझे डायमंड नाम के एक स्विस रेस्टोरेंट में डिनर के लिए ले जाता है, जो ऊंचे पहाड़ों की तस्वीरों से सजा हुआ है। मालिक थोड़ा मोटा है, लेकिन बहुत मिलनसार है और लगता है उसका दोस्त है। कार्ल मुझे मीट पर पिघले हुए पनीर की एक डिश चखने को देता है; यह थोड़ी नमकीन है, लेकिन स्वादिष्ट है। मुझे पता चलता है कि मुझे वाइन पसंद नहीं है, लेकिन पनीर बहुत पसंद है। कार्ल वहां सबको जानता है; वह मुझे बताता है कि यह सामान्य बात है, स्विट्जरलैंड एक छोटा देश है, इसान से भी छोटा।

होटल पहुँचकर वह मेरे बगल में लेट गया और मुझे कोमल चुम्बनों से सराबोर कर दिया, जो पहले से कहीं ज़्यादा कोमल और जोशीले थे। मुझे लगता है कि अब मैं उसे अलग नज़र से देखने लगी थी, जैसे किसी क्लब में मिला कोई ग्राहक। उसने मेरे साथ सम्मान से व्यवहार किया, जैसे किसी आम लड़की के साथ। मुझे तब बहुत अच्छा लगा जब उसने कहा:

मैं सिंथिया को धन्यवाद दे सकता हूँ।

*

* *

मैं बिस्तर पर एकदम सीधा बैठ गया, मेरी आँखें खुली हुई थीं। मैं पसीने से भीगा हुआ था, एक भयानक बुरा सपना था। एक दुष्ट साया मेरा पीछा कर रहा था जो मुझे नष्ट करना चाहता था। मेरे बगल में शांति से सो रहे कार्ल की साँसें मुझे सुनाई दे रही थीं। मैंने चादर से अपना पसीना पोंछा, और जैसे ही मैं लेटने वाला था, मुझे दरवाजे के पीछे से साँसें सुनाई दीं। यह एक धीमी साँस थी, लगभग सिसकी जैसी, जैसे किसी घायल जानवर या दुखी बच्चे की। मैं पागल नहीं था। भूत की तरह पीला पड़कर, मैंने अपना फोन चालू किया, कार्ल को हिलाया और उसे आवाज़ न करने देने के लिए उसका मुँह अपने हाथ से ढक दिया। उसने हैरानी से अपनी आँखें खोलीं। मैंने उसे चुप रहने का इशारा किया, फिर दरवाजे की ओर इशारा किया। उसने सिर हिलाकर मुझे बताया कि वह समझ गया है।

हम चौंक जाते हैं: एक आकृति दरवाजे से सटकर सरकती है और हिचकिचाते हुए हाथ से उसे छूती हुई प्रतीत होती है। फिर, लंबे समय तक सन्नाटा छा जाता है। जब मुझे लगता है कि सब खत्म हो गया है, तभी हलचल फिर से शुरू हो जाती है, बाहरी दीवार से टकराती हुई। कार्ल और भी चिंतित लग रहा है। वह उठने की कोशिश करता है, लेकिन जैसे ही वह करवट बदलता है, उसके कारण पलंग के स्प्रिंग चरमरा उठते हैं।

अचानक, एक भयंकर तूफान दरवाजे पर टूट पड़ता है। एक राक्षस दरवाजे पर ज़ोर-ज़ोर से दस्तक देता है।

> — मैं तुम्हारी बात सुन रहा हूँ... मुझे पता है तुम यहाँ एक कुतिया के साथ हो... मैं चाहता हूँ कि तुम खुले दरवाज़े से बाहर जाओ...

वह मेरे कान में फुसफुसाता है।

> — अब मुझे समझ आया। वो मेरी पूर्व प्रेमिका प्लोई है। मेरा उससे रिश्ता खत्म हो गया है, लेकिन वो अब भी बहुत ईर्ष्यालु है।

पहले तो मुझे राहत मिली। बस एक ईर्ष्यालु लड़की अपने अय्याश ग्राहक को परेशान कर रही थी। उसने प्लोय से नाता तोड़ लिया, लेकिन लगता है कि उससे नहीं। पटाया में तो यही सब चलता रहता है, लेकिन मुझे किसी अनहोनी की आशंका सता रही है। हम कोई आवाज़ नहीं कर रहे हैं, लेकिन उसे पता है कि वह यहाँ है। चाबी रिसेप्शन पर नहीं थी। गार्ड ने उसे अंदर क्यों आने दिया? कार्ल भी यही सोच रहा होगा। अब वो लड़की दरवाज़े के बाहर से धमकी दे रही है।

> मुझे पता है तुम एक कमीनी औरत के साथ हो... अगर तुमने कोई नई औरत ढूंढी तो मैं तुम्हें मार डालूँगी... उसे भी मार डालूँगी। मैं एक लेडीबार हूँ, पर मैं कोई घटिया औरत नहीं हूँ। मेरे साथ ऐसा मत करना।

प्लोय-ला-बारजो बाररूम अंग्रेज़ी और इसान बोली के मिश्रण में पागलों की तरह चीखती है। वह धमकी देती है कि वह उसके गुप्तांगों को मांस काटने वाले चाकू से काटकर सूअरों को खिला देगी, फिर अपनी कलाई काटकर आत्महत्या करने की धमकी देती है। दरवाजे ज़ोर से बंद होते हैं; वह पूरे होटल को जगा देती है। लिफ्ट का दरवाजा खुलता है, और वह बेवकूफ सुरक्षा गार्ड आखिरकार सामने आता है। आखिर वह यहाँ क्या कर रहा था? वह उसे तुरंत चले जाने का आदेश देता है। वह मना कर देती है, कहती है कि वह यहीं रहती है, और अपने कमरे में वापस जाने की ज़िद करती है। वह उससे भी ज़्यादा ज़ोर से चिल्लाती है, पूरी तरह से आपा खो बैठी है। आखिरकार, गार्ड, जो पहले तो विनम्र था, सचमुच गुस्से में आ जाता है और पुलिस को बुला लेता है। वह पागल औरत जाने का फैसला करती है, थाई भाषा में अश्लील धमकियाँ देती है, जो शुक्र है कि कार्ल को समझ नहीं आती।

पूरी रात मुझे ज़रा भी नींद नहीं आई, मुझे पक्का यकीन था कि वो पागल औरत वापस आएगी और दरवाज़ा खरोंचेगी। नशे में धुत लड़कियाँ बॉक्स कटर चलाने में ज़रा भी नहीं हिचकिचातीं। अगले दिन, कार्ल ने साथ में नाश्ता करने का सुझाव दिया। मैंने बगीचे में सजी मेज़ों को बड़ी हसरत से देखा, लेकिन विनम्रता से मना कर दिया। उसके साथ नाश्ता करना अच्छा था, लेकिन होटल में गुस्से से भरी, नफ़रत से उबलती हुई पूर्व प्रेमिका के घूमने के ख्याल ने मेरी भूख बिल्कुल मिटा दी। फिलहाल, उसे पता नहीं है कि मैं कैसी दिखती हूँ, और बेहतर यही है कि उसे कभी पता न चले।

अगर मुझ पर बॉक्स कटर से हमला हो जाए तो मेरे परिवार की देखभाल कौन करेगा?

*

* *

नील नदी के किनारे, या हमारे टूटे हुए भाग्य और पनपती नफरतों के छोटे से राज्य पर सर्वोच्च शासन करती है। जब एक विदेशी उससे दीर्घकालिक अनुबंध स्वीकार करने की विनती करता है, तो या उसे स्पष्ट रूप से जवाब देती है:

मुझे लंबे समय तक सोना पसंद नहीं है। मैं बहुत मेहनत करती हूँ, मुझे सोने की ज़रूरत है। मेरी योनि को आराम चाहिए।

वह इस नियम का कभी उल्लंघन नहीं करती; वह खूब सोती है। उसने पढ़ा है कि इससे त्वचा में निखार आता है। और फिर, उसके कई प्रेमी हैं। यहाँ भी, वह एक सफल व्यवसायी की तरह नए-नए तरीके

अपनाती है, और उन विदेशियों को एक ही ईमेल भेजती है जो उसे हर महीने पैसे भेजते हैं... ngoen duan... थाई भाषा में वेतन, लेकिन साथ ही आमदनी भी।

> मैं अपने "वेस्टर्न यूनियन" के ग्राहकों को वही बताता हूँ जो वे सुनना चाहते हैं। अमीर बनने का यही तरीका है।

वह अपने ईमेल अकाउंट yaathaigirl36@yahoo.com में लगभग दस टेम्पलेट पत्र सहेज कर रखती है... एक शाम, मैं उसके साथ गली 6 के निचले हिस्से में स्थित इंटरनेट कैफे गई, जहाँ वह अक्सर जाती है। उसने प्राप्त पाँच संदेशों को प्रिंट करवाया ताकि इंटरनेट कैफे की लड़की उनका अनुवाद कर सके। उसके बाद, वह अपने ड्राफ्ट फाइल में से टेम्पलेट पत्र ढूंढकर अपने सभी दोस्तों को भेजने लगी।

उसने मेरे लिए इसका अनुवाद किया:

> मेरी जान,
>
> मुझे भी तुम्हारी बहुत याद आती है। हर रात मैं तुम्हारे बारे में सोचती हूँ। मुझे पता है कि तुम भी मुझे याद करते हो और इस काम को छोड़ने में मेरी मदद करने की पूरी कोशिश करते हो। मेरी और मेरे परिवार की मदद करने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। आशा है तुम ठीक होगे। किसी विदेशी महिला के साथ मत उलझना, मुझे जलन होती है क्योंकि मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूँ। कभी-कभी, तुम्हारे बारे में सोचकर मेरी आँखों में आंसू आ जाते हैं, तुम मेरे साथ बहुत अच्छे थे। मैं तुम्हारे जल्द वापस आने का इंतजार कर रही हूँ। मैं चाहती हूँ कि तुम जानो कि मैं तुमसे प्यार करती हूँ।
>
> बहुत सारे चुंबन।
>
> तुम्हारी प्यारी या

एक उंगली से वह बालों की एक लट को अपने कान के पीछे दबाती है:

> — कभी भी पहला नाम इस्तेमाल न करें, केवल सामान्य शब्द का प्रयोग करें। गलती से बचने का यही एकमात्र तरीका है।

जब मैं घर पहुंची, तो मैंने या से साई को लेकर अपनी चिंताओं के बारे में बात की। उसने जवाब दिया:

> महारानी माँ से बात कीजिए, उन्हें एक पूर्व पुलिसकर्मी की जानकारी है जो मामले बिगड़ने पर पुलिस से उनकी मदद करते हैं। मुझे यकीन है कि वे आपकी मदद कर सकती हैं।

XV

"सिर्फ इसलिए कि खुन थानवत एक पूर्व पुलिसकर्मी हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि वह ईमानदार नहीं हैं, कम से कम अपने ग्राहकों के साथ तो नहीं," मैम ने जोर देकर कहा।

मैम के अनुसार, इस पूर्व पुलिस अधिकारी ने अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने का फैसला किया और पटाया के कई संदिग्ध मामलों को सुलझाकर अपना गुजारा करते हैं। मामासन मेरी ओर झुकती हैं और सिंघा बियर के एक कोस्टर पर अपना नंबर लिखती हैं।

मुझे नहीं लगता कि स्वतंत्र पुलिसकर्मी के तौर पर उसकी कमाई ज़्यादा होती है, लेकिन कुछ चीज़ें ऐसी होती हैं जिन्हें कुछ समय बाद बर्दाश्त करना मुश्किल हो जाता है। लगता है, पुलिसकर्मियों की नई पीढ़ी के साथ हालात बदल रहे हैं। मुझे ठीक से पता नहीं।

— क्या आपको लगता है कि वह मेरी मदद कर सकता है, माँ?

कहना मुश्किल है। मैं उसे ज़्यादा अच्छे से नहीं जानता। उसका मुख्य धंधा ईर्ष्यालु विदेशियों के लिए लड़कियों की जासूसी करना है। वह कुछ तस्वीरें लेता है। फिर धोखा खाई प्रेमिका को एक ईमेल भेज देता है, बस। थाई महिलाओं की बेपरवाही को देखते हुए यह ज़्यादा जटिल नहीं लगता। लेकिन पुलिस से उसके अच्छे संपर्क हैं। कभी-कभी वह उन व्यापारियों के लिए बड़े मामलों पर काम करता है जिन्हें धोखाधड़ी या संदिग्ध रियल एस्टेट सौदों में ठगा गया हो।

जब गैब्रियल मुझसे मिलने आया, तो हमने उस आदमी को फोन करने का फैसला किया। एक कर्कश आवाज ने जवाब दिया। आवाज एक ऐसे आदमी की थी जो काफी सिगरेट पीता होगा और काफी शराब भी पीता होगा। मैंने उसे स्थिति समझाई। उस आदमी ने धीरे-धीरे मुझसे कुछ सवाल पूछे, अंत में ज्यादा नहीं, फिर उसने मुझसे रूसी का नाम, स्वीडिश दंपति के पहले नाम, साई का फोन नंबर और आखिरी बार जिन नंबरों पर कॉल किया था, उन्हें दो बार दोहराने को कहा।

क्या आप कल सुबह मेरे घर आ सकते हैं?

- आप कहाँ रहते हैं ?

सुखुमवित के बाद, सोई खाओ तालो। ग्रैंड मस्जिद पार करने के बाद मुझे फोन करना। एक आखिरी बात।

— हाँ?

मुझे बीस हजार की अग्रिम राशि चाहिए। उसके बाद, खर्च और लगने वाले समय पर निर्भर करेगा। क्या यह आपको स्वीकार्य है?

मैंने गैब्रियल से उसके लिए अनुवाद करने को कहा। उसने तुरंत सहमति में सिर हिलाया।

अगली सुबह, गैब्रियल मुझे बार से लेने आया और फिर हम प्रिचा के होटल गए। खुन थानवत पटाया से थोड़ा दूर, पूर्व दिशा में एक बड़ी, बिल्कुल नई मस्जिद और एक बाज़ार के पास रहते हैं, जहाँ पुरुष टोपी पहनते हैं और महिलाएं नकाबपोश रहती हैं।

मैं इसे कहता हूँ:

सेवन इलेवन के ठीक आगे नीले रंग के शटर वाला घर।

आँखों के नीचे काले घेरे लिए एक दुबला-पतला आदमी सड़क के किनारे खड़ा है। वह हमें एक साधारण से दिखने वाले घर में बुलाता है जिसमें सीलन की गंध आ रही है। मैंने रसोई की दीवार के किनारे ढेर सारी खाली बोतलें रखी देखीं। अगर वह अकेला रहता है, तो पूर्व पुलिसकर्मी ज़रूर शराब पी सकता है। महारानी माँ ने यह बताना भूल गई थीं कि वह आदमी शराब पीता है। लेकिन शायद उन्हें पता ही नहीं था। वह हमारी ओर मुड़ता है और कर्कश आवाज़ में पूछता है:

आप क्या पी रहे हैं? बीयर? व्हिस्की?

— Non merci Khun Thanawat.

वह अपने लिए एक गिलास भरकर संग सोम शराब डालता है, जिसमें एक बर्फ का टुकड़ा भी होता है। मैं प्रिचा की ओर एक शरारती नज़र डालती हूँ।

— आपको अपनी दोस्त की चिंता है, है ना? बैठ जाइए और मुझे उसके बारे में थोड़ा और बताइए।

मैं थाई भाषा में वह सब कुछ समझाने की कोशिश करता हूँ जो हम जानते हैं। एक-दो बार, प्रिचा मुझे बीच में रोककर साई के चरित्र के बारे में स्पष्टीकरण मांगती है। पूर्व पुलिसकर्मी रिवॉल्वर की गोली और कागज की जांच करता है:

— यह 9mm पैराबेलम है। शायद ऑस्ट्रियाई ब्रांड की ग्लॉक 17 के लिए।

"एक दुर्लभ हथियार?" प्रिचा ने पूछा।

“नहीं, बहुत सारे बदमाश इनका इस्तेमाल करते हैं। यह एक हल्का हथियार है जिसमें दस गोलियों की मैगज़ीन होती है, और वैसे भी, 9mm पैराबेलम आसानी से मिल जाता है। हालांकि मैं समझदार हूं, लेकिन इससे हमें कुछ पता नहीं चलता,” उसने कारतूस मुझे वापस देते हुए अपनी बात समाप्त की।

गैब्रियल खिड़की के पास जाता है और पर्दा हटाता है। रोशनी में स्थिर खड़ा वह उपेक्षित बगीचे को उदास निगाहों से देखता रहता है। उसे लगता है कि वह इस बातचीत से अलग-थलग पड़ गया है, लेकिन हमारे पास समय बर्बाद करने का समय नहीं है, और थाई भाषा में हम तेज़ी से बात करते हैं। पूर्व पुलिसकर्मी एक पर्चे के पीछे नोट्स लिखता है, और जब हम सटीक जवाब नहीं देते तो कुछ सवाल पूछता है। मैं साई का फोन मेज पर रख देता हूँ।

— आपकी जानकारी मिलने पर मैं जल्द ही आपसे संपर्क करूँगा। कल मैंने सीमा पुलिस से पता करने को कहा कि क्या कुज़नेत्सोव अभी भी देश में है। स्वीडिश लोगों के बारे में, मैं उनके होटल जाकर उनका अंतिम नाम पता करूँगा।

— क्या आपके पास कोई और विचार हैं? प्रिचा पूछती है।

— मुझे मुख्य रूप से रूसियों की इस मौजूदगी से चिंता होती है। हर साल पटाया में उनकी संख्या बढ़ती जा रही है। हनीमून मनाने वाले जोड़े, शांत परिवार, लेकिन मेरी चिंता बाकी सब चीजों को लेकर है।

— बाकी? आपका मतलब माफियाओं से है?

आप इन्हें जो भी नाम दें, ये हर तरह के आपराधिक गिरोह हैं। पटाया इनके लिए एक आदर्श केंद्र है। पास में हवाई अड्डा, सस्ती उड़ानें, पर्यटकों की निरंतर आवाजाही से भरा विशाल शहर, जिससे पुलिस की निगरानी असंभव हो जाती है। इसके अलावा, नकदी का लेन-देन करने वाले व्यवसाय भी हैं, जो मनी लॉन्ड्रिंग को आसान बनाते हैं। यह शहर इन लोगों के लिए स्वर्ग है।

— क्या ये लोग ज्यादातर रूसी हैं या...? प्रिचा पूछती है।

खुन थानवत शराब का एक लंबा घूंट लेते हैं और फिर सिगरेट जलाते हैं। वे बिना निगले कभी जवाब नहीं देते और उनका शांत, गंभीर स्वभाव कभी नहीं बदलता। मैं यह नहीं कह सकता कि यह सोच-विचार है या बस सुस्ती।

— इतना ही नहीं। सबसे ज़्यादा दिखाई देने वाला, शायद सबसे हिंसक, लेकिन इसके अलावा भी बहुत कुछ है...

- बाकी का ?

ईरानी तस्कर बर्फ की तस्करी करते हैं, पाकिस्तानी हेरोइन के विशेषज्ञ हैं, जिसे वे "अफगान" कहते हैं। फिलिपिनो और अश्वेत कोकीन का व्यापार करते हैं, भारतीय केटामाइन का। पटाया में सभी ऐसे ही मजे से रहते हैं जैसे पानी में मछली।

और पुलिस?

उसके चेहरे पर एक मनोरंजक मुस्कान आ गई।

- क्या आपको सचमुच जानने की इच्छा है?

— हाँ...

वह दिखावे के लिए कुछ मछलियाँ पकड़ती है। जैसे कोई मछुआरा सार्डिन मछलियों के विशाल झुंड में बेतरतीब ढंग से जाल फेंकता है, लेकिन यह सब दिखावा है।

— फर्जी क्यों?

हर एक खच्चर की गिरफ्तारी के बदले हज़ार खच्चर निकल जाते हैं। सुवर्णभूमि पर यातायात की स्थिति में, यह असंभव है।

— क्या वे कुछ नहीं कर सकते?

वह थकी हुई मुस्कान देता है।

पटाया में ही हर साल पांच लाख पर्यटक आते हैं। हर साल दस प्रतिशत की वृद्धि हो रही है। पुलिस पर काम का बोझ बहुत ज़्यादा है। थाईलैंड अपनी ही सफलता का शिकार है। भ्रष्ट पुलिसकर्मियों की बात तो छोड़ ही दीजिए। जब वेतन बहुत कम हो, तो इतनी दौलत हाथ में होना लुभावना लगता है। पुलिस कोई महामानव नहीं है। उनके भी परिवार होते हैं।

एक घूंघट ने उसकी निगाहों को धुंधला कर दिया।

मुझे वो समय याद है, बहुत पहले की बात नहीं, जब हम न के बराबर पैसों में गुज़ारा करते थे। एक थाली खाना, जिसे हम पूरा भी नहीं खा पाते थे, उसके लिए बीस बात लगते थे। अब तो पश्चिमी कंपनियों में काम करने वाले भी संघर्ष कर रहे हैं। तो सरकारी कर्मचारियों की क्या हालत है...?

"क्या लड़कियां ड्रग्स का इस्तेमाल करती हैं?" प्रिचा ने पूछा।

— बहुत कम प्रतिशत, यहाँ कीमतें बहुत कम हैं।

— इतना कम क्यों?

— आपूर्ति बहुत ज़्यादा है और लड़कियाँ हमेशा पैसों की तंगी में रहती हैं। नहीं, पैसा, यानी मुनाफा, जैसा कि वे कहते हैं, कहीं और, विकसित देशों में कमाया जाता है। पटाया तो बस धन के पुनर्वितरण, हस्तांतरण और मनी लॉन्ड्रिंग का एक मंच है।

क्या नशीले पदार्थों का व्यापार फिर से शुरू हो रहा है?

— बहुमत की यही राय है। और यही कारण है कि थाईलैंड को इसकी परवाह नहीं है।

थानावत मंत्रों के माध्यम से मोबाइल फोन को नियंत्रित करता है।

— जिन नंबरों को पुकारा गया है, उनसे मैं कुछ लोगों की पहचान कर पाऊंगा। लेकिन मुझे इससे ज्यादा उम्मीद नहीं है। करने के लिए और भी बेहतर काम हैं।

- बेहतर ?

— ऑपरेटरों के रिले एंटेना का उपयोग करके डिवाइस का पता काफी सटीक रूप से लगाया जा सकता है। जॉनी वॉकर की एक बोतल के लिए, मुझे बहुत जल्दी पता चल जाना चाहिए कि डिवाइस आखिरी बार कब और कहाँ सक्रिय था।

*

* *

सेवन स्टोर पर 1-2 कॉल कार्ड खरीदने जाते समय, मेरी मुलाकात जेफ से हुई, जिसने मुझे चिढ़ाने वाली नजरों से देखते हुए मुझे पुकारा।

— तो टॉय, तुम अपने पुराने दोस्त को भूल गए हो? तुम हमारे साथ गोताखोरी करने कब वापस आ रहे हो? मछलियों ने मुझे बताया कि वे तुम्हें याद कर रही थीं।

मैंने शरमाते हुए जवाब दिया।

— हां, हां, मुझे अब भी यह पसंद है... लेकिन मैं हाल ही में बहुत व्यस्त रहा हूं, खुन जेफ।

मुझे डर था कि पटाया में गैब्रियल उदास हो रहा होगा, इसलिए मैंने उसे फोन करके कल गोताखोरी पर जाने का सुझाव दिया। वह तुरंत तैयार हो गया, उसने बताया कि वह ऑस्ट्रेलिया में पहले ही गोताखोरी कर चुका है, और अगली सुबह हम उसकी किराए की पिकअप ट्रक में जल्दी निकल पड़े ताकि उस पोंटून तक पहुँच सकें जहाँ लंबी लाल नाव बंधी हुई थी।

जेफ हमें उन ढलानों पर गोताखोरी के लिए ले जाता है जिन्हें वह "उंगलियाँ" कहता है। पानी एकदम साफ है; समुद्र तल पर मौजूद मूंगों के रंगों और छोटी-छोटी, रंग-बिरंगी मछलियों के झुंड के बीच हम एक तरल प्रकाश में नहाए हुए हैं। अचानक, एक ढलान के पास पहुँचते ही, हमें नीले केकड़ों से भरे बड़े-बड़े बोरे दिखाई देते हैं। जेफ एक कुल्हाड़ी से उन बोरों की रस्सियाँ काट देता है, और तुरंत ही लगभग दस फूले हुए कुत्तों के शव बाहर गिर जाते हैं और धीरे-धीरे पानी में तैरने लगते हैं, जिन पर केकड़े सड़े हुए मांस से चिपके हुए हैं। हम तुरंत बोरों से दूर हट जाते हैं। जैसे ही हम सतह पर आते हैं, जेफ हैरान सा लगता है:

मुझे पता था कि वियतनाम में आवारा कुत्तों का व्यापार होता है, लेकिन मैंने ऐसा पहली बार देखा है।

"यहां जल्द ही केकड़ों की भरमार हो जाएगी," गैब्रियल ने अपना मास्क हटाते हुए कहा, "तब तक इस प्रजनन स्थल पर ज्यादा देर न रुकना ही बेहतर है।"

जेफ ने कहा, "हो सकता है कि नगर पालिका द्वारा भुगतान किए गए लोग समय-समय पर सफाई करते हों, ये सभी आवारा कुत्ते गंदे हैं, मोटरसाइकिल के लिए खतरनाक हैं और पर्यटन के लिए अच्छे नहीं हैं, लेकिन वे समुद्र को कूड़े के ढेर में बदलने से बचा सकते हैं।"

वियतनामी लोग कुत्ते को सीधे खाते हैं। यहाँ, हम जल्द ही ऐसे केकड़े खाएँगे जिनका स्वाद कुत्ते जैसा होगा। क्या आपको इस तरह का पाक कला का नया प्रयोग पसंद नहीं आया?

— हाँ, ये किसी ऐसी लड़की को चूमने जैसा है जिसने अभी-अभी किसी दूसरे लड़के के साथ संबंध बनाया हो। इससे मैं समलैंगिक नहीं बन जाता।

खैर, ठीक होने के लिए मैं कुछ और बोतलों के साथ गोताखोरी करने जा रहा हूँ। ये फ्रेंच वाइन मुझे एक ग्राहक ने दी है। अगर आपको दिलचस्पी हो तो।

बंदरगाह पर वापस आते ही गैब्रियल जोमटियन बीच जाना चाहता था। उसने दोपहर का बाकी समय आराम करते हुए, अखबार पढ़ते हुए और हर आधे घंटे में तैरते हुए बिताया। उसने मुझे बताया कि उसका डाइविंग का अनुभव थोड़ा निराशाजनक रहा। मुझे लगा कि कुत्तों के साथ बैग होने की वजह से ऐसा हुआ होगा, लेकिन उसने बताया कि ऑस्ट्रेलिया में पानी के अंदर का नज़ारा कहीं ज़्यादा खूबसूरत है। उसने ग्रेट बैरियर रीफ का ज़िक्र किया।

"वहाँ, समुद्र तल संरक्षित है, सैकड़ों किलोमीटर तक फैली चट्टानें हैं, और मछलियों के ऐसे झुंड हैं जिन्होंने कभी मछली पकड़ने वाली नाव नहीं देखी। यहाँ, आपने हर संभव चीज़ छीन ली है, आपने अपने सारे जंगल काट डाले हैं। सब कुछ नष्ट हो जाने के बाद आपका क्या होगा? आपके नेताओं के

पास कोई दूरगामी सोच नहीं है; वे बस दोबारा चुने जाना चाहते हैं, अल्पकालिक पक्षपात करते हैं और अपनी जेबें भरते हैं।"

मेरी मां हमेशा कहती थीं कि थाईलैंड में सबसे भ्रष्ट व्यक्ति ही राजनीति में अपना करियर बनाने का विकल्प चुनते हैं।

— यह अफसोस की बात है कि सभी थाई मतदाता तमेरे जितने बुद्धिमान नहीं हैं।

हमने झींगा फ्राई राइस और आइसक्रीम खाई। देर शाम को वह यह कहकर चला गया कि उसे बैंग सराय में एक दोस्त के घर पार्टी में बुलाया गया है। उसने बारबेक्यू का ज़िक्र किया, लेकिन उसकी आवाज़ के लहजे से मैं समझ गई कि वह झूठ बोल रहा है और रात भर बार में लोगों की संगत ढूंढता रहेगा और साई को भूलने की कोशिश करेगा। मैंने इस मौके का फायदा उठाकर प्रिचा से मिलने का सोचा। आजकल मैं उसके साथ ज़्यादा समय नहीं बिता पा रही थी, और मुझे पता चल रहा था कि यह बात उसे परेशान कर रही है।

जब मैं गैब्रियल से निकल रहा था, तभी थानवत ने मुझे वापस फोन किया।

— क्या मैं आपसे मिलने आ सकता हूँ? यह बहुत ज़रूरी है।

— हमारे साथ रात का खाना खाओ, मुझे तुकोम के ठीक बगल वाले रेस्टोरेंट में प्रिचा से मिलना है।

जब मैं वहाँ पहुँचा, तो प्रिचा एक मेज पर अकेला बैठा था। उसने मुझे देखा तक नहीं था। मैंने इस व्यक्ति को देखा, जो जीवन से थका हुआ था और जिसके पास न तो परिवार था और न ही दोस्त। एक पवित्र आत्मा जिसने भ्रमों के लिए संघर्ष किया, यह मानते हुए कि वह दुश्मन को बदल सकता है, इस नरभक्षी समाज को जो हमें खेल के नियमों में फंसाए रखता है जहाँ परिणाम पहले से तय होता है, जहाँ विजेता और हारने वाले जन्म से ही, पत्ते बाँटे जाने से पहले ही, तय हो जाते हैं। एक दिखावटी समाज, एक भयावह नाटक। प्रिचा थाई समाज के अपने विश्लेषण में शायद सही हो, लेकिन वह पूरी तरह अकेला है। जिन आम लोगों की रक्षा करने का वह दावा करता है, गली के बच्चों में कोई राजनीतिक जागरूकता नहीं है। उसे खुद भी नहीं पता कि उसकी सनक किस बारे में है। हर सुबह, ये आम लोग एक ऐसी व्यवस्था में जीवित रहने के लिए संघर्ष करते हैं जो उन्हें कुचल देती है। वे समाज या नियमों को बदलना नहीं चाहते, बल्कि केवल मौजूदा सामाजिक सीढ़ी पर चढ़ना चाहते हैं। प्रिचा जैसे लोग जो इस व्यवस्था को तोड़ना चाहते थे, असफल रहे; वह असफल रहा। उसका जीवन अक्टूबर की एक शाम को थम गया। अगर उन्होंने कोई और रास्ता चुना होता, तो वे वकील, डॉक्टर या व्यापारी होते। देश ने जो समृद्धि के दौर देखे हैं, उन्हें देखते हुए वे आज एक खूबसूरत घर में परिवार के प्यार और सम्मान से घिरे एक संभ्रांत व्यक्ति की तरह जीवन बिता रहे होते, न कि काम न मिलने की चिंता में डूबे एक अकेले आवारा

की तरह। 1970 के दशक में थाई कम्युनिस्ट पार्टी के गुरिल्लाओं से लड़ने वाले जनरल सुरयुद प्रधानमंत्री बने। वहीं प्रिचा एक मजदूर बन गए। यही सब कुछ बयां करता है।

थानवत दस मिनट बाद आता है।

मैं अभी-अभी पुलिस स्टेशन से आया हूँ। आपके स्वीडिश नागरिक छापेमारी से दो दिन पहले देश छोड़कर चले गए थे। लेकिन यह कुज़नेत्सोव अभी भी थाईलैंड में कहीं है, जहाँ उसने फ्रैंकफर्ट स्थित दूतावास से तीन महीने का मल्टीपल-एंट्री वीज़ा प्राप्त किया है। मेरे पूर्व सहकर्मी चुपके से उसकी तलाश कर रहे हैं। उनके अनुसार, कोलिया वास्तव में निकोलाई का संक्षिप्त रूप है।

"कम से कम इससे वह बात तो स्पष्ट हो गई। और फोन की लोकेशन?" प्रिचा ने पूछा।

— हेट जोमटियन बीच के छोर पर, छापे के ठीक अगले दिन सुबह 2:38 बजे, मेरा संपर्क टूट गया। मैंने वहीं कुछ देर रुकने का इरादा किया था। वहाँ दलदल होने के कारण पहुँच मुश्किल थी। यह ऐसी जगह है जहाँ बिना किसी ज़रूरी कारण के रात में जाना मुश्किल होता है।

और फोन कॉल?

फिलहाल उस तरफ से भी ज्यादा जानकारी नहीं है: एक थाई नाम, एक इसान लड़की जिसका नाम साई जैसा ही है। शायद परिवार का ही कोई सदस्य हो।

चर्चा की शुरुआत से ही प्रिचा उत्सुक लग रहा था। उसने थानवत की ओर रुख किया:

— मैं आपसे एक व्यक्तिगत प्रश्न पूछना चाहता हूँ, खुन थानवत।

- आपका स्वागत है।

- तुम क्या शहर से हैं?

— सुफान बुरी, क्यों?

मुझे इस बात का पूरा यकीन था।

उसके चेहरे पर विजय की मुस्कान फैल जाती है।

— तुम्हारे लहजे से ही तुम्हारी पहचान हो गई। सुफान बुरी का लहजा छोड़ना मुश्किल है। मेरा जन्म वहीं हुआ था। अठारह साल की उम्र में पढ़ाई के लिए मैं बैंकॉक चला गया था।

"किस साल?" खुन थानवत ने उत्सुकता और खुशी से पूछा।

— 1974 में, मैंने थम्मासैट में अपनी पढ़ाई जारी रखी। और आप?

— आपसे कुछ समय पहले, मैं 1970 में रॉयल पुलिस कैडेट अकादमी में शामिल होने के लिए चला गया था। 1974 में, क्या आपके गणित के शिक्षक अभी भी वही सनकी बूढ़ा खुन मोंटियन ही थे?

— वो पागल आदमी जिसकी मूंछें और लंबे बाल थे और जो पचास के दशक के कपड़े पहनता था?

दोनों अपनी जवानी की याद आते ही खिलखिलाकर हंस पड़े, मानो उस साझा अतीत से आज़ाद होकर और करीब आ गए हों। थानवत ने अचानक ही दोस्ती का इज़हार करते हुए बीयर मंगवा ली। उनकी खुशनुमा बातचीत सुनकर मुझे एहसास हुआ कि मैं अकेला नहीं हूँ जिसे किशोरावस्था की याद आती है। जीवन का वह दौर जब आप परिवार की निर्भरता की बेड़ियों से मुक्त हो जाते हैं, लेकिन अभी तक काम की बेड़ियों को पार नहीं किया होता।

— तो आप 1976 में थम्मासैट में थे? पूर्व पुलिसकर्मी ने पूछा।

— जी हां, मैं 6 अक्टूबर को भी वहीं थी, प्रिचा ने अपनी आंखों में गर्व की चमक के साथ कहा।

थानवत कुछ पल चुप रहता है, फिर अपने लिए एक और बियर डालता है:

मैं विरोधी पक्ष में था। जब लेफ्टिनेंट जनरल लोहाचला ने गोली चलाने का आदेश दिया, तो कई लोगों ने, यहाँ तक कि अधिकारियों ने भी, इसका विरोध किया। लेकिन आदेश का पालन किया गया...

खुन थानवत, सबसे ज्यादा पीड़ितों का कारण पुलिस नहीं थी।

मुझे पता है। अर्धसैनिक बल और रेंजर...

"जब हम सिर्फ थोड़ी और सामाजिक न्याय की मांग कर रहे थे, तब उन्होंने हमें कम्युनिस्ट कहा। कुछ लोगों ने तो महिला छात्राओं के शवों के साथ बलात्कार तक किया," प्रिचा कांपते हुए आगे कहती हैं।

— जब मैं आज थाईलैंड को देखता हूँ, तो मुझे एहसास होता है कि यह सब कितना व्यर्थ था। वह तरक्की कहाँ गई...? एक पूरी जनता एक निर्लज्ज अल्पसंख्यक वर्ग के जाल में फँसी हुई है। अक्सर मजबूत और बुद्धिमान पुरुषों को इस साधारण और दिमागी रूप से भ्रष्ट पूंजीपति वर्ग के लिए काम करने को मजबूर देखकर मुझे घृणा होती है। एक जनता मूर्ख और भ्रष्ट अभिजात वर्ग के हाथों जकड़ी हुई है। हम स्वेच्छा से शिकार बने हैं।

— प्रिचा, ऐसा मत कहो। यहाँ हालात इतने बुरे नहीं हैं। स्वतंत्र चुनाव तो प्रगति का ही संकेत हैं। अपनी आँखें खोलो। आस-पास देखो, हालात इससे भी बदतर हैं: बर्मा, कंबोडिया, लाओस।

क्या सुख केवल सापेक्षिक है? पड़ोसी देशों के लोग मतदान नहीं कर सकते, लेकिन कम से कम वे अपनी बेटियों या अपनी आत्मा को तो नहीं बेचते। वियतनामी लोग हमसे गरीब हैं, लेकिन कम से कम वे अपना सम्मान तो बनाए रखते हैं।

प्रिचा मुझे एक अर्थपूर्ण नज़र से देखती है जिसे मैं अनदेखा करने का नाटक करता हूँ। थानवत उदास भाव से सिगरेट जलाता है:

मुझे तुम्हारे लिए दुख होना चाहिए, खुन प्रिचा, लेकिन दिल ही दिल में मुझे तुमसे ईर्ष्या होती है।

"क्या तुम मेरे गुस्से से ईर्ष्या करते हो?" उसने कड़वाहट से पूछा।

— बस अपनी जवानी के प्रति वफ़ादारी। तुमने खुद को धोखा नहीं दिया। यही बहुत बड़ी बात है। मैं तो लगातार समझौता करते-करते झुकता चला गया। पुलिस बल में बीस साल, उसका असर तो पड़ता ही है...

लेकिन आपने इसे पुलिस के हवाले कर दिया...

मेरे पास कोई विकल्प नहीं था। मुझे लगा था कि उम्र के साथ मेरा स्वभाव सहज हो जाएगा। दूसरों के बारे में तो मुझे नहीं पता, लेकिन मेरे साथ ठीक इसका उल्टा हुआ।

— आप भीतर से बदलाव लाने की कोशिश कर सकते थे।

— गंदगी का गड्ढा इतना गहरा है कि उसकी तह तक पहुंचना नामुमकिन है। अगर मैं तुम्हें अपने देखे हुए का सौवां हिस्सा भी बताऊं, तो तुम यकीन नहीं करोगे।

थानावत रात ढलते ही जल उठी स्ट्रीटलाइट्स को टकटकी लगाकर देखता है, गाड़ियों की हेडलाइट्स की एक निरंतर धारा अंधेरे को चीरती हुई आगे बढ़ रही है। वह प्रिचा की ओर मुड़ता है:

क्या अब भी आपको क्रांति पर विश्वास है?

मुझे नहीं पता... अब मुझे कुछ भी पता नहीं है।

— मुझे लगता है कि आप क्रांतिकारी नहीं थे, खुन प्रिचा।

— क्या, क्रांतिकारी नहीं?

थानवत के चेहरे पर गंभीर और चिंतित भाव आ जाते हैं। सड़क पर एक पिकअप ट्रक के लाउडस्पीकर से थाई मुक्केबाजी मैचों के विज्ञापन बज रहे होते हैं।

— भीतर ही भीतर, आप पारंपरिक एकजुटता को बनाए रखना चाहते थे, वैश्विक पूंजीवाद की ओर इस अपरिहार्य बदलाव को धीमा करना चाहते थे। एक तरह से, आप ही रूढ़िवादी थे।

- रूढ़िवादी? क्या आप मज़ाक कर रहे हैं, खुन थानवत? जिस खुशहाल थाईलैंड की आप बात कर रहे हैं, वह अतीत में मौजूद ही नहीं था, सिवाय शायद पर्यटक गाइडों में भगवा वस्त्र पहने भिक्षुओं और तैरते बाजार की दयालु किसान महिलाओं के साथ।

*

* *

— उन्हें अभी-अभी शव मिले हैं।

थानवत का अभी-अभी फोन आया, सुबह के सात बज रहे हैं। पोर्न बड़बड़ा रही है, उसका सिर तकिए में दबा हुआ है:

— टॉय, तुम बहुत परेशान कर रही हो, अभी फोन करने का समय नहीं है।

मैं गलियारे में बाहर निकलता हूं, तब मुझे एहसास होता है कि मामला गंभीर है।

— तुम्हारा मतलब क्या है, शवों से?

— कुछ हद तक संयोगवश, मक्खियों की वजह से, मक्खियों के झुंड के कारण। एक दलदल में, उस जगह से दो किलोमीटर दूर जहाँ मोबाइल का कनेक्शन कट गया था।

क्या वो साईं हैं?

फिलहाल, पुलिस का मानना है कि कम से कम दो पीड़ित हैं: एक नग्न महिला का धड़ जो घनी घास में सड़ रहा है, साथ में अन्य पहचान से परे अवशेष भी हैं, और एक पुरुष का लिंग, जिसे कुल्हाड़ी से साफ-सुथरा काटा गया है। यह निश्चित रूप से कहना असंभव है कि महिला का शव साई का है या नहीं। शुरुआती विष विज्ञान रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि पीड़ितों ने घातक मात्रा में एम्फ़ैटेमिन का सेवन किया था। क्या साई ने अपना कोई सामान पीछे छोड़ा था?

मैंने सब कुछ एक कूड़े के थैले में रख दिया था, इस उम्मीद में कि वह वापस आ जाएगी।

— तो मैं कुछ सैंपल लेने के लिए पुलिस के साथ जा रहा हूँ। मैं तुम्हारी माँ को बता दूँगा, नहीं तो जब वो ब्लू नाइल पर पुलिस को देखेगी तो हंगामा मच जाएगा।

फोन रखने के बाद, मैं निराश होकर वापस बिस्तर पर चली गई। पोर्न पहले ही सो चुका था, गहरी सुस्ती में डूबकर खर्राटे ले रहा था। दोपहर में, थानवत सादे कपड़ों में दो महिलाओं के साथ एक बिना नंबर

वाली पिकअप ट्रक में आया। मैम ने उनके चुपके से आने के लिए उनका शुक्रिया अदा किया। जब फोरेंसिक अधिकारी साई के ब्रश से बालों के नमूने ले रहे थे, तभी वह चिंतित होकर मेरे पास आया।

कुछ तो गड़बड़ है।

— Quoi ?

— यह फोन दोबारा बेचा गया था। हत्या के बाद ऐसा जोखिम क्यों लेना? यह समझ से परे है। भारी मात्रा में क्रिस्टल मेथ का धंधा करने वाले लोगों को इस्तेमाल किए हुए फोन के लिए पकड़े जाने का जोखिम उठाने की क्या ज़रूरत है?

— अगर किसी को यह संयोग से मिल जाता तो क्या होता?

"शायद, लेकिन आप जानते हैं कि किस्मत कैसे काम करती है... खैर, इस कोलिया के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी हो चुका है। अगर वह अभी भी थाईलैंड में है, तो मुझे नहीं लगता कि वह तीन दिन में भी बच पाएगा। ये हत्याएं बहुत बुरा संकेत देती हैं। बैंकॉक में राजनेता घबराए हुए हैं। और अब आप क्या करेंगे?"

— काम करते रहो, यह कोई विकल्प नहीं है, लेकिन मेरा मन इसमें नहीं लग रहा है।

- और आपके दोस्त?

प्रिचा आज सुबह बैंकॉक के लिए बस ले रहा है। उसे नौकरी ढूंढनी ही है। गैब्रियल की फ्लाइट इस सप्ताहांत के लिए निर्धारित है। वह आपको अपना बकाया चुकाने के लिए फोन करेगा। एक नए अध्याय की शुरुआत।

— आपको पता है, मुझे आपका प्रिचा बहुत पसंद है। वह मुझे मेरे बचपन की याद दिलाता है।

हां, वह पहले जैसा ही है, लेकिन इसकी कीमत बहुत भारी है।

मामासन थानवत को बीयर पिलाना चाहता है, लेकिन वह विनम्रता से मना कर देता है, शायद इसलिए कि उसके साथ महिला पुलिस अधिकारी हैं। ब्लू नाइल से बाहर निकलकर वह आसपास के माहौल का जायजा लेता है। तेज रोशनी में वह अचानक बूढ़ा और चिंतित सा लगता है: एक थका हुआ, शराबी बूढ़ा पुलिसवाला।

“टॉय, तुम अभी जवान हो, और तुम्हारे लिए सब कुछ वैसा ही है जैसा तुमने हमेशा से देखा है, लेकिन यकीन मानो, इस देश में बीस सालों में उतना बदलाव आया है जितना पूरे इतिहास में नहीं आया। इस तरह की बेतरतीब हत्याएं अब नई बात हैं। जब मैं कैडेट था, तो कभी-कभी हमें किसी बेईमान

व्यापारी का शव कूड़े के थैले में मिलता था, लेकिन उसके पीछे हमेशा कोई न कोई वजह होती थी: चोरी, भ्रष्टाचार, ईर्ष्या।"

— और इससे आप क्या निष्कर्ष निकालते हैं?

— कुछ नहीं, बस मुझे इस युग में बेमेल सा महसूस हो रहा है। बदलाव बहुत तेज़ी से हो रहा है और आने वाली अराजकता अब मेरी समझ से परे है।

मुझे फ़्रांस्वा की याद आती है, उसके उन शब्दों की जब उसने अपनी बेचैनी ज़ाहिर करने की कोशिश की थी। वह भी आश्वस्त था कि दुनिया अराजकता की ओर बढ़ रही है। थाई लोगों को यकीन है कि पश्चिमी लोग इस ग्रह को नियंत्रित करते हैं, लेकिन यहाँ तक कि विदेशी भी इससे पूरी तरह से हैरान नज़र आते हैं। वे बस दिखावा कर रहे हैं। वह मेरी नज़रें बचाते हुए आगे कहता है।

— हमारे देश की नींव पूर्ण उदासीनता में लुप्त हो रही है। चाय में चीनी के टुकड़े की तरह। नया बुद्ध सोने से ढका हुआ है। पटाया को देखो।

— तुम्हारे जैसे, प्रिचा जैसे, मेरी चाची जैसे लोग अभी भी हैं... और भी लोग होंगे, निश्चित रूप से...

— बूढ़े लोग! हम बूढ़े लोग हैं: एक लुप्त हो चुके संसार के अंतिम अवशेष।

वह असहाय होकर किराए की झोपड़ियों की ओर हाथ फेरता है। उसके झुर्रीदार चेहरे पर उदासी, दया और सहानुभूति एक साथ झलकती है। उसकी झुकी हुई मुद्रा, धंसे हुए चेहरे के भाव और अंदर धंसी हुई आंखें उसे पहले दिन से भी अधिक उम्रदराज दिखाती हैं। मुझे लगता है कि वह कुछ कहना चाहता है, लेकिन चुप रहने के बाद वह महिला पुलिसकर्मियों से मिलने अंदर चला जाता है।

*

* *

अगले दिन, जब गैब्रियल जाने से पहले अलविदा कहने आया, तो उसके सुंदर चेहरे पर आंखों के नीचे काले घेरे साफ दिखाई दे रहे थे। वह साई के प्रति ज़िम्मेदारी महसूस कर रहा था।

अगर मैं उसके साथ रहता, तो शायद वह आज भी जीवित होती।

— तुम भी शायद दलदल में सड़ रहे होगे। मैंने उसे उस आदमी के बारे में चेतावनी दी थी...

अंतिम संस्कार कब होगा?

— थानवत का कहना है कि शव के अंतिम संस्कार से पहले हमें अंतिम पहचान होने तक इंतजार करना होगा। शायद कुछ दिनों में हो जाएगा।

गैब्रियल अपना बटुआ निकालता है।

मैं यहाँ रुक तो नहीं सकती, लेकिन अंतिम संस्कार में मदद कर सकती हूँ। यह जगह मेरे लिए दूसरे घर जैसी है। मैं भविष्य में कभी यहाँ लंबे समय के लिए वापस आना चाहूँगी।

उसकी नीली आँखें चमक उठीं, वह मेरी ओर मुड़ा:

हम साई से भी खुश हो सकते थे। वह ईमानदार थी, है ना?

मेरे सामने खड़ा व्यक्ति सुंदर और पूरी तरह स्वस्थ है। वह एक विशाल और समृद्ध देश में अच्छी कमाई करता है। उसका जीवन स्तर इस धरती पर इतिहास में रहने वाले या रह चुके अधिकांश लोगों से अतुलनीय है। ऐसा जीवन अधिकांश थाई लोगों के लिए एक सपना होगा। फिर भी, फ़्रांस्वा की तरह, उसे भी आंतरिक शांति नहीं मिल पा रही है। मुझे उस पर दया आती है, उन चिंतित आँखों पर जो मेरी ओर टकटकी लगाए, मेरे उत्तर की प्रतीक्षा कर रही हैं।

"वह मुझसे प्यार करती थी, है ना?" उसने हिचकिचाते हुए स्वर में दोहराया।

हां, गैब्रियल। वह अक्सर तुम्हारे और भविष्य के बारे में बात करती थी, लेकिन वह पटाया में रहती थी। क्या तुम समझते हो?

वह काली निसान कार में बैठ जाता है। मुझे उम्मीद है कि यह जानकर उसे शांति मिलेगी कि एक मृत महिला उससे प्यार करती थी।

*

* *

टीवी की तेज़ आवाज़ आ रही है, मैं अपने अंडरवियर में बिस्तर पर आराम कर रही हूँ। वी गहरी नींद में सो रही है, मानो शराब के नशे में बेहोश हो; वो तो रेलवे ट्रैक के बगल में भी सो सकती है। मेरे फोन पर एक अनजान नंबर से कॉल आती है, हर कॉल के साथ मेरा दिल ज़ोर से धड़कने लगता है। मानो मैं किसी चीज़ का इंतज़ार कर रही हूँ, किसी ज़रूरी खबर का। हम अपनी ज़िंदगी उस खबर का इंतज़ार करते हुए बिताते हैं जो हमारी किस्मत बदल देगी। एक विशाल प्रतीक्षा कक्ष में बैठी पूरी दुनिया, सबकी निगाहें मोबाइल स्क्रीन पर टिकी हैं। शायद यही उम्मीद की छोटी सी किरण लोगों को जीने की हिम्मत देती है,

रोज़मर्रा के एक जैसे दिनों की नीरसता को सहने की ताकत देती है। फिर भी, ज़्यादातर लोगों की ज़िंदगी में इन लंबे समय से प्रतीक्षित चमत्कारों का कोई असर नहीं होता। क्या पटाया में मौज-मस्ती करने आए बूढ़े लोग इस इंतज़ार से थक नहीं गए हैं? क्या वे उस रोमांच की तलाश में नहीं हैं जो ज़िंदगी उन्हें ज़बरदस्ती नहीं दे रही? उनके पास अब ज़्यादा साल नहीं बचे हैं। वे अब अपनी किस्मत को किस्मत के भरोसे नहीं छोड़ना चाहते। वे फिर से सड़क पर निकलने का फैसला करते हैं, हालात को अपने हाथ में लेने का, किस्मत को गले लगाने का, और समय रहते चीजों को तेजी से आगे बढ़ाने का। वे जानते हैं कि इंतजार करना छोड़ देने का मतलब है कि वे पहले ही दूसरी तरफ पहुंच चुके हैं।

फ़ोन बजता है, बजता है... नंबर इतना लंबा है कि थाई नहीं हो सकता, साई गायब है, और फ़्रांस्वा ने तो बहुत दिनों से फ़ोन नहीं किया। उस आदमी की नाक से आती आवाज़ मुझे एक पुराने ग्राहक की याद दिलाती है। मुझे याद नहीं आ रहा कि कौन था। वो पूछ रहा है... टॉय?... हाँ... बिली, मैं बिली हूँ... अरे यार, ये बिली कौन है...? कैसी हो टॉय?... मैं ठीक हूँ, धन्यवाद। और तुम, बिली?... मुझे तुम्हारी बहुत याद आती है... मुझे भी, बिली, मुझे तुम्हारी बहुत याद आती है...

वह बहुत खुश लग रहा है। वह खुशी से खिलखिलाता है। कम से कम एक व्यक्ति तो मुझे प्यार से याद करता है, यही मेरे लिए संतोष की बात है। मैं एक और राउंड ऑर्डर करता हूँ... मुझे तुम्हारी बहुत याद आती है बिली... वह तो जैसे नशे में चूर हो गया है। मैं याद करने की कोशिश करता हूँ... बिली, धिक्कार है, बिली कौन है? शायद वो लाल बालों वाला, वो आयरिशमैन, या फिर वो अंग्रेज जिसके चेहरे पर जन्मचिह्न था और जो खराब एयर कंडीशनर की तरह खर्राटे लेता था।

मुझे उनके चेहरे, उनकी गंध, उनके लिंग का आकार, उनके संभोग करने का तरीका, उनके सोने या सपने देखने का तरीका सब याद रहता है, लेकिन मैं आमतौर पर उनके नाम भूल जाती हूँ। नाम बेकार हैं। जब आप किसी पुरुष के साथ सो जाती हैं, तो आपको उसका नाम जानने की ज़रूरत नहीं रहती। आप उसकी सबसे गुप्त अंतरंगता, उसकी कल्पनाओं, उसके डर और उसकी आशाओं में प्रवेश कर जाती हैं। प्रेम करना मनोवैज्ञानिक जाँच का सबसे संपूर्ण रूप है। मनोचिकित्सकों को अपने मरीज़ों के साथ सोना चाहिए; जाहिर है, कुछ ऐसा करने में संकोच नहीं करते। जब तक कि बार गर्ल्स मनोचिकित्सक बनने का फैसला न कर लें। आखिर, ग्राहक हमसे कुछ भी नहीं छिपा सकते; वे खुद को पूरी तरह से नंगा कर देते हैं, ठीक वैसे ही जैसे वे पैदा हुए थे। तन और मन से। साईं ने कहा था कि किसी ग्राहक को खाते हुए देखकर ही आप उसके व्यक्तित्व का अनुमान लगा सकते हैं: तपस्वी, पेटू, लालची। यह सच हो सकता है, लेकिन प्रेम करना इससे भी कहीं अधिक प्रभावशाली भेद खोलने वाला है।

नहीं, मुझे उनके पहले नाम तो याद नहीं रहते, लेकिन और भी बहुत कुछ याद रहता है। उदाहरण के लिए, वो आयरिश आदमी। उसके बाल पतले और कम घने हैं। नहाने के बाद भी उससे पसीने की तेज़ बदबू आती है। उसकी साँस फूलती है, और उसका ऊपरी होंठ हमेशा थोड़ा खुला रहता है क्योंकि वो

साँस लेने के लिए तड़पता रहता है। उसकी नाक लाल और थोड़ी सूजी हुई है, और उसकी आँखें भी अक्सर लाल रहती हैं। उसका लिंग छोटा और ढीला है, जैसे सभी मोटे ग्राहकों का होता है। वो धीरे-धीरे संभोग करता है ताकि उसकी साँस न फूले, वो अपनी ऊर्जा बचाकर रखता है: एक बार शाम को, एक बार सुबह को। न ज़्यादा, न कम। बिल्कुल लयबद्ध तरीके से। मैं उसके साथ तीन दिन और तीन रातें रही, और हाँ, मैं ये नहीं कह सकती कि उसका नाम विली, बिली, विनी, बेनी या कुछ ऐसा ही था। लेकिन मुझे यकीन है कि अगर बीस साल बाद बैंकॉक के किसी मॉल में मेरी उससे मुलाक़ात हो जाए, तो मैं उसे तुरंत पहचान लूँगी।

बिली हमेशा फोन पर ही रहता है। मुझे तो कभी-कभार ही "प्यार" शब्द सुनाई देता है। अगर साई यहाँ होती, तो वो चमकती आँखों से मेरे कान में फुसफुसाती:

— उसे अपना बैंकॉक बैंक खाता नंबर दे दें ताकि वह आपको कुछ पैसे भेज सके।

दो मिनट बाद, मेरा मोबाइल फिर बजता है। मुझे लगता है कि बिली वापस कॉल कर रहा है, लेकिन मैं थानवत की कर्कश आवाज पहचान लेता हूँ।

उन्हें जोमटियन के एक होटल में गिरफ्तार किया गया है।

— क्या उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया?

> “नहीं, उसका दावा है कि उन सभी लाशों से उसका कोई लेना-देना नहीं है। लेकिन पुलिस को उसके बिस्तर के नीचे से दो किलो बर्फ मिली है। सिर्फ़ इसी बात के लिए उसे मौत की सज़ा हो सकती है। अगर उसे एक अच्छा वकील मिल जाए, तो वह बैंग क्रांग जेल में दस साल सड़ेगा। आपको आना चाहिए।”

मुझे उस आदमी को देखने की बिल्कुल भी इच्छा नहीं है।

हमें इसकी पहचान करनी होगी, यह बेहद जरूरी है।

— क्या आप इसे पहचान सकते हैं?

पुलिस को बता दें कि यह वही लड़का है जिसके साथ साई घूम रहा था। आप कहाँ हैं?

बार में।

मैं दस मिनट में आपको लेने आऊंगा।

सलाखों वाली कोठरी में, उसकी फटी हुई भौंह के बावजूद, मैंने तुरंत ही ही-मैन को पहचान लिया, वह नुकीला चेहरा जो शुद्ध मांसपेशियों के शरीर से जुड़ा हुआ था। उसकी बाईं गाल की हड्डी चकनाचूर थी, और उसका सूजा हुआ निचला होंठ भयंकर बैंगनी रंग का हो गया था। वह अपने पलंग पर अजीब तरह

से लेटा हुआ था, भ्रूण की मुद्रा में, उसका सिर एक गड्ढे में धंसा हुआ था, मानो वह उसे टेढ़ी-मेढ़ी प्लास्टर की दीवार से चिपकाने की कोशिश कर रहा हो। पुलिस ने उसे बुरी तरह पीटा था। उसका शरीर ऐसे कांप रहा था जैसे पुराने पिचिट के खरगोश, जिन्हें वह खून बहाने से पहले कान से पकड़ता था। उसने पुलिस को डरते हुए देखा, फिर मुझे देखा।

— तुम साई की प्रेमिका हो, है ना? तो उन्हें बता दो।

— मैं उन्हें क्या बताऊं? कि तुम नाजायज औलाद हो?

उसका आत्मविश्वास कुछ हद तक वापस आ जाता है, वह मुझे इतनी ध्यान से देखता है कि मुझे असहज महसूस होता है:

मैंने तुम्हारी प्रेमिका को नहीं मारा, न ही किसी और को। कसम से। मैंने गोली इसलिए चलाई ताकि तुम इधर-उधर ताक-झांक करना बंद कर दो, और मैं ड्रग्स की बात कबूल करता हूँ, ठीक है, लेकिन बाकी बातों से इनकार करता हूँ।

— तो वो कहाँ है? अगर आप चाहते हैं कि हम आपकी बात पर विश्वास करें, तो उसे हमें दिखाइए।

वह अजीब सा चेहरा बनाता है।

- असंभव।

— आप नहीं कर सकते? और क्यों नहीं?

वह अब पटाया में नहीं है।

उसे यहाँ लाओ

वह यहाँ से बहुत दूर है। साई वापस नहीं आ सकती।

रुको, मुझे तुम्हारी बात पर विश्वास नहीं है।

आप उसे देख नहीं सकते, लेकिन उससे बात कर सकते हैं।

— क्या उससे बात करनी है? और कैसे?

मैं उसे फोन कर सकता हूँ। आप उसकी पहचान बता सकते हैं, वे आपकी बात मान लेंगे।

सब कुछ सुन चुके थानवत विचलित प्रतीत हुए। उनकी आँखों में संदेह की एक झलक दिखाई दी। एक सच्चे शिकारी की तरह, कोलिया ने उनकी कमजोरी को भांप लिया और इसका फायदा उठाया।

पुलिस से मेरा मोबाइल नंबर मांग लो। दो मिनट में पता चल जाएगा।

मस्कलोर के नए आत्मविश्वास को देखकर थानावत और भी हैरान हो जाता है। वह एक मेंढक के सिर वाले अधिकारी के साथ लौटता है जो कोलिया को एक ब्लैकबेरी देता है और उसे अंग्रेजी में आदेश देता है:

— स्पीकरफोन पर बात कर रहे हैं, और अगर तुमने हमसे पंगा लिया, तो मैं वादा करता हूँ कि तुम्हें पैदा होने पर पछतावा होगा।

कोलिया कोई जवाब नहीं देता। वह जानता है कि दूसरा आदमी बस उसके किसी शब्द का इंतज़ार कर रहा है। वह एक पहले से रिकॉर्ड किया हुआ नंबर दबाता है। तीन घंटी बजने के बाद, एक आदमी जवाब देता है और कोलिया से किसी विदेशी भाषा में बात करता है। पुलिसवाला खुलेआम खुशी से उसे ज़ोर से लात मारता है।

अंग्रेजी में! कमीने!

घबराकर रूसी व्यक्ति तुरंत अंग्रेजी में बोलने लगा और हकलाते हुए बोला... माफ़ कीजिए! माफ़ कीजिए!

— मैं कोलिया हूँ, साई को फोन दो। बहुत जरूरी है।

उसके बाद छाई लंबी खामोशी मानो अनंत काल तक खिंची चली। अधिकारी को शक हुआ और वह अधीर होने लगा, कोलिया को शत्रुतापूर्ण निगाहों से देखने लगा। हम सभी के मन में एक ही विचार आया: रूसी हमें भ्रमित करने की कोशिश कर रहा था। तभी, ब्लैकबेरी से एक महिला की आवाज़ आई।

- नमस्ते!

— साई, क्या तुम हो? मैं कोलिया हूँ। सब ठीक है?

मैं ठीक हूँ, लेकिन आप कहाँ से फोन कर रहे हैं? क्या आप वापस आ चुके हैं?

जब मैं उन धूम्रपान करने वालों की गर्मजोशी भरी आवाज़ को सुनता हूँ, उस अनोखी आवाज़ को सुनता हूँ जिसमें अंग्रेजी बोलते समय एक धीमी लय होती है, तो मैं चौंक जाता हूँ, लेकिन आवाज़ का लहजा झिझक भरा, दूर का होता है मानो उदासी से ढका हो।

"साई, मैं तुम्हारी बात किसी ऐसे व्यक्ति से करवा रही हूँ जिसे तुम जानती हो। एक दोस्त से। मुझे लगता है, तुम्हारी सबसे अच्छी दोस्त से। उसे बताना कि सब ठीक है। यहाँ लोग तुम्हें मरा हुआ समझ रहे हैं। कृपया उसे बताना कि तुम ठीक हो। मेरे लिए इतना कर दो, प्लीज़? यह मेरे लिए बहुत ज़रूरी है।"

- आप किसके बारे में बात कर रहे हैं?

वह मुझे उपकरण थमा देता है। मैं हिचकिचाता हूँ, फिर उसे ले लेता हूँ:

— साई? मैं टॉय हूँ। तुम कहाँ हो?

— खिलौना?

— कम से कम इतना तो ठीक है कि तुम मेरा पहला नाम नहीं भूले हो।

आपसे बात करके बहुत खुशी हुई। आपको अंदाजा भी नहीं है कि मैंने आपको कितना याद किया।

साईं, तुम कहाँ हो?

थाईलैंड में नहीं।

लेकिन कहाँ? हफ्तों से सब लोग तुम्हें ढूंढ रहे हैं।

काफी देर तक सन्नाटा छाया रहा; एक पल के लिए मुझे लगा कि उसने फोन काट दिया है।

— साईं?

कृपया कोलिया को फोन पर वापस उनसे बात करवा दें।

उसकी आवाज़ ठंडी और संयमित है। मैं अधिकारी को सवालिया निगाहों से देखता हूँ; वह सिर हिलाता है, और मैं फोन कोलिया को दे देता हूँ। रूसी व्यक्ति का चेहरा गंदे कपड़ों की तरह पीला पड़ गया है, और वह धीरे-धीरे पसीना बहा रहा है।

— साई, खिलवाड़ मत करो। हमारा समझौता अब मान्य नहीं है। पुलिस तुम्हें मरा हुआ समझती है। वे मुझे हत्यारा समझते हैं।

वह मुझे फोन वापस दे देता है। दूसरी तरफ से साई घबराया हुआ लग रहा है।

मैं जर्मनी में, डसेलडोर्फ के बाहरी इलाके ओबरहाउसेन में रहता हूँ।

— जर्मनी में? आप वहां क्या कर रहे हैं?

पुलिस अधिकारी नोटबुक में कुछ लिख रहा है। थानवत एकदम स्थिर खड़ा है, एकाग्रता की मूर्ति की तरह।

— आपको क्या लगता है? कि मैं आराम कर रहा हूँ? बिल्कुल, मैं काम कर रहा हूँ।

— काम करने का मतलब क्या है?

मेरे ग्राहक हैं। जैसे पटाया में। क्या आपको चित्र चाहिए?

लेकिन जर्मनी ही क्यों?

मैं इस झंझट से तंग आ चुका था। हमारा गुजारा मुश्किल से चल रहा था। याद है ना, प्रतिस्पर्धा बहुत ज्यादा थी। इसलिए, कोलिया ने मुझे एक इरोसेंटर में नौकरी की पेशकश की।

और आपने यह फैसला खुद ही लिया, बिना किसी को बताए?

आपको मुझे जान लेना चाहिए। याद है जब मैंने फैक्ट्री छोड़ी थी? मैं बिना नक्शे या कंपास के, अपनी सहज प्रवृत्ति से रास्ता ढूंढता हूँ। मैं अपने भाग्य का अनुसरण करता हूँ।

आप वहां कैसे पहुंचे?

वह चुप रहती है, बोलने से पहले हिचकिचाती हुई प्रतीत होती है।

कोलिया ने अपना एक आदमी तैयार रखा था। मैं ओगुज़ से सिर्फ़ एक बार मिली थी। एक वकील ने फ़र्ज़ी शादी और वीज़ा के कागज़ात का काम संभाल लिया। कोलिया ने सब कुछ का भुगतान किया: तुर्क, हवाई टिकट, शुरुआती खर्चे। मुझे उसे आधी रकम देनी थी। वीज़ा का इंतज़ार करते हुए हम क्राबी में छुट्टियाँ मनाने जा रहे थे, लेकिन दूतावास ने उम्मीद से जल्दी वीज़ा जारी कर दिया। जर्मन लोग वाकई कुशल होते हैं।

वह घबराहट भरी हंसी के साथ अपनी बात शुरू करती है और फिर आगे बोलती है।

— इसलिए, कोलिया ने फैसला किया कि इंतजार न करना ही बेहतर है। जब तक हम जहाज पर नहीं चढ़ जाते, तब तक पकड़े जाने का खतरा बना रहता है।

लेकिन आपने मुझे या अपने परिवार को क्यों नहीं बताया?

— यही शर्त थी। किसी को मत बताना, खासकर करीबी रिश्तेदारों को नहीं। कोलिया का दावा है कि कोई घबरा सकता है। कोई दोस्त या रिश्तेदार जो बहुत ज्यादा बोलता है, दूतावास से संपर्क कर सकता है और सब कुछ गड़बड़ कर सकता है।

ऐसा क्यों?

— वो सब जो मुझसे प्यार करते हैं, जो मेरे लिए चिंतित हैं, और जो मुझे जाने से रोककर खुद को सही समझते हैं। प्यार, डर, ईर्ष्या—ये सब बेवकूफी भरी बातों को जायज़ ठहरा देते हैं। अगर दूतावास को पता चल गया कि शादी तय की गई है, तो सब कुछ बर्बाद हो जाएगा। मैं वापस बीच पर वेश्यावृत्ति करने लग जाऊंगी, और पूरा नेटवर्क शायद ठप हो जाएगा। कोलिया कोई जोखिम नहीं लेना चाहता था।

— क्या आपने कभी एक पल के लिए खुद को हमारी जगह पर रखकर देखा है?

— टॉय, हर दिन। एक भी दिन ऐसा नहीं जाता जब मैं इसके बारे में न सोचूँ। तुम्हें यकीन करने की ज़रूरत नहीं है, लेकिन इसने मुझे अंदर ही अंदर खा लिया था, खासकर शुरुआत में। मैं तुम्हारे और अपनी माँ के लिए तड़प रही थी। मैं अक्सर तुम्हें फ़ोन करना चाहती थी, लेकिन कोलिया ने एहतियात बरती थी।

ऐसा क्यों?

हम तीन लड़कियाँ थीं। उस कमीने ड्राइवर ने एयरपोर्ट जाने वाली मिनीबस में बैठने से पहले हमसे सबसे पहले हमारे मोबाइल फोन मांगे और कहा... ये इसलिए है ताकि तुम कोई बेवकूफी भरा काम न कर दो। अगर उदास मन हो तो कॉल कर लेना।

वह कुछ पल चुप रहती है। मुझे महसूस होता है कि यह उसके लिए एक कठिन क्षण है। फिर वह बोलना शुरू करती है:

हवाई अड्डे पर बैंकॉक की दो लड़कियाँ पहले से ही मौजूद थीं। काउबॉय और नाना की गोगो लड़कियाँ, जिन्हें एक ही नेटवर्क ने भर्ती किया था। जब हम एयर बर्लिन की फ्लाइट से डसेलडॉर्फ पहुँचे, तो अल्बानियाई नागरिक इद्रिज़ मुझे तुरंत ओबरहाउसेन ले गया। बाकी चार लड़कियाँ दक्षिण की ओर, स्टटगार्ट के पास, एरोस्पार्क नामक एक बड़े इरोस सेंटर में गईं। मैंने उन्हें फिर कभी नहीं देखा। मेरा सेंटर छोटा है, लगभग एक पारिवारिक घर जैसा, जिसमें लगभग बीस कमरे हैं। लड़कियाँ हर जगह से आती हैं: पूर्वी यूरोप, अफ्रीका, ब्राज़ील। यहाँ मुझे चा बा कहा जाता है। यह एक स्टेज नाम है जो ग्राहकों को पसंद आता है। जाहिर है, यह नाम विदेशी लगता है। उनमें से कुछ थाईलैंड को जानती हैं।

- यह कैसा है?

मैं पटाया की तरह ही इंतजार कर रहा हूँ, बस फर्क इतना है कि यहाँ मैं एक दुकान की खिड़की में बैठा हूँ।

— किसी दुकान की खिड़की में? क्या मज़ाक कर रहे हो? जैसे कि सियाम पैरागॉन में?

आप हंस सकते हैं, लेकिन यहां बहुत ठंड है। ग्राहक सड़क पर इधर-उधर घूमते रहते हैं और दुकानों के बाहर से ही सामान देखते रहते हैं। फ्लैशोफ़स्ट्रासे छठे जिले की तरह है, बस थोड़ी उदास सी: ज्यादातर तुर्क, यूगोस्लाव, अरब, और कभी-कभी अश्वेत लोग भी दिखते हैं।

पटाया में, आपने उनसे दूरी बनाए रखी।

— बस, यहाँ सब कुछ है... कोई विकल्प नहीं। पहले हफ्ते मैं दिन भर रोती रही। मैं घर जाना चाहती थी, इस हमेशा धूसर आसमान को छोड़कर जाना चाहती थी, जो इतना नीचे था कि मानो इमारतों की छतों से चिपका हुआ हो।

तो, आखिरकार आपको इसकी आदत पड़ गई?

“हर चीज़ की आदत पड़ जाती है, और वैसे भी, मेरी दोस्त पिम है, जो खोरात की रहने वाली है। हम हमेशा साथ रहते हैं। उसके लिए तो और भी मुश्किल है, क्योंकि उसकी दो छोटी बेटियाँ गाँव में हैं। लेकिन हमेशा सकारात्मक सोच रखनी चाहिए। पचास यूरो में बीस मिनट बिना किस किए और ओरल सेक्स के लिए कंडोम के साथ। अगर कोई दिक्कत हो, तो मैं एक बटन दबाती हूँ और तीस सेकंड में सुरक्षा गार्ड बुरक आ जाता है।”

अगर स्थिति बेहतर होती तो आपको मुझे बता देना चाहिए था।

पैसों की बात करें तो, कोई तुलना ही नहीं है। अच्छे दिनों में, मैं लगभग एक हजार यूरो कमा लेता हूँ।

— एक हजार यूरो प्रतिदिन! वाह!

— ये सब बहुत ज़्यादा लगता है, पर यहाँ ज़िंदगी बहुत महँगी है, और बाकी सब इतना भयानक है कि मन करता है खुदकुशी कर लूँ। मैं यहाँ सिर्फ़ पैसों के लिए हूँ, जी नहीं रहा। मुझे हमारी हँसी याद आती है, ज़िंदगी याद आती है, थाई खाना याद आता है। और सबसे ज़्यादा तुम्हारी याद आती है।

— तुम्हें पता है, मैंने तुम्हारे एक पुराने ग्राहक को फिर से देखा, गैब्रियल। उसे लत लग गई है, तुम्हें इस बारे में सोचना चाहिए।

वह जोर से हंस पड़ी:

"अगर तुम्हें पता होता, बेचारी! गैब्रिएल्स, जॉन्स... मेरे इतने सारे ग्राहक रहे हैं कि मैं उन सबके नाम तुम्हें बता भी नहीं सकती। यहाँ तो और भी बुरा हाल है। एक भी दिन ऐसा नहीं जाता जब कोई ग्राहक रोते हुए अपनी पैंट की ज़िप बंद करते हुए यह न कहे: 'तुम ये काम क्यों करती हो? हम साथ रह सकते थे...' लेकिन मैं आज़ाद रहना चाहती हूँ।"

— तुम्हें अपनी माँ को फोन करना चाहिए, तुम्हें पता है ना?

मुझे लगता है कि अब कोलिया के लिए यह बात मायने नहीं रखती होगी। लेकिन मेरे पास कोई विकल्प नहीं था। पटाया में ही मैंने जीवन को समझा।

— आपने जीवन को तो समझ लिया होगा, लेकिन आप मित्रता को भूल गए हैं।

अगर आप इसे गलत तरीके से लेना चाहें तो ले सकते हैं, लेकिन आप देखेंगे कि जीवन में हर कोई अपने लिए जीता है और भगवान किसी के लिए नहीं। कृपया मेरी माँ को मेरी तरफ से फोन कर दीजिए। उन्हें बता दीजिए कि मैंने एक विदेशी से शादी कर ली है और मुझे डर है कि उन्हें यह मंजूर नहीं होगा। जैसे ही मेरे पास कुछ पैसे आएंगे, मैं एक-दो महीने के लिए वापस जाने का इरादा रखती हूँ। क्या मैं आपसे कुछ और पूछ सकती हूँ?

— तुम जाओ।

मुझे विस्तार से समझाएं कि कोलिया के साथ क्या हो रहा है?

— उसे आइस ड्रग्स के इस्तेमाल के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस को शक है कि वह एक हत्या के मामले में शामिल है। तो, हमने सोचा था कि तुम मर गए। समझ रहे हो ना?

मुझे पृष्ठभूमि में एक गुस्से वाली आवाज सुनाई दे रही है, साईं एक आदमी को अंग्रेजी में जवाब दे रहा है लेकिन मुझे समझ नहीं आ रहा कि वे क्या कह रहे हैं।

"अब मुझे सच में जाना होगा, टॉय।" एक नियमित ग्राहक, सेम, दस मिनट से गलियारे में इंतज़ार कर रहा है और अधीर हो रहा है। "आज तो बहुत शांति है, पता है? हम फिर मिलेंगे?"

मैं आपसे वादा करता हूँ। इसके अलावा, मुझे आपका फोन मिल गया है जिसमें मंत्र लिखे हुए हैं।

वह खिलखिलाकर हंस पड़ी, उसकी आवाज पहले की तरह फिर से मधुर हो गई।

— क्या आपको याद है मैंने क्या कहा था?

— जीवन के बारे में?

— क्या आपको जीवन के बारे में कुछ याद है?

जीवन एकतरफा रास्ता है।

— देखो, टॉय। खैर, कभी-कभी मुझे लगता है कि जब आप गलत परिस्थितियों में पैदा होते हैं, तो यह और भी बुरा होता है, यह एकतरफा रास्ते जैसा होता है।

संपर्क टूट गया। पुलिस अधिकारी ने एक बड़ा लिफाफा खोला जिसमें एक इग्निशन की चाबी थी, जिसे एक सचिव ने अभी-अभी जल्दबाजी में उसके लिए लाया था। उसने पन्ने पलटे, उसका चेहरा पीला पड़ गया, फिर वह थानवत की ओर मुड़ा:

सभी विश्लेषणों से एक ही आनुवंशिक प्रोफाइल सामने आया है। दलदल में केवल एक ही पीड़ित है। कम से कम इतना तो ठीक है; बैंकॉक के बड़े अधिकारी तो बिल्कुल निराश होंगे।

— सिर्फ एक पीड़ित? एक महिला का धड़ और एक पुरुष के जननांग?

पीड़ित व्यक्ति लड़की नहीं, बल्कि पुरुष है।

— क्या बरामद हुए धड़ पर स्तन नहीं थे?

— हाँ, लेकिन XY कैरियोटाइप के साथ, XX के साथ नहीं। शायद किसी कटोई का कत्ल किया गया है। स्तन सिलिकॉन के हैं। इसके अलावा, बर्फ का रासायनिक पैटर्न कोलिया में पाई गई बर्फ से अलग है। यह लैक्टोज और शिशु जुलाब से मिलाई गई गंदगी है। रिपोर्ट में इसके ईरानी या अफगान मूल का उल्लेख है। लीजिए।

पुलिस अधिकारी थानवत को लिफाफा सौंप देता है। उसकी खुशी छिन गई है, और रूसी को अपनी चारपाई पर दुबका देखकर वह गुस्से से आग बबूला हो जाता है। कोलिया अपना आपा खो बैठा है। वह जानता है कि जल्द ही उसे थाई जेल प्रणाली के अंधेरे में धकेल दिया जाएगा। मुझे "प्रिजन ब्रेक" श्रृंखला याद आती है। बैंग क्रांग जैसी भीड़भाड़ वाली जेलों की गंदगी और भीषण हिंसा के मुकाबले अमेरिकी जेलें आलीशान होटल जैसी लगती हैं। कोलिया को वहां जीवित रहने के लिए अपनी पूरी ताकत लगानी होगी। अधिकारी की आंखें चूहे को देखती बिल्ली जैसी हैं। एक ऐसी बिल्ली जो सोचती है कि हत्याओं के मामले में, सब कुछ फिर से शुरू हो गया है।

सोलह

मैं अनिच्छा से ब्लू नाइल लौट आया। मैं इस दिनचर्या को और बर्दाश्त नहीं कर सकता। मैंने कार्ल को दोबारा नहीं देखा, जो शायद अच्छा ही हुआ; अगर प्लोई नाम का पागल आदमी हाथ में चाकू लेकर पूरे शहर में उसका पीछा करता रहता, तो मैं कभी चैन से नहीं बैठ पाता। इसके अलावा, उसने मुझे वापस फोन भी नहीं किया और लगता है वह पटाया छोड़कर चला गया है।

खुशकिस्मती से, पिछले दो हफ़्तों से पियरे नाम के एक बुज़ुर्ग फ्रांसीसी मुझे अपने घर में ठहरा रहे हैं। हर शाम, वो किसी फ्रांसीसी रेस्टोरेंट में खाना खाना चाहते हैं। उन्हें महंगे और आलीशान रेस्टोरेंट बहुत पसंद हैं। जब वो खाना खाते हैं, तो मुझे ऐसा लगता है जैसे वो किसी मंदिर में प्रार्थना कर रहे हों... क्या रस्म है! क्या तमाशा है...! मेन्यू में मुझे सिर्फ़ पकवानों की कीमतें दिखती हैं; इतने सारे पैसे देखकर मेरा मन खराब हो जाता है। अक्सर मेरा मन करता है कि मैं उन्हें बाहर इंतज़ार करने का सुझाव दूँ, किसी गली के स्टॉल पर तीस बात में खाना खाएँ, और रात की रौनक देखें। वो मुझे बाकी पैसे दे देते हैं, और मैं किसी छोटे से ढाबे में तुलसी के साथ चिकन खा लेती हूँ।

मुझे पता है मैं ऐसा नहीं कर सकती। वो गुस्सा हो जाएगा, मुझे गंदी, अनपढ़ छोटी वेश्या कहेगा। मैं अपने ग्राहकों को समझने लगी हूँ। ये काम तो ज़िंदगी का एक सबक है। इन विकृत मानसिकता वाले लोगों को देखने के बाद, आप या तो सहनशील हो जाते हैं या उदासीन। आप अपनी मर्ज़ी चुनिए। लेकिन फिर भी, इतना सारा पैसा बर्बाद होते देखना बहुत दुखद है।

आज रात उसने मुझे शैम्पेन पिलाने का फैसला किया।

मुझे शराब पसंद नहीं है, डार्लिंग।

— ये वाइन नहीं है टॉय, ये तो शैंपेन है।

यह सच है, शराब। फ़्रांस्वा चाहता था कि मैं इसे चखूँ, और पापासन ने जियाब की विदाई पार्टी में फिर से यही किया। मुझे वह खट्टा स्वाद बिल्कुल पसंद नहीं, मैं कुछ नहीं कर सकती, लेकिन पियरे ज़िद कर रहा है। वह लगभग ज़बरदस्ती मेरा गिलास भर रहा है... तुम्हें इसे चखना ही होगा... मैं उसे खुश करने के लिए अपने होंठ गीले कर लेती हूँ। घिनौना। मैं मेनू देखती हूँ। बोतल की कीमत में, अगर कोई परिवार

सावधानी बरते तो एक महीने तक गुज़ारा कर सकता है। एकदम अकड़ा हुआ, चेहरे पर चापलूसी भरी मुस्कान लिए, वेटर पास में ही हमारे फैसले का इंतज़ार कर रहा है। अपनी नकली मुस्कान के पीछे, वह ज़रूर खूब हँस रहा होगा। वह जानता है कि थाई लड़कियों को यह पसंद नहीं है और अगर हमें पसंद भी आ जाए, तो सिर्फ़ कीमत ही हमें बीमार करने के लिए काफ़ी होगी। वह फ्रांसीसी मुझे घूरता है।

वह किस बात का इंतजार कर रहा है?

क्या कुछ हो रहा है?

क्या कोई रहस्यमय रहस्योद्घाटन हो सकता है?

क्या मैं बुद्ध की तरह ज्ञान प्राप्त कर सकता हूँ?

मैंने अपने होंठ फिर से गीले किए। बगल वाली मेज पर, सांवले रंग का एक भारतीय व्यक्ति लकड़ी के टूथपिक से अपने दांत साफ कर रहा था। वह मांस के छोटे-छोटे रेशे एक-एक करके निकाल रहा था, उन्हें ध्यान से निहार रहा था और फिर संतुष्टि भरे भाव से चबा रहा था। मैं सोच में डूबी रही, हाथ में शैम्पेन का गिलास लिए, अपनी आँखें बंद करके प्रशंसा का दिखावा कर रही थी, मानो कोई सूक्ष्म और कोमल आनंद मेरे भीतर समा रहा हो। मैंने वो पेशेवर चेहरा बनाया जो मैं चरम सुख का नाटक करते समय बनाती हूँ, और आँखों में कृतज्ञता की एक झलक लिए उसे देखकर मुस्कुराई।

— यह बहुत अच्छा है! मुझे शैम्पेन पसंद है।

राहत महसूस करते हुए, वह संतुष्ट मुस्कान के साथ अपनी कुर्सी पर वापस बैठ गया, एक छोटी सी सिगार जलाई जो बदबूदार तो होती है लेकिन मच्छरों को दूर रखती है, और अपना सिर पीछे झुकाकर धुंआ छत की ओर छोड़ दिया। अपने इस नए बदलाव से वह खुश था।

मुझे लगता है... कितना बेवकूफ है!

*

* *

पियरे मेरे परिवार से मिलने के लिए बेताब है। वह मुझसे जल्दी-जल्दी मिल रहा है, मानो उसे डर हो कि मैं उससे दूर चली जाऊंगी। सर्दी आने वाली है और शहर में पर्यटकों की संख्या बढ़ती जा रही है, जिनमें से कुछ युवा और आकर्षक हैं। ब्लू नाइल में काम करने वाली बुजुर्ग महिलाओं के अनुसार, पटाया में आने वाले पर्यटकों की उम्र हर साल बढ़ती जा रही है। शायद यह इंटरनेट का असर है, या शायद

इसलिए कि अब युवा पश्चिमी लोगों को भी पश्चिम में लड़कियां नहीं मिल पातीं? ब्लू नाइल में सेवानिवृत्त लोग अक्सर इस अनुचित प्रतिस्पर्धा की शिकायत करते हैं। खैर, मुझे लगता है कि मेरे परिवार से मिलने जाना अच्छा विचार नहीं है। मैं तो इसके बिल्कुल उलट सोचती हूं, लेकिन उसने ज़िद की और मैं मान गई।

बुरिराम में, वह अपनी किराए की टोयोटा वियोस की डिक्की में लियो बियर का एक केस और सिगरेट का एक कार्टन लोड करने के लिए बेताब है। वह एक ऐसे खोजकर्ता की तरह दिखता है जो नरभक्षी जनजाति का पक्ष जीतने के लिए गहने और रंगीन मोती लेकर आया हो। वह यह दिखाना चाहता है कि वह कंगाल नहीं है और ग्रामीण उसके बारे में कहेंगे:

पियरे एक अच्छा लड़का है। उन घटिया लोगों जैसा नहीं, उन फालतू विदेशियों जैसा नहीं, उन घटिया विदेशियों जैसा नहीं... वो सब बकवास जो हवाई जहाज़ से गिरती है और जिनका बार में काम करने वाली लड़कियाँ मज़ाक उड़ाती हैं।

वह बहुत बुरी तरह गाड़ी चलाता है, हर चौराहे पर हिचकिचाता है; कभी पूरी रफ्तार से सामने से आ रहे ट्रक से टकराकर हॉर्न बजाने का मन करता है, तो कभी स्टीयरिंग व्हील को झटका देकर हमें खाई के रुके हुए पानी में गिरा देता है। शायद इसलिए कि उसे बाईं ओर गाड़ी चलाने की आदत नहीं है, या शायद इसलिए कि वह बूढ़ा हो चुका है।

आखिरकार हम उस संकरी कच्ची सड़क पर मुड़ गए जो मेरी चाची के घर की ओर जाती थी। अब से मैं उन विलाओं के मालिकों की तरह हो गया हूँ जो मेरी माँ बनवाया करती थीं। घर से खाली हाथ निकला था, और अब वातानुकूलित कार में अपने सारे पैसे लेकर वापस आया हूँ। पियरे ने पुराने लकड़ी के घर के सामने गाड़ी खड़ी की। वह हमारे पवित्र घर, हमारे साँ फ्रा फौम (पारंपरिक माओरी घर) को देखकर आश्चर्यचकित रह गया। मैंने उसे चिढ़ाते हुए समझाया कि यह गुड़िया जैसा घर पक्षियों के लिए नहीं, बल्कि देवताओं, चाओ-थी (देवताओं) के लिए है, जो हमारी रक्षा करते हैं।

दरवाजे पर पहुँचकर मेरी चाची और भी सिकुड़ी हुई सी लग रही थीं। उन्होंने पियरे का अभिवादन एक हल्की सी आवाज़ और विनम्र मुस्कान के साथ किया, फिर मुझे ज़ोर-ज़ोर से गीले चुंबनों से भर दिया, मुझे अपने से इस तरह चिपका लिया मानो वह मेरी उपस्थिति का आश्वासन देना चाहती हों, ठीक वैसे ही जैसे कोई बूढ़ी औरत जिसे मुझसे दोबारा न मिलने का डर सता रहा हो। मैं उन्हें पहचान नहीं पाई; वह झुकी हुई थीं, बिखरे बालों वाली। अचानक, एक पल रुककर, उन्होंने मेरी त्वचा का रंग देखा, और उनके पहले शब्द एक फटकार जैसे लगे:

— तुम पूरी तरह से काली हो, टॉय: एक असली काली औरत। तुम्हें सावधान रहना चाहिए।

— ये पाआ बीच है, चिंता मत करो। पेरिस में तो मेरा टैन उतर ही जाएगा।

मैं उसे समझाती हूँ कि मेरी सांवली त्वचा से मेरे साथी को घृणा नहीं होती, बल्कि ठीक इसके विपरीत। काश उसे पता होता। वह भी बदल गई है। पीली आँखें, सूजी हुई पलकें, उसने खुद को बिल्कुल छोड़ दिया है। जहाँ मेरी त्वचा कैरेमल रंग की हो गई है, वहीं उसकी त्वचा राख के रंग जैसी बदसूरत हो गई है। उसके आसपास पसीने और पेशाब की एक अजीब सी गंध मंडराती रहती है। मुझे ऐसा लगता है जैसे मेरे चाचा के देहांत के बाद से वह दस साल बूढ़ी हो गई है। बुढ़ापा लहरों की तरह आता है: सालों तक बिना झुर्रियों के और फिर अचानक, जीवन आपको हिसाब चुकाने के लिए बिल भेज देता है। पाआ गुमसुम सी लगती है, अपने व्यवसाय, घर, स्वच्छता की उपेक्षा करते हुए अपना सारा दिन मंदिर में बिताती है। ऐसा लगता है जैसे वह एक प्रकार की घोर भक्ति में लीन हो गई है जिससे उसे अपने दुर्लभ सुख के क्षण मिलते हैं।

पियरे मुझसे मेरी चाची की उम्र के बारे में पूछता है।

पाआ की उम्र पैंतालीस वर्ष है।

वह साठ साल से अधिक उम्र की दिखती है

— तुम पागल हो!

जब एक पड़ोसी हाथ में चाकू लिए रात के खाने के लिए मुर्गी पकड़ने की कोशिश कर रहा था, तभी पा ने पुरानी तस्वीरों वाला एक धूल भरा एल्बम निकाला। उसने उसे खोलकर मेरी माँ की तस्वीर निकाली।

"तुम बिल्कुल उसके जैसी दिखती हो, वह एक खूबसूरत महिला थी," पियरे ने कहा।

पाआ अपने छोटे भाई की तस्वीर पर कुछ देर रुकती है, जिसकी ग्यारह साल की उम्र में त्रिकोणीय सांप, न्गु सैम लिएम के काटने से मौत हो गई थी। वह उसके बारे में बहुत बातें करती है, मुझसे पूछती है कि क्या मुझे वह याद है। मैं शर्मिंदा होकर उसकी तरफ देखता हूँ: उसका भाई मेरे जन्म से तीन साल पहले मर गया था। जैसे-जैसे वह मौत के करीब पहुँच रही है, ऐसा लगता है जैसे वह उन प्रियजनों को फिर से खोज रही हो जो बहुत जल्दी दुनिया छोड़ गए। मानो वह परलोक के पहाड़ों में अपने नए जीवन में उनसे फिर से मिलने की तैयारी कर रही हो। फिर वह अतीत के अजनबियों पर अपनी उंगली रखती है, इस विश्वास के साथ कि पियरे उसे समझता है, जबकि वह बस तिरछे चेहरों के बीच मुझे पहचानने की कोशिश कर रहा है। वह अक्सर सफल हो जाता है, पुरानी तस्वीरों में भी। मैं उससे पूछता हूँ:

आप ये कैसे करते हैं? आपमें एक प्रतिभा है।

नहीं, यह बहुत आसान है। आप हमेशा दूसरों से थोड़ी दूरी बनाए रखें।

— क्या आप हलचल से दूर हैं?

हां, समूह से दूर, जैसे कि क्वारंटाइन में।

फिर मेरी चाची लड़खड़ाते हुए उठती हैं और पानी पीने जाती हैं। मैं पियरे से अपने भाई की स्कूल की फीस मांगती हूँ। जब से उसने मुझे बार में काम करना बंद करने को कहा है, तब से फीस देना उसकी ज़िम्मेदारी है। लेकिन हर बार वह बेमन से देता है, मानो मैं उसका फ़ायदा उठाने की कोशिश कर रही हूँ, उसके पैसे का दुरुपयोग कर रही हूँ। वह बार-बार वही पुरानी कहानियाँ सुनाता रहता है कि कैसे बार की लड़कियाँ विदेशियों को लूटती हैं, ताकि मैं समझ जाऊँ कि उसके साथ तो कोशिश करना भी बेकार है। फिर वह बार की लड़कियों का मज़ाक उड़ाते हुए कहता है... भैंस, वह मर जाएगा, पैसे भेजो... मेरा खून खौल उठता है और मैं ज़ोर से चिल्लाती हूँ:

> अगर आप मेरी देखभाल नहीं करेंगे तो मैं ब्लू नाइल वापस जा सकता हूँ। गली छह में वापस जाने में मुझे कोई दिक्कत नहीं है, वहाँ मेरे कई दोस्त हैं।

वह मुंह बनाता है और चुप हो जाता है। उस शाम, जब मैंने उसके लिए बिस्तर लगाया और उसे यह जानकर आश्चर्य हुआ कि हम अलग-अलग कमरों में सोएंगे, तो उसे लगा कि मैं बदला ले रही हूँ। लेकिन यह सच नहीं था; भले ही हमारे रिश्ते की सच्चाई किसी को भी पता न हो, हमें पा के सम्मान में अपनी इज़्ज़त बचानी थी। बाहर के शौचालय से लौटते हुए, वह मच्छरों के झुंड की शिकायत करता है। उसे सिगरेट पी लेनी चाहिए। मैं चालाकी से उसे याद दिलाती हूँ कि मैं आना नहीं चाहती थी, लेकिन उसने इसे "पक्का" करने पर ज़ोर दिया। यह शब्द सुनते ही मैं हँसी से लोटपोट हो गई।

वह यह दावा करके स्थिति को शांत करने की कोशिश करता है कि उसे आकर खुशी हुई है:

मुझे इसका कोई अफसोस नहीं है, यह एक अनुभव था।

पियरे कभी यह स्वीकार नहीं करना चाहता कि वह गलत था।

*

* *

चूंकि गांव में किसी विदेशी के लिए करने को कुछ नहीं था, इसलिए अगले दिन हमने फनोम रुंग मंदिर के खंडहरों को देखने का फैसला किया। एक घंटे से अधिक समय तक एक ऐसे रास्ते पर हिचकोले खाते हुए चलने के बाद, जिसे मुश्किल से सड़क कहा जा सकता है, उसने अपनी वियोस कार को एक सुनसान पार्किंग स्थल में खड़ी कर दी। एक प्राचीन ज्वालामुखी शंकु के शिखर पर लाल बलुआ पत्थर से बना एक प्राचीन खमेर मंदिर स्थित था।

चिलचिलाती धूप में हम एक भव्य सीढ़ी चढ़ना शुरू करते हैं। खंडहरों ने हमेशा मुझे आकर्षित किया है। इन खंडहरों के बीच, मुझे एहसास होता है कि जीवन कितना क्षणभंगुर है। एक साल से भी कम समय में, मेरी माँ और चाचा हमें छोड़कर चले गए। मैं अभी अठारह साल का भी नहीं हुआ हूँ, लेकिन मुझे पहले से ही पता है कि मृत्यु ही हमारा एकमात्र लक्ष्य है।

ऊपर चढ़ते हुए, बलुआ पत्थर के नाग हमें देखते रहते हैं। मैं समय के धुंध में खोए एक विशाल निर्माण स्थल का सपना देखता हूँ, सदियों पहले मर चुके वास्तुकारों का, जो एक लुप्त राजा के गौरव के लिए एक पवित्र स्थान का निर्माण कर रहे थे। पियरे धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा है, मैं भी अपनी गति धीमी कर लेता हूँ। वह अब जवान नहीं है, विनाश के करीब है। उसके पास कितने साल बचे हैं? मुझे लगता है कि मैं उसकी खुशी पाने की आखिरी कोशिश हूँ। हम सभी विनाश के लिए नियत हैं, लेकिन वह मुझसे पहले चला जाएगा। हम संसार में फँसी हुई निंदित आत्माओं के एक विशाल समूह से संबंधित हैं: मृत्यु और पुनर्जन्म का महान चक्र। बेतुके अस्तित्वों की एक श्रृंखला, घिनौने चक्र: जन्म लेना, कष्ट सहना, मरना। यह पवित्र स्थान मानव जाति को यह याद दिलाने के लिए बनाया गया था कि उनका जीवन खंडहरों का मैदान है। हमारी सभ्यताएँ लुप्त हो जाएँगी। हमारे मंदिर धूल में मिल जाएँगे। हमारे शरीर सड़ जाएँगे। हमारा प्यार मोमबत्ती की लौ की तरह बुझ जाएगा। हम जो कुछ भी हैं, सब कुछ बह जाएगा, यहाँ तक कि हमारी स्मृति भी। एक दिन, मुझे कोई याद नहीं रखेगा, न ही मेरे जीवन को। मेरा कुछ भी शेष नहीं रहेगा, और कभी-कभी यह बात मुझे दुखी कर देती है।

तापमान चालीस डिग्री से भी ऊपर है। पियरे भैंस की तरह हांफ रहा है और हर दस कदम पर रुक जाता है। पवित्र चबूतरे पर पहुँचकर वह बरगद के पेड़ की छाँव में आराम करने का फैसला करता है, जबकि मैं मंदिर का भ्रमण करने चला जाता हूँ।

एक गैलरी मुख्य गर्भगृह की ओर जाती है, जो मेरु पर्वत का प्रतीक है। दीवारों पर प्राचीन भारतीय कथाएँ खुदी हैं, जिनमें कई भुजाओं वाले राक्षस हाव-भाव करते हुए मुझे आतंकित करते हैं। भीतरी आंगन में एक मोड़ मुड़ते ही, अचानक मेरा सामना काली माँ से होता है, जो एक कटा हुआ सिर लहराते हुए पत्थर की जीभ बाहर निकालती हैं। काली माँ, इस युग की देवी जो जीवन को निगल जाती है। वह विनाश और पुनर्जन्म है। क्रूर चामुंडा, स्त्रीत्व का प्रतीक, कामुकता और मोहक शक्ति। काली माँ हमें सिखाती है कि मृत्यु दो अस्तित्वों के बीच का एक मार्ग मात्र है। मृत्यु और कामुकता एक ही हैं: काली या गारी, थाई भाषा में वेश्या। शायद इसलिए कि काली की तरह, वेश्याएँ भी कटे हुए सिरों को अपनी धरोहर के रूप में इकट्ठा करती हैं।

मैं कुछ देर रुककर काली माता की बलुआ पत्थर की प्रतिमा को निहारती हूँ। मैं अपने जीवन के बारे में सोचती हूँ, उन लोगों के बारे में जिन्हें मैंने प्यार किया: जो मर गए या मुझसे बिछड़ गए। काली में, मुझे अपनी माँ की कोमल उपस्थिति का एहसास होता है; वह मेरे पास निवास करती हैं, मेरे सपनों की रक्षा

करती हैं और राक्षसों को दूर भगाती हैं। आज पहली बार मैं उनसे मिलने मेरु पर्वत पर आई हूँ। एक दिन मैं हमेशा के लिए वापस लौटूँगी, और हम हमेशा के लिए फिर से मिल जाएँगे। हमारा परिवार देवताओं के पर्वत पर फिर से एक हो जाएगा, और मैं अंततः खुश हो जाऊँगी।

जब पियरे मुझे काली मां के सामने पाता है, तो वह बड़बड़ाने लगता है:

— क्या आप बहरे हैं? मुझे चिंता हो रही थी, मैं आपको कम से कम एक घंटे से फोन कर रहा हूँ।

मूर्ति को देखकर वह आनंद से भर उठा:

— माफ कीजिए, अब मुझे समझ में आया कि आप वहां क्यों रुके थे।

- यह क्या है?

क्या आपको मूर्ति दिखाई नहीं दे रही?

— क्या? ये तो बस काली हैं, एक हिंदू देवी।

— वह बिल्कुल तुम्हारी तरह दिखती है। शायद तुम्हारे पूर्वजों में से किसी ने मूर्तिकार के लिए मॉडल का काम किया होगा।

मैं कंधे उचका देता हूँ। पत्थर में मुझे केवल मेई का दयालु चेहरा ही दिखाई देता है जो मेरी ओर मुस्कुरा रहा है।

बुरिराम से लौटते समय हम अम से मिलने रुके, जो उस रात अपने माता-पिता के घर पर ठहरी हुई थी। उन्होंने अपना घर अपनी इकलौती बेटी को दे दिया था और अब वे उन नए उपनगरीय आवासीय इलाकों में से एक में रहते थे जो पूरे देश में मशरूम की तरह उग रहे थे। डेवलपर्स को पूरा यकीन था कि देर-सवेर थाई लोग अमेरिकी मॉडल का अनुसरण करेंगे। यह बात मुझे बिल्कुल ठीक लगी, क्योंकि मुझे उसके भ्रष्ट और चालाक पति से मिलने या अपने पुराने फ़ारंग (विदेशी) के बारे में बुरी बातें सुनने की कोई इच्छा नहीं थी। गाँव से मेरा रिश्ता कमज़ोर होता जा रहा था। अम की दोस्ती मेरे बचपन की आखिरी निशानी थी। और वैसे भी, भले ही अम के माता-पिता को अंग्रेज़ी के कुछ ही शब्द आते थे, पियरे इस घर में सहज महसूस करेगा, जो मेरी नज़र में मध्यम वर्ग का प्रतीक था।

उनकी मां, एक छोटी कद की महिला जिनके दांत थोड़े खराब हैं लेकिन जो बेहद प्यारी हैं, हमें ठंडी बीयर लाकर देती हैं जबकि हम अम के पिता को फानोम रुंग की अपनी यात्रा के बारे में बता रहे होते हैं। वे हाल ही में थाईलैंड की स्टेट रेलवे से सेवानिवृत्त हुए हैं, जहां वे वरिष्ठता के आधार पर उप विभाग प्रमुख के पद तक पहुंचे थे और एक रहस्यमय दुनिया में प्रवेश कर चुके हैं, जिसके बारे में अम ने हंसते हुए मुझे बताया कि वे उसी गंभीरता और विवेक से बात करते हैं जैसे कि वे पुलिस के अपराध दमन विभाग में काम करते हों।

"तो तुमने वो मशहूर चौखट देखी?" उसने मुझसे पूछा, अपनी लंबी पाइप से धुआं निकालते हुए और एक घिनौनी गड़गड़ाहट की आवाज निकालते हुए।

कौन सा चौखट?

— नराई का चौखट। एक पल रुकिए।

अम के पिता एक पल के लिए गायब हो जाते हैं और फिर हाथ में एक पुराना कैराबो विनाइल रिकॉर्ड लेकर लौट आते हैं। वह मुझे वह रिकॉर्ड देते हैं। कवर पर, स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी ने एक पत्थर के चौखट को अपने सीने से कसकर पकड़ रखा है। उसके नीचे, उन्होंने लिखा है "चौखट"... थाप लैंग।

मुझे समझ नहीं आया। क्या यह फानोम रुंग का लिंटेल है?

— इसे 1960 में एक अमेरिकी अरबपति के कहने पर चुराया गया था, जिसने कॉफी के कारोबार से खूब पैसा कमाया था। लगभग बीस साल बाद, जब अभयारण्य का जीर्णोद्धार शुरू हुआ, तो हमारी सरकार इसे वापस पाना चाहती थी, लेकिन नाराई चौखट शिकागो के एक संग्रहालय की संपत्ति बन चुकी थी। यह 1988 की बात है, और संग्रहालय ने चोरी की गई वस्तु को लौटाने के लिए ढाई लाख डॉलर की मांग की, इसलिए काराबाओ ने धनराशि जुटाने के लिए यह एल्बम जारी किया। सुनिए।

वह 33 आरपीएम रिकॉर्ड को अपने पुराने टर्नटेबल पर रखता है। कैराबो की सम्मोहक आवाज गूंजती है:

अपने माइकल जैक्सन को वापस ले लो, हमें हमारा फ्रा नाराई वापस दे दो!
क्योंकि हम एक जैसी भावनाएँ नहीं रखते।
क्योंकि हम एक जैसी बातें नहीं समझते।

पियरे को थाई भाषा का एक शब्द भी समझ नहीं आता, लेकिन उससे भी ज़्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि उसे हमारी संस्कृति में ज़रा भी दिलचस्पी नहीं है। उसके लिए थाई लोग मुस्कुराते हुए, आलसी और ऐसे लोग हैं जो फ्राइड राइस, सस्ते कपड़े और वेश्यालयों के अलावा कुछ और पैदा करने में असमर्थ हैं। फानोम रुंग घूमने के बाद भी, वह हमारी तुच्छता को लेकर आश्वस्त है। जब भी कोई चीज़ उसे चौंका देती है—जैसे कि थोड़ा गंदा आंगन, खराब हालत वाली सड़क, या कोई किसान जो अभी भी अपनी भैंस से खेत जोत रहा हो—तो वह मुझे श्रेष्ठता का भाव दिखाते हुए बिना नहीं झिझकता। मेरे परिवार और दोस्तों से संवाद करने में असमर्थ, वह खुद को एक अभिमानी और विनम्र तिरस्कारपूर्ण रवैये में अलग-थलग कर लेता है।

उस शाम, एम के माता-पिता के घर से लौटते समय, मैंने पियरे से कहा कि वह सड़क पर दो सौ मीटर आगे गाड़ी तेज़ चलाए। मैंने उसे समझाया कि आत्माओं का चौराहा रात में बहुत खतरनाक होता है, हमें वहाँ से जितनी जल्दी हो सके निकलना होगा, और सबसे ज़रूरी बात, वहाँ रुकना नहीं है। बड़े-बुज़ुर्ग कहते हैं कि इस चौराहे पर भूत-प्रेत घूमते हैं; ये उन लोगों की आत्माएँ हैं जिनका एक्सीडेंट हुआ है, और वे जानबूझकर टक्करें करवाती हैं ताकि दूसरी आत्माएँ आकर उनसे मिल जाएँ। यह सुनकर वह ज़ोर से हँस पड़ा।

गाँव का जीवन उसके लिए नहीं है। मुझे तो यह घुटन भरी जगह भी अपने लिए ठीक नहीं लग रही। मेरा मंदबुद्धि भाई, जिसके बाल कुत्ते जैसे हैं और जो दिन भर गायब रहता है, उसे जानबूझकर नज़रअंदाज़ करता है, और जब वह इस बूढ़े गोरे आदमी के प्रति तिरस्कारपूर्ण शत्रुता नहीं दिखा रहा होता, और मेरी झुकी हुई चाची, जो अपना सारा दिन अगरबत्ती के सामने घुटने टेककर बिताती है, इन सबने मिलकर मुझे यहाँ सज़ा जैसा महसूस करा दिया है। मैं यहाँ अपना प्रवास छोटा करके पटाया वापस जाने के बारे में सोच रही हूँ।

सुबह जब टोयोटा वियोस ऊबड़-खाबड़ सड़क पर अपनी यात्रा फिर से शुरू करती है, तो वह राहत महसूस करता है। मैं भी।

*

* *

पियरे मेरे वीज़ा के कागज़ात पूरे करने के लिए फ्रांस वापस चला गया है। इस बीच, वह मेरे लिए जोमटियन में, सोई 6 से सबसे दूर वाले इलाके में एक कमरा किराए पर ले रहा है और उसने मुझे रोज़ाना फ्रेंच की क्लास में दाखिला दिला दिया है। यह एक खूबसूरत भाषा है, जिसमें मधुरता है, लेकिन मैं कितनी भी कोशिश कर लूँ, मुझे यह समझ नहीं आती। यह अंग्रेज़ी से भी ज़्यादा कठिन है। मुझे सबसे ज़्यादा पसंद हैं वो फ्रेंच प्रेम गीत जो मेरे शिक्षक, श्रीमान रेमंड, मुझे जल्दी सीखने में मदद करने के लिए सुनाते हैं। मेरा सबसे पसंदीदा गीत एक लड़की के बारे में है जो अपनी माँ के लिए गा रही है।

मेरे सभी दोस्त चले गए हैं
मेरा दिल बदल गया है
मेरी छुट्टियाँ हमेशा पेरिस में ही बीतती हैं

मेरी योजनाएँ जारी रहेंगी
मेरे प्रेम का उद्देश्य आविष्कार करना है

जब मैं इसे सुनती हूँ, तो मेरा दिल टूट जाता है, मुझे माए और फ्रांस्वा की याद आती है। मेरे प्रियजन मुझे छोड़कर क्यों चले गए?

लेकिन मेरा भविष्य अनिश्चित बना हुआ है, और मेरा दिल भी।

मुझे पियरे की याद नहीं आती। उसके लिए मेरे मन में जो भावना है, वह कोमलता से ज़्यादा कृतज्ञता के करीब है। वैसे भी, यह प्यार नहीं है। कभी-कभी तो मैं उससे नफ़रत भी करती हूँ, क्योंकि वह बेहद स्वार्थी है, दूसरों की भावनाओं को समझ नहीं पाता। फिर भी, वही एकमात्र ऐसा व्यक्ति है जिसने कभी मुझसे संपर्क किया। मुझे इसके लिए उसका आभारी होना चाहिए, भले ही मैं जानती हूँ कि पियरे सिर्फ़ अपने लिए जीता है, अपने परिष्कृत स्वाद और भौतिक सफलता पर गर्व करता है। उसके लिए, मैं बस एक और ट्रॉफी हूँ, धन का एक बाहरी प्रतीक। यही बेहतर है: प्यार दर्द देता है। फ़्रांस्वा और साई ने मुझे बहुत निराश किया। फिर भी, मुझे अक्सर उनकी याद आती है, और जब मैं उनके बारे में सोचती हूँ, तो मेरा दिल दुखता है और मेरी आँखों में आँसू भर आते हैं। एक शाम, ब्लू नाइल के बंद होने से पहले, लेक को मेंढक पकड़ने के लिए दौड़ते हुए देखकर, माँ ने कंधे उचकाए और मुझसे कहा:

— उस प्रेम में डूबी मुर्गी को देखो, जो अपने मुर्गे को ढूंढने के लिए दौड़ रही है। किसी न किसी रूप में, प्रेम हमेशा एक कमजोरी होती है।

पियरे मुझे हर दिन फोन करता है, लेकिन कभी भी एक ही समय पर नहीं, मेरी वफादारी परखने के लिए। उसे किसी सामान्य लड़की या छात्रा से मिलने की कोशिश करनी चाहिए। जब मैं फोन उठाती हूँ, तो मुझे उसकी आवाज़ में राहत का एहसास होता है। कभी-कभी वह अपने अविश्वास की बेशर्मी को जानते हुए माफी मांगता है और मुझसे वीज़ा के बारे में बात करता है।

— आपको वीजा मिल जाएगा। बस कुछ समय की बात है। चिंता मत करो टॉय।

मुझे कोई चिंता नहीं है। काश उसे पता होता कि मुझे इस वीज़ा की कितनी कम परवाह है। मुझे तो यह भी पक्का नहीं पता कि मैं जाना चाहती हूँ या रुकना भी चाहती हूँ। मैं बस हालात के साथ चल रही हूँ। मैं जेफ से डाइव क्लब में मिलने जाना चाहती थी, लेकिन उसके थाई सहायक ने बताया कि उसे ज़हरीली जेलीफ़िश ने काट लिया है और बैंकॉक के एक अस्पताल में उसकी निगरानी हो रही है। जब मैंने उससे मिलने के लिए अस्पताल का नाम पूछा, तो डेस्क पर बैठी पचास साल की उम्र की परम्ड हेयरस्टाइल वाली थाई महिला ने मुझे ऐसे टाल दिया जैसे कोई पत्नी ही टालती है।

शाम को, अपने कमरे में अकेले, मैं अपनी माँ से बातें करती हूँ। सूर्यास्त के समय, जब सड़क पर चहल-पहल लौट आती है, तो उनकी आत्मा मुझसे मिलने आती है। वह बिस्तर पर बैठती हैं और क्रोंग टिप सिगरेट जलाती हैं। बाहर, जीवन चलता रहता है, गाड़ियों की निरंतर आवाजाही, पर्यटकों को लुभाने के लिए पिकअप ट्रकों के हॉर्न। अंधेरे में बैठे हुए, हम जीवन, प्रेम और मृत्यु के बारे में बातें करते हैं। मेरु पर्वत से, वह सब कुछ देखती हैं; मेरे किसी भी डर या सुख से वह बच नहीं पातीं। मुझे पता है कि वह मुझ पर नज़र रखती हैं। माँ ने मुझे कभी नहीं छोड़ा।

कभी-कभी वह खुद को दोष देती है कि उसने मुझे बहुत जल्दी छोड़ दिया, और मुझ पर इतनी कम उम्र में ही इतनी ज़िम्मेदारियाँ डाल दीं। मैं उससे कहती हूँ कि मुझे ही माफ़ी माँगनी चाहिए क्योंकि मैंने "गलत रास्ता" चुना, वह रास्ता जो अपायों, चार निम्न लोकों की ओर ले जाता है। मैं "सही रास्ते" पर, देवताओं के रास्ते पर नहीं चल पाई। या तो मैं इतनी मज़बूत नहीं थी, या हम बहुत गरीब थे। मुझे अब ठीक से याद नहीं है, और अब इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं बस इतना जानती हूँ कि मेरी माँ दोषी नहीं है, कि हम अपना जीवन नहीं चुनते, और मृत्यु तो बिल्कुल भी नहीं। मे कभी-कभी मुझसे मेरे पिता के बारे में बात करती है, उस शापित प्रेम के बारे में जिसने उनका जीवन तबाह कर दिया। मैं समय को पीछे मोड़ना चाहती हूँ, उन खुशियों भरे दिनों को फिर से जीना चाहती हूँ जब वह मुझे अपनी बाहों में झुलाते थे और वह शाम का खाना बनाते हुए गाती थीं। लेकिन समय की नदी कभी पीछे नहीं मुड़ती।

जब माई अपनी सिगरेट बुझा देती है और मैं सो जाता हूँ, तो मुझे पता होता है कि वह मुझे छोड़कर नहीं जा रही है, वह मेरे सपनों की रक्षा करने और मेरे बुरे सपनों को दूर भगाने के लिए मेरे पास ही रहती है।

*

* *

आखिरकार, वो बड़ा दिन आ गया। मैंने नट को अलविदा कहने के लिए फोन किया:

> मैं आज रात पेरिस के लिए रवाना हो रहा हूँ। तुम्हें पता है, पिछली बार हमारा बिछड़ना मुझे अच्छा नहीं लगा था।
>
> — फिर भी, अपनी पुरानी प्रेमिका को न भूलने के लिए धन्यवाद।
>
> आप कैसी हैं? और आपकी बेटी कैसी है?
>
> — आपको पता है, यहाँ ज्यादा कुछ नहीं बदला है। अरिसा बड़ी हो रही है।

क्या वह ठीक है?

हां, बहुत प्यारी, मनमोहक। मुझे उसकी बहुत याद आती है। मैं उसे अक्सर फोन करती हूं।

और फैक्ट्री?

स्पाइडर को पदोन्नति मिल गई।

— मैं उसे कपड़े में अपना धागा बुनने दूंगा। कमीने हमेशा बच निकलते हैं। क्या आपको कमरे के लिए कोई मिल गया है?

— जी हाँ, गाँव की किराना व्यापारी माँ माली की बेटी।

— लिटिल दाओ?

हां दाओ, लेकिन अब वो इतनी छोटी नहीं रही। वो मुझसे लंबी और काफी समझदार है। वो पिछले महीने पैकेजिंग विभाग में काम करने आई थी, उसी पद पर जिस पर तुम काम करती हो। हम किराया साझा करते हैं।

मैंने व्यंग्यपूर्वक उत्तर दिया:

पैकेजिंग खतरनाक होती है, तुम्हें पता है। दाओ साई जैसी लड़की के चंगुल में फंस सकती है और उसे भ्रष्ट कर सकती है।

— मुझे चिढ़ाओ मत, टॉय। मुझे अच्छी तरह पता है कि आखिर में तुम ही बच निकले। इसे बार-बार दोहराने की ज़रूरत नहीं है। मैं टस से मस नहीं हुआ हूँ। मैं एक घटिया इंसान हूँ, और हमेशा घटिया ही रहूँगा।

ऐसा मत कहो, तुम जानते हो कि यह सच नहीं है। तो, अब तुम मुझसे नाराज़ नहीं हो?

नहीं, मैं बस हमारे अच्छे पल, हमारी हंसी-मजाक को याद रखूंगा। तुम्हारा जाना सही था। खैर, यहाँ ताइवान में, वे सभी मशीनों को वियतनाम भेजने की बात कर रहे हैं।

— वियतनाम में क्यों?

— लगता है वहां चीजें सस्ती हो गई हैं...

- कचरे का कितना सारा बोज़ है!

— आप ऐसा दोबारा कह सकते हैं। माफ कीजिए, लेकिन मुझे सच में जाना होगा, हमें काम पर वापस जाना है। जब आप वहां पहुंच जाएं, तो मेरे लिए थोड़ा परफ्यूम भेजना याद रखना।

मैंने प्रिचा से संपर्क करने की कई बार कोशिश की, लेकिन हर बार एक बेजान सी आवाज़ ने बताया कि उसका DTAC नंबर अब चालू नहीं है। मिनीबस आज दोपहर बाद देर से आएगी। पटाया में बिताए इन महीनों का क्या बचेगा? फैमिलीमार्ट के पास से गुज़रते हुए अचानक मुझे अपना कमरा आखिरी बार देखने की तीव्र इच्छा हुई। मेरा दिल यादों से भर गया, मैं ऊपर गई और अपने कमरे का दरवाज़ा खटखटाया। ब्लीच किए बालों वाला एक दुबला-पतला, बिना शर्ट का लड़का दरवाज़ा खोलता है, हैरान सा लग रहा था, बिल्कुल उस तरह का गो-गो बॉय जो रात भर पार्टी करने के बाद थोड़ा बिखरा हुआ सा लग रहा था।

> मुझे माफ़ करना, लेकिन मैं आपसे पहले यहाँ रह चुका हूँ। पटाया छोड़ने से पहले मैं बस अपना कमरा एक बार फिर देखना चाहता था।

झुर्रियों वाले चेहरे वाली पागल औरत मुझे अजीब तरह से घूर रही है। मैं अंदर झाँकती हूँ। जिस पलंग पर साई और मैंने प्रेम किया था, उसे हटा दिया गया है। दीवार पर समलैंगिक हस्तियों के पोस्टर लगे हैं। सब कुछ उलट-पुलट कर दिया गया है। सुनहरे बालों वाली वो औरत सही कह रही थी, मैं सच में बहुत परेशान हूँ जो उसे दोबारा देखना चाहती हूँ। यहाँ वापस आने का कोई मतलब नहीं, इस घिनौने अतीत से चिपके रहने का कोई फायदा नहीं, क्योंकि भविष्य मुझे डराता है, क्योंकि मैं अभी भी साई की कमी को भुला नहीं पाई हूँ।

मैं ब्लू नाइल में लड़कियों को अलविदा कहने के लिए रुका। पोर्न बार में पालथी मारकर बैठी थी और पूरी तरह अपने नाखूनों पर नेल पॉलिश लगाने में मग्न थी। वी वहाँ नहीं थी, वह एक ग्राहक के साथ लंबी यात्रा पर गई हुई थी। मैम मुझे पूरी तरह से नज़रअंदाज़ कर रही थी। वह नाराज़ थी क्योंकि पियरे ने मुआवज़ा देने और मेरे जाने पर पारंपरिक विदाई पार्टी देने से इनकार कर दिया था। एंडी ने कंधे उचका दिए और इस मुद्दे को आगे नहीं बढ़ाया, लेकिन मैम, जो ज़्यादा नाराज़ थी, ने मुझसे नाराज़गी जताई और लड़कियों से कहा कि मैंने ईमानदारी से काम नहीं किया। एक वेश्या के लिए ईमानदारी से काम करने का मतलब ही क्या होता है? उसने लड़कियों को मेरे खिलाफ भड़का दिया है; वे बेवकूफ सोचती हैं कि मैंने उन्हें एक शानदार पार्टी से वंचित कर दिया, जबकि पियरे के कंजूस होने में मेरी कोई गलती नहीं है।

मुझे कई नए चेहरे नज़र आते हैं, अपरिचित चेहरे। मुझे नोई और नोंग कहीं नहीं दिखतीं। पोर्न थोड़ी ईर्ष्या भरी आवाज़ में मुझे बताती है कि अब उनके नियमित बॉयफ्रेंड हैं।

> एक हफ्ते बाद ही नोंग का एक बॉयफ्रेंड बन गया था। महारानी माँ बहुत क्रोधित हुईं।
>
> — ये तो सामान्य बात है, एक खूबसूरत लड़की, अभी तक कोई चोट नहीं खाई है। एक विदेशी उसे अपनी नियमित प्रेमिका बना सकता है।

— एक खेल?

महारानी माँ ने उस कमीने कोब के साथ आखिरी झगड़े के बाद एक रात उसे नौकरी से निकाल दिया, जिसने बार में घुसकर अपने पैसे मांगने की हिम्मत की थी। आखिरी बार जब मैंने सुना था, वह हैप्पी-ए-गोगो में वॉकिंग टूर पर काम कर रही थी।

— क्या अब भी वह अपने मेंढक से चिपका हुआ है?

- हमेशा।

मुझे पता चला है कि या ऊपर अपने किसी खास ग्राहक के साथ है और युफा अपनी बेटी चोम्पू के जन्मदिन के लिए एक हफ्ते के लिए गाँव वापस गई है। मामासन मुझसे बात नहीं करती; वह मुझे असहज महसूस कराती है, इसलिए मैं वहाँ रुकने की हिम्मत नहीं करती। मेरी ज़िंदगी पहले ही कहीं और है। जैसे ही मैं लाल पर्दा हटाकर गली की गर्म हवा में कदम रखती हूँ, नील नदी अतीत में ऐसे समा जाती है जैसे कोई भारी भरकम नाव समुद्र में धंस रही हो।

मैं समुद्र के नीले रंग को आखिरी बार निहारने के लिए पैदल चलकर बीच तक जाता हूँ। एक विशाल बस, डबल पार्किंग में खड़ी, इंजन चालू, कीड़ों जैसे शरीर वाले चीनी लोगों से भरी हुई है। वे अपने बीच टॉवल गले में डाले, बेसब्री से संकरे बीच की ओर दौड़ते हैं। आज रात मैं शहर छोड़ दूँगा। दुनिया अचानक फसल कटाई के बाद धान के खेत की तरह खाली लगने लगती है। पटाया में बिताए मेरे समय की क्या यादें रह जाएँगी? विदेशियों की हार्ड ड्राइव में दबी कुछ डिजिटल तस्वीरें, एक मुस्कुराती हुई लड़की की छुट्टियों की यादें जिसका नाम अब भुला दिया गया है... फ्रांस्वा, कैटरीना, शायद कार्ल, मेरा पहला नाम याद रखेंगे... हज़ारों सवाल मेरे दिमाग में उमड़ रहे हैं... रोज़मर्रा की ज़िंदगी के बोझ के साथ हमारा रिश्ता कैसे आगे बढ़ेगा? क्या उसका परिवार, उसके दोस्त मुझे स्वीकार करेंगे? मेरा दिल उस नए जीवन के बारे में सोचकर दुखता है जो मेरा इंतज़ार कर रहा है, वहाँ की ठंड के बारे में जो मुझे अंदर तक कंपा रही है। मुझे अब पता नहीं कि मैं क्या चाहता हूँ। जीवन मुझे अंधकारमय और डरावना लगता है; यह मुझे डराता है, बचपन से ही डराता रहा है, जैसे कोई घना जंगल हो जिसे मुझे पार करना हो, हर पेड़ के पीछे भयानक डरावनी चीजें छिपी हों। मैं इस दुनिया के लिए नहीं बना हूँ; मेई सही थी जब उसने नशे में धुत रातों में मुझ पर चिल्लाया था:

— तुम्हारे जैसी लड़कियों को जन्म के समय ही खत्म कर देना चाहिए।

मैं विनाशक काली देवी के बारे में सोचती हूँ, उस अराजकता के बारे में जो मेरे भीतर लगातार बढ़ती ही जा रही है। कभी-कभी, मेरा मन करता है कि मैं अपनी माँ के साथ मेरु पर्वत पर जाऊँ और अंततः शांति पाऊँ।

मिनीबस उष्णकटिबंधीय रात में बेतहाशा रफ्तार से दौड़ रही है। एक घंटे में मैं हवाई अड्डे पर होऊँगी। क्या सच में यही मैं चाहती थी? मुझे नहीं पता, मैं पागल हो गई हूँ। रुकना या जाना, इससे कोई फर्क नहीं

पड़ता क्योंकि मुझे कुछ नहीं चाहिए, कुछ नहीं चाहना। बस मुझे दो दुनियाओं के बीच तैरने जैसा अजीब सा एहसास हो रहा है, जैसे दो जलधाराओं के बीच अधसड़ी हुई कुत्ते की लाशें तैर रही हों। दुनिया से अलगाव का एहसास, बचपन से थोड़ा ज़्यादा, लेकिन मुझे पता है कि यह हमेशा से मेरे अंदर गहराई में छिपा हुआ है। मैं खुद को खोज रही हूँ, लेकिन पा नहीं पा रही, इस भयानक निश्चितता के साथ कि जन्म से ही मुझे पागलखाने में बंद कर दिया गया है। दूसरे लोग हमारे जीवन के खालीपन को कैसे नहीं समझ पाते? मैं यह मानना चाहती हूँ कि दूसरे सही हैं, इन बेतुकी नियतियों को स्वीकार करने की कोशिश करना चाहती हूँ, लेकिन अंदर ही अंदर, मैं इस विचार से बहुत भयभीत हूँ कि मैं इस पागलखाने से केवल मरने के दिन ही निकल पाऊँगी। इसलिए मैं इस बेतुके ब्रह्मांड की दहलीज पर उस अभिनेत्री की तरह इंतजार करती हूं जो एक पागल लेखक द्वारा उसके लिए लिखे गए असंगत पाठ को पढ़ने से इनकार करती है।

मैं अभी अठारह साल का हुआ हूँ। दूतावास ने पुष्टि की है कि वीज़ा के लिए यह एक ज़रूरी शर्त थी। अब मेरी ज़िंदगी कैसी होगी? अब तक तो बार उन दोस्तों से भर गए होंगे जिनसे मैं शायद फिर कभी नहीं मिल पाऊँगा। मेरी ज़िंदगी का एक अध्याय हमेशा के लिए बंद हो रहा है। मुझे समुद्र की ओर जाते हुए देखकर, पोर्न ने अपनी तर्जनी उंगली आसमान की ओर उठाई।

— शुभकामनाएं टॉय, स्वर्ग में मिलते हैं।

— जिस तरह की जिंदगी हमने जी है, उसके हिसाब से तो शायद वो तहखाने में ही होगा, पोर्न।

बोर्डिंग का इंतज़ार करते हुए, मैंने फ़्रांस्वा का सपना देखा। पिछली बार जब मैं यहाँ आई थी, तो उसके साथ आई थी। मैं उसे कभी नहीं भूली। पिछले हफ़्ते जब मैं उसके बारे में ही सोच रही थी, तभी उसने मुझे फ़ोन किया। उसकी आवाज़ पहचानते ही मेरा दिल ज़ोर से धड़कने लगा। हमने काफ़ी देर तक बातें कीं, और खुशियों भरे पलों का वो जुड़ाव फिर से लौट आया, मानो कुछ हुआ ही न हो। उसने अपनी चुप्पी के लिए माफ़ी मांगी, और ईमानदारी से स्वीकार किया कि उसने मुझे भूलने की कोशिश की थी, लेकिन कामयाब नहीं हुआ। मेरे लिए भी बिल्कुल यही बात है; मैं उससे ज़्यादा जवान और सुंदर विदेशियों के साथ सो चुकी हूँ, लेकिन वो अकेला ऐसा इंसान है जिसने मेरे दिल को छुआ है। मैंने उसे बताया कि मैं पेरिस जा रही हूँ। वो बहुत खुश लग रहा था और उसने मुझसे वादा करवाया कि पहुँचते ही मैं उससे मिलूँगी। मैंने वादा किया, मेरा मन सपनों की दुनिया में खोया हुआ था।

दूतावास में, वीज़ा अधिकारी ने बताया कि अब जब मैं कानूनी रूप से वयस्क हो गया हूँ, तो मैं अपने शेंगेन वीज़ा के साथ यूरोप में स्वतंत्र रूप से यात्रा कर सकता हूँ। मैंने जर्मनी के बारे में पूछा, और उन्होंने जवाब दिया कि हाँ, जर्मनी जाना संभव है।

उपसंहार

रोइसी में, बर्फ के टुकड़े रनवे पर गिरते ही पिघल जाते हैं। जब एयरबस ए 340 अपने विशाल धातु के ढांचे को धीरे से रनवे पर उतारती है, तब भी अंधेरा ही होता है।

टर्मिनल 1 पर, हमने अपने सामान के लिए काफी देर तक इंतज़ार किया। इसमें कोई शक नहीं था कि हम निश्चित रूप से रोइसी के पास ही थे। वह मेरे करीब ही बैठी रही, मानो मेरी मौजूदगी उसे इस अनजान दुनिया में, जो उसकी अपनी दुनिया से बहुत दूर थी, सुकून दे रही हो। सूजे हुए चेहरों और धंसी हुई आँखों वाले यात्रियों ने भारी सर्दियों के कपड़े पहन रखे थे, जिससे वे युद्ध के मैदान में निकले तलवारबाजों की टुकड़ी जैसे लग रहे थे, जो युद्ध से पहले अपने कवच को ठीक कर रहे हों। पाले से घिरे इस किले के बीचोंबीच, उसकी दुबली-पतली आकृति अलग ही नज़र आ रही थी: एक सुंदर निर्वासित राजकुमारी।

अब हमारी बातचीत बंद हो गई है। मैं उसकी ज़िंदगी के बारे में एक सबसे अच्छी दोस्त से भी ज़्यादा जानती हूँ। वो कभी-कभी चिंता भरी नज़रों से मेरी तरफ देखती है। आखिर में, वो अपना भारी सूटकेस कसकर पकड़ लेती है। मैं उसे ट्रॉली पर रखने में उसकी मदद करती हूँ। वो मुझे कृतज्ञता भरी मुस्कान देती है, लेकिन उसकी आँखों में मुझे उदासी की एक परत नज़र आती है।

कस्टम जांच पूरी होने के बाद, एक गंभीर चेहरे वाला आईटी विशेषज्ञ उसकी ओर दौड़ता है। साठ वर्ष की आयु के, सफ़ेद बालों वाले, भूरे रंग के हुड वाले कोट, गहरे लाल रंग की टाई और बकल वाले लोफ़र्स पहने हुए, वह किसी थीम पार्क के इबिस होटल में आयोजित कॉर्पोरेट सेमिनार से निकले हुए प्रतीत होते हैं। उनके चारों ओर परिवार मिल रहे हैं और गर्मजोशी से गले मिल रहे हैं।

उस आदमी को ज़रा भी अंदाज़ा नहीं है कि टॉय ने अपने जीवन के बारे में मुझसे इतना कुछ कह दिया है जितना शायद वह कभी जान भी न पाए। वह उसे दोबारा देखकर, उसे गले लगाकर सचमुच खुश लग रहा है। वह बहुत बातें कर रहा है, ज़रूरत से ज़्यादा, और घबराकर ट्रॉली को ऐसे पकड़े हुए है जैसे वह युद्ध का कोई इनाम हो। टॉय उसे जाने देती है, दूरी बनाए रखती है, अपने हाव-भाव में संयमित रहती है: मानो रोइसी के तहखाने में कैद कोई राजकुमारी हो। वे धीरे-धीरे बड़ी लिफ्टों की ओर बढ़ते हैं: वह आगे-आगे चलता है, धातु की ट्रॉली को दृढ़ कदमों से धकेलते हुए, और टॉय हिचकिचाते कदमों से उसके पीछे-पीछे चलती है। मैं इस दृश्य को एक दर्शक की तरह देखता रहता हूँ। जैसे ही वह आदमी ट्रॉली को लिफ्ट के एक कोने में पार्क करता है, टॉय धीरे से बंद होते दरवाजे की ओर मुड़ती है। आधे पल के लिए, हमारी आँखें मिलती हैं, आखिरी बार।

बाहर, सर्दी का प्रकोप चरम पर है। प्यूजो कार किसी ठंडे सूप को पीसने वाले ब्लेंडर की तरह खड़खड़ाती हुई चल रही है। ड्राइवर बड़बड़ा रहा है: उसे कोई भी राजनेता पसंद नहीं है। वह उन्हें अक्षम मानता है, हर समस्या के लिए उन्हें ही जिम्मेदार समझता है, यहाँ तक कि इस अंतहीन सर्दी के लिए भी। भारी बर्फ ए 1 मोटरवे की रेलिंग पर गंदी धारियों के रूप में जमा हो गई है। रेडियो लगातार निराशाजनक खबरें सुना रहा है: हड़तालें, बेरोजगारी, असुरक्षा।

मेरी सुनसान गली हवा से लहरा रही है। बर्फ की एक परत फुटपाथ पर मेरे कदमों की आहट को दबा रही है। बर्फ दुनिया के शव को ढकने वाले ठंडे कफ़न की तरह है। पूरब की ओर, एक उदास दिन निकलने के लिए संघर्ष कर रहा है।

मैंने ताले में चाबी घुमाई, और अपार्टमेंट की बासी हवा के अलावा मेरा स्वागत नहीं हुआ। जैसे ही मैंने अपने बैग प्रवेश द्वार पर रखे, मुझे आखिरकार समझ आया कि उसने मुझे अपने जीवन के बारे में क्यों बताया था। मैं कहानियां सुनाती हूं, इसलिए मुझे उसकी कहानी भी लिखनी चाहिए: टॉय की कहानी, उस खूबसूरत राजकुमारी की कहानी। उसने मुझे यह कहानी बस इसलिए सुनाई थी ताकि उसे भुलाया न जा सके।

मैं कॉफ़ी बनाने के लिए गैस स्टोव जलाती हूँ। एक सुखदायक नींद मुझे रुई जैसी कोमलता से घेर लेती है, मानो सफेद आसमान में फैली हुई हो। मैं अपनी डेस्क पर बैठ जाती हूँ ताकि समय टॉय को मेरी यादों से मिटाने से पहले सब कुछ लिख सकूँ। स्क्रीन पर रोशनी जल उठती है। मैं उसके शब्द टाइप करती हूँ, कुछ भी न भूलने की कोशिश करती हूँ, और जब मुझे लगता है कि मेरे अपने शब्द उसे पसंद आएंगे, या जब वे ज़्यादा सटीक होंगे, तो मैं उन्हें भी लिख देती हूँ।

फ्रांस इंटर ने गंभीर अवसाद की घोषणा की है। कम से कम एक सप्ताह तक ध्रुवीय भंवर रहेगा।

उपन्यास के बारे में अपनी प्रतिक्रिया देने के लिए लेखक से संपर्क करें

fpwatch-poupart@yahoo.fr

sjeet